विश्वभारती

वार्षिक प्रतिवेदन 2019-2020

शान्तिनिकेतन
2020

॥ यत्र विश्वं भवत्येकनीडम् ॥

।। जहाँ विश्व एक नीड़ में निवास करता है।।

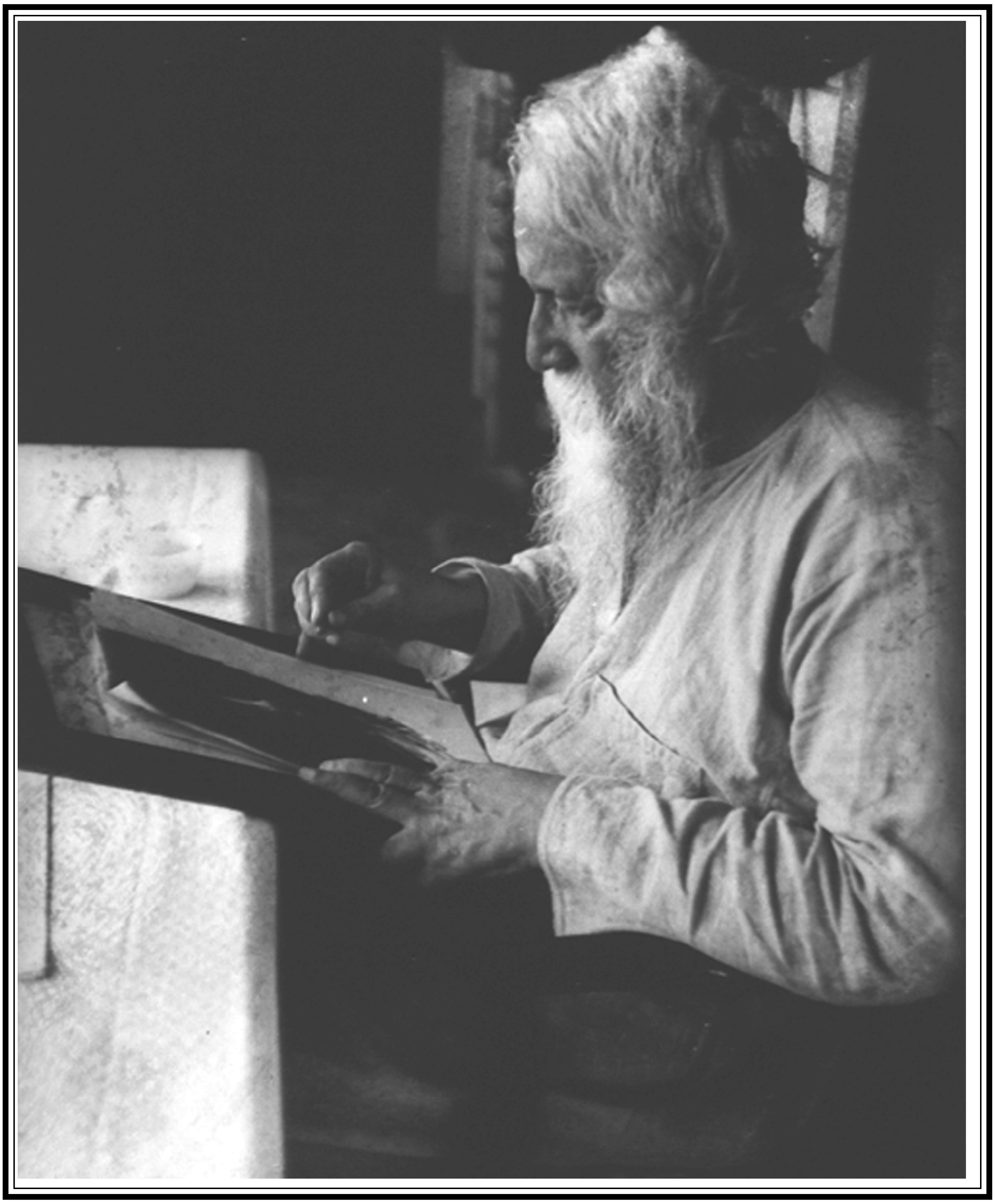

आचार्य
श्री नरेंद्र मोदी
ACHARYA (CHANCELLOR)
SHRI NARENDRA MODI
उपाचार्य
प्रोफेसर विद्युत चक्रवर्ती
UPACHARYA (VICE-CHANCELLOR)
PROF. BIDYUT CHAKRABARTY

विश्वभारती
VISVA-BHARATI
(Established by the Parliament of India under Visva-Bharati Act XXIX of 1951 Vide Notification No. : 40-5/50 G.3 Dt. 14 May, 1951)
संस्थापक
रवीन्द्रनाथ ठाकुर
FOUNDED BY
RABINDRANATH TAGORE

शांतिनिकेतन - 731235
SANTINIKETAN - 731235
जि.बीरभूम, पश्चिम बंगाल, भारत
DIST. BIRBHUM, WEST BENGAL, INDIA
फोन Tel: +91-3463-262 451/261 531
फैक्स Fax: +91-3463-262 672
ई-मेल E-mail : visva-bharati@visva-bharati.ac.in
Website: www.visva-bharati.ac.in

सं./No. वीसी/यू-2/107

दिनांक/Date. 29/09/2020

प्रस्तावना

वार्षिक रिपोर्ट एक निर्दिष्ट शैक्षणिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का दर्पण है। विश्वभारती की वार्षिक रिपोर्ट भी कोई अपवाद नहीं है; इससे पाठकों को विश्वविद्यालय द्वारा अपने मूल वैचारिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अकादमिक तथा अन्य उपलब्धियों से परिचित करवाती है। 1921 में 'यत्र विश्वं भवत्येकनीडम्' को आधार बनाकर, संस्थापक तथा मार्गदर्शक के रूप में गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर का हाथ थामकर विश्वभारती की यात्रा प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के इतिहास के अवलोकन करने से पता चलता है कि गुरुदेव को इस कार्य के लिए कठिनाइयों और असफलताओं का सामना करना पड़ा था। महात्मा गाँधी की पहल और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू (जो विश्वभारती के कुलाधिपति भी थे) के समर्थन से विश्वभारती देश का पहला केन्द्रीय विश्वविद्यालय बन पाया और इसे विश्वभारती अधिनियम, 1951 के तहत 'राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान' की मान्यता प्राप्त हुई। अत: विश्वभारती का विकास दो चरणों में हुआ – पहला चरण (1921-1950), जो मुख्यत: इसके संस्थापक और उन लोगों की देखरेख में हुआ, जो शिक्षा और ज्ञान के प्रसार हेतु एक वैकल्पिक केंद्र के निर्माण के आह्वान से विश्वविद्यालय में शामिल हुए थे और दूसरा चरण तब था जब विश्वविद्यालय शिक्षा मंत्रालय (जो बाद में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के नाम से जाना गया) के समर्थन से कई शिक्षण विभागों के साथ एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ।

विश्वभारती की उपरोक्त विकास-कथा हमारे पाठकों को इन दो ऐतिहासिक चरणों में विश्वभारती की उपलब्धियों का तुलनात्मक मूल्यांकन करने के लिए दी गयी है : प्रथम चरण का एक विशाल भाग औपनिवेशिक भारत में घटित हुआ था जबकि दूसरा चरण स्वतंत्र भारत में विश्वभारती के विकास का प्रमाण है। हमारी रिपोर्ट, जो भारत की संसद में भी प्रस्तुत की जाती है, पूर्व वर्षों में विश्वविद्यालय द्वारा किये गये शैक्षणिक अनुसंधान और अन्य उपलब्धियाँ प्रदर्शित करती है। वर्ष 2019-20

की अकादमिक रिपोर्ट को विश्वभारती के भिन्न विभागों (शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक विभाग) की उपलब्धियों की सूची के अनुसार संरचित किया गया है। यहाँ स्पष्ट रुप से एक रुपरेखा है जो इस विश्वविद्यालय को देश और विदेश में अपने समकक्षों से पृथक् करती है।

मैं यहाँ एक चेतावनी देना चाहूँगा : विश्वभारती केवल एक डिग्री प्रदान करने वाली शैक्षणिक संस्थान नहीं है; यह मानवता और उत्तरदायी नागरिकता उत्पन्न करने वाली मॉडल भी है क्योंकि इसके लोकाचार समाज के सामान्य एवं विशेष रुप से हाशिये के वर्गों के कल्याण हेतु प्रयास करती हैं। इस संबंध में गुरुदेव द्वारा संस्थापित शिक्षा केंद्र उनके मानव मुक्ति हेतु लयबद्ध लक्ष्य से प्रासंगिक प्रचलित सामाजिक-आर्थिक मुद्दों के प्रति प्रभावी वैचारिक प्रतिक्रिया को समाहित करता है।

यह मानने के कारण हैं कि विश्वभारती उन उद्देश्यों को पूरा करने में शायद सफल नहीं हो सकी, जिनके लिए गुरुदेव टैगोर ने प्रतीकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए भी अथक प्रयास किये थे। प्रगति के पथ पर लगातार कठिनाइयों के बाद भी यह मानने के भी कारण हैं कि विश्वभारती फिर से उठ खड़ी होगी। हमें विश्वास है कि विश्वविद्यालय से जुड़े लोगों की कड़ी मेहनत एवं दुनिया भर के शुभ-चिंतकों के समर्थन से, वह दिन दूर नहीं जब विश्वभारती वैश्विक शिक्षा का नेतृत्व करेगी। वह केवल एक शैक्षणिक पूछताछ की जगह बनकर नहीं रहेगी बल्कि शैक्षणिक नवोन्मेषण और प्रेरणादायक अनुसंधान कार्यों का उच्चतम स्रोत बनेगी।

सार्वजनिक डोमेन के लिए वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना एक विशाल कार्य है। मैं अपने सहकर्मियों के प्रति कृतज्ञ हूँ जिन्होंने गुरुदेव टैगोर द्वारा मानवता के लिए नियत किए हुए उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध होकर, इस दस्तावेज़ को तैयार करने के लिए दिन-रात मेहनत की है। यह मेरी अशिष्टता होगी अगर मैं अपने संपादक, प्रो. मलय मुख़र्जी, भूगोल विभाग एवं उनके सक्षम टीम के सदस्यों के योगदान के बारे में न कहूँ, जिन्होंने शिक्षण-शास्त्र और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु विश्वभारती की कठिन यात्रा, एक यात्रा जो 1921 में विश्वविद्यालय के प्रारंभ से शुरु हुई है, से संबंधित कई आवश्यक जानकारियों को सजाने व संगठित करने में सहायता की है। मैं अपने विभागीय सहकर्मियों का भी धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने रिपोर्ट बनाते समय प्रासंगिक जानकारियाँ साझा कीं। इस सहयोगी परियोजना का महत्व तभी बढ़ता है जब हम विचार करते हैं कि 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट, एक बार जारी होने के पश्चात, विश्वभारती की समृद्ध विरासत का एक ऐसा अभिन्न अंग बन जाएगी, जिससे भविष्य में इतिहासकारों को विश्वविद्यालय की भारत और विदेश में अपने लिए बेहतरीन जगह बनाने की यात्रा को बयान करने में सहायता मिलेगी।

प्रोफ़ेसर विद्युत चक्रबर्ती

कुलपति, विश्वभारती

अनुक्रम

अध्याय-1	**1-15**
ब्रह्मचर्याश्रम से विश्वभारती तक	1-3
वर्तमान संस्थागत संरचना	3-4
सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान एवं अन्य गतिविधियाँ	4-6
प्रो. विद्युत चक्रवर्ती द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय एवं विश्वभारती में प्रदत्त व्याख्यान	7-12
उत्सव एवं त्योहार	13-15
वित्त	15
शिक्षण कर्मचारियों की स्थिति	15
प्रशासनिक कर्मचारियों की स्थिति	15
विद्यार्थी संघटन	15
अध्याय-2	**16-521**
भाषा भवन	**16-89**
बांग्ला विभाग	17-23
अंग्रेजी विभाग	24-29
हिन्दी विभाग	30-37
संस्कृत, पालि और प्राकृत विभाग	38-44
ओड़िया विभाग	45-51
अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग	52-55
भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग	56-61
संताली विभाग	62-63
जापानी विभाग (निप्पन भवन)	64-66
चीनी भाषा और संस्कृति विभाग	67-70
मराठी विभाग	71-72
तमिल विभाग	73-74
असमिया विभाग	75
आधुनिक यूरोपीय भाषा केंद्र (सीएमइएलएलसीएस)	76-78
बौद्ध अध्ययन केंद्र	79-81
तुलनात्मक साहित्य केंद्र	82-84

संकटापन्न भाषा केंद्र (सीएफइएल) 85-89
विद्या भवन **90-137**
प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्त्व विभाग 91-95
नृतत्त्व विभाग 96
अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग 97-106
भूगोल विभाग 107-113
इतिहास विभाग 114-119
दर्शन शास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग 120-126
पत्रकारिता और जनसंचार केन्द्र 127-133
स्त्री अध्ययन केन्द्र 134-136
शिक्षाशास्त्र, विद्याभवन 137
शिक्षा भवन **138-250**
भौतिकी विभाग 138-150
रसायन शास्त्र विभाग 151-176
गणित विभाग 177-187
प्राणिविज्ञान विभाग 188-204
वनस्पति विज्ञान विभाग 205-216
सांख्यिकी विभाग 217-220
कम्प्यूटर एवं पद्धति विज्ञान विभाग 221-228
पर्यावरण अध्ययन विभाग 229-236
जैव प्रौद्योगिकी विभाग 237-243
एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र 244-248
गणितीय शिक्षा केन्द्र 249-250
कला भवन **251-283**
डिज़ाइन विभाग 251-261
मूर्तिकला विभाग 262-265
चित्रकला विभाग 266-272
ग्राफिक कला विभाग 273-276
कला इतिहास विभाग 277-281
कला भवन नंदन संग्रहालय 282-283

संगीत भवन **284-305**
रवीन्द्रसंगीत, नृत्य एवं नाटक विभाग 285-296
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग 297-303
रवीन्द्र संगीत गवेषणा केन्द्र 304-305
विनय भवन **306-327**
शिक्षा विभाग 307-317
योग कला एवं विज्ञान विभाग 318-322
शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग 323-327
पल्ली संगठन विभाग (P.S.V.) **328-368**
आजीवन ज्ञानार्जन एवं विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केन्द्र) 329-346
ग्रामीण अध्ययन विभाग (P.C.K.) 347-349
शिल्प सदन विभाग 350-357
समाज कार्य विभाग 358-368
पल्ली शिक्षा भवन (P.S.B.) **369-450**
कृषि अर्थशास्त्र विभाग 372-376
कृषि अभियांत्रिकी विभाग 377-381
कृषि कीट-विज्ञान विभाग 382-389
कृषि विस्तार विभाग 390-394
कृषि सांख्यिकी विभाग 395-398
कृषि विज्ञान विभाग 399-414
पशु विज्ञान विभाग 415
फसल शरीर विज्ञान विभाग 416-418
अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग 419-424
उद्यानिकी एवं कृषि परवर्ती प्रौद्योगिकी विभाग 425-431
पौध पैथोलॉजी विभाग 432-443
मृत्तिका विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग 444-450
कृषि आर्थिक शोध केन्द्र **451-455**
माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक संस्थाएँ **456-470**
पाठ भवन 456-463
शिक्षा सत्र 464-470

अन्य शैक्षणिक केन्द्र **471-521**
राजभाषा प्रकोष्ठ 471-472
रवीन्द्र भवन 473-482
विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क (केन्द्रीय पुस्तकालय) 483-502
ग्रंथन विभाग 503-511
बांग्लादेश भवन 512-515
ए.के. दासगुप्ता योजना एवं विकास केन्द्र 516-517
अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ 518-519
इंदिरा गाँधी केन्द्र 520-521
अध्याय-3 : शैक्षणिक कैलेन्डर / कार्यक्रम **522-525**
अध्याय-4 : विद्यार्थी सांख्यिकी **526-527**
अध्याय-5 : परिसर विकास **528-529**
अध्याय-6 : विश्वविद्यालय वित्त **530**
अध्याय-7 : शारीरिक शिक्षा, खेल और एन.एस.एस. **531-534**
परिशिष्ट क से ङ तक **535-570**
परिशिष्ट-क : भवनाध्यक्ष 535
परिशिष्ट-ख : विभाग / संस्था के प्रधान / निदेशक 536-538
परिशिष्ट-ग : शैक्षिक कर्मचारी 539-559
परिशिष्ट-घ : विश्वभारती संसद (कोर्ट) के सदस्य 560-567
परिशिष्ट-ङ : कर्म समिति के सदस्य 568-569
संपादकीय समिति **570**

अध्याय-1

ब्रह्मचर्याश्रम से विश्वभारती तक : एक छोटे से विद्यालय का एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शिक्षा-केंद्र में रूपांतरित होने का इतिहास

विश्वभारती जो एशिया के पहले नोबेल पुरस्कार विजयी कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर के ऐसे संस्थान के स्वप्न की परिणति का प्रतीक है जहाँ उपनिषद के शिक्षानुसार (जो स्वतंत्र करता है वह शिक्षा है) समग्र शिक्षा उपलब्ध होगा, उसकी शुरुआत अत्यंत साधारण था। सन् 1863 में श्री देबेन्द्रनाथ ठाकुर, कविगुरु के पिता एवं 19वीं शताब्दी बंगाल के पुनर्जागरण के अग्रदूत, ने बीरभूम जिला के शुष्क मिट्टी में 20 रुपए के पूर्व भूमि दर पर 20 बिघा जमीन का उपयोकर्ता अधिकार प्राप्त किया एवं वहाँ शान्तिनिकेतन आश्रम की स्थापना की। सन् 1888 में उन्होंने आश्रम के प्रबंधन के लिए एक न्यास विलेख का निष्पादन कर उसे पूरी तरह ध्यान के उद्देश्य से समर्पित कर दिया। रवीन्द्रनाथ ठाकुर तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था और शिक्षा के माध्यम, जिसे वह यांत्रिक, निष्प्राण व उत्साह विहीन मानते थे, के प्रतिकूल 23 दिसंबर, 1901 में स्वीकृत शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से केवल 5 विद्यार्थियों को लेकर एक विद्यालय की स्थापना की। जनवरी, 1924 के विश्वभारती बूलेटिन के अनुसार :

''... सीमित संख्यक बच्चों के लिए शिक्षा जीवन से कटकर नहीं होगा, जहाँ विद्यार्थी एक बड़े परिवार के सदस्य बनेंगे तथा संस्थान के सभी कार्यों को अपना मानेंगे एवं जहाँ यह सभी आजाद, आपसी विश्वास व खुशी के माहौल में रहेंगे तथा बढ़ेंगे।''

ब्रिटिश राज को बेजोड़ बनाने के लिए ब्रिटिश नेतृत्व द्वारा संवेदन-शून्य क्लर्कों को तैयार करने के बनाए गए शिक्षा व्यवस्था के सचेत प्रत्याख्यान के फलस्वरुप रवीन्द्रनाथ ने एक नई शिक्षा व्यवस्था प्रारंभ किया जहाँ कक्षाएँ खुली हवा में होती थी, जहाँ मानव और प्रकृति एक सामंजस्यपूर्ण संबंध स्थापित कर पाते हैं। 20 वर्ष बाद पैट्रिक गिड्डीज को एक पत्र में वह लिखते है :

''मैंने केवल एक सरल विचार के साथ प्रारंभ किया था कि शिक्षा को कभी भी जीवन से अलग नहीं किया जाना चाहिए।''

रवीन्द्रनाथ ने 'सम्पूर्ण' मानव को पोषण करने वाली समग्र शिक्षा की संकल्पना हमारे प्राचीन भारतीय उपनिषद के ग्रंथों से आत्मसात किया था जिसमें सांसारिक समृद्धि के बंधनों से आत्मा की मुक्ति के संबंध में लिखा हुआ है। उनके साधन सीमित थे परंतु उनके आदर्श अडिग। सन् 1917 तक एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र की अवधारणा धीरे-धीरे आकार लेने लगी थी। यह केंद्र 'विभिन्न संस्कृतियों के समन्वित अध्ययन के लिए' बनाया जाएगा। 23 दिसंबर, 1918 को कवि-शिक्षक द्वारा विश्व-भारती का शिलान्यास किया गया था। अपने संक्षिप्त व्याख्यान में उन्होंने इस संस्थान के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए

कहा था :

"एक विश्वविद्यालय का प्राथमिक लक्ष्य रचनात्मक कार्यों में योगदान करना और ज्ञान प्रदान करना है। मानव को एकत्र करना चाहिए और उन्हें न केवल बौद्धिक अन्वेषण बल्कि महत्वपूर्ण रचना के लिए भी पूर्ण अवसर मिलना चाहिए तथा शिक्षण में इस वसंतमय, सरल व अपरिहार्य संस्कृति का अतिप्रवाह होना चाहिए।"

विश्वभारती का पंजीकरण 16 मई, 1922 में हुआ था। विश्वभारती में विश्व के सभी जगहों से विद्वान आने लगे जिससे यह सही अर्थों में वैश्विक संस्कृति एवं शिक्षा का केंद्र बन गया।

सन् 1924 में ब्रह्मचर्य विद्यालय को विश्वभारती पूर्व विभाग का नाम दिया गया और आगे चलकर सन् 1925 में यह विश्वभारती का पाठभवन बन गया।

सन् 1921 में उन्नत अध्ययन विभाग की स्थापना की गई थी जिसका सन् 1926 में नाम बदलकर विद्या भवन रखा गया।

सन् 1919 से संगीत एवं कला का शिक्षण कला भवन में होता था जिसको सन् 1933 में दो शाखाओं में बांट दिया गया – कला तथा संगीत भवन।

रवीन्द्रनाथ अपने प्रारंभिक वर्षों के दौरान शिलाइदह और शहजादपुर में रहते समय गरीबी और अज्ञानता में डूबे हुए गाँव के जीवन की व्यथा-वेदना को समझ पाए थे। इस वेदनादायक स्थिति का अंत करने के लिए रवीन्द्रनाथ ने व्यावसायिक प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रारंभ किया ताकि गाँव के लोग आत्मनिर्भर बन सके। इसी उद्देश्य से 6फरवरी, 1922 में सुरुल में लेनार्ड एल्महर्स्ट के प्रेरणादायक नेतृत्व से विश्वभारती कृषि एवं ग्राम पुनर्निर्माण विभाग प्रारंभ किया गया। आगे चलकर यह श्रीनिकेतन के नाम से जाना गया। इस संस्थान की स्थापना में निहित आदर्श गाँव के जीवन को संपूर्णता प्रदान करना तथा यहाँ के लोगों को उनके सहजप्रवृत्ति के संबंध में जागरुक करवाना था। सन् 1924 में 'शिक्षा-सत्र' नाम से एक और विद्यालय स्थापित किया गया था जो 1927 में श्रीनिकेतन में सम्मिलित कर लिया गया।

14 अप्रैल, 1937 को गुरुदेव द्वारा चीना भवन का अनुसंधान विभाग के रूप में भारत और चीन के पुराने सांस्कृतिक संबंधों को बुलंद करने के उद्देश्य से उद्घाटन किया गया था। प्रोफेसर तान यूं-शान के अथक उत्साह और प्रयास से विश्वभारती के माध्यम से चीन-भारतीय सांस्कृतिक संगति के लिए संभावना का एक नया द्वार खुल गया। सन् 1994 में निप्पोन भवन की स्थापना से जापानी भाषा तथा संस्कृति के उन्नत उध्ययन को एक नई दिशा मिली। हिंदी भवन का शिलान्यास सी.एफ. एंड्रुज एवं क्षितिमोहन सेन द्वारा किया गया था तथा पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी जी के अथक प्रयास के कारण 31 जनवरी, 1939 को हिंदी भवन का निर्माण संपूर्ण हो पाया।

मई, 1951 में विश्वभारती को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया और इसे 'राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान' माना गया।

अत: जो केवल एक विद्यालय के रुप में शुरु हुआ था, आर्थिक, प्रशासनिक व अन्य अनेक प्रकार की बाधाओं के पार कर एक लंबी राह तय कर वह आज विविध व्यावसायों व विषयों से परिपूर्ण एक आधुनिक विश्वविद्यालय में परिणत हुआ है जहाँ उत्कृष्टता, जीवंतता व प्रयोगात्मकता को निरंतर विकसित किया जाता है। शांतिनिकेतन अर्थात् शांति का निवास तथा श्रीनिकेतन अर्थात् श्री का निवास – यही दो मिलकर विश्वभारती को स्वर्गीय सौंदर्य, शांति एवं शैक्षणिक जीवंतता पूर्ण स्थान बनाती हैं।

वर्तमान संस्थागत संरचना

संविधान के अधिनियम, 1951 के अनुसार विश्वभारती के परिदर्शक भारत के राष्ट्रपति हैं एवं पश्चिम बंगाल के राज्यपाल यहाँ के प्रधानाचार्य हैं। भारत के राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के आचार्य एवं उपाचार्य को नियुक्त करते हैं। संविधान द्वारा बनाया गया 1951 के अधिनियम का संशोधित संस्करण एवं विश्वभारती की मूर्तियाँ ही विश्वविद्यालय की शक्ति एवं कार्य का आधार है। विश्वविद्यालय के मुख्य निर्णायक मंडली हैं – संसद, कर्म समिति, शिक्षा समिति, अर्थ समिति तथा विभिन्न संस्थान के बोर्ड व पाठ समितियाँ।

विश्वविद्यालय में निम्नलिखित संस्थान हैं :

शांतिनिकेतन में

भाषा भवन (भाषा, साहित्य तथा संस्कृति संस्थान)

विद्या भवन (सामाजिक विज्ञान संस्थान)

शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान)

कला भवन (ललित कला संस्थान)

संगीत भवन (संगीत, नृत्य व नाटक संस्थान)

विनय भवन (शिक्षा संस्थान)

रवीन्द्र भवन (टैगोर अध्ययन, संग्रहालय तथा अभिलेखागार संस्थान)

पाठ भवन (प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च्य माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

श्रीनिकेतन में

पल्ली संगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान)

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि विज्ञान संस्थान)

शिक्षा सत्र (प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च्य माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

कोलकाता में

ग्रंथन विभाग (प्रकाशन विभाग)

इसके अलावा, विश्वभारती कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र के कार्यों (विश्वभारती के साथ समन्वित कृषि मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक अनुसंधान केंद्र) एवं कंप्यूटर केंद्र, जो अपने शैक्षिक कार्यों के साथ ही शैक्षिक एवं प्रशासनिक विभागों के लिए भी सेवा केंद्र का कार्य करती है, के कार्य-कलापों का भी मार्गदर्शन करती है।

सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान एवं अन्य गतिविधियाँ

मानविकी, भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान कार्यों तथा कमजोर वर्गों के आवश्यकता-उन्मुख विस्तार कार्यों की उन्नति के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

उपरोक्तानुसार विभिन्न गतिविधियों का एक संक्षेप समीक्षा निम्नलिखित है :

शिक्षा भवन में मूलत: उक्त क्षेत्रों पर अनुसंधान किया जाता है – (i) बिहार के कृषि विकास में गैर-सरकारी एजेंसियों की भूमिका (ii) प्रसंस्करण एवं इनपुट आपूर्ति से संबंधित कृषि वस्तुओं का विपणन (iii) कृषि एवं ग्रामीण विकास में विकेंद्रीकृत योजना (iv) कृषि विकास पर अनुवृत्तियों का प्रभाव (v) सीमांत व छोटे खेतों की आर्थिक वयवहार्यता (vi) प्रगति और इनपुट आपूर्ति पर विशेष ध्यान देते हुए कृषि विपणन (पश्चिम बंगाल)

पल्ली संगठन विभाग ने शांतिनिकेतन और श्रीनिकेतन के आस-पास के गाँवों में कार्योन्मुख कार्यक्रमों से आत्म-सहायता एवं आत्मनिर्भरता के माध्यम से गाँव के जीवन को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है जैसे ब्रती बालक व युवा संगठनों द्वारा किए गए कार्यक्रम, ग्रामीण पुस्तकालय सेवाएँ, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्गों द्वारा बसाए गए क्षेत्रों में शिल्प व प्रशिक्षण आदि।

पल्ली चर्चा केंद्र ने 'ऑपरेशन वर्ग', आई सी ए आर के तहत कृषि उत्पादन एवं कृषि विपणन, आदिवासी समुदायों विशेषकर संथाल समुदाय की भाषायी भ्रष्टाचार व संस्कृति भ्रम के अध्ययन से ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी-विरोधी कार्यक्रमों पर अपना ध्यान केंद्रित किया है।

पल्ली शिक्षा भवन ने जिन परियोजनाओं की शुरुआत किया है, वह हैं – (i) आई सी ए आर एवं यू एस डी ए के तहत खरपतवार नियंत्रण पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान (ii) चावल के खरपतवार नियंत्रण पर नोसिल अनुसंधान (iii) तेल-बीज अनुसंधान योजना (iv) विभन्न फसलों पर नीम के अर्क का प्रभाव (v) फसलों की वृद्धि पर सिंचाई एवं नाइट्रोजेन का प्रभाव, विश्वभारती के प्रायोजन से बड़े पैमाने पर जूट, गन्ना, सरसों की खेती की शुरुआत कर कृषि पूंजी के विकास हेतु कृषि अर्थव्यवस्था। इसके अलावा, पादव संरक्षण विभाग ने (i) एकीकृत हानिकारक कीट प्रबंधन (ii) फसल कटाई के पश्चात विकृति विज्ञान (iii) नेमोटेड पारिस्थितिक आदि जैसे सामाजिक रुप से प्रासंगिक परियोजनाओं को शुरु किया है। राज्य सरकार के सहयोग से एक मृदा परीक्षण प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है ताकि चावल की फसल के उत्पादन के संबंध में बाद की मिट्टी में उपलब्ध मृदा फॉसफोरस व पोटाशियम के आकलन हेतु कुशल मृदा परिक्षण पद्धतियों को विकसित किया जा सके।

सामाजिक कार्य विभाग ने सामाजिक रुप से प्रासंगिक क्षेत्र अध्ययन संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया है जैसे – (i) बीच में विद्यालय छोड़ देने वालों को दोबारा विद्यालय में शामिल करना (ii) स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाओं का उपयोग करना (iii) सहकारी बैंकों द्वारा कृषि और उद्योग में निवेश (iv) सामाजिक रुप से संकट में परिवार (v) ग्रामीण आबादी के अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति समुदाय और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए स्वरोजगार तथा शारीरिक विकलांगों के लिए विशेष परियोजनाएँ। इस विभाग ने आस-पास के गाँवों में अन्य सरकारी एजेंसियों के सहयोग से एक समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम भी प्रारंभ किया।

मानवीकी और सामाजिक विज्ञान संस्थान ने दर्शन शास्त्र, धर्म, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, बंगला, संस्कृत, पाली व प्राकृत, फार्सी, उर्दू, हिंदी, संथाली, उड़िया, तमिल, मराठी, तिब्बती, चीनी, जापानी, रुसी, आदि जैसे भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में अनुसंधान कार्यक्रम प्रारंभ किया है। चीनी भाषा और संस्कृति एवं इंडो-तिब्बती अध्ययन के विभागों में बौद्ध साहित्य और धर्म पर विशेष अध्ययन किए जा रहे हैं। उनके पास प्राचीन पांडुलिपियों की एक समृद्ध भंडार है। उड़िया भाषा के विभाग ने ओडिशा के लोकभाषाओं पर विशेष अध्ययन शुरु किया है। निप्पन भवन अर्थात् जापानी अध्ययन एवं संस्कृति केंद्र को भारत और जापान के बीच विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की ओर जापान के वित्तीय सहायता से पुन: उन्मुख किया गया है।

इसके अलावे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता केंद्र माध्यमिक एवं उच्च-माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय एकता की संस्कृति को पाठ्यक्रम के रुप में लाने हेतु पाठ्यक्रम विकास पर कार्यशालाओं व संगोष्ठियों का आयोजन करती है।

स्नातक व स्नातकोत्तर स्तरों पर कम्प्युटर विज्ञान के नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा भी आगे की पीढ़ियों में कम्प्यूटर संस्कृति को प्रोत्साहित करने हेतु यहाँ एक विशिष्ट कम्प्यूटर केंद्र है जहाँ नियमित रुप

से विश्वभारती के शैक्षिक व प्रशासनिक समुदाय को प्रशिक्षण तथा अभिकलन सुविधाएँ प्रदान की जाती है। अंग्रेजी, वनस्पति विज्ञान, कला भवन, गणित, पल्ली शिक्षा भवन, भौतिक विज्ञान, रवीन्द्र भवन, प्राणी विज्ञान तथा कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र जैसे विभागों में अभिकलन सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

विद्यार्थियों के उन विस्तार गतिविधियों का उल्लेख करना भी उचित होगा जिनका एक विशेष और सामाजिक-आर्थिक महत्व है। यह एनसीसी, एनएसएस, शारीरिक शिक्षा, कार्यों एवं त्योहारों के नियमित कार्यक्रमों के रूप में आयोजित किए जाने थे जिसमें आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों, मूलत: जहाँ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति रहते हैं, में शैक्षिक भ्रमण किया जाता था ताकि वहाँ के लोगों के साथ बातचीत हो सके। इन विस्तार गतिविधियों की मुख्य विशेषताएँ हैं – समाज सेवा, पर्यावरण सुरक्षा, अशिक्षा उन्मूलन, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तथा मादक पदार्थों के लत के खिलाफ अभियान।

उपरोक्त से विश्वविद्यालय द्वारा अपने संस्थापक रवीन्द्रनाथ टेगोर, जो सामाजिक रुप से सामाजिक प्रासंगिक शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से भारत में सामाजिक उत्थान के लिए सर्वथा तत्पर रहे हैं, के सपनों के अनुरुप सामाजिक रुप से प्रासंगिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों का एक व्यापक दृष्टिकोण मिलता है।

प्रो. बिद्युत चक्रबर्ती, कुलपति, विश्वभारती

(दिल्ली विश्वविद्यालय में 4 अक्टूबर, 2019 को व्याख्यान दिया गया था तथा बाद में विश्वविद्यालय व्याख्यान शृंखला के भाग के रूप में विश्वभारती में 30 नवंबर, 2019 को दिया गया)

क्या कौटिल्य आज भी प्रासंगिक हैं?

कौटिल्य के सामाजिक-आर्थिक एवं राजनीतिक विचारों को पर्याप्त विद्वत्व नहीं मिला था क्योंकि उसे केवल राज्य शिल्प तक सीमित कर दिया गया था। यह उन विचारों की उचित व्याख्या नहीं है जिन्हें उन्होंने अपने अर्थशास्त्र में विकसित किए थे, बल्कि उनके विचार राज्य और शासन के कई आधारभूत अवधारणाओं पर आधारित हैं। इनकी अवधारणाओं की विचित्रता यह है कि हमें यह समझने में मदद करती है कि कैसे संकट के समय एक आधुनिक राज्य का विचार व्यक्त किया गया था। उनके विचार राजनैतिक संकट में सत्ता बनाए रखने का एक प्रयास था क्योंकि जब उन्होंने यह लिखा था तब मौर्य साम्राज्य जर्जर हो चुका था। उनके विचारों ने ही भारत में संस्थागत राज्य के लिए एक ठोस आधार बनाया था। कुछ मायनों में उनके अर्थशास्त्र की तुलना थॉमस होब्स की 17वीं शताब्दी की उत्कृष्ट रचना 'लेविथान' से की जा सकती है। अंग्रेजी विचारक, थॉमस होब्स, के लिए 1668 की प्यूरिटन क्रांति एवं 1688 की ग्लोरियस क्रांति से जो परिवर्तनशील ब्रिटिश संदर्भ उथरी थी वही अंतत: इंग्लैंड में संवैधानिक राजशाही लाई। अर्थशास्त्र काफी हद तक लेविथान के समान है क्योंकि वह एक पतनशील शाही अधिकारों की विश्लेषणात्मक अभिव्यक्ति है जो उन परिस्थितियों में भी खुद को आश्वस्त करता है जो एक अनुशासनपूर्ण शासन व प्रशासन के लिए किसी भी प्रकार से अनुकूल नहीं थे।

कौटिल्य अपनी रचना को शुक्र एवं बृहस्पति को समर्पित करते हैं जो शासन कला, विज्ञान के पौराणिक रचनाकार हैं। शुक्र राक्षसों के शिक्षक हैं जिनका लक्ष्यार्थ सम्पूर्ण रूप से नकारात्मक नहीं है। बृहस्पति देवों के शिक्षक हैं। अत; यह समर्पण देवों या राक्षसों को नहीं बल्कि उनके शिक्षकों को किया जाता है।

वह पाठकों को बताते हैं कि उनका संग्रह सभी पुरातन अर्थशास्त्रों की प्रमुख अवधारणाओं को संक्षेप में प्रस्तुत करता है। इसका अर्थ है कौटिल्य के अर्थशास्त्र लिखने से पूर्व ही राजनीति पर कई पाठ लिखे जा चुके हैं एवं शासन कला में आवश्यक क्षमता प्राप्त करने हेतु इन्हें अनिवार्य माना गया है। हालांकि, अर्थशास्त्र लिखे जाने के पश्चात ये पुस्तकें आगे की शताब्दियों में कहीं खो गईं। कौटिल्य के संदर्भ से हम अनुमान लगा सकते हैं कि वे केवल पौराणिक या ऐतिहासिक आख्यान नहीं थे बल्कि उनमें एक सैद्धांतिक चरित्र था।

कौटिल्य के अनुसार एक शासक को चार शास्त्रों का ज्ञान होना आवश्यक है – दर्शन शास्त्र, धर्म शास्त्र, अर्थशास्त्र तथा राजनीति शास्त्र। इन चार शास्त्रों के माध्यम से ही अर्थ और धर्म की प्राप्ति संभव हो

सकती है। उन्होंने दर्शन को अन्य शास्त्रों से पहले रखा है क्योंकि यह शासकों की वास्तविकता को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम बनाती है। दर्शन शास्त्र के महत्व को समझाते हुए अर्थशास्त्र के लेखक तर्क देते हैं कि यह वह माध्यम है जो राजा को युक्तिपूर्ण अनुभूति की कला, आध्यात्मिक-रहस्यमय ज्ञान को पाने की कला तथा मानव मस्तिष्क के कार्य करने की कला को समझने में सहायता करेगी। दर्शनशास्त्र के महत्व को समझते हुए भी कौटिल्य ने अपनी पुस्तक में इस विषय पर अधिक प्रकाश नहीं डाला है। शायद इसलिए कि उन्हें लगता है कि इसके बारे में पहले भी काफी विस्तार से कहा गया है। इनके विचारों का वैचित्र्य उनका श्रमिकों का जाति-आधारित विभाजन को उचित बताना है और इसी के आधार पर शायद अतीत के सामाजिक-आर्थिक संदर्भ में कार्यों का विभाजन किया जाता था। इसके अलावा चार वेदों (साम, ऋग, यजूर व अथर्व) का संदर्भ देते हुए कौटिल्य जाति-आधारित कार्य विभाजन के औचित्य को प्रमाणित करने हेतु इतिहास इतिहासवेद (जिसमें रामायण और महाभारत भी शामिल है) जैसे ग्रंथों की ओर ध्यानाकर्षित करते है।

प्रत्येक जाति के कार्य निर्दिष्ट हैं :

ब्राह्मण धर्म : अध्ययन, अध्यापन, पुरोहिती अनुष्ठान जिसकी पुष्टि अन्य जातियों द्वारा की जाएगी।

क्षत्रिय : सैन्य सेवा और लोगों की सुरक्षा जिसमें राजनीतिक नेतृत्व और शासन कार्य शामिल हैं (जो शिक्षा और उदारता के साथ पूरा किया जाए)

वैश्य : कृषि, व्यापार और शिल्प, शिक्षा और दान के लिए तत्परता में उद्यमी कार्यकलाप।

शूद्र : उपरोक्त तीन उच्च जातियों की अधीनस्थता तथा कृषि, शिल्प, व्यापार और सेवाओं में शारीरिक श्रम।

कैसे शासन की एक कुशल व्यवस्था विकसित की जाए?

यथार्थवादी कौटिल्य के अनुसार (16वीं शताब्दी के इतालवी विचारक, मैकियावेली की भाँति) राजा को अपने राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के प्रति सतर्क रहना चाहिए; इससे वे विपक्षी ताकतों का सरकार के लिए विनाशकारी बनने से पूर्व ही उनका मुकाबला कर पाएंगे। अपना वर्चस्व क्षेत्र के विस्तार के लिए, राजा को उस सिद्धांत द्वारा शासित किया जाना चाहिए जिसमें कहा गया है कि ‘‘प्रशासन राजनीति के विज्ञान का गठन करती है, इसके उद्देश्य के लिए प्राप्त नहीं किए हुए चीजों का अधिग्रहण, प्राप्त चीजों का संरक्षण, संरक्षित चीजों की वृद्धि और योग्य प्राप्तकर्ता को संवर्धित चीजों को प्रदान करना। इसी पर सांसारिक जीवन का व्यवस्थित संरक्षण निर्भर करता है। ‘‘मूल अर्थ यह है कि राजा को अपने राज्य के विकास के लिए अपनी सर्वस्व ऊर्जा समर्पित कर देनी चाहिए। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि अर्थशास्त्र के लेखक के लिए, ठहराव गिरावट का एक कारण है और विकास के अभाव की ओर अग्रसर होने की प्रवृत्ति से सचेत होकर राजा यह भी प्रदर्शित करता है कि वह अपने प्रजा की भलाई के लिए समान

रूप से चिंतित है। यह तभी संभव है जव राजा मन की वैज्ञानिक प्रवृत्ति को पोषण करें; इससे कौटिल्य का अर्थ है नए विचारों को स्वागत करने और यदि वे राजा द्वारा राज्य के लिए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु उपयोगी है तो उन्हें स्वीकारने की क्षमता।

चूँकि वह यह भी मानते हैं कि एक कमजोर और निष्क्रिय राज्य राजनैतिक अराजकता में योगदान देता है (मत्स्य न्याय), उन्होंने राज्य सत्ता के समेकन हेतु तीन मूलभूत अवधारणाओं को विकसित किए हैं – (i) अर्थव्यवस्था को मजबूत क्योंकि यह राज्य की योजनाबद्ध सामाजिक-आर्थिक विकास को प्राप्त करने की क्षमता का आधार है (ii) एक मजबूत राज्य की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है शासक का बलपूर्वक शक्ति को बुद्धिमानी और विवेकशीलता से प्रयोग करना और (iii) शासक और उसके स्वदेशवासियों का अधिकारों को तर्कहीन और मनमाने तरीके से व्यवहार, जिससे राज्य के खिलाफ विद्रोह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, को रोकने की क्षमता।

कठोर व्यवहारवादी कौटिल्य यह भी जानते है कि कुछ शत्रु ऐसे भी होते हैं जो बाहर से नहीं बल्कि राजा के अंतर में ही हैं; उनका नियंत्रण स्वयं राजा को ही करना आवश्यक है; यह है क्रोध, लोभ, अहंकार तथा मूर्खता। इससे यह भी पता चलता है कि लेखक मानव मनोविज्ञान से भली-भांति परिचित हैं; अन्यथा उनके लिए इन संयमित मनोवैज्ञानिक कारकों को पहचानने में मुश्किल होता जो राजा के लिए कमजोरी के स्रोत हो सकते हैं। राजा के लिए टालने लायक अन्य कारक भी हैं जिन्हें कौटिल्य 'निष्क्रिय चरित्र दोष' के रूप में परिभाषित करते हैं; यह हैं – आलस्य, प्रेरणा की कमी, व्यर्थ व्यक्तियों, चीजों व कार्यों पर समय नष्ट करना। बेहतर शास्त्र के लिए राजा को धर्म के प्रति सत्यनिष्ठ और काम-वासना से दूर रहकर राजनीतिक लाभ और आदर्श के बीच संतुलन स्थापित करना होगा।

उनकी यथार्थवादी भावना तब प्रमाणित होती है जब वह राजा को अपने लोगों की भौतिक आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखने की सलाह देते हैं; अन्यथा उनके लिए दूसरों से यह आशा रखना मुश्किल होगा कि वे कानून का पालन करेंगे, नैतिक रूप से सचेत रहेंगे और घर पर भव्यता के साथ रहेंगे। इस सिद्धांत के द्वारा कौटिल्य एक राजनीतिक यथार्थवादी होने के कारण अपने दावे को इस अर्थ में स्थापित करते हैं कि राज्य में शांति के लिए राजा का लोगों के सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयों के प्रति सचेत होना आवश्यक है; अन्यथा राजा शांति बनाए रख पाने में असमर्थ होंगे और अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार अपने सामाजिक-राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने में विफल होंगे।

राज्य का शासन कैसे किया जाए

राज्य पर शासन करने का अर्थ है निर्णय लेना जो पर्याप्त जानकारी की उपलब्धता पर निर्भर करता है। वह तीन प्रकार के ज्ञान को मानते हैं – अपक्व तथा संसाधित जानकारी – जो राज्य के शीर्ष पर निर्णय लेने के आधार हैं :

1. प्रत्यक्ष ज्ञान : वह जानकारी जो शासक द्वारा खुद प्राप्त किया गया है।

2. अप्रत्यक्ष ज्ञान : वह जानकारी जो शासक को किसी और से प्राप्त हुआ है।

3. अनुमान : उपरोक्त ज्ञान के दो रूपों से प्राप्त निष्कर्ष : भविष्य में निर्णय लेने एवं नीति नियोजन को संचालित करना।

कौटिल्य के शब्दों में ''राजा को धन और सम्मान से संतुष्ट रहने वालों का पक्ष लेना चाहिए। राजा को उन्हें संभालना चाहिए जो समझौते, उपहार, तनाव या बल के उपायों से भी संतुष्ट नहीं हैं। इस प्रकार, बुद्धिमान राजा को उन दुश्मनों के गुप्त भड़कावों से बचना चाहिए जो उनके क्षेत्र में ही उन लोगों को जिन्हें बहका सकते हैं और उन लोगों को जिन्हें बहका नहीं सकते हैं, चाहे स्थायी पद वाले हो या आम जनता, निशाना बनाते हैं।'' यहाँ उनकी मुख्य चिंता यह है कि कैसे राजा को सही सलाह देकर सशक्त बनाया जाए। यह भी सामान्य बोध का विषय है कि प्रजा इतनी आसानी से बहकावे में नहीं आती है जब उनकी मूलभूत आवश्यकताएँ पूरी कर दी जाती है; अगर यह अन्यथा है तो परिस्थिति और बिगड़ जाती है।

अच्छे प्रशासन के विचारक के रूप में, वे सप्तांग की अवधारणा को भी विकसित करते हैं जो बहुपक्षीय हित वाली जन-साधारण को संचालित करने के लिए आवश्यक है। आधुनिक सार्वजनिक प्रशासन के शब्दों में, सप्तांग की अवधारणा सात संरचनात्मक तत्त्वों की अभिव्यक्ति है जो इस प्रकार हैं – स्वामी (शासक), अमात्य (मंत्री), जनपद (उस क्षेत्र के लोग / जनता), दूर्ग (किला / राजधानी), कोष (निधि) व दंड (राज्य की अनिवार्य शक्ति – सशस्त्र सेना, गुप्त सेवा तथा पुलिस)

एक उपयुक्त नीति तैयार करने हेतु राजा के पास विभिन्न स्रोतों से जानकारी होना आवश्यक है। अत: उन्हें एक सु-व्यवस्थित गुप्त सेवा बनाये रखने की आवश्यकता है। कौटिल्य चार प्रकार की गुप्त सेवाओं का उल्लेख करते हैं : (i) पेशेवर गुप्तचर (कपटिका), एक वेतनभोगी सिविल सेवक, जो छद्मवेश में खुफिया कार्यों को करता है, वह भी लक्ष्य-आधारित (ii) भटकते हुए योगी (iii) राज्य द्वारा ख़ुफ़िया कार्यों के लिए नियुक्त कृषक, श्रमिक एवं व्यापारी (iv) धार्मिक रीति अनुष्ठान, ज्योतिष शास्त्र एवं मनोचिकित्सा से जुड़े हुए लोग। यह कौटिल्य के कहने पर स्पष्ट होता है कि ''राजा को धन और सम्मान से संतुष्ट रहने वालों का पक्ष लेना चाहिए। राजा को उन्हें संभालना चाहिए जो समझौते, उपहार, तनाव या बल के उपायों से भी संतुष्ट नहीं हैं। इस प्रकार, बुद्धिमान राजा को उन दुश्मनों के गुप्त भड़कावों से बचना चाहिए जो उनके क्षेत्र में ही उन लोगों को जिन्हें बहका सकते हैं और उन लोगों को जिन्हें बहका नहीं सकते हैं, चाहे स्थायी पद वाले हो या आम जनता, निशाना बनाते हैं।'' यह स्पष्ट है कि अर्थशास्त्र शासन-कला के लिए एक सार्थक राजनीतिक ग्रंथ है; यह आंशिक रूप से सत्य भी है क्योंकि तर्क की जटिलताओं को देखते हुए यह आसानी से कहा जा सकता है कि यह पाठ उन विचारकों के लिए एक पथप्रदर्शक है जो यह समझने में अपनी ऊर्जा समर्पित कर देते हैं कि कैसे और किन परिस्थितियों में एक राज्य को सशक्त किया जा सकता

है। उस अर्थ में, अर्थशास्त्र एक दारणात्मक रूप से अग्रणी रचना है।

तो कैसे एक राज्य कार्य करता है और अपनी ताकत बनाए रखता है; इस विषय में कौटिल्य के विचार अत्यंत स्पष्ट है। वे कुछ ऐसे स्त्रोतों से पहचान करवाते हैं जिनसे राज्य अपना निर्वाह करता है और समय आने पर मजबूत बनने की शक्ति भी प्रदान करती है; यह हैं – कर, कानूनों को सख्ती से लागू करने हेतु विधि व्यवस्था, राज्य की सीमा को बाहरी हमलों से बचने हेतु शक्तिशाली व्यवस्था, विदेशी व सैन्य प्रतिष्ठानों की एक सु-प्रशासित व्यवस्था एवं प्रभावी ख़ुफ़िया सेवा विभाग। इन उपकरणों की सहायता से, राज्य में बिना किसी कठिनाई के सत्ता बनी रहेगी। हालाँकि, एक खतरा है जो आज के शासन के समक्ष भी एक बड़ी समस्या है, वह है भ्रष्टाचार की समस्या। कौटिल्य के अनुसार, ''जिस तरह एक बार जीभ की सतह पर शहद या जहर रख देने के पश्चात् स्वाद न लेना संभव नहीं उसी प्रकार राजा के पैसों को सँभालने वालों के लिए उनके पैसों का, अल्प मात्र में ही सही, पर स्वाद न लेना संभव नहीं। जिस तरह पानी में तैरने वाली मछली को पानी पीते हुए नहीं देखा जा सकता है उसी प्रकार राजा के लिए कार्य करने वाले अधिकारीयों को भी पैसे लेते हुए नहीं देखा जा सकता है।'' यहाँ वे स्वीकारते हैं कि भ्रष्टाचार प्रशासन का एक अभिन्न अंग है, या दूसरे शब्दों में कहें तो इसे पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता, इसलिए राजा को भ्रष्टाचार के स्त्रोतों को अर्थपूर्ण रूप से उखाड़ने के उपाय निकलने होंगे। उनके अनुसार गरीबी प्रमुख कारकों में से एक है जो प्रजा को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है। इसलिए इस पर राजा को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए, जैसा कि कौटिल्य कहते हैं, ''प्रजा दरिद्र हो जाने पर लालची हो जाती हैं, लालच के कारण उनमें असंतुष्टि आ जाती है और असंतुष्ट प्रजा या तो शत्रु पक्ष की ओर चली जाती है या फिर खुद शासक का अंत कर देती है। इसलिए राजा को हमेशा लालच और असंतुष्टि जैसे ह्रास के इन कारणों को प्रजा के बीच उत्पन्न होने से रोकना होगा या अगर उत्पन्न हो भी गया तो तुरंत उनका निवारण करना होगा।'' अर्थशास्त्र के लेखक पूछते हैं कि कैसे प्रजा में असंतोष के स्त्रोतों को रोका जाए। उनके अनुसार इसके चार उपाय हैं और वह हैं – (i) समझौता (ii) उपहार (दान) (iii) तनाव (भेद) एवं (iv) बल (दंड)

निष्कर्षमूलक निरीक्षण

उपरोक्त विचारों के एक सतही आकलन से भी पता चलता है कि लेखक उन परिस्थितियों से अवगत है जिसमें राजा को अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए कार्य करना पड़ता है। राजा के व्यक्तिगत गुणों पर ध्यान केन्द्रित करने के अलावा लेखक एक ऐसे राज्य को विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं जो प्राकृतिक आपदा के कारण उत्पन्न या वास्तविक शिकायतों के आधार पर अथवा राजा को असमंजस्य में डालने के लिए जानबूझकर किये गए राजनीतिक संघर्ष जैसे अप्रत्याशित स्थितियों से निपटने में सक्षम हो। कौटिल्य का राज्य एक देशभक्त राज्य है जहाँ राज्य की नौकरशाही अपनी प्रारंभिक अवस्था में है। इसलिए यह आश्चर्य का विषय नहीं है कि मैक्स वेबर कौटिल्य के अनुवंशिक राज्य, जो नौकरशाही द्वारा समर्थित हो, के कुछ अवधारणाओं को (हालाँकि एक रूढ़िवादी रूप में) रखने हेतु प्रशंसा करते हैं और वह भी जर्मन

समाजशास्त्रियों के इस विषय पर उनके विचारों संहिताकृत करने से बहुत पहले।

वेबर का अनुवंशिक अधिकार सन्दर्भ कौटिल्य के राजा की अवधारणा से ही लिया गया है। अनुवंशिक अधिकार एक (विस्तारित) परिवार के अनुवंशिक वर्चस्व को एक जनजाति के समान राजनीतिक समुदाय पर शासन में परिवर्तित कर देता है जिससे अंतत: एक राज्य जैसी अस्तित्व विकसित होती है। यहाँ वर्चस्व के दो तत्वों पर जोर दिया गया है : (i) परंपरा की शक्ति एवं (ii) स्वामी, शासक अथवा राजा, के प्रति स्वामिभक्ति और निष्ठा। नियमानुसार, वेबर कहते हैं कि ''राजनैतिक अनुवंशिक शासक रूढ़िवादी समुदाय के माध्यम से शासित के साथ जुड़ा हुआ है, जो उनके उस स्वतंत्र सैन्य बल के अलावा भी मौजूद है जिसमें यह विश्वास निहित है कि शासक की शक्तियाँ अभी तक वैध तथा पारंपरिक है।'' राजा का प्रशासन अनुवंशिक (राजा के प्रति निष्ठ व्यक्ति) एवं सत्तावादी (विनियमित नौकरशाही) होती है। इसलिए कौटिल्य का अर्थशास्त्र बिना किसी तर्क के ही ''एक निरंकुश-राजशाही'' शासन को का सर्वोच्च रूप मानते हैं जो संभवत: प्राचीन भारत के शासन का रूप था। अत: अर्थशास्त्र एक प्रासंगिक प्रतिक्रिया है और अपने युग के अनुसार वह उस समय के शासन और प्रशासन के मापदंडों से परे सोचने में असमर्थ है। परन्तु इससे लेखक द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों में राज्य सत्ता बनाए रखने की पद्धति को समझाने में किये गए महत्वपूर्ण योगदान क्षीण नहीं हो सकता है। जैसा कि हम इतिहास में देख चुके हैं, 17वीं शताब्दी के इंग्लैण्ड या 17वीं शताब्दी के इटली की तरह, प्राचीन भारत के इतिहास में भी एक समय शासन सम्बंधित गंभीर समस्या उत्पन्न हुई थी और तब अधिकांश शासकों के पास वैधता भी नहीं थी कि वे एक वैध सत्ता के रूप में शासन कर पाएँ। ऐसी परिस्थितियों में, कौटिल्य ने एक मजबूत और वैध राज्य प्राधिकरण की सत्ता की स्थापना हेतु अपना यह ग्रंथ लिखा था। इस अर्थ में, अर्थशास्त्र को 'शक्ति संचय, शक्ति वितरण एवं शक्ति संरक्षण का एक राजनीतिक व्याकरण' कहा जा सकता है।

उत्सव एवं त्योहार

विश्वभारती के त्योहार एवं उत्सव अद्वितीय हैं तथा विश्वविद्यालय समुदाय के सदस्यों की जीवन-शैली को काफी हद तक प्रभावित किया है। इन अवसरों पर सम्पूर्ण समुदाय एक पारंपरिक आश्रम जीवन का अनुभव करने तथा मंदिर, छातिमतला व आम्रकुंज में वैदिक भजन एवं रवीन्द्रसंगीत गाने प्रकृति के विस्तृत, खुले सौन्दर्य में एकत्रित होते हैं।

शान्तिनिकेतन कर्मी मंडली ने वर्ष 2019-2020 के दौरान विश्वविद्यालय के निम्नलिखित त्योहारों व उत्सवों का आयोजन किया है :

1. 30 चैत्र, 1425 (14 अप्रैल, 2019) को बंगला वर्ष समाप्त होने के अवसर पर 'वर्ष शेष'।
2. 1 वैशाख, 1426 (15 अप्रैल, 2019) को बंगला नव वर्ष।
3. 22 श्रावण, 1426 (8 अगस्त, 2019) को गुरुदेव स्मरण, गुरुदेव की पुण्यतिथि के अवसर पर वृक्षरोपण किया गया।
4. 23 श्रावण, 1426 (9 अगस्त, 2019) को श्रीनिकेतन में हलकर्षण उत्सव मनाया गया।
5. 23 श्रावण, 1426 से 30 श्रावण, 1426 (9-16 अगस्त, 2019) तक रवीन्द्र सप्ताह मनाया गया। श्रीनिकेतन और शांतिनिकेतन में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर के विभिन्न आयामों से संबंधित व्याख्यानों का आयोजन किया गया था।
6. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वभारती और बर्द्धमान विश्वविद्यालय के सदस्यों के बीच मैत्रीपूर्ण फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।
7. 31 भाद्र, 1426 (18 सितम्बर, 2019) को शिल्प सदन, श्रीनिकेतन में शिल्पोत्सव का आयोजन किया गया।
8. 28 भाद्र, 1426 (15 सितम्बर, 2019) से 09 आश्विन, 1426 (27 सितम्बर, 2019) तक शारोदोत्सव मनाया गया जहाँ विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों के छात्रों द्वारा नाटक का आयोजन किया गया।
9. 28 सितम्बर, 2019 को छात्रों द्वारा पारंपरिक उत्सवों सहित एक विशेष उत्सव, आनंद बाज़ार, का आयोजन किया गया।
10. 09 कार्तिक, 1426 (27 अक्टूबर, 2019) को दीपावली मनाया गया।
11. 16 अग्रहायण, 1426 (03 दिसम्बर, 2019) को गौर प्रांगण में 'कीर्तन' गान।
12. 30 एवं 01 पौष, 1426 (17-18 दिसंबर, 2019) को लिपिका सभागार में 'शास्त्रीय संगीत संध्या'।

13. 02 पौष, 1426 (19 दिसंबर, 2019) को दिनेंद्र जन्मोत्सव मनाया गया।

14. 06 पौष, 1426 से 09 पौष, 1426 (23-26 दिसंबर, 2019) तक छातिमतला में 'पौषोत्सव', जिसे पौष मेला के नाम से भी जाना जाता है, मनाया गया। यह एक चार दिवसीय उत्सव है जहाँ कई सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी एवं अन्य मनोरंजन का आयोजन किया गया।

15. 06 माघ, 1426 (21 जनवरी, 2020) को महर्षि देवेन्द्रनाथ ठाकुर के पुण्यतिथि पर 'महर्षि स्मरण' मनाया गया।

16. 23 माघ से 25 माघ, 1426 तक (06-08 फरवरी, 2020) श्रीनिकेतन का वर्षगाँठ मनाया गया। एक तीन दिवसीय उत्सव, जिसे माघ मेला भी कहा जाता है, जहाँ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, पटाखे एवं अन्य मनोरंजनों का आयोजन किया गया।

दीक्षांत समारोह, 2019

11 नवम्बर, 2019 को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महामहिम श्री रामनाथ कोविंद, भारत के माननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती के कुलाध्यक्ष, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। डिग्री प्राप्त कर्ताओं कि कुल संख्या 4724 रहा जिसमें 1993 को स्नातक डिग्री, 2180 को स्नातकोत्तर डिग्री, 156 को एम.फिल डिग्री, 376 को पीएचडी डिग्री तथा 19 के शर्टिफिकेट कोर्स मिला।

अन्य उत्सव एवं त्योहरें

15 अगस्त, 2019	स्वतंत्रता दिवस
02 अक्टूबर, 2019	गाँधी जन्म जयंती
25 दिसंबर, 2019	ख्रीस्टोत्सव
23 जनवरी, 2020	नेताजी जयंती
25 जनवरी, 2020	माघोत्सव
26 जनवरी, 2020	गणतंत्र दिवस
12 फरवरी, 2020	दीनबंधु जन्मोत्सव
10 मार्च, 2020	गांधी पुण्यतिथि

ऐसे संकटमय समय में सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में, कर्मी मंडली ने विश्वविद्यालय प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन के सक्रीय समर्थन से कोविड-19 महामारी के कारण हुए लॉकडाउन के दौरान आसपास के 80 गाँवों / क्षेत्रों में राहत अभियान का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न हितधारकों के दान के माध्यम से एकत्रित किया गया रु. 14,09,220/- की वित्तीय सहायता से 15812 परिवारों को आवश्यक खाद्य सामग्री प्रदान किया गया है।

वित्त

विश्वविद्यालय दैनिक खर्चों के लिए सम्पूर्ण रूप से यू.जी.सी. के अनुदान पर निर्भर है जिसका एक प्रमुख भाग शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों पर वेतन, आदि के रूप में प्रयोग होता है। यू.जी.सी. से प्राप्त अनुरक्षण अनुदान रु. 318,66.44 लाख है जबकि वास्तविक व्यय रु. 1045.24 लाख के आंतरिक उत्पादन सहित रु. 336,77.38 लाख के बराबर है।

31 मार्च, 2020 तक शिक्षण कर्मचारियों की स्थिति :

पद	कुल
प्राध्यापक	151
सह प्राध्यापक	74
सहायक प्राध्यापक	234
सहायक व्याख्याता एवं समकक्ष	128
विद्यालयों के प्रधानाचार्य	2
कुल	**589**

31 मार्च, 2020 तक प्रशासनिक कर्मचारियों की स्थिति :

पद	कुल
समूह-'ए'	56
समूह-'बी'	196
समूह-'सी'	255
समूह-'डी'	169
कुल	**676**

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थी संघटन :

विश्वविद्यालय के छात्रों की कुल संख्या – 8504

पाठभवन व शिक्षासत्र के कुल विद्यार्थियों की संख्या - 2099

अध्याय-2

भाषाभवन

(भाषा, साहित्य और संस्कृति संस्थान)

भाषाभवन (भाषा, साहित्य और संस्कृति संस्थान) की स्थापना विभिन्न भाषा विभागों में समन्वय को आगे बढ़ाने के लिए 2010 में हुई। भाषाभवन के अंतर्गत हिंदी और दूसरे भारतीय भाषा विभाग जैसे संस्कृत, ओड़िया, बांग्ला, मराठी, अंग्रेजी तथा विदेशी भाषा विभाग जैसे चीनी, जापानी, भारत-तिब्बती, अरबी और फारसी हैं। 2014 में भाषाभवन एक नये स्वतंत्र भवन में स्थापित हुआ जिसमें भाषा प्रयोगशाला एवं अन्य सुविधाओं का भी प्रावधान है। इन सभी विभागों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर नियमित पाठ्यक्रम एवं एम.फिल. और पीएच.डी के स्तर पर शोधकार्य का प्रावधान है। सर्टिफिकेट और डिप्लोमा स्तर पर भाषा-शिक्षण का कार्य भी किया जाता है।

भाषाभवन में विदेशी विद्यार्थियों के लिए भाषा, साहित्य और संस्कृति विषयक एक वर्षीय संयुक्त आकस्मिक पाठ्यक्रम का भी प्रावधान है। संस्कृत विभाग के पांडुलिपि विज्ञान में छह महीने के पाठ्यक्रम का प्रावधान है। भाषाभवन के अंतर्गत संस्कृत, बांग्ला, ओड़िया, तिब्बती, अरबी और फारसी विभागों में महत्वपूर्ण पांडुलिपि भी विद्यमान हैं जिन्हें अच्छी प्रकार संरक्षित किया गया है। चीन भवन और हिंदी भवन में विभागीय पुस्तकालय हैं जिनमें क्रमश: 45,000 और 35,000 पुस्तकें हैं। अतिथि अध्यापक एवं विदेशी विद्वान भी भाषाभवन के विभागों में आ कर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। चीन भवन में युन्नान विश्वविद्यालय के साथ छात्रों के आदान-प्रदान का कार्यक्रम संचालित किया जाता है। भाषाभवन में शिक्षा और उच्च मूल्यों के आधार पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर के महान विचारों को प्रतिपादित करने के लिए राष्ट्रीय एकत्मकता और विश्वबंधुत्व के विचारों को आगे बढ़ाने का प्रयास होता है।

बांग्ला विभाग

जबसे (1951) विश्वभारती की शुरुआत हुई तब से बांग्ला विभाग बांग्ला में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम की शिक्षा देता है। तब से ही विभाग एम.फिल और पीएच.डी. स्तर पर शोधकार्य का संचालन करता है। विभाग में एक वर्षीय प्रमाण पत्र और दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम की भी शिक्षा दी जाती है।

यूजीसी नेट / स्लेट उत्तीर्ण प्रतिभागी

1. शिवनात दत्त	यूजीसी नेट
2. रज्जक अंसारी	”
3. दीप मंडल	”
4. मिताली विश्वास	”
5. सुजीत मंडल	”
6. हेमंत पाल	”

विभागीय गतिविधि :

27.07.2019 : प्रो. रबीन पाल ने ‘इतिहास और साहित्य विषयक’ संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

18.08.2019 : प्रो. महुआ मुखोपाध्याय और डा. सुमन भट्टाचार्य ने ‘बांग्लार नाच बांग्लार गान’ विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिए।

27.11.2019 : प्रो. सुनीति कुमार पाठक ने ‘रवीन्द्रनाथ स्मृति व्याख्यानमाला में भाषण दिए।

25.02.2020 : सोमनाथ चक्रवर्ती और डा. सर्वानंद चौधुरी ने ‘बाउल गान और बाउल दर्शन’ पर पश्चिमबंग बाउल अकादमी द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान दिए।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी में भागीदारी

मृणालकांति मंडल

16.11.2019 : बंगीय साहित्य और संस्कृति समिति, शांतिनिकेतन शाखा द्वारा बांग्लादेश भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की। विस्तार गतिविधि : सदस्य, वर्द्धमान विश्वविद्यालय की पाठ समिति। सदस्य, पाठसमिति स्नातकोत्तर अध्ययन, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम।

अमल कुमार पाल

16.11.2019 : टूरिज्म विभाग, प. बंगाल सरकार एवं टूरिज्म मंत्रालय, नयी दिल्ली में संयुक्त तत्त्वावधान में विश्वभारती में आयोजित ‘रोडमैप फार द डेवलपमेंट आफ रुरल टूरिज्म इन एंड एराउंड वीरभूम शीर्षक

सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

19.11.2019 : चंडीदास महाविद्यालय, खुजुटीपाड़ा के बांग्ला विभाग में 'बांग्ला छंद की रीति' पर व्याख्यान दिया।

सुदीप बसु

08.05.2019 : अंकारा भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित और आइ सी सी आर द्वारा समर्थित 'रवीन्द्रनाथ टैगोर : द वर्सटाइल जीनियस' शीर्षक व्याख्यान दिया। अंकारा टर्की।

09.05.2019 : आइ सी सी आर, भारत सरकार द्वारा समर्थित, इस्तांबुल विश्वविद्यालय में 'रवीन्द्रनाथ टैगोर : द सिंगर एंड कंपोजर' शीर्षक व्याख्यान दिया।

09.05.2019 : के.ओ.सी. विश्वविद्यालय, टर्की में आइ सी सी आर, भारत सरकार द्वारा समर्थित 'रवीन्द्रनाथ ठाकुर की चित्रकला और रेखांकन' पर व्याख्यान दिया।

17.06.2019-22.06.2019 : केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा आयोजित कार्यशाला 'हिंदी-बांग्ला प्रारंभिक कोश' में भाग लिया।

05.08.2019-10.08.2019 : केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा आयोजित द्वितीय कार्यशाला 'हिंदी-बांग्ला प्रारंभिक कोश में भाग लिया।

15.11.2019-20.11.2019 : केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा आयोजित तृतीय कार्यशाला 'हिंदी-बांग्ला प्रारंभिक कोश में भाग लिया।

27.02.2020 : टैगोर राष्ट्रीय सांस्कृतिक शोध, संस्कृति मंत्रालय के राष्ट्रीय चयन समिति की बैठक में भाग लिया।

16.03.2020-21.03.2020 : केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा आयोजित चतुर्थ कार्यशाला 'हिंदी-बांग्ला प्रारंभिक कोश' में भाग लिया।

विस्तार गतिविधि :

निदेशक (कार्यवाहक), इंदिरा गांधी केंद्र, विश्वभारती, 16.03.2019 से 02.01.2020.

अपर्णा राय

05.06.2019 : शरत समिति, कोलकाता द्वारा आयोजित सुबोध चंद्र सेनगुप्त स्मृति व्याख्यान 'शरत-साहित्ये वैष्णव नारी' शीर्षक व्याख्यान दिया।

31.08.2019 : सेंट जेवियर्स कालेज, कोलकाता में 'चैतन्य संस्कृति और मध्ययुगीन बांग्ला साहित्य' विषयक व्याख्यान दिया।

अभ्र बसु

28.09.2019 ; साधारण ब्रह्मसमाज, कोलकाता में आमंत्रित व्याख्यान दिया / शीर्षक : 'विद्यासागर एवं उनका समकालीन स्वीकरण'

05.12.2019 : निस्तारीणी महिला महाविद्यालय, पुरुलिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विद्यासागर और भावी पीढ़ी' शीर्षक व्याख्यान दिया।

विस्तार गतिविधि :

वाह्य विशेषज्ञ, पाठसमिति, बांग्ला विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय

सुमिता भट्टाचार्य

31.03.2019-02.04.2019 : बांग्लादेश भवन, विश्वभारती में बंगीय साहित्य-संस्कृति संसद, ढाका द्वारा आयोजित 'रवीन्द्र सान्निध्य में शांता देवी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।

06.03.2020 : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित 'महिला सशक्तिकरण' विषय पर विश्वभारती में प्रेस सूचना ब्यूरो, कोलकाता के संयोजन में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया और 'टैगोर और महिला सशक्तिकरण' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

मानवेन्द्रनाथ साहा

30.06.2019 : बांग्ला विभाग, चट्टग्राम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'काजी नजरुल इस्लाम और चलचित्र' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

मानवेन्द्र मुखोपाध्याय

24.10.2019 : बेजिंग विदेशी अध्ययन विश्वविद्यालय, चीन में आमंत्रित व्याख्यान दिया। विषय : बंगाली संस्कृति और भाग्य से उसकी टकराहट' (वहाँ दो विशेष कक्षाएँ ली)।

25.10.2019 : आमंत्रित फेलो के रुप में स्कूल आव क्रॉस कल्चर एंड वर्ल्ड लिटरेचर, तियानजिन नारमल विश्वविद्यालय, बेजिंग, चीन में 'टैगोर और आज' विषय पर व्याख्यान दिया।

30.09.2019 : आमंत्रित फेलो के रुप में स्कूल आव क्रॉस कल्चर एंड वर्ल्ड लिटरेचर, तियानजिन नारमल विश्वविद्यालय, बेजिंग, चीन में 'टैगोर और आज' विषय पर दूसरा व्याख्यान दिया।

21.01.2020 : संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विद्यासागर : चिंतार काठामो' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

05.03.2020 : उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, जलपाइगुड़ी कैंपस द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साहित्य और सिद्धांत' विषय पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

विस्तार गतिविधि :

बांग्लादेश भवन, विश्वभारती का मुख्य संयोजक।

निर्मल कुमार मंडल

26.09.2019 : दुर्गापुर सरकारी महाविद्यालय में 'विद्यासागर का विधवाविवाह आंदोलन' विषय पर एक परिपत्र प्रस्तुत किया।

रीता मोदक

18.04.2019 : बांग्ला विभाग, विधानचंद्र महाविद्यालय, आसनसोल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्वाधीनता उत्तर बांग्ला उपन्यास में मध्यवित्त संकट' विषय पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

10.03.2020 : रोटरी क्लब, बोलपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'एकुसेर मेयेरा' शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अतनु सासमल

25.10.2019 : माइकल मधुसूदन मेमोरियल महाविद्यालय, दुर्गापुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उन्नीसवीं सदी की महिला साहित्यकारों के उपन्यासों में आत्मानुसंधान' विषय पर व्याख्यान दिया।

28.11.2019-29.11.2019 : कांदड़ा राधाकांत कुंडु महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विधवा विवाह विषये विद्यासागर ओ एक अनाम व्यक्तित्व' पर व्याख्यान दिया।

23.02.2020 : अरबी, फारसी, उर्दू एवं इस्लामी अध्ययन विभाग मराठी विभाग तथा राजभाषा प्रकोष्ठ, विश्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अकादमी सत्र' VII में अध्यक्षता की।

23.02.2020 : अरबी, फारसी, उर्दू एवं इस्लामी अध्ययन विभाग, मराठी विभाग तथा राजभाषा प्रकोष्ठ, विश्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एक संगे, एक दिके, आगामी दिने : बांग्ला भाषा निये' विषय पर व्याख्यान दिया।

श्रीला बसु

10.06.2019 : टैगोर सेंटर, यू.के. लंदन में 'टैगोर की इरान-इराक यात्रा : एक नया सूर्योदय' विषय पर व्याख्यान दिया।

19.06.2019 : वोलफसान लेक्चर थियेटर, सोआस, लंदन विश्वविद्यालय, यू.के. 'बंगाल मंदिर टेराकोटा पर यूरोपीय प्रभाव' विषय पर व्याख्यान दिया।

18.08.2019 : इंदिरा सेंटर, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में 'इंगलैंड में बंगाल शिल्प चर्चा का अनुभव' विषय पर व्याख्यान दिया।

विश्वजीत राय

23.06.2019 : एशियाटिक सोसाइटी और विद्यासागर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ईश्वरचंद्र विद्यासागर, देशी भाषाओं की पहचान' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

21.09.2019 : भवानीपुर एडुकेशन सोसाइटी कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ईश्वरचंद्र विद्यासागर की भाषा नीति' विषय पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

20.02.2020 : उलूबेड़िया कॉलेज हावड़ा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिलिंकिग प्री-कोलोनियल एज ए डिसकर्सिव केटेगरी' विषय पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

मिलन कांति विश्वास

23.09.2019-24.09.2020 : कवि जयदेव महाविद्यालय, इलमबाजार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जयदेव ओ वैष्णव पदावली शीर्षक व्याख्यान दिया।

26.09.2019 : दुर्गापुर शासकीय महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समाज संस्कारक विद्यासागर' विषय पर व्याख्यान दिया।

विस्तार गतिविधि

सेमिनार पुस्तकालय के प्रभारी / विभागीय नाक समिति का सदस्य

पायल मुखर्जी

20.02.2020-23.02.2020 : अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'टुगेदर टुवाड्र्स टुमोरो' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

20.02.2020 : अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समाज बदलेर स्वप्न ओ बादल सरकारेर वर्ड थियेटर' विषय पर व्याख्यान दिया।

31.03.2019-02.04.2019 : बंगीय समिति, शांतिनिकेतन और बंगीय समिति, ढाका द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बांगालीर थियेटर : आत्मपरिचयेर साधना विषय पर व्याख्यान दिया।

पेशागत विकास कार्यक्रम :

'पारंगत' पाठ्यक्रम पूरा किया / राजभाषा हिंदी, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नयी दिल्ली।

15.11.2019-21.11.2019 : ओपेन सोर्स सोफ्टवेयर आनलाइन रिपोर्ट सिस्टम पर पाठ्यक्रम पूरा किया / यू.जी.सी., एच.आर.डी.सी., वर्द्धमान वि.वि.

प्रकाशन :

पुस्तकें

मृणाल सेन : चलचित्र संधाने, मानवेंद्रनाथ साहा, कोलकाता, परंपरा, जनवरी 2020, ISBN 9788-194-3875.03

चलचित्रे आख्यानेर रुपांतर, मानवेंद्र साहा, कोलकाता, परंपरा, जनवरी, 2020 ISBN 978-93-88341-42-4

गुनमय मान्ना उपन्यास समग्र, संपा. मानवेंद्र मुखोपाध्याय, कोलकाता, एवं मुशायरा, अप्रैल 2019, ISBN 978-81-940171-2-7

मालती पुथिर एकचल्लीस पृष्ठा ओ अन्यान्य, पशुपति शासमल, अतनु शासमल (संपा.) कोलकाता-09, सप्तर्षि प्रकाशन, अक्टूवर 2019, ISBN : 9789387158931

बांग्ला गद्य विकासेर धाराय स्वामी विवेकानंदेर गद्य रचना : नाना प्रसंग, विश्वजीत राय, कोलकाता, प.बंगाल राज्य पुस्तक बोर्ड, जुलाइ 2019, ISBN 978-81-247-0790-6

संपर्केर एक ओ नाना, विश्वजीत राय, हुगली, सिसृक्षा, दिसंबर 2019, ISBN : 978-81-942751-6-9

योगायोग, विश्वजीत राय, कोलकाता, प.बंगाल स्टेट बुक बोर्ड, जन 2020, ISBN : 978-81-247-0750-0

पत्र-पत्रिकाओं में आलेख्र / पुस्तकों में अध्याय :

"जातीयतावादी बंकिमचंद्र ओ दुइ जातीयतावादी ऐतिहासिक", सुदीप बसु, स्वस्तिका पूजा संख्या, 1426 B.S.

"चलो जाइ बोरीसाल : अमिय चक्रवर्ती", सुमिता भट्टाचार्य, 'अरकेस्ट्रा', बहरमपुर, प. बंगाल।

"नट सम्राट डा. श्रीराम लागू", मानवेन्द्रनाथ साहा, मासिक छत्रिवास, फरवरी 2020, कोलकाता-2

"भारतीय चलचित्रे दांगार रुपायण", मानवेन्द्रनाथ साहा, मासिक कृत्तिवास, मार्च 2020, कोलकाता-2

"आख्यानेर चलचित्रायण : रमापद चौधुरीर उपन्यास, मानवेन्द्रनाथ साहा, आख्यानेर चलचित्रायण, संपा. सैफुल अहमद, कोलकाता, उड़ालकथा, जनवरी 2020, pp. 201-209, ISBN : 978-93-87003-2-8

कमलकुमारेर कथासाहित्य ओ दुइ-चारटि गल्पो, मानवेन्द्र मुखोपाध्याय, प्रसंग : कमल कुमार, संपा. सैफुल अहमद, कोलकाता, ISBN : 978-93-83200-71-2

"प्रबुद्ध अश्रकुमार", मानवेन्द्र मुखोपाध्याय, एवं मुशायरा, कोलकाता, अप्रैल-जून 2019, pp 65-69, ISSN : 0976-9307

"रवीन्द्रनाथ ओ उत्तरा" श्रीला बसु, सुमिताक्षर, सम्पा. आलोक चक्रवर्ती, आशादीप, कोलकाता, नवंबर 2019, ISBN 978-88868-29-7

"भाषा विवेचने विद्यासागर" विश्वजीत राय, ईश्वरचंद्र विद्यासागर : व्यक्ति ओ व्यक्तित्व, संपा. अर्पण नाग, कोलकाता, अक्षरप्रकाशणी, जनवरी 2020, pp 310-318 ISBN : 978-93-83161-12-6.

"रूरोता मायोतरी नामांतर", विश्वजीत राय, अशोक मित्र : स्मृति ओ कला, संपा. प्रणव विश्वास, कोलकाता, अनुष्टुप, अगस्त 2019, pp. 187-198, ISBN : 978-93-88123-14-3

"Rabindranath and his times", विश्वजीत राय, कैंब्रीज कंपेनियन टू रवीन्द्रनाथ टैगोर, संपा. सुकांत चौधुरी, कैंब्रीज युनीवर्सिटी प्रेस, जन 2020, pp. 27-48, ISBN : 978110849942

"अश्रु कुमारेर साहित्यप्रीति", विश्वजीत राय, परिचय, जुलाइ०अक्टूबर 2019, pp. 87-91, ISSN : 2321-9367.

"रवीन्द्र साहित्ये समन्वय भावना : प्रेक्षित बाउल गान", मिलन कांति विश्वास, समन्वय साधन : प्रेक्षित लोकसंस्कृति, संपा. अब्दुल रहीम गाजी, कोलकाता-09, बंगीय साहित्य संसद, जुलाइ 2019, pp. 361-373, ISBN : 978-93-899-88-16-2

"सुंदरवन अंचलेर लोकायत वृत्तिकेंद्रिक लोकसंस्कृति", मिलनकांति विश्वास, संपा. भोलानाथ मंडल, नयी दिल्ली, 2019, pp-779-786 ISBN : 978-93-88879-26-2

"जाल : लौकिक जीवन ओ साहित्य" मिलनकांति विश्वास, अभियात्री, संपा. अचिंत्य विश्वास, कोलकाता-94, जून 2019, pp. 29-36, ISSN 2231-2862

"मनोज मित्रेर नाटक", पायल मुखर्जी, समयेर अमिय आधारे मनोज मित्र, संपा. मुकुल बंद्योपाध्याय, कोलकाता, बंगीय साहित्य संसद, दिसंबर 2019, pp. 202-216, ISBN : 978-93-88988-31-5.

अंग्रेजी विभाग

विभागीय प्रोफाइल

1951 में विश्वभारती के केंद्रीय विश्वविद्यालय के बनने के समय से ही अंग्रेजी विभाग एक प्रमुख स्थान रखता है। विभाग में बी.ए. (आनर्स), एम.ए., एम.फिल तथा पीएच.डी. के पाठ्यक्रम चलाये जाते हैं। अंग्रेजी विभाग ने यू.जी.सी. के डी.आर.एस. सैप कार्यक्रम के अंतर्गत 'रवीन्द्रनाथ टैगोर : पूर्व-पश्चिम सम्मिलन' शीर्षक शोधकार्य को आगे बढ़ाया। डीआरएस सैप फेज I का कार्य वर्ष 2009-2014 के दौरान सफलता पूर्वक पूरा हुआ। 2015-2020 के दौरान फेज II का कार्य प्रगति पर है।

जे आर एफ / एन इ टि उत्तीर्ण प्रतिभागी

1. अग्रीव राय
2. सृजिता चौधरी
3. कल्याण मंडल
4. विकि प्रसाद
5. मोनामी गोस्वामी (जे आर एफ)
6. शावनूर परवीन
7. अन्वेषा चट्टोपाध्याय
8. शुकलाल सोरेन
9. सुदीप्त कुमार पाल (जे आर एफ)
10. आत्रेयी चक्रवर्ती
11. पिंटू नस्कर
12. देवोत्तम घोष
13. तापस दास
14. श्रिया दास
15. राजेश दास

नेट / जेआरएफ-2019

1. अग्नीव राय
2. अतीश दास (जे आर एफ)
3. आत्रेयी चक्रवर्ती

4. कल्याण मंडल
5. पल्लवी चौधरी
6. रीना विश्वास
7. शबनाम परवीन
8. सायन्तन चक्रवर्ती
9. शननूर परबीन
10. शर्मिष्ठा पाल
11. सोमनाथ घोष
12. सृजिता चौधरी
13. तपन दास
14. मोहर मुखर्जी

विभागीय गतिविधि :

05.07.2019 : डॉ. पौलुमी चक्रवर्ती, मानविकी विभाग, आइ आइ टी मुंबई ने 'वुमन एंड द पोलिटिकल मिड-ट्वेंटी सेंचुरी मोटिभ इन इंडिया : प्रिजन नोटिभ' पर विशेष व्याख्यान दिया।

06.07.2019 : डा. पौलुमी चक्रवर्ती, मानविकी विभाग, आइ आइ टी मुंबई ने 'दि-स्क्रीप्टिंग होम एंड द वर्ल्ड' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

03.09.2019 : डा. सुदेष्ना मजुमदार ने 'ए लुक इंडू 18 सेंचुरी इंग्लिश कलचर थ्रू लिटरेचर एंड कल्चर' विषय पर व्याख्या दिया।

12.03.2020 : वर्ना ब्लेवेट ने 'द आर्ट आव किरण सिन्हा' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / कार्यशाला / प्रदर्शनी :

अभिजित सेन

05.05.2019 : अंग्रेजी एवं आधुनिक भाषा विभाग, इंडिपेंडेंट विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित 'इंगलिश रोमांटिसिज्म एंड बेंगाली लिटरेचर' शीर्षक सम्मेलन में एक व्यख्यान दिया एवं एक सत्र की अध्यक्षता की।

अमृत सेन

16.11.2019-18.11.2019 : पर्यटन विभाग और विश्वभारती द्वारा आयोजित 'द डेवलपमेंट ऑव रूरल टूरिज्म इन एंड एराउंड बीरभूम' विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समापन भाष दिया। आयोजन समिति के अध्यक्ष पद पर भी कार्य किया।

20.11.2019 : अंग्रेजी विभाग, सुरेंद्रनाथ महिला महाविद्यालय में 'रेडीकल इन फार्म बट कंजरवेटिव इन आइडियोलॉजी' विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

26.11.2019 : अंग्रेजी विभाग, गोखले महाविद्यालय में 'रेयरेडिंग रोमांटिसिज्म' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

06.12.2019 : अंग्रेजी विभाग चाकदा महाविद्यालय में 'द मर्डर ऑव रोजर एकरोइड आव डिटेक्टीव फिक्सन' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

13.12.2012 : एच आर डी सी, वर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में दो व्याख्यान दिए।

24.02.2020 : अंग्रेजी विभाग, न्यू अलीपुर महाविद्यालय में 'दैट ड्रेसिंग टेवल – द रेप आव द लॉक एंड द वर्ल्ड आव कॉलोनियल आवजेक्टस' शीर्षक विशेष व्याख्यान दिया।

12.03.2020 : एम.यू.सी. महाविद्यालय, वर्दवान में 'द एटीन सेंचुरी थ्रू फेसेस' शीर्षक विशेष व्याख्यान दिया।

18.04.2020 : स्कूल ऑव टूरिज्म, दुर्गापुर कैंपस, प. बंगाल में 'होस्पीटेलिटी – इट्स फिलोसफी' शीर्षक प्लीनेरी व्याख्यान दिया।

अनन्या दत्तगुप्त

20.11.2019 : सुरेंद्रनाथ महिला महाविद्यालय में 'हेयर नानसेंस मेक्स फॉर कॉमन सेंस' विषय पर विशेष आमंत्रिक व्याख्यान दिया।

14.11.2019-16.11.2019 : अंग्रेजी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'रेनेसा मैन' में 'गास्कोजिन जोकास्टा एंड द वूमेन इन रेनेसा सीटिस अंडर सीज' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

अन्य आकादमिक अनुभव

01.03.2020 : सैकत मजूमदार के साथ वार्तालाप, नवान्न अर्थ विकेन्ड लिटरेरी फेस्टीबल, 'कमिंग ऑफ ऐज इन बैंगल'।

विभाग में अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विशेष व्याख्यान आयोजित किए।

देवारति बन्योपाध्याय

13.06.2019 : लंदन सेन्टर फॉर इन डिसिप्लिनरी रीसर्च, वर्क बैक कॉलेज, लंदन विश्वविद्यालय, यूके द्वारा आयोजित कार्यशाला संचालन किया।

14.06.2019 : लंदन सेन्टर फार इन्टर डीसिप्लिनरी रीसर्च, बर्कबैक कॉलेज, लंदन विश्वविद्यालय द्वारा

आयोजित कार्यशाला में जेंडर स्टडीस पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

दीपंकर राय

10.06.2019-11.06.2019 : अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, सिलौंग कैंपस और आई.सी.एस.एस. द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भिजुअल कल्चर एस आइडियोलोजी इन द वल्ड ऑफ एडवटैजिंग' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

11.09.2019 : अंग्रेजी विभाग, काजी नजरुल विश्वविद्यालय, आसनसोल में 'सोस्यू एंड स्ट्रकटरलिज्म' शीर्षक विशेष आमंत्रित व्याख्यान दिया।

27.11.2019 : बांग्ला विभाग, प्रेसिडेन्सी विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'रवीन्द्रनाथ के राजनैतिक उपन्यास' विषय पर विशेष आमन्त्रित व्याख्यान दिया।

सौरभ दास ठाकुर

29.08.2019 : अंग्रेजी विभाग, ए.के. दास महाविद्यालय, कोलकाता और न्यू अलीपूर महाविद्यालय, कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संगोष्ठी में 'नोनसेंस एंड द नेशन : रीडिंग आबोल-ताबोल' शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

17.01.2020 : अंग्रेजी विभाग, सुकांत महाविद्यालय, जलपाईगुड़ी में 'रीविजिडिंग मॉडर्ननिज्म : मिसेस डालोवे एंड पैसेज टू इंडिया' शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

श्रुति मामेन

05.03.2020-08.03.2020 : बोस्टोन विश्वविद्यालय और बफेलो विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सम्मेलन में 'एक्सप्लोरिंग डीसेंट मार्जिनैलिटी इन द इंडियन कॉमिक्स' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

सुदेव प्रतीम बसु

14.08.2019 : जादवपुर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में 'एपरिसियेटिंग अमेरिकन सिनेमा' ने आमंत्रित व्याख्यान दिया।

01.03.2020 : सुदेश अमिय मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा गीतांजली कल्चरल कॉम्प्लैक्स बोलपुर में आयोजित 'फोक आर्ट एंड क्राफ्ट फेयर' ने समायोजक के रूप में भाग लिया।

स्वाति गांगुली

14.11.2019 : अंग्रेजी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रेनेसा मैन' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता की।

27.01.2020 : अंग्रेजी विभाग और बर्द्धवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'किस्सा :

स्पैक्टैस ऑफ पेट्रिआर्कल डीसायर इन द टाइम पंजाब पार्टिशन' शीर्षक आमंत्रित परिपत्र प्रस्तुत किया।

03.02.2020 : चित्रकला विभाग, कला भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित कार्यशाला ने 'रवीन्द्रनाथ टैगोर एंड द फाउंडिंग ऑफ विश्वभारती' शीर्षक व्याख्यान दिया।

05.02.2020 : चित्रकला विभाग, कला भवन में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'अंडर द मैंगो ट्री' शीर्षक व्याख्यान दिया।

तनुका दास

31.03.2019-02.04.2019 : बंगीय समिति, बांग्लादेश और शांतिनिकेतन द्वारा बांग्लादेश भवन, विश्वभारती में आयोजित अंतर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'टैगोरस थोट ऑन एडूकेशन एंड वेस्टर्न थिंकर्स' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

तपु विश्वास

24.11.2019-25.11.2019 : केन्द्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती द्वारा आयोजित शोध प्रविधि विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

23.02.2020 : फारसी विभाग विश्वभारती द्वारा आयोजित बादल सरकार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में परिपत्र प्रस्तुत किया।

अप्रैल, 2019-मार्च, 2020 के प्रकाशन

बुक्स

न्यू पैज इन इंग्लिस लिटरेचर बाई जेम्स फोसिन, संयुक्त संपादक गौतम घोषाल, ऑथर रेस, दिल्ली 2019, ISBN : 978-93-89615-28-9.

रवीन्द्रनाथ टैगोर : ए लाइफ आफ इंटिमेसी विथ नेचर, देवारती बन्दोपाध्याय नई दिल्ली रुपा, 2019, ISBN : 978-93-5333-456-7.

पत्रिकाओं में आलेख / पुस्तकों में अध्याय

थ्रू द लूकिंग ग्लास : पुरुलिया एंड पोबर्टी' अनन्या दत्त गुप्ता 'कैफे डिसेन्स एभरी डे', 10 मार्च 2020. ISSN-2373-177X.

'आफ एलिमेन्ट्स एंड अदर्स पाइंट', अनन्या दत्त गुप्ता 'न्यूज इंडिया लिटरेरी जॉर्नल, ISSN-0975-1815, 5 मार्च 2020.

'नो वेयर टू गो : एपोफैलिप्स एस ए मदर सी इट', अनन्या दत्त गुप्ता, कैफे डिसेन्स एभरी डे, 27.12.2019, ISSN-2373-177X.

'मोरिसस पाराडाइस और यूटोपिया', अनन्या दत्त गुप्ता, कैफे डिसेन्स एभरी डे, 03.10.2019, ISSN-

2373-177X.

'हंगरी स्टोन : कोलोनियल अनकैनिंग', दीपंकर राय, 'टैगोर, नैशनलिज्म एंड कोस्मोपोलिटेनिस्म', संपादक- मोहम्मद फयूम, लंदन जनवरी 2020, pp-197-211.

'श्री अरोविन्दो : पोएट्री एट द सेन्टर ऑफ नॉलेज', गौतम घोषाल। पुस्तक- द फिलॉसफी ऑफ श्री अरोविन्दो। संपादक देवी दत्त महापात्र, न्यूयार्क, बल्मसब्यूरी 2020.

'मिरेकलस हर्ट ऑफ द अननोन', गौतम घोसाल, लिटरेरी भॉयस 01.03.20, ISSN-2277-4521.

'ऑन म्यूजिक एंड द मेमोरी : रवीन्द्रनात टैगोरस सॉगंस ऑफ नेचर', सौरभ दास ठाकुर, पुस्तक – टैगोर, नेशनलिज्म एंड कोस्मोपॉलिटेनिस्म, संपादक – मोहम्म कयूम, लंदन, राउटलेज, 2020.

'रीफ्लेमिंग एंड एक्सप्लोरिंग फ्रिडम, साउना बारिक, अंग्रेजी विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद 2019, pp. 25-37, ISSN-0474-8107.

'सिम्पेथेटिक एपरोप्रियर्सन ऑफ काली एंड द तंत्रास', साउना बारिक विश्वविद्यालय, pp. 174-188, ISSN-0975-3478.

'ए स्टडी ऑफ द बिक्टोरियन वूमन', साउना बारिक, जादवपुर विश्वविद्यालय, pp. 86-98, ISSN-2454-6100.

'रीव्यू आर्टिकल' – स्वाति गांगुली – 'ए बंगाली ब्राइड इन द लैंड ऑफ राइजिंग सन'। पुस्तक- 'द जर्नी ऑफ ए बंगाली वूमन इन जापान', रुप कथा अक्टूबर-दिसम्बर 2019, ISSN : 0975-2935.

'हिज मास्टर वायस : रवीन्द्रनाथस रिस्पोंस टू रजनी रंजन सेनस ट्रांस्लेशन, स्वाति गांगुली, पुस्तक- ऐसेज ऑन टैगोर एंड ट्रान्सलेशन, संपादक- देवारति बंदोपाध्याय, 2019, pp. 119-132, ISBN : 978-81-939765-4-8.

'इज सी ए दलित?', तनुका दास, शेक्सपीयर, संपादक- गौतम घोसाल, श्री अरविन्दो निलय, शांतिनिकेतन, 2019, ISSN-0976-9536.

25 सितंबर, 2019 : 'चारूस अवेकनिंग : ए स्टडी आव रवीन्द्रनाथ टैगोरस 'ब्रेकेन नेस्ट', तनुका दास, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, ओपेन एक्सेस में प्रकाशित। ISSN 2349-5149. खंड 6, अंक 1.

'शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय की कहानियों में हासिस का समाज', तनुका दास, लिटरेरी इनोभेसंस, तिरुपुर, तमिलनाडु। ISSN-2279-0128.

हिन्दी विभाग

हिन्दी भाषा और साहित्य का अध्ययन तत्कालीन विद्याभवन का महत्त्वपूर्ण एवं मुख्य भाग था। 1938 से विश्वभारती में उच्च अध्ययन का यह महत्त्वपूर्ण केंद्र है। पंडित हजारीप्रसाद द्विवेदी के सक्षम निर्देशन में हिन्दी के अध्ययन की शुरुआत हुई। सी.एफ. एंड्र्यूज, क्षितिमोहन सेन एवं बनारसीदास चतुर्वेदी के अथक उद्यम से 31 जनवरी, 1939 को हिन्दी भवन का शिलान्यास किया गया। मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य और संत-साहित्य में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की विशेष रुचि थी। क्षितिमोहन सेन स्वयं इस साहित्य के बड़े विद्वान थे। वर्तमान में शिक्षा और गवेषणा के इस केंद्र में आधुनिक एवं मध्ययुगीन साहित्य, तुलनात्मक अध्ययन एवं रवीन्द्र साहित्य (हिन्दी अनुवाद) का विशेष अध्ययन होता है। हिन्दीभवन में स्नातक एवं स्नातकोत्तर, एम.फिल. एवं पीएच.डी. के अतिरिक्त हिन्दी में प्रमाणपत्र एवं डिप्लोमा तथा एक वर्षीय पाठ्यक्रम विदेशियों के लिए की पढ़ाई भी होती है।

जेआरएफ/नेट/स्लेट उत्तीर्ण प्रतिभागी

1. मनोज मल्लाह (स्लेट)
2. कालू तमांग (नेट)
3. ज्ञानेन्द्र मिश्र (नेट)
4. अनुपमा (नेट)
5. ममता कुमारी (नेट)
6. प्रिया सिंह (नेट)
7. सिद्धि (नेट/जेआरएफ)

विभागीय प्रोफाइल

18.08.2019 : विभाग में तुलसी जयंती का पालन किया गया। प्रो. राधाकांत मिश्र, पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक मुख्य वक्ता थे।

15.09.2019 : विभाग में हिन्दी दिवस का पालन किया गया। समस्त विभागीय अध्यापकों ने इसमें भाग लिया। प्रो. रामेश्वर मिश्र, प्रो. मंजुरानी सिंह, प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, प्रो. मुक्तेश्वरनाथ तिवारी, प्रो. शकुंतला मिश्र, प्रो. रवीन्द्रनाथ मिश्र, डा. सुभाषचंद्र राय, डा. जगदीश भगत, डा. अर्जुन कुमार और डा. श्रुति कुदुम ने राजभाषा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान दिए।

03.10.2019 : विभाग में हलवासिया स्मृति व्याख्यान 2019 का आयोजन हुआ, जिसमें 'छायावाद की परख और पहचान' विषय पर प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित, पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय ने व्याख्यान दिए।

04.11.2019 : सूर्यासंस्थान, नयी दिल्ली एवं हिन्दी विभाग, विश्वभारती के संयुक्त तत्वावधान में 'हिन्दीतरभाषी प्रदेशों के लेखकों, साहित्यकारों के हिन्दी लेखन की दिशा और दृष्टि' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई।

17.01.2020 : विशेष व्याख्यान कार्यक्रम के अंतर्गत 'हिन्दी व्याकरण विश्लेषण की पद्धतियाँ' विषय पर प्रो. तातियाना ओरस्किया, हेम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी ने अपने व्याख्यान दिए।

20.01.2020 : देवकीनंदन श्रीवास्तव स्थायी निधि व्याख्यान 2019 के अंतर्गत प्रो. नन्दकिशोर पांडे, निदेशक, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ने 'संत साहित्य के विविध आयाम' विषय पर व्याख्यान दिया।

03.02.2020 : 'हिन्दी लघुकथा में धर्म और हिमालय' विषय पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो. निकोला पोजा, लाउसेंस विश्वविद्यालय, स्वीट्ज़ालैंड ने व्याख्यान दिए।

04.02.2020 : प्रो. निकोला पोजा (स्वीट्जरलैंड) ने विशेष व्याख्यान कार्यक्रम के अंतर्गत 'हरिया हरक्यूलीज की हाजी' विषय पर व्याख्यान दिए।

10.02.2020 : प्रो. कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री, कुलपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय ने हजारी प्रसाद द्विवेदी स्मृति व्याख्यान के अंतर्गत 'मध्यकालीन दसगुरु परंपरा और भक्ति आन्दोलन' विषय पर व्याख्यान दिए।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / कार्यशाला / प्रदर्शनी

रामेश्वर प्रसाद मिश्र

30.08.2019 : भाषाभवन, विश्वभारती में 'भाषा वैभव' के अंतर्गत 'भक्ति की अवधारणा और टैगोर संस्थान के विचार' विषय विशेष व्याख्यान दिया।

26.09.2019-27.09.2019 : इग्नू, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित 'भारतीय साहित्य और राष्ट्रीय एकात्मकता' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।

14.01.2020 : शिवाजी महाविद्यालय, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित 'कामायनी और गीतांजलि' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

05.02.2020-07.02.2020 : महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय और बोलपुर हिन्दी प्रचार समिति द्वारा आयोजित 'छायावादी दर्शन और निराला' विषयक संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

मंजुरानी सिंह

21.11.2019 : सेंट जेवियर महाविद्यालय, राँची द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिन्दी युवा लेखन और महात्मा गांधी' शीर्षक व्याख्यान दिया।

19.12.2019 : राँची विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संस्कृति के चार अध्याय की

संस्कृति के चेतना' और 'राष्ट्रकवि दिनकर की कालजयिता' शीर्षक व्याख्यान दिया।

20.12.2019 : राँची विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'निराला की शक्तिपूजा' और 'कामायनी की स्त्री चेतना' शीर्षक दो व्याख्यान दिए।

सम्मान / स्वीकृति प्राप्ति

02.06.2019 : समाजसेविका श्रीमती निर्मल वालिया, समर्पण भवन, विकास पूरी, नयी दिल्ली द्वारा 'साहित्यकार सम्मान' प्राप्त।

चक्रधर त्रिपाठी

07.08.2019 : सेठ सूरजमल जालान पुस्तकालय, कोलकाता द्वारा आयोजित तुलसी जयंती समारोह में 'प्राच्य और पाश्चात्य निकष पर तुलसी दास' शीर्षक व्याख्यान दिया और अध्यक्षता की।

08.02.2020 : एम.डी.पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ और हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज द्वारा एम.डी.पी.जी. कालेज में आयोजित 'हिन्दी साहित्य में अवध का योगदान' शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

22.06.2019-26.06.2019 : शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, आर.के. पुरम, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित व्युत्पत्तिमूलक कोश विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

19.08.2019-23.08.2019 : शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, आर.के. पुरम, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित व्युत्पत्तिमूलक कोश विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

25.11.2019 : शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, आर.के. पूरम, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित व्युत्पत्तिमूलक कोश विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

मुक्तेश्वरनाथ तिवारी

13.09.2019 : रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'उन्नीसवीं सदी के अंग्रेजी समीक्षक' विषय पर दो विशेष व्याख्यान दिए।

16.09.2019 : भेलभवन, साल्ट लेक, कोलकाता में 'हिन्दी का महत्त्व' विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

24.09.2019 : एस.एम. कॉलेज, भागलपुर विश्वविद्यालय में 'साहित्य का प्रयोजन : नया संदर्भ' विषय पर व्याख्यान दिया।

21.10.2019 : काजी नजरूल विश्वविद्यालय, आसनसोल में 'हिन्दी उपन्यास और संजीव' विषय पर व्याख्यान दिया।

14.11.2019 : उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी द्वारा 'समकालीन कविता के स्वर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।

27.11.2019 : उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी में 'छायावाद के सौवर्ष' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

28.11.2019 : रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा 'छायावाद का प्रदेय' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया।

19.12.2019 : राँची विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'चिंतामणि भाग-1' पर दो व्याख्यान दिए।

03.03.20 : भाषा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'भाषावैभव' सत्र के व्याख्यान में अध्यक्षता की।

सदस्य :

गवेषणा समिति, काजी नजरूल विश्वविद्यालय, आसनसोल

गवेषणा समिति, रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय, कोलकाता

गवेषणा समिति, पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय, कूचबिहार

सलाहकार समिति :

'सत्राची' पत्रिका, पटना, ISSN-2348-8425

'मुक्तांचल' पत्रिका, हावड़ा, ISSN-2350-1065

रवीन्द्रनाथ मिश्र

18.08.2019 : हिन्दीभवन, विश्वभारती में 'तुलसी का मानस शीर्षक तुलसी जयंती के आयोजन में अध्यक्षता की।

03.09.2019 : हिंदीभवन, विश्वभारती में आयोजित हलवासिया व्याख्यानमाला में 'छायावाद की पराव और पहचान' विषय पर प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित के व्याख्यान की अध्यक्षता की।

09.11.2019 : सूर्यासंस्थान, नयी दिल्ली और हिन्दी विभाग, विश्वभारती द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित 'हिन्दीतर प्रदेश का हिन्दी साहित्य' शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

08.12.2019 : बुद्धिस्ट अध्ययन केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अहिंसा, मानवतावाद और बौद्ध धर्म' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

23.12.2019 : शासकीय स्वायत्त महाविद्यालय, राउरकेला, ओड़िसा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में छायावाद की प्रासंगिकता पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

17.01.2020 : हिन्दीभवन, शांतिनिकेतन में प्रो. तातियाना, हेंबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा प्रदत्त विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता की।

29.01.2020 : हिन्दी भवन, विश्वभारती में आयोजित देवकीनंदन श्रीवास्तव स्मृति व्याख्यानमाला के

अंतर्गत 'संत साहित्य के विविध आयाम' विषय पर प्रो. नंदकिशोर पांडेय, निदेशक, केंद्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा प्रदत्त व्याख्यान की अध्यक्षता की।

03.02.2020 : डॉ. निकोला पोजा, लउसाना विश्वविद्यालय, स्वीट्जरलैंड द्वारा हिन्दी भवन, शांतिनिकेतन में प्रदत्त विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता की।

15.02.2020 : हिन्दी भवन, विश्वभारती में आयोजित पंडित हजारी प्रसाद द्विवेदी स्मृति व्याख्यान माला के अंतर्गत प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री, कुलपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के 'मध्ययुगीन दसगुरू परंपरा और भक्ति आंदोलन' शीर्षक व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

23.02.2020 : भारतीय भाषा परिषद्, कोलकाता और हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ओड़िसा में हिन्दी की दशा और दिशा' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

24.02.2020 : भाषाभवन, विश्वभारती में 'भाषावैभव' के अंतर्गत 'निराला की साहित्य साधना' विषय पर प्रो. मंजुरानी सिंह के व्याख्यान की अध्यक्षता की।

26.02.2020 : हिन्दी विभाग, शैलवाला स्वायत्तशासी महाविद्यालय, कटक, ओड़िसा में 'भक्ति साहित्य की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान दिया।

सुभाषचंद्र राय

18.08.2019-20.11.2019 : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा द्वारा विश्वभारती शांतिनिकेतन में आयोजित हिन्दी बांग्ला शब्दकोश निर्माणकार्यशाला में भाग लिया।

03.06.2019 : हिन्दी विभाग विश्वभारती में आयोजित हलवासिया स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम का संचालन किया।

09.11.2019 : सूर्या संस्थान नई दिल्ली और हिन्दी विभाग विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

15.11.2019 : केंद्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा आयोजित हिन्दी बांग्ला शब्दकोश कार्यशाला में भाग लिया।

27.01.2019 : पुस्तक मेला देवघर में भाग लिया एवं व्याख्यान दिया।

29.01.2020 : हिन्दी विभाग विश्वभारती में आयोजित देवकीनन्दन श्रीवास्तव व्याख्यान का संचालन किया।

16.03.2020-21.03.2020 : केंद्रीय हिन्दी संस्थान आगरा द्वारा विश्वभारती में आयोजित हिन्दी बांग्ला शब्दकोश निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।

सम्मान

02.06.2019 : डॉ. निर्मल वालिया अभिनन्दन ग्रंथ लोकार्पग समीति, नई दिल्ली द्वारा 'विशिष्ट

साहित्यकार सम्मान'।

जगदीश भगत

30.06.2019 : ए.के. दास गुप्ता केन्द्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित शोध प्रविधि कार्यशाला में भाग लिया।

09.11.2019 : सूर्या संस्थान नई दिल्ली द्वारा विश्वभारती में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिन्दीतर भाषा-भाषी लेखकों के हिन्दी लेखन' शीर्षक व्याख्यान दिया।

07.02.2020 : महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय और बोलपुर हिन्दी प्रचार समीति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'छायावादी आलोचक निराला' शीर्षक व्याख्यान दिया।

22.02.2020 : अरबी फारसी विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिन्दी साहित्य में मुसलमान लेखकों की भूमिका' शीर्षक व्याख्यान दिया।

अर्जुन कुमार

24.11.2019 : विश्वभारती केन्द्रिय पुस्तकालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय शोध प्रविधि कार्यशाला में भाग लिया।

05.02.2020-07.02.2020 : महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय एवं बोलपुर हिन्दी प्रचार समीति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'छायावादी काव्य में सांस्कृतिक' शीर्षक व्याख्यान दिया।

22.02.2020 : अरबी, फारसी विभाग विश्वभारती द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सतत साहित्य विकास' शीर्षक व्याख्यान दिया।

श्रुति कुमुद

05.02.2020 : हिन्दी शिक्षण अधिगम केन्द्र। महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

पुस्तक

'महादेवी के साहित्य का गद्यपर्व', मुक्तेश्वरनाथ तिवारी, जनवरी 2020, अमन प्रकाशन, कानपुर, ISBN-978-93-85389-23-8.

'अंधीगली' हिन्दी उपन्यास, अनुदित, रवीन्द्रनाथ मिश्र, ओड़िसा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर, 2020, ISBN-93876-3764-6.

'वर्षगाँठ के मौके पर', रवीन्द्रनाथ ठाकुर, अनुवाद चक्रधर त्रिपाठी, यश प्रकाशन दिल्ली, 2020, ISBN-978-81490-67-9.

'कृष्ण चन्दर की प्रतिनिधि कहानियाँ', संपादक- चक्रधर त्रिपाठी, क्षमा प्रकाशन, दिल्ली, 2019, ISBN-

978-81-85-495.

'चिंतामणी संचय', चक्रधर त्रिपाठी, क्षमा प्रकाशन, दिल्ली, 2019, ISBN-978-81-85495.

'विश्वभारती सार संदर्भिका', संपादक चक्रधर त्रिपाठी, यक्ष प्रकाशन, दिल्ली, ISBN-978-93-81490-662.

पत्र-पत्रिकाओं में आलेख / पुस्तक में अध्याय

'प्रकाश पुंज गुरूनानक देव', मंजूरानी सिंह, 'दूर और नजदीक' से, आर.आर. प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019, ISSN-978-81-83-90-290-0

'डॉ. निर्मल वालिया अभिनन्दन ग्रंथ, किताबघर', मंजूरानी सिंह, 2019, ISSN-978-81-7016-998-7.

'शांतिनिकेतन से', मंजूरानी सिंह, अनौपचारिक, 2019, ISSN-2581-981X, राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा समीति, राजस्थान।

'प्रकाश पुंज गुरूनानक देव, मंजू रानी सिंह, अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019. ISSN-978-81-8390-2213.

'शांतिनिकेतन से' मंजूरानी सिंह, मार्च 2020, ISSN-2581-981X.

'रवीन्द्रनाथ ठाकुर : सामाजिक समरसता की भारतीय दृष्टि', शकुंतला मिश्र, पुस्तक-भारतीय साहित्य में समरसता, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, जुलाई 2019.

'हिन्दी और बांग्ला भक्ति काव्य में राधा', शकुंतला मिश्र, पुस्तक-पूर्वोतर का भक्ति काव्य, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, गवालियर, सितंबर 2019, ISBN-978-81-942460-1-5.

'हलवासिया ट्रस्ट, सी.एफ. एन्ड्रूज और शांतिनिकेतन का हिन्दी भवन', रवीन्द्रनाथ मिश्र, विश्वभारती पत्रिका, मार्च 2020, ISSN-2348-49-77.

'आधुनिक ओड़िया साहित्य, रवीन्द्रनाथ मिश्र, पुस्तक- आधुनिक भारतीय साहित्य, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019, ISBN-978-81-7965-290-9.

निशंक की काव्यात्मक भाव-भूमि', जगदीश भगत, विश्वभारती पत्रिका, सितम्बर 2019, ISSN-2348-4977.

'यथार्थ और कथार्थ के आलोचक राजेन्द्र कुमार', अर्जुन कुमार, प्रयणपत्र, अक्तूबर 2019.

'संभावनाओं के कवि अशोक वाजपेयी', अर्जुन कुमार, साहित्यसेतु हिन्दी अकादमी, हैदराबाद, मार्च 2020, ISSN-2348-6163.

'पहाड़ की पुकार : बीरा', अर्जुन कुमार, विश्वभारती पत्रिका, मार्च 2020, ISSN-2348-4977.

'मध्यवर्ग का शोक गीत', श्रुति कुमुद, लमही, 2019, ISSN-2178-554X.

'रोशनी के चकाचौंध में अंधेरा दिखाने की जद्दोजहद', श्रुतिकुमुद, तद्भव, 2019, UPHIN-49032.

'स्वातंत्र्योत्तर मनुष्य की संघर्ष गाथा', श्रुति कुमुद, बयाँ, मार्च 2020, ISSN-2321-9853.

'पर्यटन और साहित्य', कशिस, श्रुति कुमुद, मार्च 2020, ISSN-2348-4977.

संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग

विभागीय गतिविधि

1901 में जब रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने ब्रह्मचर्याश्रम विद्यालय की स्थापना की थी तव से ही यहाँ के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में संस्कृत का महत्त्वपूर्ण स्थान था। विश्वभारती के निर्माणकाल से ही संस्कृत का पठन-पाठन करने के लिए विधुशेखर शास्त्री, क्षितिमोहन सेन, सिल्वां लेभी और मॉरिस विंटरनिज्म जैसे सुयोग्य विद्धानों का सहयोग मिला।

विद्याभवन की शुरुआत ही हुई दिसंबर 1925 में पंडित विधुशेखर शास्त्री की अध्यक्षता से। विद्याभवन में अन्य विषयों के साथ संस्कृत, पालि और प्राकृत का अध्ययन और अध्यापन होता था। यह मुख्यत: उच्चतर अनुसंधान विभाग था। 1972 में जब विभागों का पुनर्गठन किया गया तब इसमें मानविकी के 15 विभागों में संस्कृत, पालि और प्राकृत का भी स्थान था।

1951 में जब विश्वभारती को केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान के दर्जा मिला तब उसमें संस्कृत, पालि और प्राकृत को स्वतंत्र विभाग का स्थान मिला। इस विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी, प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा स्तर की शिक्षा देने जाने लगी। 2011-12 से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर व्यवस्था लागू की गयी। 2014 से एम.फिल के पाठ्यक्रम की भी शुरुआत हुई।

यू.जी.सी. / सी. एस. आई. आर. / नेट / सेट उत्तीर्ण छात्र-छात्राएँ

1. सुकन्या सेनापति – नेट
2. जवनमय विश्वास – नेट जे.आर.एफ.
3. आशिष मंडल – नेट
4. अनन्या वर्मन – नेट
5. प्रसन्न साहा – नेट
6. गुणधर भण्डारी – नेट
7. बासव दास – नेट
8. पराजित माझी – नेट
9. जगदीश माल – नेट
10. रिक्ता मिग्धा – नेट
11. अभिरुप चौबे – नेट
12. दिव्येन्दू चटर्जी – नेट

13. श्रावणी दास – नेट
14. अनुपम मण्डल – नेट
15. नज़मा हसन – नेट
16. धृति रानी साहा – नेट
17. तृशिता चक्रवर्ती – नेट
18. बैशाखी दत्त – नेट
19. कौशिक कर्मकार – नेट, जे.आर.एफ.
20. निरंजन मण्डल – नेट
21. अरिन्दम मण्डल – नेट
22. मामोन ओनरा – नेट, जे.आर.एफ.
23. पापिया गोनोराई – नेट
24. प्रोसेनजीत घोसाल – नेट
25. नयनदास – सेट
26. अनिमेश कुंडू – नेट
27. सुकांत घोष – नेट
28. राजकुमार मण्डल – सेट
29. पलाश दास – नेट, जे.आर.एफ.
30. लावणी बैराग्य – नेट, सेट
31. जयदेव गड़ाई – नेट
32. सैकत बैनर्जी – नेट, सेट

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशाला में भागीदारी

निरंजन जेना

18.08.2019 : संस्कृत विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में परिपत्र vajnepasusabdasayasamiksatmakamadhyayanam. शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

25.09.2019 : पौधा संरक्षण विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'इकोलॉजिकल एंड इन्वायरमेंटल सस्टेनबिलिटि' शीर्षक संगोष्ठी में 'इकोलॉजिकल अवेयरनेस रीफ्लेक्टेड इन वैदिक लिटरेचर' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

08.12.2019 : बुद्धिस्ट अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठि में 'वेद और बुद्धिज्म के अनुसार अहिंसा' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

02.01.2020-04.01.2020 : चाइना वेस्ट नोर्मल यूनीवर्सिटी द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सीम्पोज़ियम में 'कम्यूनिटि विथ शेयरड फ्यूचर फॉर मेन फाइन : ए स्टडी फ्राम वैदिक लिटरेचर परसपेक्टिव' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

01.02.2020 : मराठी विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'आधुनिक भारत में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान' शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

05.02.2020 : हिन्दी शिक्षण अधिगम केन्द्र महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संस्कृत साहित्य में छायावादी चेतना शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

08.02.2020 : ओड़िया विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सामाजिक सेतु और अन्तर्राष्ट्रीय शांति में बौद्ध धर्म का योगदान शीर्षक परिपत्रि प्रस्तुत किया।

10.01.2020 : आल इंडिया ओरियेन्टल सम्मेलन के नागपुर सत्र में एक समानान्तर सत्र की अध्यक्षता की।

20.06.2020 : चंडीदास महाविद्यालय, बीरभूम, पश्चिम बंगाल में 'रोग और निदान के वैदिक और आयुर्वेदिक स्रोत' शीर्षक व्याख्यान दिया।

नरोत्तम सेनापति

29.10.2019-01.11.2020 : NCERT, नयी दिल्ली और संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'संस्कृत में प्राचीन भारतीय शिक्षा विषयक चिंतन' विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

30.06.2019 : विश्वभारती के कुलपति के प्रतिनिधि रुप में 'संकटापन्न भाषाएँ केंद्र' की सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

02.07.2019 : विदेशी भाषा केंद्र, विश्वभारती में 'बांग्लादेशे देशी-विदेशी नाटकेर ग्रहणीयता' विषयक एक विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता की।

10.08.2019 : हिन्दी भवन, विश्वभारती में तुलसी जयंती समारोह की अध्यक्षता की।

09.11.2019 : विदेशी भाषा केंद्र द्वारा आयोजित 'रवीन्द्रनाथ और सांस्कृतिक संवाद' विषय पर विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता की।

08.12.2019 : बुद्धिष्ट अध्ययन केन्द्र विश्वभारती द्वारा 'अहिंसा और बुद्धिज्म' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्‌घाटन सत्र की अध्यक्षता की।

15.01.2020 : संस्कृत विभाग जादवपुर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कार्यशाला में मुक्तावली

दृष्ट्यापक्षताहेत्वा भासश्च शीर्षक परिपत्र प्रस्तुत किया।

28.01.2020 : हिन्दी भवन विश्वभारती में 'भारतीय भक्ति साहित्य और सामाजिक समरसता' विषय पर आयोजित हलवासिया स्मृति व्याख्यान की अध्यक्षता की।

10.02.2020 : हिन्दी भवन विश्वभारती में 'मध्यकालीन दस गुरु परंपरा और भक्ति आन्दोलन' विषयक विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता की।

23.02.2020 : संस्कृत एवं दर्शन विभाग रामकृष्णमिशन विवेकानन्द संस्थान में राष्ट्रीय कार्यशाला में बीज भाषण दिया।

24.02.2020 : वैदिक अध्ययन विभाग रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय में आयोजित 'पुराणों के महत्व' विषय पर स्मृति व्याख्यान दिया।

02.03.2020 : मराठी विभाग विश्वभारती में आयोजित 'छत्रपति शिवाजी' विषय पर एक विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता की।

अरुण कुमार मंडल

23.09.2019 : बांग्ला विभाग कवि जयदेव महाविद्यालय, इलामबाजार द्वारा आयोजित 'जयदेव और परवर्ती अनुसारी साहित्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीज भाषण दिया।

08.12.2019 : बुद्धिष्ट अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित 3 अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बुद्धिज्म और अहिंसा' विषय पर व्याख्यान दिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।

10.12.2019 : बुद्धिष्ट अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कविता उत्सव में कविता प्रस्तुत किया।

ललिता चक्रवर्ती

20.11.2019 : महिला महाविद्यालय, बर्द्धवान में 'भारतीय दार्शनिक चिंतन उद्भव और विकास' विषयक संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रुप में व्याख्यान दिया।

25.02.2020 : भाषा भवन, विश्वभारती में 'प्राचीन भारत की विज्ञान भावना' विषय पर व्याख्यान दिया।

अरुण रंजन मिश्र

26.07.2019 : भाषा भवन, विश्वभारती में 'ओड़िसा में बौद्ध धर्म' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

09.08.2019 : संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 'ओड़िसा में बुद्धिष्ट विरासत' शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

08.2019 : संस्कृत विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय संस्कृति का आधार संस्कृत' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

08.12.2019 : बुद्धिष्ट अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती में 'बौद्ध धर्म और अहिंसा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

10.01.2020 : नागपुर में आयोजित भारतीय प्राच्य सम्मेलन में ध्यान और महासूत्र अलंकार विषय पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

25.01.2020 : तुलसी महिला महाविद्यालय, केन्द्रपाड़ा ओड़िसा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मनु और समाज कल्याण' विषयक परिपत्र प्रस्तुत किया।

04.02.2020 : कूचबिहार महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल में 'आधुनिक समय में संस्कृत की उपयोगिता' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

25.02.2020 : संस्कृत विभाग, पूणे विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, विषय 'ऋगवेद का सिदधांजन भाष्य' पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

जगतराम भट्टाचार्य

15.11.2019 : राष्ट्रीय चेंची विश्वविद्यालय, ताइपे, ताइवान में 'एथिकल डॉक्टरीन ऑफ इन जैनिस्म इन मॉडर्न सोसाइटी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में परिपत्र प्रस्तुत किया।

18.08.2019 : संस्कृत विभाग, विश्वभारती में श्रीमदभागवत गीता विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में परिपत्र प्रस्तुत किया।

गार्गी भट्टाचार्य

06.01.2020 : संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में '19वीं में वेदांत की व्याख्या' विषय पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

प्रीतिलक्ष्मी स्वाइन

23.06.2019 : राँची विश्वविद्यालय, राँची में आयोजित 'पुनश्चर्या पाठ्यक्रम' में भाग लिया।

रामप्रमोल कुमार

18.08.2019 : संस्कृत विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति की विशेषता विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में परिपत्र प्रस्तुत किया।

08.12.2019 : बुद्धिष्ट अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अशोक, अहिंसा और कल्याण' विषय पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

08.12.2019 : बुद्धिष्ट अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती द्वारा 'अहिंसा और बुद्धिज्म' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहायक समण्वयक के रुप में भाग लिया।

20.02.2020 : अरबी, फारषी विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कबीर और

मध्ययुगीन समाज' विषय पर परिपत्र प्रस्तुत किया।

23.07.2019 : राँची विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

06.01.2020 : राँची विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

प्रकाशन

पुस्तक

1. संस्कृत ट्रांसलेटरस : टैगोर्स इमेजिनेसन एंड स्टाइल, विपासा दास और अरूण रंजन मिश्र, तितली, प्रतिभा प्रकाशन, 2020, ISBN-978-81-7702-452-4.

2. सैलकन्याक, संपादक अरूण रंजन मिश्र, बुद्धिष्ट अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती, 2019, ISBN-978-81-86359-77-X.

3. प्राच्य प्रज्ञा, संपादक अरूण रंजन मिश्र, दिल्ली, प्रतिभा प्रकाशन, 2019, ISBN- 978-81-7702-448-7.

पत्र-पत्रिकाओं में आलेख

'काची के कामाक्षी मंदिर में दृश्यांकन', अरुण-रंजन मिश्र, व्यासरिह; संपादक बुद्धेश्वर सड़ंगी, राऊरकेला, 2019, ISSN-2320-2025.

'भारत में संस्कृत साहित्य एक दृष्टि', अरुण रंजन मिश्र, कोलकाता, संस्कृत पुस्तक भण्डार, जनवरी, 2019, ISBN-97881-86359-77-X.

'जयदेव के लक्ष्मण सेन', अरुण कुमार मंडल, जयदेव केंदूलि, बीरभूम, जनवरी 2020.

'देहि पद पल्लव मुद्रम', अरूण कुमार मंडल, बाउल तीर्थ, बोलपुर।

'काष्ठकार्य वैदिक समाज में', हरे कृष्ण मिश्र, सैल कन्या, बुद्धिष्ट अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती 2019, ISBN-978-81-86359-77-X.

'मजमा उल बहरिन : सत्य के सत्य की खोज', गार्गी भट्टाचार्य, पोस्ट स्कृप्टम, खण्ड-4, संख्या-2, ISSN-2456-7507.

'स्कम्भ और ज्येष्ठ ब्राह्मण', गार्गी भट्टाचार्य, तुलसी प्रज्ञा, जैन विश्वभारती, लाडनू, राजस्थान, जून 2019, ISSN-0974-8857.

'हिन्दू विधिनियम का निर्माण', समाज और विधान में विद्यासागर का अवदान' : गार्गी भट्टाचार्य, भारत से अनुवाद, संपा. जी.जे.बी. प्रसाद, नयी दिल्ली, जून 2019, पृष्ठ 29-41, ISBN-979388414197.

'स्वर के उदाहरण', गणिकावृत्ति में, प्रीतिलक्ष्मी स्वाइं, इनसेंबल, 2(J) 135-142, (यूजीसी केयर लिस्ट) 2020.

अध्याय-2

‘कांशिकावृत्ति में कंजंगकाम का उदाहरण, प्रीतिलक्ष्मी स्वाईं, परिशोध, 9(3) (यूजीसी केयर लिस्ट) 2020.

‘समासवृत्तौ उपपद तत्पुरुष समास : - एकम् अध्ययनम्’, प्रीतिलक्ष्मी स्वाईं, ‘किरणावली’, यूजीसी केयर लिस्ट, 2019.

अप्रैल-जून वाक्सुधा वर्ष 6, अंक 20, रामप्रमोल कुमार, पीयर रिव्यूड अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, ISSN 2347-6605.

108 वाक्सुधा, वर्ष 6, अंक 21, जुलाई-सितंबर, 2019 पीयर रिव्यूड अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ISSN-2347-6605.

ओडिया विभाग

विभागीय प्रोफाइल:

यह विभाग वर्तमान में 71 साल पुराना है। यह हमेशा अध्ययन और शोध में लगा रहता है। पिछले दो वर्षों में कई शोधार्थियों ने सरकारी संस्थानों में शैक्षिक स्टाफ के रूप में कार्यभार ग्रहण किया हैं। छात्रों ने अलग-अलग शैक्षणिक परीक्षाओं में अपना प्रतिभा दिखाया है।

विभाग प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में एक साप्ताहिक सेमिनार का आयोजन करता है। विभिन्न विभागों के सहयोगियों को आमंत्रित कर विभाग विस्तार व्याख्यान की व्यवस्था करता है। इन सभी के अलावा हर साल राष्ट्रीय स्तर पर एक वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाता है।

अभ्यार्थियों ने जेआरएफ/नेट परीक्षा उत्तीर्ण की :

ममता सेनापति - जेआरएफ, 2019

मनोरंजन साहू - जेआरएफ, 2019

प्रमिला पात्रा - जेआरएफ, 2019

बेबीना दास. - नेशनल फेलोशिप, 2019

बी बी प्रधान - नेशनल फेलोशिप, 2019

अशोक कुमार नायक - नेशनल फेलोशिप, 2019

अंजना कुंडा – नेट, 2019

बाल्मीकि करुन – नेट, 2019

बी.आर.गजेंद्र – नेट, 2019

गीतांजलि बेहरा- नेट, 2019

ममता साहू – नेट, 2019

सिपांजलि बघेई – नेट, 2019

सुभाश्री जेना – नेट, 2019

विभागीय गतिविधि :

दिनांक 11.12.2019 - 12.12.2019. कटक के स्रुजन इंडिया के सहयोग से आयोजित ''सर्जना लिटरेचर फेस्टिवल'' नामक रचनात्मक लेखन पर लिटरेचर फेस्टिवल।

दिनांक 18.01.2020. ओडिशा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर के सहयोग से ''ओडिया साहित्य में गांधी'' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

दिनांक 05.03.2020- 06.03.2020. ''गोपालकृष्ण रथ की कविता पर चर्चा'' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

दिनांक 01.07.2019. बिभुदेंद्र नारायण पट्टानायक ने विभागीय साप्ताहिक संगोष्ठी के एक सदस्य के रूप में ''सरला महाभारत'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

दिनांक 29.07.2019. प्रो प्रसन्न कुमार स्वेन विभागीय साप्ताहिक संगोष्ठी के एक सदस्य के रूप में ''ओडिया साहित्य के विकास में बरहमपुर विश्वविद्यालय की भूमिका'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी में भागीदारी :

सबिता प्रधान:

26.10.19 - 27.10.19 - 'भारतीय साहित्यरे ओडिशारा आदिबासी' नामक संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया गया है, जो साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं केआईएसएस विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित किया गया है। प्रस्तुति का शीर्षक ''ओडिया कथा साहित्ये आदिबसी जिबन'' है।

28.12.2019 निखिल भारत ओडिया अध्यापक सम्मेलन, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित संगोष्ठी में मुख्य संबोधन के रूप में एक पेपर प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक ''ओडिया साहित्यरे गांधी।

19.01.20. ओडिशा साहित्य अकादमी के सहयोग से विश्वभारती के ओडिया विभाग द्वारा आयोजित 'ओडिया साहित्य गांधी' नामक संगोष्ठी में ओडिया कथा साहित्यरे गांधी विषय पर एक पैनल की अध्यक्षता की।

24.12.2019. उत्कल साहित्य समाज और ओडिशा साहित्य अकादमी, कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित जयंती पर एक व्यक्तव्य दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''बगमी बिस्वांठ कार।

29.9.2019. भुवनेश्वर के उत्कल विश्वविद्यालय के ओडिया विभाग में रिसोर्स पर्सन के रूप में दो व्याख्यान दिए। प्रस्तुति का शीर्षक ''एकाबिमशा शताब्दिरा ओडिया उपन्यासारा भाबा ओ शिल्पा।

10.01.2020- 11.01.2020. संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा के ओडिया, विभाग में रिसोर्स पर्सन के रूप में चार व्याख्यान दिए। प्रस्तुति का शीर्षक ''ओडिया लोकभाषा'' और ''कुंजा बिहारी दशनका उपन्यासरे लोकभाषा''।

मनोरंजन प्रधान:

14.9.19 को ओडिशा के जगतसिंहपुर स्थित एंटेई कॉलेज में भाषण दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''ओडिया भाषा साहित्या भबिस्यता।

29.9.2019- उत्कल विश्वविद्यालय में रिसोर्स पर्सन के रूप में रिफ्रेशर कोर्स में दो व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''एकम्बिंशा शताब्दिरा उपन्यसिका।''

03.10.2019- प्रगति उत्कल संघ, राउरकेला, ओडिशा में एक भाषण दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''स्मृति

चित्तरंजन दास।"

25.12.2020- ओडिशा साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित कुसुपुरा, कटक, ओडिशा में एक भाषण दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''गानरे साहित्य प्रीति'' है।

20.01.2020 - ओडिशा साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित एक सत्र के अध्यक्ष के रूप में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''ओडिया उपन्यसारे गांधी'' है।

पश्चिम बंगाल के मेदनीपुर के घाटाल कॉलेज में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''ग्रंथकार ओ पुस्तक''।

प्रमिला पाटुलिया :

12.01.2020 - सीआईआईएल, मैसूर, ओडिया भाषा प्रतिष्ठान के सहयोग से एमबीसी टीवी द्वारा आयोजित सरला विश्वभाषा सम्मिलनी'नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''सक्त धर्म: सरल साहित्य''।

18.01.2020-19.01.2020 - ओडिशा विभाग, ओडिशा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर के सहयोग से विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'ओडिया शीतयरे गांधी' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''रक्तमति नटकारा समाजिका ओ रजनीतिका प्रिस्टोपोटोर गांधी।''

05.03.2020-06.03.2020 – ओडिया विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'गोपाल कृष्ण रथ की कविता पर चर्चा' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''एकला चाला रे ओ एकला मनीषरा एका तुलानातमका बिचारो''।

शरत् कुमार जेना:

10.11.2019. ओडिशा के संबलपुर स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित ''भारतीय साहित्य पर महात्मा गांधी का प्रभाव'' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''ओडिया नाटक में महात्मा गांधी''।

07.12.2019-09.12.2019. ओडिशा के भुवनेश्वर में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटी एंड कॉलेज टीचर्स ऑर्गेनाइजेशन द्वारा आयोजित XXX सांविधिक सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''भारत में नई शिक्षा नीति का विश्लेषण।

10. 01.2020 ओडिया विभाग, करंजिया ऑटो. कॉलेज, करंजिया, मयूरभंज, ओडिशा द्वारा आयोजित ''गांधीजी: समाज और साहित्य'' नामक एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक 'ओडिया साहित्यरे गांधी।

18.01.2020- 19.01.2020 ओडिया विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सहयोग से ओडिशा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित ''ओडिया साहित्यरे गांधी'' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर

प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''महात्मा गांधी ओ रवींद्रनाथ''।

02.02.2020- लक्ष्मीपुर कॉलेज, लक्ष्मीपुर, कोरापुट, ओडिशा के सहयोग से ओडिया आध्यापक संघश्री द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''123 बर्से छूट''।

10.02.2020- ब्रह्मपुर, ओडिशा के आरडीसी कांफ्रेंस हॉल में सीआईआईएल, मैसूर के सहयोग से आईएसआरडी, बरहमपुर द्वारा आयोजित ओडिया भाषा साहित्यकु गंजमरा अबदना नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''ओडिया कथा साहित्यकू गंजमरा"अबदना"।

09.02.2019- अमरी गप्पा, नयागह, ओडिशा में एक व्यक्तव्य दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''ओडिया गलपरा स्थिति ओ प्रगति।

रवीन्द्र कुमार दास :

28.01.2020- उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय क्योंझर परिसर में ''1980 के ओडिया कबितार अंगिका'' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। ओडिशा साहित्य अकादमी के सहयोग से ओडिया विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''गांधी, गांधी चेतना एवं शंकर त्रिपाठी का गांधी भूमिकारे''।

05.03.2020. गोपाल कृष्ण फाउंडेशन ब्रह्मपुर के सहयोग से ओडिया विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''सबू डिगा पुरबडिगा एवं गोपाल कृष्ण रथंका कबिता"।

14. 01. 2020. भुवनेश्वर के सराला विश्वभाषा सम्मेलन में सीआईआईएल मैसूर के सहयोग से एमबीसी टीवी द्वारा आयोजित सरला महाभारत पर व्याख्यान दिया।

26. 01. 2020. बाइनरी विपक्ष रा प्रीख्यापत्तारे सुरेन्द्र मोहंती नका गलपा- पुनरनाबा साहित्य संसद, केंद्रपदा।

30.04.2020 . ओडिशा स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, ओडिशा में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''ओडिया नाट्यकारा बिकासधारा:1877-1950."

इंद्रमणि साहू

04.08.2019 भुवनेश्वर में शोध पत्रिका धिसना द्वारा आयोजित ''शास्त्रीय ओडिया भाषा बर्तमान ओ भबीष्य'' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

18.01.2020- 19.01.2020. ओडिशा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर, ओडिशा के सहयोग से ओडिया विभाग, विश्व-भारती द्वारा आयोजित ओडिया साहित्यरे गांधी नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तारक गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में विभाग के

शिक्षकों एवं छात्रों ने भाग लिया।

सितंबर-2019 में आनंद मेले में विश्वभारती के गौर प्रांगण में ओडिया विभाग ने सक्रिय रूप से भाग लिया और एक स्टॉल लगाया।

ओडिया विभाग के छात्रों, विद्वानों और स्टाफ सदस्यों की रचनाओं के साथ 'स्पंदना', वॉल पत्रिका का एक अंक प्रकाशित किया गया था। बीए फाइनल ईयर की छात्रा निरुपमा पधन ने वॉल मैगजीन का संपादन किया।

विभाग के छात्रों द्वारा 21 फरवरी, 2019 को भाषा भावन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के अवसर पर भाषा भावन में देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया।

10 मार्च 2020 को विभाग और उसके आसपास की सफाई कर गांधी पुण्य तिथि पारंपरिक तरीके से मनाया गया।

डॉ. शरत् कुमार जेना ने विद्यार्थियों के साहित्यिक कौशल को विकसित करने के लिए साहित्यिक प्रश्नोत्तरी के दो ''बौधिका अनवेशा कार्यक्रम'' का आयोजन किया।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद (जैसे डीएसए या सीएएस आदि के रूप में मान्यता)

26.01.2020. सतत अनुसंधान के लिए सुरेंद्र गवेषणा अकादमी, चंदोल, ओडिशा द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रकाशन:

पुस्तकें:

ओडिया और असमिया आदिवासी उपन्यासों में जनजातीय संस्कृति और मुद्दों का तुलनात्मक अध्ययन सं मनोरंजन प्रधान, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, ओडिया विभाग, विश्वभारती और भारत सरकार, जनजातीय मामलों के मंत्रालय, जुलाई 2019।

खड़िया जनजाति के लोक गीत और कहानियां, मनोरंजन प्रधान। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, ओडिया विभाग, विश्वभारती एवं भारत सरकार, जनजातीय मामलों का मंत्रालय, जुलाई 2019।

संकलित माउंटेन की आवाज (जब रात गिरता है मोटी स्मोकी खुशबू डांगर के घने जंगल में भर जाता है) अगस्त के महीने में, सीओई, ओडिया विभाग, विश्वभारती एवं भारत सरकार, जनजातीय मामलों का मंत्रालय द्वारा प्रकाशित।

चंद्रशेखर नंदनका श्रेष्ठ गल्प (ओडिया मूल), सं मनोरंजन प्रधान नई दिल्ली: नेशनल बुक ट्रस्ट, अगस्त 2019, आईएसबीएन 978-81-237-8769-5.

सीओई द्वारा पोस्ट इंडिपेंडेंट ओडिया साहित्य की लघु कहानी में आदिवासी जीवन, सं. सबिता प्रधान, ओडिया विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, और भारत सरकार, जनजातीय मामलों के मंत्रालय, 2019

सीओई द्वारा भटरा लोक साहित्य, सं सबीता प्रधान, ओडिया विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन और भारत सरकार, जनजातीय मामलों के मंत्रालय, 2019.

ग्रामपाथरु बिस्वापाठा: बिनोद काब्यरथा, शरत् कुमार जेना, भुवनेश्वर: एथेना बुक्स, 2019, ISBN: 13978-93-80759-07-4.

मनोरंजन प्रधान द्वारा संकलित पुनरायरेबती, कटक: फ्रेंड्स प्रकाशन, जनवरी 2020। ISBN 81-7401-946-4.

सरला महाभारत पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही का संपादन किया- एथेना बुक्स, भुवनेश्वर, आईएसबीएन संख्या 13978-93-80824-06-2- पहला संस्करण-जनवरी-2020.

इंद्रमणि साहू, ओडिशा द्वारा मनबिका अधिकार ओ ओडिया उपन्यासा, एथेना बुक्स, आईएसबीएन नंबर 13978-93-80824-01-7.

इंद्रमणि साहू ओडिशा: द्वारा प्रबंधयाना, एथेना बुक्स, आईएसबीएन नं. आईएसबीएन- 13978-93-80824-13-0.

जर्नल्स में लेख:

शरत् कुमार जेना द्वारा ''परिबेसा समलोचनाबाद'' नबपात्रा, मई-जून, 2019.

प्रमिला पाटुलिया द्वारा 'ओडसारा जलकेंद्रीका लोक उत्सव, लोकगीत शिक्षा और अनुसंधान जर्नल, पृष्ठ 48-51, नंबर 32 जून, 2019, आईएसएसएन 2231-2862.

मनोरंजन प्रधान द्वारा ''इकोक्रिटिज्म'' राउरकेला, जुलाई, 2019 में।

कैलाश पटनायक द्वारा ''गोबिंदा ओ गदाधर: अंधकरा चित्रायन'', सत्यबाड़ी, अक्टूबर, 2019, ISSN2581-3994.

कैलाश पटनायक द्वारा ''सैतान महल: कानलकिता कुख्यती'', श्री साहित्य, अक्टूबर, 2019.

कैलाश पटनायक द्वारा ''सैतन महल:जयंता प्रतिबेशी'', अक्टूबर, 2019, आईएसएसएन 2456-8031.

कैलाश पटनायक द्वारा ''मौखिका गुप्त भाषा'' सप्तर्षि, अक्टूबर-दिसंबर, 2019, आईएसएसएन 0973 3264.

मनोरंजन प्रधान द्वारा ''अधुनिकता ओ नारीबदा'', महामाया, कटक, अक्टूबर, 2019.

मनोरंजन प्रधान द्वारा ''गलपिका चंद्रमोहन'', गौरब, जगतसिंहपुर, अक्टूबर, 2019 में।

मनोरंजन प्रधान द्वारा ''ओडिया श्रेष्ठ गल्प'', प्रतिबिशी, अक्टूबर- दिसंबर, 2019.

प्रमिला पाटुलिया द्वारा 'रश्मि रौलंका गलपरे नारी स्वाधीनता'', अनयात्रा, पेज 17-22, अक्टूबर, 2019.

शरत् कुमार जेना द्वारा, ''गलपा भितरा रुपा ओ स्वरुपा'', कथकलिका, अक्टूबर, 2019.

शरत् कुमार जेना द्वारा ''संस्कातिका नायका ससर्धाप्रा प्रेमोपाहार : ''पबनारा झोटी'' रा कबयसवारा, पहचा, अक्टूबर, 2019.

शरत् कुमार जेना द्वारा ''महात्मा गांधी ओ रवींद्रनाथ'', पक्षीघरा, अक्टूबर, 2019 में।

शरत् कुमार जेना द्वारा ''निचतिया जनहरती, गोपालकृष्णा ओ मु'', मनीषा, अक्टूबर, 2019.

शरत् कुमार जेना द्वारा ''रमेश पाणिग्रहींका नटकर जादुबस्तता'', श्री साहित्य, अक्टूबर 2019.

शरत् कुमार जेना, द्वारा ''ओडिया शिशु साहित्य आदि कहानी: ओशा ओ परबापारबानी'' सुना अजा अक्टूबर 2019.

रवीन्द्र कुमार दास द्वारा फुकोंका खय्यामाता तत्तावरा आलोकरे सरला महाभारतरा हिडिम्बिका द्रौपदी प्रसंग, इस्तहर पूजा अंक-2019.

रवीन्द्र कुमार दास द्वारा प्रीख्यापत्तारे बिनोद चंद्र नायकाका कात्याजता, अक्षांशा- पूजा अंक-2019.

रवीन्द्र कुमार दास द्वारा कबि ब्रह्मानंद दसांका काबिता: एक माइक्रो, अदध्ययना सैलाजा- पूजा अंक-2019.

मनोरंजन प्रधान द्वारा ''गांधी ओ रवींद्रनाथ'', बिबिधता गांधी पुस्तक-II, ओडिशा साहित्य अकडेमी, जनवरी, 2020.

शरत् कुमार जेना द्वारा ओडिया नाटकेर गांधीबाद, सं अरबिंदा पट्टानायक, ओडिशा साहित्य अकादमी, 2020. ISSN- 078-9387637-59-7.

इंद्रमणि साहू द्वारा ''द्वितीय किसोर'' साहित्य भूमि, फरवरी 2020. केंद्रपाड़ा, ओडिशा।

प्रो. मनोरंजन प्रधान द्वारा संकलित पहाड़ की आवाज में इंद्रमणि साहू द्वारा अनुवादित 'एक जंगल का पैनोरमा', उत्कृष्टता विभाग के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ओडिया, विश्वभारती।

प्रमिला पाटुलिया द्वारा ''रवींद्रनाथ टैगोर का बिद्या अभिस्प काव्या नाट्य छायारे - चंद्र ओ तारा'', ग्राम्या पथरू बिस्वापाठा, विनोद कावयारथ, एथेना बुक, दिसंबर, 2019. आईएसएसएन 13978-93-80759-07-4.

शरत् कुमार जेना द्वारा ''चम्पा एका फूला नुहेन: नियान जौला'', इस्ताहारा, बिसुबा, 2019.

जुझा एवं उत्तरमाने, मु एवं अंबेमने, एथेना बुक्स- आईएसबीएन 13978-93-80824-34-5- 2019.

कैलाश पटनायक द्वारा ''नटबाड़ा सामंते : बढिला जानी कश्म'' इस्तहर, जनवरी, 2020.

सविता प्रधान द्वारा ''रेबती: प्रलम्बिता धौरा करण अन्वेषणा'', पुनाराया रिबती, जनवरी, 2020.

अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग

यूजीसी नेट/स्लेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों का नाम:

अब्दुल्ला मोल्ला (यूजीसी नेट-जेआरएफ जून 2019) (रोल नंबर: WB10514789)

नाजमुन नाहर (यूजीसी नेट-जेआरएफ जून 2019) (रोल नंबर: WB10514768)

अब्दुल्ला मोल्ला (यूजीसी नेट-जेआरएफ दिसंबर 2019) (रोल नंबर: WB1005203487)

नाजमुन नाहर (यूजीसी नेट-जेआरएफ दिसंबर 2019) (रोल नंबर: WB1005203450)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

वाक्ता : 1) अहमद जौलाए (तेहरान विश्वविद्यालय के प्रो, ईरान), 2) अली इजादी (संस्कृति मंत्रालय, तेहरान, ईरान), 3) प्रो एम इशरत अली मोल्ला (पूर्व प्रमुख, अरबी और फारसी विभाग प्रमुख, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, इंडिया), 4) प्रो सैयद शाह हसीन अहमद (प्रमुख, उर्दू और फारसी विभागाध्यक्ष, वीकेएस विश्वविद्यालय, आरा बिहार), 5) प्रो (डॉ) सत्येंद्र पटनायक (रेक्टर, केआईआईटी विश्वविद्यालय, उड़ीसा, भारत)

22.02.2020 – 23.02.2020. संगोष्ठी का शीर्षक ''कल की ओर एक साथ: सतत विकास के लिए फारसी, मराठी, हिंदी और अन्य भाषाओं की भूमिका''

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी में भागीदारी:

मो. फायक :

26.04.2019 - 27.04.2019. सेंटर फॉर स्टडी ऑफ फॉरेन लैंग्वेजेज, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, तेलंगाना, इंडिया एवं स्कूल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल एशिया, बिश्केक, किर्गिज रिपब्लिक के सहयोग से बिश्केक में आयोजित ''भारत और मध्य एशिया का संबंध: इकोनॉमिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक के परिप्रेक्ष्य में'' नामक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''भारत और मध्य एशिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों और आपसी समझ का महत्व''।

अतिकुर रहमान :

19.02.2020-21.02.2020. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के फारसी अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित ''17 वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान उत्पादित फारसी साहित्य पर पुनर्विचार'' शीर्षक पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति की शीर्षक , ''शाहजहां के दरबार में सचिव और एक फारसी विद्वान के रूप में चंदर भान ब्राह्मण।

23.02.2020-24.02.2020. अरबी, फारसी, उर्दू, इस्लामी अध्ययन, मराठी एवं राजभाषा प्रकोष्ठ, विश्व-

भारती विभाग द्वारा आयोजित ''कल की ओर एक साथ: फारसी, मराठी, हिंदी और सतत विकास के लिए अन्य भाषाओं की भूमिका'' नामक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''भारतीय उप-महाद्वीप में फारसी में सूफीवाद और सूफीवादी विचार।

05.03.2020- 07.03.2020. मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद में ऑल फारसी टीचर एसोसिएशन द्वारा आयोजित ''XXXVII अखिल भारतीय फारसी शिक्षक सम्मेलन'' नामक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ... ''भारतीय उप-महाद्वीप में सूफी और सूफीवादी विचारों का योगदान (डेक्कन) भारत के विशेष संदर्भ में।

श्री अब्दुल्ला मोल्ला:

22.02.2020 - 23.02.2020. अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, मराठी और राजभाषा प्रकोष्ठ, विश्व-भारती (केंद्रीय विश्वविद्यालय), शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''कल की ओर एक साथ: फारसी, मराठी, हिंदी और सतत विकास के लिए अन्य भाषाओं की भूमिका'' नामक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''अनवर शाह कश्मीरी की कृतियों के साथ विशेष संदर्भ मुशकिलत अल-कुरान.''

22.02.2020 – 23.02.2020. अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, मराठी और राजभाषा प्रकोष्ठ, विश्वभारती (केंद्रीय विश्वविद्यालय), शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''कल की ओर एक साथ: फारसी, मराठी, हिंदी और सतत विकास के लिए अन्य भाषाओं की भूमिका'' नामक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता किया।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त अकादमिक विशेष सम्मान (जैसे डीएसए या सीएस आदि के रूप में मान्यता)

मो. फायक :

22.02.2020-23.02.2020. अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत में निदेशक के रूप में ''कल की ओर एक साथ: फारसी, मराठी, हिंदी और सतत विकास के लिए अन्य भाषाओं की भूमिका शीर्षक पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, अनिल सरकार स्मृति अंतरजातिय पुरस्कार वर्ष 2019 में (अनिल सरकार स्मृति आंतर्जातिक पुरस्कार-2019) को कबि अनिल सरकार अंतरजातिय शिक्षा और साहित्य गवेषणा परिषद, कोमिला बांग्लादेश से सम्मानित किया गया।

पश्चिम बंगाल के विश्वभारती शांतिनिकेतन में 27-10-2016 से नोडल अधिकारी के रूप में सेवारत, पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति (50% से अधिक और 50% से नीचे) के संबंध में विस्तार सहयोग के संबंध में ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने के लिए छात्रों के अभिलेखों की जांच, सत्यापन और अनुमोदन करने के लिए पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक छात्रों के लिए प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक और विकलांग छात्रों के लिए

शीर्ष श्रेणी की शिक्षा, पीजी इंदिरा गांधी स्कॉलरशिप फॉर सिंगल गर्ल चाइल्ड, पीजी स्कॉलरशिप यूनिवर्सिटी रैंक होल्डर्स, स्वामी विवेकानंद मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप फॉर माइनॉरिटी स्टूडेंट्स के लिए कार्य किया।

अब्दुल्ला मोला:

22.02.2020-23.02.2020 अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत में समन्वयक के रूप में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक है: ''कल की ओर एक साथ: सतत विकास के लिए फारसी, मराठी, हिंदी और अन्य भाषाओं की भूमिका।

वर्ष अप्रैल 2019- मार्च 2020 के अंतर्गत प्रकाशन

पुस्तकें

भारतीय उपमहाद्वीप में फारसी भाषा और साहित्य का योगदान- बंगाल, मोहम्मद फायक, नई दिल्ली के विशेष संदर्भ के साथ: अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्वभारती (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), शांतिनिकेतन और अदिति और प्रकाशक वितरक, 2019, आईएसबीएन: 978-81-93176-41-2.

भाषा, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, मोहम्मद फायक, नई दिल्ली: अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्व-भारती (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), शांतिनिकेतन और खमा प्रकाशक, 2019, ISBN:978-81-85495-82-8.

उर्दू, फारसी और अरबी अध्ययन के विकास में गैर-मुस्लिम कवियों और लेखकों का योगदान, मोहम्मद फैक, नई दिल्ली: अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्व-भारती (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), शांतिनिकेतन और अदिति प्रकाशक और वितरक, 2019, ISBN: 978-81-93176-42-9.

अल्लम अरबिक इतिहास साहित्य (भाग 2) , (अल-उलिख अल-अदब अल-अरबी, अल-जुज़ अल-थानी), अब्दुल्ला मोल्ला, नई दिल्ली: श्रेया पब्लिशर्स, 2019, आईएसबीएन: 978-93-82008-13-2.

हासिल-ए-सहरा नावारडी (उर्दू कविता बंगाली भाषा में अनुवादित), अब्दुल्ला मोल्ला, नई दिल्ली: श्रेया पब्लिशर्स, 2019, आईएसबीएन: 978-93-82008-14-9.

जर्नल्स में लेख:

''फारसी भाषा और साहित्य में आनंद राम मुखलिस का योगदान'', डॉ अतीकुर रहमान, दिल्ली, अदिति प्रकाशक और वितरक, 2019, पीपी 42-55, आईएसबीएन: 978-81-93176-42-9.

भारतीय उपमहाद्वीप में फारसी भाषा और साहित्य के योगदान में ''फारसी भाषा और साहित्य में अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग का योगदान-बंगाल के विशेष संदर्भ में'', अब्दुल्ला मोल्ला,

विभाग अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन, विश्व-भारती (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), शांतिनिकेतन और अदिति प्रकाशकों और वितरकों, जे-375 चौथे पुसता कर्तार नगर, दिल्ली, 2019, पीपी 81-119, ISBN: 978-81-93176-41-2.

'बशर इब्न बर्ड: व्यंग्य में उनका योगदान' शीर्षक आलेख, अब्दुल्ला मोल्ला द्वारा लिखित, उर्दू में विकास में गैर मुस्लिमों का योगदान, अदिति प्रकाशन, दिल्ली, 2019, ISBN: 978-81-93176-42-9.

भाषा, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में ''मेय जियादाह ओरिएंटल नारीवाद के अग्रणी के रूप में: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन'' अब्दुल्ला मोल्ला, विभाग अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन, विश्व-भारती (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), शांतिनिकेतन और ख़ामा प्रकाशक, नई दिल्ली, 2019, पीपी 88-93, आईएसबीएन: 978-81-85495-82-8.

अनमोल कलाम, मोहम्मद फैक, कोलकाता: आसिफा एंटरप्राइज, 2020, आईएसबीएन: 978-16-570863-6-4.

"फारसी भाषा और साहित्य में लोदी राजवंश का योगदान'', डॉ अतिकुर रहमान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, फारसी अनुसंधान संस्थान, एएमयू, 2020, पीपी 87-97, आईएसबीएन: 789353-961534.

''निगाही-ए-गुजरा बह सहमे सैयद मोहम्मद हुसैनी ख्वाजा बंदह नवाज गेसु दराज बेह पेशरबेफ्ट ओ गुशतरीसे जबान ओ अदबे फारसी दर कुरुने चहारदहम ओ पानजदहम मिलाडी डर शिबेहाराहे हिंद'', वासिफ अहमद, संगोष्ठी की कार्यवाही, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, 2020, Vol. I, पीपी 325, आईएसबीएन: 978-93-5391-850-79.

डॉ अतीकुर रहमान द्वारा ''मध्यकालीन काल के दौरान भारत-ईरान सांस्कृतिक संबंध'' डाबर, Vol. 6, नंबर, पीपी 08-18, ISSN: 2394-5567.

''अनवर शाह कश्मीरी: द यूलोजी पोएट, कालीकूट अरेबिक जर्नल, अब्दुल्ला मोल्ला, 2020, खंड 10, अंक 2, पृष्ठ 63-69, ISSN: 2278-764X.

''मुगल सम्राट अकबर के कवि-पुरस्कार विजेता: शेख़ अबुल फैज फैजी'', वासिफ अहमद, 'रिसर्च की समीक्षा' 2019, वॉल्यूम:आठवीं, पृष्ठ 87, आईएसएसएन: 2249-894X.

भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग

विभागीय प्रोफाइल:

शांतिनिकेतन ने 1921 में सिल्वेन लेवी (1863-1935) को विश्व-भारती में भारत-तिब्बत अध्ययन पर वैज्ञानिक अध्ययन शुरु करने के लिए आमंत्रित किया। बीस के आरंभिक दशक में गुरुदेव खुद प्रोफेसर लेवी के तिब्बती कक्षाओं में छात्र थे। प्रो लेवी के रवाना होने के बाद भारत एवं विदेश से विधुशेखर शास्त्री, पीसी बागची सुजीत कुमार मुखर्जी, अप्पस्वामी शास्त्री, शांति भिक्षु शास्त्री, पीवी बापट, टैन यूं सैन, जी तुक्की, एम विंटरनिट्ज, वेन सोनम एनजीओडुप, वेन गेशे थुबटेन रालग, रेव एंजी वांगदी, वीवी गोखले, अंगारिका गोविंदा, सी.आर.लामा, सुनीति कुमार पाठक, लामा चिमपा और अन्य विद्वान द्वारा शांतिनिकेतन में बौद्ध अध्ययन आरंभ किया।

1954 में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से वित्तीय सहायता के साथ भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग के लिए एक अलग स्नातकोत्तर केंद्र स्थापित किया गया। 1954 से 80 के दशक के मध्य तक वेन चिमेद रिगजिन लामा ने विभाग के पहले प्रमुख के रूप में अध्यक्षता की और इसकी बहुमूल्य पांडुलिपि और जाइलोग्राफ संग्रह में बहुत योगदान दिया। विभाग के सह संस्थापक प्रो सुनीति कुमार पाठक थे। वर्ष 2003 में विभाग ने अपनी स्वर्ण जयंती मनाई, जिसका उद्‌घाटन परम पावन XIV दलाई लामा ने किया।

विभागीय गतिविधियां:

01-11-2019 "पाली और बौद्ध साहित्य" विषय पर शांतिनिकेतन में अंबेडकर बौद्ध कल्याण मिशन के सहयोग से एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

03-02-2020 ने एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया, जो रूर-यूनिवर्सिटी बोचम, जर्मनी के सेंटर फॉर धार्मिक स्टडीज (सीईआरईएस) के डॉ डायलन एस्लर ने "द्ज़ोग्चेन में इंद्रधनुष ('जा' लुस) का समीप आना" पर एक विशेष व्याख्यान दिया है। इस व्याख्यान की अध्यक्षता प्रख्यात तिब्बतोलॉजिस्ट एवं भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग विश्वभारती के पूर्व प्रो सुनीति कुमार पाठक ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशाला/प्रदर्शनी में सहभागिता

डॉ संजीब कुमार दास

01.11.2019 भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग विश्वभारती के सहयोग से शांतिनिकेतन अंबेडकर बौद्ध कल्याण मिशन द्वारा आयोजित "पाली और बौद्ध साहित्य" नामक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक "महायान बौद्ध साहित्य में पांच विज्ञान : एक संक्षिप्त परिचय"।

08.12.2019-09.12.2019. बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्व-भारती द्वारा आयोजित "अहिंसा और बौद्ध धर्म" नामक एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक "बौद्ध धर्म में दुश्मन की अवधारणा"।

09.11.2019-11.11.2019 पूर्व छात्रों, सीआईएचटीएस, सारनाथ द्वारा आयोजित ''तिब्बती और महायान अध्ययन'' नामक एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''बौद्ध धर्म में महिलाओं की संभावना: एक अध्ययन''।

22.02.2019-23.02.2019 अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग मराठी विभाग और राजभाषा प्रकोष्ठ, विश्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''कल की ओर एक साथ: फारसी, मराठी, हिंदी और सतत विकास के लिए अन्य भाषाओं की भूमिका'' नामक एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया; प्रस्तुति का शीर्षक ''बौद्धिक धर्मग्रंथों का हिंदी अनुवाद: आवशकता एवं प्रासांगिकता''।

07.01.2019-10.01.2019 को रायगंज विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित छह व्याख्यान दिए गए। प्रस्तुति का शीर्षक ''मुलमध्यामकारिका, लघु प्रजनापरामिता, प्रतित्यासमुपदा की अवधारणा और याना की अवधारणा''।

शेडअप तेनजिन

08.02.2020-09.02.2020। भारत के पी जी विभाग, भाषा एवं संस्कृति केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, आदिकबि सरला दास अध्यक्ष ओडिया स्टडीज, सीआईएल/एसएलएल और सीएस, जेएनयू, नई दिल्ली और कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडो-पैसिफिक स्टडीज, भुवनेश्वर द्वारा पंथनिवास, भुवनेश्वर में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''भारत-तिब्बती साहित्य: भारत का एक खोया खजाना।

26.01.2020. सिद्धार्थ यूनाइटेड सोशल वेलफेयर मिशन, द रीजनल सेंटर फॉर वर्ल्ड फेलोशिप ऑफ बुद्धिस्ट और द वर्ल्ड संघ काउंसिल, कोलकाता द्वारा आयोजित ''अनुप्रयुक्त बौद्ध धर्म और वैश्विक शांति'' नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''उदात करुणा: आंतरिक शांति का एक स्रोत''।

01.11.2019.भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सहयोग से अंबेडकर बौद्ध कल्याण मिशन द्वारा आयोजित ''पाली और बौद्ध साहित्य'' नामक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''तिब्बती बौद्ध धर्म में लोजोंग साहित्य: इसकी विशेषताएं और महत्व''।

08.12.2019-09.12.2019. ''अहिंसा और बौद्ध धर्म'' विषय पर बौद्ध अध्ययन, विश्वभारती केंद्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य व्याख्यान दिया।

विश्वभारती के बौद्ध अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित ''अहिंसा और बौद्ध धर्म पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी'' नामक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''अहिंसा के एक घटक के रूप में प्रेम, अनुकंपा और करुणा: एक बौद्ध दृष्टिकोण''।

विश्वभारती के बौद्ध अध्ययन केंद्र द्वारा अहिंसा और बौद्ध धर्म विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में अध्यक्षता की।

10.12.2019. बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित ''बुद्ध पर अंतरराष्ट्रीय बहुभाषी काव्य महोत्सव'' नामक अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में एक तिब्बती कविता प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''मधुमक्खियों का सुखद राग जो भक्तों में विश्वास आकर्षित करता है''।

01.11.2019. शांतिनिकेतन अंबेडकर बौद्ध कल्याण मिशन के सहयोग से भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित ''पाली और बौद्ध साहित्य'' विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

11.11.2019. कथिना किवरा डेना महोत्सव के अवसर पर नव नालंदा महाविहार (डीम्ड यूनिवर्सिटी), नालंदा द्वारा आयोजित ''भारत में मठवासी प्रणाली का विकास और वर्षा ऋतु रिट्रीट (वासवासा) नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''तिब्बत में मूलासरवताविंद विनय परंपरा का परिचय: एक झलक''।

13.02.2020 . भाषा-भवना कांफ्रेंस हॉल, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में भाषा-भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित भाषा-वैभव सत्र के दौरान ''भारत-तिब्बती अध्ययन: भारत का खोया खजाना'' पर व्याख्यान दिया।

प्रकृति चक्रवर्ती

01.02.2020-01.02.2020. मराठी विभाग एवं अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारी कल्याण संघ, विश्व-भारती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''आधुनिक भारत पर बी.आर अंबेडकर का योगदान'' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''बौद्ध धर्म और मानव अधिकार''।

सोनम जंगपो (अप्रैल, 2011 से अब तक संगोष्ठी पुस्तकालय, आईटीएस विभाग का प्रभारी)

01.11.2019. भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सहयोग से शांतिनिकेतन अंबेडकर बौद्ध कल्याण मिशन द्वारा आयोजित 'पाली और बौद्ध साहित्य' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक 'तिब्बती मठवासी पदानुक्रम और शिक्षा प्रणाली: शांतिनिकेतन के बल्लवपुर डांगा में एक सामाजिक-आध्यात्मिक दृष्टिकोण' है।

15.11.2019-28.11.2019. यूजीसी द्वारा आयोजित 'इंडिया: परंपरा, कला, संस्कृति, और सोसायटी' में 14 दिवसीय यूजीसी प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

13.01.2020-14.01.2020 केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ, वाराणसी और कला विभाग, संस्कृति एवं युवा मामलों के संयुक्त रूप से आयोजित ''तिबत से लाए गए महापंडित राहुल संकृत्यायन के संग्रह से हिंदी में काग्यूर, तेंग्यूर और सुंगबम का अनुवाद विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

नोरबू ग्याल्ट्सन नेगी

09.11.2019-11.11.2019 केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान और सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी के पूर्व छात्रों के एसोसिएशन द्वारा आयोजित ''सीआईएचटीएस पूर्व छात्र अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ऑन तिब्बती एंड हिमालयन स्टडीज'' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''जंगजुग साम्राज्य के विरासत शॉन : एक अध्ययन''।

08.12.2019-09.12.2019 को बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित ''अहिंसा और बौद्ध धर्म'' नामक एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''बौद्ध धर्म में अहिंसा की अवधारणा: एक परिचय''।

15-06-2918-25.06.2018. ए के दासगुप्ता योजना और विकास के लिए केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित ''सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम पर राष्ट्रीय कार्यशाला'' में दस दिन भाग लिया।

02-12-2018-09.12.2019. बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, द्वारा आयोजित ''बौद्ध धर्म और मानवता'' विषय पर एक सप्ताह की अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा समवेत रूप से प्राप्त अकादमिक विशेष सम्मान (डीएसए या सीएएस आदि के रूप में मान्यता)

शेडअप तेंजिन

26.01.2020 सिद्धार्थ यूनाइटेड सोशल वेलफेयर मिशन, द रीजनल सेंटर फॉर वर्ल्ड फेलोशिप ऑफ बुद्धिस्ट एंड द वर्ल्ड संघ काउंसिल, कोलकाता द्वारा ''अनुप्रयुक्त बौद्ध धर्म और वैश्विक शांति'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर एसयूएसडब्ल्यूएम विश्व शांति पुरस्कार प्रदान किया गया।

सोनम जंगपो

22.05.2019 झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के सुदूर पूर्व भाषा केंद्र (तिब्बती) में जेआरएफ-एसआरएफ उन्नयन बैठक में भाग लिया, जहां उल्लिखित केंद्र के पीएचडी स्कॉलर के प्रगति कार्य के मूल्यांकन के लिए 'बाहरी विषय विशेषज्ञ' के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रकाशन:

पुस्तकें

संजीब कुमार दास

वसुबंधु और अभिधर्मकोसा, संजीब कुमार दास, दिल्ली: बौद्ध विश्व प्रेस, 2020 आईएसबीएन : 9789389388015.

पत्रिकाओं में लेख / पुस्तकों में अध्याय:

बौद्ध धर्म में महिलाओं की संभावना: एक अध्ययन'', संजीब कुमार दास, सत्य की खोज में खंड संख्या II 2019, आईएसबीएन 987-81-936254-8-4.

''बॉड रिग पाई म्खस दबंग बंगा लाई स्लोब द्पोन चेन पो सा रत कन्दरा दस सं स्टोन जला ई खोल पो (1849-1917)'', सत्य की खोज में: भाग II, प्रो समडोंग रिंपोछे के सम्मान में सीआईएचटीएस पूर्व छात्रों द्वारा लिखे गए लेखों का संग्रह, (एड.) संपादकीय बोर्ड प्रो एस रिंपोछे अभिनंदन खंड, केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के पूर्व छात्र संघ, सारनाथ, वाराणसी पी.पी.पी.672, 2019, आईएसबीएन: 978-81-936254-8-4.

''आधुनिक शिक्षा और विकास: बौद्ध परिप्रेक्ष्य'' लचीलापन निर्माण और सतत विकास में सोनम जांगपो द्वारा: भारतीय परिप्रेक्ष्य, प्रो प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय और दया शंकर कुशवाहा, नई दिल्ली प्रकाशक, 2019 द्वारा संपादित, पीपी 37-46। ISBN: 978-93-88879-11-8.

नोरबू ग्याल्टसेन नेगी द्वारा ''जंगजुग साम्राज्य के विरासत शॉन : एक अध्ययन'', सत्य की खोज में भाग II: प्रो: समडोंग रिंपोछे (प्रो एस रिंपोछ फेलीसीटेसन खंड, केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के पूर्व छात्र संघ, सारनाथ) वाराणसी के पूर्व छात्रों के सम्मान में CIHTS पूर्व छात्रों द्वारा नियोजित लेखों का संग्रह: सत्तानम प्रिंटर, 2019, आईएसबीएन : 978-81-936254-0-4 पी.पी 1077-1090.

संजातीय टेपेस्ट्री (बंगाली लघु कथाएं एक स्वदेशी लोग), उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), ओडिया विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, 2019 (भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय) में प्रकृति चक्रवर्ती द्वारा 'अर्जुन' (महाश्वेता देवी) का अनुवाद।

संजीब कुमार दास द्वारा ''बुद्ध का मानव धर्म: एक झलक'' निब्बन बोधी, खंड संख्या XIV, पीपी 34-40, जुलाई-दिसंबर, 2019.

शेडअप तेंजिन द्वारा ''तिब्बती कैनोनिकल और गैर-विहित ग्रंथों में शामिल अश्वघोष के कार्य'' जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, ए इंटरनेशनल ओपन एक्सेस जर्नल, वॉल्यूम 6, अंक 6, अंक 6, 2019, आईएसएसएन: 2349-5162, (आईएसएसएन यूजीसी अनुमोदित (जर्नल नंबर 63975) और 5.87 प्रभाव कारक, पीपी 695-701 .

अजंता में शेडअप तेनजिन द्वारा ''नामग्याल राजवंश का पतन: एक आधुनिक परिप्रेक्ष्य'', एक अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक त्रैमासिक अनुसंधान जर्नल, पीयर रिव्यू एडेड और यूजीसी सूचीबद्ध जर्नल (जर्नल नंबर 40776), वोल आठवीं, अंक-1, पीपी 20-27, 2019. आईएसएसएन :2277-5730.

सेलकण्यका में सोनम जांगपो द्वारा 'बौद्ध धर्म में कर्म (क्रिया) और बुद्ध का दर्शन : एक परिचय', प्रोफेसर सैलबाला सेनापति फेलिसीटेसन खंड (पीयर रिव्यू), सं प्रो० अरुणा रंजन मिश्रा और डॉ. शशिभूषण मिश्रा, पीपी 56-70, प्रकाशित, बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन और बनारस मर्केंटाइल कंपनी

आईएसबीएन: 978-81-86359-77-एक्स।

सोनम जांगपो द्वारा प्रकाशित एक शोध आलेख ''भरत रत्न डॉ. बी आर अंबेडकर (1891-1956): आधुनिक भारत का एक बौद्ध पंडित'', अजंता प्रकाशन औरंगाबाद (एम एस), खंड IX, अंक-2 पृष्ठ संख्या 32-36, नंबर 40776 - आईएसएसएन 2277-5730, अप्रैल-जून, 2019.

जंगतशम में सोनम जांगपो द्वारा 'हिमालयी संस्कृति में पर्यावरण चिंतन', सं. प्रो. वी.एस नेगी, सीरीज नंबर 3, 42-46, शिमला: किन्नौर, लाहौल-स्पीति बौद्ध सेवा संघ, 2019.

नोर्बू ग्याल्टसेन नेगी द्वारा, ''बॉन धर्म का परिचय'', पीयर रिव्यू एडेड और यूजीसी में सूचीबद्ध जर्नल (जर्नल नंबर 40776), एक अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक त्रैमासिक अनुसंधान जर्नल, अजंता प्रकाशन, औरंगाबाद (एमएस)। महारस्का, अप्रैल-जून 2019, (आईएसएसएन:2277-5730): 13-18.

नोर्बू ग्याल्टसेन नेगी द्वारा ''चार ब्रह्मविहार की प्रासंगिकता: आधुनिक संदर्भ में'', पीयर रिव्यूडेड और यूजीसी सूचीबद्ध जर्नल (जर्नल नंबर 40776), एक अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक त्रैमासिक अनुसंधान जर्नल, अजंता प्रकाशन, औरंगाबाद (एमएस)। महारस्का, अप्रैल-जून 2019, (आईएसएसएन:2277-5730): 64-70.

नोर्बू ग्यालत्सेन नेगी द्वारा ''नालंदा विश्वविद्यात के विरासत को जीवित रखने बहुत देश का योगदान : एक अध्ययन'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज (आईजेआरएआर), जून 2019, वॉल्यूम 6, अंक 2, (ई-आईएसएसएन: 2348-1269, पी-आईएसएसएन-2349-5138): 493-497.

नोर्बू ग्याल्टसेन नेगी द्वारा नोरबू ''गेशेमा: तिब्बती बौद्ध धर्म में महिला सशक्तिकरण का एक मील के पत्थर का उदाहरण'', इंटरनेशनल एजुकेशन एप्लाइड रिसर्च जर्नल: ए मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल 2019, खंड. 03, अंक 09, सितंबर 2019 (ई-आईएसएसएन: 2456-6713) 5-7.

संताली विभाग

यूजीसी नेट/स्लेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों का नाम:

1. बाबूराम हेम्ब्रम
2. गोपाल हंसदा
3. रुमकी भुल
4. बुद्धदेव बिस्वास
5. कैलाश सोरेन
6. गोपा सोरेन

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशाला में सहभागिता :

धनेश्वर मांझी

17.04.2019: आईसीसीआर, सत्यजीत रॉय ऑडिटोरियम, कोलकाता में सेंटर फॉर एससी, एसटी सपोर्ट एंड रिसर्च (सीएसएसआर) कोलकाता द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बाबा साहिब भीमराव अंबेडकर जयंती पर अध्यक्ष के रूप में व्याख्यान दिया।

30. 05.2019: पूर्व बर्दवान, जमालपुर, जमालपुर ब्लॉक हाल महा उद्यापन समिति द्वारा आयोजित संथाल हुल -1855-56 पर अतिथि के रूप में एक व्याख्यान दिया।

24. 10. 2019: एएसईसीए (पश्चिम बंगाल) द्वारा शिबडांगा एएसईसीए (डब्ल्यू) बांकुड़ा जिला शाखा, शिबडांगा, खुलियामुरु, बांकुड़ा द्वारा आयोजित संताली शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ओल्चिकी में) 2019 में एक व्याख्यान दिया।

15.11.2019: भाषा-भवना कांफ्रेंस हॉल में भाषा-भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित भाषा-वैभव पर व्याख्यान दिया।

सदस्य :

समान अवसर प्रकोष्ठ, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।

पश्चिम बंग संताली अकादमी

18.01.2020 बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिले जिसमें परियोजना अधिकारी सह जिला कल्याण अधिकारी पिछड़ा वर्ग, कल्याण एवं आदिवासी विकास, खुशी दुर्गा उच्च विद्यालय में बीरभूम, सैंथिया पंचायत समता, डस्ट-बीरभूम के तहत अहमदपुर, यूजीबीएस एंड पीजीबीएस, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, बांकुड़ा विश्वविद्यालय, बांकुड़ा, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर शामिल हैं, इसके द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए जनजातीय भाषा में जोनल स्तर एक अधिनियम नाटक प्रतियोगिता पर न्यायाधीशों के

एक पैनल में अपनी सहभागिता दी।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तारक गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में विभाग के शिक्षकों एवं छात्रों ने भाग लिया।

1) संताली विभाग उक्त गतिविधियों में सक्रिय रुप से भाग लिया और कर्मी सभा, विश्वभारती द्वारा एक स्टाल 'आनंद बाजार' खोला गया। स्टॉल का नाम 'सिबिल-सोरोम' और छात्र टीम लीडर डॉ धनेश्वर मांझी है।

2) संताली विभाग के सभी छात्र-छात्राएं एनएसएस और गांधी पुष्य तिथि में भाग लेते है।

3) संताली विभाग के सभी छात्र स्वयंसेवक के रुप में पौष मेला और दोल उत्सव में भाग लेते हैं।

प्रकाशन :

पुस्तकें :

खोंड्रोन ओनोल (संताली में शोध निबंधों का संग्रह) डॉ धनेश्वर मांझी और डॉ रामू हेम्ब्रोम, करनडीह, डबंकी प्रेस, 2019, आईएसबीएन 978-81-940515-2-7.

1. संपादक-आशा पत्रिका, शांतिनिकेतन
2. संपादक-द संथाल, शांतिनिकेतन
3. उप संपादक- अखरा, रांची।

जापानी विभाग (निप्पॉन भवन)

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट र गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों का नाम :

श्री प्रोसेनजीत चक्रवर्ती (जेआरएफ के साथ नेट - जून 2019)

श्री देबोप्रिया दास (जेआरएफ के साथ नेट - दिसंबर 2019)

विभागीय गतिविधियां:

18.08.2019: निप्पॉन भवन के उद्घाटन के रजत जयंती वर्ष के एक भाग के रूप में, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के पूर्व प्रोफेसर पूर्बी रॉय द्वारा ‘‘भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) की 75 वीं वर्षगांठ और जापान’’ पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

13-17.09.2019: जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से, भारत में जापान के दूतावास और भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित ‘5 दिवसीय जापानी भाषा शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम’ का आयोजन किया गया।

28.01.2020. जापानी विभाग, विश्व-भारती के पूर्व विजिटिंग प्रोफेसर और कोलकाता के पूर्व महावाणिज्य दूत जापान के श्री मित्सुओ कावागुची द्वारा ‘‘भारत-जापान संबंध’’ पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी में भागीदारी :

गीता ए कीनी

पश्चिम बंगाल सरकार के पर्यटन विभाग और भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा ‘‘बीरभूम के आसपास ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए रोड मैप’’ विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

9.12.2019-10.12.2019. जापानी अध्ययन का केंद्र, भाषा साहित्य और संस्कृति अध्ययन, स्कूल ऑफ लैंग्वेज लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा ‘‘भारत और दक्षिण एशिया में जापानी अध्ययन: एक नए क्षितिज की ओर (インド南アジアにおける日本研究::新たな地平線に向かって) ‘‘पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ‘‘एक और कई के ज्ञान की बुद्धि: एक समाज के अद्वितीय सांस्कृतिक खजाना संसाधन.’’

9.12.2019-10.12.2019. जापानी अध्ययन के लिए केंद्र, स्कूल ऑफ लैंग्वेज लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा ‘‘भारत और दक्षिण एशिया में जापानी अध्ययन: एक नए क्षितिज की ओर (インド:南アジアにおける日本研究新たな地平線に向かって)’’ पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में राउंड टेबल सत्र में भाग लिया।

सुदीप्त दास

9.12.2019-10.12.2019 सेंटर फॉर जापानी स्टडीज, स्कूल ऑफ लैंग्वेज लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''जापानी अध्ययन भारत और दक्षिण एशिया: एक नए क्षितिज की ओर (って地平線に向日本研究におけ 南)'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''जापान में भारतीय स्वतंत्रता के नक्शेकदम की कम जानकारी''

9.12.2019-10.12.2019. जापानी अध्ययन केंद्र, स्कूल ऑफ लैंग्वेज लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''भारत और दक्षिण एशिया में जापानी अध्ययन : एक नए क्षितिज की ओर (って地平線に向日本研究におけ 南)'' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में राउंड टेबल सत्र में भाग लिया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तारक गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में विभाग के शिक्षकों एवं छात्रों ने भाग लिया

11.02.2020-16.02.2020. छात्र आदान प्रदान कार्यक्रम के तहत रेटकू विश्वविद्यालय का दौरा।

17.02, 2020-19.02.2020. चिकुशी जोगकुएन विश्वविद्यालय के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम।

06.03.2020. जापान के महावाणिज्य दूत, कोलकाता के सहयोग से ''किमोनो क्रांति'', ''ईहेओजी: इनसाइड डोगेन जेन मठ'', ''सेशू की वर्ल्ड जेन इन इंक'' की दुनिया, एनएचके वृत्तचित्र जापानी संस्कृति के कुछ पहलुओं को उजागर करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रकाशन:

पुस्तक:

अजय कुमार दास द्वारा ''भारत और जापान में प्राथमिक शिक्षा प्रणाली'', एवेनेल प्रेस, बर्दवान/कोलकाता, जून 2019, आईएसबीएन: 978-93-80761-86-2।

पत्रिकाओं में लेख/पुस्तकों में अध्याय:

''जापान में योद्धा की शिक्षा: एक आत्मनिरीक्षण'', अजय कुमार दास, जर्नल ऑफ एजुकेशनल एंड डेवलपमेंट. खंड .9, नंबर 17, पीपी 676-680, मई-जून 2019, ISSN: 2248-9703.

''जापान में प्राथमिक शिक्षा: 21 वीं सदी में इसकी समस्याएँ'', अजय कुमार दास, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस खंड. 8, नंबर 2, पीपी 39- 44, जून 2019, आईएसएसएन: 2249-6637.

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग के प्रमुख की राय में रिपोर्टिंग के लायक है, शामिल किया जाना चाहिए।

छात्रों की उपलब्धियां

सुदीप सिंह (रिसर्च स्कॉलर)

रीताकू विश्वविद्यालय, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ लैंग्वेज, जापान में आयोजित डॉक्टरेट स्कॉलर के रूप में 4 महीने (अप्रैल ~ जुलाई, 2019) के लिए स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए चुना गया।

पूर्वी भारत जापानी भाषा भाषण प्रतियोगिता, 2019 निम्नलिखित छात्रों को उच्च स्थान प्राप्त किया :

क्रम संख्या	प्रतिभागियों का नाम	समूह	प्राप्त स्थान
1	एस के अज़हर	वरिष्ठ	पहला
2	रीतिका भगत	वरिष्ठ	दूसरा
3	एस के सबीर अली	वरिष्ठ	तीसरा

विश्वविद्यालय स्वच्छता अभियान :

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान में भाग लेने के अतिरिक्त, विभाग के छात्रों ने निप्पॉन भवन में जापानी गार्डन के अतीत के गौरव को वापस लाने और बढ़ाने की पहल की, जो विश्वविद्यालय सप्ताहांत के एक दिन के सुबह के समय काम कर रहे थे। छात्रों की इस पहल को कोलकाता में जापान के महावाणिज्य दूत और जापान के अन्य आगंतुकों ने काफी सराहा।

जापानी भाषा प्रवीणता परीक्षण जुलाई 2019 :

विभाग ने जापान फाउंडेशन, जापान के सहयोग और कोलकाता के महावाणिज्य दूतावास जापान के सहयोग पक्ष से 7 जुलाई 2019 को जापानी भाषा प्रवीणता परीक्षण (जेएलपीटी) की सफलतापूर्वक व्यवस्था किया। शांतिनिकेतन, श्रीनिकेतन और आसपास के 308 जापानी भाषा शिक्षार्थियों ने जुलाई और दिसंबर के पहले रविवार को विश्व स्तर पर आयोजित होने वाली परीक्षा के विभिन्न स्तरों (1-5) के लिए आवेदन किया।

चीनी भाषा और संस्कृति विभाग

विभागीय रुपरेखा

विश्व-भारती चीना-भवना (चीनी भाषा और संस्कृति विभाग) की स्थापना गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर और प्रो तेन यून-शान ने 14 अप्रैल 1937 को की थी। गुरुदेव टैगोर ने इस संस्था को चीन-भारतीय संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देखने की आकांक्षा से की थी:"इस विभाग (चीना-भवन) का उद्देश्य चीन और भारत के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को स्थापित और बढ़ावा देना रहा होगा, जिसके उद्देश्य से यह चीनी विद्वानों को भारतीय भाषाओं, साहित्यकारों, इतिहास, धर्म, दर्शन आदि के साथ ही भारतीय विद्वानों के लिए चीनी भाषा, साहित्य, धर्म, दर्शन आदि का अध्ययन करना – बौद्ध धर्म को ऐसे सभी अध्ययनों के लिए नाभिक माना जा रहा है।बौद्ध धर्म के अध्ययन करने व इसके मूल भाव को समझने की सुविधा प्रदान करेगा। (विश्व-भारती बुलेटिन संख्या 24 अप्रैल, 1939)।

यह संस्था चीन, भारत के विभिन्न हिस्सों, लगभग सभी एशियाई देशों और अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका और विशेष रुप से श्रीलंका, जापान, म्यांमार, थाईलैंड और नेपाल के छात्रों और विद्वानों को आकर्षित करती है। अनुवाद का काम भारी भरकम मात्रा में किया गया और चीन-भारतीय जर्नल का प्रकाशन शुरु हो गया। चीना-भवन पुस्तकालय पूरे दक्षिण एशिया में चीनी पुस्तकों और पत्रिकाओं के संरक्षण में अपनी तरह का सबसे अच्छा है, जिसमें 50000 से अधिक दुर्लभ और अमूल्य पुस्तकों का खजाना घर है। नवंबर, 2014 में चीन जनवादी गणराज्य के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों को कायम रखने, लोगों से मित्रता को मजबूत करने और विश्व शांति और विकास को बढ़ावा देने में चीन भवन के योगदान के लिए दिल्ली में एक समारोह में चीना भवन को ' पंचशील मैत्री पुरस्कार ' से सम्मानित किया।

यूजीसी नेट/स्लेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों का नाम:

दिप्तांशु गंगोपाध्याय ने दिसंबर 2019 में जेआरएफ के साथ यूजीसी नेट में अर्हता प्राप्त किया।

छात्रवृत्ति/उपलब्धियां :

1. वर्ष 2019 में, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय छात्रवृति, के अंतर्गत भारत-चीन द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत चीन में अध्ययन करने के लिए भारत सरकार द्वारा तीन (01) छात्र का चयन किया गया था।
2. वर्ष 2019 में, विश्व-भारती और बीजिंग विश्वविद्यालय, चीन के बीच हुए एमओयू के तहत चीन में एक सेमेस्टर की पढ़ाई को आगे बढ़ाने के लिए सात (05) छात्रों को चीनी सरकारी छात्रवृत्ति के लिए नामित किया गया था।
3. वर्ष 2019 में, एक छात्र को एक साल या उससे ज्यादा समय तक चीन में पढ़ाई करने के लिए

स्कॉलरशिप मिली।

4. 15 छात्रों को कैंपस और ऑफ कैंपस चयन प्रक्रिया के माध्यम से विभिन्न अनुवादकीय कंपनियों में नौकरी मिली।

विभागीय गतिविधियां :

05.07.2019-05.08.2019: 5 जुलाई से 5 अगस्त 2019 तक हंबन, पेकिंग यूनिवर्सिटी ऑफ चाइना और विश्व-भारती के बीच एमओयू के तहत चीना भवन, विश्वभारती में एक माह ''शिक्षक प्रशिक्षण'' पाठ्यक्रम कार्यशाला का आयोजन किया गया।

10.08.2019-09.11.2019: चीना भवन, विश्व -भारती में ''भारत में अंतर्राष्ट्रीय चीनी शिक्षण की एथनोग्राफी (2017-20)'' पर चीन के प्रो लिमिंग झ्रांग, एंथ्रोपोलाजी भाग, स्कूल ऑफ एथोलोजी और समाजशास्त्र, युन्नान विश्वविद्यालय, कुनमिंग, युन्नान प्रांत, शोध हो रहा है।

18.08.2019: संस्थान ऑफ साउथ एशियन स्टडीज, सिचुआन विश्वविद्यालय और संस्थान के विद्वानों और चीना-भवन, विश्व-भारती के छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के बीच एक गोल मेज पर सम्मेलन और चर्चा आयोजित की गई।

06.09.2019-07.09.2019: ''भारत-चीन विकास गतिशीलता (1949-2019)के परिप्रेक्ष्य में'' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में जेएनयू, डीयू, इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज के प्रख्यात विद्वानों और चीन के 12 विद्वानों ने हिस्सा लिया।

18.11.2019: कोलकाता में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के वाणिज्य दूतावास कार्यालय के सहयोग से चीना भवन, विश्व-भारती में चीनी स्तर की प्रतियोगिता (पांचवीं हियून सांग कप चीनी भाषा प्रतियोगिता) का आयोजन किया गया।

14.12.2019: जस्टिस टिबीएन राधाकृष्णन, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, कलकत्ता ने चीना-भवन, विश्व-भारती का दौरा किया।

06.01.2020 और 25.02.2020: चाइनिज में एमए, सेमिस्टर 2 और 4 एवं चाइनिज से बीए (ऑनर्स) के छात्रों के लिए एक संगोष्ठी प्रस्तुति सत्र की व्यवस्था किया गया।

13.01.2020: महामहिम, श्री सन वेडोंग (चीन जनसामान्य गणराज्य के राजदूत) ने चीना भवन का दौरा किया, छात्रों और विभाग के संकाय सदस्य के साथ बातचीत की और इस अवसर पर एक छोटे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

06.02.2020: फू जेन कैथोलिक विश्वविद्यालय, ताइवान के छात्रों और शिक्षकों ने चीना भवन का दौरा किया और संकाय और छात्रों के बीच एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी:

अभिजित बनर्जी

18.06.2019 - 24.06.2019: 7 दिवसीय शैक्षणिक यात्रा पर चीन का दौरा किया।

14.04.2019: शांति और संघर्ष अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''भारत और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव: पश्चिम बंगाल'' से एक परिप्रेक्ष्य।

11.08.2019: हंबन, पीआरसी द्वारा आयोजित बीजिंग में ''चीन-भारत आदान-प्रदान और भाषा शिक्षा में सहयोग पर दूसरी परिसंवाद'' नामक संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''भारत-चीन सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने में विश्व-भारती चीना भवन की अग्रणी भूमिका।

06.09.2019- 07.09.2019: कोलकाता में चीन के वाणिज्य दूतावास कार्यालय के सहयोग से विश्वभारती चीना भवन द्वारा ''भारत-चीन विकासात्मक गतिशीलता (1949-2019) के परिप्रेक्ष्य में'' विषय पर आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''लोगों से लोगों का कनेक्टिविटी: भारत-चीन संबंधों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण''।

20.10.2019: दक्षिण एशियाई भाषा विभाग, स्कूल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन स्टडीज, बीजिंग फॉरेन स्टडीज यूनिवर्सिटी, बीजिंग, पीआरसी में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक: ''लोगों का मजबूत लोगों में आदान प्रदान: भविष्य में भारत-चीन संबंधों की नींव''।

21.10.2019: बंगाली विभाग, स्कूल ऑफ एशियन स्टडीज, बीजिंग फॉरेन स्टडीज यूनिवर्सिटी, बीजिंग, पीआरसी में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक: ''चीनी छात्र बंगाली अच्छी तरह से कैसे सीख सकते हैं''।

22.10.2019: बीजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बीजिंग, पीआरसी में 22 अक्टूबर, 2019 को विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के अंश के रुप में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''भारत का विश्व-भारती चीना भवन: भारत-चीन संबंधों के अग्रदूतों की खेती के लिए एक जगह।

20.10.2019: तुलनात्मक सभ्यताओं और अंतरसांस्कृतिक संचार अकादमी, बीजिंग विदेशी अध्ययन विश्वविद्यालय, बीजिंग, पीआरसी में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''चीन-भारतीय संवाद: साझा समान संस्कृतियों से साझा विकास के लिए''।

कोलकाता में 13 मार्च, 2020 को कोलकाता में रिसर्च सेंटर फॉर ईस्टर्न एंड ईस्टर्न रीजनल स्टडीज, कोलकाता (सेनर्स-के) द्वारा आयोजित संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''भारत-चीन पीपुल्स-टू-पीपल एक्सचेंज की उपलब्धियां और संभावनाएं।

प्रकाशन:

जर्नल में लेख/पुस्तक में अध्याय:

''सांस्कृतिक आदान प्रदान की शक्ति'', अभिजित बनर्जी, चीन भारत वार्ता, खंड 20, नंबर 2 , अप्रैल आईएसएसएन 2096-2592।

''चिनर पंच्ती चोटो गोलपर समालोचना'', सुभंकर दें, कमलिनी प्रकाशन विभाग, कोलकाता (डेस पब्लिशिंग हाउस), अक्टूबर 2019, आईएसबीएन- 978-93-89894-01-1।

मराठी विभाग

विभागीय प्रोफाइल :

हर साल मराठी विभाग शिवाजी महाराज का जन्म उत्सव मनाता है और 'छत्रपति शिवाजी महाराज' पर विशेष व्याख्यान आयोजित करता है। इस व्याख्यान का उद्देश्य महाराष्ट्र और शिवाजी के महान इतिहास का परिचय देना है।

मराठी विभाग में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा कोर्स चल रहे हैं। इस कोर्स के लिए हर साल छात्रों की संख्या बढ़ रही है। शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में मराठी विभाग ने जेनेरिक इलेक्टिव नाम से एक कोर्स तैयार किया है जिसे एकेडमिक काउंसिल ने मंजूरी दे दी है। यह कोर्स शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में शुरू होगा। नई शैक्षिक नीति के अनुसार मराठी विभाग आगामी शैक्षणिक वर्ष में कौशल विकास पर आधारित नया कोर्स शुरु करेगा।

विभागीय क्रियाएं:

02.03.2020: विश्वभारती के इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अमरेंद्र कुमार द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज पर विशेष व्याख्यान दिया गया। प्रस्तुति शीर्षक: ''छत्रपति शिवाजी महाराज: स्वराज और राज्य शिल्प है।

01.02.2020-02.02.02.2020: डॉ अंबेडकर फाउंडेशन, नई दिल्ली और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारी कल्याण संघ, विश्व-भारती के साथ संयुक्त रूप से आयोजित 'आधुनिक भारत में डॉ बी आर अंबेडकर का योगदान' नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

21.02.2020-22.02.2020 अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्वभारती और राजभाषा प्रकोष्ठ, विश्व-भारती के साथ संयुक्त रूप से ''एक साथ, उधत, आने वाला कल: सतत विकास के लिए फारसी, मराठी, हिंदी और अन्य भाषाओं की भूमिका'' नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशाला/प्रदर्शनी में सहभागिता :

श्री रणवीर सुमेध भगवान

01.02.2020 - 02.02.2020 अंबेडकर फाउंडेशन (नई दिल्ली) के सहयोग से मराठी विभाग, विश्वभारती और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी कर्मचारी संघ, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''जातिगत भेदभाव और डॉ.बी अंबेडकर''।

05.02.2020-06.02.2020- विश्वभारती, ओडिया विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''ग्रेस की कविता और गोपालक्रुष्णा रथ''।

22.02.2020-23.02.2020 अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्वभारती, मराठी, विश्वभारती और राजभाषा प्रकोष्ठ, विश्व-भारती विभाग द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''मराठी भाषा का शाश्वत विकास में योगदान''।

01.11.2019. भाषा-भावना,विश्वभारती द्वारा आयोजित 'भाषा-वैभव' साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला में ''विद्रोह की परंपरा: मराठी कविता और नामदेव ढसाल'' पर विशेष व्याख्यान दिया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तारक गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में विभाग के शिक्षकों एवं छात्रों की सहभागिता।

शिक्षक की प्रशासनिक गतिविधियां

भाषा भवन का उप प्राचार्य

मराठी विभाग में प्रभारी के पद को धारण करना

एनएसएस यूनिट, भाषा भवन का कार्यक्रम अधिकारी,

विश्वविद्यालय एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक।

सांस्कृतिक गतिविधि

1. मराठी विभाग के छात्रों ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्म उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
2. मराठी विभाग के छात्रों ने ''मातृभाषा-दिवस और डॉ अंबेडकर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
3. विभाग द्वारा शुरु किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण व नए कोर्स को डिजाइन कर प्रस्तुत करना।

मराठी विभाग ने जेनेरिक इलेक्टिव का कोर्स डिजाइन किया है और वर्ष 2019-2020 में एकेडमिक काउंसिल में इसे मंजूरी दी है।

तमिल विभाग

विभागीय रूपरेखा

पिछले पांच वर्षों में पाठ्यक्रमों की संख्या दो से बढ़कर नौ हो गई है। पीजी और पीएचडी कोर्स शुरू किए गए और पूरे भारत से छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। कौशल विकास और रोजगारपरकता के लिए तीन नए डिप्लोमा कोर्स शुरू किए गए। यह विभाग पूर्वी भारत में तमिल का एकमात्र पीजी विभाग है। भविष्य में हम फैकल्टी स्ट्रेंथ बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। तमिलनाडु सरकार के तमिल विकास बोर्ड से वित्तीय अनुदान प्राप्त करने की योजना है। हम अपने विभाग में एक गूगल अनुवाद लैब विकसित करने की योजना बना रहे हैं।

विभागीय संगोष्ठी:

10.12.2019: डॉ. के.मवली राजन, तामिल बुद्धिज़्म पर।

02.01.2020: डॉ सेंथिल प्रकाश, तमिल बंगाली अनुवाद पर।

11.02.2020: तमिल संकर, तमिल बुद्धिज़्म और संस्कृति पर।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी में भागीदारी:

सेंथिल प्रकाश एस

09.01.2020. साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित ''शहर का जश्न: भारतीय साहित्य में कोलकाता का प्रतिनिधित्व'' पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तारक गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा सहभागिता :

तमिलनाडु में विभिन्न कॉलेजों में गेस्ट लेक्चरर के रूप में लेक्चर दिया।

प्रकाशन:

जर्नल में लेख /पुस्तकों में अध्याय:

''பண்டையதமிழகத்தில்அடிமைமுறை (प्राचीन तमिलनाडु में गुलामी)'', डॉ के मावली राजन और डॉ सेंथिल प्रकाश. एस, त्रिची, जर्नल ऑफ क्लासिकल थमीज़, खंड.7, नंबर 3, 2019, पीपी.48-55, आईएसएसएन: 2321 0737.

'நவநீதாதேவ்சென்னின்வாழ்வும்படைப்பிலக்கியப்பங்களிப்பும்' (रचनात्मक लेखन में नबीनाथ सेन का जीवन और योगदान), एन. सत्येश्वरन और डॉ सेंथिल प्रकाश एस, त्रिची, मॉडर्न थमिज रिसर्च, खंड7 , नंबर 2, 2019, आईएसएसएन: 2321 984एक्स।

डिजाइन नए पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को वर्तमान अकादमिक वर्ष अप्रैल 2019 में नए रूप में पेश किया गया है:

1. एमए तमिल (पी.सी-960)
2. डिप्लोमा इन एपिग्राफी (तमिल) (पी.सी 951)
3. तमिलनाडु में मंदिर कला और वास्तुकला में डिप्लोमा (पीसी 952)
4. तमिलनाडु में डिप्लोमा इन थिएटर परंपरा (पीसी 953)

विभाग में नए डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए ई-लर्निंग विधियां और ई-सामग्री विकसित की गई है।

असमिया विभाग

विभागीय प्रोफाइल:

असमिया में सहायक प्रोफेसर के रूप में एकमात्र संकाय में रूप में शामिल होने और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए 2 छात्रों के अध्यापन हेतु, जून 2007 में विभाग को फिर से खोला गया। अब यह दो वर्षीय प्रमाण पत्र, असमिया भाषा में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, 2014 से पीएचडी कोर्स के साथ एक विभाग है और 2015 के बाद से तुलनात्मक साहित्य के लिए एमए पाठ्यक्रम में असमिया को कोर विषय के रूप में पेश कर रहा है। असमिया विभाग इस समय असमिया भाषा, साहित्य और संस्कृति में पीएचडी के साथ-साथ असमिया के साथ तुलनात्मक अध्ययन की पेशकश कर रहा है। पीएचडी को आगे बढ़ाने के लिए पूरे असम और पूर्वोत्तर भारत में छात्रों की क्वेरी और रुचि काफी आश्चर्यजनक है। चूंकि विभाग ने 2014 से पीएचडी कार्यक्रम शुरु किया है और 4 (चार) छात्र पीएचडी की पढ़ाई कर रहे हैं, इसलिए विभाग छात्रों की मांग के कारण अपने बुनियादी ढांचे, छात्रों और संकाय की प्रवेश क्षमता विकसित करना चाहता है। अब विभाग असमिया में दो कौशल आधारित डिप्लोमा पाठ्यक्रम-रचनात्मक लेखन और असमिया में अनुवाद और एक मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरु करने की योजना बना रहा है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता :

संगीता सैकिया:

07.09.2019-08.09.2019.कोलकाता के जादवपुर विश्वविद्यालय में ''भारतीय सामाजिक विज्ञान और मानविकी कांग्रेस 2019'' नामक 5वें अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: '' लोकगीतों में असमिया शब्द गुम-एक विश्लेषणात्मक अध्ययन''।

16.10.2019-29.10.2019. यूजीसी-एचआरडीसी, गवहटी विश्वविद्यालय में भारत के भाषा और साहित्य पर रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

प्रकाशन:

पुस्तकें:

भाषा-साहित्य संस्कृति ढेटोर कोला (प्रो उपेन राभा हकचम द्वारा भाषा, साहित्य, संस्कृति और समाज के चुनिंदा लेखों का संग्रह), संगीता सैकिया, सं उपेन राभा हकचम, ज्योतिरेखा हजारिका, कुसुमबर बरुआ, संगीता सैकिया, रवीन्द्र नाथ शर्मा, चुमी कलिता, बिजय कृष्णा डोले, आईएसबीएन 978-93-89491-39-5.

जर्नल में आलेख/पुस्तकों में अध्याय :

''पुराणी देवतार नतुन बिपोद'', संगीता सैकिया द्वारा असमिया में टैगोर के निबंध का अनुवाद, प्रकाश, खंड 19, नवंबर, 2019, पीपी 87एफएफ. आईएसबीएन 2279-0683.

''भाषा विविधता और देउरी भाषा (भाषा बैचैत्या और देउरी भाषा)'' संगीता सैकिया द्वारा संप्रीति, खंड 6, मार्च, 2020, पीपी 14एफएफ, आईएसबीएन 24543837.

आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र (सीएमइएलएलसी एस)

यूजीसी नेट / स्लेट परीक्षा ओं में कृतकार्य छात्रों के नाम:

नेट जेआर एफ : सेवान लामा टमांग (विषय : रसीयान)

विभागीय कार्य:

- 02.07.2019: प्रोफेसर रेहमान चौधरी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, गोनो विश्वविद्यालय, बांग्लादेश ने सीएमइएलएलसीएस, भाषा भवन विश्वभारती में 'बाग्लादेशविदेशीनाटकेर ग्रहणीयता' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 18.08.2019: डॉ. मिलिन्द ब्रह्मी, आसेसिएट प्रोफेसर, जर्मन, कला संकाय एवं समाज विज्ञान, आइ.आइ.टी, चेनै, ने भाषाभवन विश्वभारती सीएमइएलएलसीएस, में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रोफेसर राजेन्द्र डेगंले, जर्मन विभाग, जर्मन अध्ययन केन्द्र, एसएलएल &सीएस, चेएन.यू, नई दिल्ली, ने व्याख्यान पत्र में 'रिलेभन्स आफ फरेन लैंगुएज फिलोलोजीज्' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 18.08.2019: डॉ. मिलिंद ब्रह्मा, आसोसिएट प्रोफेसर, जर्मन कला संकाय एवं समाज विज्ञान विभाग, आइ.आइ.टी, मद्रास, चेनै, सीएमयूएललसीएस, भाषाभवन, विश्वभारती में जर्मन छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन, प्रो. राजेन्द्र डेंगले, प्रोफेसर ऑफ जर्मन, जर्मन अध्ययन केन्द्र, एसएलएल एण्ड सी एस, जेएनयू, नई दिल्ली ने व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता की 'हैरमान ब्रोच, हैरमान वहा एण्ड डाई अवरविंडंग नैचुरालिज्मस' (हेरमान ब्रोच, हेरमान वहर एण्ड दि ओभरकमिं आफ नैचुरालिज्म)।
- 16.09.2019: प्रो. नलिनी थाम्पि, प्रोफेसर फ्रेंच, पाण्डीचेरी विश्वविद्यालय ने 'फ्रांको फोन लिटरेचर' विषय पर व्याख्यान एवं स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी छात्रों के लिए व्याख्यान दिया।
- 09.11.2019: प्रो. शुभा चक्रवर्ती दासगुप्त, पूर्व प्रोफेसर तुलनात्मक साहित्य, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकत्ता ने 'परस्पैक्टिभज ऑन रवीन्द्रनाथ टैगोर एण्ड क्रस कलचराल कम्यूनिकेशन' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 23.11.2019: फ्रेंच कनसुल जेनरल मीम भर्जिनिया केर्टेभाल ने सीएमइएलएलसीएस का परिदर्शन किया एवं विभागीय छात्रों एवं अध्यापकों के साथ संभाषण किया। कनसुल जेनेरल एवं उनके सहयोगिओंने फ्रान्स में छात्राध्ययन सुयोग की उच्च प्रशंसा की। उन्होंने फ्रान्स में जाकर फ्रेंच में उच्च अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया।
- 06.01.2020: मि नरवर्ट निउसर, यूरोपियन संसद के सदस्य तथा कल्याण ट्रस्ट 'किक् फार हेल्प'

के प्रतिष्ठाता ने सीएमइएलएलसीएस एवं छात्र, अध्यापक तथा आमंत्रित आतिथिओं को संबोधित किया। डॉ. मैर्टिन कैम्पचेन, टैगोर के लेखक एवं अनुवादक एवं शोधकर्ता ने भी वार्तालाप को संचालित किया। यह कार्यक्रम सीएमइएलएलसीएस एवं घोषालडंगा-विष्णुवती आदिवासी ट्रस के सह तत्वावधान में संपन्न हुआ।

- 10.01.2020: प्रो. इन्द्राणी दास प्रो. इतालियन विभाग, सीएमइएलएलसीएस ने साप्ताहिक सेमिनार भाषा भवन, विश्वभारती में 'रोमन मोजाइक्स: राभेन्ना एवं वीयण्ड' विषय पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भागीदारी:

रोमित राय

- 14.11.2019-16.11.2019: जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के गेटे सोसायटी ऑफ इंडिया अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख वाचन। प्रस्तुति: ''व्यक्ति की खोज में : तीन संगीतकार और शान्तिनिकेतन की 'संगीत परंपरा।' ''
- 12.03.2020-13.03.2020: सेंट जैवियर्स कॉलेज (स्वायत्तशासी), मुंबई के 'दिशा: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में 'उच्चतर शिक्षा की विकसनशील प्रवृत्तियाँ' के चयनक। चयनक बहस का शीर्षक: 'उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में उच्चतर शिक्षा की प्रासंगिकता।'

नीलांजन चक्रवर्ती:

- 18.08.2019: 'कारका: तुलनात्मकतावाद की व्यवहारिकता' विषयक विश्वभारती के तुलनात्मक साहित्य केन्द्र द्वारा आयोजित साहित्यिक मासिक व्याख्यान शृंखला में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का विषय : 'विश्वभारती में आधुनिक यूरोपियन भाषा और संस्कृति का उद्‌भव एवं प्रारंभ।'
- 09.08.2020: भाषा-भवन के अकादमिक मोर्चे 'भाषा-वैभव' के छठे सत्र में आलेख वाचन। प्रस्तुति का विषय : 'फ्रांकोफोनी और फ्रांकोफोनिक साहित्य।'
- 15-16.10.2019: 'रंगमंच, नाटक और धारणीय अध्ययन' पर पुनर्विचार के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन (आर टी डी एस 2019) में, एमिटि यूनिवर्सिटी, जयपुर में आलेख वाचन। प्रस्तुति का विषय : 'फ्रेंकोफोन अफ्रिकन ऐतिहासिक और राजनीतिक रंगमंच।'
- 11.01.2020: 'इवैल्युएशन एट रिवैल्युएशन डेस पैसेजेज कल्चूरेल्स एंट्रे इंडे एट यूरोप ड्यू XVIIIe सीकल ए नोस जॉर्स' विषयक राजस्थान विश्वविद्यालय के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र वाचन। प्रस्तुति का विषय : 'डि ला डेस्क्रीप्शन ए' ला पोजेशन: एटुडियेर लेसपेस डैन्स लेस रिसाइट्स डेस वोयेग्योर फ्रैंकाइस एन इंडे ऑ डिक्स-हयुटिम सीकल।'

शिक्षकों/शोधार्थियों द्वारा हासिल शैक्षणिक उत्कृष्टाताएँ या समग्र रूप से विभाग (यथा डी. एस. ए. अथवा सी. ए. एस. की मान्यता)

रोमित राय

- 13.02.2020: डीएएडी यात्रा अनुदान, मैक्स 1000 यूरो 20.07.2020 से 02.08.2020 तक पलेर्मो, इटली की आई वी जी-कंग्रेस में भाग लेने और आलेख वाचन के लिए अनुदानित। अनुदान की अनुशंसित राशि के लिए संस्तुत आलेख का शीर्षक: 'डेर्डिएलेटिश कंपोनिस्ट' अल्स सिंक्रेटिस्ट: म्यूजिकाफिलोसोफि एंड कंपोजीशन्सप्रैक्सि वॉन रवीन्द्रनाथ टैगोर। (आई वी जी कांग्रेस विश्वव्यापी कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित एवं रद्द, देखिए संभागीय निदेशालय बी-17 का ई-मेल, तिथि 25 मार्च, 2020 एवं देखिए वेबसाइट– आईवीजी 2020। इसी वजह से यात्रा अनुदान का उपयोग नहीं हो सका।)

पुस्तक प्रकाश:

- 'राइजिं भोएसेस अर दि आल्यूर आफ दि सेंटर: फ्रेंच फिक्सन इन हिन्दी ट्रान्सलेशन' विषय पर निपुण नूतन द्वारा 'इंडिया इन ट्रांसलेशन, ट्रांसलेशन इन इंडिया', जी. जे, भी द्वारा संपादित, न्यू दिल्ली, ब्लूमसब्यूरी आकादमी भारत, 2019 द्वारा प्रकाशित– आईएसबीएन: 9789388414197.
- रोमास्का– एक पाठ्य पुस्तक पाठ्य समीक्षा, सहलेखक सुभाष कुमार ठाकुर, नई दिल्ली, लंगर्स इन्टरनैशनल, 2019। आईएसबीएन: 978-93-85478-91-8.

अन्य आवस्यक सूचना :

- सी एम ए एल एलसी एस एवं गेटे संस्थान /मैक्समूलर भवन, कोलकता: ऑन गोइंग कोलावरेशन, ट्राभेलिं लाइब्रेरी साइन्स 17 मई 2017।
- सी एम इ एल एल सी एस आलुमनी फ्राम बी.ए. (अनर्स) फ्रेंच, जर्मन, इतालियन एवं रशियन अन्य अध्ययन में सफल रहे अन्य अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन उच्च अध्ययन केन्द्रों की तुलना में।
- सी एम इ एल एल सी एस आलुमनी फ्राम वी.ए (अनर्स), एम.ए. सर्टिफिकेट डिप्लोमा एवं एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम द्वारा सफलता पूर्वक विभिन्न संस्थाओं में जैसे वी पी ओ, पर्यटन, अध्यापन, विदेशी भाषाएँ (इ एस पी केन्द्रीय विद्यालय) पर्सनल ट्रेनिंग एवं अदर्स।
- 10.09.2019: बी.ए (अनर्स) छात्रों सेमेस्टर III & V एवं एम.ए. सेमेस्टर-I के छात्रों को गेटे संस्थान / मैक्समूलर भवन, कोलकाता यात्रा का नेतृत्व लिया एवं 'भी आएवान्डलांग: काफ्का इन भार्चुआल रियलिटी' इनटरप्रिटेशन आफ फ्रांज काफ्का की क्लासिक कहानी डाइ भरवान्डलंग (मेटामोरफोसिस) में भाग लिया।

बौद्ध अध्ययन केंद्र

विभागीय प्रोफ़ाइल

रवींद्रनाथ टैगोर संस्कृत, पाली, चीनी और तिब्बती के माध्यम से बौद्ध धर्म के विभिन्न पहलुओं पर सीखने और शोध के पक्षधर थे। शांतिनिकेतन को 1921 में सिल्वेन लेवी (1863-1935) के निमंत्रण को विश्व-भारती में बौद्ध अध्ययन पर वैज्ञानिक अनुसंधान शुरू करने की संज्ञा दी जा सकती है। रवींद्रनाथ टैगोर खुद एमवी शास्त्री और पीसी बागची के साथ शुरुआती बीसवीं शादी में प्रोफेसर लेवी के छात्र थे। विश्वभारती में चीनी, तिब्बती और जापानी के माध्यम से बौद्ध अध्ययन में पीसी बागची और एमवी शास्त्री के शोध योगदान बाद के विद्वान पीढ़ियों के लिए अत्यधिक महत्व का बन गया।

वर्ष 1925 में, मुसोलिनी के तहत इतालवी सरकार ने ओरिएंटल संस्कृतियों के इतालवी विद्वान गिउसेप्पे तुच्ची (1895-1984) को भेजा, तिब्बत और बौद्ध धर्म के इतिहास में शांतिनिकेतन की अपनी विशेषता है, जहां उन्होंने इतालवी और चीनी भाषाओं को सिखाया और बौद्ध धर्म, तिब्बती और बंगाली का भी अध्ययन किया। वह 1931 तक भारत में रहे। 1937 में रवीन्द्रनाथ टैगोर और प्रो तान यून-शान द्वारा चीना भवन की स्थापना के साथ शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने और विश्व की 'महान एकता' के निर्माण और 1954 में पीसी बागची के तहत भारत-तिब्बती और जापानी में प्रमाण पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम के उद्घाटन के साथ, बौद्ध अध्ययन विश्व-भारती के विभिन्न विभागों में अध्ययन और अनुसंधान में जारी रहा। पिछले दशकों में बौद्ध अध्ययन में महान योगदानकर्ता आदरणीय ची मेड ऋग दजिन लामा (1954-1985), लामा चिम्पा (1928-2011) और एस के पाठक द्वारा किए गए थे।

विश्व-भारती में बौद्ध अध्ययन केंद्र की स्थापना यूजीसी की सामाजिक युग निर्माण विचारक योजना के तहत 2005 में भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग के तत्कालीन विभागाध्यक्ष डॉ नरेंद्र दाश ने की थी। एक ही वर्ष में उनके अप्रत्याशित और दुखद निधन के कारण, केंद्र को केवल जुलाई 2007 में निदेशक के रूप में तिब्बती अध्ययन विभाग के नए प्रमुख प्रो डॉ एंड्रिया हारे के साथ शुरू किया गया था।

यह एक अंतःविषय और अंतरविभागीय मंच है। केंद्र अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां और कार्यशालाएं, विशेष व्याख्यान, कक्षा व्याख्यान, फिल्म शो, प्रदर्शनियों और अनुसंधान कार्यक्रम और प्रकाशन (बौद्ध विश्व प्रेस, नई दिल्ली)। की गतिविधियां हैं।

वर्तमान सलाहकार बोर्ड :

1. अध्यक्ष- प्रो विद्युत चक्रवर्ती, कुलपति, विश्वभारती
2. प्रो मंजू रानी सिंह, प्राचार्य, भाषा-भवन
3. प्रो अमल कुमार पाल, निदेशक, रवीन्द्र भवन
4. प्रो रवीन्द्रनाथ मिश्र, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग

5. डॉ सेदुप तेनजिंग, विभागाध्यक्ष (आई/सी), भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग
6. प्रो अरुणा रंजन मिश्रा, निदेशक (आई/सी), सीबीएस एवं संयोजक

विभागीय गतिविधि :

08.12.2019-09.12.2019: ''अहिंसा और बौद्ध धर्म'' नामक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

10.12.2019. बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती द्वारा बुद्ध पर अंतर्राष्ट्रीय बहुभाषी काव्य महोत्सव का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों/कार्यशाला/प्रदर्शनी में भागीदारी:

अरुण रंजन मिश्र

26.07.2019 विश्वभारती के भाषा भवन में आमंत्रित व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''ओडिशा में बौद्ध धर्म।

09.08.2019. संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''ओडिशा की बौद्ध विरासत''।

18.08.2019 - 19.08.2019. संस्कृत विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन की ओर से आयोजित ''संस्कृत एवं संस्कृति- भारत के दो परिचय'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''संस्कृत: भारतीय संस्कृति का आधार''।

08.12.2019 - 09.12.2019. बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित अहिंसा और बौद्ध धर्म नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

08.12.2019-09.12.2019. बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित ''अहिंसा और बौद्ध धर्म'' नामक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''बौद्ध धर्म में अहिंसा''।

10.01.2020 -12.01.2020. अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन (50 वें सत्र) नागपुर के पाली और बौद्ध धर्म खंड में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''महायारा-सूत्रकलाकारा में ध्यान की अवधारणा''।

25.01.2020. ओडिशा के केंद्रपाड़ा स्थित तुलसी महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित ''समाज कल्याण की अवधारणा में मनु का योगदान'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''मनु और समाज कल्याण''।

04.02.2020. कूच बिहार कॉलेज, कूच बिहार में एक आमंत्रित भाषण दिया। प्रस्तुति का शीर्षक ''आधुनिक समय में संस्कृत की उपयोगिता''।

25.02.2020 – 27.02.2020. संस्कृत में सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी, एस पी पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''ऋग्वेद पर सिद्धजन भाष्य (1/113)''।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त अकादमिक विशेष सम्मान (डीएसए या सीएएस आदि के रूप में मान्यता की तरह)

प्रो अरुणा रंजन मिश्रा को ऑल इंडियन ओरिएंटल कांफ्रेंस, नागपुर, महाराष्ट्र, 2020 का कार्यकारी निकाय सदस्य चुना गया है। वह पूर्वी भारतीय ओरिएंटल कांफ्रेंस, पुरी, 2019-20 के महासचिव भी हैं।

प्रकाशन:

पुस्तकें:

प्रक्या-प्रजना (पूर्वी भारत ओरिएंटल सम्मेलन की कार्यवाही), सं अरुण रंजन मिश्रा, एटअल, नई दिल्ली: प्रतिभा प्रकाशन, 2019, आईएसबीएन -978-81-7702-448-7.

टैगोर की कल्पना और शैली के साथ संस्कृत अनुवादकों की दृष्टि, सं अरुण रंजन मिश्रा और बिपाशा दास, दिल्ली- प्रतिभा प्रकाशन, , आईएसबीएन -978-81-7702-452-4.

जर्नल में आलेख पुस्तक में अध्याय :

सैलकन्यका में अरुण रंजन मिश्र द्वारा ''विसूद्धिमगा का बुद्धघोषा में शिष्टाचार के निर्देश'', अपवित्रिका में: प्रोफेसर सैलाबाला सेनापति फेलीसीटेसन,खंड, सं अरुण रंजन मिश्र और एस मिश्रा, कोलकाता: बौद्ध अध्ययन केंद्र, पीपी 123-133, 2019 , आईएसबीएन -978-81-86359-77-एक्स।

अरुण रंजन मिश्र द्वारा ''बोधिकैरीवटरा का सनतिदेवा में बुद्धिस्ट आध्यात्मिक क्वेस्ट: एक आलोचनात्मक प्रशंसा'' सैलकन्याका में: प्रोफेसर सैलाबाला सेनापति अभिनंदन खंड, सं अरुण रंजन मिश्र और एस मिश्रा, कोलकाता: बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती, पीपी 105-122, 2019, आईएसबीएन 978-81-86359-77-एक्स।

भारत में आधुनिक संस्कृत साहित्य के लिए प्राक्कथन: एक विहंगम दृश्य, सुभजीत सेन, कोलकाता, संस्कृत पुस्ताक भंडार, 2019, आईएसबीएन -978-93-87800-50-2

श्री अरुण रंजन मिश्रा द्वारा स्न्मुका-पनकसती में कमक्षी का काँसी के श्री-मुका-कवि का विज़ुअलाइज़ेशन, खंड XV, 2019 आईएसएसएन-2320-2025.

तुलनात्मक साहित्य केंद्र

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों का नाम

1. ईशानी दत्ता, पीएच डी छात्र

2. अंकना बाग, एमफिल छात्र

विभागीय गतिविधियां

तुलनात्मक साहित्य केंद्र (सीसीएल), भाषा भवन, मार्च, 2020 तक अपनी मासिक व्याख्यान श्रृंखला करते हुए सफलतापूर्वक संचालन कर रही थी। इस वर्ष व्याख्यान श्रृंखला का विषय विश्वभारती के विभिन्न विषयों/विभागों/भावना का इतिहास है। अब हम इसे ऑनलाइन संचालित करने के रास्ते तलाश रहे हैं। सीसीएल के छात्रों और विद्वानों ने शांतिनिकेतन के एक महत्वपूर्ण उत्सव 'आनंदबाजार' के दौरान वार्षिक पत्रिका ''तुमुलायन'' प्रकाशित की थी। सीसीएल ने अप्रैल 2019 और मार्च 2020 के दौरान नियमित अंतराल पर अपना ई-न्यूजलेटर - 'कॉम्प्लिटीईबरता' प्रकाशित किया है।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भागीदारी:

सोमा मुखर्जी

30.11.2019. सूरी विद्यासागर कॉलेज में आईक्यूएसी द्वारा आयोजित ''जेंडर इक्विटी एंड वुमन एम्पावरमेंट'' नामक एक दिवसीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

28.01.2020. भाषा भवन, विश्व- भारती द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला ''भाषा वैभव'' में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''केंयाई रंगमंच में भाषा की राजनीति और ङ्गुगी वा थिओंग ओ-जब मैं चाहुंगी तब मैं शादी करूंगी'' है।

04.02.2020- 06.02.2020. कनाडा के अध्ययन केंद्र, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित ''कनाडा और/इन द ग्लोबल साउथ: खंडित पहचान और नई साझेदारियां'' नामक कनाडाई अध्ययन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''माइग्रेशन के विचार के माध्यम से साहित्यिक इतिहास को समझना: एक केस स्टडी''।

05.02.2020. जादवपुर विश्वविद्यालय के कनाडाई अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित ''कनाडा और/इन द ग्लोबल साउथ: खंडित पहचान और नई पहचान'' नामक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए एक शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता की।

धीमान भट्टाचार्या :

30.11.2019. सूरी विद्यासागर कॉलेज में आईक्यूएसी द्वारा आयोजित ''जेंडर इक्विटी एंड वुमन एम्पावरमेंट'' नामक एक दिवसीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

07.01.2020- 09.02.2020: जेयू रूसा 2.0 के तहत एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक ''डिजिटल मानविकी और साहित्यिक मानचित्रण: शिक्षाशास्त्र और पाठ्यक्रम'' है जिसका आयोजन तुलनात्मक साहित्य विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता के सहयोग से सांस्कृतिक ग्रंथों और अभिलेखों के विभाग द्वारा आयोजित किया गया। ''संग्रह को डी-कॉलोनिंग: तेजगढ़ आदिवासी अकादमी, वडोदरा और देशी पृथ्वी प्रदर्शन कला, टोरंटो के डिजिटल प्लेटफार्मों का व्यष्टि अध्ययन।

04.02.2020- 06.02.2020. कनाडा के अध्ययन केंद्र, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित ''कनाडा और/इन द ग्लोबल साउथ: खंडित पहचान और नई पहचान'' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक '' पाले से परे: राष्ट्रीयता और सांस्कृतिकवाद के ऐतिहासिक विचारों में वैश्विक ''उत्तर और दक्षिण''।

17.02.2020-20.02.2020. यूजीसी स्ट्रिड़ के तत्वावधान में सेंट एलॉयसियस कॉलेज (स्वायत्त), मंगलौर द्वारा आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम के लिए रिसोर्स पर्सन और मुख्य वक्ता के रुप में भाग लिया।

02.01.2020. जेयू रूसा 2.0, एससीटीआर जेयू और तुलनात्मक साहित्य विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''डिजिटल मानविकी और साहित्यिक मानचित्रण: शिक्षाशास्त्र और पाठ्यक्रम'' नामक एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक अकादमिक पैनल की अध्यक्षता की। पैनल का शीर्षक- 'टेक्स्ट, परफॉर्मेंस और स्टोरीटेलिंग'।

04.02. 2020: जादवपुर विश्वविद्यालय के कनाडाई अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित ''कनाडा और/इन द ग्लोबल साउथ: खंडित पहचान और नई पहचान'' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए एक शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता की।

नीलांजना भट्टाचार्या :

06.12.2019. ''भाषा वैभव'' नामक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''जुआन रुलफो के पेड्रो पेरामो: एक तुलनात्मक साहित्यिक पठन''।

ईशानी दत्ता (पीएचडी छात्र)

20.08.2019 - 21.08.2019: देव साहित्य कुटीर हेरिटेज फाउंडेशन, कोलकाता के सहयोग से सीईएन टीआईएल, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''साहित्यिक अनुवाद तकनीकी पर कार्यशाला'' नामक कार्यशाला में भाषा रेसोर्स व्यक्ति के रुप में भाग लिया।

05.09.2019-07.09.2019. भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) के सहयोग से इतिहास विभाग, साउथफील्ड कॉलेज, दार्जिलिंग द्वारा आयोजित ''दार्जिलिंग: खोज में लोगों के इतिहास'' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक ''एक गोरखा महिला पहचान ढूंढना: बिंद्यासुब्बा और कमला राय की कविता''।

21.11.2019-25.11.2019. भारतीय साहित्य का अनुवाद केंद्र (CENTIL), जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पूर्वी अंगलिया विश्वविद्यालय के सहयोग से एशियाटिक सोसायटी द्वारा ''पुनः परिभाषित भारतीय भाषा: स्वदेशी और हाशिए पर रहने वाली परंपराओं का संग्रह और अनुवाद'', विषय पर आयोजित संगोष्ठी-कार्यशाला में अनुवादक के रूप में भाग लिया।

06.01.2020-08.01.2020.नेशनल कांफ्रेंस में एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था ''देशांतरण को प्रासांगिक बनाए : साहित्य, संस्कृति और अनुवाद से परिप्रेक्ष्य'', जिसका आयोजन अंग्रेजी विभाग, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, जीआईटीएएम, हैदराबाद द्वारा केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के सहयोग से किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक- ''लाहुरों का विलाप: एक अलग गोरखा पहचान के निर्माण में प्रवास गीतों का महत्व''।

अंकना बाग (एमफिल छात्र)

13.09.2019-17.09.2019. जापान फाउंडेशन, जापानी विभाग, विश्वभारती विश्वविद्यालय के सहयोग से भारत में विदेश मंत्रालय और जापान के दूतावास द्वारा आयोजित जापानी भाषा शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्चा या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

एमए छात्रों के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम: साहित्य और नई मीडिया, कॉमिक्स जीई-लोकप्रिय साहित्य

संकटापन्न भाषा केंद्र
(सीएफईएल)

शिक्षा प्रणाली ने प्रमुख भाषाओं के विकास को प्रोत्साहित किया है और इसके परिणामस्वरूप विविध भाषाई समुदायों को हाशिये पर ले जाना पड़ा है और उनकी भाषाओं के लिए खतरे की धारणाएं बढ़ी हैं। इन भाषाओं की रक्षा के लिए हमें इन भाषाओं और उनके वक्ताओं के सशक्तिकरण के लिए स्पष्ट पारदर्शी योजनाएं तैयार करने की आवश्यकता है। इसमें भाषाओं को साक्षरता और शिक्षा के साथ साथ प्रौद्योगिकी व आर्थिक अवसरों से जोड़ना भी शामिल होगा। संकटापन्न भाषाओं की संरचना पिछले दो दशकों में सूचित भाषाई हलकों में गंभीर अनुसंधान के विषय के रूप में विकसित हुई है। यह विशुद्ध रूप से भाषाई और टाइपोलॉजिकल हित का पाठ्यक्रम है। लेकिन यह लुप्तप्राय भाषाओं का 'समारोह' है, और उनके 'परिणाम' है कि जनता का ध्यान खींचा है। यूनेस्को एटलस के प्रकाशन से भारत 197 लुप्तप्राय भाषाओं के साथ शीर्ष पर है। यह मुद्दा पहले ही भारतीय संसद में पहुंच चुका है जहां सदस्यों द्वारा परिणामों और उपायों पर गहन चर्चा की गई। हमारी कई छोटी भाषाएं, जिनमें से कई जनजातीय और हाशिए पर रहने वाले समुदायों से संबंधित हैं, वास्तव में इन्हें गंभीर रूप से खतरा है, इसलिए हमारी सबसे बहुमूल्य भाषाई विरासत की रक्षा करने और उसी दस्तावेज को बचाने के लिए उचित कदम उठाए जाने हैं। यहां केंद्रीय और राज्य दोनों विश्वविद्यालयों में लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रयास आवश्यक है।

सेंटर फॉर एन्डेंजर्ड लैंग्वेजेज (सीएफईएफ) विश्व-भारती के सीएफईएल के साथ नौ केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल (37 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य) के माध्यम से 2014 में विश्वभारती द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र अनुसंधान केंद्र है। विश्वभारती के रवीन्द्र भवन के तत्कालीन प्रोफेसर उदय नारायण सिंह को विश्वविद्यालय ने सीएफईएल का अध्यक्ष नियुक्त किया था। कला भवन से प्रो आर शिवकुमार, हिंदी भवन के प्रो रामेश्वर प्रसाद मिश्र और ओडिया विभाग के प्रो कैलाश पटनायक ने केंद्र के अध्यक्ष के रूप में काम किया है।

केंद्र का उद्देश्य :

(क) संकटापन्न भाषाओं से संबंधित अंतर-विभागीय और अंतःविषय अनुसंधान शुरू करना; (ख) अत्याधुनिक भाषण और भाषा प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके छोटी स्वदेशी/लुप्तप्राय भाषाओं के फील्डवर्क, अनुसंधान, विश्लेषण, संग्रह और प्रलेखन करना, मुखबिर वे सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य हैं जैसे डिजिटल पाठ्य, ऑडियो और वीडियो प्रारूप; (ग) मोनोग्राफ, व्याकरण, व्याकरण के नमूने, शब्दकोशों और शब्दकोश, नृवंश-भाषाई और सैद्धांतिक विवरण, मौखिक और लोक साहित्य का संग्रह और लुप्तप्राय भाषाओं पर विद्वानों की पुस्तक; (घ) अल्पसंख्यक और लुप्तप्राय भाषाओं के विशेष संदर्भ के साथ भाषा और बोली एटलस का उत्पादन करने के लिए (ङ) संकटापन्न भाषाओं से संबंधित उन्नत

अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करना। . (ङ) लुप्तप्राय भाषाओं से संबंधित उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करना। (च) फील्ड भाषा विज्ञान, शब्दकोश में अन्य विभागों/केंद्रों के शिक्षकों और छात्रों को डेटा प्रबंधन और प्रलेखन की तकनीकों में प्रशिक्षित करना। क्षेत्र भाषा विज्ञान केंद्र का एक अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए; (जी) केंद्र के अनुसंधान के उत्पादों यानी भाषाई डेटा, भाषा शिक्षण सामग्री, और भाषा कलाकृतियों के डिजिटल और एनालॉग अभिलेखागार सुलभ बनाकर स्वदेशी और लुप्तप्राय भाषा समुदायों की सेवा करने के लिए होना चाहिए ; (ज) लुप्तप्राय भाषाओं के विभिन्न डोमेन को बढ़ावा देना और उन्हें बढ़ावा देना ताकि भाषा जीवन शक्ति को बनाए रखने और संरक्षित करने में अल्पसंख्यक/लुप्तप्राय भाषा समुदायों को सुनिश्चित किया जा सके, जिसमें पटकथाओं जैसे आर्थोग्राफिकल संसाधनों का विकास, पत्र प्राइमर की पुस्तक; (i) केंद्र में अनुसंधान के दौरान एकत्र किए गए आंकड़ों को डिजिटाइज करना और इसे खुली पहुंच द्वारा जनता के लिए उपलब्ध कराना शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों/कार्यशाला/प्रदर्शनी में भागीदारी:

कैलाश पट्टनाईक (अध्यक्ष सीएफईएल)

19.07.2019: बैंगलोर में कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय में ''लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र की सलाहकार समिति की बैठक में'' भाग लिया।

16.08.2019: भाषा-भवन, विश्व-भारती में भाषा-वैभव कार्यक्रम में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''धनूजत्रा: एक परिचय''।

21.08.2019: कल्याणी विश्वविद्यालय के लोकगीत विभाग की ''विभागीय अनुसंधान बोर्ड समिति'' की बैठक में भाग लिया।

06.11.2019: रांची में झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के लुप्तप्राय भाषा केंद्र की ''बाह्य सलाहकार समिति'' की बैठक में भाग लिया।

10.01.2020: ओडिशा के जीएम विश्वविद्यालय की ''चयन समिति'' की बैठक में भाग लिया।

18.01.2020 -19.01.2020: ओडिशा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर के सहयोग से विश्वभारती के ओडिया विभाग द्वारा आयोजित गांधी और ओडिया साहित्य विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन और समापन सत्र की अध्यक्षता की।

21.02.2020 अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के अवसर पर आकाशवाणी, (एफएम) शांतिनिकेतन द्वारा ''लुप्तप्राय भाषाएं'' पर एक साक्षात्कार प्रसारित किया गया।

05.03.2020 -06.03.2020 ओडिया विभाग विश्वभारती द्वारा गोपाल कृष्णा फाउंडेशन, भुवनेश्वर के सहयोग से आयोजित 'गोपाल कृष्ण रथ की कविता पर चर्चा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के

उद्घाटन एवं समापन सत्र की अध्यक्षता की।

अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी

11.12.2019-13.12.2019: क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर में भाषा शिक्षाशास्त्र पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''सूचना तकनीक, बाजार और बहुभाषावाद का संघर्ष।

13.12.2019: क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर में भाषा शिक्षाशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भाषा संचार और विकास'' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

12.02.2020-13.02.2020: केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर में कम ज्ञात भाषाओं के प्रलेखन: विचार-विमर्श और माध्यम'' में राष्ट्रीय संगोष्ठी संस्थाओं में एक व्याख्यान दिया गया। प्रस्तुति का शीर्षक: ''भाषा प्रलेखन और देवनागरी लिपि का संदर्भ'' है।

28.02.2020: एमजीएएचवी, वर्धा, महाराष्ट्र की ''अकादमिक परिषद की 31वीं बैठक'' में सदस्य (पूर्व छात्र) के रूप में भाग लिया। महाराष्ट्र.

विभाग द्वारा आयोजित विस्तारक गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षक और छात्रों द्वारा सहभागिता :

जुलाई-अगस्त 2019 (16 दिन) - कोडा समुदाय पर फील्ड कार्य।

अगस्त-सितंबर 2019 (21 दिन) - महली समुदाय पर फील्ड कार्य।

जनवरी 2020 (16 दिन) - फील्ड वर्क महली, लोढ़ा, कुरमाली, मुंडारी और कोरा समुदाय।

मई 2019 (2 दिन) — सीएफईएल, विश्वभारती पर यूजीसी समीक्षा समिति के साथ बैठक।

दिसंबर 2019 - विकिटोंग से क्रिस्टन त्वेमेशोफ़्फ़ (हेलसिंकी, फिनलैंड) और डैनियल बोगरे उडेल (न्यूयॉर्क शहर, संयुक्त राज्य अमेरिका) ने केंद्र का दौरा किया और विकिटोनग और सीएफईएल, विश्व-भारती के बीच सहयोगात्मक कार्यों के बिंदुओं पर विशेष रूप से भारत के सीमांत भाषाई समुदायों के वीडियो प्रलेखन के क्षेत्र में चर्चा की। उन्होंने प्रांतिक में निकट जनजातीय समुदाय और उनकी शिक्षा पद्धतियों का भी दौरा किया।

दिसंबर 2019 - केंद्र ने अपनी गतिविधियों के आधार पर पौष मेले में प्रदर्शनी का आयोजन किया।

जनवरी 2020 - केंद्र के पोर्टल और ऐप को विकसित करने के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट टीम के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया।

फरवरी 2020 (7 दिन) - शब्दकोश विकास के लिए कोडा लोगों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। फरवरी 2020 - केंद्र के पोर्टल और ऐप को विकसित करने के लिए सॉफ्टवेयर विकास टीम के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया।

मार्च, 2020- केंद्र के पोर्टल और ऐप को विकसित करने के लिए सॉफ्टवेयर विकास टीम के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

मार्च 2020- केंद्र ने गांधी पुण्य तिथि मनाया।

शिक्षक/विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त अकादमिक विशेष सम्मान (जैसे डीएसए या सीएस आदि के रूप में मान्यता)

प्रो कैलाश पटनायक (अध्यक्ष, सीएफईएल) को सुरेंद्र गवेषणा अकादमी, चंदोल द्वारा ओडिशा द्वारा निरंतर अनुसंधान के लिए सम्मानित किया गया।

प्रकाशन:

पुस्तकें

भाषा एवं डिजिटल लोकतन्त्र (भाषा और डिजिटल लोकतंत्र), अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी, नई दिल्ली: आज और कल का प्रिंटर एंड पब्लिशर्स, आईएसबीएन: 9788170196464,

जर्नल्स में लेख ''डेटा के प्रवाह में बहते निजता एक बड़ा संकट है'' (डेटा के प्रवाह में गोपनीयता बह एक बड़ा संकट है)'', अरिमरदान कुमार त्रिपाठी, वागर्थ,खंड -292, कोलकाता आईएसएसएन: 2394-17.

केंद्र की भविष्य योजना :

✓ पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, ओड़ीसा, झारखंड और बिहार में भाषा और सांस्कृतिक प्रलेखन के लिए गहन क्षेत्र में कार्य करना।

✓ भाषा विवरण, मानचित्र, उपकरण, रिपोर्ट, प्राइमर और अन्य संसाधनों का उत्पादीकरण।

✓ एनएलपी का अनुसंधान और विकास सीमांत भाषाओं पर केंद्रित था।

✓ वीडियो प्रलेखन और वृत्तचित्र उत्पादन।

✓ भाषा विशेषज्ञों से भाषाई डेटा सत्यापन।

✓ समुदाय आधारित कार्यशालाएं और सामाजिक-सांस्कृतिक रिपोर्टिंग।

✓ इनके समाज और समुदायों की वाणी को संवेदनशील बनाने के लिए भाषा खतरे का अलार्म विकसित करना।

✓ सीमांत भाषाई समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर अध्ययन।

✓ समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ कार्यशालाएं।

✓ मुफ्त डाउनलोड के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों पर ऐप अपलोड करना।

दीर्घकालीन योजना

✓ सीमांत भाषाओं और सांस्कृतिक अध्ययन के लिए एक पूर्ण अंतःविषय का केंद्र स्थापित करना।

- ✓ इसके लिए एक राष्ट्रीय लोकगीत संग्रहालय और ऑनलाइन संग्रह स्थापित करना।
- ✓ शिक्षाविदों का विकास करना और विभिन्न स्तर के पाठ्यक्रम शुरू करना। जिससे देश की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बचाया जा सके।
- ✓ देश और राज्यों के लिए नीति निर्माण में सहायता करना।
- ✓ सीमांत भाषाओं या जोड़ियों के लिए विभिन्न एनएलपी प्रणालियों को विकसित करना।
- ✓ क्षेत्रीय भाषाओं में डिजिटल इंडिया का छान-बीन करना।
- ✓ क्षेत्रीय भाषाओं के लिए एक ऑनलाइन भाषा सूचना हब स्थापित करना।
- ✓ भाषा समुदाय आदि को रेखांकित हेतु भाषा सीखने के उपकरण और भाषा गेम का विकसित करना।

विद्या भवन
(मानविकी एवं समाज कार्य संकाय)

विद्या भवन गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की उच्च शिक्षा के केन्द्र की परिकल्पना का मूल है। इसने उत्तर विभाग (उन्नतशील विभाग) नाम से कार्य करना प्रारंभ किया। विश्वभारती की औपचारिक रुप से सन् 1921 में स्थपना के शीघ्र बाद मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के रुप में इसकी स्थापना हुई। सन् 1925 में विद्याभवन नाम अपनाया गया। महान दार्शनिक और संस्कृत के विद्वान, अध्यापक विधुशेखर शास्त्री, जन्होंने विश्वभारती के उद्देश्य वाक्य का चयन 'यत्र विश्वं भवत्येक नीडम' किया था, विद्याभावन के प्रथम अध्यक्ष थे।

विद्याभवन वर्तमान में अपने सात बड़े विभागों एवं एक सहायिका इकाई को अपने अन्दर समेटता हुआ विश्वविद्यालय का एक बड़ा संकाय है (प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व, नृविज्ञान, पत्रकारिता और जनसंचार का केंद्र, महिला शिक्षा केंन्द्र, अर्थशास्त्र और राजनीति, शिक्षा (समाज विज्ञान की इकाई) इतिहास, भूगोल एवं दर्शनशास्त्र एवं तुलनात्मक धर्म)

न केवल सार्क देशों अपितु एशिया, यूरोप एवं विश्व के विभिन्न देशों के विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने में विद्याभवन सफल है।

विद्याभवन में मानविकी एवं समाज विज्ञान के विभिन्न पाठ्यक्रम, स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पीएच.डी., सर्टिफिकेट, डिप्लोमा तथा अडवांस डिप्लोमा के अध्यापन की व्यवस्था है। वर्तमान मे, आधुनिक साहित्य तथा सामाजिक विज्ञान के शोध में रुझान बढ़ रहा है। संकाय सदस्य तथा शोधार्थियों के लेख राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्वपूर्ण पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे हैं। इसके अलावा वे विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं में अंश ग्रहण कर रहे हैं। बाहरी एजेंसियों द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाएं विद्याभवन के शिक्षकगण द्वारा सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। विद्याभवन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक समन्वय, शिक्षा के प्रसारीकरण तथा आत्मबलिदान के तर्कसंगत मूल्यों एवं विश्व-बंधुत्व के सामान्य से राष्ट्रीय एकता एवं विश्व बंधुत्व स्थापना हेतु वचनबद्ध है।

प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग

सन् 1900 के प्राक्काल में अथवा 1907 के पश्चात् यह विभाग रवीन्द्रनाथ के आशीर्वाद से शान्तिनिकेतन में स्थापित पुरातत्व अध्ययन केंद्र के वंशज के रूप में पंडित क्षितिमोहन सेन एवं पंडित विधुशेखर शास्त्री के नेतृत्व में आरम्भ हुआ जब कवि के मस्तिष्क में विश्वभारती अवधारणा का सूत्रपात भी नहीं हुआ था। संस्कृति के उक्त केंद्र को रवीन्द्रनाथ ने विश्वविद्य़ालय का रूप नहीं देना चाहा था। ''कवि के कथनानुसार सन् 1919 के प्रथम चरण की विडंबना यह थी कि जब भी हमारे मन में विश्वविद्य़ालय का विचार आता है त्यों ही केम्ब्रीज, ऑक्सफ़ोर्ड अथवा यूरोपीयन विश्वविद्यालय की बात कौंध जाती है और हम प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते।'' रवीन्द्र विचार भारतीय विद्या के अंतर्गत परिणामोन्मुखी अस्थिरता, अनुकरण की दुर्बलता, पूर्ण विकसित विश्वविद्यालय की पूर्ण कृत्रिम इच्छा उक्त केंद्र के जन्म से ही देखने को मिलती है। विश्वभारती का विचार अत्यंत महान रहा है कि ''यह भारत के बौद्धिक जीवन का केंद्र मात्र नहीं होना चाहिए बल्कि यह उसके आर्थिक जीवन का भी केंद्र होना चाहिए।'' केन्द्राभिमुखी शक्ति को संचालित करने में समर्थ हुए बिना, जो कि आकर्षण करे एवं हमारी वैविध्यपूर्ण सांस्कृतिक विरासत को एवं हमारी अपनी चीज़ो को जोड़ सके, अन्यथा पूर्ण एवं गतिशील भारतीय संस्कृति वृत्त की कल्पना एक स्वप्न ही बनी रहेगी। इसने अपने निर्माण के समय से ही भारतीय विद्या के केंद्र को बनाने एवं भारत की बौद्धिक एकता को स्थापित करने हेतु विश्वभारती के प्रतिष्ठाता ने वैदिक, पुराण, बौद्ध, जैन, इस्लाम, सिख, ऑस्ट्रियन, यूरोपियन आदि विविध संस्कृतियों के संयोजनात्मक अध्ययन की व्यवस्था की है। जिससे दूसरों की अच्छाइयों को एकत्रित किया जा सके जो प्राचीन भारत में घोषित शाश्वत सत्यों को प्रकट करती हैं: 'आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति सः पश्यति' एकमात्र वही देख सकता है जो अपने समान सबको देखता है। विश्वभारती में पुरातत्व केंद्र की बुनियाद यहीं पायी जाती हे जो भारतीय इतिहास का वटवृक्ष रवीन्द्रनाथ द्वारा स्थापित एवं देशी-विदेशी विद्वानों; यथा सिल्वेन लेवी, विंटरिनत्ज़, विन्सेंट लेस्नी, स्टेन कोनो, गुइसेप तुसी, क्षितिमोहन सेन, विधुशेखर शास्त्री तथा प्रभोधचन्द्र बागची द्वारा प्रेषित है।

रवीन्द्रनाथ की विश्वभारती 1951 में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रुप में निर्मित हुई। जिस प्रकार कवि के अनेक सपने केंद्रीय विश्वविद्यालय के दलदल में गुम हो गए, उसी तरह अपने कुछ अंश पीछे छोड़कर भारतीय विद्या की शाखा भी खो गई। वे अंश प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग, आधुनिक भारतीय इतिहास, अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन केंद्र, संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग, चीनी भाषा और संस्कृति एवं भारत-तिब्बती अध्ययन के केंद्र के रुप में आज भी उपस्थित हैं।

प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग, जिस का नामाकंन 1951 में किया गया था, को 1977 में नया नाम दिया गया जब पुरातत्व विज्ञान को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया, जैसा कि आज इसका नाम है।

विभाग प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व स्नातक पाठ्यक्रमों की तीन वर्ष-छह अर्ध-वार्षिक प्रतिष्ठा स्तर पर बी. ए. तथा चार सेमिस्टर आधारित एम. ए. के दो वर्ष-चार अर्ध-वार्षिक पाठ्यक्रम चलाता है। यह विदेशी छात्रों को जो भारतीय सम्पदा विषयक करुणा के आधरभूत तत्वों को जानने के इच्छुक हैं, को प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व विज्ञान पर एक वर्षीय फॉरेन कैज्वल कोर्स प्रदान करता है। उक्त पाठ्यक्रमों के अलावा, यह विभाग प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व विज्ञान मे एम.फिल. के लिए दो साल और अनुप्रयुक्त और क्षेत्र अनुसंधान पर अभिविन्यस्त पीएच.डी. स्तर पर प्रोग्राम करता है।

भविष्य की योजना : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग अगले शैक्षणिक वर्ष में पुरातत्व विज्ञान के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण के प्रोग्राम्स शुरु करने की योजनाएं बना रहा है। लालपहाड़ी में उत्खनन का प्रोग्राम अगले साल भी जारी रहेगा। हमारे द्वारा हर कक्षा में आई टी सी की सुविधाओं का उन्नयन किया जाएगा। नया संग्रहालय यह पुरातत्व प्रयोगशाला को नए संग्रह और उपकरण से उन्नत बनाया जाएगा। हम विद्यार्थियों के लाभ के लिए एवं संकायों के बीच विचारों के आदान-प्रदान करने हेतु प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विज्ञान के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के विद्वानों को सामयिक भाषण देने के लिए निमंत्रित करेंगे।

विभाग ने बिहार सरकार के बिहार विरासत विकास समिति-कला, संस्कृति और युवा मामलों के विभाग के सहयोग से बिहार के लालपहाड़ी, लक्खीसराय में एक उत्खनन का नेतृत्व किया। उत्खनन काल 2019-2020 उत्खनन का क्रमानुगत तीसरा साल था और इस वर्ष मठ की सीलिंग की खोज हुई जिसपर लिखा था – 'श्रीमाधर्मविहाराः आर्यभिक्षुकसंघस्य'। अर्थात् यह गंगा घाटी का पहला पहाड़ी बौद्ध मठ था। वहां से दो जली हुई मिट्टी की मुद्राएं बरामद हुईं जिनका नाम 'श्रीमाधर्मविहारक आर्यभिक्षुसंघस्य' है। इसका अनुवाद 'यह श्रीमाधर्म विहार (मठ) के भिक्षुओं के परिषद की मुद्राएं है' हो सकता है। अभिलेख की भाषा संस्कृत है और लिपि आठवीं या नौवीं सदी की सिद्धमात्रिका है। यह खोज प्रारंभिक मध्ययुगीन मगध के मठवासी बुद्धत्व के इतिहास एवं दक्षिण बिहार के लक्खीसराय में ऐतिहासिक रूप मे पहचाने जाने वाला कृमिला क्षेत्र के इतिहास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस प्रमाण से यह स्पष्ट हो जाता है कि जयनगर के लालपहाड़ी पर जो मठ है वह 'विहार' वर्ग का बौद्धिक प्रमाण है। हालाँकि विहारों की संख्या पूर्वी भारत के ऐतिहासिक और पुरातात्विक अभिलेखों से जानी जाती है, परन्तु बिहार के किसी भी हिस्से से अबतक 'विहार' स्तरीय मठ-संबंधी वास्तुकला का कोई सबूत नहीं मिला है। एक मात्र समानांतर सबूत उत्तर बंगाल के जगजीवनपुर में खुदाई किये गए एक मठ द्वारा प्रदान किया गया है। इस खोज की विशिष्टता यह है कि यह गंगा घाटी में खुदाई किया गया सबसे पहला पहाड़ी मठ है। इसके अलावा, वास्तुशिल्प सम्बन्धी विशेषताएँ जैसे कि अच्छी तरह से संरक्षित और एक दूसरे से जुड़े हुए तहखाने, लकड़ी के दरवाजों के अवशेष, मठ के हर तरफ तीन मजबूत और विशालगढ़ों का अस्तित्व, दर्जनों लकड़ी के उत्कीर्ण मुहरों की खोज, और चूने से बने फर्श पर लाल, हरे, पीले, सफेद और काले रंग का उपयोग इस मठ की वास्तुकला को

पूर्वी भारतीय नवोदित प्रतिष्ठानों के मानचित्र पर अपनी तरह का पहला मठ वास्तुकला बना देती है। श्रीमद्धम विहार (मठ) –इस नाम की भी समान महत्ता है। हालाँकि अब तक हमारे पास इसका प्रमाण नहीं है कि यह नाम पहले कभी उस क्षेत्र के किसी पुरा लेख या प्रसारित अवतरण में लिया गया है या नहीं, यह नाम साफ़-साफ़ प्रारंभिक मध्ययुगीन महायान बुद्ध धर्म की प्रतिष्ठा की ओर इशारा करता है। यह नाम शायद उस मठ और महायान की गूढ़ साधनाओं के निकट संबंध की ओर भी इशारा करता है, इसकी पुष्टि मठ के स्थापत्य से भी होती है क्योंकि यह कृमिला की बस्तियों के समुह से दूर, एक एकांत पहाड़ पर स्थित था।

यू.जी.सी/सी.एस.आई.आर/नेट/स्लेट तथा गेट परीक्षाओं मे उत्तीर्ण छात्र–

शरदिंदु साहु	(यू.जी.सी नेट/जे.आर.एफ)
राहुल नाग	(यू.जी.सी नेट/जे.आर.एफ)
इशान हरित	(यू.जी.सी नेट/जे.आर.एफ)
पलाश कुमार साहा	नेट
तानिया पाल	नेट

राष्ट्रीय / अंतराष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला

सरिता छेत्री (अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन)

पश्चिम बंग इतिहास संसद द्वारा ब्रह्मानंद केशव चंद्र, बनहुगली में दिनांक 24.01.2020 से 26.01.2020 तक आयोजित 'एंशिएंट इंडिया सेक्शन' में सत्राध्यक्ष के रूप ''ले बुद्धिज़्म इन द नॉर्थ बेस्ट थ्रु द लेंस ऑफ एपिग्राफी (थर्ड सेंचुरी बी.सी.ई. से थर्ड सेंचुरी सी.ई. तक'' विषय पर वक्तव्य दिया।

के. मावली राजन

इतिहास संकाय, कन्नुर विश्वविद्यालय, केरल द्वारा दिनांक 28.12.2019 से 30.12.2019 तक आयोजित ''80थ सेशन ऑनः एंशिएंट इंडिया एट द इंडियन हिस्ट्री कॉग्रेस'' में सहभागिता की एवं ''रिचुअल सरवेंट्स ऑफ द टेंपल्सः ग्लानिंग फ्रोम एपिग्राफिक रेकॉडर्स ऑफ द चोला पीरियड'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

इतिहास इकाई, डी. डी. ई. एवं इतिहास संकाय, अन्नामलाई विश्वविद्य़ालय, चिदम्बरम, तमिलनाडु द्वारा दिनांक 31.01.2020 से 02.02.2020 तक आयोजित ''सोशल हिस्ट्री सेशन एट द 40थ एनवल सेशन ऑफ द साउथ इंडियन हिस्ट्री कॉग्रेस'' में सहभागिता की एवं ''टेंपल एंड आर्टिसन कमयुनीटिज़ इन मिडीएवल तमिल कंट्री'' विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान

के मावली राजन

भारतीय भाषा विभाग, कला संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर एवं शोधर्थियों के लिए दिनांक 03.05.2019 को आयोजित विशेष व्याख्यान में ''रिसेंट डेवलपमेंट इन हिस्टोरिकल मेथड्स'' पर व्याख्यान दिया।

बीना गांधी देओरी

त्सुकूबा विश्वविद्यालय, जापान द्वारा अक्टूबर, 2019 में आयोजित ''नेचर कल्चर लिंकेजेस इन हेरिटेज कंजर्वेशन'' में ''द आपटेनी वैलि ऑफ अरुणाचल प्रदेश'' विषय पर पर्चा प्रस्तुत किया।

सुचिरा रायचौधरी

विषय विशेषज्ञ के रूप में

पुरातात्विक शिक्षा और शिक्षण केंद्र, पूर्वी भारत द्वारा मई, 2019 मे आयोजित कार्यक्रम पुरातात्विक मृत्तिका शिल्प : एक परिचय में ''निओलिथ्स एंड चालकोलिथ्स ऑफ ईस्टर्न इंडिया'' विषय पर दो व्याख्यान दिये।

संकाय में चल रही परियोजनाएं

शिक्षक का नाम	**: प्रो. अनिल कुमार**
परियोजना का नाम	: लक्खीसराय उत्खनन
प्रायोजित एजेंसी	: बिहार विरासत विकास समिति, कला विभाग, संस्कृति मंत्रालय, बिहार सरकार
आवंटित राशि	: 15 लाख रुपए मात्र
शिक्षक का नाम	**: डॉ बीना गांधी देओरी**
परियोजना का नाम	: पैडी एंड अग्रेरियन रिचुयल फ़ेस्टिवल्स ऑफ द गोल्स ऑफ अरुणाचल प्रदेश
प्रायोजित एजेंसी	: आई. जी. एन. सी. ए. नई दिल्ली
आवंटित राशि	: 7 लाख रुपए मात्र

प्रकाशन (अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक)

पाठ्य पुस्तक/अन्य पुस्तक/मोनोग्राफ्स/लेख

सरिता छेत्री

''बुद्धिज़्म, हिस्ट्री ऑफ बांग्लादेश, अर्ली बंगाल इन रिजनल पर्सपेक्टीव (अप टू सी. 1200 ए.

डी.)'', खंड-2 में अध्याय। संपादक – अब्दुल मौमिन चौधरी, रणवीर चक्रवर्ती, ढाका, बांग्लादेश, 2019।

अनिल कुमार

''द एक्सकावाटेड रिमेंस ऑफ अ बुद्धिस्ट नुन्नेरी द (माथा) एट लालपहाड़ी (जयनगर) डिस्ट्रिक्ट लक्खीसराय, बिहार : 2017-2018''। भारती पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, अप्रैल 2019, खंड 42, पृ. 107-131, ISBN – 0523-1302

पुस्तक समीक्षा : ''आर्किओलोजिकल गजेटियर्स ऑफ डिस्ट्रिक्ट नालंदा, वैशाली, समस्तीपुर, कैमूर और गया''। भारतीय, पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, अप्रेल 2019, खंड 42, पृ- 451-455, ISBN- 0523-1302

''कर्मीला : अ फोर्गोटेन नगर ऑफ अर्ली मेडीएवल ईस्टर्न इंडिया''। खंड 96, हिस्टोरी एंड सोसाइटी, ओकेजनल पेपर्स सीरिस, नेहरू मेमोरियल म्युजियम, नई दिल्ली, सितंबर, 2019

के. मावली राजन

रीडिफ़ायनिंग इंडिया में ''मल्टी-फेक्टेड रोल ऑफ टेंपल्स इन मेडीएवल साउथ इंडिया'' शीर्षक से एक अध्याय। संपादक- राहुल कुमार महतो, कुमुद पब्लिकेशन, दिल्ली, 2019, पृ . 84-104 (ISBN- 978-93-82885-59-7)

''पत्रोनागा ऑफ बुद्धिज़्म इन तामिल नाडु (6थ – 12थ सेंचुरी सी.ई.)''। इतिहास संकाय, ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित साउथ इंडियन हिस्ट्री काँग्रेस थर्टी नाइन्थ एनवल सेशन प्रोसीडिंग्स में। 08-10 फरवरी 2019, पृ. 682-687 (ISSN- 2229-3671)

नृतत्त्व विभाग

यू. जी. सी./सी.एस.आई.आर./नेट./स्लेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम—

मैत्री मित्रा **यू.जी.सी-नेट**

प्रकाशन (अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक)

बी) सह लेखक (एक ही विभाग के)

अर्णब घोष

''फेक्टर एनालाइसिस ऑफ मेटाबोलिक सिंड्रोम : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू विथ स्पेशल रेफरेंस टू एशियन इंडियंस।'' सह लेखक- मैत्री मित्रा, डायबेटिस मेटाब सीन क्लीन रेस रेव। खंड 14,नं 4, पृ- 697-05 (ISSN- 1871-4021)

''सायकोमेट्रिक वेलीडेशन ऑफ न्यूट्रेशन ऐकनॉलेज क्वेश्चुनेरीज ऐमंग पैरेंट्स ऑफ 3-6-इयर-ओल्ड एशियन इंडियन चिल्डेरन इन ईस्ट बर्द्धमान डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट, बंगाल, इंडिया।'' सह लेखक- निलिता दास। इंडियन जे कम्युनिटी मेड, खंड – 45 नं – 2, पृ. 130-34, ISSN- 0970-0218)

''कार्डियोमेटाबोलिक रिक्स फ़ैक्टर्स एंड प्रेगनेंसी आउटकम – सिस्टमेटिक रिव्यू'' सह लेखक- मैत्री मित्रा। जे कार्डियोवेस। खंड 10 नं 3, पृ. 87-93 (ISSN-0975-3583)

ज्योति रतन घोष

न्यूट्रीशनल स्टेटस एंड बॉडी कम्पोजीशन ... पेशेंट्स.'' सह लेखक- प्रियंका दत्ता। जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजी, खंड 16, नं. 1, पृष्ठ 131-39

अर्थशास्त्र और राजनीतिविज्ञान विभाग

अर्थशास्त्र और राजानीति विज्ञान विभाग ने एक अलग विभाग होने की य़ात्रा सन् 1953 में शिक्षा भवन (विज्ञान का संस्थान) के अंतर्गत शुरु की। बाद में वह विद्या भवन (सामाजिक विज्ञान का संस्थान) के अंतर्गत आगया और 1958 में यहाँ पहली अधिस्नातक बैच निकला और पहला पी एच डी 1969 में पुरस्कृत की गई। अभी यह विभाग 'विद्या भवन अंगन' की इमारत में स्थित है।

शुरुआत से ही, यह विभाग कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अनुभवजन्य अनुसंधान पर केंद्रित था। विभाग के संकाय सदस्यों ने भूमि के कार्यकाल, कृषि प्रबंधन, कृषि उत्पादकता और ग्रामीण गरीबी जैसे क्षेत्रों पर शोध में खुद को प्रतिष्ठित किया। ऐसे शोधों का अधिकांश कार्य प्रसिद्ध भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्रियों के सहय़ोग और साथ-साथ विश्व भारती के अन्य विभागों / केंद्रों जैसे कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र, शांतिनिकेतन के साथ मिलकर किया गया और भारत और विदेशों में इस विभाग ने मान्यता प्राप्त की।

हालाँकि मुख्य प्रभाव हर समय एक ही रहा, विभाग के अनुसंधान हितों को धीरे-धीरे विस्तृत कर व्यापक रुप से नियोजन, आर्थिक विकास, भागीदारीपूर्ण ग्रामीण विकास, मौक्रो-इकोनॉमिक्स, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, राजनीतिक अर्थव्यवस्था और पर्यावरण-संसाधन अर्थशास्त्र को भी शामिल किया गया। संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों मे से कई लोग विभिन्न क्षेत्रों मे अनुसंधान कार्य में लगे हुए हैं: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, औद्योगिक संगठन, विकास अर्थशास्त्र, भ्रष्टाचार का अर्थशास्त्र, आर्थिक विचारों के मामले, भारतीय संस्कृति पर वैश्वीकरण का प्रभाव, मत्स्य पालन, लघु उद्योग, पंचायती राज प्रणाली, सूक्ष्म ऋण, बीमा, विकास से प्रेरित विस्थापन, इत्यादि। संकाय सदस्यों ने सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों द्वारा विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अनुसंधान करने के लिए प्रदान की गई फैलोशिप भी प्राप्त की है। उन्होंने प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में पढ़ाया एवं काम किया है और उनके कार्य व्यापक रुप से भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित भी हुए हैं। वे अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशालाओं और संकाय विकास कार्यक्रमों का हिस्सा भी रह चुके हैं। जो विद्यार्थी विभाग से पढ़-लिख के निकले हैं, वे विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से जुड़ गए हैं। भारत और विदेश के विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों में शिक्षण और अनुसंधान पदों के साथ-साथ उन्होंने आर बी आई और नाबार्ड जैसे प्रतिष्ठित वित्तीय संस्थानों के विभिन्न पदों के लिए प्रस्ताव भी मिले हैं।

यु जी सी ने विशेष सहायता कार्यक्रम (एस ए पी) के तहत विभाग को 01.04.2009 से 31.03.2014 तक पाँच वर्षों के लिए डी आर एस-1 के स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान की। यू जी सी द्वारा ज़ोर दिये जाने वाले क्षेत्र कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण विकास थे. विभाग ने भव्य सफलता के साथ डी आर एस-I को पूरा किया और परिणामस्वरुप, यू जी सी ने डी आर एस-II के लिए एक करोड़ से भी अधिक रुपये की मंजूरी भी दे दी है। देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वानों ने इन कार्यक्रमों के तहत विभाग का दौरा भी

किया है। विभाग ने एस ए पी (डी आर एस-I) के दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय और चार राष्ट्रीय सेमिनार भी आयोजित किए गए हैं। इस कार्यक्रम के तहत, विभाग ने आधुनिक उपकरण उपलब्ध किए हैं, जिनसे शिक्षण और अनुसंधान के स्तर में उन्नति होने की उम्मीद है। एसएपी (डी आर एस-I) संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों को महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नए अनुसंधान करने के लिए आर्थिक एवं आधारभूत संरचना संबंधी सहय़ोग प्रदान करने में सफल रहा। इस सहय़ोग का नतीजा यह हुआ कि एसएपी (डी आर एस-I) अब अनेक संस्करणों और पत्रों की एक शृंखला प्रकाशित करने में सक्षम है जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जो नए संकाय सदस्य विभाग का हिस्सा बने हैं, उन्होंने बहुत हद तक इस आवेग में योगदान किया है। जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया, डी आर एस-I के सफल कार्यान्वयन की वजह से विभाग को डी आर एस-II के अंतर्गत एक करोड़ से भी अधिक रुपयों की मंज़ूरी मिल चुकी है। यह सफलतापूर्वक १ अप्रैल 2015 से नए प्रोग्राम समन्वयक प्रोफेसर अपूर्ब कुमार चट्टोपाध्याय की निगरानी में चल रहा है, जिन्होंने 2016 से इस एसएपी-डी आर एस-II) का कार्यभार संभाला है। हमारा एसएपी प्रोग्राम बहुत जीवंत हो गया है और परिणामस्वरुप, पूरे वर्ष ही यहाँ विभिन्न कार्यक्रम होते रहते हैं। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में कई प्रबुध्द लोग विभिन्न कार्यक्रमों के लिए यहाँ आते हैं जैसे अनुसंधान पद्धति वर्कशॉप, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनार और सम्मेलन, अनुसंधान विद्वान सम्मेलन, और इकॉन-विश्व, जो भारत के सामाजिक विज्ञान के अधिस्नातक विद्यार्थियों के लिए एक अनूठा और अद्वितीय कार्यक्रम है।

शैक्षणिक गतिविधियों में विविधता लाने के लिए विभाग ने विभिन्न नई य़ोजनाओं को भी अपनाया है। विश्वभारती के बाकी विभागों के साथ-साथ विश्वभारती के बाहर के विभागों एवं संस्थानों के सहयोग से कार्रवाई अनुसंधान और अंतःविषय अनुसंधान करने की य़ोजना भी बनने के कगार पर है। मुख्यतः, अभी विभाग का उद्देश्य एग्रो-इकोनॉमिक रिसर्च सेंटर और पल्लीचर्चा केंद्र के साथ अपने चल रहे सहयोगी कार्य को मजबूत करने का है। यह शांतिनिकेतन के सामाजिक कार्य और कृषि विभाग के साथ भी सहय़ोगी अनुसंधान स्थापित करना चाहेगा। विभाग का लक्ष्य एक पत्रिका प्रकाशित करने का है जो हमारे चल रहे शोध पर केंद्रित हो। विश्वभारती में एकादमिक स्टाफ कॉलेज के गठन के साथ हमारे विभाग का उद्देश्य अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शुरु करना है। उद्देश्य यह भी है कि विश्वभारती और अन्य संस्थानों के युवा विद्वानों को प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। प्लेसमेंट सेल को विभाग के छात्रों के हित मे सचेत होना चाहिए।

वर्तमान में, जगह की कमी सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक है जिसका सामना विभाग को करना पड़ रहा है। इतना की नहीं, जिस इमारत के अंतर्गत विभाग है, उसकी स्थिति भी दयनीय है। ख़राव और अक्सर दोषपूर्ण इंटरनेट कनेक्टिविटी, सेमिनार लाइब्रेरी और मीटिंग रुम में शीतलन प्रणाली की कमी, विशेष रुप से गर्मियों के मौसम में एयर कंडीशनिंग की अनुपलब्धि, इन सब समस्याओं पर अधिकारियों को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। चूंकि विभाग को एसएपी के डीआरएस-द्वितीय चरण में पदोनन्नत किया गया है, इसलिए हम अपेक्षा करते हैं कि उपय़ुक्त अधिकारियों द्वारा ज़्यादा उन्नत

बुनियादी सुविधाएं और स्थान उपलब्ध कराया जाएगा।

यू.जी.सी (सी.एस.आई.आर./नेट/स्लेट एंड गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र–

सुस्नाता गांगुली (नेट, दिसंबर 2019) (शोधार्थी, विश्वभारती)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी शीर्षक, दिनांक)

अनु.-1, दिनांक- 12 जुलाई, 2019, वक्ता- उदय भानु सिंह, प्रो. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, शीर्षक- ट्रेड, एफ. डी आई और कॉललूसन

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्याशाला/प्रदर्शन आदि।

शिक्षक/शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुत पत्र/सत्रों में सहभागिता की जानकारी–

21.09.2019-30.09.2019 : यू.जी.सी-एस.ए.पी. (डी. आर.एस-II) के अंतर्गत अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग द्वारा दस दिवसीय शोध प्रविधि विकास कार्यशाला का आयोजन।

सभी शिक्षकों ने इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में भाग लिया। वाह्य विशेषज्ञों के नाम निम्न प्रकार हैं–

डॉ. सुब्रत मुखर्जी [इंस्टिट्यूट ऑफ डेवेलम्पेंट स्टजीज़ (आइ. डी. एस. के), कोलकाता], **डॉ. सांतादास घोष** (विश्व-भारती), **डॉ. सौम्यदीप चट्टोपाध्याय** (विश्व-भारती), **डॉ. अमित के. बिश्वास** (विश्व-भारती), **प्रो. सुदीप्त भट्टाचार्य** (विश्व-भारती), **प्रो. गोपा सामंता** (बर्धवान विश्वविद्यालय)**, प्रो. अरूप मित्र** (साउथ एशियन विश्वविद्यालय), **डॉ. अतिग घोष** (विश्व-भारती), **डॉ. मैदुल इस्लाम** [(द सेंटर फॉर स्टाडीज़ इन सोशल साइंस, कोलकाता (सी.एस.एस.एस)], **डॉ. विश्वजीत मंडल** (विश्व-भारती), **प्रो. अचिन चक्रवर्ती** (आइ.डी.एस.के), **प्रो. सैबाल कर** (सी.एस.एस.एस), **प्रो. सुगाता मार्जित** (सी.एस.एस.एस)।

03.02.2020-04.02.2020– ''डेवेलपमेंट पालिसी रिसर्च'' विषय पर यू.जी.सी-एस.ए.पी (डी.आर.एस-II) द्वारा प्रायोजित एवं अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

आमंत्रित विशेषज्ञ–

प्रो. विद्युत चक्रवर्ती (कुलपति, विश्व-भारती)

प्रो. अश्विनी देशपांडे (अशोका विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

प्रो. अनूप सिन्हा (अध्यक्ष, बंधन बैंक एवं प्रो. आई. आई.एम, कोलकत्ता)

प्रो. आर, एस देशपांडे, अभ्यागत आचार्य, आई, एस. ई. सी, बेंगलुरु

प्रो. मिहिर कुमार रॉय, डीन, फैकल्टी ऑफ बिज़नस एडमिनिस्टेशन, सिटी विश्वविद्यालय, ढाका

प्रो. रीतिका खेरा, आई. आई.एम, अहमदाबाद

सभी शिक्षकों ने इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में भाग लिया. कुछ की उपस्थिति अध्यक्ष के रूप में थी एवं कुछ की विशेषज्ञ के रूप में।

सौम्य चक्रवर्ती

सितम्बर 2019– पैनलिस्ट ''ग्लोबलाइजेशन एंड इंडियन एग्रीकल्चर'', सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकत्ता

संतदास घोष

21.09.2019-30.09.2019– यू.जी.सी–एस.ए.पी (डी. आर.एस-II) द्वारा प्रायोजित एवं अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग द्वारा आयोजित ''मेथडोलाजी वर्कशॉप ऑन डेवेलोम्पेटपालिसी रिसर्च'' कार्यशाला में व्याख्यान दिया। विषय था– सैंपल डिजाईन एंड क्वेश्चनेयर।

16.10.2019 एम.ओ.ई. एफ (जी.ओ. I) द्वारा इंदिरा पर्यावरण भवन, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय परामर्श बैठक में 'मेम्बर ऑफ बायोइकॉनमी कॉम्पोनेन्ट' के तौर पर सहभागिता।

06.11.2019-08.11.2019 : इंडियन सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आई.एन. एस.ई.ई) द्वारा अर्थशास्त्र एवं सामाजिक अध्ययन केंद्र, हैदराबाद, तेलेंगाना मे आयोजित 10 वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र का सह अध्यक्ष। विषय था– "इकोसिस्टम सर्विसेज, रिसोर्स डिपेंडेंसी एंड डिसास्टर रिकवरी"।

03.02.2020-01.02.2020 : यू.जी.सी-एस.ए.पी (डी.आर.एस-II) द्वारा प्रयोजित एवं अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग विश्वभारती द्वारा आयोजित "डेवेलोप्मेंट पालिसी रिसर्च" शीर्षक पर अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन का सत्राध्यक्ष।

विश्वजीत मंडल

12.12.2019-13.12.2019 : पैनलिस्ट "डिबेटिंग द ग्लोबल रेसरजेंसऑफ प्रोतेक्ट्सनिम", सी.एस.एस.एस.सी एवं द ई. आर.सी. आई.सी.एस.एस.आर. कोलकत्ता, इंडिया।

अमितकुमार विश्वास

20.05.2019 : अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र विभाग, बोन विश्वविद्यालय में वाह्य विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया। विषय था– "इनफॉर्मल ट्रांसेक्शन, फाल्सफीड ट्रेड एंड एफ.डी.आई.वैल्यूज एंड आनऑफिसियल कैपिटल मूबमेंट्स : द यू.एस.ए– इंडिया केस।"

07.06.2019 : अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र विभाग, बोन विश्वविद्यालय में वाह्य विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया। विषय था– "ट्रेड मिस-रिपोर्टिंग, एफ.डी.आई मिसमैच एंड हिडन कैपिटल मूवमेंट : द यू.एस.ए– चाइना केस"।

24.06.2019 : अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र विभाग, बोन विश्वविद्यालय में वाह्य विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया। विषय था– ''ट्रेड मिस-इनवॉइसिंग एंड हिडन कैपिटल मूवमेंट: द केस ऑफ इंडिया एंड द

यू.एस.ए.''

03.02.2020-04.02.2020 : अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग, विद्या भवन, विश्व भारती द्वारा आयोजित वार्षिक एस.ए.पी. सम्मेलन में सत्राध्यक्ष। विषय था– ''ट्रेड एंड देव्लोपमेंट''।

23.09.2019 : यू.जी.सी-एस.ए.पी. (डी.आर.एस.-II) के अंतर्गत अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग द्वारा आयोजित 10 दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान। विषय था– ''रिग्रेशन एनालिसिस बाय एग्जामपल्स (यूजिंग ई व्यूज)''।

अनामिका मोक्तान

08.11.2019-09.11-2019 : अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अर्थशास्त्र संघ के 23 वें वार्षिक अधिवेशन में प्रपत्रर प्रस्तुत किया। प्रपत्रर का विषय था– ''अंडर डुअलिज्म : क्वालिटी ऑफ एम्प्लॉयमेंट इन इंडिया।''

शोधार्थियों द्वारा राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय सम्मलेन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता

06.11.2019-08.11.2019 : श्रीजित रॉय (शोधार्थी) ने हैदराबाद में आई.एन.एस.ई.ई. एवं सी.ई.एस.एस द्वारा ''क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर : चैलेंजेज, ऑपोरचुनीटीज एंड रेस्पोंसेस' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– ''रिड्युसिंग इकोलॉजिकल स्ट्रेस थ्रू सबसीडाइज्ड राइस : फ़ाईनडिंग्स फ्रॉम सुंदरबन डेल्टा।''

06.11.2019-08.11.2019 : सप्तर्षि चक्रवर्ती (शोधार्थी) ने हैदराबाद में आइ. एन. एस.ई.ई. एवं सी.ई.एस.एस द्वारा ''क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर : जैलेंजेज, ऑपोरचुनीटीज एंड रेस्पोंसेस'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– ''इंटरवेंशनस फॉर सस्टेनेबल फिशिंग इन सुंदरबन : ए स्कोपिंग एनालिसिस।''

06.11.2019-08.11.2019 : तापस कुमार सूत्रधर (शोधार्थी) ने हैदराबाद में आइ.एन.एस.ई.ई. एवं सी.ई.एस.एस द्वारा ''क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर : चैलेंजेज, ऑपोरचुनीटीज एंड रेस्पोंसेस'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– ''कांसार्विंग मैग्रोव्स इन सुंदरबन थ्रु क्लीन कुकिंग फ्यूल : फील्ड एविडेंसेस।''

06.11.2019-08.11.2019 : दीना गुरुंग (शोधार्थी) ने हैदराबाद में आइ.एन.एस.ई.ई. एवं सी.ई.एस.एस द्वारा ''क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर : चैलेंजेज, ऑपोरचुनीटीज एंड रेस्पोंसेस'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– ''चेंज इन क्लाइमेट, क्रॉपिंग पैटर्न एंड फूड सोवेरेंटी इन ईस्टर्न हिमालयन हिल्स।''

06.11.2019-08.11.2019 : बिकी शर्मा (शोधार्थी) ने हैदराबाद में आइ.एन.एस.ई.ई. एवं सी.ई.एस.एस द्वारा ''क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर : चैलेंजेज, ऑपरच्चूंटीड एंड रेस्पोंसेस'' विषय पर आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– ''क्लीन एनर्जी एट द कॉस्ट ऑफ फूड? इफ़ेक्ट ऑफ हाइड्रो-इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स ऑन लोकल एग्रीकल्चर इन सिक्किम।''

विभाग में चल रही अनुसन्धानात्मक परियोजनाएं

शिक्षक का नाम : सौम्य चक्रवर्ती

इनफॉर्मर सेक्टर : प्रोग्रेशन ओर पर्सिसटेंस?

परियोजना का नाम : ए स्टडी ऑफ फोर ट्रेडिशनल क्लस्टर्स ऑफ वेस्ट बंगाल, इंडिया

प्रयोजित संस्था : यू.जी.सी-एस.ए.पी (डि.आर.एस-II)

आबंटित राशि : रू 86,000/-

शिक्षक का नाम : अमित कुमार बिस्वास

परियोजना का नाम : ट्रैड डेटा फेब्रिकेशन एंड पॉसिबल कैपिटल फ्लाइट : एक्सपेरीइंसेस फ्रॉम इंडिया एंड अदर डेवेलपिंग कन्ट्रीज

प्रयोजित संस्था : मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, गवर्नमेंट ऑफ जर्मनी (द अलेक्संडे वोन हम्बोलड्ट फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित)

आबंटित राशि : यूरो 55,000/-

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय : सलाहकार के रुप में (फॉर डेटा एनालिसिस एंड रिपोर्ट राइटिंग) फॉर द प्रोजेक्ट, ''अस्सेस्मेट ऑफ द फंक्शनिंग एंड सोसियो-इकॉनोमिक चेंजेज ऑफ द मेंबर्स ऑफ द वाटर यूजर्स एसोसिएशन (डब्ल्यु यू ए)'' एट एंस्टिट्युट ऑफ रूरल मेनेजमेंट, आणंद (आइ.आर.एम.ए) (पश्चिम बंगाल सरकार और वर्ल्ड बैंक द्वारा प्रायोजित परियोजना)

विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त गतिविधियाँ/एन.एस.एस/सांस्कृतिक एवं अन्यान्य गतिविधियाँ जिसमें शिक्षक और छात्रों की सहभागिता रही।

स्नातक के विद्यार्थियों द्वारा 4 नवम्बर 2019 को ''मॉडल इकॉनोमिक फोरम ऑन वाटर क्राइसिस इन इंडिया'' का आयोजन किया गया। प्रो. कल्याण रुद्र, अध्यक्ष पर्यावरण नियंत्रक बोर्ड, पश्चिम बंगाल सरकार ने इस सत्र का उद्घाटन किया। डॉ. नीलांजन घोष, निदेशक, आब्जर्वर रिसर्च पाउंडेशन, कोलकत्ता एवं प्रो. शिवानी चौधरी पर्यायवरण विज्ञान विभाग, विश्वभारती, ने बीज वक्तव्य दिया।

प्रकाशन (अप्रेल 2019 से मार्च 2020 तक)

1. पाठ्य सुस्तक 2. अन्य पुस्तक 3. मोनोग्राफ्स 4. शोधालेख (लेखक, शीर्षक, प्रकाशन वर्ष, खंड, पृष्ठ संख्या, 5. पीर रिव्युड पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख :

   1. विभागीय प्रकाशन

2. व्यक्तिगत प्रकाशन : क। एकल लेख, ख। सह लेखन (एकही विभाग), के रूप में

मधुसूदन घोष

"क्लाइमेट–स्मार्ट एग्रीकल्चर, प्रोडस्टिविटी एंड फूड सिक्यूरिटी इन इंडिया", जर्नल ऑफ देवेलोप्मेंट पालिसी एंड प्रैक्टिस, 4(2), 2019, पृ. 166-187

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

1) "वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट ऑफ द दामोदर वैली कारपोरेशन : टैईल– इंड डेप्रिवेशन ऑफ द कैनाल नेटवर्क" सह लेखक : राज कुमार कुंडू, इकॉनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 55 (12): 46-45, 21 मार्च 2020

सौम्य चक्रवर्ती

पुस्तक अध्याय

"इनफॉर्मल सेक्टर : प्रोग्रेशन ओर पर्ससीसटेंस?" सह लेखक– अभिक मुखर्जी, निरुपम साहा, प्रतिप कुमार दत्त। (संपादक) सीमांती बंद्योपाध्याय एवं मौसुमी दत्ता। सम्पादित पुस्तक– ओपॉरसुनिटीस एंड चैलेंजेज इन टेव्लोपेमेंट, स्प्रिंगर 2019, पृ. 117-148

पत्रिकाओं में लेख

"प्रोब्लेम्स ऑफ फाइनेंसिंग डेवेलपमेंट मैनेजमेंट।" सह लेखक– प्रदीप कुमार दत्त, रिव्यु ऑफ रेडिकल पॉलिटिकल इकोनॉमिक्स, खंड 51, नं 3, 2019

विश्वजीत मंडल

पुस्तक अध्याय

"टाइम जोन डिफरेंसेस एंड सर्विस ट्रैड", सह लेखक– अलका श्री प्रसाद, संपादक– डी. माइती, एफ. कास्टेललाच्ची एवं ए. मेल्चिओर। संपादित पुस्तक– डिजिटलाईजेशन एंड डेवेलपमेंट, स्प्रिंगर नेचर, 2020

पत्रिकाओं मे लेख

1. "ब्यूरोक्रेटिक एफिशिएंसी, इकॉनोमिक रिफार्म एंड इनफॉर्मल सेक्टर।" सह लेखक– एस. घोष. यूरेशियन इकॉनोमिक रिव्यु, 9(2), पृ. 121-137, जून 2019
2. "टाइम जोन डिफरेंस, स्किल फार्मेशन एंड करप्ट इनफॉर्मल सेक्टर : द रूल ऑफ वर्चुअल ट्रेड", सह लेखक- ए. एस. प्रसाद, इंडियान इकॉनोमिक रिव्यु 54(2), दिसंबर 2019
3. "सीकिंग रेंट इन द इनफॉर्मल सेक्टर", सह लेखक– एस. कर, एस. मार्जित एंड वी. मुखार्जी, एनल्स ऑफ पब्लिक एंड कोपरेटिव इकोनॉमिक्स, 91(1), 2020

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

पुस्तक अध्याय

ग्लोबलाइजेशन एंड डेवेलपमेंट : पर्सपेक्टिव एंड पॉलिसीस नामक पुस्तक में ''ड्रीमिंग द एशियन एकॉनोमिक कयुनिटी एंड बियान्ड : करंट स्टेटस, रिफार्म ऑप्शन्स एंड पॉसिबल लेसंस'' शीर्षक से लेख प्रकाशित। सह संपादक– ए. आचार्या एंड ए. के. चट्टोपाध्याय, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, पृ. 57-78, 2019

पत्रिकाओं में लेख

डेवेलपमेंट एंड प्रैक्टिस नामक पत्रिका में ''अंडरस्टैंडिंग पीपल' पार्टिसिपेशन इन अर्बन लोकल गवर्नमेंट इन वेस्ट बंगाल'' शीर्षक से लेख प्रकाशित। सह लेखक– मौमिता दास। रॉउटलेज पब्लिकेशन/टेलर एंड फ्रांसिस ग्रो, खंड– 30(1), पृ. 68-79, 2020

''एन एनालिसिस ऑफ हाउसहोल्ड्स' एक्सेस टु टॉयलेट फैसिलिटी इन रूरल बीरभूम एंड इट्स इम्प्लीकेशंस फॉर पब्लिक पालिसी''। सह लेखक– सुभाशिश दास एंड रक्तिमाभा बोस। द जर्नल ऑफ इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, जन॰-जून, खंड 42, नं. 1 एंड 2, पृष्ठ– 28-46, 2019

अचिरांशु आचार्या

संपादित पुस्तक

''ग्लोबलाइजेशन एंड डेवेलपमेंट : पर्सपेक्टिव्स एंड पॉलिसीस'' सह संपादक सौम्यदीप चट्टोपाध्याय एंड अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय, पृष्ठ– 125-154, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2019

पुस्तक अध्याय

1) ग्राउंडवाटर डेवेलपमेंट एंड मैनेजमेंट पुस्तक में ''ग्राउंडवाटर प्राइसिंग एंड ग्राउंडवाटर मार्केट्स'' शीर्षक से लेख प्रकाशित। संपादक– प्रदीप के. सिकदर, पृ. 471-488, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, स्विट्ज़रलैंड, 2019
2) डिजिटल इंडिया फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवेलपमेंट : स्कोप एंड लिमिटेशंस पुस्तक में ''आइ.ओ.डी एंड बिग डेटा एनालिटिक्स इन एग्रीकल्चर : ए रिव्यु ऑफ थ्यौरी एंड प्रेक्टिस'' शीर्षक से लेख प्रकाशित। संपादक– कमल आर. गुप्ता एंड वी. बी. अंगाडी, गौरांग पब्लिशिंग ग्लोबलिज़ प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, इंडिया, पृ. 70-99
3) ''ग्लोबलाइजेशन एंड डेवेलपमेंट : पर्सपेक्टिव्स एंड पॉलिसीस'' पुस्तक में ''ग्लोबलाइजेशन एंड सस्टेनेबल एग्रीकल्चर इन इंडिया'' शीर्षक से लेख प्रकाशित। सह संपादक– सौम्यदीप चट्टोपाध्याय एंड अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय, पृ. 125-154, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2019

पत्रिकाओं मे लेख

''अप्लिकेशन ऑफ गेम थ्योरी इन वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट'' इंडियन ग्राउंडवाटर, 13 (1), 20-36, जुलाई 2019

अनामिका मोक्तान

'जेंडर एंड डेवेलपमेंट : एस्पेक्ट ऑफ सोशल एंड इकॉनोमिक चेंज' में ''इन्क्रीसिंग इनइक्वलिटी इन द क्वालिटी ऑफ एम्प्लॉयमेंट इन इंडिया : एन एनालिसिस अक्रॉस स्टेट्स एंड रूरल-अर्बन लोकेशन। '' संपादक– प्रणब के. चट्टोपाध्याय एंड दया शंकर कुशवाहा, नई दिल्ली पब्लिशर, 2019. 978-93-85503

प्रियब्रत दत्ता

''एफिशिएंसी वेज, आनएम्प्लॉयमेंट एंड टूरिज्म डेवेलपमेंट : द थ्योरेटिकल एनालिसिस'' सह लेखक– एम. आर. गुप्ता (2019), इंडियन ग्रोथ एंड डेवेलपमेंट रिव्यु (एमराल्ड इनसाइट), ISSN नं 1753-8254, 12, 333-349

''इंटरनेशनल टूरिज्म एन ए नार्थ-साउथ मॉडल : ए थ्योरेटिकल एनालिसिस।'' सह लेखक– एम. आर. गुप्ता (2019), फॉरेन ट्रेड रिब्यु (सेग पब्लिकेशन इंडिया) ISSN नं 0015-7325 (प्रिंट), 54, 91-114

विभाग द्वारा नवीन पाठ्यक्रम का निर्धारण या अन्य नवीन शिक्षण संबंधी तकनीकों का उद्घाटन।

(अप्रैल 2017 से मार्च 2018), हमने विभागीय शिक्षकों एवं वाह्य सदस्यों (बी. ओ.एस) के सदस्यों से विस्तृत विवेचना कर यू. जी. सी के निर्देशों का पालन करते हुए स्नातक एवं परास्नातक के लिए पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक पुनर्गठन किया। कक्षाएं इसी पाठ्यक्रम के अनुसार चल रही हैं, इसके अलावा हमने विभागीय सभी कक्षाओं का आधुनिक लैस 'स्मार्ट क्लास' बनाने का सुझाव रखा। इसी को ध्यान में राखते हुए पहले से ही संगोष्ठी कक्ष को 'स्मार्ट रुम' के तौर पर विकसित कर दिया गया है। इसके अलावा विभाग ने सी. बी. सी. एस पाठ्यक्रम को भी लागू कर दिया है।

अन्य प्रासंगिक जानकारी

सौम्यदीप चक्रवर्ती

संपादकीय सेवाएँ

सर्विस एस एन एसोसिएट एडिटर ऑफ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रूरल मैनेजमेंट (सेग पब्लिकेशन्स)

लघु लेख

समीक्षा– ''नॉट सच ए स्मार्ट मूव अफ्टर आल'' 13 मार्च 2020, (सह लेखक– ए. कुमार)

(weblink:https://www.dailypioneer.com/2020/columnists/not-such-a-smart-move-after-

all.html)

आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (अर्बन फ्यूचर) में ''स्मार्ट सिटी मेंकिंग इन इंडिया : यूनियन बजट 2020 एंड द वे फॉरवर्ड'' (सह लेखक– ए. कुमार) शीर्षक लेख प्रकाशित।

(weblink:https://www.orfonline.org/expert/speak/smart-city-making-in-india-union-budget-2020-and-the-way-forward-61933/)

'आइडियाज फॉर इंडिया' (इन इकोनॉमिक्स एंड पालिसी पोर्टल ऑफ द इंटरनेशनल ग्रोथ सेंटर, द लन्दन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफ़ोर्ड एंड टाटा सेंटर फॉर डेब्लोप्मेंट एट द यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो) द्वारा निर्देशित, 23 अक्टोबर 2019 में ''टैपिंग द रेवेन्यू पोटेंशियल ऑफ प्रॉपर्टी टैक्स इन इंडिया'' शीर्षक से लेख प्रकाशित।

(weblink:https://www.ideasforindia.in/topics/macroeconomics/tapping-the-revenue-potential-of-property-tax-in-india.html)

समीक्षा– ''हाउ टू टैप प्रॉपर्टी टैक्स पोटेंशियल'' 31 अगस्त, 2019। (सह लेखक– ए. कुमार)

(weblink:https://www.dailypioneer.com/2019/columnists/how-to-tap-property-tax-potential.html#)

प्रियाब्रत दत्ता : सफलता पूर्वक ''स्वयं अर्पित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स इन इकोनॉमिक्स'' को संपन्न किया।

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग 1968 में केवल तीन साल के स्नातक कोर्स के साथ स्थापित हुआ था। तत्पश्चात्, 1978 में लगभग पचास विद्यार्थियों की कुल क्षमता के साथ दो साल का अधिकस्नातक कोर्स शुरु हुआ। दोनों ही स्नातक और अधिस्नातक कोर्स का बी ए में 800 और एम ए में 1200 अंक हैं। इसके अलावा, विभाग अस्सी के दशक से पीएचडी डिग्री के लिए शोध भी आयोजित करता है। वर्तमान में 45 शोध विद्यार्थी अपनी पीएचडी की डिग्री के लिए शोध कार्य कर रहे हैं। २६ विद्यार्थियों ने यू जी सी नेट (जे आर ऍफ़ और इस आर ऍफ़) प्राप्त कर लिया है। विभाग ने यू जी सी के निर्देशा अनुसार स्नातक स्तर पर सी बी सी एस कोर्स शुरू कर दिया है और स्नातक स्तर पर ही 'आपदा प्रबंधन' और 'जलवायु परिवर्तन' को 'जनरल इलेक्टिव' में शुरु कया है।

भूगोल में वर्तमान प्रवृत्तियों को ध्यान मे रखते हुए, विभाग ने इन कुछ सालों में मौजुदा पाठ्यक्रम के साथ-साथ इस विषय के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर काफी ध्यान दिया जैसे जल संसाधन प्रबंधन, परिदृश्य पारिस्थितिकी, जनसंख्या, अवसंरचना और विकास, शहरी और क्षेत्रीय ग्रोजना और विकास, इत्यादि। विभाग को ऐसा भी ज्ञात हुआ है की स्थानिक और गैर-स्थानिक डेटा एकत्रित प्रसंस्कृत और प्रदर्शित करने के लिए आधुनिक व्यवस्थाओं की स्थापना करना अनिवार्य है और इस मांग को पूरी करने के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति प्रदान करने हेतु जियो-इन्फार्मेटिक्स पर एक अधिस्नातक डिप्लोमा कोर्स भी शुरु किया जाएगा।

यू.जी.सी./सी.एस.आई.आर./नेट./स्लेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र–

यू.जी.सी (नेट)– 26 सेट– 02

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शन आदि–

मलय मुखोपाध्याय

- 13.02.2020-15.02.2020 : एमिटी विश्वविद्यालय, कोलकत्ता द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में ''प्लानिंग सस्टेनेबल रेजंस : द सोशल-इकॉनोमिक-इकोलॉजिकल ट्रायड'' पर आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान।

अध्यक्ष के रूप मे प्रौद्योगिक सत्र II में व्याख्यान (सोशल प्लैनिंग एंड स्टेनेबिलिटी)

- 31.01.2020-01.02.2020 : आमंत्रित वक्ता के रूप में 'प्रयाग फिल्म सिटी, पश्चिम मेदिनीपुर एंड भूगोल ओ परिबेश, रागहानुथगुंग, मुर्शिदाबाद' द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''फ्युचर ट्रेंड्स इन जियोग्रफी स्टडी'' विषय पर व्याख्यान।

विषय विशेषज्ञ के रूप भाग लिया–

- 20.01.2020-21.01.2020 : 'सबुज बी. एड महविद्यालय, राजदिघी' द्वारा आयोजित ''सोसिओ

इकॉनोमिक डेवेलपमेंट एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन एनवायरनमेंट इन सुंदरबन'' शीर्षक अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता के रुप मे भाषण।

बीज वक्ता के रुप में भाषण।

- 21.12.2019 : बनवारीलाल भालोटिया महाविद्यालय, आसनसोल, पश्चिम बर्धमान, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कर्मशाला (आपन एयर) में आमंत्रित वक्ता के रुप मे भाषण।

विषय विशेषज्ञ के रुप में भाषण।

- 16.12.2019 : बर्धमान विश्वविद्यालय, बर्धमान द्वारा आयोजित ''नेचुरल एंड मैन-मेड डिजास्टर काउसेस, इम्पैक्ट एंड इट्स मैनेजमेंट'', विषय पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के समापन सत्र में आमंत्रित वक्ता के रुप मे भाषण।

मुख्य वक्ता के रुप में भाषण

- 10.11.2019 : नवद्वीप पुरातत्व परिषद्, नादिया एंड भूगोल ओ परिबेश, मुर्शिदाबाद द्वारा ''जियोग्रफी थ्रू दि ऐंस ऑफ हिस्ट्री'' पर आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता के रुप में भाषण प्रदान।

मुख्य वक्ता के रुप में भाषण

- 05.09.2019 : राजा एन.एल. खान वीमेन महाविद्यालय, पश्चिम मेदिनीपुर द्वारा आयोजित ''एनवायरनमेंट एंड सोसिएटेल रिसोर्स'' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता के रुप में भाषण।
- 20.08.2019 : यूनियन क्रिस्चियन ट्रेनिंग महाविद्यालय, बरहमपुर, मुर्शिदाबाद द्वारा ''इंटरनेशनल ग्रीनरिस, क्लाइमेट चेंज एंड एनवायरनमेंट मैनेजमेंट'' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में आमंत्रित अतिथि के रुप में भाषण।

मुख्य वक्ता के रुप में भाषण

- 15.04.2019 : भूगोल ओ परिबेश, मुर्शिदावाद एंड पुर्बसा इको-हेल्पलाइन सोसाइटी, सुंदरबन द्वारा अलिया विश्वविद्यालय, कोलकत्ता में ''नेग्लेक्टेड हाइड्रो-जिओमोर्फोलोजी इन सुंदरबन प्लानिंग'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में आमंत्रित वक्ता के रुप मे भाषण।

डॉ. सुतपा मुखोपाध्याय :

विषय विशेषज्ञ के रुप में भाषण

- 12.11.2019-14.11.2019 : इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ जिओमोरफोलोजिस्ट्स; (भूगोल विभाग एंड अनुप्रयुक्त भूगोल विभाग, नार्थ बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी) द्वारा ''ऑन अप्लिकेशन्स ऑफ जीओसपसिअल टेक्नोलॉजी इन जिओमोरफोलोजी एंड एनवायरनमेंट'' विषय पर आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी में निम्न शीर्षक पर आमंत्रित वक्ता के रूप में भाषण– ''चैनल माइग्रेशन अस्सेस्मेंट अलोंग लोअर द्वार्केस्वर रिवर, वेस्ट बंगाल।''

- 06.03.2020-08.03.2020 : 'इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आई.जी.यू)-इंडिया; भूगोल विभाग, बर्धमान विश्वविद्यालय, बेस्ट बंगाल द्वारा ''एग्रीकल्चर, फुड, वाटर, बायोडायवर्सिटी एंड हेल्थ इन चेंजिंग क्लाइमेट'' विषय पर आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन में निम्न शीर्षक से भाषण– ''प्रायोरिटीजेशन ऑफ सबवाटरशेड्स ऑफ द्वार्केस्वर बेसिन फॉर सस्टेनेबल डेवेलपमेंट : एंड इंटरग्रेटेट अप्रोच'' विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में भाषण।

प्रेमांशु चक्रवर्ती

- 27.09.2019-29.09.2019 : भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, के सहयोग से 'डेक्कन ज्योग्राफिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया' द्वारा ''ग्लोबल इकॉनमी, सस्टेनेबल टूरिज्म एंड क्लाइमेट चेंज'' विषय पर आयोजित 14 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रुप में भाषण और पत्र वाचन।
- 04.11.2019-08.11.2019 : भूगोल विभाग, भट्टर महाविद्यालय, डांटन, वेस्ट बंगाल द्वारा ''मॉडर्न मेथड ऑफ टीचिंग एडवांस्ड रिसर्च मेथड'' पर आयोजित 'संकाय डेवेलपमेंट कार्यक्रम' में ''टुरिज्म टीचिंग एंड रिसर्च इन इंटरडिसिप्लिनरी एरेना'' शीर्षक से आमंत्रित वक्ता के रूप में भाषण और पत्र वाचन।
- 09.12.2019-10.12.2019 : बर्धमान विश्वविद्यालय और विज्ञान और तकनीकी एवं जैव प्रौद्योगिकी, बंगाल सरकार द्वारा चौथी क्षेत्रीय विज्ञान एवं तकनीकी कांग्रेस, (वेस्टर्न रीजन) 2019, सम्मेलन में आमत्रित वक्ता के रुप में भाषण एवं ''मीट द साइंटिस्ट'' सत्र में अध्यक्षता।

कृष्णेंदु गुप्ता

- 03.01.2020-16.01.2020 : ह्युमन रिसोर्स डेवेलपमेंट, बर्धमान विश्वविद्यालय, बर्धमान, पश्चिम बंगाल द्वारा ''एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेब्लिटी'' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता।

विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त गतिविधियाँ/एन.एस.एस/सांस्कृतिक एवं अन्यान्य गतिविधियाँ जिसमें शिक्षक और छात्रों की सहभागिता रही।

नवीन वरण, विदाई समारोह, शिक्षक दिवस, अन्तर्विभागीय फुटबॉल और क्रिकेट टूर्नामेंट।

शिक्षकों/शोधार्थियों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त सफलताएँ–

वी.सी. झा

- कुलपति, टी, एम भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार (29 जुलाई से 13 सितम्बर, 2019)

- वरीय पर्यवेक्षक, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन (मार्च-अप्रैल 2019)
- केन्द्रीय प्रवेश समिति में सदस्य, विश्व-भारती, 2018-2021
- अनुस्थापन कार्यक्रम में मूल्यांकनकर्ता, एन.ए.ए.सी, के.आई.आई.टी, भुवनेश्वर, ओडिशा (27-28 फरवरी, 2020)
- बिहार विश्वविद्यालय में 'कैरियर उत्कर्ष योजना' में सलाहकार समिति के सदस्य, राज भवन, पटना (अगस्त 2019 से अब तक)
- नेहू (NEHU) विश्वविद्यालय में राष्ट्रपति मनोनीत विजिटर (20 फरवरी से अब तक)
- भारतीय कार्टोग्राफर के संपादकीय बोर्ड के अध्यक्ष (आइ.एन.सी.ए)
- कार्यकारी परिषद् के सदस्य, 38 वीं इंटरनेशनल कांग्रेस, हैदराबाद।
- 39 वीं आइ.एन.सी.ए इंटरनेशनल कांग्रेस, देहरादून में अतिथि सम्मान प्राप्त (2019)

उमा संकर मलिक :

- झारखण्ड विश्वविद्यालय, रांची, झारखण्ड में राष्ट्रपति मनोनीत सदस्य।
- मौलाना आजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय (MANUU) में फर्स्ट कोर्ट के सदस्य़ (राष्ट्रपति मनोनीत)।
- बर्धमान विश्वविद्यालय, बर्धमान, बश्चिम बंगाल, के भूगोल विभाग में डॉक्टरेट समिति के वाह्य सदस्य।
- भूगोल में अध्ययन बोर्ड के बाहरी सदस्य, भूगोल विभाग, गौर बंग विश्वविद्यालय, मालदा।
- भूगोल में अध्ययन बोर्ड के बाहरी सदस्य, भूगोल विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी, नादिया।
- भूगोल में अध्ययन बोर्ड के बाहरी सदस्य, भूगोल विभाग, काजी नजरुल विश्वविद्यालय, असनसोल, पश्चिम बर्धमान।
- समीक्षक– इंडियन जर्नल ऑन स्पेशल साइंस (आइ.जे.एस.एस)

सुतपा मुखोपाध्याय :

- भूगोल विभाग, बर्धमान विश्वविद्यालय, में विभागीय अनुसंधान समिति के वाह्य विशेषज्ञ (2018 से अब तक)
- दूरस्थ शिक्षा निदेशालय में बाहरी विषय विशेषज्ञ (2017 से अब तक)
- महिला अध्ययन केंद्र में पाठ्यक्रम समिति के सदस्य, विश्वभारती।
- समीक्षक, एनवायरनमेंट, डेवेलपमेंट, सस्टेनेब्लिटी, स्प्रिंगर

- समीक्षक, रिमोट सेंसिंग अप्लिकेशन; सोसाइटी एंड एंपावरमेंट।
- प्रकाशन (अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक)

वी. सी. झा

- "सम आस्पेक्ट्स ऑफ द जिओमोर्फोलोजी ऑफ ग्रेनाइटीक इन्सेल्बेर्ग्स इन दुमका डिस्ट्रिक्ट, झारखण्ड, इंडिया; स्पेस एंड मॉडर्न टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर एंड एनवायरनमेंट" संपादक– वी.सी.झा, के. सी. स्वेन, ए.के. चैटर्जी, पी.के. पात्र एवं पी. कंडासेमी; मुकुंद पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2020, पृ. 14-30, आई.एस.बी.एन : 978-93-84335-35-9

मलय मुखोपाध्याय

- "एकॉमेनोपोलिस – द रोड टू मॉनोटॉनी" संपादित खंड– सस्टेनेबल अर्बनाइजेशन इन ईस्ट इंडिया। लेवांट बुक, कोलकाता, जनवरी 2020, पृ. 109-113

उमा शंकर मलिक

- 'अर्बन एथनिक स्पेस : ए डिस्कोर्स ऑन चाइनिस कम्पुनिटी इन कोलकत्ता', सह लेखक– सुदीप गोस्वामी, इंडियन जर्नल ऑफ स्पेशल साइंस, 2019, स्प्रिंग इशू, खंड 10, नं 1, पृ. 25-31, ISSN 2240-3921, ई- ISSN 2249-4316
- "इवोलब्यूशन ऑफ एथनिसिटी इन रिसर्च : ए सोशल ज्योग्राफिकल अप्रैसल इन इंडिया कॉन्टेक्स्ट", सह लेखक– सुदीप गोस्वामी, द रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइंस, खंड– 10, नं. 4, अप्रैल 2019, यू.जी.सी. एप्रूव्ड, पृ. 67-78, ISSN 2456-1356, 2456-1356 [0], index cosmos www.aensi.in/http://www.aensi.in
- ए ज्योग्रफिकल स्टडी ऑन द क्यू.यू.एल एन द स्लम्स ऑफ के. एम.सी, सह लेखक– अभिषेक बनर्जी, द रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइंस, www.aensi.in/index cosmos, 2019, पृ. 46-66, ISSN 2456-1356, 2456-1356 [O] www.aensi.in, UGC approved

सुतपा मुखोपाध्याय :

- अस्सेसिंग फ्लड रिस्क यूजिंग अनलिटिकल हायरार्की प्रोसेस (AHP) एंड ज्योग्राफिकल इनफार्मेशन सिस्टम (GIS) : अप्लिकेशन इन कोच बिहार डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बंगाल, इंडिया, नेचुरल हैजर्ड 99, स्प्रिंगर, पृ. 247-274, Impact फैक्टर 2.427, UGC listed, https://doi.org/10.107/s11069-019-03737-7, August 2019
- करंट प्रैक्टिस इन फ्लुविअल जिओमोरफोलोजी– जायनामिक्स एंड डाइवर्सिटी संपादक– कृष्ण गोपाल घोष, सुतपा मुखोपाध्याय, इंटेक ओपन लिमिटेड, लन्दन, ई.सी. 3 आर, 6 ए.एक, यू.के. 2020. ISBN 978-1-78984-578-5

प्रेमांशु चक्रवर्ती

- 'जिओअर्चाएओसाइट्स फॉर जिओटूरिज्म : ए स्पेशल एनालिसिस फॉर राढ़ बंगाल इन इंडिया', जिओ जर्नल ऑफ टूरिज्म एंड जिओसाइट्स, खंड-25, नं 2, ISSN- 2065-0817, 2019
- 'एडवेंचर टूरिस्म स्पेक्ट्रम, एनवायरनमेंट एंड लाइवलीहुड ऑपोरचुनीटीज : ए केस स्टडी इन साउथर्न सिंगालिला ट्रैकिंग।' जिओ जर्नल ऑफ टूरिज्म एंड जिओसाइट्स, खंड 26, नं. 3, ISSN 2065-0817, 2019
- 'जिओटूरिज्म डेवेलपमेंट फॉर फॉसिल कॉन्सरवेशन : ए स्टडी ऑन अम्खोई फॉसिल पार्क ऑफ वेस्ट बंगाल इन इंडिया', जिओ जर्नल टूरिज्म एंड जिओसाइट्स, खंड 27, नं. 4, ISSN 2065-0817, 2019

भैरव लाल यादव :

- 'वेस्ट बंगाल बिकॉम्स ओल्डर : एपिडेंसेस फ्रॉम डेमोग्राफिक ट्रांजिशन', रिमेकिंग : एन एनालइजेशन, खंड 4 (01), पृ. ई 104-111, ISSN 2455-0817, अप्रैल 2019
- 'दि सोशल केरेक्टरस्टिक्स एफेक्ट ऑफ यूटिलाइजेशन ऑफ हेल्थ केयार सर्विसेज? ए केस स्टडी ऑफ ओल्डर्स', पीरियाडिक रिसर्च, खंड 7 (4), पृ. ई 97- ई 103, ISSN 2349-9435, मई 2019
- 'फमिनिज़ेसन ऑफ एजिंग इन इंडिया : इम्पिरिकल एवीडेन्सेस एंड चैलेंजेज'। इंडियन जर्नल ऑफ जेरोनटोलोजी, खंड- 32 (2), पृ. 280-291, ISSN 0971-4189, 2019
- 'हेल्थ सर्विस फॉर ओल्डर्स इन ए अर्बन सेटिंग ऑफ इंडिया'। राजेश पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2020, ISBN 978-9-3836-84946

कृष्णेंदु गुप्ता :

- 'अप्लिकेशन ऑफ ग्राफ-बेस्ड मॉडल फॉर द क्वांटीफीकेशन ऑफ ट्रांसपोर्ट नेटवर्क इन पेरी-अर्बन इंटरफ़ेस ऑफ बर्धमान सिटी, इंडिया'। सह लेखक- आरिफ एम, स्पेसियल इनफार्मेशन रिसर्च, स्प्रिगर, पृ. 1-11, ISSN 2366-3286, 2019
- 'पेरी-अर्बन लाइवलीहुड डायनामिक्स : ए केस स्टडी फ्रॉम ईस्टर्न इंडिया।' सह लेखक- आरिफ एम एवं राव डी श्रीनिवासा, फोरम जियोग्रफी, रोमानिया, खंड18 वें (1) 40-52, ISSN 1583-1523-2019
- 'ड्राइविंग फोर्सेज ऑफ पेरी-अर्बन ग्रोथ ऑफ इन इंडियन सिटी : द बर्धमान।' सह लेखक- आरिफ एम एवं चटर्जी एम, इंडियन जर्नल ऑफ रीजनल साइंस, कलकत्ता, 51 (1), 52-64, ISSN 0046-9017, 2019
- 'रिमोट सेंसिंग एंड जी.आई.एस अप्लिकेशन फॉर सस्टेनेबल लैंड यूज़/लैंड कवर मैनेजमेंट इन सोनामुखी ब्लाक, बाँकुड़ा डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल', सह लेखक- दास एस, 'एप्लिकेशन ऑफ स्पेस

एंड मॉडर्न टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर एंड एनवायरनमेंट, नाबार्ड, संपादक- स्वैन, के सी, चटर्जी ए.के, पात्र पी.के, कंडासामी पी, मुकुंद प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 138-153, ISBN- 978-93-84335-35-9, 2020

सुदीप्त सरकार :

- 'सरवाइविंग द पान्डेमिक : ग्राउंड रिपोर्ट फ्रॉम इंडियास विलेजेस', भुवनेश्वर, सह लेखक- मिश्रा डी, डेवेलपमेंट रिसर्च इंस्टिट्युट, doi: 10.13140/RG.2.2.19923.40486 (E-book), 2020. www.gabeshanchakra.org/sites/default/filse/dri/%20report%20on%20villages final o.pd

विभाग द्वारा नवीन पाठ्यक्रम का निर्धारण या अन्य नवीन शिक्षण संबंधी

बीए में पाठ्यक्रम के रुप में क्षेत्र आधारित प्रबंधन रिपोर्ट लिखने में प्रशिक्षण (सेमेस्टर IV, सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम)

[SEC2] कौशल विकास के अवसर वाली भौगोलिक सूचना प्रणाली।

इतिहास विभाग

यू.जी.सी/सी.एस.आई.आर./नेट/स्लेट एंड गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र—

2019

विशाल घोष	(नेट)
सलीम शहजादा	(सेट)
नाजिया खातुन	(सेट)
रंजित विश्वास	(सेट, नेट-जे.आर.एफ)
सुमन महता	(नेट)

2020

विशाल घोष	(सेट)
सेलिना योंज़ोन तमांग	(सेट)
कार्तिक अधिकारी	(सेट)
मंदिरा बनर्जी	(सेट)
पिंटू दास	(सेट)
प्रेरणा सुब्बा	(नेट-जे.आर.एफ)
रबिना खातुन	(सेट)
शांता घोष	(सेट)
सोहिनी झा	(सेट)
सुमन महता	(सेट)
तमजीत पाल	(सेट)
तथागत मंडल	(सेट)
उश्मेया मजुमदार	(सेट)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, शीर्षक, तारीख) :

अभ्यागत आचार्य (2019-2020)

यू.जी.सी. एस.ए.एप.-डी.आर.एस फेज III के अंतर्गत (2019-2020) में विभाग ने शिक्षकों एवं प्रख्यात विद्वानों को विसिटिंग प्रो. के रूप में आमंत्रित किया।

निम्नलिखित विद्वानों ने अपने यहाँ रहने के दौरान विभाग के छात्रों ओर संकाय के साथ

व्याख्यान दिए–

1. प्रो. अमित डे, कोलकत्ता विश्वविद्यालय
2. प्रो. अशोक दास, ईस्टर्न आर्ट हिस्टोरियन
3. प्रो. भास्कर चक्रवर्ती, कलकत्ता विश्वविद्यालय
4. दीपक कुमार, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
5. प्रो. नजफ़ हैदर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
6. प्रो. राजशेखर बासु, कलकत्ता विश्वविद्यालय

विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान

प्रो. सुभो बासु 'इतिहास एवं शास्त्रीय अध्ययन विभाग, एम.सी गिल विश्वविद्यालय, मोंट्रियल, क्यूबैक' ने व्याख्यान दिया ओर छात्रों के साथ बातचीत की।

प्रो. 'सौविक मुखोपाध्याय इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय', ने व्याख्यान दिया ओर छात्रों के साथ बातचीत की।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शन आदि।

संदीप बासु सर्वाधिकारी

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सहभागिता

- 27.09.2019-28.09.2019 : इतिहास विभाग, राजशाही विश्वविद्यालय एवं जन इतिहास चर्चा केंद्र, ढाका, बांग्लादेश के संयुक्त तत्वावधान में 'संस्कृति, शिक्षा एवं शांति: जनजाति के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- 27.02.2020-28.02.2020 : इतिहास एवं सभ्यता विभाग, बरिशाल विश्वविद्यालय एवं जन इतिहास चर्चा केंद्र, ढाका, बांग्लादेश के संयुक्त तत्वावधान में 'बंगबन्धु, हिज टाइम एंड लिगेसी: सोसाय्टी, इकॉनमी एंड स्टेट फोरमेशन इन रेट्रोस्पेक्ट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया एवं समापन सत्र में व्याख्यान दिया।

प्रपत्र प्रस्तुति

- 07.11.2019 : गलसी महाविद्यालय, गलसी, पूर्व बर्दमान द्वारा 'बाई सेंटीनारी बर्थ ऐनीवर्सिरी सेलिब्रेशन ऑफ़ ईश्वर चन्द्र विद्यासागर' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बीज वक्तव्य दिया।
- 27.09.2019-28.09.2019: इतिहास विभाग, राजशाही विश्वविद्यालय एवं जन इतिहास चर्चा केंद्र ढाका, बांग्लादेश के संयुक्त तत्वावधान में 'संस्कृति, शिक्षा एवं शांतिः जनजाति के परिप्रेक्ष्य में' विषय

पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बीज वक्तव्य दिया।

- 10.01.2020-11.01.2020: राजा नरेन्द्रलाल खान कॉलेज, पूर्व मेदनीपुर में आमंत्रित वक्ता के रूप में विशेष व्याख्यान दिया।
- 13.02.2020: यू.जी. सी- एच. आर.डी.सी, नार्थ बंगाल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'रेफ्रेषर कोर्स इन हिस्ट्री' में आमंत्रित वक्ता के रूप मे दो व्याख्यान दिये।
- 27.02.2020-28.02.2020: इतिहास एवं सभ्यता विभाग, बरिशाल विश्वविद्यालय एवं जन इतिहास चर्चा केंद्र, ढाका, बांग्लादेश के संयुक्त तत्वावधान में 'बंगबन्धु, हिज टाइम एंड लेगसी: सोसाय्टी, इकॉनमी एंड स्टेट फोरमेशन इन रेट्रोस्पेक्ट' विषय पर आयोजित अंरर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया एवं समापन सत्र में व्याख्यान दिया।

बिपाशा राहा

व्याख्यान

सितम्बर, 2019: प्रसन्नदेव महिला महाविद्यालय में विशेष व्याख्यान दिया। विषय था– 'अंडरस्टैंडिंग पोपुलर कल्चर।'

सैयद एजाज़ हुसैन

संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रपत्र प्रस्तुति

- 07.01.2020: जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता में 'वॉरफेयर इन साऊथ एशिया: फ्रॉम ऐन्शियेंट टू मॉडर्न टाइम्स' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बीज वक्तव्य दिया। विषय था– 'सैलेरी एंड वेजेस ऑफ द आर्मी: स्टडी बेज्ड ऑन मैनुअल ऑफ मिलिट्री अकाउंट ऑफ महाराजा रंजीत सिंह'
- 24.01.2020-26.01.2020: कलकत्ता में पश्चिम बंग इतिहास संसद द्वारा आयोजित 'प्रोफेसर अब्दुल वहाब मेमोरियल वर्कशॉप ऑन भारत इतिहास समन्वय भावना लेक्चर' के 36 वें वार्षिक सम्मेलन में सहभागिता। विषय था– 'ट्रेडीशन ऑफ अकोमोडेशन एंड कॉन्सिलिएशन इन इंडियन कल्चर।'
- 08.02.2020-09.02.2020: बम्बई में आयोजित 'हिस्ट्री आर्कोलॉजी एपीग्राफी एंड नूमिसमेटिक्स' (सी.एच.ए.ई.एन'20) के 4 थे सम्मेलन में अध्यक्षता। विषय था– 'कंटेक्सट ऑफ एनसीलरी सोर्सेस इन हिस्टोरिकल रिसर्च विद एंफैसिस ऑन आर्कोलॉजी एपीग्राफी एंड सिस्टमेटिक नूमिसमेटिक्स।'
- 14.02.2020-15.02.2020: बहरमपुर महिला महाविद्यालय, मुर्शिदाबाद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता। विषय था– 'ग्लिनिंग्स फ्रॉम अ पर्शियन ट्रेवल अकाउंट अबाउट अर्ली 19^{th} सेंचरी मुर्शिदाबाद एंड कोलकता।'
- 25.02.2020-27.02.2020: विद्यासागर विश्वविद्यालय, में आयोजित 'मीडिएवल इंडियन हिस्त्री फॉर द एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ द इंस्टीट्यूट ऑफ हिस्टोरिकल स्टडी', कोलकाता के 17 सत्राध्यक्ष के रूप में

भाग लिया। विषय था– 'ग्लिनिंग्स ऑफ पीपल्स हिस्ट्री फ्रॉम सम पर्शियन सोर्सेस।'

अर्पिता सेन

प्रपत्र प्रस्तुति

- 24.10.2019-26.10.2019: कर्मश्री हितेश्वर सैकिया कॉलेज, गुवाहाटी में आयोजित 'एनुअल 40 वें कॉनफ्रेंस ऑफ द नॉर्थ ईस्ट इंडिया एसोसिएशन' में भाग लिया तथा प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– 'अ ब्रह्मो मिशनरी एंड द टेंपरेन्स क्रूशेड इन द खासी हिल्स (1889-1916)।'
- 28.12.2019-30.12.2020: कन्नूर विश्वविद्यालय, केरल में आयोजित 'इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस के 80 वें अधिवेशन' में भाग लिया तथा प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– 'केमोफ्लगिंग द इरिफ्यूटेबल: द पॉलिटिक्स ऑफ लिंग्विस्टिक नेशनलिज्म इन असम।'
- 26.01.2020-27.02.2020: केंद्र आर.के. के. महाविद्यालय में 'गांधीस विजन एंड इट्स रिजोनेंस इन प्री/पोस्टइंडिपेंडेंट इंडिया' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– 'द आइरिश मॉडल, गांधी एंड द इंडिया नेशनल मूवमेंट।'

अमरेन्द्र कुमार

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सहभागिता

- 05.09.2019-06.09.2019: लेडेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड्स में आयोजित 'हक्लुय्त सोसाइटी सिंपोजियम ऑन थिंकिंग पावर इन मारीटाइम एनकाउंटर्स 1400-1900' में भाग लिया।

प्रपत्र प्रस्तुति

- 05.09.2019-06.09-2019 : लेडेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड्स में आयोजित 'हक्लुय्त सोसाइटी सिंपोजियम ऑ थिंकिंग पावर इन मारीटाइम एनकाउंटर्स 1400-1900' में भाग लिया तथा प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– 'नेगोशिएशन टेरितौरियालिटी ऑफ द सी: मराठा नेवी इन द एरा ऑफ ग्लोबल मैरिटाइम एम्पायर्स।'
- 07.01.2020-08.01.2020: जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता द्वारा 'वारफेयर इन साउथ एशिया: फ्रॉमएनशियेंट टू मॉडर्न टाइम्स' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में भाग लिया तथा प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– 'नेवी इन इंडियन वारफेयर (300 बी. सी से 1800 ए डी.)।'
- 02.03.2020 : भाषा भवन एवं मराठी विभाग, विश्वभारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में विशेष व्याख्यान दिया। विषय था– 'छत्रपति शिवाजी महाराज: स्वराज्य एंड स्टेटक्राफ्ट।'

शुभायु चट्टोपाध्याय

- 06.03.2020: टुर्कु हाँहदा लप्सा हेम्ब्रम महाविद्यालय, मल्लारपुर, बीरभूम, पश्चिम बंगाल में आयोजित 'इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन 200 बर्थ इनिवर्सरी आफ ईश्वर चंद्र विद्यासागर' में विशेष

व्याख्यान दिया। व्याख्यान का विषय था– 'रिविजिटिंग वर्णपरिचय।'

- 20.09.2019-21.09.2019: आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रयोजित एवं इतिहास विभाग, विजय गर्ग ज्योतिष राय कॉलेज कोलकता में 'जेंडर इन इंडियन हिस्ट्री : इट्स रिलेशन विथ डिफेरेंट ट्रेजेक्टोरी ऑफ हिस्ट्री ऑन इंडियन बूमेन फ्रॉम 1857 टू 1947' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया एवं प्रपत्र प्रस्तुत किया। विषय था– 'अंडरस्टैंडिंग द डायनामिक्स ऑफ कास्ट पेट्रीआर्की एंड जेंडर इंटरफेस: रिफ्लेक्शंस ऑन फुले एंड अंबेडकर्स थॉट्स।'
- 18.10.2019-19.10.2019: पटना महिला महाविद्यालय में 'जेंडर इशुस : अंडरस्टेन्डिग्स द को-कोंस्टिट्यूशन ऑफ़ डेंडर एंड पोलिटिक्स' विषय पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। विषय था– 'सिटीजनशिप राइट्स पॉलीटिकल पार्टिसिपेशन एंड इश्युज ऑप दलित बूमेन।'
- 15.02.2020-16.02.2020: आई.सी.एस.एस.आर द्वारा प्रायोजित एम.यू.सी महिला महाविद्यालय, बर्दमान में 'कल्चर, सोसाइटी एंड पॉलिटिक्स: कॉलोनियल एंड पोस्ट कॉलोनियल पीरियड' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। विषय था– 'दलित पैंथर मूवमेंट: दलित एक्टिविज्म इन ट्वेंटीथ सेंचुरी महाराष्ट्र।'

विषय विशेषज्ञ के रुप मे।

- 21.02.2020-23.02.2020: स्कूल ऑफ स्टडीज, हिस्ट्री. पंडित रविशंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी, रायपुर, छत्तीसगढ़ में 'सिग्निफिकेंस ऑफ गांधियन आईडियोलॉजी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। विषय था– 'गांधीस थॉट्स ऑन जेंडर इक्वलिटी एंड विमेन एंपावरमेंट।'

अतिग घोष

- 18.07.2019: 'फ्राइडे लेक्चर सीरीज ऑफ महानिर्वाण कोलकता रिसर्च ग्रुप' मे विशेष व्याख्यान दिया। विषय था– ''रीआर्टिकुलेटिंग 'अग्रेरियन पापुलिज्म' इन पोस्टकॉलोनियल इंडिया: कंसीडरेशन अराउंड डी. एन. धनागरेस पापुलिज्म एंड पावर: फार्मर्स मूवमेंट इन वेस्टर्न इंडिया 1980-2014 एंड बियोंड''।
- 21.09.2019-30.09.2019: यू.जी.सी-एच. एस. ए. पी (डी.आर.एस-II) के अंतर्गत अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग विश्वभारती द्वारा 'डेवलपमेंट पालिसी ऑफ़ रिसर्च' पर दस दिवसीय शोध प्रविधि कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। विषय था– 'इंगेजिंग डेवलपमेंट: अ रेडिकल हिस्टॉरिकल डेवलपमेंट।'

प्रकाशन (अप्रैल, 2019 से मार्च 2020 तक)

संदीप बासु सर्वाधिकारी

- विश्वायन ओ रोहिंग्या (पंचानन विश्वविद्यालय, कुचबिहार मेंपश्चिम इतिहास संसद द्वारादिनांक

23.01.2019 से 25.01.2019 तक आयोजित 35 वें वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्षीय व्याख्यान- 'कंट्रीज अदर दैन इंडिया)।'

बिपासा राहा

- 'द पीजेंट क्वेश्चन एंड द मिडल क्लास इंटेलिजेंटासिया इन बंगाल 1831-1930' कम्प्रिहेंसिव हिस्ट्री इन मॉडर्न बंगाल 1700-1950, खंड-3, संपादक- सब्यसाची भट्टाचार्य, नई दिल्ली: प्रिमुस बुक्स, 2020, पृ. 166-230, ISBN- 13:9789389901955
- 'गांधी एंड रुरल रिकंस्ट्रक्शन: ईशु ऑफ विलेज स्वराज' जर्नल ऑफ़ द एशियाटिक सोसाइटी, खंड LXI: नं. 3 2019 (ISSN- 0368-3308)
- 'रविंद्रनाथेर स्वदेश शिक्षा' (रविंद्रनाथस नेशनलिज्म) इन रविन्द्र सप्ताह भाषण, सं-इंद्राणी मुखर्जी एवं अमर्त्य मुखोपाध्याय, विश्वभारती, पौष 1425 (बी. एस)
- 'रुरल रिकंस्ट्रक्शन एंड स्वदेश: अ पोएट्स अल्टरनेटिव'। थीम्स एंड इंडिविजुअल इन हिस्ट्री। सं- सुपर्ण गुप्त, के. पी बागची एंड कंपनी, कलकत्ता 2019 (ISBN- 978-93-89901-95-5)

सैयद एजाज़ हुसैन

- 'अकबरनगर: अमुग़ल मिंट ऑफ बंगाल' जर्नल ऑफ़ द ओरिएंटल न्यूमिसमैटिक सोसायटी (ओ.एन.एस), लन्दन, नं 238, 2019, पृ. 61-64, (ISSN- 18181252)
- 'पॉलीटिकल हिस्ट्री एंड ज्योग्रफी ऑफ बंगाल सुबह', 1700-57, कोम्प्रिहेंसिव हिस्ट्री ऑफ़ मॉडर्न बंगाल, 1700-1950, खंड 1, सं सब्यसाची भट्टाचार्य, नई दिल्ली: प्रिमुस बुक्स, 2020, पृ. 1-25, ISBN- 13-9789389901955
- 'मुस्लिम लिटरेसी एंड दियर सोसिएल, पॉपिटिकल एंड रिलीजियस थॉट इन द 18 सेंचुरी', कंप्रेहेन्सिव हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न बंगाल, 1700-1950, खंड 1, संपादक– सब्यसाची भट्टाचार्य, नई दिल्ली– प्रिमुस बुक, 2020, पृ. 603-42 (ISBN- 13:9789389901955)

अर्पिता सेन

- 'कांटेजिंग आइडेंटिटीस : सम रेप्रेसनटेसंस ऑफ खासिस इन कोलोनियल डिस्कोर्स', संपादक- अमरेंद्र ठाकुर, नार्थ ईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन, 39 वें सत्र, शिलांग, 2019, पृ. 247-256।

अतिग घोष

पुस्तक प्रकाशन (संपादित खंड)

'सिचुएटिंग सोशल मीडिया : जेंडर, कास्ट, प्रोटेस्ट, सॉलिडेरिटी, वीमेन अनलिमिटेड', संपादक– अतिग घोष एंड समता विश्वास, नई दिल्ली, 2020 (ISBN - 978-93-85606-27-4)

दर्शनशास्त्र एवं तुलनात्मक धर्म विभाग

नेट/स्लेट/और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम :

नेट : 01

सेट : 03

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का विषय, तिथि)

- 04.11.2019-05.11.2019: प्रो. क्रिस्टोफर की चैपेल, भारतीय और तुलनात्मक सिद्धान्तवाद के दोशी प्रोफेसर, य़ोग अध्ययन में कला संभाग के निदेशक, लोयोला मेरीमाउण्ट यूनिवर्सिटी, का व्याख्यान। विश्वभारती, शान्तिनिकेतन के दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग द्वारा दर्शन सदन में आयोजित।
- 14.02.2020-16.02.2020:प्रपंच शास्त्रीय नीतिशास्त्र पर कार्यशाला। दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग, विश्वभारती और प्रपंचशास्त्र सोसायटी द्वारा प्रायोजित। दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग, विश्वभारती द्वारा दर्शन सदन में आयोजित।
- 21.02.2020-23.02.2020: ईस्टर्न जोन टीचर्स मीट। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित। दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग द्वारा दर्शन सदन मे आयोजित।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी इत्यादि। अध्यक्षता, मूल्यायन, प्रस्तुति : शिक्षकों एवं अनुसंधान अध्येताओं द्वारा।

शुभ्र ज्योति दास

- 09.05.2019: 'शंकर जयंती' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुति, आइ सी. पी आर और वी. सम. फाउण्डेशन द्वारा आयोजित। प्रस्तुति का शीर्षक : 'क्या रामकृष्ण एक अद्वैतवादी थे?'
- 10.01.2020-12.01.2020: अन्तर्राष्ट्रीय वेदांत कांग्रेस में आलेख प्रस्तुति। जे. एन. यू. और मासाचुसेट्स विश्वविद्यालय द्वारा ओयोजित। प्रस्तुति का शीर्षक : 'दि ऑथरशिप डिबेट इन शंकर भक्ति एज ए क्राइटेरियन : एक्जामीनिंग।'
- 22.02.2020-23.02.2020: 'टुगेदर टूवर्डस टुमोरो' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वचन एवं सह-अध्यक्षता, 'भारो-फारसी अध्ययन' का एक सत्र। 'अवशोषित विकास के लिए फारसी, मराठी, हिन्दी और अन्य भाषाओं की भूमिका' विषयक संगोष्ठी। अरवी, फारसी, उर्दू और इस्लामिक अध्ययन विभाग, मराठी विभाग और राजभाषा प्रकोष्ठ, विश्वभारती का सेयुक्त आयोजन। विषय : 'एक दुसरे के पुरक के रुप में शंकर और रुमी का अध्ययन।'

सुजय मण्डल

- 07.05.2019-14.05-2019: बौद्ध तर्कशास्त्र पर कार्यशाला। आई सी पी आर सेंटर फॉर बूद्धिस्ट स्टडीज और दर्शनशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकता द्वारा आयोजित।
- 21.02.2020-23.02.2020: आई सी पी आर ईस्टर्न जोन टीचर्स मीट के 'भारतीय दर्शनशास्त्र का सजीवीकरण' विषयक कार्यक्रम के एक सत्र की अध्यक्षता। दर्शनशास्त्र एवं तुलनात्मक घर्म विभाग, विश्वभारती, शान्तिनिकेतन।

एम. पी. टेरेंस सैमुयल

- 28.06.2019-29.06.2019: 'महाली समुदाय की चुनौतीग्रस्त भाषा और संस्कृति' विषयक संगोष्ठी में पत्र वाचन। महाली आदिवासी कल्याण सोसायटी, शान्तिनिकेतन द्वारा ओयिजित। प्रस्तुति का विषय : 'गैर-जनजातीय साहित्य में जनजातीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व' विषयक पत्र।
- 08.09.2019: 'समकालीन तमिल अनुसंधान और सिद्धांत' विषयक संगोष्ठी मे पत्र वाचन। पीराज जर्नल, सनियाम्मई स्कूल, मदुरई द्वारा आयोजित। प्रस्तुति विषय : 'साहित्य और प्रतिनिधित्व।'
- 19.08.2019-23.08.2019: 'प्रपंचशास्त्रवाद, विज्ञान और धर्म' विषय पर ज्ञान-दीप विद्यापीठ सेंटर फॉर साइंस रिलीजन स्टडीज, पुणे द्वारा क्राइस्ट कॉलेज, पुणे और सेंटर फॉर फेनोमेनोलॉजिकल स्टडीज, पॉण्डिचेरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में 'फेनोमेनोलॉजि ऑफ टच: एन इनक्वयरी इनटु दि प्रोब्लेम ऑफ अनटचैविलिटि' विषय पर आलेख वाचन।
- 05.11.2019-06.11.2019: 'उत्तर ऑपनिवेशिक भारत में पर्यावरणीय इतिहास और राजनीति' विषय पर बेंगलुरु केंद्रीय विश्वविद्यालय, बेंगालुरु मे आलेख वाचन। प्रस्तुति विषय : 'अण्डरस्टेडिंग दि इंटरप्ले एण्ड को इवॉल्युशन ऑफ नेचर, हयुमैन एण्ड सोसायटी थ्रु हिस्टोरिकल मैटेरियलिज्म। '

आशा मुखर्जी

- 09.06.2019: 'परसेप्शन एंड कॉग्निशन इन वर्ल्ड फिलोसोफि' विषयक संगोष्ठी जो पेडागोडिकल यूनिवार्सिटी ऑफ क्रैंकाव द्वारा आयोजित थी, 'नॉलेज ऑफ वैल्यू, फ्रीडम एण्ड प्रे डिक्टेबिलिटी' विषय पर पत्र वाचन।
- 27.11.20196: 'जैण्डर जस्टिस एंड इट्स कन्सर्न फॉर सेक्युअल हारासमेंट ऑफ वूमेन इन दि वर्कप्लेस इन ए स्पेस ऑफ आवर ओन: टूवड्र्स ए जेण्टर जस्टिस मीकियू' विषय पर बाँकुड़ा विश्वविद्यालय में पत्र वाचन।
- 17.01.2020-21.01.2020: बेंगलुरु केंद्रीय विश्वविद्यालय, बेंगलुरु द्वारा आयोजित 43 वीं भारतीय समाजविज्ञान कांग्रेस में 'रिलियिजस स्टडीज एज रिलिजन : करेंट साइंस ऑफ नेचर– सोसायटी इन इंडिया' विषय पर पत्र वाचन।

सिराजुल इसलाम

- 24.08.2019-25.08.2019: आइ सी पी आर द्वारा प्रयोजित 'दर्शनशास्त्र ऑर इसकी अनिवार्यता : वर्तमान समय की आवश्यकता और प्रासंगिता' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी मे जो वाराणसी स्थित महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ में आयोजित हुई थी। '21वीं सदी में सूफी नीतिशास्त्र और इसकी अनिवार्यता' विषय पर पत्र वाचन किया।
- 03.09.2019: 'सूफीमत और भारतीय उप-महाद्वीप में इसका प्रभाव' विषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जौ इतिहास विभाग, नेहू, शिलाँग द्वारा आयोजित हुई थी, 'मौलाना जलालुद्दीन रुमी और बांगला के रुमी सईद अहमदूल हक : मानवता के रखवाले' विषय पर आलेख वाचन।
- 13.11.2019-14.11.2019: आई सी पी आर द्वारा प्रायोजित और दर्शनशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारत मे सूफी-मत, मानववाद और बहुलतावाद' में 'भारतीय समाज पर सूफीमत का प्रभाव' विषयक पत्र वाचन।
- 28.11.2019: वीमेन्स कॉलेज, नैहाटी में अरबी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'यूनिटी इन डायवार्सिटी : ए सागा ऑफ हार्मोनी' में 'भारतीय संस्कृति में सद्भावना की परंपरा' विषय पर पत्र वाचन।
- 16.01.2020-19.01.2020: 'काउजेशन इन फिलोसोफी एंड मॉडर्न साइंस' नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जो बौद्ध अध्ययन विभाग, नव नालंदा महाविहार द्वारा आयोजित थी 'काउजेशन वर्सेस नेसेसिटी : ए क्रिटिकल एनालिसिस इन दि व्यूप्वाइंट ऑफ डेविड हयूम' विषयक आलेख का वाचन।
- 06.02.2020-08.02.2020: 'उत्तर-पूर्व भारत के विशेष संदर्भ में धर्म और धार्मिक संघर्ष, विषयक आई सी पी आर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में जो दिसपुर कॉलेज, दिसपुर, असम के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा संपन्न हुई, 'भारत में धर्म और धार्मिक संघर्ष' विषय पर पत्र वाचन।
- 24.02.2020-25.02.2020: 'टैगोर की दृष्टि में मनुष्य और प्रकृति का पारस्परिक संबंध' विषय पर गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर, उड़ीसा के दर्शनशास्त्र विभाग में संपल राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीज-भाषण।
- 26.02.2020-27.02.2020: वेद रिसर्च इंस्टीट्युट शांतिगिरि तिरुनामली, तमिलनाडु में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टैगोर के गीतों में पर्यावरणीय जागरुकता' विषय पर पत्र वाचन।
- 29.02.2020: आइ पी सी आज प्रायोजित 'पीरियोडिकल लेक्चर' जो कलकता के किशोर भारती भगिनी निवेदिता कॉलेज द्वारा आयोजित था, '21 वीं सदी में दर्शनशास्त्र और धर्म की प्रासंगिकता' विषय पर पत्र वाचन।
- 07.03.2020: दर्शनशास्त्र विभाग, नेहू, शिलाँग द्वारा आयोजित अफ्रो-एशियन फिलोसोफी कांग्रेस में

‘सत्य की इस्लामी अवधारणा’ विषय पर पत्र प्रस्तुति

रंजन मुखोपाध्याय

- 05.08.2019-10.08.2019: सी एल एम पी एस टी द्वारा आयोजित 16 वीं कांग्रेस ‘लॉजिक मेथोडोलॉजि एण्ड फिलोसोफी ऑफ साइस एंड टेक्नोलॉजि’ में ‘नेचुरल डिडक्शन रूल्स एंड वेज ऑफ नोविंग’ विषय पर पत्र प्रस्तुति।
- 11.08.2019-16.08.2019: ‘लोजिक कोलोक्विम 2019’ जो एसोसिएशन फॉर सिंबोलिक लॉजिक द्वारा आयोजित था, ‘कट पलिमिनेशन एंड रिस्टाल्स डिफाइनिंग रूल्स’ विषय पर पत्र प्रस्तुति।

विभाग में चालू अनुसंधान परियोजना

शिक्षक का नाम	: **मंजरी चक्रवर्ती**
परियोजना का नाम	: दि एपिस्टेमिक कैरेक्टर ऑफ मैटेरियल कल्चर (अक्टूबर 2015-नवम्बर 2019
प्रायोजक एजेंसी	:आई सी पी आर, नई दिल्ली
अनुमोदित राशि	: 4 लाख रु.

शिक्षक का नाम	: **डॉ. रेखा ओझा**
परियोजना का नाम	: अल्टरनेटिव टू इम्प्रीजनमेंट इन इंडिया : एन इथीकल पर्सपेक्टिव (चालू)
प्रायोजिक एजेंसी	: आई सी पी आर, नई दिल्ली
अनुमोदित राशि	: 10 लाख रु.

शिक्षक का नाम	: **मो. सिराजुल इस्लाम**
परियोजना का नाम	: ‘बांग्लार रुमी सईद अहमदुल हक रचनावली’ का बांग्ला से अँगरेजी में अनुवाद। 27 जून, 2020 को अनुमोदित।
प्रायोजक सत्ता	: स्वैच्छिक। अल्लामा रुमी सोसायटी, ढाका बांग्लादेश।

विस्तारित गतिविधियाँ : विभाग के शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा विभाग में संचालित गतिविधियाँ : एन एस एस / सांस्कृतिक एवं अन्य :

गतिविधियों के नाम	संचालक इकाई/एजेंसी/संयुक्त एजेंसी	विभागीय एक शिक्षक	गतिविधि में विभाग के छात्रों की संख्या
सबुजायन वृक्षारोपण, 08.08.2019	विद्याभवन एन एस एस इकाई	विभागीय एक शिक्षक	48
स्वतंत्रता दिवस परेड समारोह, 15.08.2019	विद्याभवन एन एस एस इकाई	विभागीय एक शिक्षक	131
एन एस एस दिवस समारोह, 24.09.2019	विद्याभवन एन एस एस इकाई	विभागीय एक शिक्षक	128
पर्यावरण जागरुकता क्रायक्रम अभियान और स्वच्छता कार्यक्रम, 23.12.2019 से 26.12.2019	विद्याभवन एन एस एस इकाई	विभागीय एक शिक्षक	46
स्वच्छ भारत अभियान, 28.12.2019 से 29.12.2019	विद्याभवन एन एस एस इकाई	विभागीय एक शिक्षक	129
कोलकता में गणतंत्र दिवस परेड में भागीदारी, 02.02.2020	विद्याभवन एन एस एस इकाई	विभागीय एक शिक्षक	132
गणतन्त्र दिवस समारोह, 26.01.2020	विद्याभवन एन एस एस इकाई		

विभाग के शिक्षकों/अध्योताओं द्वारा समग्रत : हासिल शैक्षिक उपलब्धियाँ (डी. एस.ए. या सी. ए. एस. आदि की पहचान)

शुभ्र ज्योति दास :

- 17.01.2020-26.02.2020 तक एस आर डी सी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा संपल पुनर्नवीकरण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपल किया।
- ईस्टर्न जोन टीचर्स मीट, प्रायोजक : आई सी पी आर, 21.02.2020-23.02.2020, शांतिनिकेतन में संयुक्त संयोजक की भूमिका निकाई।

आशा मुखर्जी :

- आइ सी पी आर द्वारा प्रायोजित ईस्टर्न जोन टीचर्स मीट, 21.02.2020-23.02.2020, शांतिनिकेतन में

समव्ययक के रूप में कार्य किया।

- डी ए वी कॉलेज, बी एच यू द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार 'आपद धर्म : मौरल इंपेरेटिव एंड कोविड-19' में आमंत्रित वक्ता।
- बैंकॉक, थाईलैंड में 01.07.2019-04.07.2019 तक आयोजित ए ए एस के एशिया कन्फ्रेंस में समनुदेशक के रूप में कार्य किया।

सिराजुल इस्लाम :

- गुरु नानक देव की 550 वीं जन्मशतवार्षिकी के दौरान 07.06.2019 से 08.06.2019 तक गेटे विश्वविद्यालय, फ्रैंकफुर्ट, जर्मनी में 'गुरु नानक देवजी और उनका सूफीमत से संबंध : एक विश्लेषण' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 01.01.2019 को कोलकाता के मौलाना आजाद इंस्टीट्युट ऑफ एशियान स्टडीज में संसाधन पुरुष के रूप में दो व्याख्यान 'मेथोडोलॉजि ऑफ कोर्स वर्क' पर दिए।
- 11.03.2019 को नव नालंदा महाविहार, नालंदा, बिहार में 'गाँधीज नोशन ऑफ पीस एंड प्रोस्पेरिटि : ए फिलोसोफिकल एक्सोपोजीशन' विषय पर इंडियन फिलोसोफिकल सांग्रेस के 93 वें सत्र में संसाधित व्याख्यान दिया।
- एशियन फिलोसोफी कांग्रेस के दूसरे दिन, संभाग 3 मं 09.03.2019 को नव नालंदा महाविहार, नालंदा, बिहार में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के नीतिशास्त्र संभाग के दूसरे दिन के एक की 11.03.2019 को अध्यक्षता नव नालंदा महाविहार, नालंदा।
- आई सी पी आर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'सूफीमत, मानववाद, बहुलतावाद : भारतीय परिप्रेक्ष्य' में जो 13.11.2019-14.11.2019 को संपन्न हुई, बीज भाषण किया तथा उसी सत्र की अध्यक्षता भी की।
- आई सी पी आर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'उत्तर पूर्व भारत के स्वाभाषिक धार्मिक दर्शन के विशेष संदर्स में धर्म का दर्शन और धार्मिक संघर्ष' में 06.02.2020-08.02.2020 को बीज भाषण और उक्त संगोष्ठी के चौथे सत्र की अध्यक्षता भी की। संगोष्ठी दर्शन विभाग, दिसपुर कॉलेज, दिसपुर, असम में आयोजित थी।
- 24.02.2020-25.02.2020 को जी. एस. विश्वविद्यालय संबलपुर, उड़ीसा द्वारा आयोजित संगोष्ठी 'मनुष्य और प्रकृति : कुछ नीतिशास्त्रीय मुद्दे' में बीज भाषण तथा उक्त संगोष्ठी के दूसरे सत्र की अध्यक्षता भी की।
- वेद रिसर्च इंस्टीट्युट, बी आर आई कैंपस, तिरुनामलाई, तमिलनाडु द्वारा 27.02.2020 को 'टैगोर की

मनुष्य और पर्यावर्णीय अवधारणा : एक दार्शनिक दृष्टि’ विभाग राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष व्याख्यान।

प्रकाशन (अप्रैल 2019- मार्च 2020)

पाठ्य पुस्तकें : शून्य

अन्य पुस्तकें : शून्य

मोनोग्राफ : शून्य

शोध आलेख (लेखक/आलेख का शीर्षक, वर्ष पत्रिका का अंक, पृष्ट)

पीयर रिव्युड पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेखों की संख्या : 04

विभागीय प्रकाशन : शून्य

वैयक्तिक प्रकाशन (क) एकल लेखक, (ख) संयुक्त लेखक, (उसी विभाग से संबद्ध)

पुस्तक मे अध्याय

‘गाँधी के विचारों को अपनाना जरुरी ’ (हिंदी में), मो० सिराजुल इस्लाम द्वारा, पुस्तक : ‘गाँधी विचार समागम’ संपादक : डॉ. शिव श्रीवास्तव, आई टी एम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, म. फ्र. बिहार सरकार के सहय़ोग से, 2019, पृष्ट 194-98, आई एस बी एन- 978-81-938959-31

व्यतिक्रमी शिल्पी नोर्मन बेथुन (बंग्ला में), मो० सिराजुल इस्लाम द्वारा, पुस्तक : ‘मृत्युहीन महाप्रयाण’ (बांग्ला), संपादक : श्रीजीत मुखोपाध्याय, दुर्गापुर अबोसर, दुर्गापुर, 2019, पृष्ठ 36-42, आई एस बी एन-978-93-85561-03-0।

लेख/संग्रहों में अध्याय/पत्रिकाएँ/इ-पत्रिकाए :

‘जलाल अल दीन रुमी किसके निकट हैं : शंकर या रामानुज?’ विद्या मंदिर की पत्रिका, अगस्त 2019, पृष्ठ 118-125, आई एस एस एन : 2321-9076

सुजय मण्डल :

‘रिविजिटिंग हिंदू नेशनलिज्म : पर्सपेक्टिव ऑफ बंकिमचंद्र’, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् की पत्रिका, जनवरी 2020, खण्ड 3? संख्या – 1, आई एस एस एन : 0970-7794.

‘बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और धर्म की अवधारणा’, शोधप्रवाह, जुलाई 2019, खण्ड 44, संख्या- 3, आई एस एस एन : 0974-8946.

मौसुमी राय

‘डिवाइन फेमिनीन इन तांत्रिक लिबरेशन एसचैटोलॉजि एंड दि पर्सेप्शन ऑफ वूमेन’, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्नोवेटिव नॉलेज कन्सैप्ट्स, जून 2019, खण्ड 7, संख्या- 6, आई एस एस एन : 2454-2415.

पत्रकारिता और जनसंचार केन्द्र

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का विषय, तिथि)

राष्ट्रीय संगोष्ठी:

- 19.08.2019-20.08.2019: पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी 'गरीबी भ्रष्टाचार और मानव अधिकार', राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में।

विशेष व्याख्यान :

- 16.08.2019-18.08.2019: अनुप्रवेश शृंखला व्याख्यान, जनसंचार और पत्रकारिता के स्नातकोत्तर छात्रों के किए, वक्ता डॉ. कलिंग सेनाविरत्ने।
- 02.11.2019: पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र की तरफ से 'गाँधीजी और बाल अधिकार' विषय पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली और पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में।

कार्यशाला

- 09.08.2019-10.08.2019: 'पी आर इन डिजिटल एरा एंड कॉरपोरेट कम्युनिकेशन' विषयक कार्यशाला, अरिन्दम बसु, प्रबंध निदेशक, कार्पे डिस्म, कोलकाता द्वारा।
- 27.08.2019: एडवरटाइजिंग एंड ब्राण्ड मैनेजमेंट, कौस्तभ भद्र, सलाहकार, विज्ञापनकारी उद्योग।
- 29.09.2019: 'इन-डिजाइन फोटोशॉप एंड साइबरवर्क' सायन सर्खेल द्वारा, कार्यकारी-उत्पादन अभियंता (विश्वभारती परियोजना) बीइसीईएल।
- 04.11.2019: आई सी टी 4 डी पर कार्यशाला-सह-व्याख्यान, डॉ राजेश दास द्वारा, बर्दवान विश्वविद्यालय।
- 08.11.2019-09.11.2019: 'श्रव्य-दृश्य पत्रकारिता' और 'पत्रकारिता के मूल' विषयों पर विभागीय दो कार्यशालाएँ; श्रीमान् स्नेहाशीष सुर द्वारा, अध्यक्ष, प्रेस क्लब ऑफ कोलकाता।
- 25.11.2019: 'मुद्रित और साइबर पत्रकारिता' पर कार्यशाला; अर्चन मित्र द्वारा एमिटी यूनिवार्सिटी कोलकाता।
- 13.01.2020-15.01.2020: 'फिल्म अनुशंसा' पर अनुशंसा वैशेषिकी के छात्रों के लिए; कुमारी शुभा डी० मौलिक द्वारा, पुरस्कार विजेता वृत्तचित्र-निर्माता, कोलकाता।
- 16.01.2020: 'वेबसाइट विकास' पर प्रगामी साइबर जनसंचार और पत्रकारिता पर विशेषीकृत

कार्यशाला, देवायन भादुड़ी द्वारा, निदेशक, डी एल ई ई कम्युनिकेशन्स, कोलकाता।

- 31.01.2020: लोक मीडिया पर कार्यशाला सव प्रदर्शन, आदित्य मुखोपाध्याय द्वारा, फॉक मीडिया रिसर्च विशेषज्ञ।
- 24.02.2020: 'वेब वस्तु जनन : प्रविधि और लोकप्रिय व्यवहार' विषय पर कार्यशाला, कुमारी इद्राणी विश्वास द्वारा, युट्पुब और डिजिटल इन्फलुएंसेस।
- 24.02.2020-25.02.2020: प्रगामी साइबर जनसंचार और पत्रकारिता विषयक कार्यशाला : 'साइबरस्पेस, इनफोर्मेशन सुपरहाईवे : पर्सपेक्टिव्स एण्ड चैलेंजेज ऑफ़ ऑनलाइन जर्नलिज्म', श्रीमान् उत्सव चटर्जी द्वारा, सहायक व्याख्याता, सेंट जेवियर्स कॉलेज।
- 11.03.2020: 'प्रग्रामी श्रव्य दृश्य (वेब शृंखला) उत्पादन' विषयक कार्यशाला, सौभिक दासगुप्त और पिन्टू घोष जैसे विशेषज्ञों द्वारा।

केवल राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय मानकों की संगोष्ठी/सम्मेलवन/कार्यशाला/प्रदर्शनी इत्यादि शिक्षकों एवं अध्यताओं द्वारा अध्यक्षता, मूल्यांकन, प्रस्तुति के विवरण

विप्लव लोहा चौधरी

- 07.05.2019: 'उत्तर-पूर्व भारत का साहित्य : पाठ और संदर्भ' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्याक्षता। आयोजक : इंडियन इंस्टीट्युट ऑफ एडवांस्ड स्टाडीज, शिमला। प्रस्तुति विषय: 'सीमान्त अनुभवों का संदर्भीकरण।
- 07.05.2019 : बार्डर डायासपोरा एंड दि लिटरेचर फ्रॉम दि नॉर्थ-इस्ट' विषयवस्तु उत्तर-पूर्व भारत के साहित्य पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, शिमला के इंडियन इंस्टीट्युट ऑफ एडवांस्ड स्टाडीज का आयोजन।
- 30.04.2019-11.05.2019 : संसाधन पुरुष : समाजविज्ञान के शिक्षकों की सक्षमता के निर्माण का कार्यक्रम। दो सप्ताह का कार्यक्रम, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय।
- जुलाई, 2019 : जुलाई 2019 में एसोसियशन ऑफ एशियन स्टाडीज, बैंकॉक में अनुदान विषय पर निर्णायक के रूप मे आमंत्रित। प्रस्तुति-विषय : 'डेवेलपिंग कम्युनिटीज फ्रॉम विदिन इन सिटीस्पेस।'
- 04.10.2019: राष्ट्रीय बहस में संसाधन पुरुष के रूप में व्याख्यान दिया : मीट ऑन रेलिवेंक ऑफ गाँधीयन एडुकेशनल आइडियाज : इम्प्लीकेशन्स फोर पोलिटिक्स एंड प्रैक्टिसेस' शैक्षिक सत्र, ग्रामीण विकास और स्त्री सशक्तीकरण। एन सी ई आर टी और जी एस डी एफ, नई दिल्ली का आयोजन।

मौसुमी भट्टाचार्य

शैक्षिक पत्र वाचन

- 13.05.2019: ग्लोबल कम्युनिकेशन एसोसिएशन (जी. सी. ए.) के 14वें वार्षिक सम्मले में 'मीडिया, पोलिटिक्स, माइग्रेशन एंड एडुकेशन इन दि डिजिटल एज' विषय पर एथेंस, ग्रीस में आलेख वाचन। प्रस्तुति-विषय: 'मैपिंग इंपैक्ट ऑफ मोबाइल टेलीफोनी ऑन सोशल मीडिया एंड इकोनॉमिक एंपावरमेंट ऑफ वूमैन : ए केस स्टाडी इन फोर विलेजेज ऑफ बीरभूम डिस्ट्रिक्ट, इंडिया।'
- 21.05.2019: नई दिल्ली में डेल्यूज एंड गुआटाटी स्टडीज इन इंडिया कलेकिट्व एंड सेंटर फॉर कल्चर, मीडिया एंड गवर्नेंस, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली द्वारा आयोजित व डेल्युज एंड गुआटाटी वर्ल्ड कांग्रेस 2020 मे 'क्रिमिनलाइजेशन टू डिक्रिमिनलाइजेशन : क्वीइरिंग द जेंडर इन इंडिया संसाधन व्यक्ति के रुप मे पत्र वाचन।'

आमंत्रित व्याख्यान

- 06.06.2019: संसाधित व्यक्ति के रुप मे 'मीडिया जेंडर एंड ग्लोबलाइजेशन : इमर्जिंग इश्यूज, ड्रस एंड चैलेंजेज' विग्रक कार्यशाला जो मानविकी और समाजविज्ञान विभाग, नेशनल ईस्टीटयुट ऑफ टेननोलॉजी, दुर्गापुर द्वारा आयोजित थी, उसमें 'फोस्टेरिंग ए जेंडर इक्वल सोसायटी : दि इंडियन पर्सपेक्टिव' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 17.07.2019: संसाधित व्यक्ति के रुप में 'न्यू मीडिया एंड कंटेम्पोरेरी सोसायटी' नामक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी मे जो वयस्क, चालु शिक्षा और विस्तार विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित था, उसमें 'मोबाइल टेलीफोनी एंड दि कंटेम्पोरेरी रुरल सोसायटी इन वेस्ट बंगाल विथ स्पेशल रिफेरेंस टू हेल्थ एंड इकोनॉमिक सेक्टो' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 24.07.2019: 'मूक्स, ई-कंटेंट विकास और मुक्त शैक्षणिक संसाधन' पर यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधित व्यक्ति के रुप में 'मुक्त शैक्षणिक संसाधनों पर एक अकादमिक विमर्श' विषयक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 20.08.2019: 'गरीबी, भ्रष्टाचार और मानव अधिकार' विषय पर सी जे एस सी, विश्वभारती की राष्ट्रीय संगोष्ठी में जो राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, भारत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित थी, 'गरीबी, भ्रष्टाचार और मानवाधिकारों पर सोशाल मीडिया का प्रभाव' विषयक व्याख्यान।
- 23.11.2019: विशेष राष्ट्रीय समूह के संसाधित व्यक्ति के रुप में एम डी आई, मुर्शिदाबाद द्वारा आमंत्रित व्याख्यान का विषय था : 'मीडिया कन्क्लेव : संवाद।'
- 21.12.2019: 'मेगा मीडिया वर्कशॉप' में संसाधित व्यक्ति के रुप में 'मोबाइल पत्रकारिता' पर आमंत्रित व्याख्यान। आयोजन दुर्गापुर में वेस्ट बंगाल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, दुर्गापुर इकाई द्वारा

किया गया था।

संयमन

- 08.08.2019: यूजीसी द्वारा प्रायोजित और यूनिवार्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन जी जी एस आई पी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित परिसंवाद 'फ्युचर ऑफ लर्निंग : ओपेन एडुकेशनल रिसोर्सेस (ओ ई आर) एंड मूक्स' में संयमन के लिए आमंत्रित।
- 14.05.2019: 'मीडिया, माइग्रेशन एंड रिफ्युजीस' विषय पर ग्लोवल कम्युनिकेशन एसोसिएशन (जी सी ए) के 14 वें वार्षिक सम्मेलन में 'डिजिटल युग में मीडिया, राजनीति, प्रव्रजन और शिक्षा' विषय के संयमन के लिए एथेंस, ग्रीस में आमंत्रित।

विस्तारित गतिविधियाँ/एन एस एस/विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियाँ जिसमें शिक्षकों और छात्रों ने भागीदारी की :

सांस्कृतिक गतिविधियाँ शिक्षक दिवस, नवीन वरण और विदाई समारोह में आयोजित हुईं।

विभाग के शिक्षकों/शोधार्थियों द्वारा सम्मेलित रूप से अर्जित शैक्षणिक उपलब्धियाँ (जैसे कि डी. एस. ए. या सी. ए. एस. आदि की पहचान)

विप्लव लोहा चौधरी

- चूलालोंगकॉर्न विश्वविद्यालय द्वारा जून-जुलाई 2019 के दरम्यान विकासशील समुदाय के अध्ययन के लिए विजिटिंग रिसर्चर अनुदान
- अन्तर्राष्ट्रीय पीयर-रिव्यूड जर्नल 'इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ पीस एडुकेशन एंड डेवेलपमेंट' के प्रधान संपादक, न्यु देलही पब्लिशर्स सीरीज एडीटर, जी आर टी एफ एन डी पी बुक सीरीज का प्रकाशन।

मौसुमी भट्टाचार्य

- प्रतिष्ठित पत्रिका 'जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन रिसर्च एंड इमर्जिंग टेकनोलॉजी आई सी ओ एन ओ 14' (www.icono14.net) के परामर्श मंडल की सदस्या। पत्रिका का प्रकाशन दि साइंटिफिक एसोसिएसन आई सी ओ एन ओ 14 द्वारा मैड्रिड, स्पेन से। अगस्त, 2018 से अब तक सदस्या।
- प्रतिष्टित 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन डेवेलपमेंट (आई जे सी डी)' नामक पत्रिका, आई एस एस इन 2231-2498, नई दिल्ली के परामर्श मण्डल की सदस्या, जनवरी, सन् 2014 से अब तक।
- इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वूमेन इन रेडियो एंड टेलीविजन (आई ए डब्ल्यु आर टी) की भारतीय परिषद् की निर्वाचित सदस्या, 2015 ई. से अब तक।
- नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया (एन एफ आई) के किए मीडिया फेलोशिप जूरी बोर्ड की सदस्या चयनित, वर्ष 2015 से अब तक।

- इंस्टर्न जोलन कॉर्डिनेटर ऑफ पीपुल्स आर्काइव्स ऑप रुरल इंडिया (पी ए आर आई) के लिए सन् 2015 से चयनित।
- मीडिया मैसेंजर मीडिया में द्विभाषिक अनुसंधान पत्रिका के संपादक मण्डल की सदस्या (आ एन आई पंजीयन संख्या एन ए एल यू एल/2014/60617, आई एस एस एन 2455-2046), वर्ष 2016 से अब तक।

अप्रैल 2019-मार्च 2020 से प्रकाशन

1. पाठ्यपुस्तकें,
2. अन्य पुस्तकें,
3. मोनोप्राफ्स,
4. शोध पत्र। लेखक, पत्र का शीर्षक, वर्ष, पत्रिका का अंक, पृष्ठ
5. पीयर-रिव्युड जर्नल में प्रकाशित लेखों की संख्या :
   1. विभागीय प्रकाशन के रूप में सम्मिलन
   2. वैयक्तिक प्रकाशन के रूप में सम्मिलन : (क) एकल लेखक, (ख) सह लेखक (उसी विभाग का)

विप्लव लोहा चैधरी

- ‘फेलिंग एन आइकॉन, बैंडालाइजिंग विद्यासागर्स स्टेच्यु गोज एगन्स्ट बेंगाल्स इंटेलेकचुअल लिगेसी’ इंडियान एक्सप्रेस में, मुद्रित- ऑनलाइन, मई 17, शुक्रवार, 2019,

  https://indianexpress.com/article/opinion/columns/felling-an-icon-573181
- ‘यूज ऑफ मोबाइल एप्प एंड क्रियेटर-ऑडियेन्स मैचमेकिंग’, ‘इंपैक्टस ऑफ मोबाइल्स यूज एंड एक्सपीरियेंस ऑन कंटेपोरेरी’ में, संपादन झियाओग झु, आई जी आई ग्लोबल द्वारा, यू एस ए, आई एस बी एन : 978-15-22578-85-7
- ‘अईडेंटिफाइंग एंथ्रोपोजेनिक फैक्टर्स ऑफ ग्राउंडवाइज पोल्युशन’ की राय पर आधारित/सह-लेखक : अर्चन मित्र, एंथ्रोपोसेंट्रिक पोल्युशन जर्नल, ईरान, पीयर-रिव्यूड जर्नल, पृष्ठ 49-58, खण्ड 3, अंक-2 क्रम संख्या- 6, 2019, आई एस एस एन 1908-1043 (H I indexed ISC citation Sid database, Journal impact factor 0.672)
- ‘प्रोपोजल फॉर सिक्वेंशियल स्टडी ऑफ कम्युनिकेशन’, ग्लोबल मीडिया जर्नल के संस्करण मे, पीयर रिव्यूड यूजीसी 1 कैयर अधिसुचित पत्रिका (आ ई एस एस एन 2249-5835)
- पीयर-रिव्युड जर्नल ‘इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीस एडुकेशन एंड डेवेलपमेंट’ खंड- 7, संख्या- 1, जून 2019 का संपादन।

- पुस्तक में अध्याय, 'रोडमैप टु : मीडिया एंड कम्युनिकेशन एडुकेशन इन इंडिया' पल्लव सेनगुप्त द्वारा संपादित, 'इंडियाज वर्नाक्युलर जर्नलिज्म, ए जर्नी ऑफ टु सेंचुरीज', पृष्ठ 124-136, आई एस बी एन 978-81-942129-2-8,सेतु प्रकाशनी, कोलकता।

मौसुमी भट्टाचार्य

पाठ : ई-मोड्युल्स, मूक्स वास्ते (चतुर्थीश)

- 'जेंडर, सोसायटी एंड जेवेलपमेंट' विषयक मापांक किखा, युजीसी द्वारा जुलाई 2019 में जारी किए गए मूक्स के लिए। यह मापांक इस शीर्षक से : 'मीडिया, जेंडर एंड सोसायटी' इकाई में डिसे मुक्स के सोसायटी एंड मीटिया कार्यक्रम के लिए तैयार किया गया। स्वयं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
- 'मीडिया एंड जेंडर रिप्रेजेंटशन' मापांक 'मीडिया, जेंडर एंड सोसायटी' इकाई के तहत मूक्स के लिए जुलाई, 2019 में यूजीसी द्वारा सोसायटी एंड मीडिया कार्यक्रम के लिए जारी किया गया। माव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
- नया पाठसामग्री या अन्य कोई शौक्षिक नवाचार जो विभाग द्वारा चालू किया गया :
- मीडिया संगठन प्रबंधन ज्ञान के क्षेत्र में स्टार्ट अप विकास (फरवरी, 2020 से) के माध्यम से एक सजीव परियोजना कार्यान्वित हुई।
- सी जे एस सी का पहला प्रारुप संयुक्त राष्ट्र (एम यू एन) मुक्त व्यावहारिक परीक्षा के रुप में द्वितीय सेमेस्टर (दिसंबर, 2019) के लिए व्यवस्थित हुआ।

अन्य संबद्ध सूचना :

(क) शौक्षिक और अनुसंधान के संयुक्त तत्वावधान :

ए एस एम ई ई, देहरादून से अनुसंधान और छात्र-विनिमय को द्विपक्षीय अभिसंधि द्वारा संयुक्त रुप से स्वीकार किया गया।

एक द्विपक्षीय अभिसंधि शिक्षक- छात्र विनिमय और संकाय विकास को लेकर प्रतीक्षित है जो राजशाही विश्वविद्यालय, बांगलादेश से होनी हे, प्रक्रिया 2018-2019 मे प्रारंभ हुई है।

पैंटिओन यूनिवार्सिटी ऑफ सोशल एंड पोलिटिकल साइंसेस, एथेंस, ग्रीस से द्विपक्षीय अभिसंधि प्रतीक्षित है जिसके तहत एरास्मस ग्रांट एग्रीमेंट (छात्र-शिक्षक विनिमय कार्यक्रम) को संयुक्त रुप से यूरोपियन यूनियन के अन्तर्राष्ट्रीय संबध विभाग और जनसंचार, मीडिया और संस्कृति विभाग के वीच कार्यान्वितकरना है, जनवरी 2020 से प्रक्रियारंभ।

(ख) स्टार्ट-अप संरक्षण

फरवरी, 2020 से एक एक स्वास्थ्य सेवा ऑनलाइन स्टार्ट आप के रुप में एक प्राक्तन छात्रा द्वारा

मीडियासंगठन प्रबंधन के साथ मिलकर शुरु किया गया है जिसे मीडिया संगठन प्रबंध क्षेत्र में संरक्षित किया गया है।

(ग) उच्चतर अध्ययन की प्राप्ति :

डॉ. मौसुमी भट्टाचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर (ई ओ एल पर) ने पोस्ट डौक्टोरल अनुसंधान 'मोबाइल टेलोफोनी एंड एम्पावरमेंट ऑफ रुरल वूमेन : ए स्टडी इन दि बोलपुर सब-डिवीजन ऑफ बीरभूम डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल, इंडिया' पर अपना कार्यकाल संस्कृति केंद्र, अभिशासन और मीडिया, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली पर पूरा किया जहाँ जाने के पूर्व उन्हें भारतीय समाजविज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई सी एस एस आर), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार (27 मई, 2019) की तरफ से पूर्ण दो वर्षीय फैलोशिप प्रदान किया गया था।

(घ) नौकरियाँ

इस वर्ष पीएच.डी के एक शोधार्थी ने भारतीय सूचना सेवा ग्रेड-बी की नौकरी प्राप्त की, जबकि एम. ए. के 20 छात्रों को उद्योग में आजीविका मिली।

(ङ) इंटर्नशिप / क्षेत्र परियोजना : 24 छात्रों ने अवसर प्राप्त किए।

(च) छात्रों द्वारा संचालित प्रायोगिक समाचार-पत्र 'विश्वभारती क्रोनिकल' के इस बीच चार अंकों का प्रकाशन एवं विक्रय हुआ।

(छ) स्टूडियो (मिडिया लैब) का व्यवहार ध्वनिकता के लिए सी एस आर के अधीन रहने के वपक्त भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी बी ई सी आई एल द्वारा किया गया। अवधि में अनेक अपकरण खरीदे गये।

स्त्री अध्ययन केन्द्र

शिक्षा, अनुसंधान और लक्ष्यीभूत मध्यस्थता के माध्यम से जागरुकता के सृजन और स्त्री सशक्तीकरण के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 11 वीं योजना के तरह संपूर्ण भारत के शिक्षा संस्थानों में स्त्री अध्ययन के विभाग खोलने का गुरुतर प्रयत्न किया। इसी प्रयत्न की उपज रूप में वर्ष 2009 में विश्वभारती में स्त्री अध्ययन की स्थापना की गयी।

केंद्र का प्राथमिक लक्ष्य सामाजिक प्रक्रियाएँ जो विकास के प्रश्नों को उठाती हैं, उन सब की लैंगिक प्रकृति का पता लगाना है। लिंग के प्रश्नों पर अन्त अनुशासनिक कार्य पर केन्द्र बल प्रदान करता, विकासशील और विकसित देशों में स्त्रियों की स्थिति, विकास के लिंगगत आयाम, श्रम का बँटवारा, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों, संस्थाओं तक पैठ और पारिवारिक जीवन का संगठन, पौरूष इत्यादि सरोकार केन्द्र के हैं। केन्द्र पर अनुसंधान और शिक्षण में सम्मिलित हैं सिद्धान्त और व्यवहार, अन्त : अनुशासनिक और पारदेशीय आयाम के साथ। केन्द्र विकास के संदर्भ में लिंगीय संबंधों में अन्तः स्थापित सत्ता की गतिकी के अध्ययन पर सैद्धान्तिक, प्राविधिक और शिक्षणीय बहसों को अंशदान करने का लक्ष्य रखता हे। आदेश पत्र संस्था Reg/Notif/156, तिथि: 3 सितंबर, 2014 के तहत एक अलग पाठ समिति का गठन किया गया है। केन्द्र की पाठ समिति के अध्यक्ष हैं प्रोफेसर सर्वजीत सेनगुप्ता, जो विद्याभवन के अध्यक्ष हैं। केन्द्र की सांस्थानिक परिषद् उस आदेश के अनुसार विद्याभवन ही है।

विश्वभारती का स्त्री अध्ययन केन्द्र लिंग और विकास के मद्दे नजर अन्तः अनुशासनिक अनुसंधान पर बल देता है। केन्द्र स्त्रियों पर विस्तारित कार्यों के संगठन का भी प्रयास करता है तथा लिंग संबंधी प्रश्न जो विभाग में उठाए गए उसका अनुसंधान के साथ एक मजबूत संबंध है। केंद्र में अनुसंधान के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्र निम्नलिखित हैं: भारत में विकास का लिंग आयाम: शिक्षा और स्वास्थ्य का सवाल, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, एंजेंसी और नीति के मुद्दों का सवाल, भारत के व्यापक विकास लक्ष्यों के मद्देनजर बालिकाएँ और दक्षण एशिया, महिलाओं के श्रम बाजार के विकल्प और विवश आशाएँ, महिलाएं और संघर्ष और अंदर-बाहर की दवंदवात्मकता और घरेलू की अवधारणा। लिंग संबंधी प्रश्न वैश्विक हैं। हमारा मानना है कि समाकीलन दुनिया को समझने के लिए लैंगिक संबंधों की समझ जरुरी है, जो अतीत में निर्धारित सामाजिक, सांस्कृतिक,राजनीतिक और आर्थिक कारकों के जटिल अंतर पर निर्भर है. लिंग संबंध कई श्रेणियों में बॅटते हैं जैसे कि वर्ग, जाति, धर्म और जातीयता। अंतः विषय दृष्टिकोण के बिना, इस प्रकार, यह विश्लेषण संभव नहीं है। इस प्रकार केंद्र विश्वविद्यालय के अंदर और बाहर शिक्षाविदों के विषयों से अपनी सदस्यता निर्धारित करता है।

केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य विकास के सवालों पर केंद्रित सामाजिक प्रक्रियाओं की लिंग प्रकृति का पता लगाना है। केंद्र में अनुसंधान और शिक्षण एक अंतः विषय और अंतरराष्ट्रीय गुंजाइश के साथ सिद्धांत और व्यवहार को जोड़ती है। केंद्र का लक्ष्य विकास के संदर्श मे लिंग संबंधों में एम्बेडेड शक्ति गतिकी के

अध्ययन के भीतर सौदधांतिक, पद्धतिगत और शैक्षणिक बहस में ग्रोगदान करता है। विशेष रूप से, केंद्र के उद्देश्यों को मोटे तौर पर दो प्रमुख थीम के तहत वर्गीकृत किया जा सकता है कंद्र, लिंग और विकास पर एक नियमित पकीकृत एमफिल / पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। एम. फिल पाठ्यक्रम को एक तरह से संरचित किया गया है. जो न केवल एक छात्र को उसकी / एसके पीएचडी के लिए अच्छा शोध करने में सक्षम करेगा, बल्कि उन्हें विकास क्षेत्र में नौकरियां लेने के लिए सुसज्जित करेगा। भविष्य में केंद्र के पास कैंपस इंटरव्यू शुरु करने की योजना है। और लागू किया गया।

UGC/SCIR/NET/SLET में उत्तीर्ण छात्रों का नाम और भूगोल में छात्रों का नाम UGC-NET-JRF,

भूगोल में, कल्याण प्रमणिक, पीएचडी, यूजीसी नेट

भूगोल में, कृष्ण पाढ़ा पॉल, पीएचडी, यूजीसी नेट

बंगाली में, नूपुर साहा, पीएचडी, यूजीसी नेट

श्री सोर्य, T.R., पीएचडी, यूजीसी नेट इन सोशल वर्क

डिपार्टमेंटल सेमिनार (स्वीकर, सेमिनार का शीर्षक, दिनांक) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, महिला अध्ययन केंद्र ने प्रेस सूचना ब्यूरो, कोलकता के सहयोग से 'महिलाओं के सशक्तिकरण' पर एक गोलमेज चर्चा आयोजित की।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि में शिक्षक / अनुसंधान विद्यानों ने भाग लियाः

तनुश्री पॉल

- 03.02.2020-07.02.2020: विकास संस्थानों द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक अनुसंधान विधियों पर एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया अध्ययन कोलकाता, कोलकाता, भारत।

प्रेपर प्रस्तुतिः

- 06.03.2020-08.03.2020: भौगोलिक संघ (IGU) भारत: 'कृषि, खाद्य, जल, जैव विविधता और बदलते जलवायु में स्वास्थ्य' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। भूगोल विभाग, द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान, बर्दवान, भारत द्वारा। आयोजित। प्रस्तुति का शीर्षक : 'भारत में एक सतत पोषण नीति के लिए सकारात्मक पोषण परिणामों के ड्राइवरों की खोज।'
- अप्रेल 2018-2019 के भीतर XIV अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन में एक पेपर (8 'मार्च, 2020) प्रस्तुत किया गया' तनुश्री पॉल

'बोलपुर-श्रीनिकेतन क्षेत्र में एक स्वच्छ भारत अभियान के लिए संचार रणनीतियों की खोज' एक लिंग विश्लेषण। सह लेखक: दीपांजन मंदन बीआर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चर, मीडिया एंड ट्रेंड्स,

ईडीएस: डॉ. पीके बंद्योपाध्याय और डॉ. किरण प्रसाद, जुलाई 2019, वॉल्यूम 2, नंबर 2, पृष्ठ 83-96, प्रकाशक : बीआर प्रकाशन निगम, आई एस एस एन, 2457-0966

विभाग द्वारा शुरु किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना- केंद्र ने स्नातक छात्रों के लिए 'महिला अध्ययन : अवधारणाओं और चुनौतियों को समझना' पर एक जेनेरिक ऐच्छिक (जीई) पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम को विकसित करने पर काम किया। पाठ्यक्रम पारित कर दिया गया था। बोर्ड ऑफ स्टडीज 25 मई को और संस्थान बोर्ड 28 जून, 2019 को आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम 2020-21 शैक्षणिक वर्ष से सभी इच्छुक छात्रों को प्रदान किया जाएगा। यह कोर्स विश्वभर में सभी इच्छुक छात्रों को प्रदान किया जाएगा। स्नातक कार्यक्रम का पीछा। पाठ्यक्रम में 4 मॉड्युल शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक सेमेस्टर में एक मॉड्युल की पेशकश की जाएगी। प्रत्येक मॉडयुल में 75 अंक होते हैं जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के लिए 15 अंक शामिल होते हैं। उद्देश्यः यह कोर्स सामाजिक संस्थाओं और संगठनों-परिहार, समुदाय, राज्य में लिंग के सामाजिक आर्थिक और प्रतिनिधित्व की पड़ताल करता है।

सीखने के परिणाम:

लिंग के बारे मे व्यापक ज्ञान और समझ का प्रदर्शन करने में सक्षम और यह हमारे रोजमर्रा के जीवन को संरचित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लिंग-आधारित असमानताओं के संदर्भ में स्वयं और समाज दोनों की आत्म जागरुकता और प्रतिस्पर्धा के साथ रोज़मर्रा के अनुभव के लिए महत्वपूर्ण संवेदनशीलता।

शिक्षाशास्त्र, विद्या-भवन

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानव सम्मेलन / संगोष्ठी कार्यशाला / प्रदर्शनी इत्यादि। अध्यापकों / पुनर्विचार विद्वानों द्वारा की गई अध्यक्षता / प्रस्तुतीकरण का विवरण।

प्रसंजित साहा

03.11.2019: सामाजिक कार्य, विश्व भारती, श्रीनिकेतन के विभाग द्वारा 'हिंसा की रोकथाम: चुनौतियाँ और अवसर' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक : 'भारत में बच्चों के खिलाफ अपराध: मानव विकास का एक दोष।'

अप्रेल 2019, मार्च 2020 के भीतर प्रकाशन प्रसेनजीत साहा

'आश्रम सम्मिलानी: रवींद्रनाथ टैगोर कि विचारों और छात्रों के स्व-शासन का अभ्यास' लिंग और विकास सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनं के कुछ पहलू, प्रो. प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय और दयाशंकर कुशवाहा (संपादित), पीपीपी। 109-127, नई दिल्ली प्रकाशक। ISBN: 978-93-88879-54-5।

शिक्षा भवन
भौतिक विभाग

विभाग विवरण :

भौतिक विज्ञान विभाग, विश्वभारती 1963 में B.Se (ऑनार्स) स्तर पर पढ़ाने के प्रावधान के साथ एस्टेब्लड था, जबकि M.Se. कार्यक्रम 1966 में प्रबंधित। वर्तमान में विभाग चार (24) संकाय सदस्यों और पचास दो (02) शोध छात्रों को गया है। विभाग दोनों पीजी में पाठ्यक्रम विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। और यू.जी. स्तरों पर। कंप्यूटर अनुप्रयोग के प्रांगण को यू.जी. और पीजी के रूप में। 1987 से कंम्पूटर और कम्प्यूटेशनल फिजिक्स में ज्ञान के रूप में कक्षाएं भौतिक विज्ञान में शिक्षण-अधिगम और पुनर्लेखन के आवश्यक सहायक हैं। विभाग ने 4 एलएल दा पाऔसौज़ा सजा कोडोडुमाओआ ओआओ अप्सनाप्सुयू पल 1 ओजीए जेएएनए द चॉइस पर चॉइस बेस्ड क्रेडिट क्राउन (सीबीसीएस) मॉडयुल लागू किया है। छात्र इस वर्ष सीबीसीएस पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे। सीबीसीएस पाठ्यक्रम के कुछ संशोधनों को पाठ्यक्रम के हिस्से पर व्यावहारिक / हाथों के बेहतर बनाने के लिए किया गया है। प्रस्तावित पोस्टग्रेजुएट कोर्स के लिए नई अतिरिक्त एंपीरियम्स सेट करना प्राथमिकता सूची में उच्च है। हमने इस नए वैचारिक उपन्यास को पढ़ाने के लिए अनुभव का इस्तेमाल किया है। एक नया पी.जी. तैयार करने के लिए coune पाठ्यक्रम जो अगले सत्र में पेश किया जाएगा। वर्तमान में विभाग स्नातकोत्तर स्तर पर छह विशेष पत्र (कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, पार्टिकल फिजिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, क्वांटम इल्केक्टॉनिक्स, एस्ट्रोफिजिक्स एंड कॉस्मोलॉजी एंड नयूक्लियर फिजिक्स) प्रदान करता है। हर साल विभाग के छात्रों की एक अच्छी संख्या विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतिय़ोगी परीक्षाओं (जैसे नेट, गेट, इत्यादि) के लिए अर्हता प्राप्त करती है।

शुरुआती दिनों के दौहान, विभाग ने बुनियादी ढांचे और अन्य बाधाओं की कमी के कारण सैद्धांतिक अनुसंधान पर अधिक जोर दिया। समय के साथ-साथ, व्यापक रेंज के क्षेत्रों पर सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों शोध अलग-अलग फंडिंग एजेंसियों के समर्थन से विकसित हुए। वर्तमान में संकाय के सदस्य संघनित पदार्थ भौतिकी, सामग्री विज्ञान, नौनोमीटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, इंस्ट्रूमेंटेशन, क्वांटम ऑप्टिक्स, लेजर भौतिकी, खगोल भौतिकी, कॉस्मोलॉजी, गणितीय भौतिकी, आंशिक भौतिकी, परमाणु भौतिकी, आदि में अनुसंधान में लगे हुए हैं। विभाग को कई फंडिंग एजेंसियों से समर्थन प्राप्त होता है, जैसे डीएसटी, डीएई-बीआरएनएस, एईआरबी, यूजीसी, सीएसआईआर, यूजीसी-डीएई सीएसआर (कोलकाता), आईयूएसी (नई दिल्ली) एमएचआरडी, आदी कई प्रयोगशालाएं हैं जिनका उपयोग अनुसंधान के साथ-साथ विशेष विषयों को पढ़ाने के सिए किया जा सकता है। विभाग में उपलब्ध उच्च अंत उपकरणों की एक सूची नीचे दी गई है। संकाय के सदस्य देश के साथ-साथ विदेशों में उपलब्ध कई प्रायोगिक सुविधाओं का उपय़ोग अपने शोध को करने के लिए करते हैं- SINP (कोलकाता), SNBCBS (कोलकाता), VECC (कोलकाता), जादवपुर विश्वविद्यालय (कोलकाता), कलकत्ता विश्वविद्यालय,

यूजीसी-डीएई-सीएसआर (कोलकाता), बोस इंस्टीटयूय (कोलकाता), आईटी-खारंगपुर, एनआईटी (दुर्गापुर), CMERI (दुर्गापुर), IUAC (नई दिल्ली) DAE-CSR (इंदौर), IUCAA (पुणे), TIFR (मुंबई), BARC (मुंबई), माइक्रोटन सेंटर (मैंगलोर), NISER (भुवनेश्वर), आईआईटी (धनबाद), एनआईटी (राउरकेला), एमजी यूनिवर्सिटी (कोय्याताम), नेहू (शिलॉन्ग), एलएचसी (सी एन आर एन, जेनेवा), ओसाका यूनिवर्सिटी (जापान) के सदस्यों के पास एस्कॉर्बेशन, बीएच प्रैक्टिकल और प्रायोगिक हैं।

जो भारत के साथ-साथ आहद मास-प्लेंक इंस्टीटयूट में भी हैं। लॉर एस्ट्रेपीसेकस (मार्चिंग जेनमनी नरेनन यूनिवसिओ (थाईलेंड) फुकुशिमा लेनिवेंसिटी (लपन ओका यूनिवेने ओपेन), यूवेनिटी ऑफ ला हाटा (ब्यूनस आयर्स अर्डेटीना), मलेशिया का अंतर्राष्ट्रीय इलमिक यूनिनेंस (कुआलालंपुर), मलेशिया निकोलस कोपरनिकस यूनिवर्सिटी), पोलैंड विश्वविद्यालय (पोलैंड)। उलबेकिस्तान की राष्ट्रीय विविधता (ताशकंद)। याग्याकार्टा (लंदन) के उबेकिस्टंक विश्वविद्यालय, विर्जिनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी (यूएसए)

विभाग एक सौद्धांतिक सेमिनार सर्किट (टीपीएससी) एनडीएस का एक नियमित केंद्र है। विभाग नियमित रुप से सेमिनार आयोजित करता है। स्कूली छात्रों और कैचर आउटरी के बीच भौतिकी के नेशनल और इंटरनेशनल लेवल के पॉप्युलरिटि को क्यूमेंट पर CH कार्यक्रम नियमित रुप से किए जाते हे।

विभाग में उच्च-सीएनडी ईग्युमेंटमेंट बेनेबेबे की सूची –

1. टीजी-डीएससी सेट-अप (नेटजश, जर्मनी)-ए डीएसटी-एफआईएसटी सुविधा
2. ढांकता हूआ गुण मापने वाला सेट-अप (100- मेगाहर्टज, 30-40 डिग्री। हिक्की, जापान)
3. विद्युत चालकता मापने वाला सेट-अप (-Pa| -1000V, 0-100 डिग्री-सी, कीथली)
4. दो डीएसपी आधारित मामा-स्पेक्ट्रोमीटर सिस्टम (CAEN और CANBERRA)
5. VME- आधारित डेटा अधिग्रहण प्रणाली सी-स्ट्रिप डिटेक्टरों (मेसिटेक) के लिए
6. एक्स-रे पाउडर डिफ्रेक्टोमीटर (D/Max Ultima IV स्वचालित उत्त रिज़ॉयूशन प्रकार, रिगाकु, जापान) –a DST-FIST सुविधा।
7. I-VC-V स्पेक्ट्रम विश्लेषक (कीथली, 4200 SCS)
8. बाहरी गुहा डायोड स्पेक्ट्रोमीटर (852 एनएम, मोड हॉप मुफ्त) ट्यूनिंग रेंज 10 गीगाहट्र्ज़।
9. बाहरी गुहा डायोड लेजर स्पोक्ट्रोमीटर (890nm-920 एनएम, मोड हॉप मुफ्त ट्यूनिंग रेंज 10 uu oz6 ZHO 101
10. डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप (200 मेगाहर्टज)
11. पावर मीटर

12. बफर गैस के साथ और बिना गैस के सीज़ियम वाष्प कोशिकाएं
13. निरंतर तापमान हीटर
14. उत्त अंत कम्प्यूटरिंग सुविधा-एक DST-FIST सुविधा।
15. DSC (मॉडल 200 F3 MAIA, Netsch, जर्मनी)
16. ड्रेबल रमन स्पेक्ट्रोमीटर (R3000-785 NM)
17. पीएलएस के लिए फास्ट-फास्ट कॉन्फिडेंस सिस्टम XP20200 के साथ
18. हाई टेम्परेचर अन्नलिंग फर्नेस टर्बे ट्यूलिकल पंप के साथ है।

यूजीसी / सीएसआईआर/नेट/एसईटी/जेईटी/गेट परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की सूची :

सी एस आई आर-यूजीसी नेट:-

डिपेंडा भंडारी

दीपन कुंडू

सोमा दत्ता

देबता मंडल

जेस्ट:-

एमआई तौसीफ आलम

निलांजन दास

मयूरश्री दास

अमित मंडल

दीपु कुंडू

गेट:-

उषाश्री मुखर्जी

प्रलय बिस्वास

सीली कुमारी केशरी

समित कुमार पाल

अर्ज़ा बनर्जी

कोस्थव कर्माकर

दीपेन्दु भंडारी

मयूश्री दास

साहिन सोरफी

अमित मंडल

ध्यान दास

शिंजिनी पाल

एंटिक भट्टाचार्जी, बी.एस (सेमेस्टर-VI) MIF के छात्र TIFR हैदराबाद

अपूर्वा दास में इंटीग्रेटेड पीएचडी. कोर्स इन फिजिक्स के लिए चयनित हूआ। इंस्टीट्यूट ऑफ सॉलिड स्टेट फिजिक्स, टोक्यो में समर स्कूल में भाग लेने के लिए (सेम-IV) को वित्तीय सहायता मिली।

विभागीय संगोष्ठी / संगोष्ठी।

भौतिकी विभाग, विश्व-भारती ने ब्रह्मांड विज्ञान और कण भौतिकी (EICP2) के संयुक्त संयोजक: डॉ स्वरुप कुमार मजी और डॉ. बिस्वजीत पांडे ने उभरते मुद्दों पर 12.14.2020 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

विस्तार से शिक्षकों / अनुसंधान विद्वानों द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलम / सेमिनार / वर्कशॉप / प्रदर्शनी इत्यादि

- 22.07.2019-29.07.2019, डॉ. सुदीप्तो दास की सहभागिता सुखोथाई ट्रेजर रिसोर्टए सा सुखथल, थारलैंड और पेपर 'स्टीप एक्सपोनेंशियल पोटेंशियल आईए डायनामिकल सिस्टम पर्सपेक्टिव' यू 9- डी 12 प्रस्तुत किया।
- 10.12.2019-13.12.2019: डॉ. सुदीप्तो दास नें 9 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डिमिटेटिएंड कॉस्मोलॉजी (ICGCT, IISER-Mohali में आयोजित किया।
- 02.12.2019-11.12.2019: डॉ. आरके सिंघा ने कार्यशाला में भाग लिया योजना में R का उन्नत अनुप्रयोग। अनुसंधान और विकास एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।
- 13.01.2020-14.01.2020 को आयोजित किया गया। डॉ. आरके सिंधा ने भाग लिया और मिदनापुर द्वारा आयोजित 'उन्नत कार्यात्मक सामग्री में हाल के रुझान' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में क्वांटम डॉट (एस-के) मोड का उपयोग करके विकसित की जाने वाली एक उल्लेखनीय बात 'सीएएफएम और केपीईएम-में भाग लिया।' कॉलेज, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल।
- 14.10.2019-17.01.2019: डॉ. ए. चक्रवर्ती ने भाग लिया और एक आमंत्रित बातचीत की 'विषम स्तर की चांच कर परमाणु स्तर की संरचना की जांच' बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में न्यू फ्रंटियर्स ऑन न्यूक्लियर फिजिक्स (ICNFNP 2019) का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

- 03.12.2019-31.12.2019 को पुनर्पाठ करने वाले विद्वान, श्री पुसेंदु रॉय ने 'नॉनलाइनियर डायनामिक्स-2019 पर SERB स्कूल' में भाग लिया, भौतिकी, भारतीय संस्थान प्रौद्योगिकी पटना, और विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाओं को संतुलित नुकसान और लाभ के साथ युग्मित डफिंग थरथरानवाला के एक हमीहोनियन प्रणाली में 'अराजक व्यवहार' पर अपनी प्रस्तुति दी।

प्रमुख परियोजनाएँ:

- परियोजना का शीर्षक : संतुलित नुकसान के साथ हैमिल्टन प्रणाली पर जाँच और प्रधान अन्वेषक को लाभ: प्रो. पीजूष के. घोष

  कुल अनुदान मंजूर (रु. में): 6,60,000/-

  अवधि: मार्च 2019-मार्च 2022

  फंडिग एजेंसी : एसईआरबी, डी एसटी

  प्रोडेक्ट शीर्षक : डार्क एनर्जी के कॉस्मोलॉजिकल मॉडल में स्केलर पर्टबेशन्स की स्टैडी।

  प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेशन: डॉ. सुदीप्त दास

  कुल अनुदान मंजूर : 17,54,060/-

  फंडिग एजेंसी : SERB, DST Cady

  अवधि: अगस्त 2017-फरवरी 2020

- प्रोजेक्ट शीर्षक : ऑफ स्पिन ऑफ स्टेट्स इन स्पिन-क्रॉसओवर आणविक पतली फिल्मे

  प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर: डॉ. एसके मंडल

  कुल अनुदान राशि : 13,64,653/-

  फंडिंग एजेंसी : सीएसआईआर

  अवधि: जुलाई 2016-मार्च 2020

- प्रोजेक्ट शीर्षक : कॉम्पैक्ट मून सोलेनॉइड (CMS) अपग्रेड, ऑपरेशन एंड यूटिलाइजेशन

  प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर : प्रो. ए. मैती

  कुल अनुदान राशि : 1,72,00,000/-

  अवधि: अगस्त 2014-मार्च 2020

  फंडिंग एजेंसी : डीएसटी

- परियोजना का शीर्षक : क्षेत्रीय WLCG ग्रिड सिस्टम

प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर : प्रो. एम. मैती

कुल अनुदान : 26,80,000/-

अनुदान एजेंसी: डीएसटी

अवधि: जुलाई 2014-मार्च 2020

- परियोजना का शीर्षक: दुर्लभ पृथ्वी नाभिक प्रधान अन्वेषक का स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन।

  प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेशन : डॉ. अनाघा चक्रवर्ती

  कुल अनुदान मंजूर : 24,59,200/-

  फंडिंग एजेंसी : डी ए ई-बी एन एस

  अवधि : अप्रैल 2017-मार्च 2020

- प्रोजेक्ट शीर्षक : अध्ययन परमाणु स्तर की मंदता का अध्ययन कोणीय गति का कार्य। तापमान और सामूहिकता और शेल स्ट्रक्चर की भूमिका का अनावरण करते हुए

  प्रधान अन्वेषक : डॉ. अनाघा चक्रवर्ती

  कुल अनुदान स्वीकृत : 12,00,000/-

  अनुदान एजेंसी : यूजीसी-डीएई सीएसआर, कोलकता

  अवधि: जून 2019-मई 2022

- प्रोजेक्ट शीर्षक: लाइफटाइम मेजर ऑफ एक्साइडेट स्टेटस इन ZN and GA

  प्रधान अन्वेषक : डॉ. बुद्धदेव मुखर्जी

  कुल अनुदान स्वीकृत : 12,00,000/-

  निधिकरण एजेंसी : IUAC, नई दिल्ली

  अवधि: मार्च 2020-मार्च 2023

- प्रोजेक्ट शीर्षक: लैंथेनाइड-हेब्ड मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क मटीरियल्स प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर से एकल अणु मैग्नेट और आणविक चुंबकीय कूलर

  प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर : प्रो. आशीस भट्टाचार्जी

  कुल अनुदान स्वीकृत : 49,58,775/-

  निधिकरण एजेंसी : स्पार्क, एमएचआरडी के तहत भारत-जापान सहयोगी परियोजना।

  अवधि: मई 2019-अप्रैल 2021

- प्रोजेक्ट शीर्षक: फिलामेंटरी कॉस्मिक वेब में गैलवी गठन और विकास: डिजिटल स्लोन डिजिटल

स्काई सर्वे फाइनल डाटा रिलीज बारह (एसडीएसएस DRI2) के प्रधान अन्वेषक : डॉ. बिस्वजीत पांडेय

कुल अनुदान स्वीकृत : 24,83,980/-

निधिकरण एजेंसी : एसईआरबी डीएसटी

अवधि: जून, 2016-जून, 2019

- परियोजना शीर्षक: स्लोन डिजिटल स्काई सर्वे में आकाशगंगा के गुणों के बड़े पैमाने पर पर्यावरण निर्भरता के बारे में एक सूचना सिद्धांत आधारित अध्ययन

  प्रधान अन्वेषक : डॉ. बिस्वजीत पांडे

  कुल अनुदान स्वीकृत : 19,71,332/-

  फंडिंग एजेंसी : एसईआरबी डीएसटी

  अवधि: फ़रवरी 2020-फरवरी 2023

- शिक्षक/विद्धानों या विभाग द्वारा एक एक (एक डीएसए या कैस के रुप में मान्यता आदि) के रुप में प्राप्त किए गए अकादमिक अंतर

  प्रो. एस चक्रवर्ती समीक्षक।

  रिव्यू ऑफ :

  प्रमना

  भौतिकी पत्र एक

  EPJD

  EP JPlus

  भौतिकी रिव्यू ए

प्रो. एस मंडल

रिव्यू ऑफ जर्नलस

1. समीक्षक सैद्धांतिक फिजिक्स के अंतर्राष्ट्रीय जनरल
2. आधुनिक भौतिकी पत्र
3. भौतिकी पत्र ए
4. नैनो क वर्ग स

प्रो. ए. भट्टाचार्जी

संपादकीय बोर्ड के सदस्य। पत्रिकाओं की वर्तमान स्मार्ट सामग्री

समीक्षक :

1. वर्तमान स्मार्ट सामग्री
2. एप्लाइड फिजिक्स की पत्रिका
3. सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी
4. रासायनिक काइनेटिक्स के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रतिष्ठित ISPS ब्रिज फैलोशिप (2019-2020) प्राप्त किया जापान के समाज को बढ़ावा देने के लिए साइंस (जेएसपीएस)

प्रो. पी. के. घोष

समीक्षक जर्नल्स (अप्रैल, 2019-मार्च 2020)

1. गणितीय समीक्षा, अमेरिकी गणितीय सोसायटी
2. द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, स्प्रिंगर जे।
3. प्रमाना-जर्नल ऑफ फिजिक्स, इंडियन साइंस

प्रो. बी सी गुप्ता

पत्रिकाओं की समीक्षक:

1. भौतिक समीक्षा बी
2. ठोस राज्य भौतिकी
3. भौतिकी पत्र ए
4. भौतिकी स्थिति रिलाडीबी बी

मान्यता :

(ए) सहायक प्रफेसर, शिकागो में इलिनोइस विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका

(बी) गवर्निंग बॉडी के सदस्य, अकुई कमलाबाला वुमेन्स कॉलेज (पश्चिम बंगाल स्टेट काउंसिल ऑफ हायर के स्वीकृत नामांकित व्यक्ति)

डॉ. एसके मंडल

अमेरिकी के लिए समीक्षक, केमिकल सोसाइटी (ACS)

डॉ. आर. के. सिंघा

पत्रिका 'जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स साइंस: मटिरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स', स्प्रिंगर

डॉ. एस दास

समीक्षक, अवधि के लिए Imer-University Center for Astronomy and Astrophysics (IUCAA) के विजिटिंग एसोसिएट के रूप में चुने गए। 1 अगस्त, 2017 से 3 साल।

डॉ. बी. पांडे

1. 2017 में अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (LAU) के चयनित आजीवन सदस्य।
2. 2018-2021 की अवधि के लिए IUCAA एसोसिएटशिप प्रदान की।

रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल की मासिक सूचनाएं। सोसाइटी, एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (एआरए) जर्नल ऑफ एस्ट्रोपिजिक्स एंड एस्ट्रोनॉमी (जेएए)। एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस साइंस, एस्ट्रेनॉमिकल का प्रकाशन किसी भी जेई ऑस ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा के लिए एक एक्सटर्नल सदस्य को ओईआर कोमिडिनेलोर प्रस्तुत किया। यूरोपीय अनुसंधान परिषद का अनुदान 2019।

डॉ. ए. साव मंडल

सत्र, 2019-2022 के दौरान इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिज़िक्स (IUCAA)

बुक पब्लिकेशन के दौरान अप्रैल 2019-मार्च 2020

अध्याय: क्वांटम डायनेमिक्स और फ्रीक्वेंसी शिफ्ट की समय समय पर मल्टी-फोटॉन अनहार्मेनिक शिफ्टिंग के लिए विजिटिंग एसोसिएट पोजिशन। Oscillator, 'Dolan Krishna Bayen और Swapan Mandal द्वारा' क्वांटम Collisions and Confinement of Atomic and Molecular Species, और Photons' संपादकों में प्रकाशित : देशमुख, पीसी, कृष्णकुमार, ई. फिट्चे, एस. कृष्णमूर्ति, एम. मजुमदार, एस। (2019) (स्प्रिंगार, बर्लिन)

अध्याय : 'पीएस/एमडब्लूसीएनटी कम्पोजिट में फिजिकल एजिंग- एन एंटाहली रिलैक्सेशन स्टडी', एम. डी. अमीर सोबेल, अभिजीत मंडल, अस्मिता सेनगैमा नाम की पुस्तक 'सीमेसिस, कैरेक्टाराइजेशन एंड पोटेंशियल एप्लीकेशन ऑफ नोमोमेट्रीज' मे प्रकाशित। एप्पल एकेडमिक्स प्रेस (2020)।

रेफरेड पत्रिकाओं मे प्रकाशन:

- 'प्रकाश और अर्धचालक का आघात ठोस-राज्य क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए आवश्यक क्वांटम राज्यों को उत्पन्न कर सकता है, उलझी हुई, स्टीयरिंग और गेरू गैर-समसामयिक राज्यों' के. थपलियाल, स्वप्नलाल, ए पाठक, क्वांटम सूचना प्रसंस्करण 18,234 (2019)।
- समय-समय पर संचालित मल्टी-फोटॉन एर्महोनिक ऑसिलेटर 'डीके बेयेन और स्वपन मंडल, ऑप्रिकल और क्वांटम इलेक्ट्रॉन का शास्त्रीय और क्वांटम विवरण। 51,388 (2019)'
- ए. मुखोपाध्याय, बी. सेन, बोस-कंडेस्ड ऑप्टोमैकेनिकल जैसी प्रणाली और एक चल दर्पण के साथ एक फैब्री-पेरोट गुहा: क्वांटम प्रकाशिकी के दृष्टिकोण से क्वांटम सहसंबंध 'एन. आलम, के.

थपलियाल, ए. पाठक, बी. सेन, ए. वर्मा, स्वपन मंडल, ई. फ। जे. डी। 73,139 (2019)'

- 'डब्ल्यूडब्ल्यू में विषम ट्रिपल गेज कलपिंग के लिए खोज और लेप्टान-प्रोटॉन टक्करों में लेप्टान +जेट घटनओं में बनाम उत्पादन।
- 13TEV, सीएमएस सहयोग (एम। मैटी और अन्य) जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स doi.org/10 1007JHEP 12, 062 (2019)'
- वी 13 टी वी 'सीएमएस सहयोग में पीपी टकराव डेटा के साथ पाइथिया में पार्टन शावर मॉडल का अनुकूलन' माई एंड अदर्स) इंटर्नेशनल जर्नल ऑफ़ मॉडर्न फिजिक्स ए 34,1950219 (2019)
- 'ओवरलैपिंग फोटोज एंड जेट्स के साथ इवेंट्स में स्टैंडर्ड मॉडल से परे फिजिक्स की खोज करें' सीएमएस सहयोग (एम। मैटी और अन्य) फिजिकल रिवीजन लेटर्स 123,24180 (2019)
- 'पीपी टकराव में समावेशी पृथक फोटोन + जेट घटनाओं के लिए ट्रिपल-अंतर क्रॉस सेक्सन के माप ए टीवीएस-8 टीईवी' सीएमएस सहयोग (एम। Maity और अन्य) यूरोपीय भोतिक जर्नल C 79,969 (2019)
- 'वी-13TEV में प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावें मे डाइल्टन फाइनल स्टेट्स का उपयोग करते हुए शीर्ष क्वार्क ध्रुवीकरण और त्स्पिन सहसंबंधों का मापन' CMS सहयोग (M. Maity और अन्य) Physical Review D 100, 072002 (2019)
- 'वेक्टर की विसंगतिपूर्ण इलेक्ट्रोकेक उत्पादन के लिए खोजें V 13 TeV में प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों में दो जेट्स के साथ बोसोन जोड़े' सीएमएस सहयोग (एम। मैटी और अन्य) भौतिकी पत्र बी 798,134983 (2019)
- 'जीमुथल पृथक्करण लगभग 2 में बैक-टू-बैक जेट लोपोलोजी – Ve 13 TeV' सीएमएस सहयोग (एम। मैटी और अन्य) यूरोपीय भौतिक Journal C 79, 773 (2019)
- 'कैनबिस में होम्योपैथिक दवा के रूप में चरम भेदभाव और उनके प्रोटीन और पी पर एक कार्रवाई के लिए थर्मल डेट-पीएपी की टक्कर में मंडल, एनसी सुकुल, ए. कोमार, टी. सरकार, मो. ए. सोहेल, अस्मिता सेन गुप्त, आई. चक्रवर्ती, . सुकुल इंडियन सूमाल ऑफ बायोकैमिस्ट्री एक बायोपोलिहिक्स, 56.506 (2019)'
- शंख का क्रिस्टलीकरण अध्ययन। अंतर स्केनिंग कैलोरीमेट्री ए. मोंडल, एमडी ए. सोहेल, ए. पी. मोहम्मद, ए. एस, अनु, एस. थॉमस, अस्मिता सेन गुप्ता पॉलिमर बुलेटिन https://doi.org/10.1007/s00289-019-03001-9 (2019)
- सॉल्वेटलेस सिंथेसिस और ई-फे की विशेषता, 7-फीट। मैग्नेटाइट और हेमेटाइट आयरन का उपयोग करते हुए साइट्रेट' ए. डे. एम, डुबको, जे. कुज़्ज़, वीआर रेड्डी, ए. बनर्जी, ए. भट्टाचार्जी

सॉलिड शेट साइंस 95, 103932 (2019)

- ‘फ्री और बाउंड वॉटर में तीन अलग-अलग सांद्रता में। होम्योपैथिक दवा मर्क्यूरियस कोरोसिवस 200 सीएच और उसके वाहन इथेनॉल’ पी. मंडल, ए. ड्राई, ए. भट्टाचार्जी एनसी सुकुल, ए. कोनार, ए. सुकुल इवोल्यूशन एंड इकोलॉजी 37,628 (2019)
- ‘संतुलित नुकसान और लाभ के साथ हैमिल्टनियन सिस्टम। लीरेत्ज़ इंटरेक्शन के माध्यम से : सामान्य परिणाम और लांडो दैमिल्टनियन के साथ एक केस स्टडी’ पीजुश के. घोष जे फिज़ ए: एएमथ थोर। 52,415202 (2019)
- ‘बोगोरो-प्रकार क्वांटम के एक वर्ग के सहसंबंधी राज्यों और सहसंबंध कार्ये पर। संतुलित नुकसान और लाभ के साथ किसी को समस्या’ देबदीप सिन्हा और पीयूष घोष फिज़ ए: गणित, थोर: 52, 505203 (2019)
- ‘इंजीनियरिंग मैग्नेटो प्रतिरोध : एक नया परिप्रेक्ष्य।’ एम. पैट्रा, एस. मैटी. श्रीकांता सिल जर्नल ऑफ फिजिक्स कॉन्डेंटेड मैटर 31.355303 (2019)
- ‘जेड यूएस घोष, एस. राय, बी. मुखर्जी एट अल का इन-बीम स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन। भौतिकी। Rev. C 100, 0343314 (2019)
- ‘उल्टे-वाई कॉन्फ़िगरेशन’ एस मोंडल, ए. घोष के. इस्लाम, अमित बंद्योपाध्याय लेजर फिजिक्स एओपी पब्लिकेशन) 29, 075203 (2019)
- ‘खड़ी क्षमता के लिए डायनामिकल सिस्टम विश्लेषण’ सुदीप्त दास, एम. बनर्जी, एन. रॉय जर्नल ऑफ कैस्मोलॉजी, और एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स 2019, 024 (2019)
- ‘कॉस्मिक वेब का कॉन्फ़िगरेशन एन्ट्रापी, अंधेरे ऊर्जा की नकल कर सकता है?’ बिस्वजीत पांडे, रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी लेटर्स, मासिक 485, अंक 1.85, अंक 1, मई 2019, पेज L73-L77, https://doi.org/10.1093/mnrasl/slzo37
- मासिक सूचनाएँ-समूहिक घनत्व की जांच करने के लिए एक नया तरीका और कॉन्फ़िगरेशन एंट्रोपी का उपयोग करते हुए ब्रह्मांडीय स्थिरांक। बिस्वजीत पांडेय, बिस्वजीत दास, रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के मासिक नोटिस : पत्र, खंड 485, अंक 1, मई 2019, पृष्ठ L43-L47, https://doi.org/10.1093/mrrasl/slz029
- ‘कॉस्मिक वेब का खुलासा : एक विश्लेषण स्थानीय आयाम के साथ SDSS DR14’। सुमन सरकार, बिस्वजीत पांडे, रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी के मासिक नोटिस, खंड 485, अंक 4, जून 2019, पृष्ठ 4743-4753, https://doi.org/10.1093/mnras/stz499
- ‘क्या हम अंधेरे ऊर्जा समीकरण को बाधित कर सकते हों’ कॉन्फ़िगरेशन एंट्रॉपी का उपयोग करते

हुए राज्य के पैरामीटर?, बिस्वजीत दास, बिस्वजीत पांडे, रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल मार्च वॉल्यूम 492, अंक 2020, 3928-3939 के मासिक नौटिस, सारा https://doi.org/10.1.1091/mnras/stz3538

- 'उभरती सामूहिकता "Xe: इनैलास्टिक न्यूट्रॉन प्रकीर्णन अध्ययन और शेल-मॉडल caleulations" ई. पीटर्स, गई स्टुचबेरी, ए. चक्रवर्ती, बीपी क्राइडर, एसएफ एशले, ए. कुमार एमटी मैकेस्ट्रीम, एफएस प्रडोस-एस्टेवेज़, और SW येट्स की परमाणु संरचना, भौतिकी। रेव। सी। 99 (2019) 064321'
- 'परमाणु अपव्यय पर प्रवेश चैनल मापदंडों की भूमिका की जांच करने के लिए न्यूट्रॉन बहुलता का मापन', एनके राय, ए. ज्ञानदी , अजय कुमार, एन. सतेश, एम. कुमार, जी. कौर, ए. परिहारी।
- डी. अरोड़ा, के. एस. गोल्डा, ए. झिंगन, पी. सुगाथन, टी. के. घोष, झिलम साधुख्रान, बी. के. नायक, नबेंदु के. देब, एस. बिस्वास और ए. चक्रवर्ती, भौतिकी। Rev. C 100 (2019) 014614
- '63Zn का इन-बीम स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन', यू.एस.घोष, एस। राय, बी. मुखर्जी, ए. विश्वास, ए. के. मंडल, के. मंडल, ए. चक्रवर्ती. एस. चक्रवर्ती. जी. मुखर्जी, ए. शर्मा, आई. बालरा. एस. मुरलीधर और आर. पी. सिंह। रेव। C 100 (2019) 034314
- 'टेट्राहाइड्रॉफुरन मीडिया में मेटालोफिरिंस और सुगंधित सॉल्वेंट्स के बीच प्रभारी हस्तांतरण का गठन: एक घनत्व कार्यात्मक अध्ययन', सोमनाथ चौधरी, प्रजाना मुखर्जी, मोनोज दास और बिकास सी. गुप्ता, जर्नल ऑफ पोर्फिर्सिन और फथलोसाइनाइन वॉल्यूम। 23 नंबर 10, पीपी। 1149-1157 (2019) https://doi.org/10.1142/S1088424619501529
- 'दो-फोटोन प्रतिध्वति, एसी स्टार्क स्प्लिट्रिंसग, और डॉप्लर मुक्त शिखरों की पारियों में एक डबल-लंबा टाइप फोर लेवल सिस्टम।' मोनोजित कोरा और स्वपन मंडल, रासायनिक भोतिकी लेनर्स, 136955, वॉल्यूम। 720 (2020)
- 'फ्यूच्ड पोर्फिरीन नैनोट्यूब के व्यास-आधारित संरचनात्मक और इलेक्ट्रॉनिक संपत्ति: एक घनत्व कार्यात्मक अध्ययन', सोमनाथ चौधरी, मोनोज दास, प्रजाना मुखर्जी, और बिकाश सी। गुप्ता, जर्नल ऑफ पोर्फिर्सिन और फाल्टोकैनाइन, वॉल्यूम। 24 नंबर 08, पीपी। 1021-1029 (2020) https://doi.org/10.1142/S1088424620500121
- 'उज्ज्वल एटोल स्रोत GX 3+I के साथ NUSTAR के प्रतिबिंब स्पेक्ट्रम का अध्ययन', एएस मंडल, जी. देवांगन, बी. रायचौधुरी, द रयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी (2019) 487, 5441
- पीपी पाल और टी. चट्टोपाध्याय की महात्वाकांक्षी सूचनाएँ, 'आईएस-डीडी संचार में ऑप्टिकल माप विरूपण की मॉडुलन आयाम निर्भरता'। प्रकाश और इलेक्ट्रॉन ऑप्रिक्स के लिए ओपरिक-इंटरनेशनल जर्नल वॉल्युम। 200, लेख्र नं। 163369, जनवरी 2020, DOL:10.1016/j.ijleo.

2019.163369

- एम. चक्रवर्ती और टी. चट्टोपाध्याय, 'इंजेक्शन-बंद चरण-से-सहनता मॉड्यूलेशन कन्वर्टर के लिए UDWDM-PON ब्रॉडबैंड एक्सेस नेटवर्क का उपयोग करने के लिए एक उपन्यास योजना' ऑप्टिकल संचार के जर्नल, वॉल्यूम। 40, अंक 4, पीपी। 369-377, अक्टूबर 2019, डीओआई: 10.1515/joc-2017-0085
- 'एवीआर माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग करते हुए एक साधारण डिजिटल चरण-संवेदनशील डिटेक्टर', महबूब ए. के. नूरुद्दीन और सुभाषिश रॉय। अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजिक्स 4 153 (2020) https://doi.org/10.1119/10.0000376
- 'इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रूप से प्रेरित पारदर्शिता और विद्युत-चुम्बकीय रूप से प्रेरित Y-प्रकार प्रणाली में अवशोषण' कलां मंच, खैरुल इस्लाम, सुमन मोंडल, दीपांकर भट्टाचार्य और अमिताव बंद्योपाध्याय, चीनी फिजिक्स बी 29, 054211 (2020)

विभागीय पुस्तकालय के विवरण में विशेष रूप से।

1. पुस्तकालय के लिए उद्धृत क्षेत्र (वर्ग मीटर) में क्षेत्रफल : 600 वर्ग फुट।
2. क्या रीडिंग रूम के लिए अलग प्रावधान है: नहीं।
3. पुस्तकों की कुल संख्या: 2000 लगभग
4. वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की कुल संख्या : 100 लगभग
5. समय-समय की कुल संख्या : 10
6. वर्ष के दौरान खरीदे गए आवधिकों की कुल संख्या : 10

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग ने 1962 में अपना स्नातक कार्यक्रम शुरु किया और 1969 में परास्नातक कार्यक्रम, समय के दौरान विभाग हमारे देश में रसायन विज्ञान अध्ययन और अनुसंधान के लिए स्तरीय केंद्र में से एक बन गया है। छात्र नेट, गेट, इत्यादि जैसे राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में संलग्न हैं। द इंपॉर्टेंट नेचुरल प्रोडक्ट्स, सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री, सुपरमॉलेक्यूलर केमिस्ट्री, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, सोहैशन केमिस्ट्रीय बायोकैमिकल थर्मेडायनामिस, नॉन-ट्रेडिशनल एनर्जी सोर्स, एनालिटिकल केमिस्ट्री, थ्योरेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री और नॉन-इक्विलिब्रियम के क्षेत्र में शोध में लगे हुए हैं।

सांख्यिकीविद यांत्रिकी इस अकादमिक सत्र में, विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के कुल 120 जनरल में पेपर प्रकाशित किए है।

यूजीसी/सी एस आई आर/नेट/गेट परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों की सूची:

श्री शब्याची महापात्रा (नेट सी एस आई आर, गेट)

श्री शांतनु करमाकर (नेट सी एस आई आर, गेट)

श्री प्रणय कुमार मैत्रा (नेट यूजीसी, गेट)

श्री अर्नब गनाई (नेट सी एस आई ईर, गेट)

श्री ऋत्विक कर (नेट सी एस आई आर, गेट)

श्री पलाश घोष (नेट सी एस आई आर, गेट)

सुश्री अंकिता दास (नेट एल एस, गेट, डीएसटी इंस्पायर) सुश्री चंद्रलेखा हाजरा (नेट एल एस, गेट)

श्री अविसेक दत्ता (नेट सी एस आई आर, गेट)

श्री राजमोल साहू (नेट एल एस, गेट)

श्री महादेव हॉय (नेट एल एस, गेट)

श्री अरन्या मंडल (नेट यूजीसी, गेट)

श्री मानस कुमार घोष (सी एस आई आर नेट)

श्री स्मारक इस्लाम चौधरी (नेट एल एस, गेट)

श्री शुभदीप घोष (नेट एल एस, गेट)

श्री बसुदेव नंदी (नेट एल एस)

श्री सुजीत दास (नेट सी एस आई आर)

सुश्री मौली दास (गेट)

श्री इन्द्रनील मौती (गेट)

श्री अनय साहा (नेट एल एस)

श्री नसीप अली (नेट एल एस)

सुश्री सुदेशना घोष (गेट)

श्री अनोघ घोष (गेट)

सुश्री सुमना रॉय (गेट)

श्री गौरव दास (गेट)

श्री सौम्य कोनार (गेट)

श्री अयान चटर्जी (गेट)

सुश्री संचारी साहा (गेट)

सुश्री देबरुपा बिस्वास (नेट सी एस आई आर)

जैम 2020

श्री स्मारक इस्लाम चौधरी

श्री सयन चक्रवर्ती

श्री सप्तर्षि साहा

श्री सुजान मंडल

श्री सौगत साहा

श्री कौशिक मंडल

सुश्री संचारी सानिग्रही

श्री कौशिक मंडल

श्री सुभम गुप्ता

सुश्री अनिदिता गरई

सुश्री प्रंजा परमिता पाल

सुश्री नाज़िया सुल्ताना

श्री सुप्रिया दास

सुश्री आलोकिता चक्रवर्ती

छात्र उल्लेखनीय प्लेसमेंट एसआई।

न.	नाम ज्वाइन	इंस्टिट्युट
1.	सुश्री सौमी मंडल	जेएनसीएस आर, बैंगलोर फॉर पीएचडी
2.	श्री सुभाजित मंडल	आईआईएससी, बैंगलोर फॉर पीएचडी
3.	श्री कार्तिमान मर्जित	आईएसीएस, जाधवपुर फॉर पीएचडी
4.	सुश्री चंद्रलेखा हाजरा	आईएसीएस, जाधव पुर फॉर पीएचडी
5.	श्री मानस घोष	बीएआरसी, मुंबई बैज्ञानिक अधिकारी (नौकरी)
6.	सौम्यदीप रे	आईआईएस ई आर, तिरुपति फॉर पीएचडी
7.	श्री उद्दीपन घोष	आईआईएससी, बैंगलोर फॉर इंटीग्रेटेड पीएचडी
8.	सुश्री प्रियंका भट्टाचार्य	आईआईएससी, बैंगलोर फॉर इंटीग्रेटेड पीएचडी
9.	श्री अतांदृता भट्टाचार्य	आईआईएससी, बैंगलोर फॉर इंटीग्रेटेड पीएचडी
10.	श्री प्रदीप भुइं	आईआईटी, मुंबाई फॉर एम. एससी
11.	श्री सुब्रत मंडी	आईआईटी कानपुर फॉर एम एससी
12.	श्री अर्काप्रव सेन	आईआईटी हैदराबाद फॉर एम एससी
13.	डॉ श्रवणी मंडल	मासचेस्ट यूनिवर्सिटी, यू एस ए फॉर पोस्ट डॉक
14.	डॉ चंद्रिमा चक्रवर्ती	केंट स्टेट यूनिवर्सिटी, यू एस ए फॉर पोस्ट डॉक
15.	डॉ अनूप परामनिक	सिद्धों कान्हो मुर्मू यूनिवर्सिटी, पुरिलिया असी. प्रोफेसर
16.	डॉ सुदीप्तो भौमिक	अस्टा टेक बायोफार्मा कॉर. चीन पोस्ट डॉक

विभागीय सेमिनार सम्मेलन / कार्यसमूह :

राष्ट्रीय संगोष्ठी:

- 13.09.2019: एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हाल ही मे रासायनिक विज्ञान अनुसंधन और अनुप्रयोग (RTCSRA-2019) में रुझान, पीरियोडिक टेबल सेमिनार की खोज के 150 वर्षों का उत्सव मनाने कि लिए आयोजित किया जा रहा है।
- 13.03.2020: डॉ सौम्यकांति अधकारी, विकिरण और फोटो रसायन विज्ञान विभाग, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC), मुंबाल ने रसायन विज्ञान पर एक संगोष्ठी व्याख्यान दिया जिसमें विकिरण को अकेला किया गया।
- 13.03.2020: डॉ. एस. नागराजन, रसायन विज्ञान विभाग, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉटी,

इंफाल, मणिपुर ने पीडी (II) सफैस पर तीन-तरफ़ा कैटलिटिक कन्वर्टर रिएक्शंस पर एक संगोष्ठी में भाषण दिया, एक आणविक बीम स्टडी।

- 21.02.2020: इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के अकार्वनिक और भौतिक रसायन विज्ञान विभोग के डॉ सौरव बैनर्जी ने हैटरोजेनस कैटालिसिस के स्त्री रोग पर एक संगोष्ठी में बात की: पुनरावर्ती ओ +0-0, प्रतिक्रियाएँ की बात रखी।
- 13.12.2019: डॉ. चित्रक गुप्ता, रसायन विज्ञान, एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए ने क्वांटम केमिस्ट्री ऑफ मेटल क्लसोपर्स।
- 23.09.2019: को डॉ. जॉयराम गिनी, स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेस इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेसन ऑफ़ साइंस, जादवपुर में असेंमिनर डॉक दिया। एन-हेटेरोसायक्लिक कारबेन्स को वर्सेटाइल ऑर्गेनोक्लाटिस्ट के रूप मे उपयोग करके न्यू एसिमेट्रिक ट्रांसफ़ॉर्मेशन पर डिलिवर सेमिनार पर बात करें।
- 01.09.2019: प्रो. दिलीप मैती, रसायन विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय ने विविध सामग्रियों और कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए विविध कैटलॉग से अणु पर एक संगोष्ठी की चर्चा की।
- 26.08.2019: डॉ श्यामकांता सिन्हा, सीएनआरएस, स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय। फ्रांस ने लघु और तेज पर एक संगोष्ठी पर चर्चा की: हम कैसे नैनो स्केल का प्रयोग करें।
- 13.08.2019: प्रो. सुब्रत घोष, स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेज, भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए भारतीय समाज के संरक्षण के लिए रैपिड मूवमेंट का संरक्षण कर सकते हैं, जापदपुर रेपिस एक्सेस पर एक संगोष्ठी व्याख्यान देने हैं प्राकृतिक उत्पाद संश्लोषण की दिशा में जटिल आणविक संरचनाएं।
- 10.08.2019: डॉ सुप्रिया डे, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए ने कार्बनिक अणु के संश्लेषण पर संगोष्टी व्याख्यान दिया।
- 2019.05.20: प्रो. समर कुमार दास, स्कूल ऑफ केमिस्ट्री, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद ने वाटर, प्रोटॉन कंडक्शन और एरियल सीओ 2 कैप्चर-फंक्शनल इनऑर्गेनिक मैटेरियल्स से इलेक्ट्रोकेमिकल जेनरेशन ऑफ ऑक्सीजन एंड हाइड्रोजन पर सेमिनार में बात की।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि

(अ) शिक्षकों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

- 27.11.2019: प्रो. आदिनाथ मजी ने 'कार्बनिक संश्लेषण में कुछ महत्वपूर्ण हेटेरोसायकल के रसायन विज्ञान' पर एक आमंत्रित बातचीत की। रसायन विज्ञान विभाग, रसायन विभाग, सिधो-

कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय (SKBU), पुरुलिया, पश्चिम बागाल।

- 27.09.2019-30.09.2019: को आयोजित प्रो. प्राणेश चौधरी ने राष्ट्रीय 'पॉलिमर-आशीर्वाद या अभिशाप' पर एक आमंत्रित वार्ता दी। वर्धमान विश्वविद्यालय में संबद्ध विवेकांद कॉलेज, वर्धमान द्वारा आयोजित स्तरीय जागरुकता कार्यशाला।
- 9.12.2019-10.12.2019: प्रो. प्राणेश चौधरी ने बर्धमान विश्वविद्यालय, बर्धमान द्वारा संचालित 4 क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस में 'पॉलिमर: समस्या और संभावना' पर एक आमंत्रित वार्ता दी।
- 23.08.2019-25.08.2019: प्रो. भाबतोष मंडल ने आईआईटी गुवाहाटी और असम इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्टी 'सस्टेनेबल पोलीमर्स' में 'एसजी पर नेटवर्किंग करने के लिए लिगंड इमोबिलाइजेशन' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 14.09.2019: को प्रो. भाबतोष मंडल ने एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। इंडियन केमिकल सोसाइटी कोलकता, भागलपुर चैप्टर द्वारा आयोजित 'इनोवेटिव रेसार्च एंड केमिकल एजुकेशन में आवर्त सारणी की प्रासंगिकता' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में '8-HQ ने 3-डी नेटवर्किंग एसजी को सेलेक्टिव सैंपल हैवी एंड टॉक्सिक मेटल आयनों की सफाई के लिए' द इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन पटना अध्याय।
- 13.09.2019: नूरजमाल भागीरथ मंडल (2019) के सहयोग से। अल्ट्रासाउंड-असिस्टेड वन-पॉट ग्रीन सिंथेसिस ऑफ़ 6-अमीनो 54 (4-बायड्रॉक्सि-2 औरो-2 एच-क्रोमोन-3-एलक्लेरीजमेथी) पाइरीमिडीन-2, 4 (1 एच 3 एच) डायोनस सल्फामिक एसिड उत्प्रेरक के रूप में। रसायन विज्ञान अनुसंधान और अनुप्रयोग (RTCSRA-2019)/ 'रसायन विज्ञान, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन में हाल के रुझानों पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही। गौतम ब्रह्मचारी, मुल्ला मंडल, इंद्रजीत कर्मकार, खोंडेकर सुजसन।'
- 07.01.2020: डॉ अलकानंदा हजरा ने जापदपुर विश्वविद्यालय द्वारा 07 जनवरी, 2020 को रासायनिक विज्ञान में उभरते रुझान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिजाइन, संश्लेषण और Imidazoheterocycles के क्रियाशीलता पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।'
- 08.01.2020-09.01.2020: डॉ अलकनंदा हाजरा ने सुरेन्द्रनाथ द्वारा आयोजित रसायन, जैविक विज्ञान में जीवविज्ञान, विस्तार, प्रभाव और चुनौतियाँ पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी OCBS-2020 में Imidazobeterocycles के डिजाइन, संश्लेषण और क्रियाशीलता पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय।
- 09.01.2020-11.01.2020: डॉ अलकनंदा हाजरा ने पीएसीएफ, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मानव विकास (1CHD-2020) के लिए रसायन विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में

इमीडाज़ोबेटेरोसायकल के डिजाइन सिन्थेसिस और कार्यात्मकता पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। HIT, कोलकता।

- 01.03.2020-12.03.2020: डॉ अलकनंदा हाजरा ने एक आमंत्रित व्याख्यान दिया- डिजाइन। संश्लेषण और Imidazoheterocycles का क्रियाकलाप 'रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी-खड़गपुर द्वारा आयोजित कैटलिसिस एंड सिर्मेटिस में उभरते रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में।'
- 11.02.2020-14.02.2020: प्रो. प्रणब सरकार ने 2 सामग्री कॉनक्लेव में 'कार्यात्मक सामग्री के कम्प्यूटेशनल डिजाइन' और 31 को 'एजीएम मीटिंग ऑफ़ मैटेरियल रिसर्च सोसायटी ऑफ़ इंडिया, COCRI, कोलकाता पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 19.07.2019-21.07.2019: प्रो. प्रणब सरकार ने 25 'CRSI-NSC सम्मेलन, IIT कानपुर में' कार्यात्मक सामग्रियों के सिलिको डिजाइन में पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 13.09.2019: डॉ कार्तिक चंद्र भौमिक ने एक दिन में राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, जिसका शीर्षक है 'रसायन विज्ञान अनुसंधान और अनुप्रयोग में हालिया रुझान (RTCSRA-2019), रसायन विज्ञान विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित हुआ।'
- 07.01.2020: डॉ बिस्वजीत डे ने 'मैटरगॉल्स: द मल्टी-फंक्शनल मटीरियल्स' पर 'फंक्शनल मैटेरियल कॉन्फ्रेंस ऑन फंक्शनल मटीरियल 2020 (आईसीईएम-2020) पर एक आमंत्रित कार्यक्रम का आयोजन किया, जो सामग्री विज्ञान केंद्र, आईआईटी खड़गपुर, को आयोजित किया गया।'
- 06.03.2020: डॉ बिश्वजीत डे ने एक वक्ता के रूप में कार्य किया। संसाधन व्यक्ति और लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम (STTP) के तहत 'सतत और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए सामग्री' पर संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) में नैनो-जैव प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टिंग डायोग फैब्रिकेशन, और कैटलिसिस के लिए 'एनटीएसआईईगिंग सामग्री पर एक आमंत्रित बात' वितरित की। TEQIP II परियोजना के तहत दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज, दुमका, झारखंड-814101 द्वारा आयोजित किया।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएं:

- शिक्षक का नाम: **प्रो. प्राणेश चौधरी**

परियोजना का नाम : डिजाइन: वर्णक, फ्लोरोसेंट और फोटो-थर्मल जांच के लिए पानी में घुलनशील संयुग्मित पॉलिमर का संश्लेषण

प्रायोजन एजेंसियां: सीएसआईआर नई दिल्ली

राशि मंजुर: 36.6

लाक परियोजना की अवधि: तीन साल (2017-2020)

- शिक्षक का नाम : **प्रो. प्राणेश चौधरी**

परियोजना का नाम : इसकी वर्णमिति का पता लगाने के लिए अल्ट्रा-उज्ज्वल पानी में घुलनशील संयुग्मित पॉलिमर का संश्लेषण। फ्लोरोसेंट और पोटो-धर्मल सेंसिंग प्रॉपर्टी

स्पॉन्सरिंग इजेंसियां: डीएसटी, एसईआरबी, नई दिल्ली राशि स्वीकृत: 38.7 लाख

परियोजना की अवधि: तीन साल (2017-2020)

- शिक्षक का नाम : **प्रो. प्राणेश चौधरी**

परियोजना का नाम : प्राकृतिक बहुलक-दवा वितरण अनुप्रयोगों के लिए जी-कोटर-पॉलीमर इंटरप्रिट्रेटिंग बहुलक नेटवर्क हाइड्रोजेल : संश्लेषण और लक्षण वर्नन फ़ंडिंग एजेंसियां: यूजीसी, नई दिल्ली

राशि स्वीकृत: 6.21 लाख

परियोजना की अवधि: तीन साल (2018-2021)

- शिक्षक का नाम : **प्रो. प्राणेश चौधरी**

परियोजना का नाम : पानी में घुलनशील फ्लोरोसेंट बहुलक :संश्लेषण, लक्षण वर्न और जैव-विश्लेषणात्मक अनुप्रयोग निधिकरण

फंडिग एजेंसियां: SERB, नई दिल्ली

परियोजना की अवधि: तीन साल (2018-2021)

- शिक्षक का नाम : **प्रो. स्वपन के चंद्रा**

परियोजना का नाम : 'मैग्नेटिकली प्रोमिसिंग होम एंड हिटरोमेटालिक अणु'

प्रायोजन एजेंसियां : विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार।

राशि स्वीकृत: 9.60 लाख

परियोजना की अवधि: तिन साल (2018-2021)

- शिक्षक का नाम **: प्रो. स्वपन के चंद्रा**

परियोजना का नाम : 'मैग्नेटिकली प्रोमिसिंग होम एंड हिटरोमेटालिक अणु'

प्रायोजन एजेंसियां :विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार।

राशि स्वीकृत : लगभग रूपए 10.4 लाख की

परियोजना की अवधि : तीन पर्ष (01.04.2016-31.03.2019)

- शिक्षक का नाम : **प्रो. स्वपन के चंद्रा**

परियोजना का नाम : मल्टीमेटल कम्पाउंड्स के लिए प्लेटफ़ॉर्म के रूप में लचीने चेलों की खोज : उनके संश्लेषण पर एक विस्तृत जांच।

फंडिंग एजेंसी : सीएसआईआर, नई दिल्ली

राशि स्वीकृत : 10 लाभ

परियोजना की अवधि : तीन वर्ष (2019-2022)

- शिक्षक का नाम : **प्रो. प्रणब सरकार**

परियोजना का नाम : विभिन्न संगठनात्मक प्रतिक्रिया एजेंसियों के लिए नैनोचस्टर्स पर सबसे महत्वपूर्ण कम्प्यूटेशनल स्टडी।

फंडिंग एजेंसी: सीएसआईआर, नई दिल्ली

राशि स्वीकृत : 12 लाख

परियोजना की अवधि : मई 2017-अप्रैल 2020

- शिक्षक का नाम : **प्रो. प्रणब सरकार**

परियोजना का नाम : इनऑर्गेनी-ऑर्गेनी ननोही ब्राइड्स का समय-समय पर टाइट-बाइंडिंग सिमुलेशन-बेहतर फोलोवोल्टाइ उपकरणों के लिए एक खोज।

फंडिंग एजेंसी: डीएसटी नैनी मिशन, नई दिल्ली।

राशि स्वीकृत : 67 लाख

परियोजना की अवधि : 2017-2020

- शिक्षक का नाम : **प्रो. प्रणब सरकार**

परियोजना का नाम : इलेक्ट्रॉनिक संरचना और अकार्बनिक-ऑर्गेनी के परिहवन गुण

फंडिंग एजेंसी: BRNS, DAE, मुंबई।

राशि स्वीकृत : 30 लाख

परियोजना की अवधि : 2018-2021

- शिक्षक का नाम : **प्रो. गौतम ब्रह्मचारी**

परियोजना का नाम : कैसियोफॉस लिन के रासायनिक घटकों और जैविक गतिविधियों पर अध्ययन। (कैसलपिनियासी)-एक महत्वपूर्ण भारतीय औषधीय पौधा।

फंडिंग एजेंसी: सीएसआईआर, नई दिल्ली

राशि स्वीकृत : 20 लाख्र

परियोजना की अवधि : 3 साल

- शिक्षक का नाम : **प्रो. गौतम ब्रह्मचारी** (सह पीआई)

परियोजना का नाम : क्लियोस्टेनथस कोलिनस पत्तियों के उबले हुए जलीय अर्क में फार्माकोकाइनेटिक्स और विषाक्त पदार्थे के विष।

फंडिंग एजेंसी: डीबीटी, नई दिल्ली

राशि स्वीकृत : 39,62 एल

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

- शिक्षक का नाम : **प्रो. आदिनाथ मजी**

परियोजना का नाम : 'तैयारी और कार्बनिक में आर्गेनोक्लेटिस्ट के रूप में इमिडज़ोलियम आधारित विदर और लोनिक तरल का अनुप्रयोग ग्रीन ऐस्पेक्ट्स में स्पैशल इपिस्किड और एज़िरिडीन केमिस्ट्री पर विशेष जोर देने के साथ संश्लेषण'

फंडिंग एजेंसी: सीएसआईआर, भारत सरकार रेफरी। नंबर 02 (0383)/19/ ईएमआर-आई 11 दिनांक 20.05.2019

राशि स्वीकृत : 26,00,000/-

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

- शिक्षक का नाम : **डॉ अलकनंदा हाजरा**

परियोजना का नाम : ऑर्गेनिक एंटिडाज़ोलियम आधारित zwitterions की संगठनात्मक रूप मे अन्वेषण

फंडिंग एजेंसी: DST, GOWB

राशि स्वीकृत : 12L

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष (2016-2019)

- शिक्षक का नाम : **डॉ अलकनंदा हजरा**

परियोजना का नाम : संक्रमण धातु-उत्प्रेरित असममित सीएच फंकेशनलाइजेशन : इनेंटियोइरिनिश्ड बिल्डिंग ब्लॉक का संश्लेषण

फंडिंग एजेंसी: डीएसटी, एसईआरबी

राशि स्वीकृत : 45 लाख्र

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष (2016-2019)

- शिक्षक का नाम : **डॉ अलकनंदा हाजरा**

परियोजना का नाम : नई कार्यात्मक सामग्री और हरे रंग के मार्गे का विकास।

फंडिंग एजेंसी: डीएसटी, ISERC, विश्वभारती; JNCASR, बैंगलोर और IACS, कोलकाता

राशि स्वीकृत : 61 लाख

- शिक्षक का नाम : **डॉ अलकनंदा हाजरा**

परियोजना का नाम : दर्शनीय प्रकाश ऑर्गनोफोटोक्सॉक्स कैटेलिसिस : कार्बनिक संश्लेषण के लिए पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण

फंडिंग एजेंसी: सीएसआईआर, नई दिल्ली।

राशि स्वीकृत : 23 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष (2017-2020)

- शिक्षक का नाम : **डॉ अलकनंदा हाजरा**

परियोजना का नाम : उपन्यास की एंटीप्रोलिफ़ेरिक्टिव गतिविधि का डिज़ाइन, संश्लेषण और मूल्यांकन, स्टेरॉयड एजेंसियों का एन-हेटेरोसायक्लिक डेरिवेटिव

फंडिंग एजेंसी: DST (भारत-रूस संयुक्त परियोजना)

राशि स्वीकृत : 24 लाख

परियोजना की अवधि : 2 वर्ष (2017-2019)

- शिक्षक का नाम : **डॉ मो. मोदीन सेख**

परियोजना का नाम : परिवेश संश्लेषण की दिशा में एक ठोस अभियान और मल्टीएफ़ेरिक क्वाडुपल पर्कोब्साइट्स A’A3B4012 एजेंसियों का भौतिक लक्षण वर्णन

फंडिंग एजेंसी: DST, SERB

राशि स्वीकृत : 37 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष (2016-2019)

- शिक्षक का नाम : **डॉ बुला सिंह**

परियोजना का नाम : धातु-औषध परिसर :आयुर्वेदिक, वर्ण-व्यवस्था और अनुप्रयोग, एक अभिन्न दृष्टिकोण

फंडिंग एजेंसी: डीएसटी, नई दिल्ली

राशि स्वीकृत : 18 लाख

परियोजना की अवधि : तीन साल

- शिक्षक का नाम : **डॉ बिस्वजीत डे**

परियोजना का नाम : संश्लेषण,लक्षण वर्णन और एन के साथ कुछ चयनात्मक धातु आयनों के सुपरमॉलेक्युलर नेटवर्क की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं. पानी प्रायोजन एजेंसियों में सिएस-ओ-ऑर्गनिक लिगेंड्स

फंडिंग एजेंसी: सीएसआईआर, नई दिल्ली

राशि स्वीकृत : 16.5 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

- शिक्षक का नाम : **डॉ बिस्वजीत डे**

परियोजना का नाम : कार्यात्मक supramolecular धातु organie erystales और जेल सामग्री प्रायोजन एजेंसियं के विभिन्न अनुप्रयोगों की खोज

फंडिंग एजेंसी: DST, WB

राशि स्वीकृत : 3 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

- शिक्षक का नाम : **डॉ पृथ्वीदीप साहू**

परियोजना का नाम : पानी में घुलनशील प्रतिदीप्त रसायन : डिजाइन, संश्लेषण और प्यूरीन, पाइरीमिडीन डेरिवेटिव्स और न्यूक्लियोटाइड्स TAP MaN (MIS) sapusdydy Buuosuodg

फंडिंग एजेंसी: सीएसआईआर, नई दिल्ली

राशि स्वीकृत : 22 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

- अन्वेषक का नाम : **डॉ कुहेली चक्रवर्ती**, DST महिला वैज्ञानिक

मेंटर का नाम : डॉ गौराब कांति दास

परियोजना का नाम : संक्रमण धातु पर संकलित अध्ययन CC और उत्प्रेरित धातु। इरीडियम, प्लेटिनम और गोल्ड उत्प्रेरित प्रतिक्रियाओं पर विशेष ओर देने के साथ सीएच बॉन्ड सक्रियण प्रायोजन

फंडिंग एजेंसी: डीएसटी, नई दिल्ली

राशि स्वीकृत : 18 लाख

परियोजना की अवधि : तीन साल

विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और विभाग द्वारा आयोजित और अन्य गतिविधियाँ जिनमें विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया:

1. छात्रों के साथ विभाग में शिक्षक दिवस के आयोजन और उत्सव मे शामिल।
2. छात्रों के साथ 10 मार्च को 'गांधी पुण्य' मनाने कि लिए शामिल किया गया।
3. छात्रों के साथ विभाग में छात्र के विदाई कार्यक्रम के आयोजन में शामिल पि एच डी।
4. छात्र के लिए की काउंसलिंग और प्लेसमेंट में शामिल होने और शाम के कार्यक्रम के बाद सभी छात्राओं को अपने-अपने छात्रावासों तर पहुंचाने की जिम्मेदारी ली थी।
5. विभागायी फुटबॉल और क्रिकेट टीम के साथ अंतर-विभागीय प्रतियोगिता (प्रोत्साहन देने वाले शिक्षक के रुप में) के साथ सामिल

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा एक (जैसे डीएसए या सीएएस आदि के रूप में मान्यता) के रुप मे प्राप्त शैक्षणिक अंतर:

(क) प्रो. आदिनाथ मॉजी को वर्ष 2020 के लिए सीआईएसआई कांस्य पदक से सम्मानित किया गया है

(ख) डॉ पृथ्वीदास साबू को सम्मानित किया गया है

(ग) प्रफेसर असीमा चटर्जी सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार 2020 (ii) वर्ष 2019 के एनईएसए वैज्ञानिक, राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (बी) प्रो. गौतम ब्रह्मचारी को पुरस्कार

1. आईएनएसए (भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी) शिक्षक पुरस्कार-2019 (नई दिल्ली) से सम्मानित किया गया है।
2. एसोसिएट इडिटर, करंट ग्रीन केमिस्ट्री (2017 आज तक)
3. बुक सीरीज नेचुरल प्रोडक्ट ड्रक डिस्कवरी के लिए पल्सेवियर इडिटर
4. प्रो. गोतम व्रह्मचारी को सदस्य, इडिटोरियल एडवाइजरी बोर्ड, करंट कैटालिसिस (के रुप में जारी रखा गया है, 2014 आज तक) सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, रसायन जर्नल ऑप केमिस्ट्री (2014 आज तक) सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, जर्नल ऑफ ब्लॉकेमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिसर्च (2014 आज तक) सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, करंट ऑर्गनोसेटलिसिस (2015 - आज तक) सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड रज्नल ऑफ साइंटिफि रिसर्च एंड एडवांस (2015 से अब तक) सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, BOAJ रसायन विज्ञान (2015 – आज तक) सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, ईरानी रासायनिक संचार (2016 – आज तक)
5. विश्व-2019 लिस्टी (मार्किर्वस, यूएसए)

(c) प्रो. पी. चौधरी, सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, जर्नल ऑफ़ पॉलिमर मटीरियल्स (2016 से आज तक)

(d) प्रो. स्वप्न के चंद्रा 'आरयू (II) बेड एंटीनोप्लास्टिक: ए विंग्टिप' एन- हेटेरोसायक्लिक कार्बेन का उपयोग करने की सुविधा प्रदान करता है। ऑर्गनोमेटिक्स का एक नया वर्ग जो आम कैंसर सेल लाइनों, साइटोक्सिक, आर। के. त्रिपाठी, पी. दत्ता, एमके संतरा, एए इसाब, सीडब्ल्यू बिलावस्की, एच. के. किसान, एसके चंद्र और जे डिंडा, अप्पल के लिए साइटोटोक्सिक है. Organomet। केम, 2018, e4692। वर्ष 2018-19 में सबसे अधिक डाउनलोड किया जाने वाला पेपर हैं।

(e) डॉ कुहेली चक्रवर्ती: 20.10.2019 से 04.12.19 के दौरान यूनेस्को द्वायस एसोसिएटशिप प्रोग्राम के तहत रसायन विज्ञान विभाग, ला प्लाटा, अर्जेंटीना विश्वविद्यालय का दौरा किया।

अप्रौल 2019- मार्च 21020 के भीतर प्रकाशन

(1) पुस्तक

- गौतम ब्रह्मचारी, बायोएक्टिव नेचुरल प्रोडक्ट्स का कुल संश्लेषण, अकादमिक प्रेस (एल्सेवियर), अमस्टरडेम, नीदरलैंड, मई 2019, आईएसबीएन : 9780081028223
- गौतम ब्रह्मचारी (संपादक), डिस्कवरी और प्राकृतिक उत्पादों से एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंटें का विकास (प्राकृतिक उत्पाद ड्रग डिस्कवरी शृंखला एल्सेवियर, 2019) आईएसबीएन: 978012849926 वॉल्यूम 4.
- गौतम ब्रह्मचारी (संपादक), डिस्कवरी और नेचुरल प्रोडक्ट्स अगेंस्ट नेगेटिव ट्रॉपिकल डिसीज (नेचुरल प्रोडक्ट ड्रक डिस्कवरी सीरीज़ – खंड 3), एल्सेवियर, अप्रैल, 2019 से आईएसबीएन : 978-0-12-815723-7 (ग)।

पुस्तक अध्याय:

- गौतम ब्रह्मचारी (2019)। प्राकृतिक उत्पादों से विरोधी भड़काऊ एजेंटों की खोज और विकास: एक सिंहावलोकन, में। प्राकृतिक उत्पाद ड्रक डिस्कवरी शृंखला वोल. 4: गोतम ब्रह्मचारी (सं), एल्सेवियर, पीपी 1-6.
- गोतम ब्रह्मचारी (2019)। 6-जिंजरॉल: विरोधी भड़काऊ दवा की खोज में चिकित्सीय रुप से शक्तिशाली प्रमुख उम्मीदवार। प्राकृतिक उत्पाद ड्रग डिस्कवरी शृंखला। 4: गौतम ब्रह्मचारी (सं।), एल्सेवियर, पीपी। 283-295.
- गौतम ब्रह्मचारी (2020)। ऑर्गनोफॉस्फोरस रसायन विज्ञान मे ग्रीन सिंथेटिक दृष्टिकोण : हाल के विकास, में। RSCC विशेषज्ञ आवधिक रिपोर्ट-ऑर्गनोफॉस्फोरस रसायन विज्ञान वोल। 49, डेविड डब्लू। एलन, डेविड लोकेस जॉन देबी (eds), पीपी, 377-390.

- लकनंदा हज्रा (2019 फ्यूज इमिडाज़ोएथेरोसायकल के संश्लेषण और क्रियशीलता में क्रॉस डिहाइड्रोजनीटिव कपलिंग (क्रॉस-डीहाइड्रोजेनेटिव कपलिंग के माध्यम से Heterocycles): स्प्रिगार, आईएसबीएन: 978-981-13-9143-9.
- ए. प्रामाणिक, ए. सरकार और पी. सरकार, (2020)। नैनोकंटैक्ट्स के जरिए चार्ज ट्रांसपोर्ट, इनः केमिकुल मॉडलिंग: एप्लीकेशन एंड थ्योरी एंड थ्योरी, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, वॉल्यूम। 15, पीपी 70-130.

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) में शोध पत्र।

- डीसी-के प्रभाव पर शोर-बाध्यकारी ऊर्जा परस्पर क्रिया का प्रभाव और अशुद्धता डॉप्ड क्वांटम डॉट्स के इलेक्ट्रो-अवशोषण गुणांक। ए. घोष, एस. एस. आरिफ, एम. घोष, हेलियन, 2019, 5 e01832.
- दूसरे और तीसरे क्रम के गैर-ऑप्टिकल ऑप्टिकल गुणों पर शोर-बाइंडिंग एनर्जी इंटरप्ले का प्रभाव अशुभ डोप्ड क्वांटम डॉट्स का है। ए. घोष, एस.एम.आरिफ, एम.घोष, हैलियन, 2019, 5, e01785.
- ट्यूनड क्वांटम डॉट/रिंग सिस्टम में अशुद्धता संबंधी ऑप्टिकल गुण। एस. पाल, एम. घोष, सी. ए.ड्यूक, दार्शनिक पत्रिका, 2019, 99, 2457-2486.
- स्टार्क शिफ्ट पर शोर-बाइंडिंग एनर्जी इंटरप्ले की भूमिका और अशुद्धता डॉप्ड क्वांटम डॉट्स के द्विध्रुवीय ध्रुवीकरण। ए. बेरा. ए. घोष, एम. घोष, जर्नल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत सामग्री, 2019, 21, 499-504.
- डॉप्ड क्वांटम डॉट्स के लिए चुंबकीय संवेदनशीलता: बाध्यकारी ऊर्जा और शोर के बीच परस्पर क्रिया। ए. घोष, एस. एम. आरिफ, एम. घोष एप्लाइड केमिस्ट्री में बायोइंटरफेस रिसर्च, 2020, 10, 5376, 381.
- गाऊसी सफेद शोर द्वारा संचालित अशुद्धता के डोप किए गए क्वांटम डॉट्स के स्थिर चौगुणी ध्रुवीकरण की प्रोफाइल। ए. घोष, एस. एम. आरिफ, ए. बेरा, एम, घोष, फिजिका स्टेटस सॉलिडि। बी। 10.1002 / pssb.201900766.
- शोर के तत्वावधान में दूसरी हार्मेनिक पीढ़ी और अशुद्धता की डॉप्ड क्वांटम डॉट्स के ऑप्टिकल ढांकता हुआ समारोह पर विश्राम समय की भूमिका का विश्लेषण। एस. एम. आरिफ, ए. बेरा, ए. घोष. एम. घोष, फिज़िका बी, 2020, 588, 412166.
- समय-निर्भर कारावास क्षमता के तहत अशुद्धता डॉप्ड क्वांटम डॉट्स के संक्रमण कैनेटीक्स: शौर की भूमिका। एस. एम. आरिफ, ए. बेरा, ए. घोष. एम. घोष, यूर। भौतिकी। जे.बी. 2020, 93, 91.

- समय-अलग-अलग चुंबकीय क्षेत्र के तहत अशुद्धता के डोप किए गए क्वांटम डॉट्स के संक्रमण कैनेटीक्स: शौर की भूमिका। ए. बेरा, ए. घोष, एस. एम. आरिफ, एम. घोष, सुपरलैटिक्स और माइक्रोस्ट्रक्चर, 2020, 143, 106554.
- सह (एलओडी) से वाष्पशील ल्यूमिनेसिसेंस संकेत-आधारित धातु-कार्बनिक यौगिक के साथ चार्च-ट्रंसफर बैंड के निर्माण के कारण। पानी में एक 'और Fe' आयन: स्थिर-अवस्था और समय-निर्धारित स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन। पी. डागा. पी. मजी, डी. के. सिंघा, पी. मन्ना, एस. हुई, ए घोष, पी. महता, एस. के. मंडल, न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 2020, 44, 4376-4385.
- एक जलीय माध्यम में जहरीले ऑक्जेनियम का पता लगाने कि लिए ल्यूनिमेसेंट धातु-कार्बनिक फ्रेमवर्क आधारित फॉस्फर। डी. के. सिंघा, पी. मजी. एस. हुई, एस. के. मंडल, पी. महता, डाल्टन ट्रांज़ैक्शंस, 2019-46, 301-328.
- क्या सुदूर नी-ट्रोयोफिलिक कारबाइन का उपयोग कुशल ब्लू ट्रिपलेट एमिटर के डिजाइन के लिए किया जा सकता है? क्वांटम रासायनिक जांच से एक उत्तर। एस. उरींदा, जी. दास, ए. प्रमाणिक और पी. सरकार, जे. फिज रसायन। सी, 2019, 123, 14216-14222.
- सौर सेल अनुप्रयोगों के लिए एज-संशोधित फ़ॉस्फ़ोरिन एंटीडॉट नैनोफ़्लेक्स और उनकी बैन डेर वाल्स हेटेरोजंक्शंस। एम. कर, आर. सरकार, एस. पाल और पी. सरकार. जे. फिज, केम. सी। 2019, 123, 20748-20756.
- एस एओ chaccogenol के exciton घूट गतिशीलता में चॉकलेन्स की भूमिका कार्यत्मक CdSe QD: एक समय डोमेन परमाणु सिमुलेशन। एम. हबीब, एम. कर, एस, पाल और पी. सरकार केम. मेटर। 2019, 31, 4042-4050.
- समय-साय पर एक और दो आयामी सीडीटीई क्यूडी अधिरचना का आदेश दिया गया: फोटोवोल्टिक, एम. कार, बी. राजबंशी, आर. सरकार, एस. पाल और पी. सरकार, भौतिकी में एक रास्ता। रसायन रसायन। फिजिक्स, 2019, 21, 19391-19402.
- सह (II) पिनर कॉम्प्लेक्स द्वारा एस्टर के गैर-द्विभाजक हाइड्रोजनीकरण में यंत्रवत अंतर्दृष्टि: एक डीएफटी अध्ययन, ए. चौधरी, एस. बिश्वास, ए. प्रामाणिक और पी. सरकार, दालान ट्रांस, 2019, 48, 16083-16090.
- सीएच, प्रारंभिक वायुमंडलीय HCN के लिए एक संभावित मध्यवर्ती के रूप में: एक क्वांटम रासायनिक अंतर्दृष्टि, एस. घोषाल, ए. प्रमाणिक, एस. बिश्वास, पी. सरकार भौतिकी। रसायन। रसायन। फिज। 2019, 21, 25126-25138.
- Bulky, dendronized iridium complexes और उनके फोटोल्यूमिनेशन, G. Zhang, एफ.

हरमर्सिमिट, ए. प्रमाणिक, डी. स्लुओमेयर, एम. वॉमगार्डन, पी. सरकार, एमिल जे. डब्लू, लिस्ट-क्रैटोचविल और क्लाउस मिलन, जे. मैटर। रसायन। सी, 2019, 7, 15252-15258.

- ली-लोन बैटरी, बी. बॉल, सी. चक्रवर्ती, और पी. सरकार, जे. फिज के लिए एक आशाजनक एनोड सामग्री के रूप में दो आयामी सहसंयोजक ट्राईजेन फ्रेमवर्क। रसायन। सी, 2019, 123, 30155-30164.
- Bis (iminothiolato) बेड एक आयामी धातु-कार्बनिक ढांचा: स्पिन-ध्रुवीकरण, सी. चक्रवर्ती, बी. मंडल, और पी. सरकार, जे भौतिकी के उत्क्रमण के साथ मजबूत द्विध्रुवीय चुंबकीय अर्धचालक। केम सी, 2020, 124, 37-43.
- हाइड्रोजन विकास प्रतिक्रिया के लिए एक आशाजनक धातु मुक्त उत्प्रेरक के रूप में मिलिकॉन और फॉस्फोरस सह-डॉप्ड बाइपिरिडीन-जुड़े सहसंयोजक ट्राईजेन फ्रेमवर्क: एक सैद्धांतिक चांच, बी. बॉल, सी. चक्रवर्ती, और पी. सरकार, जे. लेट। 2020, 11, 1542-1549.
- पेरोक्साइड, आरएस दास, बी. सिंह, जें नैनोपार्टिकल रेस, 2019, 21, 4712 की उपस्थिति में नैनो-प्लैटिनम-अत्प्रेरित डिहाइड्रोजिनेशन पर अंतदृष्टि।
- आणविक आवेश पर संश्लेषण, स्पेक्ट्रोस्कोपिक, सैद्धांतिक और रोगाणुरोधी अध्ययन 4 का स्थानांतरण परिसर। (2- थियाज़ोलिलाज़ो) रेसोरिसिनॉल (टीएआर) 3 के साथ, 5 डिनिट्रोसैलिसिलिक एसिड, पिक्रिक एसिड, और क्लोरानिलिक एसिड, ए. कर्मकार, पी. बंदोपाध्याय, एस. बनर्जी, एनसी मंडल और बी. सिंह, जे. मोल। तरल पदार्थ, 2020, 299, 112217.
- एक रस-आक्सी-डायिरोन (III) कॉम्प्लेक्स, एच. सिंह, आर. एस. दास, कैनेडियन जे केम। 2020, 98, 98-105 द्वारा पेरासिटामोल के ऑक्सीडेटिव क्षरण पर अध्ययन।
- गैर-आयनिक सफैक्टेंट TX-114 द्वारा डीएनए के प्रभावी अनुक्रमित बायोएक्टिव छोटे अणु सफ़रनिन-है का निर्णय लेना और इसकी साइटोटॉक्सिसिटी को कम करना, ए. मुखर्जी, एस. घोष, एम. पाल, बी. सिंह, जे. मो। तरल पदार्थ, 2019, 289, 111116.
- मुल्लिकेन-जाफ के चार्ज गुणांक पैरामीटर (b), एके दास, अनुनाद, 2019, 249, 459-476 के संदर्भ में एल्काइल समूहों के इलेक्ट्रॉन पुशिंग और इलेक्ट्रॉन दोनों को हटाने के प्रभाव की व्याख्या।
- साइट्रेट तहन ynthesized अल-डॉप्ड CaCu3T14012 चौगुनी nerovakite: लक्षण लक्षण वर्णन और बहुक्रियाशील गुण। कमलेश पाल, अर्का डे, राजकुमार जन, पार्थ प्रतिम रे, पार्थसारथी बेरा, ललित कुमार, तापस कुमार मंडल, परितोष मोहंती, मो. मोतिन शेख और अरूप गायेन, फिज

केम. केम फिज 2020,22, 3499-3511.

- एंटी-बाइस डिस्सॉर्डरिंग की द्वि-कीडेड दमन और ला बीएन एमएनएनआईओ, एलएक्स o और 1) के चुंबकीय गुणों का वर्गीकरण। उमा दत्ता, आलेग एल लेबेडेव. आशीष के. कुंडू और मो. मोतिन सेख, भौतिकी : संघनक। Amatter 2020, 31, 085803.
- CaMu TiOn, Afiful Haque, Debmalya Ghosh, Uma Dutta, Ashis Shukla, Arup Gayen, Partha Mahata, Asish K. Kundu and Md. Motin Seikh, Jagnan के साथ। LaMnCoo के मैग्नेटिस गुणों में परिवर्तन करें। मेटर 2020, 494, 165847.
- कार्बन में सुस्पष्ट संश्लेषण और ट्यून करने योग्य चुंबकत्व Ni-M (M=Fe, Co और Cu; osx so.5) फेरोमैग्नेटिक मिश्र धातु नैनोकण, उमा दत्ता, अरीफुल हक, देबमाल्य घोष, एम. मुकेश, एम. वसुंधरा, नतालिया ई. मोर्डविनोवा, ओलेग एल लेबेडेव, अरूप गयेन, आशीष के. कुंडू और मो. मोदिन सेख, मेटर। रसायन। भोतिकी। 2020, 243, 122566-9.
- एपिनेफ्रीन और नाइट्रोमा रौमैटिक यौगिकों के बीच गैर-सहसंयोजक बातचीत: एक डीएफटी अध्ययन, प्रसांत बंद्योपाध्याय, अनिमेश कर्मकार, ज्योतिमोय देब, उत्पल सरकार और एमडी मोतिन सेख, स्पेक्ट्रोचिम। एक्टा ए 2020, 228, 117827.
- बीसीयू, टाई, एम, ओ 12 (x=0 और 0.5:y-1 और 1.5 और एम फ़े एंड एमएन), अरीफुल हक, आशीष शुक्ला, उमा दत्ता की असंगत चुंबकीय और ढांकता हूआ गुण, देबामाल्य घोष, अरूप गायन, पार्थ महता, एम. वसुंधरा, आशीष के. कुंडू और मो. मोतिन सेख, सेराम। इंट। 2020, 46, 5907-5912.
- सिंगल सोर्स कोऑर्डिनेशन पॉलीमर प्रीसुरसोर के चुंबकीय गुणों पर उल्लेखनीय अनिमेष समय प्रभाव। Co4e व्युत्पन्न; O4 नैनोपार्टिकल्स, देबामाल्य घोष, देबाल, कांति सिंहा, ओलोग ल. लेबेदेव, मो. मोतिन सेख और पार्थ महता, न्यू जे। केम। 2019, 43, 19044-19052.
- विक्षेपण सूचकांक और रासायनिक कठोरता मापदंडों, प्रसन्नता बंद्योपाध्याय, सौम्यादत्त रे और एम.डी. मोतिन सेख, भौतिकी का उपयोग करते हुए विषम clectron हलोजन बंधन की regioselectivity खोलना। रसायन। रसायन। भौतिकी। 2019, 21, 26580-26590.
- नैनोस्केल संक्रमण धातु आक्साइड की सतहों के साथ एक बायोएक्टिव अणु की बातचीत: प्रायोगिक और सौद्धांतिक अध्ययन, प्रशांत बंद्योपाध्याय, राजकुमार जना, कालीशंकर सरकार, अपान दत्ता और एमडी मोटीन सेख, न्यू जे. केम। 2019, 43 (42)। 1662-16628, भट्टाचार्य। ओलोग लेबेदेव, उमा दत्ता, उत्पल ईएसटी।
- टीआई डोपेड लाएमए, डबल पर्कोवसाइट, उमा दत्ता, अरफुल हक और मो. मोतिन सेख, चिमिका

टेक्नो एक्टा 2019, 6, 80-92 के संश्लेषण, संरचना और चुंबकीय गुण।

- स्पिन की संरचनात्मक और चुंबकीय विशेषता मिश्रित फेमाइट-कोबाल्ट्स एलएनएफ कूसो, (एलएन-ईयू और डाय), आशीष शुक्ला, ओलेग आई लेबेदेव, एमडी, मोतिन शेख़ और आशीष कुंडू, जे. मेटर। 2019, 491, 165558-62.
- एमओएफ डेरेव्ड ज़्नको. ओ के मेटल लॉन सेंसिंग और इलेक्ट्रोकेमिकल व्यवहार। देबमाल्या घोष, अनन्या पाल, सुशांत घोष, अरूप गायन, एमडी मोतिन सेख़ और पार्थ महता, ईयूआर। जे. इनर्ग। रसायन। 2019, 3076-3083.
- जलीय रोधी एथिलीन ग्लाइकोल मिश्रण में कुछ न्यूक्लियोबेस के एनर्जेटिक्स स्थानांतरण; एस. घोष, एस. साहा, एस. मंडल, जी. हुसैन और बी. के. डोलुई, जर्न, ऑफ सॉल्यूशन केमिस्ट्री : 49 (2020) 537-557.
- DL-tyrosine, DL-Leucine, DL-Isoleucine और DL-Threonine के हाइड्रोफिलिक और हाइड्रोफोबिक इंटरैक्शन की विधि द्विध्रुवीय aprotic एसीटोनिट्राइल, एस साहा, एस. घोष एस. मंडल, टी. रॉय के जलीय द्विआधारी मिश्रण में। और बीके डोलुई, रासायनिक भोतिकी पत्र, 732 (2019) 136644.
- अमीनो एसिड और जलीय पोटेशियम सल्फेट समाधान में सॉल्वैंट्स एनर्जी की सजातीय विश्लेषण की विलेयता विश्लेषण, ए. हुसैन, के. महाली, बी. के. डोलुई, पी. एस. गीनी और एस. रॉय, हेलियन, 5, 2019, eo2304.
- पोईक्राइलेट के सुस्पष्ट संश्लेषण ने नी आंख से होकर पीआई सेंगिंग के लिए सिल्वर नैनोपार्टिकल्स को निर्देशित किया: पी चौधरी, ए हाजरा, एमके मोंडल, बी रॉय, डी रॉय, एसपी बेयेन, जर्नल ऑफ मैक्रोमोलेक्युलर, पार्ट 4, 2019, 56 (8), 773-780.
- पानी में घुलनशील संयुग्मित बलुलक, पॉली (एन-3 सल्फोप्रोपाईलेन) का संश्लेषण और इसके ग्लूकोज सेंसिंग गण का अध्ययन, एस पाल, डी रॉय, एम के मंडल, पी चौधरी। जर्नल ऑफ़ पॉलिमर रिसर्च, 2019, 26(2), 31-37.
- Terephalaldehyde संयुग्मित chitosan हाइड्रोजेल : बायोमेडिकल अनुप्रयोग के लिए संश्लेषण और लक्षण वर्णन, एस पाल, डी रॉय, पी चौधरी: सतत विकास के लिए उभरते प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (ICETSD'19), जीसीईएलटी, कोलकाता, 44-47.
- अल्फा 2-HS ग्लाइकोप्रोटीन की सेल इमेजिंग डायरेक्ट लेबलिंग के लिए दोहरी उत्सर्जक सिलिकॉन क्वांटम डॉट्स का संश्लेषण, डी रॉय, सी फ़उज़र, ए मुखूट, एस पाल, एम के मंडल, पी चौधरी, ACS Bioconjugate रसायन विज्ञान, 2019, 30 (5), 1575-1583.

- स्मार्ट ग्राफीन क्वांटम डॉट्स का संश्लेषण: प्रमुख इंट्रासेल्युलर इमेजिंग और दवा प्रभावकारिता में सुधार के लिए एक सौम्य बायोमेट्रिक, एम के मंडल, एस मुखर्जी, एन जोआर्डार, डी रॉय, पी चौधरी: एप्लाइड सर्फेस साइकेन्सर, 2019, 495, 143562-143577.
- मानव स्तन कैंसर सेल लाइनों में ग्राफीन ऑक्साइड-फंक्शनल गोल्ड नैनोकणों का साइटोटॉक्सिक प्रभाव, पीपी बनर्जी, ए बंद्योपाध्याय, पी मंडल, एमके मंडल, पी चौधरी, ए चक्रवर्ती, एम सुदर्शन, एस भट्टाचार्य, ए चट्टोपाध्याय, न्यूक्लियस। 2019, 62, पृ. 423-250.
- पॉलिमर एंकरेड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स: सिंथेसिस, करेक्टराइजेशन और एंटीमाइक्रोबियल गतिविधियाँ. पी चौधरी, बी रॉय, एस मुखर्जी, एन मुखर्जी, एन जोरावर, डी रॉय, एस चौधरी, एस पी सिंहबाबू, नूनोसेंस एंड नैनो टेक्नोलॉजी एशिया, 2019, डीओएल: 10.2174 / 2210681210666200128155244.
- ऑन-ऑफ चमकीले हरे फ्लोरोसेंट जांच के रूप मे पॉलिनीलाइन :सॉल्वेंट ने आंतरिक फिल्टर प्रभाव, एस पाल, डी रॉय, एन. बार, एस चौधरी, पी. चौधरी, पॉलिमर के माध्यमि से क्रमियम के संश्लेषण, लक्षण वर्णन और मान्यता का निर्देश दिया। 2020, 191, 122292.
- 8-हाइड्रॉक्सीक्विनोलिन एंकरिंग 3-डी नेटवर्किंग सिलिका जेल क्यूई (चो), सीआर (II), और सह (II) और रासायनिक अशुद्धि जाँच के रासायनिक नमूनाकरण के लिए सैंपल क्लीनअप के लिए एक धातु ट्रैपिंग केंद्र के रूप में अपने HOMO का उपयोग करता है। डी रॉय, एस मलिक, एस मंडल, एस साहा, आर सरकार, एस मिश्रा, एम के बर्मन, केमिकल एंड इंजीनियरिंग डेटा 2019 के जर्नल, 64 (12), 5356-5372.
- क अर्धचालक अपहरण सह (इल) मैटललोहाइड्रोगेल: एक कुशल कमरे के तापमान पर एकल पॉट आर्यल-एस बॉन्ड फॉर्मेशन के लिए उत्प्रेरक, एस. धीबर, ए. डे, आर. जना, ए. चटर्जी, जीके दास, पीपी रे, बी. डे, डाल्टन ट्रांस, 2019, 48, 17388-17394.
- मोनोएथेनॉलमाइन और Fe (III) आधारित मेटललोहाइट्रोगेल: एक एफिस्टिक स्कोटी बैरियर डायोड, एस. धीबर, आर. जनाना, पीपी री, बी, डे, 2019, जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स, 2019, 289, 111126.
- सुपरमोलोकोलमिक सेमीकंडकिंटक एमएन का विकास- मैटलॉजेल आधारित सक्रिय डिवाइस जिसमें पर्याप्त वाहक प्रसार लंबाई, एस. धीबर, ए. डे, एस. मजूमदार, ए. डे, डी. घोष, पीपी रे और बी डे, एसीएस अप्पल। इलेक्ट्रॉन। मेटर, 2019, 19 1899-1908.
- उच्च पर / बंद अनुपात, एस. निसार, ए. डे के साथ शोट्स्की डायोड आवेदन के लिए एमजीओ (ओएच) 2- मेटालोगेल नामक एक तेजी से स्व-चिकिर्सा अर्धचालक का विकास। एस. मजूमदार,

ए. मंडल, पीपी रे, बी. डे, न्यू जे. केम। 2019, 43, 15691-15699.

- एक CuI एक सह-क्रिस्टल एक विषम उत्प्रेरक उत्प्रेरक के रूप में 1, 2, 3 ट्रायज़ोल और बी-बायड्रॉक्सी 1, 2, 3 ट्रायज़ोल, डी. घोष, एस. धीबर, ए. डे के संश्लेषण के लिए 'क्लिक' रसायन विज्ञान। पी. मन्ना, पी. महता, बी. डे, रसायन विज्ञान चयन, 2020, 5, 75-82.
- Triethylenetetramine आधारित Fe (II) Metallohydrogel: A Eficient Heterogencous Catalyst for Aryl-S Coupling and Schotky बाधा डायोड एप्लिकेशन, एस. दीबर, ए. डे, डी. घोष, ए. मजूमदार, ए. डे. पीपी रे, बी. डे। ACs ओमेगा 2020, 5, 2680-2689.
- ऑर्गेनिक एसिड-मध्यस्थता वाले Luminescent Supramolecular Tb (III-metallogel उत्कृष्ट चार्ज परिवहन गुणों के साथ एक कुशल फोटोसेंसिटिव इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में लागू किया जाता है। एस जीबर, ए. डे, एस. मजूमदार, ए. डे, पीपी रे, बी. डे, Ind Eng केम। रेस। 2020, 59, 5466-5473.
- एज़िरिडीन रिंग के लिए एक सरल और कुशल ग्रीन उत्प्रेरक के रूप मे CuO नैनोपार्टिकल्स-ओपनिंग: न्यूक्लियोफिल्म की एक व्यापक श्रेणी की परीक्षा। आल. चटर्जी, एस. संतरा, एन. चक्रवर्ती घोषाल, के. गीरी, जीवी जिर्यानोव और ए. मजी, केमिस्ट्री सेलेक्ट, 2020, 5, 4525-4529.
- थिदिज़ेवल जिसमें एन-एंड-रिच की अधिकता है, एचजी (प्रदूषित पानी से आईडी) के कुशल रेमो के लिए आवधिक मेसोपोरस ऑर्गेसिलिका का आदेश दिया। चटर्जी, एस. मंडल, ए. मोदक, बीके चंद्रा, एस. दास, जीडी. नेसिम, ए. मजी, ए. भोमिक। केम कम्यूनिटी, 2020, S6, 3963-3966.
- C5 में मिथाइल ग्रुप का प्रत्यक्ष परिचय। 6, 4 कार्यशील 5-13 आर्य 2,2-b'yryridines। एपी क्रिनोचिन। डीएस कोपचुक, एलएस कोवालेव, एस. संतरा, जी. वी. वी. ज्योरानोव, ए. मजी, वी. एल रुसिनोव, और ओ.एल. चौपखिन। रसायन विज्ञान चयन, 2020, 5, 2753-2755.
- Ephalaideohy dical एप एन-टॉयलेटिरिडिन और नाइट्राइल के सह-पीस द्वारा 2-इम्दाज़ोलिंस का संश्लेषण। ए. डी, एस. संतरा, एल. एस. कोवलेव, डी.एस. कोपचुक, जी.वी. ज्पार्यानोव, ओ. एन. चौपखिन, वी। एन। चारुशिन, और ए. मजी, मेंडेलीव, 2020, 30, 188-189.
- पीआर अल्फा : बॉल मिलिंग : असममित कार्बनिक संश्लेषण के लिए एक कुशल और हरा दृष्टिकोण। L. N. Egorov, S. Santra, D. S. Kopchuk, L. S. Kovalev, G. V. Zyryanov, A. Majee, B.C. रानू, वी. एल. रोसिनोवा, और ओ. एन. चुपखिन। (समीक्षा लेख) ग्रीन केम, 2020, 22, 302-315.
- धातु-मुक्त परिस्थितियों में aziridines के ऑक्सीडेटिव दरार द्वारा बीआईएस (बीबी-

डायलकोक्सी कार्बोनिल) यौगिकों का एक नया अग्रानक्रम संश्लेषण। एस. सामंता, एस. संतरा, आर. चटर्जी और ए. मजी. ऑर्ग। BioMol। रसायन। 2020, 18, 551-556.

- सीसी होमो युग्मन प्रतिक्रिया के लिए उत्प्रेरक। एस. के. दास, बी. के चद्रा, आर. ए. मोल्ला, एम. गॅफ्टेड ट्राईजैन फंक्शनल कोवलेंट ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क ए एलिसिएंट।
- सेनगुप्ता, एम. इस्लाम. ए. मजी, ए. भौमिक आणविक कैटालिस, 2019, 480, 110650.
- एज़िरिरडिन्स के संश्लेषण पर एक अद्यतन पुस्तकालय। ए. मखेरजर, एन चक्रवर्ती घोषाल, जी. वी. च्यार्यानोव, ए. मजी, एस. संतरा (लवीटेड रिव्यू आर्टिकल्स) कैरेंट ग्रीन केमिस्ट्री, 2019, 6, 226-241.
- कार्यात्मक मेसोपोरस सिलिका पर Cuo नैनोकणों के सीटू संश्लेषण में और सममितीय डिस्नेलाइड्स के उत्प्रेरक सिंथेसिस में उनके आवेदन। टी. दास, आर. चामर्जी, ए. मजी, एच, उयमा, जी. मॉर्गन और एम. नंदी डाल्टन ट्रांज़ैक्शन 2019, 48, 17874-17886.
- आयरन (III) कमरे के तापमान पर एक एमिनो कार्बोनिल डेरिवेटिब्स से सेलेनोएस्टर के संस्लेषण को आर. चटर्जी, ए. मुखर्जी, एस. संतरा, जीवी ज़ायिरानोव, ए. मजी टेट्राहेड्रोन 2019, 75, 130624.
- दृश्यमान-प्रकाश-प्रेरित रेगुलेटिव Cisp'-H Acyloxylation of Aryt-2H Azirines with (Dincetoxy jiodobenzene. A. De, S. Santra. G. V. Zyryanbov) माजि से ऑर्ग केम 2019, 84, 11735-11740.
- लोहे द्वारा प्रतिस्थापित क्विनोलिंस की सुस्पष्ट विथिसिस) एनिलिन, एल्डीहाइड्स और नाइट्रोक्लेकन्स के बीच-केटालाइज्ड कैस्केड प्रतिक्रिया। एस. महतो, ए. मुखर्जी, एस. संतरा, जी. वी. ज्पार्यानोव और ए. माजी ऑर्ग बा मोल केम 2019 73, 7907-7917.
- 4- (Het) anl2 के अत्यधिक-ल्यूमिनेटेंट डीटीटीए-एप्लाइड वाटर सॉल्यूबल लैंथेनाइड कॉमप्लेस। 2- बाइपिरिडिंस सिम्थेसिस और फोटोफिजिकल गुण। ए. पी. क्रिनोचिन, डी. एस. कोपचुक, जी. ए. किम, एल. एन, गेनेबेख, एल. एस. कोवालेव, एस. संतरा, जी. वी. ज्यिर्यानोव, ए. मजी, वी. एल. रोसिनोव, ओ. एन. चुपाखिन रसायन विज्ञान चयन, 2019, 4, 6377-6381.
- 2-अरांथ्रेसेन :एक कालानुक्रमिक सिंथेटिक दृष्टिकोण और व्यवहारिक अनुप्रयोगों के उज्ज्वल भविष्य ओएस तान्या, डीएस कौपचुक, एफ़. ख़सनोव एलएस. कोविंद, एस. संतरा, एम. रहमान, जी. वीज़्यार्यानोव, ए. मजी, वी. चरहिन, चूपाख्रिन न्यू। जे। केम। 2019, 43, 11382-11390.
- अमीनो एसिड एम रहमान के डिवेंस डिकार्बोजिलेटिव रिएक्शन्स पर हालिया एडवांस, ए. मुखर्जी, आईएस कोवलेव, जीएस कोपचुक, जी. वी. ज्यार्यानोव, एमवी तुरकान, ए. मजी ई. पू

साइटेलोप्रोटेनेटेड बाइसिकल डेरिवेटिव, ए. चन्नेर्जी, आर, साहा, पी. पाल, एस. मोंडल ओर के. चक्रवर्ती के पुनर्व्यवस्था को उत्प्रेरित करने के लिए मोनोमेटैलिक के ऊपर उत्प्रेरक केंद्र। ऑर्ग नोमेटाल्ली केमिस्ट्री 2019, 899, 120907.

- प्लैटिनम पर तुलनात्मक डीएफटी अध्ययन उत्प्रेरित (3+2) और (2+2) चक्रवात प्रतिक्रियाओं के बीच allene और alkene,आर. साहा, ए. चटर्जी, एस. मोंडल, पी. पाल, के. चक्रवर्ती और जीके दास। कम्प्यूटेशनल और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, 2019, 1163, 112507.
- फेनिलहाइड्राजाइन का उपयोग कर Ph। (OAch का उपयोग परिवेश की स्थिति में एसिटॉक्सी स्रोत के रूप में करते हैं। गौतम ब्रह्मचारी और इंद्रजीत परमाकर, यूरोपीय जर्नल ऑर्गनिक केमिस्ट्री, 2019, 34, 5925-5933.
- अपने माइटोकॉन्ड्रियल डायनामिक्स को संशोधित करके SK-RC-45 (रेनल सेल कार्सिनोमा सेल लाइन) की व्यवहार्यता के लिए kaaap jo uoj kxojaon HO zds Lupeol alters व्यवहार्यता। k. सिन्हा, चौधरी, एस. बनर्जी, एस. मंडल, बी. मंडल, एमएस माझी, गौतम ब्रह्मचारी, गोभ, जे. सिल, पी. सी, हेलियन 2019, 5, e02107.
- अल्ट्रासाउंड-असिस्टेड और ट्राइसोडियम साइट्रेट डाइहाइड्रेट-उत्प्रेरित हरित प्रोटोकॉल कुशल और एक-पॉप संश्लेषण के लिए प्रतिस्थापित क्रोमेनो (3'4:5), के लिए। 6। पिरानो (2, 3 d) पिरिमिडाइन परिवेशी परिस्थितियों में। गौतम ब्रह्मचारी और खोंडेकर नूरजमाल। टेट्राहेड्रन लेटर्स, 2019, 60, 1904-1908.
- सोर्सटोन ए और बी: कैसिया सोलेरा से दो नए जैविक रूप से प्रासंगिक डिबेंजो-ए-पाइरोन। गौतम ब्रर्मचारी, बी. मंडल, एम. मंडल और ए. मंडल। Fitoterapia 2019, 136, 104169.
- सेरिक अमोनियम नाइट्रेट (CAN): महात्वाकांक्षी परिस्थितियों में जलीय माध्यम में विविध कार्यात्मक बिस्कॉमरिन के एक पॉट संश्लेषण के लिए एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल उत्प्रेरक। गौतम ब्रह्मचारी और संचारी बेगम। रसायन विज्ञान चयन, 2019, 4, 5415-5420.
- उपयोग के रूप में उपन्यास के लक्ष्य प्राथमिकता 5-aryl-2-oxo-thioxo-2, 3-dihydro-। H-बेन्जो (6-7) क्रोमेनो (2, 3 dlpyrimidine-4, 6 .11) (5H) Tioniones प्रतिस्थापित किया गया – सिलिको दृष्टिकोण। एस एस भये.
- ब्रह्मचारी, जी, एन नायक, एस रॉय, के रॉय। बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 2020, 38, 1415-14247.
- एंटी-कैंसर एजेंट स्पेक्ट्रोस्कोपिक (एफटीआईआर, यूवी-विज़ और एनएमआर), सैद्धानिक। 1, 8 डाइऑक्साइडेहाइड्रोक्रिडीन डिरिवेटिव की जांच और आणविक डॉकिंग। केके यादव, ए. कुमार,

एस. बेगम, के. नूरजमाल, ए. कुमार, गौतम ब्रह्मचारी, एन. मिश्रा। सर्बियाई केमिकल सोसाइटी के जर्नल। 2020, 85, 53-66.

- परिवेश स्थितियों के तहत curcumin व्युत्पन्न 4H-pyrans की एक नई श्रृंखला का एक-पॉट बहुसंकेतन संश्लेषण। गौतम ब्रह्मचारी, मुल्लिक मंडल। हेटेरोसायकल रसायन विज्ञान के जर्नल। 2020, 57, 744-750.
- डीऑक्सीजन-ट्राइगर्ड ऑर्गेनो-सल्फोनाइजेशन ऑफ हाइड्रोजोन्स। घोष, . के. मंडल, एस. हाजरा, ए. ऑर्ग लेट 2020, 22, 2771-2775.
- Tert-Butyl Hydroperoxide-Mediated Oxo-Sulfonylation 2H-Indazoles के साथ Sulfinic Acid के साथ Indazol-3 (2H) ones। घोष, पी. मंडल, एस. और हाजरा, ए. ऑर्ग लेट। 2020, 22, 1086-1090.
- रोडियाम (11) कैलिटेड ऑर्थो-सी-2-एरीलिंडाजोल के डाइऑक्साइडाज़ोलोन के साथ एक एमिडेटिंग अभिकर्मक के रूप में। घोष, पी. सामंत, एस और हाजरा, ए. ऑरग बायोमोल। रसायन। 2020, 18, 1728-1732.
- एक आरएच (III) सीटालाइज्ड सी एच सक्रियण के माध्यम से इंडीजोल के साथ रजोनिवृत्ति संबंधी हाइड्रैलाइज़ेशन और मेलिमाइड्स का संयोजन। घोष, ए. के. सामंता, एस. घोष, पी नेगी, एस और हाजरा, ए. ऑर्ग। Biomoll केम, 2020, 18, 3093-3097.
- दृश्यमान प्रकाश ने सीड-एच को इमिडाज़ोहेटरोसायकल के कार्यात्मककरण को बढ़ावा दिया। बागड़ी, ए. के. और हाजरा, ए. ऑरग बायोमोल। केम, 2020, 18, 2611-2631.
- चक्रीय पंखों के साथ स्टाइलिन के दृश्य-प्रकाश-प्रचारित ऑक्सीडिटिव युग्मन। किब्रिया, जी घोष, डी और हाजरा, एक विज्ञान। चीन केम, 2020, 63, 42-46.
- Organophotoredox-Catalyzed C (Sp) H Difluoromethylenephosphonation of Lmidazobeterocycles। सिंघसार, एस. मंडल, एस. लारू, एस. और हाजरा, ए. ऑर्ग लेट। 2019, 21. 5606-5610.
- रोडियाम-कैटालिज्ड डायरेक्टेड सी-एच इमिडाज़ोएथेरोसायकल का डाइऑक्साज़ोलोन के साथ संशोधन। सामंत, एस. मंडल, एस. घोष, डी और हाजरा, ए. ऑर्ग। लट्ट। 2019, 21, 4905-4909.
- कार्बाज़ोल एनालॉग एंकरेड फ्लोरोसेंट सिलिका नौनोपार्टिकल जिसमे बायोमैक्रोमोलेक्यूल, टी मल्लिक, ए करमाकर, जे बैग के प्रति बढ़ी हुई जैव-सामर्थ्य और चयनात्मक संवेदन क्षमता है। एस साहू, एम मिश्रा, एनए बैगम, डाइस एंड पिगमेंट, 2020, 173, 107-994.
- करी पत्ता और इसके एंटीऑक्सीडेंट संभावित: एक व्यवस्थित अध्ययन जलीय माध्यम, डी

कुमारी टी मल्लिक, ए कर्मकार, एस मंडल मे अपनी गतिविधि को बढ़ाने के लिए। दास, एनए बेगम, वर्तमान पोषण और खाद्य विज्ञान, 2020, 16 (3), 323-332.

- एक प्राकृतिक रुप से उत्पन्न हरे बहुक्रियाशील एजेंट, एमएन आलम, एस बतुता, जी अहमद, एस दास, डी मंडल,एनए बेगम, रसायन विज्ञान के अरेबिक पत्रिका, 2019, 12 (8), 3825-3835 द्वारा संश्लेषणित एयू नैनोकणों की उत्प्रेरक गतिविधि को सिलाई करना।
- एसिटाइलकोलिनेस्टरेज़ अवरोधकों रे रुप में सिंथेटिक एंटीऑक्सिडेंट फ्लोवोनॉइड एनालॉग्स की खोज उनके मात्रात्मक संरचना-गतिविधि E91 को खोजने के लिए एक approach है।
- रिस्ते। ए करमाकर, पी एम्बोर, टी मल्लिक, एस दास, के रॉय, एन ए बेगम, डेमिसिनल केमिस्ट्री रिसर्च, 2019, 28 (5), 723-741.
- एंटीऑक्सिडेंट फ्लेवोन फंक्शनल ल्यूसेरेंट और बायोकम्मैटिबल मेटल नैनोपार्टिकल्स: सेल इमेजिंग एजेंट्स, ए कर्मकार, टी मल्लिक, सी फ्यूज़र, ए मुखूट, आर कुंडू, एनए बेगम, नैनो-स्ट्रक्चर्स एंड नैनो-ओहिजेस, 2019, 18278, 100278 के रुप में उनकी प्रभावकारिता की खोज।
- जायरेक्ट एल्डोल रिएक्शन कैटालिकेड द्वारा (आईआर, 2 आर) एच+) -1, 2 डायमोनियम साइक्लोहेक्सेन-एल-टार्ट्रेट पानी में। ए. मंडल, के. सी. भोमिक, करंट ऑर्गनोकैटलिसिस 2019, 6, 165-170.
- हाइड्रोजन सल्फाइड के लिए एक वर्णमापी सेंसर : पानी में बायोगैस और मात्रात्मक अनुमान से पता लगाने, सुजॉय दास और पी. साहू. सेंसर और एक्ट्यूएटर बी, 291-92, 2019.
- प्रोसेस्ड खाद्य नमूनों में सिक्टीन का पता लगाने के लिए एक नए सुरक्षार्थ चांच का विकास, सुजॉय दास, हिमाद्रीशेखर सरकर, श्रबनी साहा और पी. साहू, गूदा। Bioanal। केम, 2019, 41, 16203-6212.
- कच्चे पेट्रोलियम से हाइड्रोजन सल्फाइड का अनुमान : एक साधारण रसायनज्ञ, एस. कुंडू और पी. साहू, न्यू जे। केम, 2019, 43, 12369-12374 का उपयोग करके एक अनूठा आविष्कार।
- अत्यधिक चयनात्मक ऑप्टिकल और प्रतिदीप्ति 'ट्यून ऑन' अल का संकेत : चावल संयंत्र मे सेल इमेजिंग और अनुमान, श्राबनी साहा, सुजॉय दास और पी. साहू रसायन विज्ञान चयन 2019, 4 (47) :13968-13973.
- अल आयन की चयनात्मक संवेदन। नाइट्रोफिनाइल प्रेरित समन्वय द्वारा : जेब्रोफिस मस्तिष्क के ऊनकों में इमेजिंग, एस. दास, यू. मुखर्जी, एस. पाल, एस. मौत्रा और पी. साहो, ऑर्ग। Biomoll रसायन। 2019, 17, 5230-5233.
- एस. कुंडू, एचएस सरकार, ए. दास और पी. साहू, कोल्ड स्टोरेज आलू में अमोनिया का आसान

और तेजी से अनुमान :पर्यावरण में सावधानियां, न्यू जे. केम। 2019, 43, 6843-6847.

- खुले जीरोलाक्टस रिंग के साथ दुर्लभ क्रिस्टल संरचना। एक रोडियामाइन व्युत्पन्न के बंद रिंग रुप के साथ: पालक से : Cu आयनों का संवेदीकरण। एस. दास, के. रिसैनन और पी. साहू. एसीएस ओमेगा, 2019, 4, 5270-5274.

विभाग द्वारा शुरु किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

- हमने एम. एससी को संशोधित किया है। सिलेबस और अकादमिक काउंसिल की मंजूरी का इंतजार है।
- UG & PG मुख्य रुप से हमने सामान्य चाक-बोर्ड विधि को प्राथमिकता दी। लेकिन कई विषय हैं जो हमने स्लाइड शो के माध्यम से पेश किए हैं।
- पीएचडी कोर्स वर्क्स-मुख्य रुप से स्लाइड शो प्रस्तुति के माध्यम से

भविष्य के योजनाओं के विकास के संकेत के साथ संबंधित भवना / सदाना / विभा के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास।

रसायन विज्ञान विभाग की स्थापना के बाद से देश में रसायन विज्ञान शिक्षण और अनुसंधान का एक प्रमुख केंद्र, विभाग बनाने की दृष्टि है। विभाग को UGC SAP के माध्यम से और DST से DST-FIST कार्यक्रम के माध्यम से UGC से उदार समर्थन मिला है। हमने FIST लेवल O और लेवल 1 प्रोग्राम को समाप्त कर दिया है और FIST लेवल पर इसे समर्थन मिल गया है। संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए विभाग ने निम्नलिखित वर्षों में 'पर्यावरण और मानव स्वास्थ की बेहतरी के लिए नैनोमीटर' क्षेत्र की पहचान की है। इसके अलावा हम कार्यत्मक कार्बनिक अणुओं, पॉलिमर आदि के लिए सिंथेटी पद्धति के विकास में सक्रिय रुप से शामिल होंगे। हैर-संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी और क्वांटम रसायन विज्ञान के विभिन्न फहलुओं पर भी शोध हैं।

पुस्तकालय के लिए उद्धृत विभाग पुस्तकालय:

(ए) क्षेत्र (वर्ग मीटर) के विवरण में विवरण : 70 वर्ग मीटर (कक्षा कक्ष सह पुस्तकालय)

(बी) क्या पढ़ने के कमरे के लिए अलक प्रावधान है? नहीं

(सी) पुस्तकों की कुल संख्या : 918

(डी) वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की कुल संख्या : 40

(ई) आवधिकों की कुल संख्या : 500

(एफ) वर्ष के दौरान खरीदी गई पत्रिकाओं की कुल संख्या : शून्य

(जी) की कुल संख्या पाठक : 300

(एच) कुल संख्या की किताबें और समय-समय पर जारी : 20

(आई) स्टाफ-सदस्यों की कुल संख्या: शून्य।

किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी के अलावा हमारी अनुवर्ती विद्वानों की गतिविधियों का हमने अनुसरण किया है:

(1) रसायन विज्ञान के कुछ उन्नत विषयों पर छात्र की संगोष्ठी और समूह चर्चा शुरु की गई है, छात्रों को अपने शीर्षकों पर चर्चा करने के लिए पावर पॉइंट प्रस्तुति देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(2) साधन संपन्न व्यक्ति और पूर्व छात्रों (विभाग के विशिष्ट पूर्व छात्रों) को वर्तमान छात्र और संकायों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

(3) नियमित आंतरिक पर दीपार पत्रिका का प्रदर्शन हमारे विभाग का एक प्रसिद्ध अभ्यास है।

गणित विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में पंजीकृत छात्रों का नाम, पंजीकरण संख्या / रोल नंबर। परीक्षा में चयनित छात्रो के नाम :

426429	सेयान बनिक	नेट
425871	कुंतल मंडल	नेट
425573	देवजानी मंडल	नेट
420208	नंदिता बर्मन	नेट
426058	नंदा कनान पाल	नेट
425539	अभिषेक दास	नेट
424946	तरक नाथ मल	नेट
424912	निरापद संतरा	नेट
425705	सुमित घोष	नेट
MA19S44036002	सब्रता डे	गेट
MA19S44036006	देब नारायण बरिक	गेट
MA19S44035006	सायान बनिक	गेट
MA19S44034172	सुपर्णा घोष	गेट
MA19S44034119	रुमा कुंभकार	गेट
MA19S44035173	एसके मोसरफ	गेट
MA19S44034067	स्त्याजी कुंडू	गेट
MA19S44036094	ज्योति तुरी	गेट
MA19S44036054	संजय मंडल	गेट
MA19S44036102	इशिता घोष	गेट
MA19S44034151	सुमित घोष	गेट
MA19S44035043	अभिशिक्ता दास	गेट

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, सेमिनार का शीर्षक, तिथि)

विशेष रूप से केवल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / सेमिनार कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि का उल्लेख करने के लिए कुछ भी नहीं है। शिक्षकों / अनुसंदान विद्वानों द्वारा किए गए मूल्यांकन / प्रस्तुति

1. 24.10.2019-26.10.2019: एपी मिश्रा ने विज्ञान और इंजीनियरिंग में लागू गणित में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित 'गणित सिद्धांत और गैर-तरंगों की संरचनाएं' में दिया। SOA विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, भारत।
2. 4.11.2019-08.11.2019: एपी मिश्रा ने प्लाज्मा भोतिकी पर तीसरे एशिया-पैसिफिक सम्मेलन (APPS-DPP 2019, हेफ़ेई, चीन)
3. 11.11.2019-14.11.14 में 'मिस रिलेटिव प्लैसमास में उत्तेजित बिखराव' शीर्षक से एक आमंत्रित बातचीत की। 2019 एपी ने प्लाज्मा विज्ञान और अनुप्रयोगों (1CPSA 2019), लखनऊ विश्वविद्यालय, भारत।
4. 17.11.2019-02.11.2019 पर 12 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक समिति के सदस्य के रूप मे, मिश्र ने एक संयुक्त वार्ता का शीर्षक दिया और वितरित किया। 14 वें एशिया-प्रशांत भौतिकी सम्मेलन (APPC 2019), कोचिंग, मलेशिया में पतित Plasmas में उत्तेजित रमन और Brillouin बिखराव अस्थिरता।
5. 23.12.2019-25.12.2019 AP Misradelivered एक आमंत्रित बात शीर्षक 'गणित और nonlinearear में ईसके आवेदन। विज्ञान राष्ट्रीय गणित दिवस (रामानुजन की 132 वीं जयंती) के उपलक्ष्य में, Appll गणित विभाग के साथ। समुद्र विज्ञान और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, भारत के साथ।
6. 27.01.2020-19.12.2020 एपी मिश्रा ने भाग लिया। गणितीय विज्ञान और अनुप्रयोग (ICMA-2020) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'गणितीय सिद्धात और तरल पदार्थ और प्लास्मा में नेल्लिनकर तरंगों की संरचनाएं' नामक एक आमंत्रित वार्ता वितरित की। गणित विभाग, सेक्रेड हार्ट कॉलेज, निरुपत्तूर, भारत।
7. 17.12.2019-19.12.2019 ए. के. भूनिया ने बीजगणित और संबंधित विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, गणित विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 'रुदिवादी संगोष्ठियों पर जो कि अंगूठियों का संघ है' शीर्षक से एक आमंत्रित बात की।
8. 20.12.2019-22.12.2019, एके भुनिया ने अलगेब्रा, विश्लेषण और अनुप्रयोग, गणित और सांख्यिकी विभाग, मोहनलालसुखड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में हाल के अग्रिमों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'विभिन्न प्रकार के आर्थराइटिस' नामक एक आमंत्रित वार्ता को वितरित किया।

9. 18.02.2020-24.02.2020, एल. एन. गिनी ने स्वास्थ और नताव पर लघु अवधि के पाठ्यक्रम में भाग लिया: समस्या और उपचार यूजीसी शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज, बर्धमान विश्वविद्यालय, बर्धमान 10413101, पश्चिम बंगाल, भारत।
10. 20.07.2019-22.07.2019: एम एम पांजा ने गणित विभाग, शिक्षा-ओ-आनंदनंदन, भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित अनुप्रयोगों के साथ संख्य्त्मक विश्लेषण ओर अंतर समीकरणों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित बातचीत में भाग लिया और वितरित किया।
11. 20.01.2020-22.01.2020, अनिरबन कुंडू ने गणित, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता विभाग द्वारा आयोजित विश्लेषण, बीजगणित, संयोजन और उनके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
12. 20.12.2019-22.12.2019, पी. कलकत्ता मैथमेटिकल सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आयोजित उच्च गणित, गणितीय विज्ञआन और गणितीय मॉडलिंग में अग्रिमों पर अंतर्राष्ट्रीय में apertitled फजी sesquilinear रूप और उसके गूण।
13. 09.01.2020-11.01.2020, सुब्बेंदुग्बेसल ने भाग लिया और 'फजी रियल सेसक्विलाइनर फॉर्म और इसके गुणों' सीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया नेशनल सेमिनार ऑन मैथमेटिकल साइंसेज (NSMS-2020), ऑर्गनाइज्ड बाय डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स, सुभेंदुगोसल यूनिवर्सिटी ने पॉम प्रस्तुत किया। बर्धमान।
14. 05.02.2020-07.02.2020, अरुणिमामाजुमेडेरपार्टिडेटेड और प्रेज़ा पेपर ने हल्दिया इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, हल्दिया, पश्चिम बंगाल में आयोजित 'इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इंजीनियरिंग मैथमैटिक्स' में फ़ज़ी स्ट्रांग बी-मेट्री स्पेस में कुछ फ़ाइव पॉइंट प्रमेय का उल्लेख किया।
15. 17.11.2019-2.11.2019, सिमा रॉय ने भाग लिया और 14 वें एशिया-पैसिफिक भोतिकी सम्मेलन (APH2019), कोचिंग में मलेशिया में 'सापेक्षतावादी plasmas में विद्युत चुम्बकीय विलेयता की स्थिरता' नामक पोस्टर प्रस्तुत किया। मलेशिया।

विभाग में अनुसंधान परियोजनाएं :

शिक्षक ना नाम

परियोजना   एजेंसियों का नाम

अमर प्रसाद मिश्रा   प्रमुख अनुसंधान

परिजोयना विज्ञान और इंजीनियरिंग

शीर्षक 'इलेक्ट्रोमैग्नेटिक खोज सॉलिटन और नॉनलाइन एसईआरबी) स्वीकृत राशि 17,14,948.00'

बोर्ड द्वारा विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में लैंडौ डंपिंग और

अन्य द्वारा आयोजित की गई गतिविधियाँ। विभाग के शिक्षक और छात्र।

डॉ. लक्ष्मी नारायण गिनी ने एनएसएस, शिक्षाभवन इकाई, विश्वभारती में विभिन्न गतिविधियों के लिए कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य किया, जैसे कि पौषमेला शिविर, रक्तदान शिविर, य़ोग दिवस समारोह, गणतंत्र दिवस समारोह आदि, और 50 से अधिक छात्रों ने इस तरह की गतिविदियों में भाग लिया है।

गणित विभाग के छात्रों द्वारा आयोजित गणित विभाग में 5 सितबर 2018 को सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद शिक्षक दिवस मानाया गया।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा संपूर्ण के रूप में प्राप्त अकादमिक उत्कृष्टताएँ (जैसे कि डीएएस सा सीएएस आदि के रूप में मान्यता)

विशेष रूप से वर्ष 2019 के मार्च में प्रकाशनों का उल्लेख करने के लिए कुछ भी नहीं है – मार्च 2020 पाठ्य पुस्तकें: एमएम द्वारा एकवचन इंटीग्रल समीकरणों के लिए वेलेट आधारित अनुमोदन योजनाएं पांजा और बीएन मंडल, आईएसबीएन / आईएसएसएन नं। 13:978-0-3671-9917-3, सीआरसी प्रेस, अन्य पुस्तकें : अप्रयोज्य

5. विशेष निबंध- अप्रयोज्य

6. शोध पत्र। (लेखक/लेखकों), लेख्य का शीर्षक, पत्रिका का वर्ष, खंड संख्या, पृष्ठ, v) पीयर/समीक्षा की गई पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रिकाओं की संख्याः

निम्न रुप में दर्ज किया जाना है:

विभागीय प्रकाशन:

व्यक्तिगत प्रकाशनः अ) एकल लेखक ब) संयुक्त लेखक (उस विभाग के)

- रासायनिक रूप से प्रतिक्रियाशील पावेल का अस्थिर मैग्नेटो-बायोकवेनिव प्रवाह एरिंग्नानो द्रवएक झुके हुए चाद्दर पर जो कि गायरोटैक्टिक सूक्ष्म जीव गैर-समान ताप स्रोत गैर-समान ताप स्रोत / सिंक और थर्मल विकिरण के साथ, थर्मल विकिरण के कारण डूबते हैं, दुलाल पाल एवं सूर्यकांत मंडल, तरल पदार्थ पत्रिका 8(4), 703-713 (2019)
- चुंबकीय हाइड्रोडायनामिक ताप और सिस्कोनानोफ्लुइड का द्रव्यमानअंतरण एक स्ट्रेचिंग शीटगैर-रैखिक थर्मल विकिरण सहित औरसंवहन सीमा स्थिति के साथ, दुलाल पाल, गोपीनाथ मंडल, तरल पदार्थ पत्रिका 8 (4), 852-860 (2019), डिजिटलवस्तु पहचानकर्ता, https://doi.org/10.11166/jon.2019.1620
- लिड-चालित दोहरा फैलानेवाला चुंबकीय हाइड्रोडायनामिक ताप एवं द्रव्यमान प्रवाह एक समलम्बाकार घेरा के भीतर तरल पदार्थ काप्राकृतिकवर्गीकरण, विकाश सी. साहा, टी आर महापात्र,

दुलाल पाल, तरल पदार्थ पत्रिका 8(4), 817-829 (2019).

- चुंबकीय हाइड्रोडायनामिकविषम थर्मल विकिरणवालातरल पदार्थ का ताप अंतरण छिद्रपूर्ण माध्यम द्वारा एक समतल थाली पर परिवर्तनशील तापीय प्रवाहकत्त्व तथारासायनिक प्रतिक्रिया के अस्तित्व में, दुलाल पाल, गोपीनाथ मंडल, व्यापक ऊर्जा का अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, https://doi.org/10.1080/01430750.2019.1592776, ऑनलाइन: 08 Apr 2019
- हीटलाइन तथा मासलाइन का बहाना, छिद्रपूर्ण माध्यम से भीगा हुआ Al_2O_3-तरल पदार्थ में एमएचडी दोहरा फैलानेवालाप्राकृतिक संवहन का प्रत्योक्षकरण, विकाश सी. साहा,टी आर महापात्र एवंदुलाल पाल, तरल पदार्थ पत्रिका 8 (5), 1020-1033 (2019).
- दुलाल पाल, निताई रॉय, कसोनानोफ्लुइड के एक बेलनाकार सतह की ओरअसमान ऊष्मा स्रोत/सिंकऔर चुंबकीय क्षेत्र के साथगैर-रेखीय थर्मल विकिरण ठहराव बिंदु प्रवाह का प्रभाव, तरल पदार्थ पत्रिका 8 (6), 1201-1212 (2019).
- गायरोटैक्टिक सूक्ष्म जीवों केअरेखीय थर्मल विकिरण और जूल ताप में उपस्थिति मेंपावेल एरिंग्नानोफ्लुइड का एक पारगम्य सीधा बिछाए हुए चद्दर पर मैग्नेटो-बायोकनवेकशन, दुलाल पाल, सूर्यकांक मंडल, व्यापक ऊर्जा का अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डि.व.प:10.1080/01430750.2019.1679253., ऑनलाइन प्रकाशितः 22 अक्टूबर 2019.
- एमएचडीसंवहन ताप परगैर-रेखीय थर्मल विकिरण और रासायनिक प्रतिक्रिया का संयुक्त प्रदर्शनतथा एकगैर समतापी 169 सतहतरल पदार्थ काएमएचडी संवहन ताप एवंबड़े पैमाने पर स्थानांतरण, दुलाल पाल एवं भुबन दास, व्यापक ऊर्जा का अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, https://doi.org/10.1080/01430750.2019.1613675, ऑनलाइन: 14 Jun 2019.
- मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक के एंट्रोपी पीढ़ी के विश्लेषण के संवहनशील गर्मी हस्तांतरण नॉन-न्यूटोनियन जेफरी नेनोफ्लुइड नॉनलाइनियर थर्मल के साथ एक स्ट्रेचिंग शीट पर बहता है वर्णक्रमीय क्वासिलियरीकरण विधि, दुलाल पाल, सागर मोंडल और का उपयोग कर विकिरण हिरण्मय मंडल, अंतरराष्ट्रीय DOI: 10.1080 / 01430750.2019.1614984। ऑनलाइन: 28 मई 2019। जर्नल ऑफ एम्बिएंट एनर्जी।
- सोरेट-डफ़ोर प्रभावों के साथ गैर-डार्सी झरझरा मीडिया में एम्बेडेड एक खींच चादर के कारण विद्युत-विधि तरल पदार्थ में संवहन-विकिरण-दोहरे प्रसार गर्मी हस्तांतरण, दुलाल पाल और 20, इश्यू सेउलीवचटर्जी, आइएंटी. जे. कॉम्प. तरीका. इंजी. विज्ञान. यांत्रिकी।खंड 4, पृष्ठ 269-282, 2019.
- मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक चिपचिपा-ओमिक विस्फ़ोटक प्रदर्शन पर अस्थिर ऊष्मीय गर्मी हस्तांतरण आंतरिक सतह के अस्तित्व में एक खींच सतह पर/अवशोषण, दुलाल पाल, इंजीनियरिंग विज्ञान और यांत्रिकी में कम्प्यूटेशनल विधियों के लिए इंटरनेशनल जर्नल, खंड 20, नंबर 4, 308-318, 2019.

- थर्मोफोरिसऔरब्राउनियनगति का प्रभाव मैग्नेटो-संवहनशील गर्मी हस्तांतरण पर विस्कोलेस्टिक नैनोफ्लुइड पर स्ट्रेचिंग शीट पर नॉनलाइनियर थर्मल के साथ होता है।पाल और नेताई विकिरण। दुलाल रॉय और के। वज्रवेलु, अंतराष्ट्रीय जर्नल ऑफ एम्बिएंट एनर्जी, https://doi.org/10.1080/01430750.2019.1636864, ऑनलाइन प्रकाशित: 18 जुलाई 2019.
- एक से अधिक पतली नैनोलाइड फिल्म में गर्मी और बड़े पैमाने पर स्थानांतरण एक रासायनिक प्रतिक्रिया और थर्मल देबरजानचटर्जी, और विकिरण में अस्थिर स्ट्रेचिंग शीट के साथ झरझरा माध्यम।दुलाल पाल, सूर्यकांतामंडल, अंतराष्ट्रीय जर्नल एनर्जी ऑफ एम्बिएंट (प्रकाशित ऑनलाइन 9.10.2019) https://doi.org/10.1080/01430750.2019.1676308.
- वैरिएबल के साथ गायरोटैक्टिक स्ट्रेचिंग शीट वाले नॉनलाइनियर पर नैनोफ्लूड सूक्ष्मजीवों के जैव-प्रवाह के चिपचिपाहट कम्प्यूटेशनल HAM का विश्लेषण उपयोग करते हुए दुलाल पाल, सूर्यकांता मंडल, कम्प्यूटेशनल डिजाइन और खंड7, अंक 2, पृष्ठ 251-267, 2020 के जर्नल। इंजीनियरिंग।
- एक बायोकैक्टिव निमोफ्लुइड में नॉनलाइनियर थर्मल स्टैग्नेंस पॉइंट फ्लो के ब्राउनियन गति के लिए गणितीय विश्लेषणकांता मंडल, डीटीएमऔर आरकेएफका उपयोग कर कम्प्यूटेशनल जर्नल।दुलाल पाल, सूर्या डिजाइन और पेज 294-307, 2020 इंजीनियरिंग। खंड 7, अंक 3.
- पतित प्लाज़्मा मेंध्रुवीकृत म्यान शीथ, एम कम्युन।थ्योरी फिजिक्स 71 शाहमांसूरींद। पी। मिश्रा, (2019) 1341-1345.
- युग्मनजैविक सीओ 2 लेजर के नेटवर्क में तुल्यकालन, अनिमेष रॉय, ए.पी. मिश्रा और संतो बनर्जी, भौतिकी एससीआर 95 (2020) 045225 (11pp)।
- सापेक्ष पतित प्लास्मा में वेक फील्ड और सैंड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सॉलिटॉन्स का उत्पत्ति, सिमा रॉय, देबजानी चटर्जी और ए. पी. मिश्रा,भौतिकी। स्क्रिप्ट95 (2020) 015603 (7pp)।
- भविष्यवाणी के लिए क्रॉले-मार्टिन प्रतिक्रिया के साथ एक शिकारी-शिकार मॉडल।निजामुद्दीन अली, कृष्णेंदु सरकार और लक्ष्मी नारायण गुइन; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजिकल अर्थ शास्त्र और सांख्यिकी (जेईईएस), खंड 40, सं2. पीपी 38-48, 2019.
- शिकार के लिए कियूविकास सहितअनुपात पर निर्भर जानवर- शिकार मॉडल, निजामुद्दीन अली, कृष्णेंदु सरकर और लक्ष्मी नारायण गुइन; पारिस्थितिक अर्थशास्त्र और सांख्यिकी अंतर्राष्ट्रीय जर्नल(1JEES), खंड 40, नंबर 3, पीपी 50-58, 2019.
- गणितीय मॉडल के माध्यम से एथेरोस्क्लोरोटिक पट्टिका का गतिशील उत्तर, देबस्मिता मुखर्जी, लक्ष्मी नारायण गुइन और संताब्रत चक्रवर्ती, बायोफिज़िकल समीक्षा एंड पत्रों (बीआरएल), कंड 14, सं 04, पीपी 217 (26 पृष्ठ), 2019, डीओआई: 10.1142 / S1793048019500036.

- हल्के एथेरोस्क्लेरोसिस पर एक प्रतिक्रिया-प्रसार गणितीय मॉडल, देबस्मिता मुखर्जी, लक्ष्मी नारायण गुइन और संताब्रत चक्रवर्ती, मॉडलिंग अर्थ सिस्टमऔर पर्यावरण (एमईएसई), खंड05, पीपी1853-1865, 16 सितंबर, 2019, डीओआई 10.1007/ s40808-019-00643-6.
- प्रारंभिक एथेरोस्क्लेरोसिस के एक गणितीय मॉडल का गतिशील व्यवहार, देबस्मिता मुखर्जी, लक्ष्मी नारायण गुइन और संताब्रत चक्रवर्ती, मॉडलिंग, सिमुलेशन और वैज्ञानिक कम्प्यूटिंग का अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, खंड 11, सं 01, 2020, पीपी 2050006 (23 पृष्ठ), डीओआई: 10.1142 / S1793962320500063.
- एथेरोस्क्लोरोटिक पट्टिका गठन के गणितीय मॉडलिंग की स्थिरता विश्लेषण।देबस्मिता मुखर्जी, लक्ष्मी नारायण गुइन और संताब्रत चक्रवर्ती: एप्लाइड नॉनलाइनियर डायनामिक्स जर्नल (JAND) खंड 9,सं 3, पीपी। 361-389, 2020,DOI: 10.5890 / JAND.2020.09.003.
- स्पर्शोन्मुख वाहक और इष्टतम के साथ पाइन विल्ट रोग की गतिशीलता की मॉडलिंग नियंत्रण, एम.ए. खान, एलअहमद, पी.के. मंडल,मैनुल हकवैज्ञानिक रिपोर्ट, 10, 11412 (2020) ।https://doi.org/10.1038/s41598-020रॉबर्टस्मिथऔर 171 67090-7.
- अर्ध-एम्बेडेड कोटिंग से स्टेंट-आधारित डिलीवरी का कम्प्यूटेशनल मॉडल, सरीफुद्दीन एस। दो-स्तरितऔरबायोमेडिकलरॉय, और पी.के. मंडल,बायोमैकेनिक्स इंजीनियरिंग में घटक विधियाँ (2020) https://doi.org/10.1080/10255842.2020.1767775.
- प्रोसंजीत दास -कसन तरल पदार्थ में विलेय फैलाव एक बदबूदार धमनी के माध्यम से बहता है, अवशोषणशील मार्ग, सरीफुद्दीन और पी.के. मंडल,एप्लाइड गणित और भौतिकी जर्नल (जेडएएमपी) 71, 100 (2020), https://doi.org/10.1007/s00033-020-01322-8.
- रक्त प्रवाह और बड़े पैमाने पर परिवहन स्टेनोज का संख्यात्मक समाधान, डी एक लोचदार ट्यूब में कई अलसीमेरी रीमा के साथ, सरीफुद्दीन, पी.के. मंडल,एम। सईद हमींद अमीन नूरसराहैदा, बायोमेडिकल रिसर्च इंटरनेशनल (2020), डोई: 10.1155 / 2020 / 7609562.
- पल्सटैबिलिटी का प्रभाव और वेसेल में रक्त प्रवाह और द्रव्यमान परिवहन के पावर लॉ मॉडल पर डबल स्टेनोजडी. एल्समेरी रीमा, सरीफुद्दीन, पी.के. मंडल, एम. सईद हमीदDOI:औरअमीननोरसराहैदा, जेपी जर्नल ऑफ़ हीट एंड मास ट्रांसफर 19 (1): 97-128 (2020) 1017654 / HM019010097.
- शिकार में डर और एक लेस्ली-गोवर मॉडल में शिकारियों के बीच शिकार सहयोगसाहेब पाल, निखिल पाल, सुदीप सामंत जॉयदेव चट्टोपाध्याय, गणितीय जैवविज्ञान एवं अभियांत्रिकी, 16 (5): 5146-5179 (2019)।
- भय प्रेरित ट्रॉफिक कैसकेड के साथ एक तीन प्रजातियों की खाद्य श्रृंखला मॉडलपीयूषपांडे, निखिल पाल, सुदीप सामंत, जॉयदेव चट्टोपाध्याय।एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल गणित के जर्नल, 5: 100

(2019)।

- जानवर-शिकार में शिकार सहयोग और भय का प्रभाव, साहेब पाल, निखिलपाल, सुदीप सामंत, जॉयदेव चट्टोपाध्याय, पारिस्थितिक जटिलता, 39: 100770 (2019)।
- भय के साथ एक जानवर-शिकार मॉडल में कई स्थिरता स्विच और अराजकता को प्रेरित किया प्रभाव, पीयूष पांडे, सुदीप सामंत, निखिल पाल, जॉयदेव चट्टोपाध्याय।गणितऔरसिमुलेशनमेंकंप्यूटर, 172: 134-158 (2020)।
- बेडिंगटन-डीएंगेलिस कार्यात्मक के साथ एक जानवर-शिकार मॉडल में भय की भूमिका, साहेब पाल, सुब्रत माझी, सुतापा मंडल, निखिल पाल, प्रतिक्रिया, पत्रिकानेचुरफोर्शंग ए, 74 (7): 581 (2019)।
- गैर-मोनोटोनिक कार्यात्मक प्रतिक्रिया और मजबूत एवेन्यू के साथ एक असतत-समय मॉडल शिकार में प्रभाव।ज़ियाद अल शरवी, साहेब पाल, निखिल पाल, जॉयदेव चट्टोपाध्याय, अंतर समीकरणों और अनुप्रयोगों के जर्नल, 26 (3): 404-431 (2020)।
- क्रूसिफ़ॉर्म दरार की समस्या में उत्पन्न अभिन्न समीकरण का संख्यात्मक समाधान Daubechiesपैमाने समारोह का उपयोग, जे. मौली, एम.एम. पांजा और बी.एन. मंडल।गणितीय विज्ञान, 14, 21-27, 2020
- अनंत में 1 डी क्रमिक वृत्तों में सिकुड़नेवाला समस्याओं के लिए तरंग-आधारित संख्यात्मक तकनीकडोमेनदेवव्रत सिंह, एम. एम. पांजा, मैथ मैथ एपल साइंस। 1-18, 2020.
- एक समग्र कार्य के संबंध में समग्र कार्य के सापेक्ष आदेश पर, दिब्येंदु बनर्जी और मिथुन अधिकारी, गणित अंतर्राष्ट्रीय गणितीय प्रवृत्ति एवं प्रौद्योगिकीजर्नल65 (7) (2019), 338-351.
- कई परिवर्तनशील के संपूर्ण कार्यों केगोलडबर्ग के सापेक्ष आदेश पर एक टिप्पणी (p.q), "दिब्येंदु बनर्जी, गणितीय समिति 34 (1) (2019), 25-37 और सिमुलसरकार, "इलाहाबाद विज्ञप्ति।
- कई डिरिचलेट श्रृंखला द्वारा प्रस्तुत गोलडबर्ग आदेश (p.q) और (p.q) -गोलडबर्ग प्रकार केकई जटिल परिनर्तनशील मेंएक पूरा कार्य, दिब्येंदु बनर्जीऔरसिमुलसरकार,"गणित और गणितीय विज्ञान के दक्षिण पूर्व एशियाई जे.15 (1) (2019), 15-24.
- श्रेणी-I के कार्यों के सामान्यीकृत किए गए बिंदुओं के अस्तित्व पर, दिब्येंदु बनर्जी और सुमंत घोष, गणित और गणित के दक्षिण पूर्व एशियाई जेविज्ञान, 15 (2) (2019), 43-58".
- श्रेणी-I के कार्यों के सापेक्ष फिक्स बिंदुओं पर, दिब्येंदु बनर्जी और सुमंत घोष, गणित के रुझान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 65 (11) (2019)। 103-114.
- तीन संपूर्ण कार्यों की संरचना पर कुछ परिणाम, दिब्येंदु बनर्जी औरमिथुनपालन,"गणित और गणितीय विज्ञान के दक्षिण पूर्व एशियाई जे"15 (3) (2019), 23-40.
- श्रेणी-II के कार्यों के k- सापेक्ष निर्धारण बिंदु, दिब्येंदु बनर्जी और सुमंत घोषएशियन जर्नल ऑफ

मैथमेटिक्स एंड एप्लिकेशन। (2020), 9 पृष्ठ।

- एन-पुनरावृत संपूर्ण कार्यों के विकसित गुणों पर एक अध्ययन, दिब्येंदु बनर्जी और सिमुल सरकार, एशियन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स एंड एप्लिकेशन, 2020 (2020), 13 पृष्ठ।
- K- पुनरावृत्त संपूर्ण कार्यों की वृद्धि पर अध्ययन, दिब्येंदु बनर्जी और सुमंत घोष, गणित और गणित के दक्षिण पूर्व एशियाई जर्नलविज्ञान, 16 (1) (2020), 189-206.
- [पी.क्यू]वें संपूर्ण डिरिक्लेट श्रृंखला के सापेक्ष एल-रिट क्रम,दिब्येंदु बनर्जी औरसिमुलसरकार,गणित और सांख्यिकी अनुसंधान पत्रिका, खंड2 (1) (2020), 1-5.
- समग्र संपूर्ण और मर्माकारक कार्यों के विकास पर आगे के परिणाम, दिब्येंदु बैनर्जी और मिथुन अधिकारी, गनिता, खंड 70 (1) (2020), 85-94.
- पूरी तरह से नियमित और क्लिफोर्ड ने अर्धवृत्त का आदेश दिया।ए के भुनिया, और के हंसदा, एएफआऱ, एमएटी, (2020), https://doi.org/10.1007/s13370-020-00778-1.
- उलटा अर्धवृत्त, एम. के. सेन, ए. के. भुइयां और एस के माइती,गणित के एशियाई यूरोपीय जर्नल, (2020) 2150022, DOI: 10.1142 / S1793557121500224.
- पूरी तरह से नियमित और क्लिफोर्ड ने अर्धवृत्त का आदेश दिया, ए.के. भूइयां और के.हांसदा, अफ्रिकामटेटिका, (2020), 1-17.
- लास्कीरियन ले-मॉड्यूल्स में प्राथमिक विघटन की विशिष्टता, ए.के. भुनिया औरएमकुंभकार, एक्टामेथमेटिशियाहंगारीका 158 (1) (2019), 202-215.
- इंस्को, जॉनसन और सुल्लिवनद्वारा दिए गए निर्धारकों के आदेशित विभाजन के विस्तार का एक प्रमाणिक प्रमाण। एस.के. मुखर्जी और ए.के. भूइयां, इंटेगर 19 (2019) ए 17.
- एक परिमित आयामी वेक्टर अंतरिक्ष के रैखिक निर्भरता ग्राफ के स्पेक्ट्रम पर। एस माइतीऔर ए.के. भुइयां, इजेजीटीए7 (1) 2019), 43-59.
- एन-मेट्रिजेबिलिटी और 2-मानदंडों वाले स्थानों की विश्वसनीयता, अनिर्बान कुंडू, टी। बाग, एस.के. नजमुल, गणितीय विज्ञान, खंड। 13 (2019), 69-77.
- हाह्न-बनाशविस्तार सामान्यीकृत फ़ज़ी नॉर्म्ड स्पेस में थिओरेमका विस्तार करता है। एस. चटर्जी, टी. बाग,फजी गणित पत्रिका, खंड27 (4) (2019), 775-804.
- फजी कोन में कुछ निश्चित बिंदु परिणाम रैखिक स्थान को प्रभावित करते हैं, पी. तमांग, टी. बाग।मिस्र के गणितीय विज्ञान की पत्रिका। खंड (27:46) (2019), 1-14.
- फजी शंकु मीट्रिक रिक्त स्थान में पूर्णता और कॉम्पैक्टनेस, ए मजुमदार, टी बाग।एनल्स ऑफ़ फ़ज़ी मैथमेटिक्स एंड इंफॉर्मेटिक्स, वॉल्यूम। 18 (3) (2019), 297-308.

- तीन-सॉलिटॉन इंटरेक्शन और सुपरिट्रल डस्टी प्लास्मास में सोलिटन टर्बुलेंस। आर. अली और पीपी चटर्जी, जेड नटफॉर्स्चुंग 74, 9 (757)।
- डस्ट आयन के प्रभाव डस्ट लोन ध्वनिक एकान्त तरंगों पर टकराव, डैम्प्ड कोर्तवेग-डे व्रज-बर्गर समीकरण के ढांचे में, गैर व्यापक प्लाज्माओंके लिए एनपॉल, के.के. मंडलऔरपीचटर्जी, जेड नटफॉर्स्चुंगए 74, 10 (861)।
- क्यू-नेक्सटेंसिव प्लैसमास में घिसे हुए मजबूर संशोधित कॉर्टेवेग-डे व्रस समीकरण के लिए धूल आयन ध्वनिक तरंगों के एकान्त तरंग समाधान, एल. मंडी, के.के. मंडल, और पी. चटर्जी,विश्लेषणात्मक यूरोपीय भौतिक जर्नल विशेष विषय 228, 12 (2753)।
- लोम-ध्वनिक एकात्मक तरंगों के लिए संपीड़ित बल ज़खरोवकुज़नेटसोवके समीकरण का प्रसार एक सापेक्षतावादी घूर्णन चुम्बकीय इलेक्ट्रॉन-पोजीट्रान-लोन प्लाज्मा में होता है। के.के. मंडल, ए। रॉय, पी. चटर्जी और एस. राउत, इं. जे.आवेदन कंप्यूटर गणित 6, 55 (2020)।
- अधिशेष इलेक्ट्रॉनों की उपस्थिति में डस्ट-लोन-ध्वनिक लहर पर नम संशोधित-केडीवी समीकरण के समाधान का विश्लेषण, ए. पॉल, जी. मंडल, एम. आर.अमीन और पी. चटर्जी,प्लाज़्मा भौतिकी रिपोर्ट 46, 83 (2020)।
- सुपरथ्रानल इलेक्ट्रॉनों की उपस्थिति में धूल आयनों की लहर के लिए क्षीणन के साथ संशोधित केडीवी समीकरण के समाधान का विश्लेषण, ए, पॉल, जी. मंडल, एम, आर. अमीन और पी. चटर्जी,प्लाज्मा भौतिकी प्रतिवेदन46, 90 (2020)।

पुस्तक के अध्याय:

- वह स्पेशिओटेम्पोरलपैटर्न गठन पर असमान प्रसार गुणांक के प्रभावकटाईकीप्रतिक्रिया-प्रसारप्रणाली, लक्ष्मी नारायण गुइन; मार्च, 2020।गणितीय विश्लेषण और मॉडलिंग में आवेदन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आइसीएमएएम2018), पीपी-279-292, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स, आईएसबीएन: 9789811504211: अध्याय DOI-10.1007 / 978-981-15-0422-8_24.
- एथेरोस्क्लोरोटिक पट्टिका गठन पर अध्ययन: एक गणितीय दृष्टिकोण, मार्च 2020, गणितीय विश्लेषण और आवेदन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनमॉडलिंग (आइसीएमएएम2018), देबस्मिता मुखर्जी, लक्ष्मी नारायण गुइन, तथा पीपी 307-318, स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स, आईएसबीएन: 9789811504211; अध्याय DOI। 10.1007 / 978-981-15-0422-8_26.
- जी-फजी नॉर्मल लीनियर स्पेस में कुछ निश्चित बिंदु प्रमेय, एस, चटर्जी, टी. बाग, एस.के. सामंत,आइसीआइटीएम 2019, SCI 863 (2020), 87-101.

भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास से संबंधित विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत अध्यक्ष द्वारा दिया जाना है।

शिक्षा-भवन के तहतगणित विभाग सबसे पुराना विभाग है (विज्ञान संस्थान)।इसे 1961 में बी की शुरुआत के साथ स्थापित किया गया था।गणित (प्रावीण्य) मेंए/बी/एससी।इसके बाद 1963 मेंदो-वर्षीय एम।नियमित पीएचडी कार्यक्रम के साथगणित में ए/एमएससीपाठ्यक्रमशुरू किया गया था।वर्तमान में, संकाय सदस्य अनुसंधान के निम्नलिखित क्षेत्रों में लगे हुए हैं (सीमित नहीं):i)वास्तविक विश्लेषण , ii)जटिल विश्लेषण, iii)कार्यात्मक विश्लेषण, iv)फजी टोपोलॉजी, v)फजी कार्यात्मक विश्लेषण, vi) अमूर्त बीजगणित,vii) द्रव गणित,viii)अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी, ix)वायुमंडलीय विज्ञान, x) जैव यांत्रिकी,xi) प्लाज्मा भौतिकी,xii) गैर रेखीय गतिशीलता,xiii)कैओस आधारित क्रिप्टोग्राफी और नेटवर्किंग, xiv) समरूपता पेनलेव और अंतर समीकरणों का विश्लेषण,xv)कृत्रिम होशियारी, xvi) क्वांटम स्कैटरिंग थ्योरी,xvii) तरंग आधारित संख्यात्मक विश्लेषण,xviii) नॉनलाइनियर डिफरेंशियल इक्वेशन, xix) गणितीय औषध विज्ञान,xx)गणितीय जीवविज्ञान।

संख्या के रूप में शोध के क्षेत्रों में साक्ष्य संकाय सदस्यों के योगदान की मान्यता मेंतथाराष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशनों की उत्कृष्ट गुणवत्ता,विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (वि,अ.आ) ने गणित विभाग को अपने विशेष सहायता कार्यक्रम (वि.स.का) के तहत लाया है -डीआरएस (चरण - III)।

1961 में अपनी स्थापना के बाद से, विभाग में तीन हजार से अधिक पूर्व छात्र हैं।वे विभाग के विकास और विकास में एक महत्वपूर्ण पणधारी हैं।हम उन सभी छात्रों के साथ आजीवन भागीदारी शुरु करने की योजना बना रहे हैं जो अपनी स्नातक होने के बाद भी विश्वभारती समुदाय का हिस्सा बने रहेंगे।दूसरी ओर, विभाग अपने विभाग में पूर्व छात्रों का स्वागत करता है, छात्रों और संकाय के साथ बातचीत और विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों में संभावित भागीदारी स्वागत करता है।

प्राणि विज्ञान विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/एनईटी/एसएलईटी तथा जीएटीई परीक्षाओं में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों के नाम-

एनईटी उत्तीर्णः 19

1) अभिजीत सिंह

2) अजय कुमार मोहराना

3) अर्णब साहू

4) अनन्या चटर्जी

5) चंद्रानी मंडल

6) देवीश्री गांगुली

7) नंदिनी गराई

8) ओइंद्रिला मुखर्जी

9) प्रीतम दास

10) रिंटू मंडल

11) सजल दे

12) सौगत दास

13) सृजाता कामिला

14) सुभदीप घोष

15) कौशिक कुमार दे

16) नंदिता दास

17) पौलोमी दास

18) सौरदीप दत्त

19) सुमिता सरकार

एसएलईटी उत्तीर्ण: 05

1) अर्णब साहू

2) मु. सहीउद्दीन

3) पलाश मुखपाध्याय

4) स्वाती घोष

5) तमाल दास

जीएटीईउत्तीर्ण: 07

1) अर्णब साहू

2) बिखराई नरज़री

3) ओइंद्रिला मुखर्जी

4) पलाश मुखपाध्याय

5) प्रीतम दास

6) सजल दे

7) सौम्यदीप दास

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, दिए गए व्याख्यान का शीर्षक, दिनांक)

1. वक्ता: प्रोफेसर जोस मैनुअलपिनो मोरेनो
   प्राणी विज्ञान विभाग,जीवविज्ञानसंस्था, राष्ट्रीय स्वायत्त
   मेक्सिको विश्वविद्यालय
   संगोष्ठि शीर्षकः 'मेक्सिको में भोजन और दवा के रुप में कीड़े'
   दिनांक: 15.07.2019
2. वक्ताः प्रोफेसर निलांजना चटर्जी,
   सौओपीएसएस पुरस्कार विजेता तथाजॉन्स हॉपकिन्स में ब्लूमबर्ग प्रतिष्ठित प्रोफेसर
   संगोष्ठि शीर्षकः जोखिम भविष्यवाणी के लिए बड़े पैमाने पर आनुवंशिक डेटासेट का
   लाभ उठाना तथा आकस्मिक अनुमान
   दिनांक: 24.08.2019
3. वक्ताः डॉ मृणाल कांति बसु
   संगोष्ठि शीर्षकः स्थायीऔर पर्यावरण अनुकूल कृषि हेतुएक उपकरण के रूप में जैविक खेती का परिचय
   दिनांकः05.03.2020

राष्ट्रीयः02

संगोष्ठि शीर्षकः प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा21वीं सदी में विज्ञान की उन्नति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी,

जूलॉजिकल सोसायटी के सहयोग से बांग्लादेश-भवन, विश्वभारती, कोलकाता में दिनांक: 28.02.2020 से 29.02.2020 तक आयोजित की जाएगी।

28 तथा 29 फरवरी के दौरान प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा 21वीं सदी में विज्ञान की उन्नति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, जूलॉजिकल सोसायटी के सहयोग से बांग्लादेश-भवन, विश्वभारती, कोलकाता मेंआयोजित की जाएगी।संगोष्ठी में 13 वैज्ञानिक सत्रऔर मुख्यभाषण शामिल थेपोस्टर प्रस्तुतियों के लिए 2 सत्रतथायुवा वैज्ञानिक पुरस्कार के मौखिक प्रस्तुति हेतु 2 सत्र,मुख्य विषयों के आधार पर समानांतर सत्र आयोजित किए गए,

- प्रायोगिकपारिस्थितिकी, पारिस्थितिक मॉडलिंगऔरईकोटॉक्सीकोलॉजी;
- मछली जीवविज्ञान, मछली पोषण औरएक्वाकल्चर;
- परजीवी रोग और समुदायपरस्पर क्रिया;
- कोशाणुसंकेतन, आनुवंशिकी, आणविक जीवविज्ञान औरजैवप्रौद्योगिकी;
- कीट जीवविज्ञान और प्रयुक्त कीट विज्ञान

संगोष्ठी ने जैविक विज्ञान में हाल के रुझानों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दियाऔरनवीनतम अनुसंधान रास्ते और तकनीकों के बारे मेंयुवा शोधकर्ताओं के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान किया गया।तीन पदक पुरस्कार दिए गए, पहला सर्वश्रेष्ठ पोस्टर हेतु, दूसरा पी.एच.डी विद्वानों की सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति हेतुऔर तीसरापोस्ट-डॉक्टरल फैलो या युवा संकाय की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए।

प्राणि विज्ञान विभाग के संकाय द्वारा भागीदारी और प्रस्तुतियाँ:

- प्रोफेसर अंशुमान चट्टोपाध्याय संयोजक के रूप में कार्य किया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- प्रोफेसर समर कुमार साहा संयुक्त संयोजक के रूप में कार्य किया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- प्रोफेसर दीपक कुमार मंडलकोषाध्यक्ष के रूप में कार्य किया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- प्रोफेसर लरिशा एम. लिंडेम आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया और एक पोस्टर सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ सूर्य कुमार साइकिया एक सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ राकेश कुंडुएक आमंत्रित व्याख्यान दिया जिसका ‘‘फुतुइन-ए मध्यस्थअग्नाशयबीटा-सेलशिथिलताऔरसूजनकीचोट’’ है।
- डॉ सुतपा मुखर्जी ‘‘जैतून के तेल आधारित आहार द्वारा मोटे चूहों में प्रजनन कार्य’’ शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अनुसंधान विद्वानकी भागीदारी

- सुश्री अर्पण डे भौमिक द्वारा ''लगातार संपर्कफ्लोराइडअल्टर्स के पर्यावरणीय रूप से प्रासंगिक एकाग्रता डीएनएरिपेयरजीनओजीजी1औरचूहों में एपिजेनेटिक संशोधन द्वारा Rad51 अभिव्यक्ति'' पर मौखिक प्रस्तुति।
- सुश्री शिरशा मंडल द्वारा ''आहार मेंडायथाइल फ़ेथलेट का बहुकालीन क्रियान्वयन पुरुष चूहों में प्रजनन हानि उत्पन्न करता है'' पर मौखिक प्रस्तुति।
- सुश्री सुदेशना मंडल द्वारा ''हाइमेनोलेपिस डिमिनुटास्विसएल्बिनो चूहे की छोटी आंत में हाइमेनोलेपिस डिमिनुटा लैक्टिक एसिड किण्वित बैक्टीरिया उपनिवेशण को बदल देता है'' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति।
- सुश्री उर्मी मुखर्जी द्वारा ''लेबियो बाटा मेंकम खुराक क्रोनिक बिस्फेनॉल A (BPA) यकृती ज्वलनशील प्रतिक्रिया को बढ़ावा देता है, स्टीटोसिस, बदला हुआ एसआईआरटीआई अभिव्यक्ति में इंसुलिन प्रतिरोध'' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति।
- श्री सौम्यज्योति घोष द्वारा ''अंतःस्रावी व्यवधान और ज़ेब्राफिश केअंडाशय में बिगड़े हुए प्रजनन फिटनेस: ज्वालाग्राहीऔर अपोप्टोटिक मध्यस्थों की भागीदारी'' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति।
- श्री परितोष मंडल द्वारा ''ज़ीब्राफीश केमस्तिष्क में ऑक्सीडेटिव तनाव परआर्सेनिक और फ्लोराइडके सह-प्रदर्शन का प्रभाव, एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम और डीएनए में क्षति'' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति।

केवल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनीआदिशिक्षकों / अनुसंधान विद्वानों द्वारा किया गयाचेयरिंग / मूल्यांकन / प्रस्तुति का विवरण

प्रोफेसर शांति प्रसाद सिंहा बाबू

पीएचडी विद्वानों द्वारा प्रस्तुतीकरण

मिखिलेश जोआरदारः

- 26.09.2019 से 28.09.2019अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हकदार ''30'' का राष्ट्रीय परजीवीविज्ञान कांग्रेस में युवा वैज्ञानिक मौखिक प्रस्तुति की और मलेरिया उन्मूलन (एनसीपी-जीएसएमई 2019) पर 179 वैश्विक सम्मेलनविशेष आणविकचिकित्साकेंद्र और द इंडियन सोसाइटी फॉर पारसिटोलॉजी (ISP) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारतद्वारा आयोजित। प्रस्तुति का शीर्षक- ''सेटेरिया सरवी से इम्यूनोलोकलाइज़ेशन और प्रतिक्रिया निर्देशित निष्कर्षण सतह कार्य प्रणाली थिओरेडॉक्सिनरिडक्टेस का अनुकूलन।

प्रोफ़सर शांतनु रॉय

- दिनांक 19.11.2019 से 21.11.2019 तक आमंत्रित भारतीय सांख्यिकी संस्थानकोलकाता द्वारा

आयोजितअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''7 वीं भारत जैव विविधता मिलन, 2019'' शीर्षक से व्याख्यान दिया। प्रस्तुतिकरण का शीर्षक ''जैव विविधता, स्थिरता और पारिस्थितिकी तंत्रकार्यकरण''।

- दिनांक 27.11.2019 से 28.11.2019 तक आमंत्रित विकासवादी और एकीकृत जीव विज्ञान केंद्र, केरल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शीर्षक ''आईबीटीपी 2019, एकीकृत जीवविज्ञान और थायराइड फिजियोलॉजी पर सम्मेलन'' से व्याख्यान दिया। प्रस्तुतिकरण का शीर्षक ''सिस्टम के परिप्रेक्ष्य से एकीकृत जीवविज्ञान पारिस्थितिकीय है''।
- दिनांक 01.10.2019 से 05.10.2019 तकआमंत्रितऑस्ट्रिया के साल्जबर्ग कांग्रेस केंद्र द्वारा आयोजितअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पारिस्थितिक मॉडलिंग वैश्विक सम्मेलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय समाज 2019'' शीर्षक से व्याख्यान दिया।प्रस्तुतिकरण का शीर्षक ''स्वयं आयोजन मानचित्रों का उपयोग करकेज़ोप्लांकटन समुदाय पैटर्न के प्रतिरुप का भविष्यवाणी करना।

प्रोफेसर आंशुमान चट्टोपाध्याय

पीएचडी विद्वानों द्वारा प्रस्तुतीकरण

पल्लव सावः

- दिनांक 12.2019 से 04.12.2019 तक संयुक्त रुप सेसीएसआईआर-भारतीय रासायनिक जीव विज्ञान संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित और अर्चना शर्मा कलकत्ता की नींव आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''वायु प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव'' ''19'' अखिल भारतीय कांग्रेस अनु वांशिकी और जीनोमिक्स और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक से व्याख्यान दिया। प्रस्तुतिकरण का शीर्षक जेब्राफिश मेंक्रोमियम उत्प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी तथा न्यूरोटॉक्सिसिटी; Nrf2- मार्ग का शामिल होना।

प्रोफेसक दीपक कुमार मंडल

- 17.07.2019को आमंत्रित अछूराम मेमोरियल कॉलेज झालदा, पुरुलिया द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''भोजन, चारा और दवा के रूप में कीट पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी'' शीर्षक से व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर लरिशा एम. लिंडेम

- दिनांक 09.2019 से 28.09.2019 तक आमंत्रित आणविक दवा के लिए विशेष केंद्र और भारतीय समाज परजीवीविज्ञान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 30वें परजीवीविज्ञान राष्ट्रीय कांग्रेस ओर मलेरिया उन्मूलन पर वैश्विक सम्मेलन (एनसीपी-जीएसएमई 2019)'' शीर्षक से व्याख्यान दिया।प्र स्तुतिकरण का शीर्षक ''पश्चिम बंगाल के चार औषधीय पौधेकी एंटेलमिंटिक प्रभावकारिता''।

पीएचडी विद्वानों द्वारा प्रस्तुतीकरण

बिदिशा उकिल

- दिनांक 09.2019 से 28.09.2019 तक आमंत्रित आणविक दवा के लिए विशेष केंद्र और भारतीय समाज परजीवीविज्ञान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मलेरिया उन्मूलन पर परजीवीविज्ञान और वैश्विक सम्मेलन के 30वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' (एनसीपी-जीएसएमई2019) शीर्षक से पाठ प्रस्तुत किया। प्रस्तुतिकरण का शीर्षक ''हायमेनोलेपिस डिमिनुटा के माइटोकॉन्ड्रियल एंटीऑक्सिडेंट पर सेना के प्रभाव''।

सुदेश्ना मंडल

- दिनांक 09.2019 से 28.09.2019 तक आमंत्रित आणविक दवा के लिए विशेष केंद्र और भारतीय समाज परजीवीविज्ञान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मलेरिया उन्मूलन पर परजीवीविज्ञान और वैश्विक सम्मेलन के 30वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' (एनसीपी-जीएसएमई 2019) शीर्षक से पाठ प्रस्तुत किया। प्रस्तुतिकरण का शीर्षक ''प्रोबायोटिक्स: हेलमिंथ संक्रमण हेतु एक लक्ष्य''।

डॉ सुदीप्त मैत्र

पीएचडी विद्वानों द्वाराभाग लिया गया कार्यशाला

शुभश्री विश्वास

- दिनांक 11.2019 से 30.11.2019 तक मीठे पानी जलीय कृषि संस्थानआईसीएआर भुवनेश्वर, उड़ीसा, भारत द्वारा आयोजितराष्ट्रीय कार्यशाला में ''पुट अनुक्रम डेटा विश्लेषण के माध्यम से व्यावहारिक व क्रियाशील उच्चपरप्रशिक्षण'' शीर्षक से राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ सूर्यकुमारसाइकिया

- दिनांक 9.12.2019 से 15.12.2019तक इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, भुवनेश्वर में ''माइक्रोस्कोपी (कंफोकल) और उच्च सामग्री स्क्रीनिंग प्रशिक्षण पर हाथ'' शीर्षक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 29.01.2020 से 30.01.2020 तक बैंगलोर में ''छवि विश्लेषण-एक बुनियादी पाठ्यक्रम'' में भाग लिया।
- दिनांक 29.10.2019 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पारिस्थितिक गहनता: स्थायी जलीय कृषि के लिए एक नया प्रतिमान'' शीर्षक से एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ राकेश कुंडु

पीएचडी विद्वानों द्वारा प्रस्तुतीकरण

आल्पना मुख्रुटीः

- दिनांक 16.09.2019 से 20.09.2019 तकबार्सिलोना, स्पेन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "55वीं मधुमेहकेअध्ययनकेलिएयूरोपीय संघ की वार्षिक बैठक (ईएएसडी)" शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ सुतपा मुख्रर्जी

- दिनांक 02.12.2019 से 04.12.2019तक आमंत्रित भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान सीएसआईआर, कोलकाता और अर्चना कलकत्ता का शर्मा फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रुप में अनुवांशिकी और जीनोमिक्स और अंतर्राष्ट्रीय के 19वें अखिल भारतीय कांग्रेस ''वायुप्रदूषण और मानव स्वास्थ्य परइसकेप्रभाव'' शीर्षक से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुतिकरण का शीर्षक ''लंबे समय तक फ़ेथलेट संसर्ग चूहों में इंसुलिन प्रतिरोध को प्रेरित करता है''।
- दिनांक 14.09.2019 से 23.09.2019 तकए.के. दासगुप्ता योजना और विकास केंद्र विश्वभारती, शांतिनिकेतन, भारत द्वारा आयोजित ''अनुसंधान और विकास में 'आर' का अनुप्रयोग'' शीर्षक से राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 04.11.2019 से 08.11.2019 तकआईसीएआर-केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफआरआई), बैरकपुर, कोलकाता, भारत द्वारा आयोजितराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''मत्स्यपालन जीवविज्ञान में नए दृष्टिकोण और बदलते दृष्टिकोण'' शीर्षक सेभाग लिया।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएं

- शिक्षक का नाम-सुदीप्त मैत्र (PI); सूर्य कुमार सैकिया (सीओ-पीआई) तेजपुर विश्वविद्यालय, असम के साथ सहयोग।

  परियोजना का नाम-ज़ेबराफिश में वृद्धि और प्रजननतंत्र को खत्म करनातथा तनाव प्रेरित बिगड़ा हुआ ऊर्जा होमोस्टैसिस मेंओसिमम और ल्यूकस केसुधार क्षमता का मूल्यांकन करना

  प्रायोजक कर्ता एजेंसियां-राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष, भारतीय परिषदकृषि अनुसंधान (ICAR), भारत सरकार (NASF / ABA-6018 / 2016-17)

  स्वीकृत राशि-विश्वभारती घटक: रुपए 1,32,73,820 /-

- शिक्षक का नाम-सुदीप्त मैत्र (PI); अंसुमन चट्टोपाध्याय (को-पीआई), सुतापा मुख्रर्जी(सह-पीआई) केंद्रीय मीठे पानी एक्वाकल्चर के सहयोग से (ICAR-CIFA), भुवनेश्वर और केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान(ICARCIFRI), बैरकपुर, पश्चिम बंगाल

  परियोजना का नाम-'मछली प्रजनन में अंतःस्रावी व्यवधान का आकलन'।

प्रायोजककर्ता एजेंसियां-जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) भारत सरकार(बीटी / PR 28560 / एएक्यू / 3/919/2018)

स्वीकृतराशि-विश्वभारती घटक: रुपए1,01,60,640/-

- शिक्षक का नाम-सूर्य कुमार सैकिया (पीआई)

  परियोजना का नाम-''यह जांचने के लिए कि क्या मांसपेशी माइटोकॉन्ड्रिया का विनियमन कार्य खेती योग्य मछली में वृद्धि के साथ जुड़ा हुआ है''।

  प्रायोजककर्ता एजेंसियां-जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT), नई दिल्ली

  स्वीकृतराशि- रुपये 47,30,600/-

- शिक्षक का नाम- सूर्य कुमार सैकिया (सीआई); समीर भट्टाचार्य (सीसी- पीआई)

  परियोजना का नाम- ''अद्धितीय जैव रासायनिक अनुकूली रणनीतियों को स्पष्ट करने के लिए जो दोवायु-श्वास कैट मछलियों (क्लारियस बैट्रैचस और हेटरोपनेस्टेस जीवाश्म) को अमोनिया से बने जहरीले कचरे में जीवित रहने देती है''।

  प्रायोजककर्ता एजेंसियां- राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान कोष, नई दिल्ली

  स्वीकृतराशि-रुपये59,08,050/-

- शिक्षक का नाम- सूर्य कुमार सैकिया (पीआई)

  परियोजना का नाम- 'यह समझाने के लिए कि क्या की मोएट्रैक्टेंट्स भारतीय प्रमुख कार्प में अपनी वृद्धि में तेजी लाने के लिए खिलाने को प्रोत्साहित करें या नहीं'।

  प्रायोजक कर्ता एजेंसियां- विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड(एसईआरबी), नई दिल्ली

  स्वीकृतराशि- रुपये32,07,120/-

- शिक्षक का नाम- राकेश कुंडु (पीआई)

  परियोजना का नाम- ''लिपोटॉक्सिसिटी प्रेरित बीटा-सेल शिथिलतामें भ्रूण-ए और अग्नाशयी आइलेट्स के ज्वलनशील चोट की भूमिका की जांच करना''।

  प्रायोजककर्ता एजेंसियां- विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार (संदर्भ सं. ईसीआर/2017/001028)

  स्वीकृत राशि-रुपये42,10,186/-

- शिक्षक का नाम- सुतपा मुखर्जी (पीआई)

  परियोजना का नाम- ''वृषण रोगाणु कोशिका को विनियमित करने वाले तंत्र को स्पष्ट करने के लिए उच्च वसा वाले आहार में मोटापा प्रेरित मोटापा इंसुलिन प्रतिरोध के लिए अग्रणी''।

प्रायोजककर्ता एजेंसियां- विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार(संदर्भ सं.ईसीआर/2017/002470)

स्वीकृतराशि- रुपये 39,32,439/-

विभाग द्वारा आयोजितऔर विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया गया विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ।

1 मार्च, 2020 को, हमारे विभाग ने 15 पुनर्मिलन का आयोजन किया। यह लगभग 300 प्रतिभागियों की उपस्थिति से चिह्नित। एक गाला कार्यक्रम था। भारत के सभी ओर से कई पूर्व छात्र आए। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया था जो विशिष्ट अतिथियों और पूर्व प्रोफेसरों के स्वागत के साथ सुबह से शुरू हुआ और पूरे दिन के दौरान जारी रहा।कार्यक्रमों में सस्वर पाठ, नृत्य, गीत और नाटक शामिल थे। शाम को छात्रों ने टैगोर के प्रसिद्ध नृत्य-नाटक चंडालिका का मंचन किया, जिसकी काफी प्रशंसा हुई। सभी ने कार्यक्रम का आनंद लिया। इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन किया गया। विभाग ने 10 मार्च, 2020 को सच्चे अर्थों में 'गांधी पुण्य' मनाया।

शिक्षकों / विद्धानों या विभाग द्वारा समग्र रुप से प्राप्त शैक्षणिक भेद(डी.एस.एया सी.ए.एसआदि के रुप में मान्यता की तरह)

प्रोफेसर संतनु रे पत्रिकाओं में संपादक हैं: -

- पत्रिका के सहयोगी संपादक-पारिस्थितिकप्रतिरुपणईएलएसईवीईआर, नीदरलैंड द्वारा प्रकाशित पारिस्थितिक प्रतिरुपण और सिस्टम पारिस्थितिकी पर एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका (जनवरी, 2009 से वर्तमान तक) (http://www.journals.elsevier.com/ecological-modelling/editorial-board)
- पत्रिका के सहयोगी संपादक-ऊर्जा पारिस्थितिकी और पर्यावरण-स्प्रींगर द्वारा प्रकाशित (नवंबर 2015 से वर्तमान) (http://www.springer.com/energy/journal/40974?detailsPage=editorial Board)
- अनुभाग पारिस्थितिकी तंत्र के अनुभाग संपादक तथापारिस्थितिकी 2 संस्करण के विश्वकोशकीपारिस्थितिकी प्रणाली -एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित

प्रोफेसर संतनु रे अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं-

- पारिस्थितिक सूचना विज्ञान –एल्सेवियर, नीदरलैंड्स द्वारा प्रकाशित (2011 से भारत का पहला और एकमात्र सदस्य (http://www.journals.clsevier.com/ecological-informatics/editorial-board/)
- नेटवर्क बायोलॉजी-पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान की अंतरराष्ट्रीय अकादमी द्वारा प्रकाशित (http://www.iaees.org/publications/journals/nb/editorial.asp)
- कम्प्यूटेशनल पारिस्थितिकी और सॉफ्टवेयर-पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय अकादमी द्वारा प्रकाशित (http://www.iaees.org/publications/iournals/ces/editorial.asp)

- पारिस्थितिकी तंत्र की पत्रिका-हिंद्वानी प्रकाशन, यूएसए (http://www.hindawi.com/journals /jes/editors/)
- आबादी और पर्यावरण की चीनी पत्रिका-टेलर तथा प्रंसिस http://www.tandfonline.com/tpre)

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय समिति के सदस्य:ए) सचिव, आसियाप्रशांतअध्याय, पारिस्थितिक मॉडलिंग का अंतर्राष्ट्रीय समाज (आईएसईएम), प्रधान कार्यालय, मैरीलैंड, यूएसए, 2012-जारी (www.isna.org.org)

गणितीय और कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान (एनएनएमसीबी) के राष्ट्रीय नेटवर्क के नोडल सदस्य

- डॉ. सुदीप्ता मित्र,प्राणी विज्ञान विभाग,विस्व-भारती,सह - आचार्य,भारतीयतुलनात्मकसमाज केमहासचिव के रूप मेंचुना गया है।
- डॉ. राकेश कुंडु,एंडोक्राइन सोसायटी (इएनडीओ), यूएसए (जनवरी 2019-दिसंबर 2019) का सदस्य है।
- डॉ. राकेश कुंडु,डीएसटी-एसइआरबीभारत सरकार कीपरियोजनाओं में से एक समीक्षक है। प्रोफेसर समर कुमार साहा की देखरेख में कार्यरत डॉ. एमडी शब्बीर को ''जीनोटॉक्सिसिटी मूल्यांकन और क्लोरपाइरीफोस कीटनाशक का बायोरेमेडिएशन'' शीर्षक से पीएचडी थीसिस हेतु सम्मानित किया गया।
- प्रोफेसर समर कुमार साहा की देखरेख में काम करने वाले डॉ. एमडी शब्बीर को ''जीनोटॉक्सिसिटी मूल्यांकन और क्लोरपाइरीफोस कीटनाशक के बायोरेमेडिएशन'' नामक पीएचडी थीसिस के लिए सम्मानित किया गया।
- डॉ. सुदीप्ता मैत्रा की देखरेख में काम कर रहेडॉ. पौलोमी नाथ को ''डिम्बग्रंथि समारोह में नाइट्रिक ऑक्साइड विनिय मीठे पानी के टेलोस्ट में प्लाज्मा सेक्सस्टेरॉयड के स्तर के संबंध में'' नामक पीएचडी थीसिस के लिए सम्मानित किया गया।
- डॉ. सुतापा मुखर्जी की देखरेख में काम करने वाली डॉ. गीतिता घोषको ''वृषण हानि और ऑक्सीडेटिव की स्थिति इंसुलिन प्रतिरोध के संबंध में वसाऊतक: जैतून का तेल आधारित के माध्यम से उपयोग आहार'' नामक पीएचडी थीसिस के लिए सम्मानित किया गया।
- डॉ. सुमोजीत पाल जिन्होंने डॉ. सुदीप्त मैत्रा के अनुसंधान पर्यवेक्षण में काम किया ने इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय पोस्ट डॉक्टरेट साथी के रूप मेंपिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, पिट्सबर्ग,पेंसिल्वेनिया -15261, यूएसएके चिकित्सा विभाग में शामिल हो गए हैं।
- सुश्री सुभासि बिस्वास जो डॉ। सुदीप्ता की देखरेख में काम कर रही हैं, को 28 फरवरी, 2020 को डीएसटी-इंसपायर-एसआरएफके रूप में अपग्रेड किया गया है।
- डॉ. सुदीप्ता मैत्रा की देखरेख में काम कर रहेश्री सौम्यज्योति घोषको प्रोफेसर एस पी रायचौधरी के

साथ28-29 फरवरी, 2020 को प्राणीविज्ञान, विश्वभारती विभाग द्वारा बांग्लादेश भवन, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत में आयोजन हेतु "21 वीं शताब्दी में जीव विज्ञान की उन्नति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" स्मारक पुरस्कार के साथ सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति से सम्मानित किया गया।

- डॉ. सुतापा की देखरेख में सुश्री शिरषा मंडल, यूजीसी-एनईटी-एसआरएफ को "आनुवांशिकी का 19 वां अखिल भारतीय कांग्रेस और जीनोमिक्स और अंतरराष्ट्रीय विशेष संगोष्ठी में "वायु परागण औरमानव स्वास्थ्य पर उसका प्रभाव" को संयुक्त रुप से सीएसआईआर-भारतीय रसायन संस्थानजीवविज्ञान, कोलकाता तथा "आहार में डायथाइल फ़ेथलेट का बहुकालीन क्रियान्वयन पुरुष चूहों में प्रजनन हानि उत्पन्न करता है" अर्चना शर्मा फाउंडेशन ऑफ़ कलकत्ता द्वारा पोस्टर का आयोजन किया गया।
- डॉ. सुतापा की देखरेख में सुश्री शिरशा मंडल, यूजीसी-एनईटी-एसआरएफमुखर्जी को28-29 फरवरी, 2020 के दौरानप्राणीशास्त्र विभाग, विश्वभारती बांग्लादेश भवन में शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी मेंअभिनव अनुसंधान पुरस्कार (पोस्ट-डॉक्टरल स्तर) से "21 वीं सदी में जीव विज्ञान की उन्नति पर" उत्कृष्टता हेतुप्रोफेसर हीरालाल चौधरी पदक सम्मानित किया गया।
- 16 से 20 सितंबर के दौरान, 2019 को बार्सिलोना, स्पेन में मधुमेह के अध्ययन के लिए यूरोपीयसंघ की 55 वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने हेतु डॉ. राकेश कुंडू की देखरेख में काम करने वाली सुश्री आल्पना मुखूटीको यूरो मूल्य 1000.00 के ईएएसडी यात्रा अनुदान के साथ सम्मानित किया गया।

अप्रैल 2019- मार्च 2020 तक प्रकाशन

संवाद पत्र लेख-02

- डिम्बग्रंथि कूपक्रियाशीलता से नियंत्रण मुक्तसूजन और एपोप्टोसिस को जोड़ना-अंतःस्रावी व्यवधान तथा महिला प्रजनन के बीच अनुपस्थित कड़ी" विश्वास एस, मुखर्जी यू, घोष एस, सामंता ए, दास एस, मैत्रा एस । प्रजनन स्वास्थ्य में अनुवाद संबंधी शोध,185प्रजनन और ऊर्वरता संवादपत्र के अध्ययन के लिए इंडियन सोसाइटी, अंक 24सितंबर 2019. पीपी 115-119, आईएसएसएन: 2395-2806.
- मंडल एस, मुखर्जी एस "पुरुष कारक बांझपन और फेथलेट एस्टर"। प्रजनन स्वास्थ्य में अनुवाद संबंधी शोध, प्रजनन और ऊर्वरता संवादपत्र के अध्ययन के लिए इंडियन सोसाइटी, अंक 24सितंबर 2019. पीपी 115-119, आईएसएसएन: 2395-2806.

सम्मेलनपत्र:01

वसा और भ्रूण-ए द्वारा आइलेट सूजन और बीटा सेल शिथिलता। आर कुंडू डायबेटोलोजिया वॉल्यूम 62, संख्या 1, 1-600, 2019 (सम्मेलन पत्र)

शोध पत्र (लेखक/कों), शीर्षक, वर्ष जर्नल की संख्या संख्या, पृष्ठ)

एकल लेखक-

- ''संक्रामक रोगों के लिएहोस्ट प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में टोल-जैसे रिसेप्टर बहुरूपता-एक समीक्षा'' मुखर्जी एस, हुडा एस, सिन्हा बाबू एसपी, स्कैंडिनेवियाई प्रतिरक्षा विज्ञान जर्नल 2019, खंड. 90, पीपी: इएल 12771, आईएसएसएन: 1365-3083.
- ''एज़ैडिरैचिन की एंटीफ्लेरियल गतिविधि प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों प्रेरित एपोप्टोसिस के माध्यम से ईंधन भरती है: सेटरिया सरवी पर एक पूरी तरह से आणविक अध्ययन''। मुखर्जी एन, जोरावर एन, सिन्हा बाबू एसपी। कृमि विज्ञान 2019 की पत्रिका, खंड 93, संख्या 5. पीपी519-528, आईएसएसएन: 0022-149X.
- ''ऑटोफेगीएपोप्टोसिसका प्रभाव, और सिनसिनोय ग्लाइकोसाइड्स की फाइलेरैसिड गतिविधि में उनके परस्पर क्रिया'' रॉय पी, सेनगुप्ता ए, जोअदर एन, भट्टाचार्य ए, साहा एनसी, मिश्रा एके, सिन्हा बाबू एस.पी. परजीवीविज्ञान2019, खंड 146, सं, 11, पीपी। 1451-1461 आईएसएसएन: 1469-8161.
- ''टार्ट्रेट-संशोधित मैंगनीज फेराइट नैनो पर गोजातीय सीरम एल्ब्यूमिन का प्रभावखोखलेगोले: स्पेक्ट्रोस्कोपिकऔरविषाक्तताकाअध्ययन''। चक्रवर्ती आई, साहा यू, मंडलडी, मुखर्जी एस, जोअदर एन, सिन्हा बाबू एसपी, गोपीनाथ एस.के. मंडल के।शारीरिकरसायनविज्ञानरसायनविज्ञान 2019, खंड 21, नहीं। 20, पीपी 10726-10737, आईएसएसएन: 1463-9076.
- एंटीकैंसर, रोगाणुरोधी, कोशिका लगाव हेतु ''ग्रेफीन ऑक्साइड ने सुपरमॉलेक्यूलर हाइड्रोजेल छायांकित हरी चांदी नैनोकणों को फैलायाऔर इंट्रासेल्युलरइमेजिंगअनुप्रयोगों''। घोष डी, धीबर एस, दे ए, मुखर्जी एस, जोअदर एन, सिन्हाबाबू एसपी, दे बी। आणविक तरलजर्नल 2019, खंड 282. पीपी 1-12। आईएसएसएन:0167-7322.
- विरोधी भड़काऊ एजेंटों के रूप में आरिल क्विनोलिनिल हाइड्रोजोन डेरिवेटिवजोमैक्रोफेज में TLR4 सक्रियण को रोकती है।देबनाथ यू, मुखर्जी एस, जोअदर एन सिन्हाबाबूएसपी, जनक के, मिश्रा एके।यूरोपीय जर्नल ऑफ़ फ़ार्मास्युटिकल साइंसेज 2019, वॉल्यूम। 134, पीपी 102-115, आईएसएसएन: 0928-0987.
- ''वूचरेरिया बैंक्रॉफ्टी फाइलेरिया मानव डेंड्राइटिक कोशिकाओं को सक्रिय करता है और T को हेल्पर 1 और नियामकटीकोशिकाओंकोटोल-जैसेरिसेप्टर 4 के माध्यम सेध्रुवीकृत करता है''। मुखर्जी एस, कनमम ए, दास एम, सिन्हा बाबू एसपी, बेरी जे।संचार जीव विज्ञान 2019, खंड 2, नहीं। 1. पीपी1-11, आईएसएसएन: 2399-3642.
- स्मार्ट ग्राफीन क्वांटम डॉट्स का संश्लेषण: प्रमुख के लिए एक सौम्य बायोमेट्रइंट्रासेल्युलरइमेजिंग और दवा प्रभावकारिता में सुधार''। मंडल एमके, मुखर्जी एस, जोअदर एन, रॉय डी, चौधरी पी, सिन्हा बाबू एसपी।एप्लाइड सरफेस साइंस2019, खंड 495, पी: 143562। आईएसएसएन: 0169-4332.

- “एक थिओल- आधारित एंजाइमी एंटीऑक्सिडेंट थाईआरोडॉक्सिनकी ञगबिलिटी पर एक समीक्षा फाइलेरिया और अन्य परजीवी संक्रमण के इलाज के लिए रिडक्टेस”। जोआदार एन, सिन्हाबाबूएसपी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोलेक्युलस 2020, वॉल्यूम। 142, पीपी,125-141, आईएसएसएन: 0141-8130.
- “पॉलिमर ने सोने के नैनोकणों को ऐंकर किया: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और रोगाणुरोधी गतिविधियों”। चौधरी पी, रॉय बी, मुखर्जी एस, मुखर्जी जोअरदर एन, रॉय डी, चौधरी एस, सिन्हा बाबू एसपी। जर्नल नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी-एशिया 2020 डोई: 10.2174 / 2210681210666200128155244, आईएसएसएन:2210-6820.
- “पारिस्थिति की तंत्र ट्राफिक स्थिति की मात्रा का ठहराव के लिए एक दृष्टिकोण तथा स्वास्थ्य हुगली-मतलाएस्टुरीन प्रणाली में लागू पारिस्थितिक नेटवर्क विश्लेषण के माध्यम से, भारत”। मुखर्जी जे, करन एस, चक्रवर्ती एम, बनर्जी ए, रक्षित एन, रे एस। पारिस्थितिक संकेतक 2019, खंड. 100, पीपी55-68, आईएसएसएन: 1872-7034.
- “फसल कीट प्रबंधनमें कृषि जागरूकता की भूमिका-एक गणितीय मॉडल”। बसीर एफए, बनर्जी ए, रे एस। जर्नल ऑफ़ थ्योरेटिकल बायोलॉजी 2019, खंड. 461, पीपी 59-67, आईएसएसएन: 0022-5193.
- “प्लांट मोज़ेक रोग के प्रसार की गतिशीलता तथा वैकल्पिक जैविक नियंत्रण के रुप में घूमने की उपयोगिता । रक्षित एन, बसीर एफए, बनर्जी ए, रे । पारिस्थितिक जटिलता 2019, खंड. 38, पीपी15-23, आईएसएसएन: 1476-945X.
- “हुगली मुहाना, भारत के कार्बन चक्र मेंकूड़े के बायोमास की निर्भरता पर पर्यावरणीय कारकों का प्रभाव”। मुखर्जी जे, भौमिक एआर, घोष पीबी, रे एस। पारिस्थितिक सूचना विज्ञान 2019, खंड 51, पीपी । 193-200, आईएसएसएन: 1574-9541.
- खेती जागरूकता के साथ फसल कीट को नियंत्रित करने में समय की देरी का प्रभाव। बसीर एफए, एलाइव एएम, राय एस। एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल गणित। 2019, https://doi.org/10.1007/s40819-019-0693-0, आईएसएसएन: 2349-5103.
- “प्रावधान सेवाओं (धान की खेती) पर झींगा की खेती की बाहरीता का एक इकाई अध्ययन”। दास एस, साहा पी, बनर्जी ए, माइती एम, राय एस। कृषि विज्ञान का एनएएएस जर्नल 2019, खंड 1, सं- 2, पीपी13-19, आईएसएसएन: 2661-3328.
- “कृषि जागरूकता आधारित रूगिंग, कीटनाशक छिड़काव और इष्टतम का प्रभाव मोज़ेक रोग की गतिशीलता पर नियंत्रण”। बसीर एफए, राय एस। रिकार्शे डि गणितज्ञ 2020, http://doi.org/10.1007/s1587-020-00522-8, आईएसएसएनः 1827-3491.
- “प्लांट-वेक्टर इंटरैक्शन में ऊष्मायन देरी का प्रभाव”। राय एस, बसीर एफए। सिमुलेशन 2020 में

गणित और कंप्यूटर, खंड 170, पीपी 16-31, आईएसएसएनः 0378-4754.

- ''वेक्टरबोर्न प्लांट विषाणुजनित रोगकी गतिशीलता परऊष्मायन और अव्यक्त अवधि के प्रभाव को मॉडलिंग करना''। बसीर एफए, अधुर्या एस, बनर्जी एम, वेंटुरिनो ई, रे एस। बुलेटिन ऑफ मैथमेटिकल बायोलॉजी 2020, खंड82, सं- 94, https://doi.org/10.1007/s11538-020-00767-2, आईएसएसएन: 0092-8240.
- फ्लोरोसिसऔरमूत्रफ्लोराइडसांद्रताकीघटनाहमेशाफ्लोराइड स्तर केपीने के पानी के साथ सहसंबद्ध नहीं होते हैं''।दे भौमिक ए, साव पी, मंडल पी, मुंशी सी, चटर्जी एस, भट्टाचार्य एस, चट्टोपाध्याय ए।वर्तमान विज्ञान 2019, वॉल्यूम। 116, पीपी 1551-1554, आईएसएसएनः 0011-3891.
- ''स्तनधारियोंऔर जेब्राफीश में फ्लोराइड प्रेरित ऑर्गेनोक्सिटी और जीनोटॉक्सिसिटी'' पर समीक्षा। दे भौमिक ए, चट्टोपाध्याय ए।न्यूक्लियस 2019, खंड 62, पीपी 177-185, आईएसएसएनः0029-568X.
- पर्यावरणकीदृष्टिसेप्रासंगिकसांद्रतामेंजेब्राफीश (डैनियो रेरियो) के जिगर में आर्सेनिक और फ्लोराइड का मिश्रण प्रभाव-Nrf2 की अभिव्यक्ति पैटर्नऔर संबंधित जेनोबाओटिक चयापचय एंजाइमों''। मंडल पी, साव पी, बंद्योपाध्याय ए, दे भौमिक ए, चक्रवर्ती ए, सुदर्शन एम, चट्टोपाध्याय ए। जलीय विष विज्ञान 2019, खंड-213. पीपी 105219. ISSN: 0166-445X.
- ''Nrf2-ARE सेलुलर सुरक्षा में संकेत दे रहे हैं: कार्रवाई का तंत्र और नियामक तंत्र''। साव पी, चट्टोपाध्याय ए।सेल्यूलर जर्नलफिजियोलॉजी 2019, वॉल्यूम। 235, पीपी। 3119-3130। ISSN: 0021-9541.
- ''एरिथ्रोसाइट्स मेंक्रोमियम की पर्यावरणीय रूप से प्रासंगिक एकाग्रता परमाणु विकृति को प्रेरित करती है और वयस्क जेब्राफिश के मस्तिष्क में तनाव-उत्तरदायी एपोप्टोटिक जीन की अभिव्यक्ति को बदलदेता है। साव पी, मंडल पी, बंद्योपाध्याय ए, चट्टोपाध्याय ए । कुल उत्सर्जन 2019 काविज्ञान, खंड 703, पीपी,135622. आईएसएसएन: 0048-9697.
- ''आर्सेनिक और फ्लोराइड का पर्यावरणीय जोखिम और उनकी संयुक्त विषाक्तता: हाल में अद्यतन। मंडल पी, चट्टोपाध्याय ए।एप्लाइड टॉक्सिकोलॉजी पत्रिका,2019, खंड-40, पीपी । 552-566, आईएसएसएन: 1099-1263.
- ''एमसीएफ 7 में हरे संश्लेषित चांदी नैनोकणों के साइटोटोक्सिक प्रभाव और में मानव स्तन कैंसर कोशिकाएं विट्रो मेंएमडी एमबी-231''। बंद्योपाध्याय ए, रॉय बी, साव पी मंडल पी, मोंडल एमके, चौधरी पी, चट्टोपाध्याय ए।द न्यूक्लिअय 2019 खंड 63, पीपी 191-202 आईएसएसएन: 0029-568X.
- ''फ्लोरोमेट्री और प्रतिदीप्ति छवियों के माध्यम सेअधिग्रहण की घटना में अंतर्दृष्टि और हाइग्रोफिला स्पिनोसा में Fe^{3+} का संचय''। घोष ए, मंडल एस, दास एस, साव पी, चट्टोपाध्याय ए, साहू पी। टेट्राहेड्रोन पत्र 2019 खंड 61, पीपी 151520 आईएसएसएन: 0040-4039.

- ''चिटोसन-गोल्ड नैनोपार्टिकल्सविट्रोमेंमानव स्तन कैंसर कोशिकाओं में एपोप्टोसिस को ट्रिगर करते हैं'' । बंद्योपाध्याय ए, रॉय बी, शॉ पी, मंडल पी, मंडल एमके, चौधरी पी, चट्टोपाध्याय ए । न्यूक्लियस 2020, खंड 63 पीपी 1-14आईएसएसएन: 0029-568X.
- ''फ्लोराइड एल्टर्स के पर्यावरणीय रूप से प्रासंगिक एकाग्रता के लिए लगातार संपर्क चूहों में Oggl और Rad51 अभिव्यक्ति: एपिजेनेटिक विनियमन का समावेश'' । भौमिक एडी, पोद्दार एस, मोंडल पी, साव पी, बंद्योपाध्याय ए, दास ए, चट्टोपाध्याय ए । एकोटॉक्सिकोलॉजी और पर्यावरण सुरक्षा 2020, खंड 202 पीपी, घोष ए, 110962. आईएसएसएन: 0147-6513.
- ''डिम्बग्रंथि कार्यों में नाइट्रिक ऑक्साइड की शारीरिक प्रासंगिकता: एक सिंहावलोकन'' । नाथपी, मैत्रा एस ।सामान्य और तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी 2019, खंड 279, पीपी आईएसएसएन: 0016-6480.
- ''नोनलफेनल SOCS3 अभिव्यक्ति और M1 ध्रुवीकरण मेंलिपोपॉलीसेकेराइड-उपचारित चूहे प्लीहा मैक्रोफेज "। पाल एस, नाथ पी, विश्वास एस, मुखर्जी यू, मैत्र एस। पारिस्थितिकी तंत्र और पर्यावरण सुरक्षा 2019, खंड 174, पीपी, 574-583, आईएसएसएन: 0147-6513.
- ''अनाबस टेस्टुडीनेनस अंडाशय में नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेज़ (एनओएस) की अभिव्यक्ति औरमेयोटिक आर्स्ट के रखरखाव में नाइट्रिक ऑक्साइड-साइक्लिक जीएमपी कैस्केड की भागीदारी।नाथ पी, मुखर्जी यू, विश्वास एस, पाल एस, दास एस, घोष एस, सामंता ए, मैत्र एस।आणविक और सेलुलर एंडोक्रिनोलॉजी 2019, खंड-496, पीपी। 110544, आईएसएसएन: 0303-7207.
- ''पीटी (Ii) के सक्षम संश्लेषण और लक्षण वर्णन के साथ शक्तिशाली एंटीकैंसर एजेंटन्यूनतम सामान्य कोशिका विषाक्तता : उनकी जैव गतिविधि और डीएनए-बाध्यकारी गुण । महता एस, मुखर्जी एस, तराई एसके, पान ए, मित्र 1, पाल एस, मैत्र एस, मोड़ एससी। रासायन विज्ञान नयाजर्नल 2019, खंड-43, पीपी 18767-18779, आईएसएसएन: 1144-0546.
- ''नाइट्रोफिनाइल प्रेरित समन्वय द्वारा Al 3+ आयनों की चयनात्मक संवेदन: ज़ेब्राफिश मस्तिष्क मांस-तंतु में इमेजिंग'' । दास एस, मुखर्जी यू, पाल एस, मैत्र एस, साहू पी। जैविक और बायोमेलेक्युलर रासायन 2019, खंड-21, पीपी-5233, आईएसएसएन: 1477-0539.
- सेकारोमाइसेससेरेविसे से अलग-अलग विकास चरणों में प्रोटीन निष्कर्षण । मुखर्जी एम, नंदी ए, चंद्र के, सैकिया एसके, जना सीके, दास एन।माइक्रोबायोलॉजिकल मेथड्स जर्नल 2020, Doi: https://doi.org/10.1016j.mimet.2020.105906। आईएसएसएन: 0167-7012.
- ''रोहिआबेबोरोहिता (हैमिल्टन, 1822) खिलाने के लिए पारिस्थितिक गहनता:'' एक कुशल संसाधन मत्स्य की दिशा में समीक्षा और प्रस्तावित कदम'' । मजुमदार एस, सैकिया एस.के। एक्वाकल्चर रिसर्च 2020, Doi:10.1111 / एआरइ14669, आईएसएसएन:1365-2109.

- ''मछली में ऑक्सीडेटिव तनाव: एक समीक्षा" ।चौधरी एस, सैकिया एस.के। वैज्ञानिक जर्नल रिसर्च 2020,खंड-12,सं-1, पीपी- 145-160, आईएसएसएन: 2315-7712.
- ''एक परमाणु-स्थानीयकृत नेफ्थालिमाइड-आधारित फ़्लोरेसेंट लाइट-अप जांच के लिए जीवित कोश में कार्बन मोनोऑक्साइड का चयनात्मक खोज''। सरकार ए, फौजदार सी, चक्रवर्ती एस, अहमद ई, कुंडू आर, दाम एस, चट्टोपाध्याय पी, धारा के।विष विज्ञान 2020 में रासायनिक अनुसंधान, खंड 33, स-2, पीपी 651-656, आईएसएसएन:0893-228X.
- ''सेल इमेजिंग के लिए दोहरी उत्सर्जक सिलिकॉन क्वांटम डॉट का तैयार संश्लेषण : अल्फा 2-एचएस-ग्लाइकोप्रोटीन का प्रत्यक्ष लेबलिंग''। रॉय डी, फौजदार सी, मुखूटी ए, पाल एस, मंडल एमके, कुंडू आर, चौधरी पी।बायोकॉन्जगेट केमिस्ट्री 2019, खंड 30. सं-5, पीपी 1575-1583, आईएसएसएन: 1043-1802.
- ''एंटीऑक्सिडेंट फ्लेवोन फंक्शनल फ्लोरोसेंट और बायोकंपैटिबल मेटलनैनोकणों: सेल इमेजिंग एजेंटों के रूप में उनकी प्रभावकारिता की खोज''। कर्माकर ए, मल्लिक टी, फौजदार सी, मुखूटी ए, कुंडू आर, बेगम एनए।नैनो-स्ट्रक्चर्स औरनैनो-ऑब्जेक्ट्स 2019, खंड 18, पीपी 100278, आईएसएसएन: 2352-507X.
- ''डायथाइल फोथलेट के निचले स्तर के क्रोनिक आहार प्रशासन मुराइन को प्रेरित करता है वृषण रोगाणु कोशिका सूजन और शुक्राणु विकृति: ऑक्सीडेटिव तनाव का समावेश''। मंडल एस, घोष एस, भट्टाचार्य एस और मुखर्जी एस। केमोस्फीअर2019, खंड 229, पीपी- 443-451, आईएसएसएन: 0045-6535.
- ''डायथाइल फेथलेट का दीर्घकालिक आहारचूहों के दो प्रमुख इंसुलिन लक्ष्य ऊतकों में इंसुलिन संवेदनशीलतावलके नुकसान को ट्रिगर करता है। मंडल एस, मुखर्जी एस। मानव और प्रायोगिक विष विज्ञान 2020, खंड-39, सं। 7, पीपी-984-993, आईएसएसएन: बायोकंपैटिबल मेटल 0960-3271.

एक ही विभाग के संयुक्त लेखक:

- एम्फीहलाइन माइग्रेटरी फिश हिल्सा तेनुओलोसा इलिशा की गुस्ताविक परिकल्पना''। मलिक सी, चटर्जी एसके, भट्टाचार्य एस, सुरेश वीआर, कुंडू आर, सैकिया एसके।माइक्रोस्कोपी अनुसंधान और तकनीक 2020, खंड 83, सं5, पीपी507-513, आईएसएसएन:1097-0029.
- ''घ्राण रिसेप्टर्स की एक्टोपिक अभिव्यक्ति तथा संबंधित जी-प्रोटीन सबयूनिट्स में एम्फीहलाइन प्रवासी मछली हिलसा तेनुलाओसा इलिशा का सिर पूर्णांक''। चटर्जी एसके, मलिक सी, भट्टाचार्य एस, सुरेश वीआर, कुंडू आर, सैकिया एसके। मछली जीवनिज्ञान 2019 पत्रिका 2019, खंड-95, सं 1, पीपी 324-334, आईएसएसएन: 1095-8649.

सहकर्मी / समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र की संख्या: 44

पुस्तक के अध्याय

- ‘‘बैनक्रॉफ्टियन फाइलेरिया के चिकित्सीय हस्तक्षेप के लक्ष्य के रूप में रेडॉक्स नियामक सर्किट: जैव रासायनिक, आणविक और औषधीय दृष्टिकोण’’। मुखर्जी एस, जोअदर एन, सिन्हा बाबू एसपी।आईएन-माइक्रोबियल रोगों में ऑक्सीडेटिव तनाव, स्प्रिंगर नेचर, 2019, पीपी-185-208, आईएसबीएन: 978-981-13-8763-0.
- ‘‘विलंब के साथक्षय के एक गणितीय मॉडल में हॉपफ द्विभाजन।बोनयाह ई। बसीर एफए, रे एस। आइएनःगणितीय मॉडलिंग, अनुकूलन, विश्लेषणात्मक और संख्यात्मक समाधान औद्योगिक और अनुप्रयुक्त गणित एड।मनचंदा पी, लोजी आर, सिद्दीकी ए।स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2020, पीपी 301-311, आईएसबीएन: 9789811509278 (हार्डकवर): 9789811509285 (ईबुक)।
- ‘‘मॉडलिंग स्टडीज माइक्रोफाइबोथेनोस पर ध्यान केंद्रित कर रही है और बेंटिक-पेलजिक कपलिंग में इसकी भूमिका’’। सिन्हा एस, बनर्जी ए, रक्षित एन, रे एस। आइएनगणितीय विश्लेषण औरमॉडलिंगमेंआवेदन। 1 सीएमएएम 2018, एड। रॉय पीके, सीएओ एक्स, ली एक्स, दास पी, डीईओ एस।गणित और सांख्यिकी में वॉल्यूम कार्यवाही, खंड-302, स्प्रिंगर, सिंगापुर। 2020, पीपी 209-224, आईएसबीएन: 9789811504211 (हार्डकवर); 9789811504228 (ई-पुस्तक)।
- झींगा संस्कृति से पारिस्थितिक अर्थशास्त्र और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के परिणाम का अवलोकन’’। दास एस, अधुर्या एस, राय एस। आइएनःमॉडलिंग मेंगणितीय विश्लेषण औरअनुप्रयोग। आइसीएमएएम 2018, एड। रॉय पीके, काओ एक्स, ली एक्स, दास पी, डीईओ एस। गणित और सांख्यिकी में स्प्रिंगर की कार्यवाही, खंड 302, स्प्रिंगर, सिंगापुर। 2020, पीपी 225-236, आईएसबीएन: 9789811504211 (हार्डकवर); 9789811504228 (ई-बुक)।
- ‘‘मीठे पानी की झीलों में वाटरबर्ड्स द्वारा गानोट्रोफिकेशन: पारिस्थितिकी तंत्र के परिप्रेक्ष्य पर एक समीक्षा" अधुर्य एस, दास एस, राय एस आइएन: मॉडलिंग में गणितीय विश्लेषण और अनुप्रयोग। आइसीएमएएम 2018, इडीएस। रॉय पीके, काओ एक्स, ली एक्स, दास पी, गणित और सांख्यिकी में डी एस स्प्रिंगर कार्यवाही, खंड-302, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2020, पीपी-237-251, आईएसबीएन: 9789811504211 (हार्डकवर); 9789811504228 (ई-बुक)।
- ‘‘हुगली मुहाना, भारत में विशेष जोर देने के साथ भारतीय पारिस्थितिकी में पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य और जैव विविधता की पेल्जिक-बेंटी युग्मित प्रणाली की हाल की प्रवृत्ति’’ रक्षित एन, बनर्जी ए, सिन्हा एस, राय एस आइएन: मॉडलिंग में गणितीय विश्लेषण और अनुप्रयोग। आइसीएमएएम 2018, इडीएस. रॉय पीके, काओ एक्स, ली एक्स, दास पी, डीओ एस स्प्रिंगर।
- गणित और सांख्यिकी में कार्यवाही, वॉल्यूम 302, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2020, पृष्ठ 253-269, आईएसबीएन : 9789811504211 (हार्डकवर); 9789811504228 (ई-पुस्तक)।

वनस्पति विज्ञान विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट / गेट में उत्तीर्ण छात्रों का नाम

नेट छात्रों ने उत्तीर्ण किया

1. शुभायन चटर्जी
2. शरदेन्दु आदक
3. अनुपम कुंडू
4. दीपांजलि चटर्जी
5. रिया चक्रवर्ती
6. अंकिता रॉय चौधरी
7. संगीता मंडल
8. कौशिक साहा

छात्रों ने एसईटी उत्तीर्ण किया

1. अनिंद्य सुंदर रॉय
2. अनुपम कुंडू
3. संगीता मंडल
4. मौली साहा
5. सुनील नंदी

छात्रों ने गेट उत्तीर्ण किया

1. अनुपम कुंडू
2. मौली भट्टाचार्य
3. प्रदीप मलिक
4. सुमन मैती
5. इशिता बरारी
6. शीतांशु दास
7. सुनील नंदी
8. रिया चक्रवर्ती

9. माधब रक्षित

10. कौशिक साहा

11. दीपांजलि चटर्जी

12. स्मृतिकना पॉल

विभागीय सेमिनार (वक्ता, सेमिनार का शीर्षक, दिनांक

- 12.06.2019 प्रोफेसर अरुण के भूनिया, आण्विक और खाद्य माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला, खाद्य विज्ञान विभाग के द्वारा एक व्याख्यान दिया गया। तुलनात्मक विकृति विज्ञान विभाग, पुर्डू विश्वविद्यालय पश्चिम लफायेटे, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका। विषय बियोटिक अप्रोच इन नेक्स्ट जेनेरेशन बयो इंजीनियर्ड प्रो : प्रिवेंटिंग इंटेरिक पैथोजेन इंफेक्शन।
- 20.11.2019-18.11.2019, वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में वनस्पति विज्ञान विश्वभारती और भारत के एरोबायोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से 21वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित।

शिक्षक द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि में शिक्षक की सहभागिता

काशीनाथ भट्टाचार्य

- 23.11.2019-25.11.2019 पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती में ''टूल्स एंड टेकनीक इन एयर क्वालिटी एंड हेल्थ इम्पैक्ट असेसमेंट'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 10.01.2020-12.01.2020 कृषि विज्ञान विश्विद्यालय, बेंगलुरु में आयोजित 107 भारतीय विज्ञान कांग्रेस के पर्यावरण विज्ञान अनुभाग में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 13.02.2020-14.02.2020 ललित ग्रेट इस्टर्न होटल, कोलकाता में आयोजित बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ''इंटरनेशनल सिम्पोजियम प्लांट टैक्सोनॉमी एंड एथनोबोटनी'' में बीज व्याख्यान दिया।

रूप कुमार कर

- 20.02.20-21.02.20 संगोष्ठी / सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला में भाग लिया।

  वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में 'न्यू होराइजन इन बॉटनिकल रिसर्च' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में' रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पेसीज : (आरओएस) बून इन अ दिस्गाइज'' विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

नारायण चंद्र मंडल

- भारतीय माइकोलॉजिकल सोसायटी द्वारा साइंस सिटी में आयोजित 08.02.2020-06.02.2020 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''नेचर, माइक्रोब्स एंड सोसाइटी'' में ई.जे. बटलर मेमोरियल व्याख्यान दिया।
- 28.02.2020-29.02.2020 वनस्पति विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार आरएफपीआइडीएम में 2020 'इवैल्युएशन ऑफ एंटी फंगल एंड एंटी कैंडीडल पोटेंशियल ऑफ सेकेंड्री मेटाबोलाइट्स ऑफ एन इंडोफाइटिक फंगस अल्टर्नारियाटेनुस्सिमा आइसोलेटेड फ्रॉम ओसिमम टेनुइफ्लोरम एल' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सुब्रत मंडल

- वनस्पति विज्ञान विभाग 20.11.2019-18.11.2019, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में एयरोबयोलोजी पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र में 21 सहभागिता और अध्यक्षता।

चौधरी हबीबुर रहमान

- साइंस सिटी 29.02.2020, कोलकाता में आयोजित 27वीं पश्चिम बंगाल स्टेट साइंस एंड टेक्नोलॉजी कांग्रेस में आमंत्रित वक्ता।

सोमा सुकुल नी चुनारी

- 02.11.2019-03.11.2019 'होम्योपैथी एंड ट्रेडिशनल मेडिसिन जीरो मोलेक्यूल टू मैक्रोमोलेक्यूल्स' पर द्वितीय वर्ल्ड कांग्रेस में पेपर प्रस्तुत किया एवं एक सत्र की अध्यक्षता की। यह बैंकॉक, थाईलैंड में सुकुल इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक रिसर्च द्वारा आयोजित किया गया था।
- 25.01.2020-24.01.2020 'शैवाल, कवक और पौधे अनुप्रयोग के लिए व्यवस्थित' विषय पर सी ए एस, बॉटनी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.02.2020-25.02.2020 वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, महाराजा सायाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'टेरिडोलॉजी टुडे एंट टुमॉरोरिलिवेंस : टू इम्पैक्ट ऑन डायवर्सिटी एंड क्लाइमेट चेंज' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

ज्ञानेन्द्र रथ

- 08.01.2020-10.01.2020 सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन बॉटनी, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चेन्नई द्वारा बायोडायवर्सिटी, बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी ऑफ अल्गी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सिंपोजियम में एक सत्र की अध्यक्षता। ''साइनोबैक्टीरिया ऑफ एक्सट्रीम हैबिटेट्स ऑफ इंडिया : अनएक्सप्लॉरड ट्रेजर ट्रोव ऑफ नोबेल बाये एक्टिव मेटाबॉलिट्स'' विषय पर आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत।
- 23.03.2019-24.03.2019 जंतु विज्ञान विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'ट्रेंड्स इन मॉडर्न

बायोलॉजी टेक्निक्स एंड एप्लीकेशंस' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला सह राष्ट्रीय सेमिनार में 'साइटोनोमिन : ए यू वी सनस्क्रीन मेटाबॉलिट्स ऑफ मराइन साइनोबैक्टीरिया हैविंग पोटेंशियल एंटीप्रोलिफरेटिव एक्टिविटी' विषय पर सहभागिता एवं आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत।

अदानी लोखो

- 23.11.2019-11.2019 श्रीमती एन एम पदालिया फार्मेसी कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा आयोजित 29वाँ ''ए पी एस आई साइंटिस्ट मीट एंड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट इन एग्रो बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मास्यूटिकल साइंसेस'' में पोस्टर प्रस्तुति।
- 13.02.2020-14.02.2020 बीएसआई एंड मिनिस्ट्री ऑफ एनवायरमेंट, फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सिंपोजियम में प्लांट टैक्सनॉमी एंड एथनोबॉटनी में मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुति।

बोंबा दाम

- 07.08.2019-09.08.2019 एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑन टॉपिक मेटैजिनोमिक्स एक्सप्लोरेशन ऑफ हाइपरसलाइन एनवायरमेंट फॉर आयोनिक लिक्विड एंड साल्ट स्टेबल सेल्युलासेस, ए स्टेप फॉरवार्ड लिगनोसैलूलोजिक बायो एनर्जी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज फॉर इंडस्ट्रियल हजार्डस वेस्ट मैनेजमेंट एंड बायो एनर्जी पर आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत।

नंदलाल मंडल

- 14.09.2019-23.09.2019 एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती द्वारा ''एप्लीकेशन ऑफ आर इन रिसर्च एंड डेवलपमेंट'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- 06.02.2020-08.02.2020 इंडियन माइकोलॉजिकल सोसायटी, कोलकाता द्वारा आयोजित 'नेचर, माइक्रोब्स एंड सोसाइटी'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौखिक प्रस्तुति।
- 25.02.2020-27.02.2020 विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग, टीएम भागलपुर यूनिवर्सिटी, भागलपुर द्वारा आयोजित 'क्लाइमेट चेंज, प्रेसीजन एग्रीकल्चर एंड इन्नोवेटिव डिजीज कंट्रोल स्ट्रैटेजिस फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति।
- 18.11.2019-20.11.2019 वनस्पति विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा एयरोबायोलोजी पर आयोजित सेमिनार में आमंत्रित वक्ता।

अंजलिका रॉय

- 02.12.2019-04.12.2019 सीएसआईआर-आईआईसीबी, कोलकाता एवं अर्चना शर्मा फाउंडेशन

कोलकाता द्वारा ''रिस्पोंसेस ऑफ टेस्टर प्लांट्स टूवार्ड्स केमिकल पेस्टिसाइड्स'' विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित 19वीं ऑल इंडिया कांग्रेस ऑफ जेनेटिक्स एंड जिनोमिक्स एंड इंटरनेशनल सिंपोजियम में ''एयर पॉल्यूशन एंड इट्स इंपैक्ट ऑन ह्यूमन हेल्थ'' विषय पर आमंत्रित वक्ता।

शोध पत्र

संदीपन बनर्जी

- 08.09.2019 पर्यावरण विभाग, विश्वभारती एवं एनबीआइआरटी, कोलकाता एवं जंतु विज्ञान विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, भारत एवं डीएसटी मिशन इन्नोवेशन (भारत सरकार) के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'रीसेंट डेवलपमेंट्स इन रिन्यूएबल एनर्जी एंड रूरल एंपावरमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रयोजन।
- 10.04.2019-14.04.2019 इनोवेशन सेंटर, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल में 'बेसिक्स ऑफ डीएनए सीक्वेंसिंग एंड इट्स एप्लीकेशन' विषय पर कार्यशाला।

सौमित्र पाल

- 18.11.2019-20.11.2019 वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में एरो बायोलॉजी पर आयोजित 21वाँ नेशनल कॉन्फ्रेंस में 'फ्लोरल बायोलॉजी, पोलेन डिस्पर्सल एंड पोलिनेशन ऑफ इंडियन इल्म-ए पोटेंट एलर्जेनिक प्लांट' विषय पर पेपर प्रस्तुति।
- 24.01.2020-25.01.2020 सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी, वनस्पति विज्ञान विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय एवं बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में अल्गी, फंगी एंड प्लांट्स : सिस्टमेटिक्स टू एप्लीकेशंस विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''इफ़ेक्ट ऑफ़ हेवी मेटल्स ऑन इन विट्रो पॉलेन जर्मिनेशन एंड ग्रोथ ऑफ़ ऐसपारागस रेसमोसस विल्ड'' विषय पर पेपर प्रस्तुति।

सत्यजीत ओराओन

- 18.11.2019-19.11.2019 वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में एरो बायोलॉजी पर आयोजित 21वाँ नेशनल कॉन्फ्रेंस में ''बी-फ्लावर इंटरेक्शन पॉलेन डिस्पर्सल एंड पोलिनेशन ऑफ सीजीएम जाम्बॉस (एल) ऑलस्टन'' विषय पर पेपर प्रस्तुति।
- 24.01.2020-25.01.2020 सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी, वनस्पति विज्ञान विभाग, कोलकाता एवं बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में अलगे फंगी एंड प्लांट्स : सिस्टमैटिक्स टू एप्लीकेशन्स विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''ए कंट्रीब्यूशन टू फ्लाई (दीप्तेरा) पोलिनेशन इन सिलोन ओलाइव – एन इकोनॉमिकली इम्पोर्टेंट फूड क्रॉप'' विषय पर पेपर प्रस्तुति।

सुचेता मंडल

- 08.01.2020-09.01.2020 रसायन विज्ञान विभाग, सुरेंद्रनाथ कॉलेज द्वारा आयोजित ''इनोवेशन,

एक्सपेंशन, इंपैक्ट्स एंड चैलेंजिस इन केमिकल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज'' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में।

रेशमा लकरा

- 13.02.2020-14.02.2020 बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता में प्लांट टैक्सनॉमी एंड एथनोवोटनी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''कंजर्वेशन स्ट्रेटजी एंड स्पीशीज रिइंट्रोडक्शन ऑफ टू एंडेमिक एंड थ्रिटेंड पाल्म्स फ्रॉम निकोबार आईलैंड्स'' विषय पर पेपर प्रस्तुति।

कमलिका सिन्हा

- 18.11.2019-20.11.2019 वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में एरो बायोलॉजी पर आयोजित 21वाँ नेशनल कॉन्फ्रेंस में ''बुज पॉलिनेशन इन सोलानम मैक्रांथम'' विषय पर पेपर प्रस्तुति।

देवारति प्रामाणिक

- 02.12.2019-04.12.2019 सीएसआईआर-आईआईसीबी, कोलकाता तथा अर्चना शर्मा फाउंडेशन, कोलकाता द्वारा संयुक्त रुप से ''एयर पोलूशन एंड इट्स इंपैक्ट ऑन हुमन हेल्थ'' विषय पर 19वाँ ऑल इंडिया कांग्रेस ऑफ जेनेटिक्स एंड जिनोमिक्स एंड इंटरनेशनल सिंपोजियम में ''स्टडीज ऑन जेनेटिक डायवर्सिटी इन अक्वालरिया अगल्लोचा रॉक्सबी फ्रॉम त्रिपुरा, नॉर्थ ईस्ट इंडिया बाय आई एस एस आर मार्कर्स'' विषय पर पेपर प्रस्तुत।

सौमी भट्टाचार्य

- 28.11.2019-29.11.2019 सिधो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल में रिसेंट ट्रेंड्स इन लाइफ साइंसेज विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शोध सम्मेलन में ''इन विट्रो मीडियम टर्म स्टोरेज ऑफ रिजोम नोड्स कल्चर्स ऑफ जीओडोरम डेंसीफ्लोरम (लैम) स्लर यूजिंग पैक्लोबूत्राजोल'' विषय पर पेपर प्रस्तुत।

चल रही परियोजनाएँ :

अध्यापक का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसी	मंजूर राशि (लाख्र में)	परियोजना की अवधि
समित रे	स्टडी ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन पैटर्न ऑफ वेरियस मॉस स्पेसीज इन दार्जिलिंग एंड एडज्वाइनिंग एरियाज विद स्पेशल एंफैसिस ऑन मैक्रो एंड माइक्रो	डीएसटी, पश्चिम बंगाल सरकार	10.00	2018-2021

अध्यापक का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसी	मंजूर राशि (लाख्र में)	परियोजना की अवधि
	मोरफ़ोलॉजिकल वेरिएशंस एंड देयर इन सीटू कंजर्वेशन			
काशीनाथ भट्टाचार्य	द स्कोप ऑफ ज्योग्राफिकल इंडिकेशन टैग फॉर मैनग्रोव हनी ऑफ सुंदरबन (एज को-पीआई : ज्वाइंटली विद बोस इंस्टीट्यूट एंड कोलकाता यूनिवर्सिटी)	डब्लू डब्लू एफ – भारत	0.40	2019-2020
काशीनाथ भट्टाचार्य		वेलकम ट्रस्ट एवं डीबीटी	33.83	2019-2024
नारायण चंद्र मंडल (को-पीआई)	अर्थवर्म गट माइक्रोब्स मेडिएटेड कार्सिनोजेनिक पॉलिसाइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकार्बंस रिमेडियेशन इन कॉन्टैमिनेटेड सॉयल	डीबीटीट्विनिंग	Rs.56,39,200/- विश्वभारती कंपोनेंट Rs.22,54,600/-	2018-2021
ज्ञानेन्द्र रथ	एक्सप्लोरेशन ऑफ डी एच ए (डोकोसहेक्साएनोइक एसिड) प्रोड्यूजिंग अलगी फ्रॉम वेटलैंड्स ऑफ वेस्ट बंगाल फोर मैटरनल सप्लीमेंट एंड न्यूरोडेवलपमेंट ऑफ यंग चिल्ड्रंस ऑफ वेस्ट बंगाल	डीएसटी, पश्चिम बंगाल सरकार	10.80	2018-2022
ज्ञानेन्द्र रथ	अनलॉकिंग क्रिप्टिक एंड एंटीकोरम सेंसिंग नेचुरल प्रोडक्ट्स ऑफ साइनोबैक्टीरिया फ्रॉम स्ट्रेस्ड हैबिटेट्स इन सर्च ऑफ नोवेल एंटीबायोटिक्स अगेंस्ट एंटीमाइक्रोबियल्स रेसिस्टेंट	एससीआरबी, भारत सरकार	46.71	2018-2022

अध्यापक का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसी	मंजूर राशि (लाख में)	परियोजना की अवधि
बोंबा दाम	इंपैक्ट ऑफ सल्फेट ऑन माइक्रोबीएल पापुलेशन डायनॉमिक्स एंड कार्बन साइक्लिग ड्यू टू सी वॉटर इनट्रूशन इन मैनग्रोव इकोसिस्टम : फ्यूचर ग्लोबल वार्मिंग सिनेरिओ	डीएसटी, पश्चिम बंगाल सरकार	11.99	2018-2021
बोंबा दाम	प्रीबायोटिक फीड सप्लीमेंट फॉर ग्रोथ इंप्रूवमेंट ऑफ इंडियन मेजर कार्प्स, लेबोरोहिता, सिरहिनस मृगाला एंड कतला कतला अंडर कंपोजिट कल्चर सिस्टम : ए ग्ट माइक्रोबायोम एंड न्यूट्रीजेनोमिक्स बेस्ड अप्रोच	डीबीटी, भारत सरकार वर्धमान विश्वविद्यालय के साथ नेटवर्क परियोजना	91.43 (विश्वभारती कंपोनेंट : 55.17)	2019-2022

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनसएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता

शिक्षकों या विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियाँ :

शिक्षक

नारायण चंद्र मंडल : इंडियन माइकोलॉजिकल सोसायटी द्वारा डीजे बटलर मेमोरियल अवार्ड दिया गया।

विद्वान :

सौमित्रा पाल : वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में 18 से 20 नवंबर 2019 के दौरान आयोजित 21वीं नेशनल कांफ्रेंस ऑन एयरोबायोलॉजी में एरो बायोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रोफेसर पी.एच. ग्रेगोरी अवार्ड दिया गया।

श्री सत्यजीत ओराओन : वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभआरती, शांतिनिकेतन में 18 से 20 नवंबर 2019 के दौरान आयोजित 21वें नेशनल कांफ्रेंस ऑन एयरोबायोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार दिया गया।

श्रीमती सुचेता मंडल : रसायन विज्ञान विभाग, सुरेन्द्रनाथ कॉलेज द्वारा आयोजित दिनांक 8 से 9 जनवरी 2020 के दौरान "इनोवेशन, एक्सपेंशन, इंपैक्ट्स एंड चैलेंजिस इन केमिकल एंड बायोलॉजिकल

साइसेज" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार दिया गया।

श्रीमती कमलिका सिन्हा : वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभआरती, शांतिनिकेतन में 18 से 20 नवंबर 2019 के दौरान आयोजित 21वें नेशनल कांफ्रेंस ऑन एयरोबायोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार दिया गया।

अप्रैल 2019 — मार्च 2020 के प्रकाशन

पाठ्य पुस्तक

अन्य पुस्तकें (पुस्तक अध्याय)

- डायवर्सिटी ऑफ चिटीनेस प्रोड्यूजिंग बैक्टीरिया एंड देयर पॉसिबल रोल इन प्लांट पेस्ट कंट्रोल पृष्ठ 457 से 491 संदीपन चटर्जी एवं नारायण चंद्र मंडल (2019) माइक्रोबियल डायवर्सिटी इन इकोसिस्टम सस्टेनेबिलिटी एंड बायोटेक्नोलॉजीकल एप्लीकेशन्स। सत्यनारायण टी, दास एस एवं जोहरी बी (संपादक), स्प्रिंगर- नेचर (सिंगापुर)।
- फाइटोकेमेस्ट्री, फार्माकोलॉजी एंड सेफ्टी इशूज ऑफ एसंशियल ऑइल्स : एप्लीकेशंस इन अरोमाथेरेपी। अनिंदिया सुंदर रे, सुमन कल्याण मंडल एवं चौधरी हबीबुर रहमान (2019)। गोयल, एम आर, सुलेरिया, एच ए आर, अएलेसो, ए वो, जोएल, टी जे एवं पांडा, एस के (संपादन) द थेरापीयूटिक प्रॉपर्टीज ऑफ मेडिसिनल प्लांट्स। एप्पल एकेडमिक प्रेसटेलर एंड फ्रांसिस बुक) (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रूप), यू एस ए आईएसबीएन 9781771888035.
- रोल ऑफ गुट माइक्रोबायोटा इन कांबेटिंग ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन माइक्रोबियल डिजीजेज्। बंबा दाम, अरिजीत मिश्र एवं सोहिनी बनर्जी (2019) आईएसबीएन 978-981-13-8763-0, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।
- आइसोएंजाइम्स एंड प्रोटीन प्रोफाइल ऑफ सम मेज ग्रेंस एंड अफलाटॉक्सिन्स एलैबोरेशन बाइ टॉक्सीजेनिक एस्पेरगिलस फ्लेबस, पृष्ठ 563 से 573. रॉय एस एवं मंडल ए (2020) प्रेसीजन एग्रीकल्चर एंड सस्टेनेबल क्रॉप प्रोडक्शन। चौरसिया एच के, आचार्य के एवं सिंह वी (संपादन) : टुडे एंड टुमारोस प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
- बायोफिल्म ऑफ सायनोबैक्टीरिया : नवायर्नमेंटल एप्लीकेशन : पृष्ठ 311 से 330 भकत, एस, मंडल, एस, एवं रथ, जे (2020) (संपादन) अप्लाइड अलगल बायोटेक्नोलॉजी आरुमुगन एम, काथेरेसन एस एवं नागराज एस (संपादक) नोवा साइंस पब्लिशर्स, न्यूयॉर्क, यूएसए।

मनोग्राफ

शोधपत्र

- मोरफ़ोलॉजिकल वेरिएशंस इन ज्योग्राफिकली आइसोलेटेड पापुलेशन्स ऑफ बायुम्कोरोनेताम स्वेजर ब्रियासे, ब्रियालेस), भट्टाचार्य, एस, ओझा एस एन एवं रे, एस (2019) प्लांट साइंस टुडे 6 (3), 360-366.
- ऑकरेंस एंड डायवर्सिटी ऑफ माइक्रो अलगी इन फाइटोप्लैंकटन कलेक्टेड फ्रॉम फ्रेश वाटर कम्यूनिटी पोंड्स ऑफ हुगली डिस्ट्रिक्ट, पश्चिम बंगाल, भारत। हलदर, पी, देबनाथ, एम तथा रे, एस (2019) प्लांट साइंस टुडे 6 (1), 8-1.
- एयरोबायोलॉजी, एपिडेमियोलॉजी एंड डिजीज फोरकास्टिंग ऑफ फाल्स स्मट डिजीज ऑफ राइस इन वेस्ट बंगाल, भारत। साहा, एस, चक्रवर्ती, ए तथा भट्टाचार्य, के (2020) एरोबायोलॉजिया https://doi.org/10.1007/s10453-020-09631-1, स्प्रिंगर नेचर बीवी।
- मोलेकुलर कैरक्टराइजेशन ऑफ ए फंगल साइक्लोफीलिन एलर्जेन Rhi O2 एंड एलुसीडेशन ऑफ एंटीजनिक डिटरमिनांट्स रिस्पांसिबल फॉर IgE- क्रॉस रिएक्टिविटी।
- सिरकार, जी, भौमिक, एम, सरकार, आर.के., नजा, एन, दासगुप्ता, ए, फॉक तेजकल, एम, फ्लिकर, एस. मित्तरमान, आइ.वालेंटा, आर, भट्टाचार्य, के एवं गुप्ता भट्टाचार्य, एस (2020)। द जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल केमिस्ट्री, 295, 2736-2748.doi:10.1074/jbc.RA119.011659.
- ए वाइल्ड एनकाउंटर टू इंश्योर ए फूड सिक्योर 2050 दास, बी, सेनगुप्ता, एस, भट्टाचार्य, के एवं गुप्ता भट्टाचार्य, एस (2020) करंट साइंस, वॉल्यूम 117, सं. 12, 1942-1044.
- इनफ्लुएंस ऑफ डिफरेंट साइटोकिनिन्स ऑन माइक्रोप्रोपेगेशन ऑफ एन इंपोर्टेंट मेडिसिनल प्लांट्स सोलानम एरियांथम डी डॉन एंड एसेसमेंट ऑफ जेनेटिक फेडिलिटी ऑफ द रैजेनरेंट्स। सरकार जे एवं बनर्जी एन (2020) इन विट्रो सेल्यूलर एंड डेवलपमेंट बायोलॉजी, 53(4), 480-490.
- औरकैस्ट्रेशन ऑफ Cu-Zn एस ओ डी एंड क्लास 3 पेरॉक्सीडेस विद अपस्ट्रीम इंटरप्ले बिटवीन एन ए डी पी एच ऑक्सीडेस एंड PM H-ATPase मेडिएट्स रूट ग्रोथ इन विग्ना रेडिएटा (एल) विलचेक मजूमदार, ए तथा आर के कर (2019) जर्नल ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी 232:248-256. https://doi.org/10.1016/j.jplph.2018.11.001.
- रोल ऑफ लाइट इंटेंसिटी-डिपेंडेंट चेंजेज ऑफ थियॉल एंड अमीनो एसिड मेटाबॉलिज्म इन द एडप्टेशन ऑफ ह्वीट टू ड्रौट। गियुगोस, एम., अहरेस, एम, गुलिएस, जेड, सज़लई, जी, डार्को, ई, वेग, बी, बोल्डिज़सर, ए, मेडनीआंस्स्की, जेड, कर आर के, डे, एन, साइमन सारकाडी, एल, गालिबा, जी, और कोकसी जी (2019) जर्नल ऑफ एग्रोनॉमी एंड क्रॉप साइंस https://doi.org/10.1111/jac.12358.

- क्लोरोप्लास्ट अवॉइडेंस मूवमेंट : ए नोवेल पैराडिग्मा ऑफ आर ओ एस सिग्नलिंग। मजूमदार ए तथा आर के कर (2020) फोटोसिंथेसिस रिसर्च 144(1):109-121, DOI:10.1007/s11120-020-00736-9.
- फास्फेट डेफिशियेंसी इंड्यूस्ड बायोफिल्म फॉर्मेशन ऑफ बरखोल्डेरिया ऑन इनसोल्युबल फास्फेट ग्रेन्यूल्स प्लेज ए पीवोटल रोल बोर मैक्सिमम रिलीज ऑफ सॉल्यूबल फास्फेट। घोष आर, बर्मन एस, मंडल एन सी (2019) साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 9:5477/https://doi.org/10.1038/s41598-019-41726-9.
- प्रोडक्शन ऑफ बायोएक्टिव कंपाउंड्स विद बैक्टीरिसिडल एंड एंटीऑक्सीडेंट पोटेंशियल बाय एंडोफिटिक फंगस अल्टरनरिया अल्टर्नटा AE1 आइसोलेटेड फ्रॉम आजादीराचता इंडिका। ए जस, चटर्जी एस, घोष आर, मंडल एनसी (2019) प्लोस वन, https://doi.org/10.1371 /journal.pone. 0214744.
- स्टडी ऑफ हाइड्रोजन बॉन्डिंग इंटरेक्शन ऑफ एक्रीड़ाइन ऑरेंज विद डिफरेंट एक्सेप्टर मोलेकुल्स बाय स्पेक्ट्रोस्कोपीक, थ्योरिटीकल, एंड एंटीमाइक्रोबियल स्टडीज। कर्मकार ए, बनर्जी एस, सिंह बी एवं मंडल एन सी (2019) जे मॉल स्ट्रक 1177:418-429 (https://doi.org/11.1016/j.molstruc. 2018.09.074).
- इन्हिबिशन ऑफ बायोफिल्म एंड हाइफल डेवलपमेंट, टू विरुलेंट फीचर्स ऑफ केंडिडा एलबिकंस बाय सेकेंडरी मेटाबॉलिट्स ऑफ एन एंडोफायटिक फंगस अल्टरनेरिया टेनुइसिमा हैविंग ब्रॉड स्पेक्ट्रम एंटीफंगल पोटेंशियल। सोहिनी चटर्जी, रंजन घोष, नारायण चंद्र मंडल (2020) माइक्रोबायोलॉजिकल रिसर्च 232, 126386 (https://doi.org/10.1016/j.micres.2019.126386). (Online 2019).
- सिंथेसिस, स्पेक्ट्रोस्कोपीक, थियोरेटिकल एंड एंटीमाइक्रोबियल स्टडीज ऑन मोलेकुलर चार्ज ट्रांसफर कंपलेक्स ऑफ 4-(2-थियाजोलीलाजो) रिसोर्सिनोल (टीएआर) विद 3, 5-डायनाइट्रोसैलिसाइक्लिक एसिड, पिक्रिक एसिड एंड क्लोरैनिलिक एसिड। कर्मकार ए, बंद्योपाध्याय पी, बनर्जी एस, मंडल एन सी एवं बुला सिंह (2020) ऑ जर्नल ऑफ मोलेकुलर लिक्विड्स 299, 112217 (https://doi.org/10.1016/j.molliq.2019.112217) (Online 2019).
- फाइटोकेमिकल स्टडी एंड एंटीऑक्सीडेटिव प्रॉपर्टी ऑफ पोलीफेनॉल रिच फ्रैक्शन फ्रॉम टरमिटोमायसेजमेडियस। मित्रा पी, दत्ता ए के, मंडल एन सी एवं आचार्य के (2020) रिसर्च जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी 12:4287-4294 (http://dx.doi.org/10.5958/0974-360X.2019.00737.6) (Online 2019).
- ड्राफ्ट जिनोम सीक्वेंस ऑफ कोल्ड-टोलरेंट कुर्थिया जीबसन सोनी iiB83 आइसोलेटेड फ्रॉम स्पिनैक लीफ। मुखोपाध्याय बीसी, मित्रा एस, काजी टीए, मंडल एस, विश्वास एसआर (2019) माइक्रोबायोलॉजी रिसोर्स अनाउंसमेंट्स (अमेरिकन सोसायटी आफ माइक्रोबायोलॉजी), वॉल्यूम 8,

अंक-11, e01480-18.

- फ्लोरल बायोलॉजी, ग्रेडिंग सिस्टम एंड पोलिनेशन ऑफ ऑक्सीस्टेलमा एस्कुलेंटम (एल.एफ.) एसएम पाल, एस एवं मंडल एस (2019) : द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट रीप्रोडक्टिव बायोलॉजी, 11(2):176-181, DOI:10.14787/ijprb.2019 11.2.
- स्टडीज इन फार्माकोग्नोस्टिक कैरेक्टर्स ऑफ द क्लाइंबर एरिसाइब पैनिकुलाटा रॉक्स बी ऑफ कॉन्वोवुलासे। स्वर्णेन्दु मंडल एवं चौधरी हबीब उर रहमान (2020) जर्नल ऑफ मेडिसिनल प्लांट्स स्टडीज 8(2) : 112-125.
- एंटीबैक्टीरियल एक्टिविटी ऑफ देसी केटेड साइनोबैक्टेरियम अनाबेना एसपी आइसोलेटेड फ्रॉम टेराकोटा मोनुमेंट्स ऑफ विष्णुपुर, वेस्ट बंगाल भकत, एस, साहा, एस, मंडल तथा रथ जे (2020) इंटरनेशनल जर्नल फार्म साइंस ड्रग रेस 12: 94-98.
- इन्वेस्टिगेशन ऑफ थेरैप्यूटिकली एक्टिव कांस्टीट्यूएंट्स ऑफ होम्योपैथी मेडिसिन फ्रॉम जस्टिसिया आधातोड़ा एल. एंड इट्स क्लीनिकल वेरीफिकेशन मंडल एस, मंडल टीके तथा रथ जे (2019) जे फार्माकोगोन फाइटोकेम 8 3790-3796.
- कंपोजीशन एंड डायवर्सिटी ऑफ ट्री सापलिंग्स इन रानीगंज कोलफील्ड ऑफ वेस्ट बंगाल। मालाकार, एस तथा गुप्ता (जोशी) एच (2019) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज 6(1):667-672.
- पापुलेशन स्ट्रक्चर एंड डायवर्सिटी ऑफ ट्रीस इन अमर कुटीर, ए ट्रॉपिकल ड्रायडिसाइड्यूअस फॉरेस्ट ऑफ वेस्ट बंगाल, इंडिया। कुमार एम एल, नाग ए, मालाकार एस तथा गुप्ता (जोशी) एच (2020) इंडियन जर्नल आफ इकोलॉजी, 47(1): 150-154.
- ए बैसिलस स्ट्रेन टीसीएल आइसोलेटेड फ्रॉम झरिया कोलमाइन विद रिमारकेबल स्ट्रेस रिस्पांसेस, क्रोमियम रिडक्शन एंड बायोरिमेडियेशन पोटेंशियल, बनर्जी, एस, मिश्रा, ए, चौधरी, एस, डैम, बी, (2019) जर्नल ऑफ हैजार्डस मैटेरियल्स 367:215-223.
- कंपैरेटिव सीक्वेंस एनालिसिस आईडेंटिफाइड मल्टीपल रिप्लिकेशन सिस्टम्स एंड विरुलेंस डिटरमिनांट्स टू बी फ्रिक्वेंटली इनकोडेड ऑन लार्ज प्लास्मिड्स ऑफ एस्चेरनिया कोली, सिन्हा एस, सेन एसके, एवं बंबा दाम (2019) इकोलॉजिकल जेनेटिक्स एंड जिनोमिक्स 12:100039.
- मॉडरेट हेलोफिलिक बैक्टीरिया, बट नॉट एक्सट्रीम हेलोफिलिक आरकिया कैन एलेविएट द टॉक्सीसिटी ऑफ शॉर्ट अल्कलाइल साइड चेन इमिडाजोलियम-बेस्ड आयनिक लिक्विड्स, पाल एस, सार ए तथा बंबा दाम (2019) ईकोटॉक्सिप्लॉजी एंड एनवायरंमेंटल सेफ्टी 184:109634.

सांख्यिकी विभाग

सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि

सुधांशु एस माइति

- 30.10.2019 : सांख्यिकी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर में "ए जनरलाइज्ड प्रोसेस इंडेक्स ह्विच इंक्लूड्स द स्टैंडर्ड वन्स" विषय पर आमंत्रित वक्तव्य प्रस्तुत किया।
- 21.12.2019-23.12.2019 : पोस्ट ग्रेजुएट सांख्यिकी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में आयोजित रिसेंट एडवांसेज इन स्टैटिसटिक्स एंड डाटा साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की एवं "जनरलाइज्ड प्रोसेस कपाबिलिटी इंडिसेज एंड देयर रोल इन क्वालिटी मैनेजमेंट" विषय पर आमंत्रित पेपर प्रस्तुत किया।

अरिंदम चक्रवर्ती

- 16.09.2019 : शांतिनिकेतन स्थित एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट (ए सेंटर स्पॉन्सर्ड बाय द नीति आयोग, भारत सरकार) द्वारा आयोजित "एप्लीकेशन ऑफ "आर" इन रिसर्च एंड डेवलपमेंट" विषय पर वक्तव्य दिया।
- 22.09.2019-25.09.2019 : लेक ब्लेड, स्लोवेनिया में अप्लाइड स्टैटिसटिक्स 2019 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आईडेंटिफाइंग हायर ऑर्डर-ड्रग इंटरेक्शन एफैक्ट्स यूजिंग मिक्सचर मॉडल" विषय पर वक्तव्य दिया।

तीर्थंकर घोष

- 28.04.2019 : मिदनापुर कॉलेज (स्वायत्त), मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल में "इंस्ट्रूमेंटेशन एंड डाटा एनालिसिस" के सर्टिफिकेट कोर्स (रसा स्पॉन्सर्ड) के उद्‌घाटन सत्र में आमंत्रित वक्तव्य दिया।
- 10.05.2019-11.05.2019 : सॉफ्टवेयर द्वारा सरोजनी नायडू कॉलेज फॉर वूमन, कोलकाता में क्वानटेटिव टेक्निक्स इन सोसल साइंसेज पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता थे।
- 6.08.2019 : एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट (ए सेंटर स्पॉन्सर्ड बाय द नीति आयोग, भारत सरकार), विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में रिसर्च मेथडोलॉजी वर्कशॉप इन सोसल साइंसेज पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में आमंत्रित वक्तव्य दिया।
- 11.09.2019 : महादेवानंद महाविद्यालय, बैरकपुर में आईसीटी-इनेबल्ड एजुकेशन सेमिनार में विशेषज्ञ के रूप में वक्तव्य दिया।
- 23.09.2019 एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट (ए सेंटर स्पॉन्सर्ड बाय द नीति आयोग, भारत सरकार), विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में आयोजित "एप्लीकेशन ऑफ "आर" इन रिसर्च एंड डेवलपमेंट" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में आमंत्रित वक्तव्य दिया।

सरन इशिका माइति

- 8.12.2019 : एके दास गुप्ता सेंटर फॉर प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट (ए सेंटर स्पॉन्सर्ड बाय द नीति आयोग, भारत सरकार), विश्व भारती, शांतिनिकेतन में आयोजित ''एप्लीकेशन ऑफ ''आर'' इन रिसर्च एंड डेवलपमेंट'' विषय पर 2 दिसंबर 2019-11 दिसंबर 2019 तक आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में स्टैटिसटिकल टाइम सीरीज एनालिसिस (पूर्वाह्न 10:30 – अपराह्न 1:00 तथा अपराह्न 2:00 – अपराह्न 5.30) विषय पर दो वक्तव्य दिये।
- 28.12.2019 : इंस्टीट्यूट आफ स्टैटिसटिकल रिसर्च एंड ट्रेनिंग, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में इमर्जिंग चैलेजेंज इन ए डाटा-सेंट्रिक वर्ल्ड पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''ए मॉडिफाइड अप्रोच फॉर टेस्टिंग इंडिपेंडेंस ऑफ एरर एंड कोवेरिएट्स इन नानपारामेट्रिक रिग्रेशन'' विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में वक्तव्य दिया।

सौमाल्य मुखोपाध्याय

- 20.09.2019 : एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लान प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा 14 सितंबर 2019 से 23 सितंबर 2019 तक आयोजित ''एप्लीकेशन ऑफ ''आर'' इन रिसर्च एंड डेवलपमेंट'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में दो वक्तव्य दिये।
- 9.12.2019 ; एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लान प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा 2 दिसंबर 2019-11 दिसंबर 2019 तक आयोजित ''एडवांस्ड एप्लीकेशन ऑफ आर इन प्लैनिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट'' विषय पर दो वक्तव्य दिये।

सौरभ राणा

- 3.08.2019 : गणित विभाग, पिंगला थाना महाविद्यालय, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल में ''स्टैटिसटिक्स यूजिंग आर'' पाठ्यक्रम पर आमंत्रित वक्तव्य दिये।
- 29.11.2019 : भूगोल विभाग, लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में ''सटैटिसटिकल टेक्निक्स'' पर आमंत्रित वक्तव्य दिया।
- 5.12.2019 : भूगोल विभाग, लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में ''स्टैटिसटिकल टेक्निक्स'' पर आमंत्रित वक्तव्य दिया।
- 10.12.2019 : एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लान प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा 2 दिसंबर 2019-11 दिसंबर 2019 तक आयोजित ''एडवांस्ड एप्लीकेशन ऑफ आर इन प्लैनिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में आमंत्रित वक्तव्य दिया।
- 27.02.2020 : कृषि सांख्यिकी पीएसबी विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में ''डाटा एनालिसिस यूजिंग स्टैटिसटिकल टूल्स टेक्निक्स एंड पैकेजेस'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में

आमंत्रित वक्तव्य दिया।

शैक्षणिक उपलब्धियाँ

सुधांशु एस. माइति

- 2020 के लिए इलेक्टेड मेंबर, काउंसिल ऑफ डायरेक्टर्स, कोलकाता स्टैटिसटिकल एसोसिएशन, कोलकाता।
- एक्सपर्ट मेंबर, पीजीबीओएस, सांख्यिकी विभाग, रानीगंज विश्वविद्यालय।

तीर्थंकर घोष

- जर्नल आफ अप्लाइड स्टैटिसटिक्स, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रूप के समीक्षक के रूप में काम किया।

सरन इसिका माइति

- जर्नल आफ अप्लाइड स्टैटिसटिक्स, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रूप, कोलकाता स्टैटिसटिकल एसोसिएशन बुलेटिन, सेज पब्लिकेशन्स के समीक्षक के रूप में काम किया।

प्रकाशन

- सेंपलिंग इंस्पेक्शन प्लान फ़र एक्स्पोनेंशियलि डिस्ट्रीब्यूटेड क्वालिटी करैक्टेरिस्टिक एंड बियोंड। त्रिपाठी एच, माइति एस एस, विश्वास एस तथा साहा एम (2020) : आई ए पी क्यू आर ट्रांजैक्शंस, 44(2), 157-173.
- डिस्ट्रीब्यूशन डिपेंडेंट इक्विलाइजेशन ऑफ स्कोर्स टुवाड्र्स रिमूविंग एग्जामिनर्स बायस : ए केस स्टडी ऑफ एन इंग्लिश पेपर, साहू, एस, हरिराजन, के, माइति, एस एस महापात्रा, जी तथा साहू एस (2020) : इंटरनेशनल जर्नल फ़र रिसर्च इन इंजीनियरिंग एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट, 5(12), 127-135.
- एसिंपटोटिक एंड बूटस्ट्रैप क़न्फिडेंस इंटरवल्स फ़र द प्रोसेस कैपेबिलिटी इंडेक्स C_{py} बेस्ड ऑन लिंडले डिस्ट्रीब्यूटेड क्वालिटी करैक्टेरिस्टिक, साहा, एम, कुमार, एस, माइति एस एस, यादव, ए एस तथा दे, एस (2020) : अमेरिकन जर्नल ऑफ मैथमेटिकल एंड मैनेजमेंट साइंसेज, 39(1), 75-89.
- ए नोट ऑन ऐस्टीमेशन ऑफ द पीडीएफ एंड सीडीएफ ऑफ द ल़गन्नरमल डिसट्रीब्यूशन, मुखर्जी, आई तथा माइति एस एस (2019) : प्रोसीडिंग्स ऑफ इंस्टीट्यूट फॉर मैथमेटिक्स बायोइनफॉर्मेटिक्स, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी एंड कंप्यूटर साइंस, 8, 163-174.
- ऐस्टीमेशन इन कांस्टेंट स्ट्रेस पार्शियली एक्सीलरेटेड लाइफ टेस्ट्स फॉर वैबुल डिस्ट्रीब्यूशन बेस्ड ऑन सेंसर्ड कम्प्यूटिंग रिस्क डाटा, हसन ए एस, नसर, एस जी, प्रामाणिक तथा माइति एस एस (2020) : एनल्स ऑफ डाटा साइंस, 7, 45-62.
- बूटस्ट्रैप कॉन्फिडेंस इंटरवल्स ऑफ C_{pTk} फॉर टू पैरामीटर लॉजिस्टिक एक्स्पोनेंशियल डिस्ट्रीब्यूशन

विद एप्लीकेशन्स, साहा, म, दे, एस तथा माइति एस एस (2019) : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 10(4), 623-631.

- ओड्डस एक्स गामा-जी फैमिली ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन्स, माइति एस एस तथा प्रामाणिक, एस (2019) : आई ए पी क्यू आर ट्रांजैक्शंस, 43(2), 135-163.
- एरोबायोलॉजी, एपिडेमियोलॉजी एंड डिजीज फोरकास्टिंग ऑफ फाल्स स्मट डिजीज ऑफ राइस इन वेस्ट बंगाल, इंडिया। साहा, एम, चक्रवर्ती, ए तथा भट्टाचार्य, के (2020) : एयरोबायोलॉजीया, 36, 299-304.
- p<.05 इज नॉट इनफ माइति, एस आई तथा साइकिया, एस (2019) : एडवांसेस इन जूलॉजी एंड बॉटनी, 7(2), 24-27.
- इफेक्ट साइज-ए मैजिक वैंड फॉर फिकल पी-वैल्यू इन एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजिकल रिसर्च। माइति, एस आई तथा साइकिया, एस (2019) : जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, 10(4), 1-7.
- एविडेंसेस ऑफ एल्ली इफेक्ट इन विंटर क्रॉप्स : ए मॉडल बेस्ड स्टडी, मुखोपाध्याय, एस, शर्मा, आर सी, भट्टाचार्य, एस तथा बनिक, पी (2020) : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट प्रोडक्शन, 14(2), 287-297.

कम्प्यूटर एवं पद्धति विज्ञान विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का नाम :

नेट :

1. सायन दास (WB0205202805)
2. सुबिनय मान्ना (Wb04500603)
3. संदीप दत्त (WB0405201546)
4. देवाशीष माजी (WB0205202792)
5. वसीम हैदर (WB02501132)
6. सुजय दास (WB0205202767)
7. राहुल देव मंडल (WB0205202772)
8. सौम्यदीप मजूमदार (WB04500022)

स्लेट :

1. ऐश्वर्या कयाल (14030385)
2. संदीप दत्त (22001365)

गेट :

1. सौरभ मंडल (CS19S36052563)
2. अरिंदम घोष (CS19S34034011)
3. तन्मय चौधरी (CS20S64034073)
4. सुबिनय मान्ना (CS20S66043190)
5. विश्वेश्वर सोम (CS20S66053031)
6. राहुल देव मंडल (CS20S64034018)
7. वसीम हैदर (CS20S64034025)
8. सौम्यदीप मजूमदार (CS19S34034045)
9. शरबिन्दु मेटा (CS20S64034033)
10. शबनम सुल्ताना रैनी (CS20S64033015)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि) :

- आई ई ई ई कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस सोसाइटी, कोलकाता चैप्टर तकनीकी के साथ दिनांक 12 फरवरी 2020 से 16 फरवरी 2020 तक ''एप्लीकेशन ऑफ पाइथन इन बिग डाटा, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, एंड सोशल नेटवर्क एनालिसिस'' विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला आयोजित।

केवल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि में शिक्षों / अनुसंधान विद्वानों की सहभागिता का विवरण

अध्यापक : प्रो. परमार्थ दत्त

- 11.07.2019 सिलीगुड़ी प्रौद्योगिकी संस्थान, पश्चिम बंगाल, भारत में 08/07/2019 से 12/07/2019 तक ''मशीन इंटेलिजेंस फॉर बिग डाटा चैलेंजेज'' विषय पर आमंत्रित वक्तव्य दिया।
- 18.07.2019 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, आरसीसी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा 15/07/2019 से 19/07/2019 तक आयोजित ''मशीन इंटेलिजेंस फॉर बिग डाटा चैलेंजेज'' विषय पर आमंत्रित वक्तव्य दिया।
- 24.07.2019 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, आरसीसी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित ''हैंडलिंग इमेज्स एंड टेबल्स ऑन ला टेक्स'' विषय पर आमंत्रित वक्तव्य दिया।
- 07.08.2019 डिपार्टमेंट ऑफ अप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, आरसीसी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा 06/08/2019 से 08/08/2019 तक आयोजित ''मशीन एंड क्लाउड कंप्यूटिंग'' विषय पर आमंत्रित वक्तव्य दिया।

प्रोफेसर उत्पल राय :

- 31.01.2020 वीआईटी, वेल्लोर - 632014, तमिलनाडु, भारत में कीस्ट्रोक डायनॉमिक्स एंड इट्स एप्लीकेशंस टू इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी पर बीज वक्तव्य दिया।
- 7.2.2020-8.02.2020 आई ई ई ई - नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑन सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग एप्लीकेशंस बी सी रॉय इंजीनियरिंग कॉलेज, दुर्गापुर में कीस्ट्रोक डायनामिक्स : इश्यूज रिलेटेड टू यूजर आईडेंटिफिकेशन एंड ऑथेंटिकेशन विषय पर आमंत्रित वक्तव्य दिया।

श्री देवादित्य बर्मन

- 20.02.2020-22.01.2020 एमिटी विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर, भारत में सस्टेनेबल कंप्यूटिंग इन साइस, टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पर्सनलाइज्ड क्वेरी रिकमेंडेशन सिस्टम : ए जेनेटिक एल्गोरिथम अप्रोच'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शोध विद्वान

अभिषेक नंदी

- 7.06.2019 से 8.06.2019 दयानंद सागर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक में इंटेलीजेंट कंप्यूटिंग एंड कम्यूनिकेशन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता।
- 29.06.2019 से 30.06.2019 टेक्नोलॉजी केंपस, कोलकाता विश्वविद्यालय, जेडी-2, जेडी ब्लॉक, सेक्टर 3, बिधाननगर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में पी वाइ टी एच ओ आर एच पर कार्यशाला में सहभागिता।
- 1.11.2019 से 2.11.2019 लेंडी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विजयानगरम, आंध्र प्रदेश, भारत में इनफॉरमेशन सिस्टम डिजाइन एंड इंटेलीजेंट एप्लीकेशन्स पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता।

मोहम्मद नसीर

- 29.06.2019 से 30.06.2019 टेक्नोलॉजी केंपस, कोलकाता विश्वविद्यालय, जेडी-2, जेडी ब्लॉक, सेक्टर 3, बिधाननगर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700106 में पी वाइ टी एच ओ आर एच पर कार्यशाला में सहभागिता।
- 7.06.2019 से 8.06.2019 दयानंद सागर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक में इंटेलीजेंट कंप्यूटिंग एंड कम्यूनिकेशन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता।
- 1.11.2019 से 2.11.2019 लेंडी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विजयानगरम, आंध्र प्रदेश, भारत में इनफॉरमेशन सिस्टम डिजाइन एंड इंटेलीजेंट एप्लीकेशन्स पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता।

अबू सुफियान

- 29.10.2019-31.10.2019 एनआरएससी, इसरो, हैदराबाद, भारत द्वारा तीन दिवसीय भुवन ओवरव्यू ट्रेनिंग आयोजित।
- 03.02.2020 से 04.02.2020 त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा, भारत में कंप्यूटर कम्युनिकेशन एंड इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति।
- 13.05.2019-14.05.2019 रायगंज विश्वविद्यालय में फाउंडेशन एंड एडवांसेज इन रिसर्च मेथड्स एंड कंप्यूटिंग 2019 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आर्टिकल राइटिंग यूजिंग ला टेक्स पर आमंत्रित वक्ता।

फरहाना सुल्ताना

- सम्मेलन कक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती में 24-25 नवंबर 2019 के दौरान ''रिसर्च मेथाडोलॉजी'' पर दो दिवसीय कार्यशाला में सहभागिता।

प्रभास सिंह

- 24.11.2019-25.11.2019 विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क, विश्वभारती द्वारा आयोजित ''रिसर्च मेथाडोलॉजी'' पर दो दिवसीय कार्यशाला में सहभागिता।
- 12.02.2020-16.02.2020 डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंसेज, विश्वभारती द्वारा ''एप्लीकेशन ऑफ पाइथन इन बिग डाटा, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग एंड सोशल नेटवर्क एनालिसिस'' विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला में सहभागिता।

अरिंदम कर्मकार

- 12.02.2020 से 16.02.2020 डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइसेज, शिक्षाभवन (इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस), विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत में ''एप्लीकेशन ऑफ पाइथन इन बिग डाटा, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग एंड सोशल नेटवर्क एनालिसिस'' विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला में सहभागिता।

अप्रैल 2019-मार्च 2020 के प्रकाशन

व्यक्तिगत प्रकाशन :

एकल लेखक (विभाग से)

जर्नल :

- मैचिंग फॉर्मूलेशन ऑफ द स्टाफ ट्रांसफर प्रॉब्लम : मेटा-ह्यूरिस्टिक अप्रोचेस, एस श्रियंकर आचार्य तथा अलक के दत्ता, ओपसर्च 57, 629-668 (2020).
- ''इंफ्लुएंस ऑफ सेप एंड टेक्सचर फीचर्स इन फैसियल एक्सप्रेशन रिकॉग्निशन'', ए बर्मन तथा परमार्थ दत्ता, आईइटी इमेज प्रोसेसिंग, वॉल्यूम 13, पृष्ठ 1349-1363, अप्रैल 2019. DOI:10.1049/ietipr.2018.5481. (IET).
- ''ई एफ-इंडेक्स : डिटरमिनिंग नंबर्स ऑफ कलस्टर्स (केटू) एस्टीमेट नंबर ऑफ सिग्मेंट्स (एस) इन एन इमेज'', एम के भौमिक, टी देबनाथ, डी भट्टाचार्जी, परमार्थ दत्ता, इमेज एंड विजन कंप्यूटिंग, वॉल्यूम 88, पृष्ठ 29-40, DOI:10.1016/j.imavis.2019.04.009. अप्रैल 2019.
- ''फैसियल एक्सप्रेशन रिकॉग्निशन यूजिंग डिस्टेंस एंड टेक्सचर सिग्नेचर रेलीवेंट फीचर्स'', ए बर्मन तथा परमार्थ दत्ता, अप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, वॉल्यूम 77, पृष्ठ 88-105, DOI:https://doi.org/10.1016/j.asoc.2019.01.011, 01/04/2019.
- ''ऑटोमेटिक क्लस्टरिंग बाय मल्टी-ऑब्जेक्टिव जेनेटिक एल्गोरिथम विद न्यूमैरिक एंड कटेगोरीकल फीचर्स'', दीपंकर दत्ता, जया सील, परमार्थ दत्ता, एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लीकेशंस, वॉल्यूम 137, पृष्ठ 357-379, DOI: https://doi.org/10.1016/j.eswa.2019.06.056, 2019.

- पर्सनलाइज्ड क्वेरी रिकमेंडेशन सिस्टम : ए जेनेटिक एल्गोरिथम अप्रोच। देबादित्य बर्मन, रितम सरकार, अनिल टूडू तथा निर्मला चौधरी, (2020) जर्नल ऑफ इंटरडिसीप्लिनरी मैथमेटिक्स, 23(2), 523-535.
- ''के-कोंटेक्स्ट टेक्निक : ए मेथड फॉर आईडेंटिफाइंग डेंस सबग्राफ्स इन ए हेटेरोजेनस इनफॉरमेशन नेटवर्क। ''देबादित्य बर्मन, सुभायन भट्टाचार्य, रितम सरकार तथा निर्माल्य चौधरी। आई ई ई ई ट्रांजैक्शन ऑन कंप्यूटेशनल सोशल सिस्टम्स 6, no. 6 (2019) : 1190-1205.

सम्मेलन :

- ''ए मल्टीपाथ लोड बैलेंसिंग रुटिंग प्रोटोकोल इन मोबाइल अड हॉक नेटवर्क यूजिंग रिकरेंट न्यूरल नेटवर्क'' इन प्रोसीडींग्स ऑफ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस, कम्युनिकेशंस, एंड बिजनेस एनालिटिक्स सी आई सी बी (2018), कल्याणी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, वेस्ट बेंगल इंडिया। अरिंद्रजीत पाल, परमार्थ दत्ता, अम्लान चक्रवर्ती तथा ज्योति प्रकाश सिंह, सी सी आई एस 1030, पृष्ठ 458-464, 2019, स्प्रिंगर, DOI: https://doi.org/10:1007/978-981-13-8578-0-36.
- ''इंपैक्ट ऑफ द कंटीन्यूअस इवोल्यूशन ऑफ जीन ओंटोलॉजी ऑन सिमिलरिटी मेजर्स ''8वाँ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पैटर्न रिकॉग्निशन एंड मशीन इंटेलिजेंस (पी आर ई एम आई 2019), मधुसूदन पॉल, आशीष आनंद, सप्तर्षी पाइन, पब्लिश्ड इन लेक्चर नोट्स इन कंप्यूटर साइंस वॉल्यूम 11942, पृष्ठ 122-129, Springer, 2019.
- डीप लर्निंग अप्रोच इन प्रिडिक्टिंग पर्सनल ट्रेट्स बेस्ड ऑन द वे यूजर टाइप ऑन टचस्क्रीन, कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन पैटर्न रिकॉग्निशन। एस राय, उत्पल राय, डीडी सिन्हा, इन : दास ए, नायक जे, नाइक बी, पति एस, पेलुसी डी (इडीएस), एडवांसेज इन इंटेलीजेंट सिस्टम्स एंड कंप्यूटिंग, वॉल्यूम 999 स्प्रिंगर, सिंगापुर 2020.

पुस्तक (लिखी गई)

- परमार्थ दत्ता तथा ए बर्मन, पुस्तक का शीर्षक ''ह्यूमेन इमोशन रिकॉग्निशन फ्रॉम फेस इमेज्स'', स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित, आई एस बी एन 978-981-15-3882-7, 2020.

पुस्तक संपादित

- ''कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस, कम्यूनिकेशंस एंड बिजनेस एनालिटिक्स'', जेके मंडल, एस मुखोपाध्याय, परमार्थ दत्ता तथा के दासगुप्ता, संपादित पुस्तक का शीर्षक ''प्रोसीडिंग्स ऑफ द सेकंड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस, कम्युनिकेशंस एंड बिजनेस एनालिटिक्स'' स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर द्वारा प्रकाशित, DOI : 10.1007/978-981-13-8578-0, ISSN : 1865-0929, eISSN : 1865-0937, ISBN : 978-981-13-8577-3, eBook ISBN : 978-981-13-8578-0, 2019.

पुस्तक अध्याय :

- "सेंटर सिमेट्रीक लोकल बाइनरी पैटर्न बेस्ड-इमेज ऑथेंटिकेशन यूजिंग लोकल एंड ग्लोबल फीचर्स वेक्टर", आशीष दे, पवित्र पाल, पार्थ चौधरी, प्रभाश कुमार सिंह तथा विश्वपति जाना, कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन पैटर्न रिकॉग्निशन, पृष्ठ 489-501, 2020, स्प्रिंगर।
- डाटा हाइडिंग बेस्ड ऑन डेकागॉन शेप्ड शेल, शुभदीप मुखर्जी, पार्थ चौधरी, प्रभाश कुमार सिंह तथा विश्वपति जाना, कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन पेटर्न रिकॉग्निशन, पृष्ठ 339-348, 2020, स्प्रिंगर।

संयुक्त लेखक :

जर्नल

- "एनर्जी एंड वेलोसिटी बेस्ड ट्री मल्टीकास्ट रूटिंग इन मोबाइल एड-हॉक नेटवर्क्स", अबू सुफियान, अनुराधा बनर्जी, तथा परमार्थ दत्ता, वायरलेस पर्सनल कम्यूनिकेशंस, वॉल्यूम 107, पृष्ठ 2191-2209, DOI: 10.1007/s11277-019-06378-y, अप्रैल 2019.
- "ए क्यूसीए डिजाइन एंड एनर्जी एनालिसिस ऑफ बायनरी सेमाफोर विद ए कंप्रिहेंसिव केस स्टडी" सुनंदा मंडल, मिली घोष, काकली दत्ता, देबारका मुखोपाध्याय तथा परमार्थ दत्ता। इन्नोवेशंस इन सिस्टम्स एंड सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर, https://doi.org/10.1007/s11334-019-00338-2, 2019.

सम्मेलन :

- "NC2H: कॉ ऑपरेशन अमंग नोट्स थअरु क्लस्टर हेड इन अड-हॉक नेटवर्क", अबू सुफियान, अनुराधा बनर्जी, परमार्थ दत्ता, सेकंड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्युनिकेशन, डिवाइसेज एंड कंप्यूटिंग (2019), प्रोसीडिंग इन लेक्चर नोट्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग बुक सीरीज, पृष्ठ 139-147, स्प्रिंगर, सिंगापुर।
- "ए रिव्यू ऑफ ऑब्जेक्ट डिटेक्शन मॉडल्स बेस्ड ऑन कन्वॉल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क", फरहाना सुल्ताना, अबू सुफियान, परमार्थ दत्त, सेकंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्युनिकेशन डिवाइसेज एंड कंप्यूटिंग (2019), प्रोसीडिंग इन लेक्चर नोट्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग बुक सीरीज, स्प्रिंगर, सिंगापुर।
- "ऑटोमेटिक फैसियल एक्सप्रेशन रिकॉग्निशन यूजिंग हिस्टोग्राम ओरिएंटेड ग्रेडिएंट्स ऑफ शेप इनफॉरमेशन मैट्रिक्स", अभिषक नंदी, परमार्थ दत्ता तथा मोहम्मद नसीर, प्रोसीडिंग्स ऑफ थर्ड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटेलीजेंट कंप्यूटिंग एंड कम्यूनिकेशन (2019), दयानंद सागर यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, इंडिया, इंटेलीजेंट कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन, पृष्ठ 343 से 351, स्प्रिंगर सिंगापुर, 2019.

- ''रिकॉग्निशन ऑफ चेंज इन फैसियल एक्सप्रेशंस फ्रॉम वीडियो सीक्वेंस यूजिंग इनसेंटर – सरकमसेंटर पेयर ग्रेडिएंट सिग्नेचर'', मोहम्मद नसीर, परमार्थ दत्ता तथा अभिषेक नंदी, प्रोसीडिंग्स ऑफ सिक्स्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इनफॉरमेशन सिस्टम डिजाइन एंड इंटेलीजेंट एप्लीकेशंस (भारत 2019), लेंडी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश, इंडिया, इंटेलीजेंट सिस्टम डिजाइन, पृष्ठ 771 से 779, स्प्रिंगर सिंगापुर, 2020.
- ''ए ट्री मल्टीकास्ट रूटिंग बेस्ड ऑन फुजी मैथमेटिक्स इन मोबाइल अड-हॉक नेटवर्क्स'' अबू सुफियान, अनुराधा बनर्जी, तथा परमार्थ दत्ता। इन एप्लीकेशंस ऑफ इंटरनेट ऑफ थिंग्स, पृष्ठ 107-117 स्प्रिंगर, सिंगापुर।
- ''ट्रैकिंग चेंजिंग ह्यूमेन इमोशंस फ्रॉम फेसियल इमेज सीक्वेंस बाय लैंडमार्क ट्रायंगुलेशन : ए इनसर्कल – सरकमसर्कल डूओ अप्रोच'', मोहम्मद नसीर, परमार्थ दत्ता, के दासगुप्ता तथा अभिषेक नंदी, (इडीएस. जेके मंडल, एस मुखोपाध्याय, परमार्थ दत्ता, के दासगुप्ता), एल्गोरिथम इन मशीन लर्निंग पैराडिग्मा इन स्टडीज इन कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस सीरीज (सीरीज इडीएस. जानूस्ज काक्प्रेजिक), पृष्ठ 129-146, स्प्रिंगर नेचर, आई एस एस एन : 1860-949X, 2019.
- रिकोग्निजिंग ह्यूमन इमोशंस फ्रॉम फेशियल इमेज्स बाय लैंडमार्क ट्रायंगुलेशन : ए कंबाइंड सरकमसेंटर-इंटरसेंटर सेंट्रॉयड ट्रायो फीचर बेस्ड मेथड'', अभिषेक नंदी, परमार्थ दत्ता तथा मोहम्मद नसीर (संपादक जेके मंडल, एस मुखोपाध्याय, परमार्थ दत्ता, के दासगुप्ता), एल्गोरिथम्स इन मशीन लर्निंग पैराडिग्म्स इन स्टडीज इन कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस सीरीज (सीरीज इडीएस. जानूस्ज काक्प्रेजिक), पृष्ठ 147-164, स्प्रिंगर नेचर, आई एस एस एन : 1860-949X, 2019.
- ए स्टडी ऑन द इनफ्लुएंस ऑफ एंगुलर सिग्नेचर ऑफ लैंडमार्क इंड्यूस्ड ट्रायंगुलेशन इन रिकॉग्नाइजिंग चेंजेज इन ह्यूमन इमोशन। मोहम्मद नासिर, परमार्थ दत्ता तथा अभिषेक नंदी (2020) कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस फॉर ह्यूमन एक्शन रिकॉग्निशन। सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस।
- फेस एक्सप्रेशन रिकॉग्निशन यूजिंग साइड लेंग्थ फीचर्स इंड्यूस्ड बाय लैंडमार्क ट्रायंगुलेशन। अभिषेक नंदी, परमार्थ दत्ता तथा मोहम्मद नासिर (2020) कंप्यूटेशनल इंटेलिजंस फॉर ह्यूमन एक्शन रिकॉग्निशन। सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस।
- ''फंडामेंटल कॉन्सेप्ट्स ऑफ कन्वॉल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क''। अनिरुद्ध घोष, अबू सुफियान, फरहाना सुल्ताना, अम्लान चक्रवर्ती तथा देवाशीष दे। रीसेंट ट्रेंड्स एंड एडवांसेज इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इंटरनेट ऑफ थिंग्स, पृष्ठ 519-567 स्प्रिंगर, चैम, 2020.

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठसामग्री या अन्य शिक्षण नवाचार :

- विभाग ने कंप्यूटर विज्ञान में प्रस्तावित एमटेक के पाठ्यक्रम को डिजाइन किया है।
- विभाग ने कंप्यूटर विज्ञान में प्रस्तावित एमएससी का पाठ्यक्रम डिजाइन किया है।

भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित जानकारी :

- कोई नहीं।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग प्रमुख्र की राय में महत्वपूर्ण हो, को शामिल किया जाना चाहिए।

- प्रो. परमार्थ दत्ता ने आइ एन एस ए शिक्षक पुरस्कार, 2019, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया। पुरस्कार प्रदान करने वाली एजेंसी भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान : अकादमी (भारत सरकार) 16/12/2019-18/12/2019.
- प्रो. उत्पल राय ने प्रतिष्ठित जर्नल एसीएम ट्रांजेक्शंस ऑन एशियन एंड लो-रिसोर्स लैंग्वेज इंफॉर्मेशन प्रोसेसिंग के लिए एक समीक्षक के रूप में काम किया।
- प्रो. उत्पल रॉय ने निम्नलिखित विश्वविद्यालय में एक कुलाधिपति द्वारा नामित व्यक्ति के रूप में कार्य किया :

  i. जादवपुर विश्वविद्यालय, आईटी विभाग

  ii. कलकत्ता विश्वविद्यालय, आईटी विभाग

  iii. पश्चिम बंगाल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कोलकाता (वर्तमान में मकौट)

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पर्यावरण अध्ययन विभाग (डी ई एस), शिक्षा भवन, विश्वभारती 1999 में आईएक्सएच 9वीं योजना अवधि के दौरान पर्यावरण अध्ययन केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था। केंद्र वर्ष 2012 में एक विभाग बन गया। विभाग एक अंत: विषय दृष्टिकोण के साथ पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में नए आयाम प्रदान करता है। यह पूरी तरह से वैश्विक परिप्रेक्ष्य और प्रवृत्तियों के संबंध में रवीन्द्रनाथ टैगोर की संस्कृति, परंपरा और नैतिकता की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालता है। विभाग ने 2000-2001 सत्र से विश्वविद्यालय के सभी दूसरे सत्र के स्नातक छात्रों के लिए पर्यावरण अध्ययन में अनिवार्य पाठ्यक्रम के शिक्षण के साथ अपने अकादमिक पाठ्यक्रम की शुरूआत की। विभाग ने 2003 से पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी. और पीएच.डी. की शुरूआत की और सत्र 2003-04 से पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी. की शुरूआत की। विभाग के संकाय सदस्य पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2014-15 के दौरान, विभाग को डीएसडी-फिस्ट से 1.0 करोड़ का अनुदान मिला है जिसमें से फिस्ट अनुदान की पहली किश्त से कुछ अत्याधुनिक उपकरण खरीदे गए हैं। इससे विभाग पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्ता अनुसंधान के लिए अच्छा आधारभूत संरचना विकसित करेगा। इसके स्थापना का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत में पर्यावरण अध्ययन के क्षेत्र में नोडल विभाग के रूप में कार्य करना है।

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट और गोट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का नाम :

क्रम सं.	छात्र का नाम	उत्तीर्ण परीक्षा
1	सुमन सामंत	यूजीसी नेट
2	बुद्धदेव घोष	यूजीसी नेट
3	देवस्मिता बेहरा	यूजीसी नेट
4	तूलिका साहा	यूजीसी नेट
5	अमीना ख़ातुन	यूजीसी नेट
6	पारुल कुइरी	यूजीसी नेट
7	अभिषेक दत्ता	यूजीसी नेट
8	साथी कोनार	यूजीसी नेट
9	प्रणय घोष	गेट
10	श्रीजया नंदी	गेट
11	अमन बसु	आइ इ लेट

विभागीय संगोष्ठी :

- 08 सितंबर 2019 पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती ने डी एस टी – एम आई, भारत सरकार, विश्वभारती तथा एन बी आई आर टी, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में जंतु विज्ञान विभाग,

विश्वभारती के सेमिनार हॉल में ''रीसेंट डेवलपमेंट इन रिन्यूएबल एनर्जी एंड रूरल एंपावरमेंट'' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित किया।

- 23-25 नवंबर, 2019 स्पार्क – मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से 'टूल्स एंड टेक्निक्स इन एयर क्वालिटी एंड हेल्थ इंपैक्ट्स एसेसमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित किया।

विभाग में गण्यमान्य व्यक्तियों द्वारा निम्नलिखित सेमिनार व्याख्यान भी आयोजित किया गया :

क्रम सं.	वक्ता का नाम	शीर्षक	दिनांक
1	प्रो. निगेल ह्यूजेस, पृथ्वी विज्ञान विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, यूएसए	व्हाट डज अर्थ हिस्ट्री टेल्स अस अबाउट इट्स फ्यूचर एंड द क्लाइमेट चेंज इश्यू?	03.02.2020
2	प्रो. मईदाद किसिंगर, बेन-गुरियन विश्वविद्यालय, नेगेव, इस्राएल	टूवार्ड्स एन इंटर रीजनल अप्रोच टू सस्टेनेबेलिटी इन ए ग्लोबलाइजिंग इंटरकनेक्टेड वर्ल्ड	18.08.2019
3	प्रो. आर. पॉलराज, पर्यावरण विज्ञान स्कूल, जेएनयू, नई दिल्ली	हेल्थ इंप्लीकेशंस ऑफ मोबाइल फोन रेडिएशन	20.07.2019

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि में शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों की सहभागिता का विवरण

शिबानी चौधरी

- 27-30 नवंबर 2019 अमन बसु, अंकिता लाहा, इंद्रनील भुई, अनीता विशअवास, कृषानु सरकार, शिबानी चौधरी और श्रीनिवासन बालचंद्रन (2019) बायोगैस पोटेंशियल ऑफ किचन वेस्ट विश्वभारती शांतिनिकेतन, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 9वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अमन बासु को आइकॉन एसडब्ल्यूएम एक्सीलेंस अवार्ड 2019.
- 9-10 अगस्त 2019, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, भारत एवं सी एस आर – मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुर्गापुर, भारत ने वेस्ट मैनेजमेंट एंड रिसोर्स सरकुलेशन (2019) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया। विनय कुमार शो, शिवानी चौधरी, एस बालाचंद्रन (2019) आइसोलेशन ऑफ लिगनेन डिग्रेडिंग बैक्टीरिया : ए इनिशियल स्टेप फॉर लिगनिन एंड अदर रीकैल्सिटरेंट वेस्ट बायोरेमेडीएशन।
- 9-10 अगस्त 2019, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, भारत एवं सी एस आर – मैकेनिकल इंजीनियर रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुर्गापुर भारत ने वेस्ट मैनेजमेंट एंड रिसर्च सरकुलेशन

2019 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया। देवश्री सिन्हा, एस. बालाचंद्रन, शिबानी चौधरी (2019) नॉक्सियस वीड्स एज एन अल्टरनेटिव फॉर्म ऑफ एनर्जी : अप्रोच टू एनवायरंमेंटल मैनेजमेंट।

- 5 जून 2019 शिबानी चौधरी तथा एस बालचंद्रन (2019) एयर पोल्यूशन एंड हेल्थ : पॉसिबल सोल्यूशन, बक्रेश्वर थर्मल पावर प्लांट, विश्व पर्यावरण दिवस।
- 5 जून 2019 बालचंद्रन तथा शिबानी चौधरी (2019) फ्लाई एश – यूटिलाइजेशन इन एग्रीकल्चर बाय वर्मीकंपोस्टिंग, बक्रेश्वर थर्मल पावर प्लांट, विश्व पर्यावरण दिवस ।
- 27 जून 2019 एस बालचंद्रन, शिवानी चौधरी, अमित हाजरा (2019) बायोमास सप्लाई चेन्स एंड इनवेसिव बायोमास इन इंडिया, रॉयल बॉटनिकल गार्डन्स क्यू, लंदन में प्लांट पावर : बायो एनर्जी एज ए रिन्यूएबल रिसोर्स विषय पेपर प्रस्तुत किया।
- 27 जून 2019 शिवानी चौधरी, अमित हाजरा, बालचंद्रन (2019) सोशियो इकोनॉमिक्स कंसीडरेशन ऑफ रूरल बायो एनर्जी सिस्टम, रॉयल बॉटनिकल गार्डन्स क्यू, लंदन में प्लांट पावर बायो एनर्जी एज : ए रिन्यूएबल रिसोर्स विषय पेपर प्रस्तुत किया।
- 1 अगस्त 2019 शिबानी चौधरी ने एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती में बायोमास टू बायो एनर्जी : एक्सपीरियंस फ्रॉम रिसर्च प्रोजेक्ट पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 21 सितंबर 2019 शिवानी चौधरी ने पाठभवन में इलेक्ट्रिसिटी फ्रॉम वाटर यासीन पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रताप कुमार पाधी

- 9-10 दिसंबर, 2019 चौधरी एम, घोष एस तथा पाधी पी के (2019) ने वर्धमान विश्वविद्यालय, वर्धमान में चौथा रीजनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉन्ग्रेस में इंडोर पॉल्यूशन एसोसिएटेड विद सॉलिड बायोमास फ्यूल यूज इन रूरल किचन पर मौखिक प्रस्तुति दी।

एस. बालचंद्रन

- 9-10 अगस्त 2019, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, भारत एवं सी एस आइ आर – सेंट्रल मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुर्गापुर, भारत ने वेस्ट मैनेजमेंट एंड रिसोर्स सरकुलेशन (2019) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया। बिनय कुमार शो, शिबानी चौधरी, एस बालचंद्रन (2019) आइसोलेशन ऑफ लिगनेन डिग्रेडिंग बैक्टीरिया : ए इनिशियल स्टेप फॉर लिग लिगनिन एंड अदर रीकैल्सिटरेंट वेस्ट बायोरेमेडीएशन।
- 9-10 अगस्त 2019, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, भारत एवं सी एस आइ आर – सेंट्रल मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुर्गापुर, भारत ने वेस्ट मैनेजमेंट एंड रिसोर्स सरकुलेशन (2019) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया। देवश्री सिन्हा, एस बालाचंद्रन,

शिबानी चौधरी (2019) नॉक्सियस वीड्स एज एन अल्टरनेटिव फॉर्म ऑफ एनर्जी : एन अप्रोच टू एनवायरंमेंटल मैनेजमेंट।

- 5 जून 2019 शिबानी चौधरी तथा एस बालचंद्रन (2019) एयर पोल्यूशन एंड हेल्थ : पॉसिबल सोल्यूशन, बक्रेश्वर थर्मल पावर प्लांट, विश्व पर्यावरण दिवस।
- 27 जून 2019 एस बालचंद्रन, शिवानी चौधरी, अमित हाजरा (2019) बायोमास सप्लाई चेन्स एंड इनवेसिव बायोमास इन इंडिया, रॉयल बॉटनिकल गार्डन्स क्यू, लंदन में प्लांट पावर : बायो एनर्जी एज ए रिन्यूएबल रिसोर्स विषय पेपर प्रस्तुत किया।
- 27 जून 2019 शिबानी चौधरी, अमित हाजरा, एस बालचंद्रन (2019) सोशियो इकोनॉमिक्स कंसीडरेशन ऑफ रुरल बायो एनर्जी सिस्टम, रॉयल बॉटनिकल गार्डन्स क्यू, लंदन में प्लांट पावर : बायो एनर्जी एज ए रिन्यूएबल रिसोर्स विषय पेपर प्रस्तुत किया।
- 3-4 मार्च 2020, रमेश के तथा एस बाल चंद्रन, ट्रेडिशनल मैनेजमेंट ऑफ वॉटर बॉडीज एंड इट्स सस्टेनेबिलिटी – ए स्टडी फ्रॉम विलेज ऑफ बेरंबलूर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु, बायोमिलेनियम' 2020 बायो साइंस विभाग, विवेकानंद कॉलेज आफ आर्ट्स एंड साइंसेज फॉर वुमन इलायाम्पलयम-637205, तिरुचेंगोड़े, नमक्कल, तमिलनाडु, भारत में ए स्पेशल फोकस ऑन ट्रांसलेशनल बायो मेडिसिन रिसर्च फॉर मेटाबॉलिक डिजीजेज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

विभागों में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ :

शिबानी चौधरी

- परियोजना का नाम "डेवलपमेंट, रिसर्च एंड पायलट स्केल इंस्टॉलेशन ऑफ सोलर-हाइड्रो पंप्ड स्टोरेज स्कीम इन ए रिमोट विलेज ऑफ मणिपुर टू इंश्योर 24×7 इलेक्ट्रिसिटी"। स्पॉन्सरिंग एजेंसी-डीएसटी, नवंबर 2018-अक्टूबर 2020. डॉक्टर एसपी गोन चौधरी, एनबीआईआरटी, कोलकाता के साथ। मंजूर राशि- रु.2,60,67,500 में से विश्वभारती के लिए रु.88,57,000/- अनुदानित। मुख्य अन्वेषक- प्रोफेसर शिवानी चौधरी, पर्यावरण अध्ययन विभाग। परियोजना के सह अन्वेषक- प्रो. अमित कुमार हाजरा, डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लोंग लर्निंग एंड एक्सटेंशन, पीएसवी तथा डॉ. एस बालचंद्रन, पर्यावरण अध्ययन विभाग।
- परियोजना का नाम "बायो एनर्जी, फर्टिलाइजर एंड क्लीन वॉटर फ्रॉम इनवेसिव एक्वेटिक माइक्रोफाइट्स"। स्पॉन्सरिंग एजेंसी- बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोलॉजिकल साइंसेज रिसर्च काउंसिल (फंडर), यूनाइटेड किंगडम अंडर द जीसीआरएफ इंडस्ट्रियल बायो टेक्नोलॉजी एंड बायो एनर्जी इन द डेवलपिंग वर्ल्ड फंड। अवधि- जनवरी 2019-दिसंबर 2021. मंजूर राशि- रु.2,37,85,233.43. परियोजना का सह अन्वेषक- प्रो. अमित कुमार हाजरा, डिपार्टमेंट ऑफ लाइप लोंग लर्निंग एंड एक्सटेंशन, पीएसवी तथा डॉ एस बालचंद्रन, पर्यावरण अध्ययन विभाग। मुख्य अन्वेषक- एंड्रयू बी

रॉस, लीड्स विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम।

- परियोजना का नाम- टीचर्स एसोसिएटशिप फॉर रिसर्च एक्सीलेंस विश्वभआरती, शांतिनिकेतन बोलपुर-731235 में प्रो. शिबानी चौधरी के निर्देशन में डॉक्टर एवं एम सेंथिल कुमार, सेंट जेवियर कॉलेज, सेंट जेवियर रोड, पोस्ट ऑफिस श्रीपल्ली, वर्धमान, पश्चिम बंगाल। स्पॉन्सरिंग एजेंसी-एसइआरबी-डीएसटी, मंजूर राशि- रु.18,30,000/- परियोजना की अवधि- नवंबर 2018-अक्टूबर 2021.
- परियोजना का नाम- फाइन पार्टिकुलेट मैटर्स इन द एयर एनवायरनमेंट एंड कैंसर रिस्क इन ह्यूमन विंग्स शीर्षक पर स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन। मुख्य अन्वेषक- प्रो. प्रताप कुमार पाधी। फंडिंग एजेंसी- एमएचआरडी, भारत सरकार। स्पॉन्सरिंग एजेंसी- रु.70,77,190. परियोजना की अवधि- मार्च 2019-सितंबर 2021.

पुलक कुमार पात्र

- परियोजना का नाम- ''फाइन पार्टिकुलेट्स मैटर्स इन द एयर एनवायरनमेंट एंड देयर कैंसर रिस्क्स इन ह्यूमन बिंग्स'' शीर्षक पर स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन। सह मुख्य अन्वेषक- डॉ. पुलक कुमार पात्र, डीईएस। फंडिंग एजेंसी- एमएचआरडी, भारत सरकार। स्पॉन्सरिंग एजेंसी- रु.70,77,190. परियोजना की अवधि- मार्च 2019-सितंबर 2021.

एस. बालचंद्रन

- परियोजना का नाम- ''डेवलपमेंट, रिसर्च एंड पायलट स्केल इंस्टॉलेशन ऑफ सोलर-हाइड्रो पंप्ड स्टोरेज स्कीम इन ए रिमोट विलेज ऑफ मणिपुर टू इंश्योर 24×7 इलेक्ट्रिसिटी''। स्पॉन्सरिंग एजेंसी-डीएसटी, नवंबर 2018-अक्टूबर 2020. डॉक्टर एस गोन चौधरी, एन बी आई आर टी कोलकाता के साथ। मंजूर राशि- रु.2,60,67,500 में से विश्वभारती के लिए रु.88,57,000. मुख्य अन्वेषक- प्रो. शिबानी चौधरी, पर्यावरण अध्ययन विभाग। परियोजना का सह अन्वेषक- प्रो. अमित कुमार हाजरा, डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लोंग लर्निंग एंड एक्सटेंशन, पीएसवी तथा डॉ एस बालचंद्रन, पर्यावरण अध्ययन विभाग।
- परियोजना का नाम- बायो एनर्जी, फर्टिलाइजर एंड क्लीन वॉटर फ्रॉम इनवेसिव एक्वेटिक माइक्रोफाइट्स''। स्पॉन्सरिंग एजेंसी- बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोलॉजिकल साइसेज रिसर्च काउंसिल (फंडर), यूनाइटेड किंगडम अंडर द जीसीआरएफ इंडस्ट्रियल बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोएनर्जी इन द डेवलपिंग वर्ल्ड। फंड अवधि- जनवरी 2019-दिसंबर 2021. मंजूर राशि- रु.2,37,85,233.43. परियोजना का सह अन्वेषक- प्रो. अमित कुमार हाजरा, डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लोंग लर्निंग एंड एक्सटेंशन, पीएसवी तथा डॉ. एस बालचंद्रन, पर्यावरण अध्ययन विभाग। मुख्य अन्वेषक- एंड्रयू बी रॉस, लीड्स विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम।

- परियोजना का नाम : ''अर्थवर्म गट माइक्रोब्स मेडिएटेड कार्सिनोजेनिक पोलीसाइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकार्बंस रिमेडियेशन इन कॉन्टैमिनेटेड सॉयल'' सबमिटेड टू डीबीटी अंडर विनिंग प्रोग्राम। स्पॉन्सरिंग एजेंसी- डीबीटी ट्विनिंग प्रोजेक्ट। अवधि- दिसंबर 2018-दिसंबर 2021. पर्यावरण विज्ञान विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय के साथ। मंजूर राशि- रु.56,39,200/- में से विश्वभारती के लिए रु.2254600/- मुख्य अन्वेषक- डॉ. एस बालचंद्रन, पर्यावरण अध्ययन विभाग। सह मुख्य अन्वेषक- प्रो. एनसी मंडल, वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तारण गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक तथा अन्य गतिविधियों में विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता

पर्यावरण विज्ञान पाठ्यक्रम के भाग के रूप में 19 फरवरी 2020 को एमएससी के छात्रों तथा शिक्षकों के लिए बक्रेश्वर थर्मल पावर प्लांट का औद्योगिक भ्रमण किया गया। छात्रों को थर्मल पावर प्लांट ऑपरेट करने तथा कोयला से विद्युत उत्पादन करने का अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने यह भी सीखा कि इन उर्जा संयंत्रों में किस प्रकार पर्यावरण प्रदूषण की जाँच एवं नियंत्रण की जाती है।

पर्यावरण अध्ययन विभाग के एमएससी के छात्र, शोध विद्वान एवं संकाय सदस्य पौष मेला 2019 में पर्यावरण जागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से शामिल थे। इस 4 दिन के कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण अध्ययन के शिक्षक तथा संकाय सदस्य ने मैदान तथा आसपास के क्षेत्र के अनेक पर्यावरणीय गुणवत्ता मानदंड (वायु एवं शोर) की जाँच की। पर्यावरण कक्ष, विश्वभारती ने पौष मेला के दौरान प्लास्टिक थैले एवं प्लास्टिक कप के खतरे के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मेला मैदान में शोभायात्रा निकाली। पेंटिंग तथा स्लोगन प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गई। स्थानीय जनजाति समुदाय ने भी स्वेच्छा से इस कार्यक्रम में भाग लिया एवं दुकानों में पर्यावरण हितैषी सामान बेचा।

शिबानी चौधरी

- शिबानी चौधरी ने अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग, विश्वभारती में 8 नवंबर 2019 को आयोजित वॉटर क्राइसिस वर्ल्ड एंड इंडिया सेमिनार में बीज वक्तव्य दिया।
- शिबानी चौधरी ने नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, भारत एवं सीएसआईआर-सेंड्रल मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुर्गापुर, भारत के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 9-10 अगस्त, 2019 को वेस्ट मैनेजमेंट एंड रिसोर्स सरकुलेशन पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र में अध्यक्षता की।

पुलक कुमार पात्र

- दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज, दुमका, झारखंड द्वारा 6 मार्च 2020 को मैटेरियल्स फॉर सस्टेनेबल एंड रिन्यूएबल एनर्जी पर फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम पर विशेषज्ञ।

शिक्षक / विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप में प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियाँ : शून्य

अप्रैल 2019-मार्च 2020 के प्रकाशन :

- ए बेसिलस स्ट्रेन टीसीएल आइसोलेटेड फ्रॉम झरिया कोल माइन विद रिमरकेबल स्ट्रेस रिस्पांस, क्रोमियम रिडक्शन कैपेबिलिटी एंड बायोरेमेडीएशन पोटेंशियल, बनर्जी एस, मिश्रा ए, चौधरी एस, बंबा दाम (2019) जर्नल ऑफ हजाड्र्स मैटेरियल्स, 152. 1-6.
- इवैल्यूशन ऑफ मल्टीप्ल एप्लीकेशंस ऑफ ईडीटीए एंड एलएमडब्लूओएएस ऑन फाईटोटॉकसिटी एंड फाइटोएक्सट्रैक्शन ऑफ Zn, Cd, Pb एंड Cu इन सॉयल विद टारगेट्स एसपी सईद याकूब अली, मौमिता पाल, देवप्रिया भट्टाचार्य, देवश्री सिन्हा तथा शिबानी चौधरी, 2019 इंडियन जर्नल आफ सॉइल कंजर्वेशन, 47(1), 45-54.
- पर्सनल एक्स्पोज़र टू वी ओ सी एस बी टी एक्स एंड वुमन हेल्थ रिस्क एसेसमेंट इन रूरल किचन फ्रॉम सॉलिड बायोफ्यूल बर्निंग ड्यूरिंग कुकिंग इन वेस्ट बंगाल, भारत, नायक तथा पाधि पीके (2020) केमोस्फेयर, 244, 125447.
- एयर पॉल्यूशन टोलरेंस, एंटीसिपेटेड परफॉर्मेंस, एंड मेटल एक्टिवेशन इंडिसेज ऑफ प्लांट स्पीशीज फॉर ग्रीनबेल्ट डेवलपमेंट इन अर्बन इंडस्ट्रियल एरिया। कर्मकार डी तथा पाधि पीके (2019) केमोस्फेयर, 237, 124522.
- मेटल्स अपटेक फ्रॉम पार्टिकुलेट मैटर थ्रू फोलीयर ट्रांसफर एंड देयर इंपैक्ट ऑन एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम्स एक्टिविटी ऑफ एस रॉबस्टा इन ए ट्रॉपिकल फॉरेस्ट, वेस्ट बंगाल, भारत। कर्मकार डी तथा पाधि पीके (2019) आर्काइव्स ऑफ एनवायर्नमेंटल कॉन्टेमिनेशन एंड टॉक्सिकोली, 76, 605-616.
- एक्सप्लोरिंग ए मल्टी-एक्स्पोज़र-पाथवे अप्रोच टू एसेस ह्यूमन हेल्थ रिस्क एसोसिएटेड विद ग्राउंड वाटर फ्लोराइड एक्स्पोज़र इन द सेमी अरिद रीजन ऑफ ईस्ट इंडिया, मुखर्जी आई, सिंह यूके, पात्र पीके (2019) केमोस्फेयर, 233, 164-173.
- डेराइविंग पीएआर यूज एफिशिएंसी ऑफ वेट सीजन राइस फ्रॉम ब्राइट सनशाइन आवर डाटा एंड कैनोपी करैक्टेरिस्टिक्स, सामंथा एस, बनर्जी एस, मुखर्जी ए, पात्र पीके तथा चक्रवर्ती पी (2019) मौसम, 70(2), 439-358.
- इफेक्ट्स ऑफ टिलेज ऑपरेशंस ऑन चेंज ऑफ कार्बन डाइऑक्साइड लोड एंड ईल्ड ऑफ ह्वीट (ट्रिटिकुमेस्टिवुमएल) डी. पाल, पी.के. पात्र, के. मंडल और डी. मुखोपाध्याय, 2019 Int.J. Curr. Microbiol. App. Sci., 8(5), 1207-1217.
- हाइड्रोजियोकेमिकल कैरेक्टेराइजेशन एंड हेल्थ हैजाड्र्स ऑफ फ्लोराइड एनरिच्ड ग्राउंड वाटर इन डाइवर्स एक्विफर टाइप्स, होसैन, एम. तथा पात्र, पी.के., 2019 एनवायरोन्मेन्टल पॉल्यूशन

doi.org/10.1016/j.envpol.2019.113646.

- कॉन्टेमिनेशन जॉणींग़ एंड हेल्थ रिस्क एसेसमेंट ऑफ ट्रेस एलिमेंट्स इन ग्राउंड वाटर थ्रू जियोस्टैटिसटिकल मॉडलिंग, हुसैन, एम तथा पात्र पीके 2020 ईकोटॉक्सिकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल सेफ्टी v.189 https://doi.org/10.1016/j.ecoenv.2019.110038.
- डिटरमिनिंग द रेडिएशन यूज एफिशिएंसी ऑफ पोटैटो ग्रॉन इन ईस्टर्न इंडिया फ्रॉम सनशाइन आवर डाटा : ए सिंपल अप्रोच। सामंथा एस, बनर्जी एस, मुखर्जी ए, पात्र पीके, चक्रवर्ती पीके 2020 स्पेनिश जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च, 18 (2), https://doi.org/10.5424/sjar/2020182-15561.
- असेसमेंट ऑफ थर्मल पावर स्टेशन एफ्लूएंट ऑन हेटेरोट्रॉफिक प्लेट काउंटस एंड टोटल कोलीफॉर्म इन कोटा बैराज लेक, राजस्थान भारत, कुमार पी, रंजन एमआर, त्रिपाठी ए तथा बालचंद्रन एस (2019) इकोलॉजी, एनवायरनमेंट एंड कंजर्वेशन, 25(3), 1208-1212.

पुस्तक एवं पुस्तक अध्याय

- स्वैन के सी, चटर्जी एके, पात्र पी के एवं कांदसामी पी (संपादित) 2000 प्रोसिडिंग्स ऑन एप्लीकेशन ऑफ स्पेस एंड मॉडर्न टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर एंड एंवायरनमेंट, मुकुंद पब्लिकेशन, दिल्ली-51, ISBN-978-93-84335-35-9.
- पात्र पीके 2020 रिमोट सेंसिंग इन वाटर मनेजमेंट इन स्वैन के सी, चटर्जी एके, पात्र पीके एवं कांदासामी पी (संपादित) 2000 प्रोसिडिंग्स ऑन एप्लीकेशन ऑफ स्पेस एंड मॉडर्न टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर एंड एंवायरनमेंट, मुकुंद पब्लिकेशन, दिल्ली-51, पृष्ठ 42-69.
- सामंता एस तथा पात्र पीके, 2020 जियोइंफोर्मेटिक्स इन क्लाइमेट चेंज रिसर्च मनेजमेंट इन स्वैन के सी, चटर्जी एके, पात्र पी के एवं कांदासामी पी (संपादित) 2000 प्रोसिडिंग्स ऑन एप्लीकेशन ऑफ स्पेस एंड मॉडर्न टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर एंड एंवायरनमेंट, मुकुंद पब्लिकेशन, दिल्ली-51, पृष्ठ 83-103.
- प्रवीण कुमार, मंजू रावत रंजन, आशुतोष त्रिपाठी और एस. बालचंद्रन (2020) एसेसमेंट ऑफ द एफ्लुएंट एंड इम्पैक्ट ऑफ सेलेक्टेड फिजियोकेमिकल पैरामीटर्स ऑफ कोटा सुपर थर्मल पावर प्लांट्स एफ्लुएंट ऑन कोटा बैराजलेक वाटर, कोटा राजस्थान भारत, प्लांट अभिलेखागार वॉल्यूम। 20 अनुपूरक 1, 2020 पृष्ठ 983-987.

अन्य प्रासंगिक जानकारी :

डीइएस के संकाय सदस्य शांतिनिकेतन-श्रीनिकेतन-बोलपुर और उसके आसपास क्षेत्रों में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियों में छात्रों की सहायता के लिए विशेषज्ञ व्यक्तियों को विभाग में आमंत्रित किया जाता है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

जीव विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने पिछली शताब्दी के आखिरी दशक के दौरान विश्वभारती में जैव प्रौद्योगिकी केंद्र शुरु करने की आवश्यकता महसूस की और उनके समन्वित प्रयास से केंद्र 1997 में स्थापित किया गया। इसमें जैव प्रौद्योगिकी में 2 वर्षीय एमएससी पाठ्यक्रम की सुविधा थी। वनस्पति विज्ञान, प्राणी शास्त्र और अन्य विज्ञान विभाग के कई शिक्षकों ने कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता की। 2004 से केंद्र को इस एमएससी पाठ्यक्रम के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से समर्थन मिलना शुरु हुआ। इस कार्यक्रम के तहत, छात्रों को जेएनयू द्वारा आयोजित ऑल इंडिया आधारित कंबाइंड एंट्रेंस एग्जामिनेशन ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (सीईईबी) में क्वालिफाई करने के बाद कोर्स में प्रवेश मिला। तब से पाठ्यक्रम भी समय-समय पर डीबीटी द्वारा तैयार किए गए मॉडल के अनुसार था। केंद्र के लिए यूजीसी द्वारा संकाय के पदों को मंजूरी दी गई थी और जैव प्रौद्योगिकी में शिक्षक 2002 और उसके बाद शामिल हुए। केंद्र को 2010 में एक विभाग में परिवर्तित किया गया। तब से इसके पास अपना स्वयं की पाठ समिति और विभागाध्यक्ष है और यह शिक्षा भवन के अंतर्गत एक स्वतंत्र विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। विभाग को 2015 में 7 शिक्षकों के लिए समर्पित प्रयोगशालाओं, एक बैठक सह-कंप्यूटर कक्ष, दो अध्यापन कक्ष, आवश्यक उपकरणों के साथ एक व्यावहारिक कक्ष, एक उपकरण कक्ष और 100 आदमी के बैठने की क्षमता के साथ एक संगोष्ठी-सह-सभागार के साथ नए विज्ञान भवन में स्थानांतरित किया गया। हालांकि, यह जगह अभी भी बाहरी वित्त पोषण एजेंसियों की कई परियोजनाओं के साथ लगभग हर संकाय के साथ विभाग के विकास पर विचार करने के लिए अपर्याप्त है। यहाँ तक कि बड़ी संख्या में शोध विद्वान कार्यकर रहे हैं और उनके शोध पत्र कई अच्छे प्रभाव कारकों के साथ संदर्भित पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे हैं। विभाग को अभी भी प्रैक्टिकल / लैब कार्यों के लिए कम से कम एक अध्यापन कक्ष, विभागाध्यक्ष के बैठने के लिए कमरा, एक पशु गृह और महत्वपूर्ण बायोटेक प्रयोग के लिए एक सेल कल्चर की सुविधा, एक स्टूडेंट कॉमन रुम और एक विभागीय पुस्तकालय की आवश्यकता है, क्योंकि हमें हर साल समय-समय पर अद्यतन पाठ्यक्रम के अनुसार साहित्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए डीबीटी से 1.5 लाख मिलते हैं। विभाग के छात्रों ने नियमित रुप से कई राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं जैसे, नेट, गेट आदि में सफलता प्राप्त की है। शिक्षक नियमित रुप से अनुसंधान हेतु बाहर से वित्तीय व्यवस्था कर रहे हैं। विभाग एक सक्रिय पीएच.डी. कार्यक्रम चला रहा है और पीएच.डी. डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र नियमित रुप से विशेषज्ञता के प्रासंगिक क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर प्राप्त करते हैं।

यूजीसी / सीएसआइआर / नेट / स्लेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का नाम

चंदन कुमार वर्मा (नेट)

इमरान अली (नेट, गेट)

देविका सुनील (नेट)

कौशिक चक्रवर्ती (गेट, स्लेट)

रुम्पा महाता (नेट, स्लेट)

खुशबू कुमारी (नेट, गेट)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

एम.एससी. पार्ट-1 छात्रों का सेमिनार प्रस्तुतिकरण		
विद्यार्थी का नाम	**दिनांक**	**वार्ता का विषय**
अमन	12.08.2019	एडल्टरेशन इन फूड एंड सम जेनुइन केसेस
अनुप्रिया चट्टोपाध्याय	12.08.2019	रोल ऑफ सर्कुलर आरएनए इन इनेट इम्यूनिटी
बोंदादा मणिकांत	27.08.2019	मैकेनिज्म ऑफ एचआईवी – एक इंफेक्शन एंड इट्स रेगुलेशन बाय एंटीवायरल थेरेपी
चंदन मिश्र	03.09.2019	इलेक्ट्रिकल सिग्नल एंड देयर फिजियोलॉजिकल सिग्निफिकेंस इन प्लांट्स
स्मरण बनर्जी		एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस
लिंगारेड्डी तनुशा		प्लांटीबॉडीज
अंकिता मंडल	24.09.2019	वायरल ऑनकोलिसिस
श्वेता सोरेन	05.11.2019	जीन थेरेपी
अयन मंडल		रोल ऑफ मायन्यूक्लियाइ इन मसल मेमोरी
अनुप्रिया चट्टोपाध्याय	04.02.2020	टु डाई और नॉट टु डाई : शिगेल्ला हैज एन आंसर
बोंदादा मणिकांत	24.02.2020	रीजन बिहाइंड डिप्लीशन ऑफ CD4+ सेल्स ड्यूरिंग एचआईवी इंफेक्शन

एम.एससी. पार्ट-2 छात्रों का सेमिनार प्रस्तुतिकरण		
विद्यार्थी का नाम	**दिनांक**	**वार्ता का विषय**
अमन कुमार	30.07.2019	अप्टैमर
चिरंजीबी साहू	30.07.2019	बायोएंटरप्रेन्योरशिप
जेसिका बा	05.11.2019	बेसिलस थुरिनजिएनसिस : देयर बायोसीडल एक्टिविटी
खुशबू कुमारी	06.08.2019	रोल ऑफ प्लांट ग्रोथ प्रोमोटिंग रिजोबैक्टीरिया ऑन प्लांट्स

एम.एससी. पार्ट-2 छात्रों का सेमिनार प्रस्तुतिकरण		
विद्यार्थी का नाम	**दिनांक**	**वार्ता का विषय**
मुकेश कुमार	20.08.2019	एनफ्लुएंस ऑफ रिजोबैक्टीरियम इनॉक्यूलेशन ऑन सैलिनिटी टोलरेंस
सुभम सारस्वत ज्योतिर्मय	27.08.2019	पॉलिमरेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर)
विवेक कुमार	03.09.2019	डीएनए आई-मोटिफ्स विद गुवानीडिनो-आई-क्लैंप रेसिड्यूस : द काउंटरप्ले बिटवीन काइनेटिक्स एंड थर्मोडायनेमिक्स एंड इंप्लीकेशंस और द डिजाइन ऑफ पीएच सेंसर्स
चिरंजीबी साहू	28.01.2020	मेकैनिज्म ऑफ एंफोटरइसिन बी रेजिस्टेंस इन क्लीनिकल आइसोलेट्स ऑफ लाइसामनीअडोनोवानी
जेसिका बा	04.02.2020	एनहैंसिंग द ग्रोथ ऑफ कमेलिना सतिवा यूजिंग ए टीपीएपी 2
मुकेश कुमार	24.02.2020	इंसेक्ट पेस्ट कंट्रोल बाय इकोलॉजिकल इंजीनियरिंग

पीएच.डी. छात्रों का सेमिनार प्रस्तुतिकरण		
विद्यार्थी का नाम	**दिनांक**	**वार्ता का विषय**
कौशिक विस्वास	06.03.2020	स्नैपशॉट ऑफ ओलीगोनुक्लिओटाइड माइक्रोअरे एंड इट्स केस स्टडी इन ह्वीट
अल्फ्रेड बेसरा	28.02.2020	क्लोरोप्लास्ट-टारगेटेड एक्सप्रेशन ऑफ द कार्बन-ऑप्टिमाइज ट्रंकेटेड क्राइ 1 एएच जीन इन ट्रांजेनिक टोबैको कन्फर्स ए हाई लेबल ऑफ प्रोटेक्शन अगेंस्ट इंसेक्ट्स
कोंगकोंग मंडल	23.11.2019	ट्रांसक्रिप्टोम प्रोफाइलिंग ऑफ ड्रॉट रेस्पॉन्सिव एमआइ आरएनए एस एंड देयर टारगेट जींस इन राइस
सुदीपा माल	16.11.2019	आरसीएएन – 11आर पेप्टाइड प्रोवाइड्स इम्यूनोसपरेशन फॉर फुल्ली मिसमैच्ड इसलेट एलोग्राफ्ट्स इन माइस
मानसी मंडल	07.09.2019	द सबमर्जेंस टोलरेंस जीन एसयूबी एक ए डिलेज लीफ सेंस सीन अंडर प्रोलांग्ड डार्कनेस थ्रू हार्मोनल रेगुलेशन इन राइस
धृति घोष	24.08.2019	IncRNAs; इमर्जिंग रेगुलेटर ऑफ प्लांट प्रोसेस

विभागीय विशेष सेमिनार

दिनांक	**वक्ता का नाम**	**विषय**
21-09-2019	डॉ. पुनीत कुमार, एप्लीकेशन स्पेशलिस्ट, स्पिनको बायोटेक	द इमेज एक्सप्रेस माइक्रो कन्फोकल सिस्टम – फ्रॉम एपोप्टोसिस टू जेब्राफिश : ऑटोमेटेड इमेजिंग सोल्युशन फॉर अ वाइड रेंज ऑफ आसेस
09-11 नवंबर 2019 एवं 23-25 नवंबर 2019	प्रो. आर.के. सेन, आईआईटी खड़गपुर	'बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी', सेमिनार शृंखला
03-05-2020	डॉ. अपर्णा बनर्जी, असिस्टेंट प्रोफेसर, वायसरेक्टोरिया डे इन्वेस्टिगैसिनीपोस्टग्रो, यूनिवर्सिडाड कैटालिका डेल मौले, तलका, चिली	बैक्टीरियल पॉलीसेकेराइड्स फ्रॉम एक्स्ट्रीम एनवायरेनमेंट्स : ए ट्रेजर हंट

केवल राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि में शिक्षक / शोध विद्वान द्वारा अध्यक्षता / मूल्यांकन / प्रस्तुतीकरण का विवरण

- 7 से 8 जून 2019 निलंजना मजूमदार, समीरन साहा, इफेक्ट्स ऑफ एनवायरनेंटल चेंजेज ऑन ट्रांसमिशन ऑफ लाइसमेनिया पैरासाइट्स। पर्यावरण विज्ञान विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम द्वारा करंट पर्सपेक्टिव्स इन एनवायरनमेंटल पॉल्यूशन चैलेंजिस एंड अपॉर्चुनिटी पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार।
- 5 से 7 नवंबर 2019 कौशिक विश्वास तथा जोली बसाक। एसेसमेंट आफ हेवी मेटल टॉलरेंस (Cu/Zn/Cd) इन सिलेक्टेड क्रॉप स्पेसीज ऑफ विग्ना फोर कांबेटिंग स्ट्रेस इन क्रॉप प्लांट्स। इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल, विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर, कोलकाता।
- 4 से 6 नवंबर 2019 नरोत्तम दे ने अकेडमिया सैनीका ताइपेइ, ताइवान में राइस फंक्शनल जिनोमिक्स (2019) में 17 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''बायोकेमिकल एंड मोलेकूलर बेसिस ऑफ सॉफ्ट राइस – ए यूनिक नेचुरल राइस जेनेटिक रिसोर्सेस फ्रॉम इंडिया'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।
- 22 से 23 फरवरी, 2019 कांगकांग मंडल तथा नरोत्तम दे। बायोकेमिकल एंड मोलेकुलर प्रोफाइलिंग ऑफ वेस्ट बंगाल राइस (ओरीज़सैटिवा एल.) लैंड रेसेज अंडर ड्रॉट स्ट्रेस नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोडायवर्सिटी बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइनफॉर्मेटिक्स : इन्नोवेटिव एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स-2019 पीजी डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी, बरहमपुर विश्वविद्यालय, भांजा बिहार, बरहमपुर (उड़ीसा)-760007.

- 8 सितंबर 2019 कांगकांग मंडल ने पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन-731235 में ''रीसेंट डेवलपमेंट इन रिन्यूएबल एनर्जी एंड रुरल एंपावरमेंट'' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला सह सेमिनार में भाग लिया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

- शिक्षक का नाम- प्रो. तथागत चौधरी। परियोजना का नाम- औषधीय पादप परियोजना। प्रायोजक एजेंसियाँ- आईसीएआर, भारत सरकार। राशि मंजूर- रु.52 लाख।
- शिक्षक का नाम- डॉ. नरोत्तम दे। परियोजना का नाम- सुदूर स्थानों में तैनात सैनिकों के लिए एक संभावित चावल की तैयारी कोमल-चावल का आनुवंशिक सुधार और लोकप्रियकरण। प्रायोजक एजेंसियाँ- डीआरडीओ, भारत सरकार। राशि मंजूर-रु.26.35 लाख।
- शिक्षक का नाम- डॉ. नरोत्तम दे। परियोजना का नाम- डेवलपमेंट ऑफ एसएनपी एंड मीआरएनए बेस्ड फंक्शनल मारकर्स फॉर एबिओटिक स्ट्रे (ड्रॉट सैलिनिटी एंड सबमर्जेंस) टॉलरेंस अमॉन्ग सेलेक्टेड वेस्ट बंगाल राइस लैंड रेसेस। प्रायोजक एजेंसियाँ- पश्चिम बंगाल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग। राशि मंजूर- रु.11.99 लाख।
- शिक्षक का नाम- डॉ. जॉली बसाक। परियोजना का नाम- आइडेंटिफिकेशन एंड कैरेक्टेराइजेशन ऑफ फेसेलस वल्गेरिस लॉन्ग नन-कोडिंग आरएनए रिस्पोंसिव टू मूंग बीन येलो मोसिक इंडिया वायरस इंफेक्शन। प्रायोजक एजेंसियाँ- सीएसआईआर, भारत सरकार। राशि मंजूर- रु.28 लाख।
- शिक्षक का नाम- डॉ. शमीरन साहा। परियोजना का नाम थिएफ्लविंस के साथ उपचार : के लिए ईससी कोशिकाओं में ऑटोफैगी के प्रेरण और तंत्र का अध्ययन। प्रायोजक एजेंसियाँ- ट्विनिंग-डीबीटी, भारत सरकार। राशि मंजूर- रु.21.25 लाख।

प्रकाशन :

i) पाठ्य पुस्तकें ii) अन्य पुस्तकें iii) मोनोग्राफ iv) रिसर्च पेपर्स (लेखक), पेपर का शीर्षक, वर्ष जर्नल वॉल्यूम नंबर, पृष्ठ v) पीयर / समीक्षा की गई पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर की संख्या : के रूप में दर्ज किया जाना है :

विभागीय प्रकाशन :

व्यक्तिगत प्रकाशन : (क) एकल लेखक (ख) संयुक्त लेखक (एक ही विभाग के)

विभागीय प्रकाशन :

- मेटाबोलिक इंजीनियरिंग ऑफ बैक्टीरिया फॉर रिन्यूएबल बायोएथेनॉल प्रोडक्शन फ्रॉम सैलूलोजिक बायोमास। संचिता बनर्जी, गार्गी मिश्रा, अमित रॉय। 2019। जैव प्रौद्योगिकी और बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग। 24:713-733.

- स्ट्रक्चरल इनसाइट्स ऑफ ए सेल्यूबियस डिहाइड्रोजनेज एंजाइम फ्रॉम द बैसीदोमाइसाइट्स फंगस टरमिटोमायसेज क्लिपपीडीएस। बनर्जी एस, रॉय ए, मधुसूदन एमएस, बैराग्य एचआर, रॉय ए 2019. कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एंड केमिस्ट्री। 82:65-73.
- पार्सियल प्यूरीफिकेशन एंड कैरक्टराइजेशन एल्बैन 1, ए ट्राइटर्पीन विद एंटीमाइक्रोबॉयल एक्टिविटी, फ्रॉम द वूड एक्सट्रैक्ट ऑफ एविसीनिया अल्बा ब्लम। चौधरी एम, मुखर्जी के, दे अर्नब, सामंता ए, रॉय ए। जौरनल फार्मास्युटिकल रिसर्च इंटरनेशनल। 32(2):38-48, 2020.
- द इंटरप्ले बिटवीन एप्स्टेसिन बार वायरस विद द p53 एंड इट्स होमोलॉग्स ड्यूरिंग इ बी वी एसोसिएटेड मलिग्नेंसिज। चटर्जी के, दास पी, चट्टोपाध्याय एनआर, मल एस, चौधरी टी 2019 हेलियन, 5:e02624.
- टीटीएलआर9 पॉलीमोरफ़िस्मस माइट कंट्रीबूट टू द एथनिसिटी बायस फॉर इबीवी-इनफेक्टेड नैसोफारिंगीयल कार्सिनोमा। रॉय चट्टोपाध्याय एन, चटर्जी के, तिवारी एंड, चक्रवर्ती एस, साहू एसके, देवराय एस, घोष के, रेड्डी आरआर, दास पी, मल एस, करनाल बीबी, दास एके, शेरिंग एस, रिबा के, पुई जेड, जोमाविया ई, सिंह वाई आई, सूर्यवंशी ए आर, कुमार के, गांगुली डी, गोस्वामी सी, चौधरी टी 2020 आई साइंस, 23:100937.
- कापोसिस सार्कोमा- एसोसिएटेड हर्पीस वायरस रिलेटेड मालिगनेंसी इन इंडिया, ए रेयर बट इमर्जिंग मेंबर टू बी कंसीडर्ड। दास, पियांकी तथा रॉय चट्टोपाध्याय, नवनीता तथा चटर्जी, कौस्तव तथा चौधरी, तथागत 2020 वायरस डिजीजेज 10.1007/s13337020-00573-3.
- डिकोडिंग द ग्लोबल आउटब्रेक ऑफ कोविद-19-द नेचर इज बिहाइंड द सीन। दास पियांकी तथा चौधरी तथागत 2020 वायरस डिजीजेज 31:106-112.
- एक्सप्रेशन स्टडी ऑफ 5 जींस इन वर्ल्ड इन फ्लोरल ऑर्गन डेवलपमेंट इन मल्टीपल सीडेड राइस। दास एस पी, देव डी तथा दे एन। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकेमेस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी 29:348-351.
- रोल ऑफ लाइट इंटेंसिटी डिपेंडेंट चेंजेज इन थियोल एंड अमीनो एसिड मेटाबॉलिज्म इन द एडेप्टेशन ऑफ ह्वीट टू ड्रोट्। गियुगोस एम, अहेरेस एम गुलिसे जेड, सज़लई जी, डार्को ई, वेग बी, बोल्डिज़स ए, मेडनीस्ज़स्की जेड, कर आरके, डे एन, साइमन सरकडी एल, गलिबा जी और कोस्की 2019 जर्नल ऑफ एग्रोनॉमी एंड क्रॉप साइंस 205:562-570.
- फिजियोलॉजिकल, बायोकेमिकल, एंड मॉलिक्यूलर स्क्रीनिंग ऑफ सिलेक्टेड अपलैंड राइस (ओरीज़सैटिवा) एल.) लाइंस फ्रॉम ईस्टर्न इंडिया। कुमारी आर, चौधरी डी, गोस्वामी एस और डे एन (2019) बुलेटिन ऑफ द नेशनल रिसर्च सेंटर 43:56 ((https://doi.org/10.1186/s42269-019-0087-9)।
- डिफरेंशियल रिस्पांसेस ऑफ फेजोलस वल्गेरिस कल्टीवर्स फॉलोइंग मुंगबीन येलो मोसेक इंडिया

वायरस इनफेक्शन। पटवा एन, चटर्जी सी और बसाक जे 2020.PhysiolMolbiolPlants.26:817-828.

- एक्सप्रेशन स्टडी ऑफ एन एमिनो एसिड परमिश लाइक जीन इन फेजोलस वल्गेरिस पटवा एन, चक्रबर्ती बी और बसाक जे 2020 L. Plant science today. 7(2):251-256.
- miRNAs इन पोस्ट ट्रांसक्रिप्शनल जीन रेगुलेशन अलांग विद सिंबोसिस इन मेडिकागोट्रकाटुला। रॉय चौधरी एम, बसाक जे और बहादुर आरपी 2020. Current Bioinformatics. 15:108-120.
- टाइनी येट इंडिस्पेंसबल प्लांट माइक्रो आर एन ए आर वर्थ टू एक्सप्लोर एज की कंपोनेंट्स फॉर कमबैटिंग जिनोटॉक्सिक स्ट्रेसेस। रॉय चौधरी एम। और बसाक जे 2019. Frontiers in. Plant Science. 10:1197.
- इन सिलिको प्रोटीन-प्रोटीन इंटरेक्शंस : एन इमर्जिंग रिसर्च एरिया टू स्टडी होस्ट – पैथोजन इंटरेक्शन। बेसरा ए और बसाक जे 2019. Research Journal of Biotechnology. 14 (7): 178-188.
- क्लोरोजेनिक एसिड एक्ट्स अपन लाइसमनीडोनोवानी अरेस्टिंग सेल साइकिल एंड मोड्यूलेटिंग साइटोकींस एंड नाइट्रिक ऑक्साइड इन विट्रो। मजुमदार एन, गांगुली एस, घोष एके, कुंडू एस, बनर्जी ए, साहा एस 2020 पैरासाइट इम्यूनोलॉजी. 42 (6) : e12719.

कोई भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग के प्रमुख की राय में रिपोर्ट करने लायक हो, को शामिल किया जाए।

विभाग स्थान तथा संकाय सदस्य प्राप्ति के साथ संख्या बढ़ाने, यथा, कौशल विकास कार्यक्रम एवं तीन वर्षीय अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम उपलब्ध करवाने के लिए इच्छुक है। विभाग भविष्य में शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम के क्षेत्र में हर तरह के विकास के लिए कार्य कर रहा है। इसके अलावा, शिक्षकों के रिक्त पदों को शीघ्र भरे जाने की आवश्यकता है। इससे विभाग में संख्या बल की वृद्धि होगी जो शोध हेतु फंड, शोध प्रकाशन आदि में सहायक होगा। साथ ही इससे विभाग को नामचीन जैव तकनीकी संस्था में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा।

एकीकृत विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (ISERC)

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट और गेट में उत्तीर्ण छात्र का नाम :

नेट : आर्चिशमान साहा, श्रमोना बरुआ, कृष्णा कन्हैया तिवारी, सौम्य स्वस्तिक साहू, शिवम कुमार

गेट : कृष्णा कन्हैया तिवारी, सौम्य स्वस्तिक साहू, श्रमोना बरुआ

विभागीय संगोष्ठी : एक (01); 23-27 सितंबर, 2019 के दौरान डीएसटी इंसपायर कैंप

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला आदि में शिक्षक / अनुसंधान विद्वान की सहभागिता

क्रम सं.	शिक्षक / अनुसंधान विद्वान का नाम	सम्मेलन / संगोष्ठी आदि में सहभागिता करने वाले का नाम (अध्यापकों द्वारा की गई अध्यक्षता / मूल्यांकन / प्रस्तुति का विवरण)	स्थान और अवधि
अध्यापक			
(i)	डॉ. महाश्वेता नंदी	नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICONSAT-2020) में भाग लिया तथा ''वर्णक्रमीय मेसोपोरस सिलिका आधारित वर्णक का पता लगाने और पीपीबी स्तर पारा (II) को पानी से अलग करने'' के लिए पोस्टर प्रस्तुत किया।	विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर, कोलकाता, 5-7 मार्च, 2020
(ii)	डॉ. स्वपन कुमार पंडित	''11 वीं डिएसटी इंसपायर कैंप 2019'' में भाग लिया और ''रैखिक समीकरणों और हाइपरसम्पलेक्स संख्याओं की प्रणाली से परे समाधान'' विषय पर वार्ता प्रस्तुत किया।	विश्वभारती, 23-27 सितंबर, 2019
(iii)	डॉ. नीलांजन बंद्योपाध्याय	''कॉन्फेरेंस ऑन सिग्नेचर ऑफ तोपोलॉजी'' में भाग लिया और ''मेजराना तारो के हाइब्रिड जंक्शनों में विद्युत परिवहन'' शीर्षक पर वार्ता प्रस्तुत किया।	आई सी टी पी, ट्राइस्टे, इटली, 21-25, अक्टूबर, 2019
अनुसंधान विद्वान			
(i)	कौशिक माझी	''विकिरण और फोटोकेमिस्ट्री (TSRP-2020) पर 15वीं डीएई-बीआरएनएस द्विवार्षिक ट्रॉम्बे संगोष्ठी'' में भाग लिया और ''कार्बनिक सॉल्वैंट्स के साथ एक नोवल पेरेनेडिमाइड व्युत्पन्न के जटिल	बीएआरसी, मुंबई, 5-9 जनवरी, 2020

क्रम सं.	शिक्षक / अनुसंधान विद्वान का नाम	सम्मेलन / संगोष्ठी आदि में सहभागिता करने वाले का नाम (अध्यापकों द्वारा की गई अध्यक्षता / मूल्यांकन / प्रस्तुति का विवरण)	स्थान और अवधि
		गठन'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।	
(ii)	रिजिया खातुन	''विकिरण और फोटोकेमिस्ट्री (TSRP-2020) पर 15वीं डीएई-बीआरएनएस द्विवार्षिक ट्रॉम्बे संगोष्ठी'' में भाग लिया और ''तरल माध्यम और पतली फिल्म में पॉली (पी-फेनिलविलेनिलीन) के फोटोफिजिकल गुण'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।	बीएआरसी, मुंबई, 5-9 जनवरी, 2020
(iii)	देवदास सिंह	''चौथी क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस (पश्चिमी क्षेत्र), 2019'' में भाग लिया और ''रोडामाइन कार्यात्मक मेसोपोरस सिलिका रसायन के रुप में Al3+, Cr3+ और Fe3+ आयनों के कुशल संवेदन और जलीय माध्यम से उनके हटाने के लिए'' पोस्टर प्रस्तुत किया।	बर्दवान विश्वविद्यालय, डीएसटी (डब्ल्यूबी), बर्दवान, ने संयुक्त रूप से 9-10 दिसंबर 2019
(iv)	संजय शील	''पर्यावरण के मुद्दे पर पुनर्विचार : अंत: विषय परिप्रेक्ष्य'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और ''भारी धातु संदूषण और महानंदा नदी, भारत की सतह तलछट में जोखिम विश्लेषण'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर कॉलेज, नदिया, पश्चिम बंगाल, 17 फरवरी, 2020

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ :

अन्वेषक का नाम	परियोजना का शीर्षक और अवधि	मंजूर राशि	निधीयन एजेंसी
डॉ. सुब्रत सिन्हा (मुख्य अन्वेषक)	स्थिर अवस्था और समय-निर्धारित स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों द्वारा पोलीनालाईन आधारित नैनोकम्पोजिट्स की जाँच। (01.07.2016-01.07.2019)	रु. 25,000 (2019-2020)	सीएसआईआर
	कुशल और स्थिर कार्बनिक फोटोवोल्टिक उपकरणों के लिए नई कार्यात्मक सामग्री और हरे	रु. 19,89,800/- (2019-2020)	DST-RMES

अन्वेषक का नाम	परियोजना का शीर्षक और अवधि	मंजूर राशि	निधीयन एजेंसी
	प्रसंस्करण मार्गों का विकास। (2018-2020)		
डॉ. महाश्वेता नंदी (मुख्य अन्वेषक)	मेसोपोरस सिलिका और उनके संभावित अनुप्रयोगों पर आधारित कार्यात्मक नैनोमैटेरियल्स। (2019-2022)	रु. 3,55,000/- (2019-2020)	WB-DST

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता :

एकिकृत विज्ञान भवन के आईएसईआरसी ब्लॉक के प्रथम तल सेमिनार कक्ष में एकीकृत विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (आईएसईआरसी) के छात्रों द्वारा शिक्षक दिवस का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विभाग के शिक्षक / विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियाँ : शून्य

अप्रैल 2019-मार्च 2020 के प्रकाशन :

वर्ष	पुस्तकें / पुस्तक अध्याय प्रकाशित	पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	
		राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय
2019-2020	शून्य	शून्य	14

प्रकाशन का विवरण

पीयर समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर :

- प्रेडिक्शन ऑफ द मोस्ट प्रेफरेबल रोटामेर ऑफ मेटा-एमिनोफेनॉल इन β-साइक्लोडेक्सट्रिन कैविटी इन एक्वस मीडियम बाइ यूजिंग स्पेक्ट्रोस्कोपिक एंड डीएफटी कंप्यूटेशनल स्टडीज। कौशिक माझी, प्रशांत बंद्योपाध्याय, रिजिया खातून तथा सुब्रत सिन्हा। J. Inc. Phenom. Macrocyclic Chem., 97, 77-86, 2020.
- मेटल आयन सेंसिंग एंड इलेक्ट्रोकेमिकल बिहेवियर ऑफ MOF ड्राइव्ड $ZnCO_2O_4$ डी घोष, ए पाल, सुशांत घोष, मोहम्मद एम शेख एवं पी महाता। Eur. J. Ing. Chem., 26, 3076-3083, 2019.
- ए हाइ परफॉर्मेंस रीसाइकिलेबल मैग्नेटिक $CuFe_2O_4$ नैनोकैटालिस्ट फॉर फेसाइल रिडक्शन ऑफ 4-नाइट्रोफिनोल। चैताली दे, देवारती दे, महाश्वेता नंदी एवं माधुरी मंडल गोस्वामी। मैटेरियल्स केमेस्ट्री एंड फिजिक्स, 242, 122237, 2020.
- इन सीटू सिंथेसिस ऑफ CuO नैनोपार्टिकल्स ओवर फंक्शनलाइज् मेसोपोरोस सिलिका एंड देयर एप्लीकेशन इन कैटालिटिक सिंथेसिस ऑफ सिमिट्रिकल डिसेलिनाइड्स। तृषा दास, राणा चटर्जी, आदिनाथ माजी, हिरोशी यामा, डेविड मॉर्गन एवं महाश्वेता नंदी। डाल्टन ट्रांजैक्शंस, 48, 17874-

17886, 2019.

- मेसोपोरस सिलिका बेस्ड रीसाइकिलेबल ब्रोब फॉर कोलोरीमेट्रीक डिटेक्शन एंड सेपरेशन ऑफ ppb लेवल Hg^{2+} फ्रॉम एक्वस मीडियम। तृषा दास, देवदास सिंघा, अनन्या पाल एवं महाश्वेता नंदी। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 9, 19378, 2019.
- रोडामाइन फंक्शनलाइज्ड मेसोपोरस सिलिका एज ए केमोसेंसर फॉर द एफिसिएंट सेंसिग ऑफ Al^{3+}, Cr^{3+} तथा Fe^{3+} आयन्स एंड देयर रिमूवल फ्रॉम एक्वास मीडिया। देवदास सिंघा, त्रिशा दास, लंका सत्यनारायण, पार्थ राय एवं महाश्वेता नंदी। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 43, 15563-15574, 2019.
- वन स्टेप सिंथेसिस ऑफ ए गोल्ड / ऑर्डर्ड मेसोपोरोस कार्बन कंपोजिट यूजिंग ए हार्ड टेंप्लेट मेथड फॉर इलेक्ट्रोकैटालिटिक ऑक्सीडेशन ऑफ मेथेनॉल एंड कोलोरीमेट्रिक डिटरमिनेशन ऑफ ग्लूटाथिओन। रुमेली बनर्जी, देवोजित घोष, जीत सॉंतरा, अभिषेक ब्रत घोष, देवदास सिंघा, महाश्वेता नंदी एवं पापू विश्वास। एसीएस ओमेगा, 4, 16360-16371, 2019.
- इंटरकेलेशन ऑफ एग्रीगेशन-फ्री एंड वेल-डिस्पर्स्ड पैलेडियम ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स इनटू द वॉल्स ऑफ मेसोपोरस सिलिका सॉल्वेंट-फ्री एक्सेप्टरलेस डीहाइड्रोजेनेशन। पी सामंता, एस रे, टी दास, एस एच गागे, महाश्वेता नंदी, आर एम रिचर्ड्स एवं पी विश्वास। माइक्रोपोरस एंड मेसोपोरोस मैटेरियल्स, 284, 186-197, 2019.
- हेल्थ रिस्क एसेसमेंट एंड स्पैटियल वेरिएशंस ऑफ डीजोल्व्ड हेवी मेटल्स एंड मेटलॉयड्स इन ए ट्रॉपिकल रिवर बेसिन सिस्टम। संजय सील एवं उमेश कुमार सिंह। इकोलॉजिकल इंडिकेटर्स, 106, 105455, 2019.
- एक्सप्लोरिंग ए मल्टी-एक्सपोजर-पाथवे अप्रोच टू असेस ह्यूमेन हेल्थ रिस्क एसोसिएटेड विद ग्राउंडवाटर फ्लुओराइड एक्सपोजर इन द सेमी-अरिड रीजन ऑफ इस्ट इंडिया। इंद्राणी मुखर्जी, उमेश कुमार सिंह, पुलक कुमार पात्रा। केमोस्फेयर, 233, 164-173, 2019.
- एन एनालिसिस ऑफ थर्मल परफॉर्मेंस एंड एंट्रॉपी जेनरेशन इन ए वेवी एंक्लोजर विद मूविंग वॉल्स। अनिर्बाल चट्टोपाध्याय, स्वपन पंडित, हाकान एफ। ऑजटॉप यूरोपियन जर्नल ऑफ मैकेनिक्स-बी / फ्लूइड्स, 79, 12-26, 2020.
- डायनॉमिक्स ऑफ हाइब्रिड जंकशन्स ऑफ माजोराणा वायर्स। निलांजन बंद्योपाध्याय एवं दीपेंद्र रॉय फिजिकल रिव्यू बी, 99, 214514, 2019.
- सुपरसिमिट्रिक टी-जे मॉडल्स विद लॉन्ग-रेंज इंटरेक्शंस : थर्मोडायनेमिक्स एंड क्रिटीकेलिटी। बी.बसु-मलिक, एन. बंद्योपाध्याय, जे ए करासो, एफ फिंकेल एवं गोंजालेज – लोपेज। जर्नल ऑफ स्टैटिसटिकल मैकेनिक्स : थ्योरी एंड एक्सपेरिमेंट, 073104, 2019.

- मोरफोलॉजिकल वेरिएशन इन ज्योग्राफिकली आइसोलेटेड पॉपुलेशन्स ऑफ ब्रिम्कोरोनैटम स्वेजर (ब्रिआसो, ब्रिएल्स) भट्टाचार्य एस, ओझा एस एन, रे एस। प्लांट साइंस टूडे, 6(3), 360-366, 2019.

विभाग द्वारा शुरू किया गया नया पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या अन्य नवीन शिक्षण डिजाइन

शून्य

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित केंद्र / विभाग के विकास का संक्षिप्त इतिहास

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपनी पंचवर्षीय योजना में उच्च स्तरीय समिति की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है जिसे शिक्षाभवन (विज्ञान संस्थान), विश्वभारती के अंतर्गत शारीरिक शिक्षा विज्ञान में पाँच वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम लागू करने के लिए विश्वभारती के परिदर्शक, भारत के माननीय राष्ट्रपति, द्वारा गठित किया गया था। तदनुसार एकीकृत विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र की स्थापना सन् 2008 में की गई एवं अकादमिक कार्यक्रम 2009 में आरंभ किया गया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य उत्साहित छात्रों को बुनियादी विज्ञान में अनुसंधान और शिक्षा के लिए आकर्षित करना है। पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद विद्यार्थियों को पाँच वर्ष की एकीकृत एम.एससी. डिग्री प्रमुख विषय भौतिकी / रसायन विज्ञान / गणित / जीव विज्ञान / पृथ्वी पर्यावरण विज्ञान के साथ दी जाती है।

गणितीय शिक्षा केंद्र

शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान) के अंतर्गत गणित शिक्षा केंद्र एक मात्र केंद्र है जो वर्तमान परिप्रेक्ष्य के गणित शिक्षण एवं इससे संबंधित समस्याओं पर कार्य कर रहा है। यह विद्यार्थियों के लिए अनेक व्याख्यान आयोजित करता है एवं नियमित पीएच.डी. कार्यक्रम चलाता है। वर्तमान में, संकाय सदस्य शोध (असीमित) के निम्नलिखित क्षेत्रों में कार्य कर रही है :

स्थापना के समय से केंद्र के गणित शिक्षा के क्षेत्र में कुछ छात्रों ने पीएच.डी. हासिल की है। उन्होंने केंद्र के उद्‌भव एवं विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम गणित शिक्षण तथा कंप्यूटेशनल मैथमेटिक्स में पाठ्यक्रम आरंभ करना चाहते हैं और डैटा बेस केंद्र स्थापित करना चाहते हैं जहाँ हमारे देश के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों में गणित शिक्षा के विकास के लिए विस्तारण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अप्रैल 2019-मार्च 2020 के प्रकाशन

- ई.ए. अहमद, एम बनर्जी, एस. सेन और पी चटर्जी, गणित पर उपलब्धि परीक्षण के लिए महालनोबिस का अनुप्रयोग Δ^2 : उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों पर एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एंड एजुकेशन, 10, 1, 36 (2020).

अन्य संबंधित सूचनाएँ :

केंद्र में आयोजित व्याख्यान

क्रम सं.	नाम	दिनांक	विषय
1	डॉ. असित साहा, सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग, सिक्किम मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान, माजितर, सिक्किम	13.12.2019-13.12.2019 (पूर्वाह्न 11.00-मध्याह्न 12.00)	प्लास्मा में नाइलिनियर और सुपर नाइलिनियर तरंगों का पृथककरण
2	प्रो. मंटू साहा, प्रोफेसर, गणित विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय	02.03.2020 (अपराह्न 4.00-5.30) 03.03.2020 (पूर्वाह्न 10.00-11.30)	मीट्रिक रिक्त स्थान और मानक रेखीय रिक्त स्थान में निश्चित बिंदु प्रमेय
3	प्रो. चंचल बसु, प्रोफेसर, गणित विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय	05.03.2020 (अपराह्न 4.00-5.30) 06.03.2020 (पूर्वाह्न 10.00-11.30)	कुछ हाइपरस्पेस टोपोलॉजी का विश्लेषण

क्रम सं.	नाम	दिनांक	विषय
	प्रोफेसर, गणित विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय	(अपराह्न 4.00-5.30) 06.03.2020 (पूर्वाह्न 10.00-11.30)	टोपोलोजी
4	प्रो. एस.डी. सरकार, प्रोफेसर गणित विभाग उत्तर बंग विश्वविद्यालय	03.02.2020 (अपराह्न 3.00-4.30) 04.02.2020 (अपराह्न 3.00-4.30)	कैंटर्स सेट और इसकी संपत्तियाँ
5	डॉ. काजल मंडल गणित विभाग, वी.भी.यू., कुचबिहार	12.12.2019-13.12.2019 (मध्याह्न 12.00-अपराह्न 1.00)	अनुप्रयुक्त गणित में गणित शिक्षा की चुनौतियाँ

कला भवन

डिज़ाइन विभाग

कला भवन के अंतर्गत डिज़ाइन विभाग अपनी शतवर्ष पूर्ति के आलोक में अपने गरिमामय इतिहास एवं भविष्योन्मुखी दृष्टि के साथ खड़ा है। हालाँकि (विशेष पत्र) विशेषज्ञता के रुप में डिज़ाइन विभाग में कपड़ा / वस्त्र तथा सेरामिक (चिनी मिट्टी) के चयन की शुरुआत अपने सीमित साधनों के साथ 1980 में हुई पर सामान्य रुप से इसकी चर्चा कला भवन के प्रारंभिक काल से ही थी। एक समय उन्होंने राष्ट्रीय कला आंदोलन का रास्ता दिखा कर इसे विश्व मानचित्र में मान्यता दिलायी थी। अब पूरे देश में ये दो विभाग [वस्त्र /कपड़ा एवं सेरामिक (चिनी मिट्टी) तथा काँच पर की गयी कला] काफी प्रसिद्ध है। अगर हम अपने इन विभागों की चर्चा वर्त्तमान राष्ट्रीय कला जगत् के दूसरे संस्थानों के परिप्रेक्ष्य में करे तो ये दो उप-विभाग अभिव्यक्ति एवं आय के माध्यम के रुप में एक खास माध्यम का प्रतिनिधित्व करते हैं जो सफल माने जा सकते हैं। ये व्यावसायिक एवं रचनात्मक दोनों दृष्टि से महत्त्वपूर्ण एवं प्रायोगिक हैं। ये माध्यम प्राचीन होते हुए भी नवीन प्रयोगों की पूरी संभावना रखते हैं। हाल ही में 2014 ई. से ग्लास / काँच को भी माध्यम के रुप में विभाग में शामिल किया गया है। प्राचीन ज्ञान एवं नवीन प्रयोगों की संभावना रखने वाला यह माध्यम स्पष्ट रुप से विद्यार्थियों की रचनात्मकता को एक नया आयाम प्रदान कर रहा है।

हमारा उद्देश्य है इस विभाग को न केवल देश के शीर्ष संस्थानों में से एक बनाना अपितु गुणवत्ता एवं सुविधाओं में विस्तार करके इसे अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों पर भी खरा उतारना ताकि विश्व के हर प्रांत से विद्यार्थी यहाँ आने को इच्छुक हों। डिज़ाइन विभाग के अंतर्गत दो प्रमुख पाठ्यक्रम हैं — जैसे — बी.एफ.ए. / डी.एफ.ए., एम.एफ.ए. (स्नातक एवं स्नातकोत्तर) / ऐडवांस डिप्लोमा कपड़ा / वस्त्र डिज़ाइन में। एवं ग्लास /काँच डिज़ाइन में बी.एफ.ए. / डी.एफ.ए., एम.एफ.ए. / ऐडवांस डिप्लोमा (स्नातक एवं स्नातकोत्तर)।

इन दो प्रमुख पाठ्यक्रमों के अलावा डिज़ाइन विभाग के अंतर्गत — दो वर्ष का सर्टिफिकेट कोर्स, विदेशी विद्यार्थियों के लिए एक वर्ष का कोर्स और भारतीय विद्यार्थियों के लिए एक वर्ष का कैजुअल / अनौपचारिक कोर्स; शामिल है।

विभाग के पास उत्कृष्ट शिक्षकों का एक दल है जो अपने-अपने विषय एवं क्षेत्रों में अपने रचनात्मक प्रदर्शन द्वारा ख्याति एवं मान्यता प्राप्त हैं।

प्रत्येक वर्ष आचार्य नंदलाल बसु की जन्मतिथि के अवसर पर विभाग द्वारा उसके शिक्षक एवं विद्यार्थियों के रचनात्मक कार्यो का प्रदर्शन नंदन मेले में सफलतापूर्वक किया जाता है। निर्धारित शैक्षणिक कार्यों के अतिरिक्त विद्यार्थीगण विविध प्रदर्शनी एवं कार्यशालाओं में भी शामिल होते हैं।

डिज़ाइन विभाग इसके साथ ही जैव एवं पारम्परिक माध्यमों द्वारा कला की अभिव्यक्ति का एक सशक्त केन्द्र पूरे देश में अद्बितीय उदाहरण है। वस्त्र / कपड़ा डिज़ाइन में इस विभाग का भारतीय तथा

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयोग एवं आधुनिकरण के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान है।

अन्त: विभागीय एवं अन्त: विधागत सहभागिता और डिज़ाइन विभाग – अंत:-विधा कार्यक्रमों के अंतर्गत यह उल्लेखनीय है कि डिज़ाइन विभाग के स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय के दूसरे विभागों के विषयों को शामिल किया गया है। उदाहरण स्वरूप – कला का इतिहास, रवीन्द्र चर्चा विभाग एवं पर्यावरण शिक्षा विभाग।

दूसरे विश्वविद्यालयों, व्यावसायिक एवं अन्य विदेशी संस्थानों के साथ संयुक्त रूप में पाठ्यक्रमों का आयोजन :

वर्त्तमान समय में कला भवन, विशेषत: डिज़ाइन विभाग ने देश-विदेश के संस्थानों एवं विद्यार्थियों के लिए अपनी सिमेस्टर पद्धति के पाठ्यक्रमों के द्वार खोल दिये हैं। जहाँ विद्यार्थी अपनी पसंद के विषय एवं पाठ्यक्रम का चयन स्वयं कर सकते हैं।

वहीं इस विभाग के विद्यार्थी भी सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक लेन-देन / स्थानांतरण के तहत विदेशी विश्वविद्यालयों; जैसे – फ्रांस, नेदरलैंड, थाइलैंड आदि में पाँच वर्षो के लिए अध्ययन के लिए जा सकते हैं अथवा दूसरे देशों के विद्यार्थी भी यहाँ आ सकते हैं।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का विषय, तिथि संगोष्ठी / कला संबंधी वक्तव्य)

कार्यशाला / प्रदर्शन – सेरामिक (चीनी मिट्टी) एवं काँच :

- 2019, 14 से 16 अक्टूबर – प्रो. लक्ष्मण गौड़ द्वारा डिज़ाइन विभाग (सेरेमिक एवं काँच) में आयोजित कार्यशाला। (तुलसियाँ फैमिली बेनिफिशियरी ट्रस्ट, कोलकाता द्वारा प्रायोजित)।
- 2019, 20 से 22 नवम्बर – कला वार्त्ता एवं प्रभाकर कोटले के साथ डिज़ाइन विभाग (सेरेमिक एवं काँच) में कार्यशाला। (तुलसियाँ फैमिली बेनिफिशियरी ट्रस्ट, कोलकाता द्वारा प्रायोजित)।
- 2020, 13-22 मार्च – दो जाने-माने सेरमिस्ट पी.आर. दारोज़ एवं दिपाली दरोज़ द्वारा डिज़ाइन विभाग (सेरामिक एवं ग्लास) में आयोजित कार्यशाला। (तुलसियाँ फैमिली बेनिफिशियरी ट्रस्ट, कोलकाता द्वारा प्रायोजित)।
- 2020, 13-17 जनवरी – विभाग में आयोजित राकू कार्यशाला एवं प्रदर्शनी।

कार्यशाला एवं प्रदर्शन – कपड़ा / वस्त्र :

- 2019, 27 जुलाई – मेंडोज़ा, अर्जैन्टीना के कलाकार ऑस्टीन विला द्वारा छायाचित्रों (Photography / फोटोग्राफी) की प्रदर्शनी।
- 2019, 9 सितम्बर – बरोदा, गुजरात के प्रदीप सिन्हा एवं माला सिन्हा द्वारा प्रस्तुति – "सस्टेनेबल प्रैक्टिस एट बोधी – ए स्मॉल डिज़ाइन स्टूडियो"। यह प्रस्तुति कला भवन, विश्वभारती शांतिनिकेतन के 'कला के इतिहास' विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गयी थी।

- 2020, 3 जनवरी – कलाकार का वक्तव्य / 2020 – प्रो. जिचा (Jon Jicha), वैस्टर्न कैरोलीना विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका।
- 2020, 3 फरवरी – प्राकृतिक नील (Natural Indigo Dye) पर कार्यशाला। आमंत्रित विशेषज्ञ व्यक्ति – श्री प्रदीप पोल्ले, बर्द्धमान, पश्चिम बंगाल।

सिर्फ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि। शिक्षकों एवं शोधार्थियों की भागीदारी, पूर्ण विवरण सहित। (Vide Annexure II) परिशिष्ट II देखें

गौतम दास [सेरमिक (चिनी मिट्टी) / एवं काँच]

कार्यशाला (अंतर्राष्ट्रीय)

- 2020 फरवरी – कर्बी, थाइलैंड में एक अंतर्राष्ट्रीय कला कार्यशाला में सहभागिता।
- 2019, अगस्त – (SSVAD) एस.एस.वी.ए.डी. शांतिनिकेतन में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में सह भागिता।

प्रदर्शनी (राष्ट्रीय)

- 2019, 23 नवम्बर-21 दिसम्बर – बिरला अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा आयोजित सामुहिक प्रदर्शनी, विषय – ''रिमेंबरिंग दिनकर कौशिक''।

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 के दौरान अन्य उल्लेखनीय उपलब्धी

- 13-17 जनवरी 2020 – डिज़ाइन विभाग में राकू कार्यशाला एवं प्रदर्शन।
- 13-22 मार्च 2020 – डिज़ाइन विभाग, कला-भवन, विश्वभारती शांतिनिकेतन में आयोजित पी.आर. दरोज़ एवं दिपाली दरोज़ के सेरामिक / चीनी मिट्टी के कार्यशाला में शामिल हुए।

शिशिर साहाना (चीनी मिट्टी / सेरेमिक और काँच)

कार्यशाला

(राष्ट्रीय)

- 2020, 25-30 फरवरी – 'ए ट्रिब्यूट टू सूर्यप्रकाश', एल.वी. प्रसाद, आई इंस्टीट्यूट, हैदराबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला कार्यशाला का संचालन एवं भागीदारी।

(अंतर्राष्ट्रीय)

- 2020, 2-8 जनवरी – मृत्तिका आर्ट फाउंडेशन द्वारा आयोजित सेरेमिक पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला एवं (Symposium) संगोष्ठी।

प्रद्रशनी

(राष्ट्रीय)

- 2019, 11 अक्टूबर से 5 नवम्बर, एकल प्रदर्शनी ''ओल्ड सीड्स'', कलाकृति आर्ट गैलरी, हैदराबाद।
- 2020, 6 दिसम्बर से 8 जनवरी, एकल प्रदर्शनी, ''ए डायलॉग विद सॉएल'', गनेश गैलरी, नई दिल्ली।
- 2020, 8 फरवरी – 7 मार्च, ''ए डायलॉग विद सॉएल'', फोरम आर्ट गैलरी।
- 2019, 23 नवम्बर – 21 दिसम्बर, सामूहिक प्रदर्शनी, ''दिनकर कौशिक शत वर्ष पूर्ति प्रदर्शनी'', बिरला अकैदमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता। कलाभवन, प्राक्तनी संगठन द्वारा आयोजित।

(अंतर्राष्ट्रीय)

- 2020, 30 जनवरी से 2 फरवरी, आर्ट पिलग्रिम द्वारा प्रस्तुत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी, इंडियन आर्ट फेयर दिल्ली में।
- 2020, 30 जनवरी – 2 फरवरी, आर्ट गैलरी गनेश द्वारा इंडियन आर्ट फेयर, दिल्ली में प्रस्तुत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी।

संगोष्ठी / प्रस्तुति

(राष्ट्रीय)

- 2019, 31 अगस्त से 2 सितम्बर – अपनी कलाकृतियों का एकल प्रदर्शन – ''ओल्ड सीड्स'', नंदन, कला भवन, शांतिनिकेतन।
- 2019, 6-29 सितम्बर, एकल प्रदर्शनी, ''ओल्ड सीड्स'', इमामी आर्ट गैलरी, कोलकाता।

(अंतर्राष्ट्रीय)

- 2019, 27-29 नवम्बर, थाइलैंड के बुराफा विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता। विषय – ''ब्रेक द बैरियरस, डिज़ाइन द फ्यूचर''।

1 अप्रैल 2019-31 मार्च 2020 के बीच अन्य महत्त्वपूर्ण उपलब्धि

- पश्चिम बंग सरकार द्वारा प्रदत्त कार्य के अंतर्गत बोलपुर में रवीन्द्रनाथ की काँच पर बनी कलाकृति का निर्माण एवं स्थापना। ऊँचाई – 24 फिट, व्यास 6 फिट।
- 2020, 13-17 जनवरी, डिज़ाइन विभाग में राकू व्याख्यान तथा कार्यशाला।
- 2020, 12-22 मार्च, पी.आर. दरोज़ एवं दिपाली दरोज़ द्वारा सेरमिक पर आयोजित कार्यशाला, डिज़ाइन विभाग, कला भवन, विश्वभारती में सहभागिता।

साक्षीगोपाल दास (वस्त्र / कपड़ा)

- 2020, 12-22 मार्च – पी.आर. दरोज़ एवं दिपाली दरोज़ द्वारा सेरमिक पर आयोजित कार्यशाला में

सहभागिता। डिज़ाइन विभाग, कलाभवन, विश्वभारती।

- 2020, 13-17 जनवरी – डिज़ाइन विभाग राकू व्याख्यान एवं कार्यशाला।
- विविध कार्यक्रमों में सहयोगिता एवं सांस्कृतिक आयोजनों में साज-सज्जा का दायित्व।

देवाशीष महालनबीश (वस्त्र / कपड़ा)

प्रकाशन

- 'ऑनलाइन रिव्यू ऑन खादी फैब्रीक्स इन इंडिया', जर्नल ऑफ द टेक्सटाइल ऐसोसिएशन, ISSN 0368-4636, अंक 79, संख्या-3, अक्टूबर 2018.

अध्यक्षता / मूल्यांकन

- निर्णायक की भूमिका, कला प्रतियोगिता में प्राथमिक चुनाव के लिए, डी.वी.सी.
- निर्णायक, अंतिम निर्वाचन, राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता, डी.वी.सी.

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 के बीच अन्य महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

- ''टेक्सचर, कम्फर्ट एंड डिज़ाइन ऑफ खादी फैब्रिक'' विषय पर विश्वभारती द्वारा पी.एच.डी. की उपाधि की प्राप्ति 20.12.2019 को।
- 2020, 13-17 जनवरी, विभागीय राकू कार्यशाला एवं व्याख्यान।
- पी.आर. दरोज़ और दिपाली दरोज़ द्वारा आयोजित सेरमिक पर विभागीय कार्यशाला में सहभागिता। 2020, 12-22 मार्च।

वानतन्वी दास महापात्र (वस्त्र / कपड़ा)

प्रदर्शनी : (राष्ट्रीय)

- 2020, मई, ऑनलाइन सामूहिक प्रदर्शनी, शांतिनिकेतन सोसाइटी ऑफ विजुअल आर्ट एंड डिज़ाइन के सदस्यों की प्रदर्शनी।

(अंतर्राष्ट्रीय)

- 2019, दिसंबर – ''न्यू क्राफ्ट'', ए ग्रूप ऑफ एक्ज़ीबीशन, सींगुआ विश्वविद्यालय, बिजिंग, चीन।
- 2019, नवम्बर, ''दिनकर कौशिक के शतवर्ष पूर्त्ति के अवसर पर प्रदर्शनी'', ए ग्रूप ऑफ एक्ज़ीबीशन, बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कलकत्ता।

अध्यक्षता / मूल्यांकन / समायोजन

- 27/07/2019, छायाचित्र (फोटोग्राफ) प्रदर्शनी। कलाकार – अगस्टीन विला, मेंडोज़ा, अर्जेन्टीना।
- 09/09/2019 प्रदीप सिन्हा एवं माला सिन्हा बड़ौदा, गुजरात द्वारा प्रस्तुति सस्टेनेबल प्रैक्टीसेज़ एड

बोधी : ए स्मॉल डिज़ाइन स्टूडियो'' यह प्रस्तुति 'कला का इतिहास', विभाग, कला भवन, विश्वभारती शांतिनिकेतन के संयुक्त प्रयास द्वारा आयोजित किया गया।

- 03/01/2020, प्रो. जॉन जिचा का वक्तव्य, वेस्टर्न कैरोलिना विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका।
- 2020, 24 से 27 फरवरी, प्राकृतिक नील पर श्री प्रदीप पोल्ले, बर्द्धमान, पश्चिम बंगाल की कार्यशाला।
- 2019, दिसंबर, नंदन मेला, कला-भवन, शांतिनिकेतन के आयोजन में सहभागिता।

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च, 2020 के बीच अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ :

- 2020, जनवरी, नंदन आर्ट गैलरी, कला-भवन में सामूहिक प्रदर्शनी।

मैडी लिंडा (सेरेमिक एवं काँच)

कार्यशाला (राष्ट्रीय)

- 16-25 नवम्बर, 2019 – हज़ारीबाग, झारखंड, ''टेराकोटा वर्कशॉप फॉर पॉटरी''।

प्रदर्शनी (राष्ट्रीय)

- 2019, 7-30 सितम्बर। नई दिल्ली के गैलरी वन में सामूहिक शो, सेरामिक्स पर ''इमर्जिंग फ्रॉम द अर्थ''।
- 2019, 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर 'दिनकर कौशिक को याद करते हुए' – बिड़ला अकादमी ऑफ फाइन आर्ट एंड कल्चर, कलकत्ता द्वारा आयोजित सामुहिक प्रदर्शनी।

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 के बीच अन्य महत्त्वपूर्ण उपलब्धी

- 2019, 20-22 नवम्बर। प्रभाकर कोल्ले द्वारा आयोजित, चित्रकला कार्यशाला एवं व्याख्यान, कला-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में सहभागिता।
- 2019, 14-16 अक्टूबर। प्रो. लक्ष्मा गौड़ द्वारा संचालित सेरमिक कार्यशाला (विभागिय कार्यशाला)।
- 2020, 12-22 मार्च, पी.आर. दरोज़ एवं दिपाली दरोज़ द्वारा संचालित विभागीय कार्यशाला।
- 2020, 13-17 जनवरी। विभाग में राकू कार्यशाला एवं व्याख्यान।

अध्यक्षता / सदस्यता

- 2020, प्रभारी शिक्षक, बी.एफ.ए. (फाउंडेशन / बुनियादी) विद्यार्थी, कला भवन, विश्वभारती।
- 2019, 1-2 दिसम्बर, नंदन मेला की समन्वयक एवं संयोजक।
- 2020, 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस की साज-सज्जा।
- 2019, 21 सितम्बर, अंतर-विश्वविद्यालयी, उत्सव एवं चयन परीक्षण (युवा उत्सव) 2019 प्रतिस्पर्धा, ललित कला, विश्वभारती, शांतिनिकेतन (प.बं.)।

- 16/05/2019 बाह्य परीक्षक के रूप में प्रायोगिक परीक्षा, एम.एफ.ए. (पॉटरी एंड सेरमिक्स) प्लास्टिक आर्ट विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में कार्य।
- 2019-2020, प्रोग्रामर ऑफिसर एन.एस.एस. यूनिट, कला-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।
- 2020, 12-22 मार्च। अंतरविभागीय कार्यशाला, दरोज़ द्वारा संचालित।
- कलाभवन, विश्वभारती के लिए नैक (एन.ए.ए.सी.) की प्रस्तुति।
- पौष उत्सव, 2019, दिसम्बर। छातिमतला में मोमबत्तियों से साज-सज्जा।
- 2019-2020, एन.एस.एस. यूनिट, कलाभवन, विश्वभारती की प्रोग्राम ऑफिसर।

भावना खजूरिया बसुमतारी (सेरामिक, ग्लास)

कार्यशाला (राष्ट्रीय)

- 2019, कला एवं संस्कृति विभाग, मेघालय सरकार, शिलॉग द्वारा आयोजित कार्यशाला, 'मोनो प्रिंटिंग' में अतिथि विद्वान के रूप में आमंत्रित।

प्रदर्शनी (राष्ट्रीय)

- 2019, बिड़ला अकैदमी ऑफ फाइन आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा आयोजित प्रदर्शनी।
- ''दिनकर कौशिक के स्मरण में'' 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक।

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 के बीच अन्य महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

- 20-20 नवम्बर 2019, प्रभाकर कोल्टे द्वारा सम्पादित चित्रकला कार्यशाला एवं व्याख्यान, कला भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।
- 2019, 14-16 अक्टूबर, प्रो. लक्ष्मा गौड़ द्वारा सेरामिक कार्यशाला, डिज़ाइन विभाग।
- 2020, 13-22 मार्च, पी.आर. दरोज़ एवं दिपाली दरोज़ की सेरमिक कार्यशाला (विभागीय कार्यशाला) के सह-संयोजक।
- 2020, 13-17 जनवरी विभाग में राकू कार्यशाला एवं व्याख्यान।

अध्यक्षता / मूल्यांकन एवं प्रस्तुति

- 2020, कला भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन (परिसर) के उप-प्राचार्य के रूप में नियुक्ति।
- 2019, सेंटर फॉर वीमेंस स्टडीज़, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित कार्यशाला – ''सोशियो कल्चरल चेंजेज़ इन द विलेजेस सराउंडिंग विश्वभारती डिउ टू गर्ल चाइल्ड एजूकेशन'' के सत्र अध्यक्ष / सभापति।
- नैक (एन.ए.ए.सी.) कोर कमिटी, 2019 विश्वभारती शांतिनिकेतन के निर्वाचित सदस्य।

- 2019 दृश्यकला की प्रायोगिक परीक्षा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के बाह्य परीक्षक।
- 2019, कलाभवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के ऐंटी रैगिंग कमिटी की सदस्यता।
- 2019, नंदन मेला, कला भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन की सह-संयोजक।
- 2019, डिसिप्लिनरी कमीटी, डिज़ाइन विभाग, कलाभवन, विश्वभारती शांतिनिकेतन की सदस्यता।
- 2019, सदस्य, स्टूडियो कमिटी, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।

देवाशीष दास (सेरमिक और काँच)

कार्यशाला (अंतर्राष्ट्रीय)

- 2020, 2-8 जनवरी, मृत्तिका आर्ट फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सेरमिक संगोष्ठी एवं कार्यशाला।
- 2020, 19-23 जनवरी – इंडो कोरियन रेज़ीडेंसी, संगोष्ठी, चेन्नई द्वारा आयोजित 'अर्थ मैटर्स ३'।

प्रदर्शनी (राष्ट्रीय)

- 2020, 1 फरवरी से 15 मार्च। '15 कोन्टेम्परारी सेरमिक आर्टिस्ट एक्ज़ीबिशन', कोलकाता में सहभागिता।
- 2020, 26 फरवरी – 5 मार्च। चेन्नई में इंडो कोरियन सेरमिक प्रदर्शनी के अंतर्गत 'अर्थ मैटर्स 3' में सहभागिता।
- 2019, 6-30 सितम्बर। गुड़गाँव में सेरमिक पर प्रदर्शनी – 'इमर्जिंग फ्रॉम द अर्थ' में भागीदारी।
- 2019, 23 नवम्बर – 21 दिसम्बर, कलकत्ता के बिड़ला अकैदमी ऑफ फाइन आर्ट एंड कल्चर द्वारा आयोजित सामूहिक प्रदर्शनी – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में'।

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 के बीच अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

- 2020, 12-22 मार्च। पी.आर. दरोज़ और दिपाली दरोज़ द्वारा संचालित सेरमिक कार्यशाला, डिज़ाइन विभाग, कलाभवन, विश्वभारती के सह संयोजक।
- 2019, 20-22 नवम्बर, प्रभाकर कोल्टे द्वारा संचालित चित्रकला व्याख्यान एवं कार्यशाला, कलाभवन, विश्वभारती शांतिनिकेतन में सहभागिता।
- 2019, सूचना-पत्र / पोस्टर प्रतिस्पर्द्धा के प्रभारी। अंतर-विश्वविद्यालय उत्सव एवं चयन परीक्षण – 21/09/2019 को।
- 03/12/2019, नंदन मेला वनभोज कमिटी के सह संयोजक।
- 2020, 13-17 जनवरी, विभागीय राकू व्याख्यान एवं कार्यशाला।
- 2019, 14-16 अक्टूबर। प्रो. लक्ष्मा गौड़ द्वारा संचालित सेरमिक कार्यशाला। डिज़ाइन विभाग।

अर्चना दास (सेरमिक एवं काँच)

कार्यशाला (अंतर्राष्ट्रीय)

- 2019, 10-11 जून। नंदन, शांतिनिकेतन सोसाइटी, लेकटाऊन, कोलकाता द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेरमिक कार्यशाला (दो चरणों में आयोजित)।

प्रदर्शनी (राष्ट्रीय)

- 2019, 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक बिड़ला अकादमी ऑफ फाइन आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा आयोजित सामूहिक प्रदर्शनी ''दिनकर कौशिक के स्मरण में''।

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 के बीच अन्य उल्लेखनीय उपलब्धि

- 2019, 20-22 नवम्बर, प्रभाकर काल्टे द्वारा कलाभवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में आयोजित चित्रकला संबंधी कार्यशाला एवं व्याख्यान में भागीदारी।
- 2020, 13-22 मार्च, पी.आर. दरोज़ एवं दिपाली दरोज़ द्वारा विभाग में आयोजित सेरमिक कार्यशाला में सहभागिता।
- 2020, 13-17 जनवरी विभाग में राकू कार्यशाला एवं व्याख्यान।
- 2019, 14-16 अक्टूबर – प्रो. लक्ष्मा गौड़ द्वारा विभाग में सेरमिक कार्यशाला का संचालन।
- 14/09/2019 अंतर विश्वविद्यालय ललित कला उत्सव; पी.एस.एन.एस., विश्वभारती के डायरेक्टर द्वारा आयोजित रंगोली (प्रतियोगिता) के निर्णायक।

अनुपम चौधरी (सेरमिक एवं काँच)

कार्यशाला (अंतर्राष्ट्रीय)

- ''सेरमिक्स एंड वुड फायरिंग सिमपोज़ियम'' – सिल्पाकॉर्न विश्वविद्यालय, सेरमिक विभाग, फैकल्टी ऑफ डेकोरेटिव आर्ट द्वारा आयोजित कार्यशाला।

प्रदर्शनी (राष्ट्रीय)

- 2019, 7-30 सितम्बर – गैलरी वन, गुड़गाँव, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सामूहिक प्रदर्शनी ''इमर्जिंग फ्रॉम द अर्थ''।
- 2019, 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक दिनकर कौशिक की शतवर्ष पूर्त्ति के उपलक्ष्य में उनके शिक्षक, सहयोगी, विद्यार्थी एवं अनुयायियों को दर्शातें हुए ''दिनकर कौशिक के स्मरण में'' प्रदर्शनी।

अन्य कार्य / सदस्यता / मूल्यांकन

- 2019, पौष उत्सव में कलाकृतियों की सुव्यवस्था।
- 2019, पौष उत्सव में छातिमतला में मोमबत्ती की साज-सज्जा।

- 2019, परीक्षक – बी.एफ.ए. (सम्मान), सीमेस्टर III, (सी.बी.एस.सी.) परीक्षा 2019, गवर्मेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट, कलकत्ता विश्वविद्यालय।
- 2020, 26 जनवरी – गणतंत्र दिवस में सजावट।
- 2019, 15 सितम्बर (संयोजक : महानदि)
- 2019, नंदन मेला के समन्वयक एवं संयोजक।

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 के बीच अन्य उल्लेखनीय कार्य

- 2019, 20-22 नवम्बर, प्रभाकर कोल्टे द्वारा संचालित चित्रकला कार्यशाला एवं व्याख्यान, कलाभवन, विश्वभारती शांतिनिकेतन।
- 2020, 13-22 मार्च, पी.आर. दरोज़ एवं दिपाली दरोज़ द्वारा संचालित सेरमिक कार्यशाला, डिज़ाइन विभाग, कलाभवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सह-संयोजक।
- 2020, 13-17 जनवरी, राकू कार्यशाला एवं व्याख्यान, डिज़ाइन विभाग।
- 2019, 14-16 अक्टूबर, प्रो. लक्ष्मा गौड़ द्वारा संचालित सेरमिक कार्यशाला, डिज़ाइन विभाग।

विभाग में चल रही परियोजनाएँ (प्रोजेक्ट)

क्रम सं.	शिक्षक का नाम	परियोजना / प्रोजेक्ट का नाम	प्रायोजक संस्था	अनुमोदित राशि
1.	देवाशीष दास	कॉन्टेम्परर्री सेरमिक म्यूरल रिलेशन विद आर्किटेक्चर	लागू नहीं / अनावश्यक	स्व वित्त पोषित
2.	अनुपम चौधरी	इंडियन स्टूडियो पॉटर्स – द केस स्टडी	लागू नहीं / अनावश्यक	स्व वित्त पोषित
3.	वानतन्वी दास महापात्र	ब्लेंडिंग ऑफ म्यूज़िक एंड विज़न : स्टडी ऑफ रागमाला पेंटिंगस इन एसोसिएशन विद नॉर्थ इंडियन क्लासिकल म्यूज़िक	लागू नहीं / अनावश्यक	स्व वित्त पोषित
4.	भावना खजुरिया	ब्लेंडिंग आर्ट एंड क्राफ्ट : टेगोर्स एजुकेशन प्रोग्राम विद स्पेशन रेफरेंस टू सेरमिक	लागू नहीं / अनावश्यक	स्व वित्त पोषित
5.	अर्चना दास	भारतीय सेरमिक पॉटरी का तकनीकि अध्ययन	लागू नहीं / अनावश्यक	स्व वित्त पोषित

विभाग द्वारा आयोजित तथा विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता प्राप्त विस्तारमूलक गतिविधि। एन.एस.एस. / सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधि

- नंदन मेला, कला एवं सांस्कृतिक अनुष्ठान जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, जहाँ विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- वृक्षरोपण, 7 पौष को छातिमतला, उपासना गृह (25 दिसम्बर) एवं स्वतंत्रता दिवस को शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं द्वारा सजावट।
- विश्वविद्यालय द्वारा समन्वयित एन.एस.एस. में विद्यार्थियों की सहभागिता।
- विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्वच्छ भारत कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता।
- विभिन्न (खेल) क्रीड़ा आयोजनों में विद्यार्थियों की भागीदारी।

शिक्षकों / छात्रों / पूरे विभाग द्वारा प्राप्त की गयी विशेष शैक्षणिक उपलब्धियाँ

(डी.एस.ए. या सी.ए.एस. द्वारा मान्यता प्राप्त आदि)

- शोधार्थी श्री प्रतीक भट्टाचार्य द्वारा चार्ल्स वैलेस इंडिया ट्रस्ट फैलोशिप युनाइटेड किंगडम।
- विभागीय छात्रों की अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक / सांस्कृतिक आदान प्रदान के तहत स्वीकृति।

  1. श्रावण चक्रवर्ती – 6 माह के लिए विद्यार्थी आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत फ्रांस के इकोले द' आर्ट एट 'दे डिज़ाइन द' एंजर्स के लिए चयन।

  2. सायंतनी साहा – सात दिनों के लिए इंडो-चायना विद्यार्थी आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत चयन।

मूर्त्तिकला विभाग

कलाभवन की स्थापना के दिनों से ही मूर्त्तिकला विभाग ने संस्थान की एक वैकल्पिक कला के अभ्यास स्थल के रूप में प्रतिष्ठा करने में सहायता की है, जो कि आधुनिक भारतीय कला जगत् में एक नवीन एवं महत्त्वपूर्ण विभाग के रूप में उभरा है। बीसवीं सदी की शुरूआत में एक महान चिंतक के रूप में रवीन्द्रनाथ ठाकुर की विचार धारा एवं अवनीन्द्रनाथ ठाकुर के शिष्य नंदलाल बसु ने शांतिनिकेतन के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। 1932 ई. में यह विभाग अनौपचारिक रूप से रामकिंकर बैज की अगुवायी में शुरु हुआ। प्रारंभ में रामकिंकर बैज फिर शर्बरी रायचौधरी, अजित चक्रवर्ती, विपिन गोस्वामी, विकास देवनाथ, सुरेन घोष एवं सुरेन दे ने अनगिणत विद्यार्थियों को सुशिक्षित किया जो आगे चलकर भारत के विशिष्ट मूर्त्तिकार के रूप में विख्यात हुए।

विभाग में भारत के विविध प्रांतों के अलावा विदेशों से भी विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते हैं। इनमें से प्रमुख देश हैं — जापान, कोरिया, थाइलैंड, यू.के., फ्रांस, यू.एस.ए., बांग्लादेश, मॉरिशस, यू.एस.एस.आर., श्रीलंका आदि।

विभाग में अध्ययन कर चुके कई महत्त्वपूर्ण मूर्त्तिकारों ने अद्यतन मूर्त्तिकला को कई नए शब्द प्रदान कर उसे पुन:-पुन: परिभाषित किया। इनमें से कुछ प्रमुख घरानो के जनक है — शंखो चौधरी, प्रभास सेन, जीतेन्द्र कुमार, अवतार सिंह पंवार, एम. धरमानी, मदन भटनागर, सुरेन पांडे, बलवीर सिंह कांत आदि।

विभाग के शिक्षकों एवं शोधार्थियों द्वारा भाग लिए गए सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी / अध्यक्षता आदि

पंकज पंवार (प्राध्यापक)

- 2019 — अद्यतन मूर्त्तिकला पर सचित्र व्याख्यान, दृश्य कला विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार।
- 2020 — क्रबी, थाइलैंड में अंतर्राष्ट्रीय कला कार्यशाला एवं प्रदर्शनी।
- 2019 — बिड़ला अकादमी, कोलकाता में समकालीन कलाकारों की वार्षिक प्रदर्शनी।
- 2019, 2-7 अगस्त, 'शिल्पी मिलन उत्सव', राष्ट्रीय स्तर की कला कार्यशाला, एस.एस.वी.ए.डी. द्वारा आयोजित।
- 2019, 12-15 नवम्बर — शांतिनिकेतन प्राक्तनि कला कार्यशाला।
- 2019, 23 नवम्बर — 21 दिसम्बर, 'दिनकर कौशिक के स्मरण में' — बिड़ला अकादमी में कौशिक के स्मरण में' — बिड़ला अकादमी में कला प्रदर्शनी।
- रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कलकत्ता के (बोर्ड ऑफ स्टडी) पाठ समिति के सदस्य।

सुतनु चटर्जी (सह प्राध्यापक)

- 2019, अप्रैल, 60वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली। जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, मुम्बई में सम्पन्न।
- 2019, 15 अप्रैल – 5 मई, 'नववर्षेर चित्र प्रदर्शनी – 1426' बंग्ला नववर्ष पर एक चित्र प्रदर्शनी। देबावशा, कलकत्ता द्वारा आयोजित।
- 2020, 20-24 जनवरी। शांतिनिकेतन, कला भवन, प्राक्तनि के सदस्यों द्वारा चित्रकला प्रदर्शनी। नंदन, कलाभवन में आयोजित।

(अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी)

- 2019, 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर। बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा आयोजित प्रदर्शनी – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में।'
- (कार्यशाला) 2019, 12-15 नवम्बर, शांतिनिकेतन, कला भवन, प्राक्तनि कला कार्यशाला।

मतिलाल कलाई (सह-प्राध्यापक)

- 2019, 23 नवम्बर – 21 दिसम्बर, बिड़ला अकादमी, कोलकाता में कला प्रदर्शनी – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में'।
- 2020, 20-25 जनवरी, शांतिनिकेतन, कलाभवन प्राक्तनि कला प्रदर्शनी। नंदन, कलाभवन, विश्वभारती।
- 2019, 12-15 नवम्बर। शांतिनिकेतन कला भवन प्राक्तनि, कला कार्यशाला।

कमल धर (सहायक प्राध्यापक)

(प्रदर्शनी)

- 2019, 23 नवम्बर – 21 दिसम्बर, बिड़ला अकादमी कोलकाता द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में'
- 2020, 20-25 जनवरी। नंदन, कला भवन, विश्वभारती में आयोजित शांतिनिकेतन कला भवन प्राक्तनि कला प्रदर्शनी।
- 2020, 21-27 फरवरी, बैच 88, प्रदर्शनी, गवर्मेंट कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट। ललित कला अकादमी में आयोजित।

(सम्मेलन)

- 2019, 24-26 मई। वैश्विक शिक्षा सम्मेलन, मूल्य आधारित शिक्षा – एक बेहतर दुनिया के लिए। मानव उत्कृष्टता के लिए श्री सत्य साँईं विश्वविद्यालय (फॉर हियुमन एक्सलेंस), सत्य साँई ग्राम,

मुडेनहाल्ली, भारत।

ऋषि बरूआ (सहायक प्राध्याक)

- 2019, 2-7 अगस्त, 'शिल्पी मिलन उत्सव'। अंतर्राष्ट्रीय कला कार्यशाला। अत्रलिंद एवं एस.एस.वी.ए.डी. द्वारा आयोजित।
- 2019, 12-15 नवम्बर, शांतिनिकेतन कलाभवन प्राक्तनि कला कार्यशाला।
- 2019, 23 नवम्बर – 21 दिसम्बर। बिड़ला अकादमी द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में'।
- 2020, 20-25 जनवरी, नंदन, कलाभवन में आयोजित शांतिनिकेतन कलाभवन प्राक्तनि कला प्रदर्शनी।
- 2020, 12-26 फरवरी, बिड़ला अकादमी कलकत्ता द्वारा आयोजित वार्षिक सामुहिक प्रदर्शनी – 'ओपन विंडो'।
- 2019 कला भवन शतवर्ष पूर्त्ति पालन के सह संयोजक।
- 'दिनकर कौशिक के स्मरण में' – 2019, 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर राष्ट्रीय स्तर की कला प्रदर्शनी (बिड़ला अकादमी में आयोजित) के सह क्यूरेटर एवं संयोजक।

अमित कुमार धारा (सहायक प्राध्यापक)

(कार्यशाला)

- 2019, 12-13 मार्च, 10-11 जून। अंतर्राष्ट्रीय पॉटरी – सेरमिक कार्यशाला। नंदन शांतिनिकेतन सोसाइटी द्वारा अमिताभ चक्रवर्ती के स्टूडियो, पी. 271, ब्लॉक बी, लेकटाऊन, कोलकाता में आयोजित।
- 2019, 21-23 जून ''पोस्टर मेकिंग प्रोजेक्ट ऑन ए जर्नी विद टैगोर एंड हिज़ ब्लैक इंक'' कोमधारा, हुगली पश्चिम बंगाल में कथात्मक गतिविधि।
- 2020, जनवरी। मालंच, शांतिनिकेतन में शांतिनिकेतन कला भवन प्राक्तनि द्वारा आयोजित वार्षिक चित्रकला कार्यशाला।
- 2019 – शिक्षक दिवस कार्यशाला।

(प्रदर्शनी)

- 2019, 17-23 अक्टूबर – नंदन शांतिनिकेतन द्वारा ललित कला अकादमी कोलकाता में आयोजित 18वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी।
- 2019, 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर 'दिनकर कौशिक के स्मरण में' बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड

कल्चर, कोलकाता में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी।

- 2020, 20-24 फरवरी, नंदन, कलाभवन शांतिनिकेतन में शांतिनिकेतन कलाभवन प्राक्तनि के सदस्यों द्वारा चित्रकला प्रदर्शनी।
- 2020, 29 फरवरी – 1 मार्च – 'क्रिएटिव ब्रश' द्वारा बोटिंग पार्क, मालदा पश्चिम बंगाल में आयोजित – ''महानंदा कैम्प आर्ट''।

लावानशाइभा खरमावलोंग (सहायक प्राध्यापक)

(प्रदर्शनी)

- 2019, 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर, 'दिनकर कौशिक को याद करते हुए' – बिड़ला अकादमी कलकत्ता द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी।
- 2019, अगस्त, मेघालय, कला उत्सव, शिलोंग में आर्ट इंस्टॉलेशन पर आमंत्रित विद्वान।

सजाद हुसैन हमदानी (सहायक प्राध्यापक)

एन.एस.एस. / सांस्कृतिक या अन्य गतिविधियाँ जिसमें विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी शामिल हुए

- 2019, 1-3 दिसम्बर नंदन मेला के वार्षिक उत्सव में विद्यार्थियों की सहभागिता। आचार्य नंदलाल बसु के जन्मदिवस के अवसर पर।
- विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम या शिक्षा नवाचार को शामिल करना – हाँ, 2017 (सी.बी.सी.एस.)

अन्य संबंधित सूचनाएँ :

- बिकी दास – मूर्त्तिकला कार्यशाला, चमराजेन्द्र गव. कॉलेज ऑफ विजूअल आर्ट, मैसूर, 22-29 फरवरी 2020.
- बिकी दास – वाटर कलर शिविर, धरोहर, जूनागढ़, पश्चिम ज़ोन सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर, 16-22 जनवरी 2020.
- तन्मय दासगुप्त – अंतर्राष्ट्रीय कला शिविर, कला प्रदर्शनी, लोक कला एवं शिल्प मेला, बांग्लादेश, 26-29 फरवरी 2020.
- अमलदेव एस. नारायणन – तक्षशिला शांतिनिकेतन ललित कला छात्रवृत्ति 2020. 1 जुलाई 2020 से 31 मार्च 2021. पश्चिमबंगाल।
- मार्बर सिंह – जूनियर फेलोशिप। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के तहत। 01/06/2019 से 05/31/2021 तक लागू।

चित्रकला विभाग

चित्रकला विभाग नंदलाल बसु द्वारा कला भवन के शुरुआती दिनों से ही इस संस्थान की कला-शिक्षा के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में रहा है। इसी दिशा में एक तरफ यह विभाग पारम्परिक स्टूडियो आधारित अभ्यास पर बल देता है – जिसमें तात्कालिक वातावरण, भौतिक एवं निरीक्षण से प्राप्त ज्ञान द्वारा वातावरण की जानकारी, रोज़मर्रा के जीवन के साथ परिवेश का संवाद शामिल है। दूसरी तरफ नृतत्त्व एवं पुरातत्त्व के ज्ञान को शामिल करते हुए कला दृष्टि को अंतर्विधागत दिशा एवं सम्पूर्णता देने का निरंतर, शोधपरक प्रयास भी है। इसके लिए एकल एवं सामूहिक, सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक, प्रयोग एवं कार्यशाला सभी पहलुओं पर समान महत्त्व दिया जाता है। यहाँ अभ्यास एवं व्यवहारिक प्रयोग के माध्यम से सिद्धांतों को मूर्त्त रूप प्रदान करने पर बल दिया जाता है, जिसमें परम्परागत पद्धति के साथ आधुनिक तकनीक को भी समान महत्त्व दिया जाता है। परम्परागत एवं देखी ज्ञान को अपनाते हुए, खासकर इस कोविड महामारी के दौर में डिजिटल माध्यम से भी विद्यार्थियों के ज्ञान का प्रसार करने पर ज़ोर दिया गया है। इसी दिशा में पठन-पाठन के अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा एक ऑनलाइन प्रदर्शनी की व्यवस्था की जा रही है। वेबिनारों का आयोजन हो रहा है। विद्यार्थियों को देश-विदेश के विशेषज्ञों की राय से अवगत कराया जा रहा है।

विभाग / संस्थान के पुन: स्वाभाविक रूप से कार्य करने पर कई विद्वानों को साक्षात भी आमंत्रित किया जाएगा। ताकि कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थी कला के समकालीन एवं पारम्परिक दोनों रूपों को करीब से जान सकें। स्थानीय परम्परा, डिजिटल ज्ञान, कला शिक्षा आदि पर आमने-सामने वार्त्ता हो सके एवं जीवन की बदलती धारा एवं समय के परिवर्त्तन का कला पर पड़ता प्रभाव विद्यार्थियों के समक्ष स्पष्ट हो सके।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, विषय, तिथि)

अंडर द मैंगो ट्री – ए सेल्प ऑर्गनाइज़्ड गैदरिंग ऑन अनलर्निंग

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशाला

03/02/2020 से 07/02/2020 तक चित्रकला विभाग एवं शोरगिल सुन्दरम आर्टस फाउंडेशन (एस.एस.ए.एफ.) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।

क्यूरेटर / संग्रहाध्यक्ष : संचयन घोष (चित्रकला विभाग, कला भवन), सेपाके एंजियामे (लंदन), तारा लासराडो (स्वीज़रलैंड)

वक्ता :

a) प्रो. आर. शिव कुमार (कला इतिहास, कला भवन),

b) प्रो. स्वाति गांगुली (इंग्लिश विभाग, भाषा भवन),

c) डॉ. अंशुमान दास गुप्त (सहायक प्राध्यापक, कला इतिहास, कला भवन),

d) पुलक दत्त (कलाकार, विद्वान, लेखक, शांतिनिकेतन),

c) धरित्री बोरो (विश्वभारती, शांतिनिकेतन, भारत),

f) क्लारे बुचर (ज़िम्बावे),

g) एल्बर्ट सिसेलो / सिएलारोक (इटली),

h) जॉर्ज गोंज़ालेज़ / एस्कुएला दे ऑफिसियस (प्यूटो रिको),

i) कार्मेन जोस (स्पेन) एवं बॉबी सेयर्स (यू.के.),

j) निकोलाय ओलेयनिकॉव (फ्री होम यूनिवर्सिटी + स्कूल ऑफ इंगेज्ड आर्ट, स्तो द्येलात; रशिया),

k) धर्मेन्द्र प्रसाद (भारत),

l) शर्मिला सामंत / शिव नादर विश्वविद्यालय, नॉदडा (भारत),

m) विंसेंट ताओ (कनाडा),

n) मीनाक्षी थिरूकोडे / इंस्टिट्यूटिंग अदरवाइज़ (भारत),

o) रोसिओ तेजादा एवं टेलर क्रुज़। एस्कुएला दे आर्तेस प्लास्टिकास (प्यूरो रिको),

p) अभिजान टोटो / द फॉरेस्ट करिकुलम (भारत)

जेनोलॉजी ऑफ थ्री जेनरेशनस ऑफ बीरभूम पटुआस

एक संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी।

अरूण पटुआ एवं सुब्रत घोष द्वारा प्रस्तुत। (सुब्रत घोष – लोक कला शोधकर्त्ता, बोलपुर)। चित्रकला विभाग, कलाभवन द्वारा 16/08/2019 से 19/08/2019 तक नंदन म्यूज़ियम गैलरी, कला भवन में आयोजित।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी / अध्यक्षता / मूल्यांकन – जो विभाग के शिक्षक एवं शोधार्थियों द्वारा सम्पन्न किया गया

दिलीप मित्र (प्राध्यापक)

(सामुहिक प्रदर्शनी)

- 2019 – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में' कलाभवन प्राक्तनि द्वारा बिड़ला अकादेमी, कलकत्ता में आयोजित प्रदर्शनी।
- 2019 – इमामी चिसेल, कलकत्ता द्वारा आयोजित कला मेला में सहभागिता।

(कार्यशाला में सहभागिता)

- 2019 – ऐशियाटिक सोसाइटी, कलकत्ता द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय चित्रकला कार्यशाला।
- 2019 – एस.एस.वी.ए.डी., शांतिनिकेतन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कला कार्यशाला।

(विभागीय परियोजना)

- 2019 – सोनामुखी एवं विष्णुपुर टेराकोटा मंदिर परियोजना एवं प्रलेखन (डॉकूमेंटेशन), (म्यूरल) एम.एफ.ए. विद्यार्थियों के साथ।
- 2020 – हंसेश्वरी, गुप्ती पाड़ा एवं कालना टेराकोटा मंदिर परियोजना एवं प्रलेखन (डॉकूमेंटेशन), एम.एफ.ए. (म्यूरल) विद्यार्थियों के साथ।

अर्घ प्रिया मजूमदार (सह प्राध्यापक)

(सामूहिक प्रदर्शनी)

- 2019 नवम्बर – 'एंथोलॉजी ऑफ एनेकडोटस' गंगेज़ आर्ट गैलरी द्वारा आयोजित एवं डेनमार्क के राजदूत द्वारा कोलकाता में उन्मोचित एक सामूहिक प्रदर्शनी।
- दिनकर कौशिक के स्मरण में' जन्मवार्षिकी पर बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी।

(कार्यशाला)

- 2019 – 'शिल्पी मिलन उत्सव' – सोसाइटी विजुअल आर्ट एंड डिज़ाइन, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कला कार्यशाला।

संचयन घोष

(एकल एवं सामूहिक प्रदर्शनी / परियोजना)

- 2020 – 'दूसरा – द अदर मेज़-II' निर्धारित स्थान पर आधारित स्थापत्य मूलक इंस्टॉलेशन (स्थापना)। 'गेम ऑफ चांस' लिएनर्ड द्वारा क्यूरेटेड (संग्रहाध्यक्षता), सनएपरानाटा कला उत्सव, सनएपरानाटा आर्ट फाउंडेशन, गोवा के साथ।
- 2020 – 'वेज़ ऑफ रिमेम्बरिंग जालियाँवाला बाग एंड रवीन्द्रनाथ टेगोर्स रेसपोंस इन विक्टोरिया मेमोरियल पोर्टेट गैलरी' – संग्रहाध्यक्ष (क्यूरेटर) शर्मिष्ठा दत्तगुप्त, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल एवं संस्कृति मंत्रालय के समर्थन से। इस परियोजना का कलात्मक दिशानिर्देश दिया।
- 2019 – प्रदर्शनी द्रामातुर्ग – 'कॉल टू डिसऑर्डर : एक्सपेरिमेंटस इन प्रैक्टिस एंड रिसर्च'। स्थान भित्तिक कार्य – सेरेदीप्ति आर्ट फाउंडेशन के उद्योग से। संग्रहाध्यक्ष – विद्या शिवदास, निर्देशक, एफ.आइ.सी.ए., नई दिल्ली।

- 2019 – कौशिक सेन द्वारा निर्देशित 'स्वप्न संधानी', नाट्य दल के नाटक 'एकला चलो रे' के लिए डिज़ाइन (रूपांकन)।

(कार्यशाला एवं परियोजनाओं के संचालक / निर्देशक)

- 2020, 9-14 मार्च, आमंत्रित शिक्षक के रूप में सिमेस्टर पाठ्यक्रम के डिज़ाइन पर पाठ का संचालन। चौद्दा सिमेस्टर, निर्देशक, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली के विद्यार्थी।
- 2020, 3-7 फरवरी, अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला 'अंडर मैंगो ट्री, ए सेल्फ ऑर्गनाइज़्ड गैदरिंग ऑफ अनलर्निंग' – के सह संग्रहाध्यक्ष (क्यूरेटर) यह कार्यशाला – कलाभवन के शत वर्ष पूर्त्ति के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। इसके दूसरे संग्रहाध्यक्ष (क्यूरेटर) थे – सेपाके ऐंजिआमा (लंदन), तारा लासराडो (जूरिख)। यह चित्रकला विभाग, कलाभवन एवं सुन्दरम आर्ट फाउंडेशन, नई दिल्ली (एस.एस.ए.एफ.) द्वारा आयोजित किया गया था।
- 2019, 17-25 नवम्बर, समन्वयक, भारत-यूरोपीय आर्ट रेसीडेंसी कला भवन अध्याय, कला भवन एवं गोएये इंस्टीटियूट, अलाऐंस फ्रांसिस, ब्रिटिश काउंसिल एवं सी.आइ.एन.ए. आर्ट गैलरी कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित। भारत, जर्मनी, फ्रांस और इंग्लैंड से चार कलाकारों ने कला भवन का दौरा किया एवं विद्यार्थियों से संवाद भी किया। इनके रहने का प्रबंध कला भवन द्वारा कला भवन विद्यार्थी सहायता कोष के माध्यम से किया गया।
- 2019-20 संचालक एवं विशेषज्ञ के रूप में 'मिलियन इंसिडेंटस' में आमंत्रित। रक्स मीडिया कलेक्टिव द्वारा (क्यूरेटेड) संग्रहाध्यक्षता प्राप्त एवं गोएधे इंस्टिट्यूट, मैक्समूलर भवन, नई दिल्ली, कलकत्ता द्वारा समर्थित, कला परियोजना।
- 2019, विशेषज्ञ के रूप में संचालन हेतु आमंत्रित। राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला 'ऑन साइट' – साइट / स्थान आधारित कला का अभ्यास जिसे एफ.आई.सी.ए., नई दिल्ली ने आयोजित किया था।

राजर्षि विश्वास

(एकल एवं सामूहिक प्रदर्शनी)

- 2019 – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में' – बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा जन्म शतवर्ष पर आयोजित प्रदर्शनी।
- 2019, 13-15 सितम्बर, कोलकाता सेंटर फॉर क्रिएटिविटी, इमामी ग्रूप, कोलकाता द्वारा आयोजित कला मेला (आर्ट फेयर)।

प्रशांत साहू

(एकल / समूह प्रदर्शनी)

- 2020 – ''आर्ट : बेंगॉल नाव'' – समकालीन कलाकारों द्वारा की गई प्रदर्शनी। क्यूरेटर (संग्रहाध्यक्ष)

प्रणव रंजन राय। धूमीमल आर्ट गैलरी, दिल्ली में गणधारा आर्ट गैलरी, कोलकाता एवं धूमीमल आर्ट गैलरी, दिल्ली द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित।

- 2019 – ''ऐंथलॉजी ऑफ एनक्डोटस'' गैंगीज़ आर्ट गैलरी, कोलकाता में एक सामूहिक प्रदर्शनी।
- 2019 – ''कुर्सी'' – संध्या बोर्देवकर द्वारा संग्रहाध्यक्षित (क्यूरेटेड) संजय आर्ट गैलरी में आयोजित चित्र एवं इंस्टॉलेशन की प्रदर्शनी।
- 2019 – ''दिनकर कौशिक के स्मरण में'' बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता एवं शांतिनिकेतन कला भवन प्राक्तनि द्वारा दिनकर कौशिक के जन्मशत वार्षिकी पर आयोजित राष्ट्रीय प्रदर्शनी।

(कार्यशाला)

- 2019 – अंतर्राष्ट्रीय कला कार्यशाला, एस.एस.वी.ए.डी. (शांतिनिकेतन सोसाइटी फॉर विजअल आर्ट एंड डिज़ाइन), शांतिनिकेतन में आयोजित। जहाँ थाइलैंड, बांग्लादेश एवं भारत के चुनिंदा समकालीन कलाकारों ने भाग लिया।
- 2019 – ''मार्वल नैशनल आर्ट वर्कशॉप' हर्ष गोएंका, आर.पी.जी. इंटरप्राइज़ेज, इंडिया द्वारा मढ आइलैंड, मुम्बई में आयोजित कार्यशाला।

अंबरीष नंदन

(एकल / सामूहिक प्रदर्शनी)

- 2020, 17-21 फरवरी, 'विजुअल ऐफेक्टस' – राष्ट्रीय प्रदर्शनी। आर्ट फैमिली द्वारा विजुअल आर्ट गैलरी, नई दिल्ली में आयोजित।
- 2019 – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में' राष्ट्रीय प्रदर्शनी। बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता एवं शांतिनिकेतन कला भवन प्राक्तनि द्वारा आयोजित।

शेख शाहजहान

(एकल / समूह प्रदर्शनी)

- 2019 – 12 नवम्बर – ''वुंडेड रील्मस : इमेजेस ऑफ कनसर्न' – हैरिंगटन स्ट्रीट आर्ट सेंटर एवं सीगल फाउंडेशन फॉर द आर्ट, कलकत्ता में।
- 2019 – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में' – बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता एवं शांतिनिकेतन कलाभवन प्राक्तनि द्वारा जन्म शतवार्षिकी के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय प्रदर्शनी।
- 2019 – 'वुंडेड रिल्मस : इमेजेस ऑफ कनसर्न' – बिहार म्यूज़ियम, पटना आर्ट शिला एवं सीगल फाउंडेशन फॉर द आर्ट, कोलकाता में आयोजित।

धरित्री बोरो

(एकल / समूह प्रदर्शनी)

- 2019 – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में' जन्मशतवार्षिकी के अवसर पर बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता एवं शांतिनिकेतन कला भवन प्राक्तनि द्वारा आयोजित प्रदर्शनी।

(कार्यशाला)

- 2019, 3-7 फरवरी – 'अंडर द मैंगो ट्री – ए सेल्फ ऑर्गनाइज़्ड गैदरिंग ऑफ अनलर्निंग' संचयन घोष, सेपाके अंजियामा एवं तारा लसराडो द्वारा संचालित / क्यूरेटेड।

शैक्षणिक उपलब्धियाँ (विभाग, विभाग के शिक्षक, शोधार्थियों द्वारा प्राप्त तथा डी.एस.. / सी.ए.एस. द्वारा मान्यता प्राप्त)

- धरित्री बोरो – 2019, 24-26 नवम्बर। बहिरागत विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित। विजुअल आर्ट (दृश्य कल) विभाग ऑड सेमेस्टर परीक्षा, असम विश्वविद्यालय, सिलचर।

प्रकाशन (अप्रैल 2019-मार्च 2020)

(एकल / मूल लेखक)

- 'छाद पेटानोर गान' (सॉन्गस ऑफ रूफ मेकिंग) संचयन घोष द्वारा। जनवरी 2020 में ऋत प्रकाशना, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित। (ISBN : 978-93-88445-45-0)

(शोधपत्र)

- संचयन घोष द्वारा – "पेडागॉजी एज़ ए लिव्ड प्रैक्टिस ऑफ एन इंटिग्रेटेड होल री इंगेज़िंग विद शांतिनिकेतन आर्ट प्रैक्टिस : टूवर्डस ए परफॉर्मिंग पेडगोजी" 2019. 'चिन्ह वार्षिक कला पत्रिका' (चिन्ह एनुअल आर्ट जर्नल) अंक-38, पृ.-23 से 28, प्रकाशक- गुवाहाटी आर्टिस्टस गिल्ड, गुवाहाटी, असम। ISSN-2320-0464.

अन्य प्रासंगिक सूचना

चित्रकला विभाग प्राय: ही अंतर विधा या अंतर विषय मूलक अभ्यास से जुड़ा रहा है। जैसे नृत्य, नाटक एवं चित्रकला की समन्वय मूलक खोज। इस दिशा में 'डाकघर' नाटक की सावित्री हेसनम द्वारा प्रस्तुति महत्वपूर्ण है। सावित्री जी मणिपुर की विख्यात अदाकारा (परफार्मर) हैं जो कलाक्षेत्र नामक दल के साथ अभिनय करती हैं। यह प्रस्तुति सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लीनरी आर्टस इन कला भवन, कला भवन छात्र सहयोग कोष (विद्यार्थी सहायता कोष) एवं संगीत शोध अकादमी, दिल्ली के सहयोग से की गयी। साथ ही विभाग ने भारोतीय कला सहयोग एवं आदान-प्रदान के तहत गोएथे इंस्टीट्यूट, कोलकाता; ब्रिटिश काउंसिल, कोलकाता, एलाएंस प्रासिस, कोलकाता एवं सी.आई.एम.ए. आर्ट गैलरी कोलकाता के सहयोग से जर्मनी, फ्रांस, इंग्लैंड एवं भारत से चार कलाकारों को विभाग में बुलाकर रहने की व्यवस्था की गयी एवं

एक सप्ताह के प्रकास / आवास के दौरान विद्यार्थियों से भी वार्त्तालाप का अवसर मिला। यह पूरी प्रक्रिया कला भवन विद्यार्थी सहयोग कोष के आर्थिक मदद से सम्पन्न हुई।

विभाग अपने चित्रकला के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को एक ऐसे उन्मुक्त एवं खुले पाठ्यक्रम के रुप में ढालने में प्रयासरत है जहाँ युवा कलाकार स्वयं को दृश्य कलाकार के रुप में स्वयं को दुनिया के समक्ष प्रस्तुत करने में समर्थ एवं उचित ज्ञान से लैस पा सके; ताकि वे विविध सामाजिक-सांस्कृतिक भेदों, परिस्थितियों एवं बहुस्तरीय सांस्कृतिक अभ्यास युक्त वैश्विक कला चेतना को अपना सकें एवं उसके साथ काम कर सकें।

ग्राफिक कला विभाग

विभागीय संगोष्ठी

- कला व्याख्यान (आर्ट टॉक), अनिंदिता दत्ता द्वारा उनके कलात्मक व्यवहार (प्रैक्टिस) एवं बोधगया संगोष्ठी (इएनाले) 2020, 19 फरवरी।
- डेनमार्क के कलाकार नान्ना क्रोध लॉरिस्टेन द्वारा उनके कला अभ्यास पर कला व्याख्यान (आर्ट टॉक), 2019, नवम्बर।
- ब्राज़ील के मरिया फ्लाविया गोंज़ालवेस फर्नांडीस द्वारा उनके कला अभ्यास – मोनो प्रिंटस पर कला व्याख्यान (आर्ट टॉक) 2019, दिसम्बर।

सम्मेलन / संगोष्ठी / प्रदर्शनी / कार्यशाला / मूल्यांकन / अध्यक्षता

(विभाग / विभाग के शिक्षक / शोधार्थियों द्वारा)

अर्पण मुखर्जी

- 2019, ऐतिहासिक छायाचित्र (फोटोग्राफी) कार्यशाला, मेयो कॉलेज बालिका विद्यालय, अजमेर राजस्थान। (संचालन)
- 2019, लिशुई अंतर्राष्ट्रीय छायाचित्र उत्सव, चीन में भागीदारी।
- 2019, सेरेनदीप्ति कला उत्सव, गोवा में रहाब अल्लाना द्वारा क्यूरेटेड 'लुक स्ट्रेन्जर' शो में भागीदारी।
- 2019 शुभलक्ष्मी शुक्ल, आर्ट एंड सोल गैलरी, मुम्बई द्वारा क्यूरेटेड – 'टेक्स III : बॉडी एज़ 'टेक्स' नामक शो में भागीदारी।
- 2019-24 मई, ग्राफिक आर्ट (लेखाचित्र कला) विभाग, रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय में शोध मूल्यांकन हेतु बाह्य आर.ए.सी. सदस्य।
- 2019, 21 अक्टूबर लेखाचित्रकला विभाग, रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय में बी.ओ.एस. (पाठ समिति) मीटिंग के बाह्य सदस्य।
- 2019, छायाचित्र संग्रहालय, लिशुई ने कलात्मक कार्य के एक क्रम को अपने संग्रह के लिए स्वीकारा।
- छायाचित्र (फोटोग्राफी) पर सचित्र वक्तव्य, राज्य चारुकला परिषद, पश्चिम बंग सरकार, कलकत्ता द्वारा आयोजित।

डॉ. उत्तम कुमार बसाक

- 2019, 5 सितम्बर – सम्मेलन में भाग लिया एवं ''द डेवलपमेंट ऑफ प्रिंटमेकिंग एज़ ए मिडियम ऑफ क्रिएटिव एक्सप्रेशन इन विजुअल आर्ट एट कला भवन शांतिनिकेतन'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया। लेखाचित्र कला विभाग, ललित कला विभाग, ढाका विश्वविद्यालय।

- 2019, सितम्बर, एकल प्रदर्शन ''ऑर्केस्ट्रेशन ऑफ कलर्स''। अभिंता गैलरी ऑफ फाइन आर्ट्स, ढाका बांग्लादेश द्वारा आयोजित।
- 2019, दिसम्बर, सामूहिक प्रदर्शनी – 'दिनकर कौशिक के स्मरण में' – बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर द्वारा दिनकर कौशिक के जन्म शत वार्षिकी के अवसर पर आयोजित।
- 2019, 1-7 अगस्त, कला उत्सव '19 समकालीन कला पर वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वी.आई.टी.), वेलोर द्वारा आयोजित प्रदर्शनी।
- 2019, 7 सितम्बर, ''द डेवलपमेंट ऑफ प्रिंटमेकिंग एज़ ए मीडियम ऑफ क्रिएटिव एक्सप्रेशन इन विजुअल आर्ट एट कलाभवन, शांतिनिकेतन'' पर सचित्र व्याख्यान।
- राष्ट्रीय आवासिक कलाकार कार्यक्रम, चिट्टागाँव विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के अंतर्गत।

अजीत सील

- 2019, राष्ट्रीय मल्टी मीडिया कला शिविर। जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, मुम्बई के ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित।
- 2019, राष्ट्रीय कार्यशाला, जवाहर कलाकेन्द्र, जयपुर।
- 2020, अतिथि प्रवक्ता के रुप में आमंत्रित। चित्रकला विभाग, ललित कला महाविद्यालय, त्रिवेन्द्रम (तिरुवनंतपुरम)।
- ढाका आर्ट गैलरी, बांग्लादेश में सामूहिक प्रदर्शनी।
- 2020, 'ए वॉएस टू ए वॉएस', सिमरोज़ा आर्ट गैलरी, मुम्बई।
- 2020, भारत-बांग्लादेश प्रिंटमेकिंग मिलन उत्सव, विजुअल आर्ट गैलरी, इंडियन हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली।
- 2020, एकल प्रदर्शनी, 'आर्ट कॉनसल्ट', नई दिल्ली।
- 2019, निर्णायक मंडली के सदस्य, 'इल्यूमिनेशन एंड रंगोली', आइ.आइ.टी. खड़गपुर।
- 2019, स्टीयरिंग कमीटी मेंबर, द्वितीय प्रिंट (बितेले) सम्मेलन, भारत, ललित कला अकादमी।
- 2019, अतिथि वक्ता, रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय, कोलकाता।

सलिल सहानी

- 2019, दिनकर कौशिक के स्मरण में, जन्म शतवार्षिकी के अवसर पर प्रदर्शनी। बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा आयोजित।
- 2019, 1-7 अगस्त, कला उत्सव 2019 में वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में शामिल।
- 2020, 23-31 जनवरी, भारत-बांग्लादेश। प्रिंटमेकिंग मिलन उत्सव में शामिल। विजुअल आर्ट गैलरी

एंड ओपन पाम कार्ट, इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में सम्पन्न।

- 2020, 25 फरवरी से 4 मार्च। 'सेलिब्रेटिंग इंडिया बांग्लादेश प्रिंट मेकिंग', चंडिगढ़ ललित कला अकादमी, अलाऐंस फ्रैंचाइस, चंडीगढ़ एवं आर्ट रूट नई दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मेलन में शामिल।
- 2019, 16-17 नवम्बर 'बेस्ट रिसर्चर अवार्ड'। अभियंत्रिकी, विज्ञान एवं ओषधि के क्षेत्र में मिलने वाले द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार के तहत। वी.डी. गुड प्रोफेशनल एसोसिएशन द्वारा विशाखापत्तनम, भारत में सम्पन्न।
- 2020 – 'प्राइड ऑफ इंडियन फाउंडेशन अवार्ड'। ''ब्रेंड इम्पैक्ट'' द्वारा नई दिल्ली में।

एम. थॉमस सिंह

- 2019, सितम्बर। इटाग्लियों पद्धति पर कार्यशाला। यह कार्यशाला शिक्षक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत ललित कला विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में सम्मन हुई। विद्यार्थी एवं शिक्षकों के प्रदर्शनी में भी, ललित कला विभाग, ढाका, बांग्लादेश में भाग लिया।
- 2019, नवम्बर। बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा आयोजित प्रदर्शनी 'दिनकर कौशिक के स्मरण में' – में सहभागिता।
- 2019 – एम.एफ.ए. प्रथम सिमेस्टर, व्यवहारिक परीक्षा (सी.बी.सी.एस.), रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय के परीक्षक।
- 2019 – बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता के जन्म शतवार्षिकी प्रदर्शनी – 'दिनकर कौशिक की प्रदर्शनी' में शामिल।

डॉ. प्रशांत फिरंगी

- 2020, 1-2 फरवरी 'अर्बनाइज़ेशन' पर लेख प्रस्तुति। 'डॉ. बी.आर. अम्बेदकर की आधुनिक भारत को देन' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में। इसका आयोजन मराठी विभाग एवं एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. एंप्लॉई वेलफेयर असोसिएशन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन ने किया था।
- 2019, 2-9 सितम्बर। आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत चारुकला विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश में आयोजित कार्यशाला।
- 2019, 1-7 अगस्त, समूह प्रदर्शनी, वी.-एस.पी.ए.आर.सी. (V-SPARC) कला उत्सव 2019, वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित।
- 2019, 23 नवम्बर से 21 दिसम्बर। 'दिनकर कौशिक के स्मरण में'। बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा जन्म शतवार्षिकी पर आयोजित प्रदर्शनी।
- 2020, 4-6 मार्च, विशिष्ट वक्ता। 'नॉन टॉक्सिक प्रिंट मेकिंग' पर व्याख्यान एवं प्रस्तुति – लेखाचित्र कला विभाग में, विश्वभारती शांतिनिकेतन द्वारा आर्थिक आयोजन।

अदिति गानीव सांगवान

- 2019, मई बाह्य परीक्षक। फाउंडेशन कार्स स्कूल ऑफ प्लेनिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली के लिए।

एन.एस.एस. / सांस्कृतिक या अन्य गतिविधि (विभाग / शिक्षक / विद्यार्थियों द्वारा)

- आदान-प्रदान (एक्सचेंज) कार्यक्रम, 2019, सितम्बर। चारुकला, ललित कला विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश।
- 'नॉन टॉक्सिक प्रिंट मेकिंग' – विषय पर 2020, 4-6 मार्च, विभागीय प्रस्तुति एवं व्याख्यान।

प्रकाशन

डॉ. उत्तम कुमार बसाक

- 2019, सितम्बर। "देश प्रसंग" (बांग्ला) पत्रिका, ढाका के अगस्त-सितम्बर 2019 अंक में। ISSN : 2309-5245. आलेख का विषय – "द बिगिनिंग एंड डेवलपमेंट ऑफ प्रिंटमेकिंग इन शांतिनिकेतन"।

डॉ. प्रशांत फिरंगी

- "प्रिंटमेकिंग : द मीडियम ऑफ एक्सप्रेशन इन मेकनिकल रिप्रोडक्शन" – 'ऐकडमिक डिसकोर्स' इंडियन जर्नल, अंक-8, संख्या-2, पृ. 30-33, ISSN : 2278-3296.
- "परसेप्शन ऑफ डिजिटोग्राफी" – आर्ट इको पबलिशर, शिल्पांगन भारत, अंक-9, संख्या-XVIII, ISSN : 2348-5337.

कला इतिहास विभाग

रवीन्द्रनाथ ठाकुर के शिक्षा के अधिकांश आयामों की तरह कला इतिहास के अध्यापक का भी कलाभवन में प्रारंभ अनौपचारिक रुप से ही हुआ था फिर स्वाभाविक रुप से विकास के माध्यम से इसने औपचारिक प्रतिष्ठनामूलक रूप ग्रहण किया। कला इतिहास विभाग के सर्वप्रथम चिह्न हम तब देख सकते हैं जब अपने नव गठित विश्वभारती में योगदान हेतु रवीन्द्रनाथ ने 1922 के अंत में विख्यात कला इतिहासकार स्टेला क्रैमिस्च को आमंत्रित किया। रवीन्द्रनाथ ठाकुर के इस सिद्धांत के पीछे कारण था कि द्वितीय विश्व युद्ध से पूर्व यूरोप में विएना कला इतिहास का केन्द्र बन चुका था और विएना के इस केन्द्र बनने में क्रैमिस्च की शिक्षा का ही योगदान था। साथ ही भारतीय कला में भी क्रैमिस्च की काफी रुचि थी। उनके माध्यम से रवीन्द्र विश्वभारती में एक वैश्विक दृष्टि से कला के इतिहास की चर्चा करवाना चाहते थे, जबकि शांतिनिकेतन में उस समय पैन-एशियन हवा चल ही रही थी। क्रैमिस्च के बाद, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, अवनीन्द्रनाथ ठाकुर, नन्दलाल बोस एवं विनोद बिहारी की अगुवायी में अन्य आमंत्रित कला इतिहासकारों के माध्यम से कला इतिहास की यह अनौपचारिक प्रक्रिया चलती रही। 1958 ई. में कला इतिहास की औपचारिक शिक्षा एवं पाठ्यक्रम सहित परीक्षा की व्यवस्था करते हुए कला भवन देश का ललित कला का प्रथम ऐसा संस्थान बना जहाँ कला इतिहास की औपचारिक शिक्षा होती है। इसके दस वर्षबाद कलाभवन के पुनर्गठन के दौरान कला इतिहास को एक स्वतंत्र विभाग का रूप दिया गया। जहाँ चित्रकला, लेखाचित्रकला, मूर्त्तिकला के साथ कला इतिहास को भी विशेष पत्र के रूप में पाठ्यक्रम में स्थान मिला। शोध एवं शिक्षा पद्धति दोनों में सुविधा एवं दृश्यगत प्रभाव वर्द्धन के लिए विभाग की चेष्टा है कि इसके कलात्मक संग्रह को और भी सुगठित रुप प्रदान किया जाय। विभाग की परिकल्पना है कि शोध एवं प्रलेखन पर ज़ोर दिया जाए जो विभाग एवं आस-पास के क्षेत्र के लिए भी लाभदायक सिद्ध हो सके। इससे ज्ञान के उद्‌भव एवं प्रयोग पर अधिक प्रभाव पड़ेगा न कि केवल सैद्धांतिक ज्ञान का संचय होगा। नवीन एवं समकालीन शोध उपकरण एवं शास्त्रार्थ संबंधी पहलुओं पर भी विभाग ज़ोर दे रहा है ताकि विभाग एवं कला इतिहास का दायरा एवं संभावना में वृध्दि हो, विभाग के माध्यम से वैश्विक शिक्षा एवं चर्चा का विकास हो। शिक्षकों के अतिरिक्त भी विद्वानों से विद्यार्थियों का संसर्ग एवं दृष्टिकोण का विकास हो साथ ही विविध रुचि एवं शोध परक सोच को विकसित किया जा सके, इस दिशा में विभाग कर्मरत है। विभाग के पाठ्यक्रम – बी.एफ.ए. (कला इतिहास), एम.एफ.ए. (कला इतिहास), ब्रिज कोर्स (कला इतिहास), एक वर्ष का कैजुअल कोर्स, शोध कार्य के अलावा – 'नंदन' नाम से विभागिय पत्रिका का प्रकाशन, संगोष्ठी, कार्यशाला, सम्मेलन आदि का नियमित रुप से आयोजन होता है। (नंदन पत्रिका का प्रकाशन नंदन मेला से ठीक पहले)

यू.जी.सी. / सी.एस.आई.आर. / नेट / स्लेट / गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थी

सुस्मिता मान (नेट)

आदेश बाबू (नेट-जेआरएफ)

विभागीय संगोष्ठी

- डॉ. जयराम पोडुवल, विभागाध्यक्ष, कला इतिहास एवं सौन्दर्यशास्त्र विभाग, एम.एस. विश्वविद्यालय, वड़ोदरा। व्याख्यान का विषय 'वार एंड द मॉनूमेंटस : पोलिटिकल रेटोरिक ऑफ इंडियन टेम्पल्स' 9 सितम्बर 2019.
- प्रो. मंदार मुखर्जी, श्री शिक्षायतन कॉलेल, राजनीति शास्त्र विभाग, कोलकाता। व्याख्यान का शीर्षक ''पिक्टोरियल एस्से ऑफ द इंडियन कंस्टीट्यूशन''। 24 फरवरी 2020.
- प्रख्यात विद्धान मोजगन जहाँनारा। शीर्षक – ''वाटर कॉस्मोलॉजी इन इरेनियन गार्डेन डिज़ाइन''। 13 फरवरी 2020.
- प्रसिद्ध कलाकार जतिन दास। व्याख्यान का शीर्षक – 'आर्टिस्ट एंड हिज़ आर्ट वर्क' 2 मार्च 2020.
- प्रो. संजीव मुखर्जी। शीर्षक – ''पुशिंग द लिमिट्स ऑफ आर्ट : एक्सप्लोरिंग कॉन्सेप्चुएल आर्ट प्रैक्टिस''। 5 मार्च 2020.

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला / प्रदर्शनी / मूल्यांकन / अध्यक्षता

(विभाग के शिक्षक / शोधार्थी द्वारा)

प्रो. आर.शिव कुमार

- 'फ्रॉम स्वदेशी टू द कंस्टीट्यूशन : नंदलाल बोस एंड द नैशनलिस्ट प्रोजेक्ट' 26 जुलाई 2019. 'आइडिया ऑफ द इंडियन कंस्टीट्यूशन' – 5वें राष्ट्रीय शांति के लिए इतिहास – सम्मेलन में। सीगल फाउंडेशन फोर द आर्टस, कोलकाता। 26-28 जुलाई 2019.
- 'रामकिंकर बैज : इंस्क्रीबिंग द मार्जिनल इनटू मॉडर्निज़म' – द स्कल्पचर इमेज ; पर्सपेक्टिवस ऑन इंडियन स्कल्पचर, राष्ट्रीय संगोष्ठी। इमामी सेंटर फॉर क्रिएटिवीटी, कोलकाता में 3 अगस्त 2019 को।
- 'ए रामचंद्रन : मेनी फेसेज़ ऑफ हिज़ आर्ट' – केरल ललितकला अकादमी, टी.डी.एम. हॉल, एर्नाकुलम में 6 अक्टूबर 2019 को आयोजित।
- 'ए रामचंद्रन : मेनी फेसेज़ ऑफ हिज़ आर्ट' – केरल ललितकला अकादमी, म्यूज़ियम हॉल, श्रीवेन्दम में 10 अक्टूबर 2019 को आयोजित।
- 'अर्लि कलाभवन एंड सन प्रोपोज़िशन फॉर आर्ट एजुकेशन टुडे' – कला शिक्षा एवं नई चुनौतियाँ, ललित कला विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, 31 दिसम्बर 2019.

- ''हिस्ट्री, मेमोरी एंड मॉडर्न आर्ट : थिंकिंग विद के.जी. सुब्रमणियम'' – आलेख प्रस्तुत किया 'कला, अभ्यास एवं इतिहास बोध' विषय पर रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय, कोलकाता में 14 फरवरी, 2020 को हुए सम्मेलन में।
- ''इंडो-जैपनीज़ आर्टिस्टिक इन्काउंटर इन द अर्लि ट्वैन्टीएथ सैन्चुरी एंड वाट दे फाउंड इन इच अदर'' – आलेख प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का विषय- हिस्टोरिकल लिंक एंड कंटेम्परररी कनवर्जेन्स ऑफ इंडिया-जापान रिलेशनस। ऐशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता में 13 मार्च, 2020 को सम्पन्न।

सौमिक नंदी मजुमदार

- अमूर्त अभिव्यक्तिकरण पर कोलकाता सेंटर फॉर क्रिएटिविटी, शांतिनिकेतन में व्याख्यान प्रस्तुत किया। 2019 अगस्त।
- 'कनसर्विंग विद द स्पेस-इंटरैक्टिव आर्ट प्रैक्टिस इन शांतिनिकेतन' – पर व्याख्यान प्रस्तुत। तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन का केन्द्र, भाषाभवन, विश्वभारती, 26 फरवरी 2020.
- 'ट्रेडिशन एंड द निड चैलेंज' – व्याख्यान प्रस्तुत। 'कला शिक्षा में नई चुनौतियाँ' विषय पर ललित कला विभाग, ढाका विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। 29-31 दिसम्बर।
- चार दिवसीय कार्यशाला का संचालन। विषय- 'ट्रेनिंग ऑफ मास्टर टीचर इन आर्ट एप्रीसिएशन फॉर मिडल स्कूल चिल्ड्रेन'। एस.सी.ई.आर.टी., गोवा सरकार द्वारा 17-20 सितम्बर 2019 को आयोजित।

डॉ. अंशुमान दासगुप्त

- ''द पेडागोजिक मोमंट : एवरीडे लाइफ एज़ ए मॉडल ऑफ एजूकेशन इन शांतिनिकेतन एंड इट्स क्यूरेटोरियल आफ्टरलाइफ'' – विषय पर भाऊ दाजी लाद संग्रहालय, मुम्बई में भाषण / व्याख्यान। 6 मई 2019। व्याख्यान का वीडियो URL : https://www.youtube.com/watch?v=xzg3zcgYC5Q.
- भारतीय आधुनिकता पर सात व्याख्यान (बंगाल की कला : कोलकाता और शांतिनिकेतन पर केन्द्रित) भाऊ दाजी लाद संग्रहालय, मुम्बई। 5-6 मई 2019.
- 'टेक ऑन आर्ट' पत्रिका के उद्‌घाटन समारोह में प्रारंभिक वक्तव्य – 'ऋत्विक'स टेक ऑन रामकिंकर बैज' हैरिंगटन आर्ट गैलरी, कोलकाता में 27 नवम्बर 2019 को। URL : https://madmimi.com/s/f37cbf.

डॉ. मेघाली गोस्वामी

- क्यूरेटर के रूप में व्याख्यान, ढाका आर्ट गैलरी, शिल्पांगन, बांग्लादेश, अप्रैल, 2019.
- विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित। कला उत्सव 2019, स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर (वी-एस.पी.आर.सी.) वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेलोर, 1-3 अगस्त, 2019.
- लेखाचित्र कला विभाग, बांग्लादेश में आमंत्रित, 29 अप्रैल, 2019.

प्रकाशन

(पाठ्य पुस्तक / एकल लेखक)

प्रो. आर. शिव कुमार

- 2019, अप्रैल – 'वियॉन्ड पेंटिंग : द आरकाइब्स ऑफ नंदलाल बोस', 'द मास्टर्स हैंड : आर्टिस्टीक विजन ऑफ नंदलाल बोस', पुन्डोलेस, मुंबई, पृ. 12-16 (5 पृष्ठ)।
- 2019, मई – 'कला भवन एंड नंदलाल'स टीचिंग प्रोग्राम', आर्ट इस्ट, अंक-4, पृ. 24-29 (6 पृष्ठ).
- 2019, अगस्त – ''बैक टू द रूटस', आर्ट इंडिया, अंक-23, संख्या-2, ISSN : 0972-2947, पृ. 94-97 (चार पृष्ठ)।
- 2019 दिसम्बर – 'इंडिया एंड द मॉडर्न इन द आर्ट ऑफ प्री इंडिपेंडेंट इंडिया' टेक ऑन आर्ट, दिसम्बर, अंक-4, संख्या-3, ISBN-10:1108747736, पृ. 22-27 (6 पृष्ठ)।
- 2020 – लेट 'कोलोनियल आर्ट : द बेंगॉल स्कूल एंड शांतिनिकेतन', सम्पादक- प्रो. सव्यसाची भट्टाचार्य, ए कम्प्रीहेंसिव हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न बेंगॉल 1700-1950, अंक-3, एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बेंगॉल, कोलकाता। ISBN : 9789389901955, पृ. 1073-1100 (28 पृष्ठ)।
- 2020 – 'टेगोर एंड द विजुअल आर्ट', सम्पादक- शकुंत चौधरी, द केम्ब्रीज कम्पैनियन टू रवीन्द्रनाथ टेगोर, केम्ब्रीज, केम्ब्रीज युनिवर्सिटी प्रेस, ISBN-10 : 1108747736, पृ. 222-236 (15 पृष्ठ)।

शोध आलेख

प्रो. संजय कुमार मल्लिक

- 2019, जुलाई-दिसम्बर, ''अवनीन्द्रनाथ टैगोर, उल्लापाड़ा स्टेशन फ्रॉम द शहज़ादपुर सीरिज़'' टेक ऑन इंडिया-बेंगॉल, अंक-3, संख्या-4, एम/एस लेटिट्यूड 28, लाडो अराई, नई दिल्ली। पृष्ठ 38-39.

डॉ. अंशुमान दासगुप्त

- 2019, सितम्बर – ''ऋत्विक'स रामकिंकर : ए फिल्म इन द प्रोसेस'' – बउहाउस इमैजिनिस्टा जर्नल, बर्लिन, जर्मनी। URL : http://www.bauhaus-imaginista.org/articles/5911/ritwik-s-ramkinker September2019.
- 2019, अक्टूबर – ''शांतिनिकेतन आर्किटेक्चर एंड इट्स डिस्कर्सिव ऑरिएंटेशन'' – सेमिनार जर्नल विशेष अंक इंडिया मॉडर्न : नई दिल्ली, ई-वर्जन URL#https://www.india-seminar.com/2019/722.htm.
- 2019, दिसम्बर – रामकिंकर'स थ्रेशर टेक ऑन आर्ट, मुद्रित पत्रिका, नई दिल्ली, पृ. 30-31, RNI सं. – DELENG/2015/60525.

सौमिक नंदी मजूमदार

- 2019, अप्रैल – ''रवीन्द्रनाथेर आंका छोबी : भाषार खोजे, दर्शकेर खोजे'' संचारी, अंक 1, पृ. 11-16, पत्रिका, बांग्ला विभाग, विवेकानंद महिला महाविद्यालय, कलकात्ता।
- 2019, दिसम्बर, ''रवीन्द्रनाथेर आँका छबि देखते गिए'', रवीन्द्र सप्ताह भाषण, (23-29 श्रावण 1424) पृ. 89-97, विश्वभारती, दिसम्बर, कलकत्ता, (ISBN : 978-81-7522-678-4)

डॉ. मेघाली गोस्वामी

(पुस्तक)

- 2020-''आइडमस एंड इमेजेज़ : प्रिंटमेकर अजीत सील'' आर्ट एंड दील पब्लीकेशन, नई दिल्ली। ISBN : 978-81-941556-1-4.

(शोध आलेख)

- ''इश्यूज़ ऑफ आइडेंटिटी एवं मार्जिनालिटी इन नॉर्थईस्ट इंडिया : चैलेंज टू सोशल इनक्लूज़न'' इंटरनैशनल एडूकेशनल साइंटिफिक रिसर्च जर्नल, ISSN : 2455-295X.
- ''आर्टिस्ट मेघानुश थापा : स्पिरिट एंड नैरेटिवस / ब्लैक एंड वाइट'', इंटरनैशनल एडूकेशनल साइंटिफिक रिसर्च जर्नल, ISSN : 2455-295X.
- 2019, अतिथी संपादक – 'नॉर्थ इस्ट इंडिया' विशेष अंक-2019, 'आर्ट एंड हील', नवम्बर अंक-135, सं.-102, खंड-15, ISSN : 0258-2074, 2019.
- 2019, अतिथि सम्पादक, 'नॉर्थ इस्ट इंडिया' विशेष अंक, अंक-136, खंड-16, सं.-103, ISSN-0258-2074, 2019.

ऋषभ गांधार नर्जारी

- 2019, दिसम्बर – कवर स्टोरी ''ए कम्पेरिटीव बिगिनं ऑफ मॉडर्निज़म इन द आर्ट ऑफ असम : विद फोकस ऑन शोभा ब्रह्मा'' 'नॉर्थ इस्ट इंडिया', विशेषांक, अंक-1, आर्ट एंड टील, अंक 135, खंड-15, सं.-102.

कलाभवन नंदन संग्रहालय

कलाकृत्तियों का प्रलेखन

कार्य	सं.
कलाकृतियों का डीजिटिकरण	2735
कलाकृतियों का परिग्रहण एवं प्रलेखन (कोष कक्ष-1)	2203
कलाकृतियों का परिग्रहण एवं प्रलेखन (कोष कक्ष-2)	03
सामग्री अनुसार अनुभागीय अभिलेख की प्रस्तुति	8783

कलाकृत्तियों का निवारणात्मक एवं उपचारात्मक संरक्षण

कार्य	सं.
धूमन एवं यांत्रिक सफाई	661
उपचारात्मक संरक्षण	036
द्वारसंधि (हिन्जेज़) का संयोजन सजावट एवं (पितसींग) प्रतिष्ठापन	099
समन्वित कीट प्रबंधन	04

मुक्तांगन (खुले में रखे) मूर्त्तियों (कलाकृतियों) का संरक्षण

अमूल्य कुमार जेना, कलाभवन संग्रहालय के सहायक संरक्षक, ने खुले में स्थापित 'संथाल परिवार' नामक रामकिंकर बैज कृत मूर्त्ति के उपचारात्मक संरक्षण कार्य में मदद की। यह कलाभवन, विश्वभारती में 2019 में किया गया।

म्यूरल (भित्तिचित्र) का निवारणमूलक संरक्षण

अमित कुमार दंड एवं अमूल्य कुमार जेना, जो कि कलाभवन संग्रहालय के सदस्य हैं उन्होंने पाठभवन में स्थित म्यूरल (भित्ति चित्र) ''चैतन्य का जन्म'' की निवारणमूलक संरक्षण की प्रक्रिया (उदाहरण स्वरुप – यांत्रिक परिष्कार, ड्राई ब्रशिंग, छत्रक एवं कीटनाशकों का प्रयोग किया) पूरी की। 8-9 नवम्बर 2019.

संरक्षण कार्यशाला

नंदन संग्रहालय, कला भवन संग्रहालय, विश्वभारती ने सुरेश अमिय मेमोरियल ट्रस्ट एवं इनटैक (INTAC) संरक्षण संस्थान कलकत्ता के साथ मिलकर ''टेराकोटा वस्तुओं का संरक्षण एवं पुनरुद्धार'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। 2-3 मार्च 2020 को आयोजित इस कार्यशाला में कलाभवन संग्रहालय के कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

नंदन गैलरी, कलाभवन संग्रहालय में आयोजित विशेष प्रदर्शनी एवं अन्य गतिविधि

- 2019 – 14 से 28 जुलाई : रेवा होड़ की प्रदर्शनी (सीगल फाउंडेशन)

- 2019 – 14 से 28 जुलाई : मैक्स न्यूमैन की प्रदर्शनी (सीगल फाउंडेशन)
- 2019 – 4 से 10 अगस्त : असित कुमार हालदार की प्रदर्शनी (कलाभवन संग्रहालय)
- 2019 – 4 अगस्त से 15 सितम्बर : कलाभवन के शतवर्ष पूर्त्ति पर प्रदर्शनी (नंदलाल बसु – कलाभवन संग्रहालय)
- 2019 – 11 से 14 अगस्त : गाँधी पर प्रदर्शनी (इस्ज़ीम बैंक)
- 2019 – 16 से 19 अगस्त : पटचित्र पर प्रदर्शनी (चित्रकला विभाग, कलाभवन)
- 2019 – 1 से 30 सितम्बर : कलाभवन के शतवर्ष पूर्त्ति पर प्रदर्शनी (राधाकृष्णन के पुराने तस्वीर / छायाचित्र)
- 2019 – 20 से 24 सितम्बर : शिक्षासत्र प्रदर्शनी, विश्वभारती।
- 2019 – 2 से 4 नवम्बर : जाह्नवी खेमा की प्रदर्शनी।
- 2019 – 15 नवम्बर से 3 दिसम्बर : रामचन्द्रन एवं चमेली तान की प्रदर्शनी।
- 2019 – 8 नवम्बर : देवाशीष देव द्वारा सत्यजीत राय के चित्रों पर विशेष व्याख्यान।
- 2019 – 22 नवम्बर से 3 दिसम्बर : कलाभवन के शतवर्ष पूर्त्ति पर प्रदर्शनी (योगेन चौधरी की चित्रकारी, कला भवन संग्रहालय)।
- 2019 – 6 दिसंबर से 10 दिसंबर : अरूण पाल की प्रदर्शनी।
- 5 दिसम्बर 2019 से 12 जनवरी 2020 – कलाभवन के शतवर्ष पूर्त्ति पर प्रदर्शनी (जापानी संग्रह, कलाभवन संग्रहालय)।
- 2020 – 13 से 21 जनवरी : कलाभवन प्राक्तनी प्रदर्शनी।
- 2020 – 27-31 जनवरी : कलाभवन शतवर्ष पूर्ति प्रदर्शनी, लकड़ी के पुराने ब्लॉक से छपाई (ज्योतिर्मय भट्टाचार्य का संग्रह)।
- 2020 – 3 से 15 फरवरी : के.जी. सुब्रह्मण्यम की प्रदर्शनी (सीगल फाउंडेशन)

संगीत भवन
(संगीत, नृत्य और नाटक संस्थान)

स्टडी ऑफ म्यूजिक की शुरुआत 1919 में कलाभवन की छत्रछाया में हुई। उस समय संस्था का नाम ''स्कूल ऑफ आर्ट एंड म्यूजिक'' था। विश्वभारती विश्वविद्यालय के संस्थापक और भारत के पुनर्जागरण के महानतम विचारकों में से एक गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के पास संगीत के अध्ययन के लिए विशेष रूप से भारतीय और ओरिएंटल क्लासिकल (वोकल, इंस्ट्रुमेंटल) और नृत्य परंपरा के अलग-अलग रूप थे। उन्हें शास्त्रीय एवं प्रदर्शन कला परंपरा के सभी रूपों को इकट्ठा करने की इच्छा थी और उन्होंने उसे पूरी तरह से एक नया आकार दिया। रवीन्द्र गीत, नृत्य रुप, नृत्य नाटक आदि में उनकी अभिव्यक्ति देखी जा सकती है। कई महान व्यक्तित्वों ने इस प्रयास में उनका साथ दिया जिनमें दीनेन्द्रनाथ टैगोर, भीमराव शास्त्री, हेमेन्द्रलाल रॉय, प्रतिमा देवी, उस्ताद अलाउद्दीन खान, शांतिदेव घोष, शैलजा रंजन मजुमदार, अशीष चंद्र बंद्योपाध्याय, बुद्धिमंत सिंह, नबकुमार सिंह, आदि कलाकारों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया जिसने कई छात्रों और प्रशंसकों को शांतिनिकेतन में इकट्ठा होने के लिए आकर्षित किया। धीरे-धीरे शांतिनिकेतन राष्ट्र के सांस्कृतिक राजदूत के रूप में मान्य हुआ। इसके कई छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा और पुरस्कार हासिल किए।

1933 में शांतिनिकेतन में संगीत का अध्ययन संगीत भवन में शुरु हुआ जो विशेष रूप से प्राच्य संगीत और नृत्य के विभिन्न रूपों के अध्ययन और प्रदर्शन के लिए समर्पित था। इस संस्था की शुरुआत दो विभागों यानी रवीन्द्र संगीत, डांस एंड ड्रामा और हिंदुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक से हुई। रवीन्द्र संगीत नृत्य और नाटक विभाग के तहत टैगोर गीत, टैगोर नृत्य, मणिपुरी और कथकली नृत्य रूपों और साथ ही भारतीय शास्त्रीय गायन, सितार, एसराज, तबला, पखावज, आदि जैसे वाद्ययंत्रों के पाठ्यक्रम शुरु किए।

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग के अंतर्गत कनिका बंदोपाध्याय, रवींद्रलाल रॉय, वी.वी. वाज़ेल्ल्वर, सुशील कुमार भंज, डी.टी. जोशी, निमाई चंद बोरल, इंद्रनील भट्टाचार्य, सुरेश मिश्रा, रणधीर रॉय, यूनुस हुसैन खान, अमुबी सिंह, आदि जैसे महान कलाकार इस संस्था में शिक्षक हुए। संगीत के क्षेत्र में कुछ महान हस्तियों जैसे अलाउद्दीन खान, निखिल बनर्जी, बुद्धदेव दासगुप्ता, फैमुद्दीन खान डागर अलग-अलग समय में संगीत भवन में प्रोफेसर के रूप में आए थे। संगीत भवन नियमित रूप से वसंतोत्सव, वर्षामंगल, बृक्षरोपन, पौष-उत्सव, खिस्तोसवा आदि जैसे विभिन्न समारोहों का आयोजन शान्तिनिकेतन के साथ साथ देश के अन्य संस्थानों में नियमित रूप से करता है। तब से यह परंपरा जारी है। संगीत भवन की यह शानदार यात्रा अब सौ वर्षों तक पहुँच गई है।

रवीन्द्र संगीत, नृत्य एवं नाटक विभाग

विश्वभारती के संस्थापक गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर अपने समय से बहुत आगे की सोच को लिए हुए कला अभ्यास के लिए एक अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण पर जोर दिए। यहाँ संगीत, नृत्य और नाटक का शिक्षण हमेशा एक व्यापक शिक्षा प्रणाली उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण का एक अभिन्न अंग था। विश्वभारती विश्वविद्यालय के तहत संगीत, नृत्य और नाटक के एक संस्थान के रूप में संगीत भवन, प्रकृति में उतना ही अनूठा है जितना कि समारोह और त्योहारों के आयोजन में इसकी नियमित भागीदारी। बंगाली नव वर्ष का दिन और टैगोर का जन्म दिन, 7 ''पौष, वर्षा मंगल का त्योहार, टैगोर सप्ताह, वृक्षारोपण समारोह, शरद उत्सव, वसंत त्योहार के साथ-साथ साप्ताहिक मंदिर सेवा (उपासना) आदि का आयोजन विधिसम्मत निर्धारित किया गया है। रवींद्रनाथ टैगोर के समय से विश्वविद्यालय में, विश्वविद्यालय के सम्मानित मेहमानों के सम्मान में, या अन्य आयोजनों में , संगोष्ठियों के दौरान असंख्य संगीतमय प्रस्तुतियां भी प्रस्तुत की जाती हैं। ये ऐसी गतिविधियां हैं जो संस्थान के पाठ्यक्रम से बाहर हैं, लेकिन एकीकृत हैं। ऐसे कारक जो हमारे छात्रों को मंच के प्रदर्शन से परिचित होने और बाद के जीवन में व्यक्तिगत कलाकार बनने में मदद करते हैं। यह एक आवश्यक पहलू भी माना जाता है जो शांतिनिकेतन की परंपरा को आगे बढ़ाता है। हमारा पाठ्यक्रम व्यावहारिक रूप से दक्षता के साथ छात्रों के कुल विकास के लिए है। एक मजबूत सैद्धांतिक पृष्ठभूमि का निर्माण किया जाता है| रबींद्रसंगीत, रबींद्रनृत्य, एसराज और ड्रामा एंड थिएटर आर्ट्स का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी प्रभाव है, हालांकि उनका पालन-पोषण स्थानीय स्तर पर किया गया। हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन संगीत, सितार, तबला, पखावज, मणिपुरी नृत्य और कथकली नृत्य में वाद्य संगीत, जो हमारे पाठ्यक्रम के मुख्य विषय भी हैं, वैश्विक स्तर पर भारतीय शास्त्रीय कला रूपों के प्रचार और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यू.जी.सी/सी.एस.आई. आर./नेट/स्लेट/और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम- यू.जी.सी/नेट –

अहाना चक्रबर्ती (WB0205203459), श्रेया महातो (WB0205204362)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि):

विभागीय संगोष्ठी, (100 वर्ष) शताब्दी समारोह में शांतिनिकेतन में ''मणिपुरी नृत्य का परिचय"।5-6 फरवरी, 2020। संगीत भवन, विश्वभारती के मणिपुरी नृत्य संकाय द्वारा आयोजन|

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि: शिक्षकों / अनुसंधान विद्वानों द्वारा की गई अध्यक्षता / मूल्यांकन / प्रस्तुति का विवरण।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

डॉ. नंदिता बसु सर्बाधिकारी

• 26.09.2019 - 28.09.2019: अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित मुख्य भाषण ', इतिहास विभाग, राजशाही

विश्वविद्यालय और जन इतिहास चर्चा केंद्र , ढाका विश्वविद्यालय के सयुंक्त तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित मुख्य भाषण का शीर्षक: ''संस्कृति , शांति और शिक्षा: प्रसंग रवींद्रनाथ''।

- 23.12.2019-31.12.2019: आमंत्रित व्याख्यान दिया और महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जो कि इंटरनेशनल सोसायटी फॉर इंटरकल्चरल स्टडीज एंड रिसर्च (ISISAR) द्वारा गोलपार्क रामकृष्ण मिशन, कोलकाता में आयोजित किया गया था। प्रस्तुति का शीर्षक: ''वर्ल्ड थिंकर्स 'में'' सोसाइटी में एक इंटीग्रेटिंग फैक्टर के रुप में संगीत ''और प्लैनेटरी क्राइसिस और ह्यूमन लिबरेशन के दौरान आयोजित राइटर्स पीस''।
- 27.02.2020 - 28.02.2020: में आमंत्रित मुख्य भाषण दिया। बैरिशल विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में आयोजित ''बंग-बंधु, हिज टाइम्स एंड लिगेसी: सोसाइटी, इकोनॉमी एंड स्टेट फॉर्मेशन इन रिट्रोस्पेक्ट'' शीर्षक सम्मेलन। मुख्य भाषण का शीर्षक: ''बंग-बिभाजन, रवीन्द्रनाथ, बंगबंधु: प्रोसोंगो गान '' का आयोजन बैरीशाल द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय और जन चर्चा केंद्र, ढाका।

प्रो. वाई. हेमंत कुमार

- 19.08.2019: भौतिकी विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित लिपिका हॉल, विश्वभारती में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- 30.09.2019: मणिपुरी साहित्यपरिषद, त्रिपुरा, जे.एन. द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतरगला टाउन हॉल, त्रिपुरा में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया। मणिपुर डांस अकादमी और संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली।
- 19.11.2019: जीव विज्ञान विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित, बांग्लादेश भवन में राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
- 11.12.2019- 14.12.2019: सिहलेट, बांग्लादेश, बांग्लादेश बासी फोरम द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागीता एवं प्रस्तुति |
- 20.12.2019 - 23.12.2019: जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इंफाल, मणिपुर में आयोजित सेमिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रुप में भाग लिया।
- 05.02.2020 - 06.02.2020: शांतिनिकेतन, विश्वभारती में मणिपुरी उत्सव के आगमन के अवसर पर मणिपुरी नृत्य समारोह में सहभागिता और प्रदर्शन।

प्रो. श्रुति बंदोपाध्याय

- 02.05.2019: परफोर्मिंग आर्ट्स विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय में विशेष आमंत्रित व्याख्यान दिए।

- 13.05.2020-14.05.2020 : शिक्षा विभाग , कोलकाता विश्वविद्यालय में आमंत्रित विशेष व्याख्यान दिए।
- 30.06.2019: लिली बासु डांस सर्किल द्वारा आमंत्रित व्याख्यान और एक सेमिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य।
- 19.08.2019 - 24.08.2019: आमंत्रित एनटीए यूजीसी की गोपनीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।
- 11.12.2019 - 14.12.2019: विश्वभारती में मणिपुरी नृत्य के 100 वर्ष के अवसर पर सेमिनार के लिए बांग्लादेश का दौरा।
- 20.12.2019 - 23.12.2019: आमंत्रित व्याख्यान दिया और मणिपुरी नृत्य और संगीत पर जवाहरलाल नेहरु मणिपुर डांस अकादमी में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रुप में आमंत्रित।
- 05.02.2020- 06.02.2020: विश्वभारती शांतिनिकेतन में मणिपुरी नृत्य के अवसर पर मणिपुरी नृत्य महोत्सव में आयोजक के साथ-साथ आयोजन में भाग लिया।

डॉ. सुमित बसु

- 20.07.2019 को चनिका, ढाका, बांग्लादेश और शिल्पकला अकादमी, ढाका, बांग्लादेश द्वारा ढाका में आयोजित ''टैगोर बर्षमंगल का'' आचार्य शैलराजरंजन मुजुमदार का ''प्रदर्शन किया गया।
- 22.09.2019 : विशेष अतिथि के रुप में आमंत्रित और व्याख्यान दिया। टैगोर म्यूजिक एंड डांस।
- 01.10.2019- विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया तथा राष्ट्रीय लोक नृत्य महोत्सव -2019 में भारतीय नृत्य पर व्याख्यान दिया गया, श्रीजनी, शांतिनिकेतन में भारत कला केंद्र द्वारा आयोजित।
- 28.02.2020: विशेष अतिथि के रुप में मणिपुरी नृत्य के लिए कमालगंज, इस्लामपुर, बंग्लादेश द्वारा आमंत्रित।
- 29.02.2020: टैगोर डांस का प्रदर्शन बांग्लादेश मणिपुरी एसोसिएशन, घोरमारा, मौलाबीबाजार, बांग्लादेश द्वारा आयोजित ''टैगोर डांस'' पर व्याख्यान देने के साथ किया।
- 20.07.2019: आचार्य शैलजानंद मजुमदार के 119 वर्ष पुरे होने के उपलक्ष्य में चयिका, बांग्लादेश में आयोजित शिल्पकला अकादमी सेमिनार हॉल में व्याख्यान।
- 01.03.2020: इनविटेंड ने टैगोर का प्रदर्शन किया। बांग्लादेश मणिपुरी एसोसिएशन, सिल्लीट, बांग्लादेश द्वारा आयोजित ''शांतिनिकेतन में मणिपुरी नृत्य के 100 साल का शताब्दी समारोह'' शीर्षक से सेमिनार में नृत्य।
- 02,03.2020-इनविटेंड ने बांग्लादेश मणिपुरी एसोसिएशन, मचीमपुर, मणिपुरी विलेज, बांग्लादेश द्वारा आयोजित ''शांतिनिकेतन में मणिपुरी नृत्य के 100 वर्षों का शताब्दी समारोह'' शीर्षक से सेमिनार

में टैगोर नृत्य का प्रदर्शन किया।

- 04.03.2020: रवींद्रपरिषद- बिलुनिया और अगरतला, दक्षिणपूर्वी, अगरतला में त्रिपुरा में आयोजित ''शांतिनिकेतन में मणिपुरी नृत्य के 100 साल का शताब्दी समारोह'' शीर्षक से सेमिनार में आमंत्रित लोगों ने टैगोर नृत्य का प्रदर्शन किया।
- 05.03.2020 – 06.03.2020: रवीन्द्रसंगीत नृत्य नाटक, संगीत भवन, शांतिनिकेतन के विभाग द्वारा ''मणिपुरी नृत्य की शताब्दी का परिचय'' नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के सदस्य और संपादक के रूप में प्रकाशित १०० साल का उत्सव स्मारिका।

श्री के. प्रेमजीत सिंह

- 12.01.2020-14.01.2020: आमंत्रित व्याख्यान दिया और रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, उड़ीसा द्वारा सरला दास महाभारत, भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित 12.12.2020 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक - मणिपुरी नृत्य में श्रीकृष्ण और वैष्णव संस्कृति और मणिपुर का नाता संस्कृताना।

डॉ.अमर्त्य मुखर्जी

- रिफ्रेशर कोर्स: बंगाली नाटक, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में रिसोर्स पर्सन के रूप में 2 व्याख्यान। 9 ''दिसंबर 2019.

डॉ. मानस भूल

- ''बीरभूम में और आसपास के ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए रोड मैप पर बीरभूम में सांस्कृतिक सम्मेलन और पर्यटन के बीच अंतर संबंध'' पर विश्वभारती में कार्यशाला।

कार्यशाला

प्रो. श्रुति बंद्योपाध्याय

- 20.06.2019- 22.06.2019 -पश्चिमबंग राज्य अकादमी में रबींद्रनृत्य पर कार्यशाला का आयोजन।
- 08.08.2019- रबींद्र भवन, सिउरी में रबींद्रनृत्य पर कार्यशाला का आयोजन।
- 21.10.2019- 24.10.19- मणिपुर विश्वविद्यालय के नृत्य विभाग विश्वविद्यालय में रबींद्रनृत्य पर कार्यशाला।

श्री पी. मुकुंद कुमार

- 25.12.2019- वन-डे वर्कशॉप, चेरापुलसैरी कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (CCST)।

श्री सुचीन्द्रनाथन. पी. के

- 23.10.2019- वन-डे वर्कशॉप, राष्ट्रीय कलामंच और IGNCA - नेशनल आर्ट- कल्चरल- कम्युनिकेशन वर्कशॉप, बोलपुर में आयोजित।

प्रदर्शनी (सोलो परफॉरमेंस)

प्रो. इंद्राणी मुखर्जी

- मई, 2019 को मेरे द्वारा लिखित और निर्देशित रवींद्र जन्मोत्सव नामक एक कार्यक्रम ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारित किया गया था।
- नवंबर, 2019. 'विश्वबन्दिता रवींद्रनाथ' कार्यक्रम पर एक वक्ता था, जिसका प्रसारण ऑल इंडिया रेडियो, द्वारा।
- 'रवींद्रनाथ ओ कीर्तन' में वार्ताकार के रूप में', टैगोर वीक प्रोग्राम, सर्बान 1426 (2019) के एक भाग के रूप में।

श्री प्रशांत कुमार घोष

- 15.04.2019 - रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय द्वारा आमंत्रित रवीन्द्रसंगीत(सोलो) का प्रदर्शन, जोरासाकों बारी में प्रदर्शन ।
- 11.05.2019 - रवींद्रजन्मोत्सव (2019) के अवसर पर ''कलकत्ता क्लब सभागार'' में रवीन्द्रसंगीत (एकल) का प्रदर्शन ''कलकत्ता क्लब'' कोलकाता में।
- 13.05.2019 - दूरदर्शन, कोलकाता, प्रसारभारती, पर रवीन्द्र संगीत एकल प्रस्तुति। भारत सरकार, द्वारा 'लाइव टेलीकास्ट सकाल सकाल' नाम से।
- 20.05.2019 - शांतिनिकेतन रेडियो (FM) प्रसारभारती द्वारा रवीन्द्र संगीत एकल का प्रसारण।
- 21.05.2019 - रवींद्रजन्मोत्सव '(2019) के अवसर पर, रवीन्द्रसदन ('सूचना और सांस्कृतिक मामलों), पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आमंत्रित और रवीन्द्रसंगीत का एकल प्रदर्शन।
- 21.07.2019 ''गीतांजलि ऑडिटोरियम में रवीन्द्र संगीत एकल की प्रस्तुति रवि किरण नाम से ।।
- 20.08.2019 शांतिनिकेतन रेडियो (एफएम प्रसारकभारती में रवीन्द्रसंगीत एकल प्रस्तुति।
- 10.12.2019 कोलकाता।'' बंगला संगीत मेला समिति ''द्वारा आयोजित और आमंत्रित। 'सूचना और सांस्कृतिक मामले'), पश्चिम बंगाल सरकार। रवीन्द्र संगीत मोहोरकुंजा एकल की प्रस्तुति।
- 02.02.2020 – 'गीतांजलि ऑडिटोरियम', बोलपुर में रवीन्द्रसंगीत सोलो परफॉर्म किया, सिऊरी बीरभूम 'इन्फॉर्मेशन एंड कल्चरल अफेयर्स' द्वारा आमंत्रित।

डॉ. मानिनी मुखोपाध्याय

- 20.05.2019- रवींद्रजन्मोत्सव '(2019) के अवसर पर एकल प्रस्तुति, आल इंडिया रेडियो कोलकाता।
- 08.08.2019 - एकल प्रस्तुति, आल इंडिया रेडियो में 22 शे।
- 08.08.2019 प्रदर्शन ''महर्षि स्मरण उपासना'' संगीत भवन में।

- 16.05.2019- एकल प्रस्तुति कवि प्रणाम, रवीन्द्र सदन कोलकाता में।
- 24.10.2019- एकल प्रस्तुति, आल इंडिया रेडियो कोलकाता।
- 08.12.2019 एकल प्रस्तुति, बंगला संगीत मेला ''मोहन कुंज'' कोलकाता।
- 02.02.2019- एकल प्रस्तुति, ''बंगला अमार गर्व ''गीतांजलि'' बोलपुर, बीरभूम।
- 23.03.2019 एकल प्रस्तुति, वसंत वंदना, अनन्या म्यूजिक कम्पनी, बोलपुर।
- 12.05.2019- सोलो परफॉरमेंस गुवाहाटी ब्रह्मसमाज गुवाहाटी, असम।
- 21.07.2019-सोलो परफॉरमेंस, अज ''श्राबनेरअमित्रन'' अनन्या म्यूज़िक कंपनी ''गीतांजलि'' बोलपुर, बीरभूम।
- 05.08.2019-स्क्रिप्ट के आधार पर एकल प्रस्तुति, ''गेनबिग्येन'' हेमशीला मॉडल स्कूल दुर्गापुर, प.बर्धमान।
- 25.082019 ''मानव् कन्या'' स्क्रिप्ट आधार सोलो परफॉमेंस के साथ-साथ प्रदर्शन ''सप्तक'' शांतिनिकेतन ''रबीतीर्थ'' कोलकाता।
- 31.08.2019- सोलो प्रदर्शन। बर्षागान, चतुरंगा ''गीतांजलि'' बोलपुर, बीरभूम।
- 05.11.2019-सोलो म्यूज़िकल परफ़ॉर्मेंस ''रबीतीर्थ'' ''रबीतीर्थ'' न्यू टाउन।

डॉ. सुरजीत रॉय

- 09.05.2019- रवींद्रनाथ टैगोर की 159 वीं जयंती के अवसर पर, मैंने कवि प्रणाम जोरासांको ठाकुरबारी के परिसर में एक एकल रवींद्रसंगीत का प्रदर्शन किया और इसका संचालन रवींद्रभारती विश्वविद्यालय ने किया।
- 25.08.2019- रबींद्र तीर्थ में सप्तक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।
- 29.01.2019- रोबोवेब- अनुवाबे द्वारा संचालित सिसिरमंच में एकल रवींद्रसंगीत का प्रदर्शन किया।
- 07.07.2019- पुरबी संगठन द्वारा आयोजित बोलूर में उत्सवगोमंच में एक एकल रवींद्रसंगीत का प्रदर्शन किया।
- 18.12.2019 कर्मीमंडल विश्वभारती के सहयोग से पिकासो के निर्देशन में लिपिका में एकल गीत का प्रदर्शन।
- 09.12.2019- सोलो रबींद्रसंगीत, सूचना और संस्कृति विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित बंगाल संगीत मेले में मोहोरकुंजा में प्रदर्शन किया।
- 19.02.2019- तारा- टीवी चैनल पर, मैंने एक लाइव प्रोग्राम किया और एक कार्यक्रम को अजोकालरअनाम्रेन नामक एकल गीत पर प्रदर्शन किया।

- रुपसी बंगला टीवी चैनल पर लाइव कार्यक्रम और एक कार्यक्रम में अज़ी-रोबिरप्रावेट नामक एकल गीत गाया।

डॉ. नंदिता बसु सर्बाधिकारी

- 16.08.2019- भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्री वी नायडू की श्यामली, उत्तरायण की यात्रा के अवसर पर कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए गीतों में भाग लिया।
- सितंबर 2019 - रवीन्द्रसंगीत गवेषणा केंद्र, विश्वभारती द्वारा शेरोटरआमालामोहिमा 'कार्यक्रम में भाग लिया ।
- सितंबर 2019- शांतिनिकेतन टेलीकास्ट के उत्सवों पर व्याख्यान श्रृंखला के दूरदर्शन प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

प्रो. श्रुति बंदोपाध्याय

- 04.07.2019- दूरदर्शन में नृत्य के राष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रसारण मणिपुरी नृत्य के शीर्ष 'ग्रेड कलाकार के रूप में।
- 15.09.2019-। नादनिरंजनम, तिरुपति मंदिर में मणिपुरी नृत्य का प्रदर्शन।
- 12.01.2020- शंभू भट्टाचार्य नृत्य समारोह में प्रदर्शन।
- 19.01.2020- मलयालीसमाजम में रासलीला का प्रदर्शन।

डॉ. सुमित बसु

- 16.5.2019 से 21.5.2019 –एसियन सिविलाइज़ेशन परेड -2019 बीजिंग नगर संस्कृति और पर्यटन ब्यूरो द्वारा आयोजित आयोजन में आमंत्रित (सीडीएससी) सरकार। चीन, बीजिंग • 18.5.2019- बीजिंग, चीन बीजिंग, चीन के भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित टैगोर नृत्य और म्यूज़िक शांतिनिकेतन में आमंत्रित और प्रदर्शन किया।
- 20.7.2019-आचार्य शैलजनाद नाज़ुमदार के 119 जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर शिल्पिका अकादमी, ढाका, बांग्लादेश द्वारा बांग्लादेश, शिल्पकला अकादमी, ढाका में टैगोर वर्षमंगल में आमंत्रित और एकल प्रदर्शन।
- 09.09.2019- ज़िलाशिल्पीकला बांग्लादेश द्वारा आयोजित टैगोर बारशमंगल में आमंत्रित और एकल प्रदर्शन, एशियाई अकादमी में शांतिनिकेतन के टैगोर नृत्य को आमंत्रित और प्रदर्शन किया।
- 11.09.2019-देबेंद्रमंचपटीसर, बांग्लादेश द्वारा आयोजित टैगोर बरशमंगल में आमंत्रित और एकल प्रदर्शन।
- 12.09.2019- टैगोर बरशमंगल में आमंत्रित और एकल प्रदर्शन जिलाशिल्पीकला अकादमी, राजशाही,

बांग्लादेश द्वारा आयोजित।

- 20.9.2019- टैगोर में नृत्य निर्देशन के साथ आमंत्रित और एकल प्रदर्शन नृत्य नाटक ''भानु-सिंघर-पदबली'' और मणिपुरी नृत्य सुचित्र मित्र महोत्सव में, रथिंद्रमंच. कोलकाता में, पुरोबी द्वारा आयोजित।
- 30.09.2019- रवीन्द्रभारती नृत्य द्वारा आयोजित एकल प्रदर्शन टैगोर नृत्य का प्रदर्शन।
- 21.10.2019-22.10.2019- टैगोर नृत्य नाटक- बर्षमंगल और चंडालिका में एकल परफॉरमेंस और मयोनसिंहप्रकृतिनी, सिलिगुड़ी में प्रकृतिकट महितमंच, कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम। दीनबंधु मंच, सिलीगुड़ी। और शैलाजारंजन मजुमदार।
- 22.10.2019 , आल इंडिया रेडियो सिलीगुड़ी द्वारा टैगोर और शैलाजरंजन मजुमदार पर प्रस्तुति
- 22.01.2020-26.01.2020- विद्यासागर फाउंडेशन में आमंत्रण टैगोर डांस ड्रामा- चांडालिका का एकल प्रदर्शन।

श्री. सुचेन्द्रनाथन.पी. के.

- दिसंबर-2019- 11 वीं भरतमुनि उत्सव 2019 के अवसर पर सोलो कलिंगयान तौर्यत्रिकम, भुवनेश्वर, में बंगमोहिनी- 2019, ट –टाई डांस अकादमी, आईसीसीआर सत्यजीत रे सभागार, कोलकाता-अक्टूबर-2019, भागीदारी

गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ विभाग द्वारा आयोजित और विस्तारित सांस्कृतिक गतिविधियाँ (विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया जाता है।)

प्रो. डॉ. माधवी रूज

संगीत – कला भवन के 100 वर्ष के अवसर पर एक रेडियो कार्यक्रम भागीदार जुलाई 2019 में।

श्री प्रशांत कुमार घोष

- 01.07.2019 – बंग्लादेश भवन द्वारा लिपिका आडिटोरीऍम में नजरुल स्मरण के अवसर पर वादिक संगीत।
- 08.08.2019 – '22 श्रवण', (उपासना) के अवसर पर रवीन्द्र संगीत का आयोजन और प्रदर्शन। कर्मिपरिषद, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित।
- 16.08.2019 - माननीय उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की उपस्थिति में सियामोली बारी', उत्तरायण परिसर, शांतिनिकेतन में वैदिक संगीत' का संचालन और प्रदर्शन।
- 14.09.2019 रवीन्द्र संगीत 'रबिबितान' आयोजित। रविन्द्रसंगीत गवेषणा केन्द्र 'शांतिनिकेतन, सरोदेत्सव के अवसर पर,' शोरोटर अमोलो मोहिमा'।

- 09.12.2019 - शांतिनिकेतन के सेंट्रल लाइब्रेरी हॉल में वैदिक संगीत और रवीन्द्र संगीत का आयोजन और प्रदर्शन।
- 22.12 2019 छातीमतला में 7 वें पौष उपासना में रवींद्रसंगीत का आयोजन और प्रदर्शन। शांतिनिकेतन, कर्मपरिषद द्वारा आयोजित।

श्रीमती अर्पिता दत्ता (दास)

- 08.08.2019 में लिपिका, विश्वभारती में रवींद्रप्रयाण "22 श्रवण" के अवसर पर विश्व-भारती द्वारा आयोजित विशेष मंदिर और अन्य विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और प्रदर्शन किया।
- 08.08.2019 द्वारा आयोजित "बृक्षरोपन" में भाग लें और प्रदर्शन करें- कर्मिपरिषद, विश्वभारती। माननीय उपाध्यक्ष ।
- 16.08.2019 द्वारा पुनर्निर्मित श्यामलीग्रही के उद्‌घाटन में भाग लेना और प्रदर्शन करना - नर्मदाघर, वर्मीपरिषद, विश्व-भारती द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वर्शमंगल कार्यक्रम के प्रदर्शनरत छात्रों और संकायों, संगित-भवन।
- 14.09.2019- रवीन्द्रसंगीत गवेषणा केंद्र में प्रस्तुति सारातेर अमाल महिमा।
- 22.09.2019 को सांगीत भवन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम साप्ताहिक मंदिर का संचालन।
- 28.02.2020 को 21 वीं शताब्दी में जीव विज्ञान की उन्नति पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदर्शन किया गया, जो कि जूलॉजी विभाग, शिक्षा भवन, शांतिनिकेतन द्वारा बांग्लादेश भवन, शांतिनिकेतन में आयोजित किया गया था।

डॉ. नंदिता बसु सर्बाधिकारी

- 16 अगस्त 2019 को श्यामली, उत्तरायण में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्रीवेंकैया नायडू की यात्रा के अवसर पर कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए गीत में भाग लिया गया।
- सितंबर, 2019-टूक रवींद्रसंगीत गवेषणा केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'शारतोरमालामोहिमा' कार्यक्रम में भाग।
- सितंबर, 2019-शांति निकेतन के उत्सवों के टेलीविज़न पर व्याख्यान श्रृंखला के दूरदर्शनप्रोग्राम में हिस्सा लिया। डॉ. मानिनी मुखोपाध्याय।
- 13.08.2019-रबींद्रसप्तसाहसंगभवन, विश्वभारती लिपिका, शांतिनिकेतन में गीतों के समन्वयक के रूप में।
- 16.08.2019-नवनिर्मित "श्यामलीबारी" का भारत के उपराष्ट्रपति, की उपस्तिथि में सहभागिता संगीत भवन, विश्वभारती, उत्तरायण, शांतिनिकेतन।

- 19.08.2019- समन्वयक के रूप में मुख्य न्यायाधीश द्वारा उद्‌घाटन के कार्यक्रम में लिपिका में व्यवस्था, संगीत भवन, विश्वभारती, मुख्य न्यायाधीश।
- नवम्बर 2019-कन्वोकेशन में प्रतिभागी और समन्वयक संगीत भवन, विश्वभारती अमारकुंज, शांतिनिकेतन।
- 23.12.2019-एक्ट प्रतिभागी संगीतभवन के रूप में, ''7 पौष'' विश्वभारती।
- 26.01.2020-एक्ट के कार्यक्रम समन्वयक के रूप में। संगीत भवन विश्वभारती, शांतिनिकेतन।

डॉ. सप्तर्षि रे

- 14.04.2019 वर्षा शेष – विश्व-भारती उपासना मंदिर।
- 15.04.2019 नव वर्ष, विश्व-भारती उपासना मंदिर।
- 15.08.2019 -स्वतंत्रता दिवस समारोह –विश्वविद्यालय फिजिकल एजुकेशन का मैदान।
- 24.12.2019 7वीं पौष उपासना।
- 26.12.2019 कृषि उत्सव - विश्व-भारती उपासना मंदिर।

डॉ. सुरजीत रॉय

- 26.01.2019 रिपब्लिक डे समारोह –विश्वविद्यालय फिजिकल एजुकेशन का मैदान।
- 26.01.2019 माघ उत्सव, विश्व-भारती उपासना मंदिर।

डॉ. सुरजीत रॉय

- 26.02.2019 संगीत भवन के शताब्दी वर्ष के अवसर पर 'शापमोचन' नृत्य नाटिका में प्रदर्शन किया गया
- 15.08.2019 विश्वभारती के कार्यक्रमों में संगीत का प्रदर्शन किया है, इस तरह, बसंत उत्सव आदि कार्यक्रमों के आयोजन।

श्री के. परमजीत सिंह

- 05.02.2020 - 06.02.2020 शताब्दी में शांतिनिकेतन में ''मणिपुरी नृत्य का परिचय'', जो संगीत भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित किया गया। 2-दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री पी. मुकुंद कुमार

- गीतोपाधाम लिपिका अड्डोरियम 19 अगस्त (विभागीय कार्यक्रम)।
- पांडवदुथु (दुर्योधनमादम), बांग्लादेश भवन 19 नवंबर (विभागीय कार्यक्रम)।

श्री. एन. पी. संकरनारायण

- गरीबी, भ्रष्टाचार और मानव अधिकारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए 19 अगस्त से 20 वें 2019 को

लिपिका विश्वभारती, शांतिनिकेतन में सांस्कृतिक कार्यक्रम;

- बंगला परिषद शांतिनिकेतन में 1 अप्रैल 2019 को बंगिया काउंसिल फॉर लिटरेचर के इंटरमेशनल प्रोग्राम में टैगोर डांस ''चंडालिका'' का प्रदर्शन किया।

एन. राजेश मेनन

- 19 नवंबर को बंगलादेश भवन में कथकली प्रदर्शन (डिपार्टमेंट प्रोग्राम)
- गीतोपाधम19 अगस्त को लिपिकाएडिटोरियम विभागीय कार्यक्रम
- पांडवदुथु (दुर्योधनवदम), बांग्लादेश भवन 19 नवंबर (विभागीय कार्यक्रम)

डॉ. अमर्त्य मुखर्जी

- काव्य महोत्सव (अंतर्राष्ट्रीय), शांति निकेतन में प्रदर्शन, 15 फरवरी 2020.
- संघटन विश्व दर्शन द्वारा निर्मित सर्वोत्सव में ''राजा'' का अवलोकन। विश्व -भारती, अक्टूबर 2019.

1. शिक्षक / विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक अंतर (जैसे कि डीएसए या सीएएस आदि के रूप में मान्यता)।

अवार्ड प्राप्त

डॉ. मानस भुल

नाबा साहित्य कोमोल सम्मान ,नबासाहित्य कमल द्वारा ', 2019.

प्रो. के.सुनीता देवी

- राजकुमार बुधि मंत पुरस्कार 2019 में 24 सितंबर 2019.
- बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार दलित साहित्य अकादमी की ओर से इम्फाल। मणिपुर 30 * सितंबर 2019 को बोर्ड की सदस्यता।

प्रो. श्रुति बंदोपाध्याय

- चयन समिति के सदस्य के रुप में 08.04.2019 से यूपीएससी के तहत नृत्य के पद के लिए सदस्य।
- स्टेट यूनिवर्सिटी में पाठ्यक्रम समिति के सदस्य व्यक्ति। (26 से 30 अप्रैल)।
- 26 और 27 अगस्त 2019: 273 को तमिलनाडु के कलाइवेरी कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स कॉलेज में NAAC के अध्यक्ष के रूप में कार्य।
- रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के नृत्य विभाग और नाटक विभाग के DRC के सदस्य।
- क्लासिकल वोकल, काजीनाजरुल विश्वविद्यालय के बीओएस सदस्य।
- सांस्कृतिक अध्ययन विभाग के तहत SAP-DRS के लिए यूजीसी नामित, तेजपुर विश्वविद्यालय।

प्रकाशन वर्ष 2019- मार्च 2020 के भीतर व्यक्तिगत प्रकाशन

प्रो. श्रुति बंदोपाध्याय

- पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल, श्री जगदीप धनखड़ द्वारा राजभवन में 4 सितंबर, 2019 को शांतिनिकेतन में संपादित मणिपुरी नृत्य में पुस्तक / पुस्तक अध्याय: 100 वर्ष की यात्रा (समरजीत सिंहा द्वारा संपादित पुस्तक में, 100 वर्षों के उत्सव के दौरान प्रकाशित) 11 से 14, 2019 मौलविबाजार के एक मणिपुरी गाँव में मणिपुरी नृत्य।
- रबींद्रनाथ की ऋतुनाट्य: बंगाल में रवींद्रनारायण की नींव, मणिपुरी संस्कृति की झलक में, लुलु पब्लिकेशन, यूएसए द्वारा प्रकाशित डॉ। वाई गोपी देवी द्वारा संपादित पुस्तक।, 2019, पृष्ठ 211-228.

प्रो.वाई. हेमंत कुमार

- द जर्नी ऑफ मणिपुरी डांस, इन माय स्पेस , प्रक्टिस एंड स्टडी में, जेएनएमडीए के जर्नल में अभ्यास और अध्ययन, मणिपुर नृत्य और संगीत पर 4 दिनों के राष्ट्रीय सेमिनार के एक हिस्से के रुप में दिसंबर से आयोजित किया गया।20 से 23, 2019.
- ए 100 इयर ऑफ द कॉल ऑफ़ डांसिंग; द चाइम नर्तकी वर्ष: 4 मार्च, 2020 ऑनलाइन जर्नल में https://narthaki.com/info/articles/art471.html

पुस्तक / पुस्तक अध्याय

- मणिपुरी डांस शांतिनिकेतन में: समरजीतसिंह द्वारा संपादित एक पुस्तक में 100 साल की यात्रा (बंगाली), 11 से 14 दिसंबर, 2019 के दौरान मौलाविबाजार के एक मणिपुरी गांव में मणिपुरी नृत्य के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रकाशित की गई।

डॉ. सुमित बसु

- किसलय के 40 वर्ष के उपलक्ष्य में 29.12.2019 को दीनबंधु मंच, सिलीगुड़ी में समारोह स्मारिका।

डॉ. अमर्त्य मुखर्जी

- रवीन्द्रनृत्य, स्पार्क बुक कंपनी, कोलकाता, आईएसबीएन 978-93-86746-55-9, जनवरी 2020.

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग

विश्वभारती के संस्थापक गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर, अपने समय से बहुत आगे की सोच, को लिए हुए कला अभ्यास के लिए एक अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण पर जोर दिया। संगीत, नृत्य और नाटक का शिक्षण उनके लिए हमेशा एक व्यापक शिक्षा प्रणाली की और उनकी शैक्षणिक दृष्टि का एक अभिन्न अंग था। विश्वभारती विश्वविद्यालय के तहत संगीत, नृत्य और नाटक के संस्थान के रूप में संगीत भवन प्रकृति-निरपेक्षता में अपनी नियमित भागीदारी के रूप में अद्वितीय है। विविध कार्यों और त्योहारों के आयोजन में जैसे ; बंगाली नव वर्ष का दिन और टैगोर का जन्म दिन, 7 ‘‘पौष, बारिश का त्योहार, टैगोर सप्ताह, वृक्षारोपण समारोह, शरद उत्सव, वसंत त्योहार के साथ-साथ साप्ताहिक मंदिर सेवा (उपासना) आदि, जैसा कि विधियों में निर्धारित किया गया है। रवींद्रनाथ टैगोर के समय से विश्वविद्यालय में, विश्वविद्यालय के सम्मानित मेहमानों के सम्मान में, या अन्य विभाग के संगोष्ठियों के दौरान असंख्य संगीतमय प्रस्तुतियां भी प्रस्तुत की जाती हैं। ये ऐसी गतिविधियां हैं जो संस्थान के पाठ्यक्रम से बाहर हैं, लेकिन एकीकृत हैं। ऐसे कारक जो हमारे छात्रों को मंच के प्रदर्शन से परिचित होने और बाद के जीवन में व्यक्तिगत कलाकार बनने में मदद करते हैं। यह एक आवश्यक पहलू भी माना जाता है जो शांतिनिकेतन की परंपरा को आगे बढ़ाता है। हमारा पाठ्यक्रम व्यावहारिक रूप से दक्षता के साथ छात्रों के कुल विकास के लिए है। एक मजबूत सैद्धांतिक पृष्ठभूमि को लिए हुए रबींद्रसंगीत, रबींद्रनृत्य, एराज और ड्रामा एंड थिएटर आर्ट्स का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी प्रभाव है, हालांकि उनका पालन-पोषण स्थानीय स्तर पर किया गया। हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन संगीत, सितार, तबला, पखावज, मणिपुरी नृत्य और कथकली नृत्य में वाद्य संगीत, जो हमारे पाठ्यक्रम के मुख्य विषय भी हैं, वैश्विक स्तर पर भारतीय शास्त्रीय कला रूपों के प्रचार और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हिंदुस्थानी शास्त्रीय संगीत विभाग ने ख्याल और ध्रुपद और वाद्य और ताल संगीत में विशेष प्रशिक्षण के लिए एक प्रख्यात केंद्र के रूप में विकसित किया है। विभाग के कई संकाय सदस्य संगीत कलाकार हैं और ऑल इंडिया रेडियो के कलाकार हैं, जो भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) के कलाकार हैं, और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हैं। वे दृश्य कला, लोक और आदिम संगीत, थिएटर और फिल्मों जैसे अन्य विषयों के साथ कई शोध सहयोगों में भी लगे हुए हैं। विभाग के छात्रों ने रेडियो और टेलीविजन पर स्वतंत्र और नियमित कलाकारों के रूप में मान्यता प्राप्त की है। विभाग में पीएचडी उम्मीदवारों के रूप में नामांकित कई विद्वान, प्रदर्शन कला में अनुसंधान के लिए अभिनव दृष्टिकोण में लगे हुए हैं। भविष्य की योजनाओं के हिस्से के रूप में, विभाग दुर्लभ रिकॉर्डिंग के संरक्षण और प्रसार के लिए एक समर्पित अभिलेखीय खंड विकसित करने का इरादा रखता है। जिसमें अन्य संस्थानों के सहयोग भी है । शिक्षाशास्त्र और सार्वजनिक प्रदर्शन के बीच संवाद स्थापित करने के लिए हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन और वाद्य संगीत पर कार्यशालाओं का आयोजन करने के लिए संगीत विद्वानों और विशेषज्ञों को आमंत्रित करने का भी प्रयास होगा।

यूजीसी/ सीएसआईआर / नेट / स्लेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का नाम।

नेट - 02: सायक दास, हिमांशु शेखर

सीनियर रिसर्च फेलो (UGC NET-SRF) 02: नबेंदु किरण देबनाथ, प्रियंका हवलाडर

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी/ कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि

अध्यापकों / अध्यापको द्वारा की गई अध्यक्षता / मूल्यांकन / प्रस्तुति का विवरन

प्रो. स्वपन कुमार घोष

- 02.07.2019- ''सुर- साधना'' नाम के एक लाइव प्रोग्राम में इंटरव्यू के साथ एकल प्रदर्शन, दूरदर्शन केंद्र (प्रसार भारती), कोलकाता।
- 17.07.2019- ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के संगीत विभाग में एक कार्यशाला का आयोजन।
- 11.09.2019- सचिन देब बर्मन मेमोरियल गवर्नमेंट म्यूज़िक कॉलेज, अगरतला द्वारा आयोजित पुलिनडेबरर्मा मेमोरियल शास्त्रीय संगीत सम्मेलन 'में एकल प्रदर्शन।
- 15.11.2019- भारतीय शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रम में एकल प्रदर्शन। छान्दालय, राममोहन मंच कोलकाता द्वारा आयोजित।
- 23.01.2020- शास्त्रीय कार्यक्रम में एकल प्रदर्शन, ''शिवरंजनी'', बागान, हावड़ा द्वारा आयोजित किया गया।

प्रो. सब्यसाची सरखेल

- 02.08.2019- ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता में रिकार्डेड सितार गायन, (11 अगस्त 2019 को प्रसारित)
- 02.08.2019- तिरुपति वेंकटेश मंदिर में सितार गायन किया गया। तिरुमाला, आंध्र प्रदेश।
- 17.08.2019- यूसीजी ओरिएंटेशन कोर्स में वितरित व्याख्यान और प्रदर्शन को एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा संसाधन व्यक्ति के रुप में आमंत्रित।
- 20.11.2019- संसाधन व्यक्ति के रुप में NAAC मान्यता के बारे में रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान।
- 23.11.2019- रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, कोलकाता में सितार गायन का प्रदर्शन किया।
- 10.01.2020- ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता में संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम (29 फरवरी, 2020 को प्रसारित) के लिए सितार का गायन किया।
- 23.01.2020- पंजाब के पटियाला के पंजाबी विश्वविद्यालय में सितार गायन।

प्रो. बसावी मुखर्जी

- 23.11.2019- अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित मुख्य भाषण ''कला के माध्यम से प्रदर्शन कला में सांस्कृतिक परंपरा'' और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत से संबंधित परंपराओं के बारे में

बात की।

- 20.10.2019- आकाशवाणी, कोलकाता के लिए 1 घंटे की अवधि की रिकॉर्डेड ख्याल (29.10.2019 को प्रसारित)
- 28.11.2019- ''हिंदुस्तानी कथा संगीत गेय प्रकर", आकाशवाणी शांतिनिकेतन के लिए।
- 07.12.2019- संस्कार भारती और सुमधुर हंसध्वनि संगीत ट्रस्ट, फरीदाबाद के लिए शाम के एकमात्र कलाकार के रूप में प्रदर्शन किया। (राष्ट्रीय)

डॉ. इशिता चक्रवर्ती

- 16.08.2019-17.08.2019-आमंत्रित व्याख्यान दिया फिल्म अध्ययन विभाग वेस्ट बंगाल राज्य विश्वविद्यालय। द्वारा आयोजित ''वीमेन टेक्स्ट्स और श्रव्य-दृश्य मीडिया'' नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया।प्रस्तुति का शीर्षक ''आशा भोसले संगीतमयी सफर''।
- 06.01.2020 - 07.01.2019। यूजीसी-रूसा 2.0 प्रायोजित इंटरमेंशनल सेमिनार में भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक सेंटर फॉर स्टडीज़ इन कल्चरल डायवर्सिटी एंड वेलबीइंग द्वारा आयोजित ''रिथिंकिंग रबींद्रनाथ: मॉडेमिटी, कॉलोनियलिटी, डेकोलोनिअलिटी'' है। जादवपुर विश्वविद्यालय। प्रस्तुति का शीर्षक ''टैगोर दर्शन-शिक्षा-संस्कृति-परंपरा के माध्यम से रवीन्द्र संगीत''।

डॉ. रंजनी रामचंद्रन

- 11.04.2019- ऑडियो विजुअल प्रस्तुति ''ग्वालियर घराना: एकाधिक आवाजें'' के लिए उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत का स्कूल, सांस्कृतिक ग्रंथों का स्कूल और रिकॉर्ड्स (SCTR), जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता।
- 03.07.2019- 04.07.2019 ''इंडियन क्लासिकल मुअजिक अप्रिसियेसन'' पर कार्यशाला का आयोजन, सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (SRFTI), कोलकाता।
- 21.07.2019- हिंदुस्तानी शास्त्रीय, रंगकर्मी स्टूडियो थिएटर में एकल वोकल प्रदर्शन, कोलकाता।
- 17.11.2019- सबअर्बन म्यूज़िक सर्कल में हिंदुस्तानी क्लासिकल पर सोलो वोकल प्रदर्शन।
- 05.12.2019- सनी टॉवर्स, कोलकाता में हिंदुस्तानी शास्त्रीय पर एकल वोकल प्रदर्शन।
- 08.12.2019-भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट सभागार, हिंदुस्तानी शास्त्रीय पर एकल वोकल प्रदर्शन।
- 17.12.2019- रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित, सेरंडिपिटी आर्ट्स फेस्टिवल, गोवा में डॉ. अनीश प्रधान द्वारा, सेरेन्डीपिटी आर्ट्स फेस्टिवल (SAF 2019), गोवा में।
- 18.12.2019 ''रिवर राग'' पर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत पर एकल गायन, गोवा में।
- 01.02.2020 वॉरेन प्रेषकों और सुमित्रा रंगनाथन हिंदुस्तानी संगीत के साथ इंटरएक्टिव संवाद: अभ्यास

प्रदर्शन। शिक्षाशास्त्र, सीयूएसपी कला महोत्सव, चेन्नई।

- 02.02. 2020- हिंदुस्तानी शास्त्रीय, मॉर्निंग मेलोडीज़, लूज़ हाउस, CUSP आर्ट्स फेस्टिवल, चेन्नई में एकल वोकल प्रदर्शन।
- 03.03.2020- प्रदर्शनी में सहयोगकर्ता ''जलियांवाला बाग की याद करने के तरीके और रबींद्रनाथ", सरमिता दत्त गुप्ता और आर्टिस्टिक द्वारा, दिशा संचान घोष ने विक्टोरिया मेमोरियल, कोलकाता में आयोजित की।
- ऑडियो सीडी और किताब, डॉ. चैतन्य कुंटे की पुस्तक ''राग चैतन्य'' की गायिका के रूप में।

श्री संदीप घोष

- अप्रैल 2019 मीता नाग के साथ संगीत भवन के 100 वर्ष पर उत्सव।
- 02.07.2019-सूरसदन साधना, दूरदर्शन, कोलकाता (तबला में भाग लिया)।
- 10.8.2019- संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित सचिन देव बर्मन कॉलेज त्रिपुरा , द्वारा आयोजित तबला की कार्यशाला। संगीत महाविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा।
- 15.11.2019- चांडाल, कोलकाता के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया।
- 23.1.2020- शिवरंजनी (बैगन) के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. अमित कुमार वर्मा

- 05.02.2020 – 07.02.2020 व्याख्यान में आमंत्रित और राष्ट्रीय संगोष्ठी में लिखित वक्तव्य प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक ,'' छायावादी काव्य में सांस्कृतिक चेतना। निराला के विशेष संदर्भ में , वर्धा, समन्वय हिंदी प्रचार समिति, बोलपुर के साथ। प्रस्तुति का शीर्षक- ''छायावाद साहित्य में संगीत तत्व''।

डॉ. शुभायु सेन मजूमदार

- फरवरी, 2019- ढाका विश्वविद्यालय में प्रदर्शन के साथ एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 11.05.2019-कलकत्ता क्लब द्वारा आयोजित टैगोर गीतों पर शास्त्रीय प्रभाव का वर्णन करते हुए एक एकल प्रदर्शन।
- 31.05.2019- आकाश एथ (चैनल) ने मेरे और डॉ. राजीब चक्रवर्ती द्वारा युगल प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

श्री सीताराम दास

- 25.06.2019- तबला पर सोलो प्रदर्शन और ''ऑल इंडिया रेडियो'' सिलीगुड़ी में रिकॉर्ड किया गया (02.07.2019 को प्रसारित)।
- 20.07.2019- शिशिर मंच, कोलकाता में तबला तरिओ का प्रदर्शन।
- 05.08.2019- हेमशीला मॉडल स्कूल के लिए कार्यक्रम में सह-कलाकार के रूप में प्रदर्शन; ''गाने बिगयाने''।

- 06.11.2019- न्यू टाउन कोलकाता में टैगोर सेंटर ऑफ नेचुरल साइंसेज एंड फिलॉसफी द्वारा आयोजित ''रबींद्रनाथ टैगोर एंड द एनगमा ऑफ साइंस-एन एंड्योरिंग विजन'' शीर्षक के अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में रवींद्र संगीत प्रदर्शन में सह-कलाकार।
- 31.12.2019- तबला पर एकल प्रदर्शन और ''ऑल इंडिया रेडियो'' सिलीगुड़ी में प्रसारित (21.01.2020 पर प्रसारित)।
- 21.01.2020 सायर बिथि पार्क शांतिनिकेतन के ''सरबरी रॉय चौधरी महोत्सव'' में अमृता सरखेल (गायन) के साथ सह-कलाकार के रुप में प्रदर्शन किया।
- 08.02.2020 को एक दिवसीय कार्यशाला आधारित एक आमंत्रित व्याख्यान और प्रदर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ''गौरमलहर'' पू. बर्दवान, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित ''रियाज़ साधना'' पर।
- 14.02.2020- शांतिनिकेतन ''अरविन्दनिलय'' में सुनीता टिकरे (गायन) के साथ सह-कलाकार के रुप में प्रदर्शन।

विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ। विभाग और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया गया।

विभागीय शैक्षणिक गतिविधि और सहयोग –

- 10.02.2020 एक दिवसयीय हिन्दुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक पर आर्काइव ऑफ नॉर्थ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक, स्कूल ऑफ कल्चरल टेक्सट एंड रिकॉर्ड्स, जादवपुर विश्वविद्यालय के सदस्यों द्वारा आडिओ सत्र, कोलकाता में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग द्वारा आयोजित, विश्वभारती; अप्रचलित ऑडियो आर्टिफैक्ट्स और ऑडियो रिकॉर्डिंग की अप्रचलित तकनीकों के अनुभव।

राष्ट्रीय सेवा योजना में सक्रिय सहभागिता, विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा

- 08.08.2019-सबुजयन (वृक्षारोपण 2019) आश्रम ग्राउंड और विश्वविद्यालय परिसर।
- 15.08.2019-स्वतंत्रता दिवस विनय भवन प्ले ग्राउंड में।
- 24.09.2019- शांतिनिकेतन, नाट्यगृह में एनएसएस दिवस का उत्सव।
- 23.12.20149 - 26.12.2019- पौष मेला।
- 28.09.2019-29.09.2019- पौष मेला परिसर में सफाई कार्यक्रम (स्वच्छ भारत अभियान)।
- 26.01.2020- गणतंत्र दिवस समारोह विनय भवन प्ले ग्राउंड, शांतिनिकेतन।
- 10.03.2020- गांधी पुण्याह (स्वच्छ भारत अभियान), शांतिनिकेतन और श्रीनिकेतन।

अकादमिक शिक्षकों / विद्वानों/ शोधछात्रों या विभाग द्वारा एक पूरे के रूप में प्राप्त सहयोग (डी.एस ए /सी ए एस)

प्रो. सब्यसाची सरखेल

- 09.07.2019 - 12.07.2019 में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया- एन.ए.ए.सी पीरटीम सरकुल कॉलेज, ओडिसा।
- 26.08.2019 - 30.08.2019- यूजीसी नेट कार्यशाला, दिल्ली में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 24.10.2019 - 26.10.2019- एसईटी कार्यशाला में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया। कॉलेज सेवा आयोग, कोलकाता।
- 14.08.2019- रबींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में उच्च शिक्षा समिति की बैठक में भाग लिया।
- 14.10.2019- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में चयन समिति की बैठक में भाग लिया।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के बीओएस में बाहरी विशेषज्ञ।

प्रो. बुद्धदेव दास

- 10.04.2019 - ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता में ''ए ग्रेड आर्टिस्ट इन एराज (हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत)'' से सम्मानित।
- 03.09.2019 - व्याख्यान प्रदर्शन और एशराज एकल गायन ''सुर साधना'' डीडी बंगला/ दूरदर्शन में लाइव टेलीकास्ट किया गया, कोलकाता।
- 03.11.2019 एशराज एकल गायन संगीत का राष्ट्रीय कार्यक्रम (हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत) / रविशवरिया अखिल भारतीय संगठन। सभा ऑल इंडिया रेडियो।
- हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत, संगत भवन, विश्व-भारती के अध्ययन बोर्ड (बी.ओ.एस.) के सदस्य।

प्रो. बसावी मुखर्जी

- 07.12.2019- राष्ट्रीय संगठन संस्कार भारती और सुमाधुर हंसध्वनि संगीत ट्रस्ट, फरीदाबाद से संगीत रत्न 'का पुरस्कार / सम्मान प्राप्त किया।

डॉ. अमित कुमार वर्मा

- काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग, गवर्नमेंट, भारत का।
- NCERT के पाठ्यक्रम समिति और पाठ्य पुस्तक लेखन समिति के सदस्य।
- सत्र 2019-2020 विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य। केंद्रीय विद्यालय संगठन बोलपुर।
- अरविंदो सोसाइटी – 2019 ZIIEI द्वारा सराहना प्रमाण पत्र, शिक्षक नवाचार पुरस्कार के लिए।

डॉ. रंजनी रामचंद्रन

- 31.01.2020- 03.02.2020- प्रथम संस्करण कला के साथ चेन्नई में बहु-विषयक अनुशासनात्मक महोत्सव CUSP के लिए आमंत्रित।

श्री सीताराम दास

- 16.12.2019 - 17.12.2019- प्रदर्शन कला विभाग असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम में एक बाहरी व्यावहारिक परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।
- 15.05.2019 - 16.05.2019-प्रदर्शन कला विभाग में बाहरी व्यावहारिक परीक्षक के रूप में नियुक्त, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम।

डॉ. शुभायु सेन मजुमदार

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सोलो कार्यक्रम / प्रसारण :

- अक्टूबर 2019- ऑल इंडिया रेडियो पर एकल ऐसराज का प्रसारण।
- आकाश एथ (चैनल) द्वारा विश्व संगीत दिवस 2019 को मनाने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 13.01.2020- बांग्लादेश भवन में कॉस्मोलॉजी और आंशिक भौतिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एकल ऐसराज करने के लिए आमंत्रित।
- गांधीजी के 150 वें जन्म शताब्दी के अवसर पर राष्ट्रीय दूरदर्शन ने मुझे ऐसराज और विभिन्न उपकरणों के साथ ''वैष्णव जन तो'' गायन और व्यवस्था के लिए आमंत्रित किया।

प्रकाशन, अप्रैल 2019 मार्च 2020 के भीतर

डॉ.इशिता चक्रवर्ती

- स्वर-संसार: समवेद विवादि, इशिता चक्रवर्ती, रादा भवन, एक वार्षिक ईयर-रिव्यू जर्नल, अगस्त 2019 आईएसएसएन: 2348-0818.

डॉ. शुभय सेन मजूमदार

- 11.01.2020- एक आलेख, एसआरजे 'आनंद बाजार पोत्रिका' द्वारा प्रकाशित।

डॉ. अमित कुमार वर्मा

- संगीत शोध पत्र लेखनके तकनीकी पहलू। नाद्नार्तन : जर्नल ऑफ़ डांस एंड म्यूज़िक, चंडीगढ़। वॉल्यूम-7, अंक-1, पृष्ठ- 124-126, अप्रैल 2019, ISSN: 2349-4654।.
- ''अवध का लोक संगीत: एक अध्ययन'', संगोष्ठी की कार्यवाही (सम्पादित पुस्तक) डांस, कला संकाय के बीएचयू, वाराणसी, पृ. 997- 1003, जुलाई 2019.

रवीन्द्र संगीत गवेषणा केंद्र

रवीन्द्रसंगीत गवेषणा केंद्र (RSGK) का उद्घाटन 26 दिसंबर, 2014 को प्रोफेसर अमर्त्य सेन ने कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में विश्वभारती के अलावे बाहरी लोगों की उपस्थिति में किया था। क्योंकि टैगोर का संगीत उनकी सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। संपूर्ण बौद्धिक और रचनात्मक खोज, RSGK का विचार अनुसंधान के माध्यम से अब तक अपरिवर्तित डोमेन को कैप्चर करना है। इस अर्थ में RSGK की भूमिका एक ऐसी भूमिका निभाने के लिए परिकल्पित की जाती है, जो संगीत भवन और रवीन्द्र भवन दोनों के पूरक की हैं। RSGK का निर्माण एक स्वतंत्र स्वायत्त केंद्र के रुप में है।

विश्वभारती के दायरे में स्वायत्त केंद्र, विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा 24 जनवरी 2015 को आयोजित अपनी बैठक में हल किया गया था। अन्य बातों के अलावा परिषद ने अपने प्रस्ताव में कहा: RSGK ''.. विभिन्न शोध को आगे बढ़ाएगा। रवीन्द्रसंगीत से संबंधित रचनाएँ और विश्वभारती के ग्रन्थ विभाग के सहयोग से उनके लेखे भी प्रकाशित होगें ।।''RSGK का संतोषजनक प्रदर्शन पहले और वर्तमान में संकलित वार्षिक विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट में दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन और NAAC की टीम ने भी वर्ष 2015 में RSGK की अपनी पिछली यात्रा के दौरान प्रशंसनीय टिप्पणी की थी।

इन वर्षों में संगीत भवन, जो कला भवन के साथ-साथ, रवींद्रनाथ टैगोर (1919 में) द्वारा स्थापित विश्व-भारती का पहला संस्थान है , टैगोर के संगीत, नाटक और नृत्य के बहुआयामी निर्माण को अंजाम देने वाला मुख्य संस्थान रहा है। यह विश्वभारती के सभी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों को सक्रिय रुप से समन्वित करता है जैसे कि 'उपासना', 'वृक्षरोपन', 'हलकरशन', 'शिल्पोत्सव', 'बसंतोत्सव', 'पौष उत्सव' आदि यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार शिक्षण और अनुसंधान पर्यवेक्षण, संगित भवन में भी किया जाता है।

आरएसजीके के उद्देश्य हालांकि अलग-अलग हैं, फिर भी वे संगीत भवन के पूरक हैं। यह विचार रवींद्रसंगीत (जैसे कि 'कालानुक्रमिक रबींद्रसंगीत' पर विश्व-भारती परियोजना में) के कालक्रम में गहराई से उतरने के लिए है, क्यों और किस परिस्थिति में प्रत्येक गीत ने राष्ट्रवाद, स्वतंत्रता आंदोलन, अंतर्राष्ट्रीयतावाद, अध्यात्मवाद, सार्वभौमिक प्रेम के संबंध में अपनी रचना की थी कुल मिलाकर उद्देश्य यह है कि, RSGK की स्थापना संपूर्ण टैगोरियन फिलॉसफी (अपने संगीत के माध्यम से प्रलेखित) पर ख्यात करने के लिए की गई थी। हमारे ज्ञान का सबसे अच्छा करने के लिए, इस तरह के शोध कार्य विश्वभारती या कहीं और नहीं किए जाते हैं। रवीन्द्र भवन टैगोर की बौद्धिक संपदा के सभी का एक संसाधन केंद्र और भंडार है। इसमें रवींद्रनाथ के पत्र, तस्वीरें, अभिलेखीय अभिलेख और पांडुलिपियाँ हैं। हालाँकि, रवीन्द्र भवन उपरोक्त अनुच्छेद के तहत रवींद्रसंगीत के मुख्य अंश के अधिकारी नहीं हैं। RSGK रबींद्र भवन के साथ मिलकर इस अंतर को भरने का प्रयास करता है।आरएसजीके, हालांकि प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए शुरुआत में शुरु किया गया था- भविष्य में रवीन्द्र भवन जैसे विश्वभारती का एक स्वतंत्र

284 संस्थान होने की परिकल्पना की गई है। अनुसंधान विद्वानों को अन्य भवन से आरएसजीके के साथ-साथ गैर-विश्व-भारती संगठनों से भी आकर्षित किया जा रहा है, जैसे कि रवीन्द्र भवन के मामले में।

अकादमिक गतिविधियाँ :

- फरवरी, 2019: संगीन भवन का शताब्दी समारोह: प्रोफेसर इंद्राणी मुखर्जी की देखरेख और निर्देशन में, टैगोर के ''शाप मोचन", जो संगीत भवन के संकाय और छात्रों द्वारा किया जाता है।
- सितंबर, 2019: रवीन्द्रसंगीत गवेषणा केंद्र द्वारा ''शरातेर अमल महिमा'' का आयोजन, दूरदर्शन केंद्र, शांतिनिकेतन द्वारा प्रसारित की जाने वाली संगीत भवन के संकाय और छात्रों की जीवंत भागीदारी के साथ किया गया था।
- RSGK रवींद्रनाथ के गीतों की कालानुक्रमिक सूची के दस्तावेजीकरण का काम जारी रखे हुए है।
- टैगोर के ब्रह्मसंगीत की कालानुक्रमिक सूचनाओं की तैयारी RSGK की एक और सतत परियोजना है।

अन्य प्रासंगिक जानकारी :

संग्रहालय ने थोड़े समय के भीतर ही रवीन्द्रसंगीत गवेषणा ने रवींद्रनाथ टैगोर के गीतों, नृत्यों और रंगमंच से संबंधित संसाधनों का एक समृद्ध संग्रहालय बनाया है। यह इस विषय पर भविष्य के शोध का एक स्रोत होने का वादा करता है।

पुस्तकालय / पुरालेख पुस्तकालय –

रवींद्रनाथ के संगीत, नृत्य और नाटक की पुस्तकों और लेखों के लिए समर्पित - 1800 पुस्तकें हैं। अभिलेखीय संसाधनों के बीच, प्रमुख आकर्षणों में ''मयार खेला'' की पांडुलिपियाँ शामिल हैं जिनमें कवि की स्वयं की सुधार और नृत्य नाटकों के कुछ गीतों के अनुवाद शामिल हैं।

ऑडियो विजुअल

सेंटर में 75 लॉन्ग प्लेइंग डिस्क और शांतिनिकेतन के 75 सांस्कृतिक त्योहारों के रिकॉर्ड हैं।

भौतिक सुविधाएं

वर्ष के दौरान बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि का विवरण सुविधाएं मौजूदा

सुविधाएँ	मौजूदा सुविधाएँ	नया जोड़ा गया
कैम्पस एरिया	2128.4 sqm/22902 sq .ft	शून्य
म्यूजियम	01	शून्य
एग्जीविसन गैलरी	02	शून्य
लाइब्रेरी/ आर्किवे	01	शून्य
औडियो रुम	01	शून्य
अन्य, नया कैम्पस क्षेत्र	5621 sq.ft	शून्य

विनय भवन

विनय भवन, कला, शिल्प और संगीत आधारित शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान , गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के शैक्षिक दर्शन को बढ़ावा देने के लिए रथिन्द्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित किया गया था। रथिन्द्रनाथ टैगोर ने सरोजिनी नायडू, राजा गोपालचारया और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ 26 दिसंबर, 1946 को इसकी नींव राखी गयी । 1948 में नियमित शैक्षणिक गतिविधियाँ शुरु की गईं। इसके बाद संस्थान को 1951 में एक पूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान के रूप में विकसित किया गया, जिसका नाम विनय भवन/ शिक्षा रखा गया। उसके बाद दो विभागों अर्थात् शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग और योगिक कला और विज्ञान विभाग ने विनय भवन के साथ जोड़ा गया । विनय भवन के एक संस्थान ने टैगोर की शिक्षा की एकीकृत प्रणाली को अपनाया है जिसके माध्यम से एक दूसरे से भिन्न समुदायों को प्रेरित करने के लिए शिक्षा, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और सामाजिक सेवा प्रदान की जा सकती है। संस्थान हमेशा राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति पर चल रही बहस में एक प्रतिबद्ध भागीदार रहा है, या भाग लेने का प्रयास करता है अपनी एक्सटेंशन सर्विसेज विंग के माध्यम से, यह शिक्षा के प्रगतिशील, नवोन्मेष और सर्वोत्तम प्रथाओं के पारस्परिक आदान-प्रदान के लिए समुदायों और पड़ोस के स्कूलों के साथ सहभागिता के लिए सार्थक प्रयास करता है। इस संस्थान के छात्रों को विश्वभारती से जुड़े स्कूलों के साथ-साथ अन्य पड़ोस माध्यमिक विद्यालयों और विश्व के चयनित स्कूलों में अनुभवी और सक्षम गुरुओं के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत बहुत कठोर, गंभीर, निर्देशित और पर्यवेक्षण इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रदान किया जाता है। विश्वभारती ने पश्चिम बंगाल बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई से संबद्ध गांवों को अपनाया। संस्था 19 विशेष स्कूल विषयों में फैले शिक्षण और मूल्यांकन / नवीन शिक्षण में अनुसंधान, प्रयोग और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग के साथ-साथ योगिक कला और विज्ञान विभाग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास पर विशेष जोर देने के साथ विनय भवन की अतिरिक्त विशेषताएं हैं।

शिक्षा विभाग

शिक्षा विभाग की उत्पत्ति, विनय भवन 1948 में एक शिल्प उन्मुख शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान के रूप में है। अपनी स्थापना के समय से ही सिद्धांत और व्यवहार के बीच की खाई को पाटकर शिक्षा का एक गुण बनाना अनिवार्य कर दिया गया है। शिक्षकों का ओरिएंटेशन और प्रशिक्षण, शुरू में शिल्प और बाद में माध्यमिक और मास्टर स्तर के शिक्षकों के लिए, इसकी प्रमुख चिंता का विषय रहा है और समय बीतने और समकालीन मांगों के साथ तालमेल बिठाने में, विभाग ने लगातार काम किया है |बी एड और एम् एड जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को जोड़कर समय बीतने के साथ विभाग ने इसके दायरे को और भी विस्तार कर दिया। एमए (शिक्षा) व्यावसायिक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा की एक उदार धारा के रूप में कार्यक्रम है डॉक्टरल स्तर के अनुसंधान कार्यक्रम इस समय विभाग में गति प्राप्त कर रहे हैं, इसके सम्मानित संकाय ने हमेशा एनसीटीई, एनसीईआरटी और यूजीसी के मॉडल पाठ्यक्रम के राष्ट्रीय शिक्षा नीति और पाठ्यचर्या की रुपरेखा तैयार करने के लिए अपना उल्लेखनीय योगदान दिया है। रचनात्मकता और स्वतंत्रता के टैगोरियन दर्शन से प्रेरित शिक्षाशास्त्र और पाठ्यक्रम में नवाचारों को हमेशा शिक्षा विभाग, विनय भवन में गुणवत्ता शिक्षा की योजना मिला है।शिक्षा का फल, जैसा कि गुरुदेव चाहते थे, विश्वविद्यालयों के परिसरों में सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के लिए उपयोग और सेवा के लिए होना चाहिए। विभाग, अपनी भावना के लिए प्रतिबद्ध है, वह हमेशा समुदाय केंद्रित रहा है। इसे शिक्षक प्रशिक्षण और नवीन तरीकों और पाठ्यक्रम लेनदेन के तौर-तरीकों का समृद्ध अनुभव और विरासत मिली है। अपने शिक्षक प्रशिक्षण के संदर्भ में विभाग की साख को न केवल पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा, शिक्षकों की भर्ती में विनयभवन को तरजीह देकर, बल्कि अपने शिक्षकों की सराहना के माध्यम से देश भर में मान्यता दी गई है। विभाग के विस्तार विंग माध्यमिक विद्यालयों के हेड मास्टर्स और शिक्षकों के लाभ के लिए समय-समय पर विभिन्न इन-सर्विस कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

विभाग अपने संकाय सदस्यों द्वारा की गई और विकसित की गई विज़न डॉक्यूमेंट -2025 के आधार पर भविष्य के लिए अपनी सावधानीपूर्वक योजना के माध्यम से नए उच्च पैमाने पर स्थापित करने के लिए तैयार है। विभाग के भविष्य के विकास के लिए प्रस्तावित कुछ कार्यक्रम और गतिविधियां निम्नलिखित हैं :

- नई शक्ति के साथ विस्तार विंग का पुनरुद्धार।
- प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों रुपों में विभागीय पत्रिका का प्रकाशन।
- आसन्न गांवों में विस्तार गतिविधियों के लिए आरईसी के साथ।
- वर्ष विभागीय क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का।
- मानवीय मूल्यों और युग विचारक बनाने वाले लोगों में अध्ययन के लिए केंद्र की स्थापना।
- उभरते हुए क्षेत्रों और राष्ट्रीय महत्व के विषयों में शोधकर्ताओं और परियोजनाओं का उपक्रम करना।

• कार्यालय और छात्र सहायता सेवाओं का स्वचालन।

यूजीसी / सीएसआईआर/ नेट / स्लेट / और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

क्र.सं.	नाम	वर्ग	यूजीसी - नेट / स्लेट / सेट (शिक्षा) 2019-2020
1	सुभमय रॉय	एम.ए.	नेट
2	सुस्मिता रॉय	एम.ए.	नेट
3	मो. अशरुल हक	एम.ए.	नेट
4	प्रीतम पाइने	पीएचडी	नेट
5	लालटू हल्दर	एम.एड.	नेट और सेट
6	सार्थिक दास	एम, एड.	नेट और सेट
7	सोनिया टुडू	एम.एड.	नेट
8	सुजय कुंडू	एम.एड.	नेट
9	नफीसा सनम	एम.एड.	नेट
10	बंशारी कोली	एम.एड.	नेट
11	सुमित साव	एम.एड.	नेट
12	चैताली घोष	एम.एड.	नेट और सेट
13	सुजान सरकार	एम.ए.	सेट
14	सुमेध मुखर्जी	एम.एड.	नेट
15	काज़ी मसूद हुसैन	एम.ए.	नेट और सेट
16	शुभ्रा सिंह चौधरी	एम.ए.	नेट
17	लक्ष्मी सरकार	एम.ए.	नेट
18	एथेना लेओम लेपच	एम.एड.	नेट
19	बिनता महतो	एम.एड.	नेट
20	अनुपम मंडल	एम.एड.	नेट
21	सैकत साहा	एम.ए.	नेट
22	देबिका जना	एम.एड.	नेट और सेट
23	नंदिता दे	एम.एड.	नेट
24	समसुनिशा खातुन	एम.एड.	नेट
25	सुप्रोवा दे	एम.एड.	नेट
26	आलोक सरकार	एम.एड.	नेट और सेट
27	स्वागता मंडल	एम.एड.	नेट और सेट
28	देबंजलि घोष	एम.एड.	नेट

29	संजय सिंह	एम.ए.	सेट
30	राशमनी कर्मकार	एम.एड.	नेट और सेट
31	नजमुस साकिब	एम.ए.	नेट
32	अविक हलधर	एम.एड.	नेट
33	रिंकू नाथ	एम.ए.	सेट
34	तानिया पाल	बी.एड.	नेट
35	शरदिंदु आदक	बी.एड.	नेट
36	बिनीता भकत	एम.ए.	नेट
37	इंद्रजीत महतो	एम.ए.	नेट
38	स्वीटी ठाकुर	एम.ए.	नेट
39	पायल घोष	एम.एड.	नेट और सेट
40	सुकुमार मंडल	एम.एड.	सेट

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि):

राष्ट्रीय संगोष्ठी होलिस्टिक एजुकेशन पर - शारीरिक मन और आत्मा का सामंजस्य 17/02/2020-18/02/2020

स्वामी सुदर्शनानंद महाराज

डॉ. सुदर्शन मिश्रा

केवल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि अध्यापकों / अनुसंधान विद्वानों द्वारा की गई अध्यक्षता / मूल्यांकन / प्रस्तुति का विवरण।

बेनुधर चिनारा, प्रोफेसर

- एक रिसोर्स पर्सन के रूप में मैंने 'डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी एंड साइकोलॉजिकल टेस्ट' (NLEPT) पर कार्यशाला में भाग लिया, जो कि 25-27 नवंबर, 2019 और 03-05 के दौरान शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा विभाग, NCERT, नई दिल्ली के विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। मार्च 2020 को नई दिल्ली में।
- प्लेनरी स्पीकर के रूप में 'होलिस्टिक एजुकेशन: फाइव फैक्ट्स ऑफ़ ह्यूमेन पर्स्निल्टी विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया। होलिस्टिक एजुकेशन: ह्यूमैनाइज़िंग बॉडी, हार्मोनाइजिंग बॉडी, माइंड एंड स्पिरिट ऑन विमन' नामक संस्था, विश्वभारती 17.18. फरबरी 2020.
- 06-20 सितंबर 2019 के दौरान आयोजित 'रिफ्रेशर कोर्स ऑन टीचर एजुकेशन (इंटरडिसिप्लिनरी)' में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में, शिक्षा विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम द्वारा आयोजित, मैंने दो व्याख्यान दिए: 1: सहयोगी शिक्षण: एक मामला 17 सितंबर 2019 को शिक्षा में समकालीन और

उभरते मुद्दे। 291

- शिक्षा विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम द्वारा आयोजित 'सिम्पोजियम ऑन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2019' में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान- रिफ्लेक्सन ऑफ़ दी ड्राफ्ट एन ई पी 2019.
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धनबाद, झारखंड, द्वारा आयोजित 'इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम' में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में। दो व्याख्यान दिए गए: 1) संक्रमण में NEP 2019: 03 दिसंबर 2019 को मूल्यांकन और मूल्यांकन और शिक्षण 03 दिसंबर, 2018.

कान्हु चरण साहू, प्रोफेसर

- संकाय विकास केंद्र द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में दो व्याख्यान दिए। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद, झारखंड, 1) हायर एडुकेशन : गवरमेंट विथ लीस्ट कॉस्ट और लेस ट्रबल । 2) बेहतर शिक्षक बनना: अनुसंधान और शिक्षा का एकीकरण।

राजर्षि रॉय, प्रोफेसर

1. एक रिसोर्स स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया और पूर्वोत्तर भारत के विशिष्ट संदर्भ के साथ भारत में जनजातीय शिक्षा की स्थिति पर एक महत्वपूर्ण-भाषण दिया: IASE, त्रिपुरा द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में। MAKALAS, कोलकाता द्वारा भारत में जनजातीय शिक्षा पर प्रायोजित: 28 और 29 जुलाई, 2019 को रबींद्र भवन, अगरतला में मुद्दे और चुनौतियाँ, 28 जुलाई और 29 जुलाई, 2019 को दो तकनीकी सत्रों में अध्यक्ष के रूप में कार्यवाहक के रूप में कार्य किया।
2. 9 नवंबर, 2019 को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के शैक्षिक दर्शन और इसकी प्रासंगिकता पर एक विशेष व्याख्यान देने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटी कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित किया गया।
3. शिक्षकों के तनाव और बर्नआउट प्रबंधन पर कुछ व्याख्यान, शिक्षकों के तनाव के लिए रणनीति, और परीक्षा सुधार की मूल बातें: संबंधित मुद्दे 9 और 10 दिसंबर, 2019 को शिक्षक शिक्षा पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में, द्वारा आयोजित, मानव संसाधन विकास केंद्र, उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, एनजेपी, सिलीगुड़ी।
4. एक तकनीकी सत्र में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित 'डॉ. बी.आर. अंबेडकर और शिक्षा ''आधुनिक भारत में डॉ. बीआर अंबेडकर के योगदान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में, 1, 2 फरवरी के दौरान मराठी और विश्वभारती और एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ, विश्वभारती, शांति निकेतन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।'' , लिपिका में 2020 और ''उच्च शिक्षा में एट्रोसिटी: रिभ्यू ऑफ़ द सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट बंगाल सिंस लास्ट हाफ अ डिकेड '।

5. समग्र शिक्षा पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया: 17 से 18 फरवरी, 2020 के दौरान शरीर, मन और आत्मा का सामंजस्य, संयुक्त रूप से विभाग द्वारा आयोजित शिक्षा, शारीरिक शिक्षा विभाग और योगिक विज्ञान एवं विज्ञान विभाग, विनय भवन में 18 फरवरी, 2020 को समापन भाषण दिया।
6. एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और क्षेत्र के स्टिकी, कार्यशालाओं और सामुदायिक लचीलापन के महत्व पर एक विशेष व्याख्यान दिया। सेंटर ऑफ स्किल डेवलपमेंट एंड कैपिसिटी बिल्डिंग, SAIRAD, कोलकाता द्वारा आयोजित रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड SPSS पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम में 26 फरवरी, 2020 को हिस्सा लिया।
7. मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया और दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, कृष्ण कांत हँडिकी स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी में '' शिक्षा और मीडिया में जेंडर सेंसिटिनेसन मीडिया और एन जी ओ की भूमिका पर एक मुख्य नोट भाषण दिया। एक तकनीकी सत्र में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया- भारत के उत्तर पूर्व में लिंग संवेदीकरण: असम के मुद्दे और चुनौतियां, और उक्त संगोष्ठी में 5- 6 मार्च, 2020 मार्च, 2020 NEDFI कन्वेंशन सेंटर, दिसपुर, गुवाहाटी में।

डॉ. श्याम सुंदर बैराग्य, एसोसिएट प्रोफेसर

- समग्र शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता- 18/02/20 पर शारीरिक मन और आत्मा की संगोष्ठी।

डॉ. पार्थ प्रतिम सिकदर, सहायक प्रोफेसर

- 17.10.2019 से 23.10.2019 के दौरान नंदन शांतिनिकेतन, कोलकाता द्वारा आयोजित ललित कला अकादमी में 18 वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में सहायक सहभागिता प्रस्तुति।
- समग्र शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आर्ट एंड एस्थेटिक्स एजुकेशन 'पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया- 18/02/2020 को।

डॉ. सनत कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर

- समग्र तकनीकी शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की- 18/02/2020 को पाठ भवन में आयोजित एक पत्र प्रस्तुत किया: रवीन्द्रनाथ टैगोर का सीखने का निवास ''समग्र शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में- शरीर, मन और आत्मा''।

डॉ. प्रह्लाद रॉय, सहायक प्रोफेसर

- समग्र शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की- हॉलिस्टिक एजुकेशन हार्मोनाइजिंग द बॉडी माइंड एंड स्पिरिट ऑन 18/02/2020 को ''पश्चिम बंगाल में जनजातीय शिक्षा और विकास'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया। 28 जून, 2019 को।

सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान, पिछड़ा वर्ग कल्याण और आदिवासी विकास विभाग, वेस्ट बंगाल द्वारा।

- 29 जून, 2019 को महाली समुदाय की भाषा और संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में रिसोर्स पर्सन के रुप में व्याख्यान दिया गया। महली आदिवासी वेलफेयर सोसाइटी और रवींद्रनाथ टैगोर थियोसोफिकल लॉज (ए ब्रांच ऑफ इंडियन थियोसोफिकल सोसाइटी) द्वारा।
- डॉ, बी.आर अम्बेडकर के एजुकेशनल थॉट पर राष्ट्रीय सेमिनार में रिसोर्स पर्सन के रूप में दिया गया व्याख्यान। 1 फरवरी, 2020। विश्वभारती एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी संघ और अंबेडकर फाउंडेशन, दिल्लीद्वारा आयोजित।
- भारतीय भाषा के शिक्षण की विभिन्न समस्या पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान, 22 फरवरी, 2020। अरबी, मराठी विभाग और हिंदी सेल, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित।

डॉ. चित्रलेखा मैती, सहायक प्रोफेसर

- ''हॉलिस्टिक एजुकेशन हार्मोनाइजिंग द बॉडी माइंड एंड स्पिरिट'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''पेडागोगीकल ट्रांसफॉरमेशन एंड ट्रांसफॉर्मएटिव पेडागोजी'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जो शिक्षा विभाग, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त रुप। 17और18 फरवरी, 2020 को योगकला, विज्ञान, विनय भवन, विश्वभारती।

डॉ. सरिता आनंद, सहायक प्रोफेसर

- समग्र शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''ट्रांसफॉर्मेटिव एजुकेशन: ए इमैनिपेटरी प्रोक्लेमेशन ऑफ इंस्ट्रुमेंटल एंड कम्यूनिकेटिव लर्निंग'' पर प्रस्तुत: 17 -18 फरबरी को आयोजित हॉलिस्टिक एजुकेशन हार्मोनाइजिंग द बॉडी माइंड एंड स्पिरिट, विभाग द्वारा आयोजित शिक्षा, विनय- भवन, विश्व-भारती।
- ''कैम्पस सस्टेनेबिलिटी प्रैक्टिस: विश्वभारती का एक केस स्टडी'' में प्रस्तुत किया गया, जिसमें ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए रोड मैप, पर्यटन विभाग, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से विश्वभारती द्वारा 16 से 18 नवंबर, 2019 के दौरान आयोजित बीरभूम, पश्चिम बंगाल।
- भारतीय समाज में बाल श्रम पर प्रस्तुत पेपर: बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुछ मुद्दे, चिंताएं और चुनौतियां: 3 नवंबर, 2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित चुनौतियां और अवसर।

डॉ. शर्मिला यादव, सहायक प्रोफेसर

- ''हॉलिस्टिक एजुकेशन हार्मोनाइजिंग द बॉडी माइंड एंड स्पिरिट'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा प्रणाली के बारे में पुनर्विचार पर एक पत्र प्रस्तुत किया। 18.02.2020.

डॉ. उमाकांत प्रसाद, सहायक प्रोफेसर

- ''हॉलिस्टिक एजुकेशन हार्मोनाइजिंग द बॉडी माइंड एंड स्पिरिट ''राष्ट्रीय संगोष्ठी में समावेशी शिक्षा पर एक पत्र प्रस्तुत किया- 18.02/2020 को।
- पत्र प्रस्तुत किया- स्टडी वेब ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स लर्निंग इन एंड ऑल न्यू एज (SWAYAM) के लिए, बिनोद बिहारी महतो कोइलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद द्वारा 21 वीं सदी की शिक्षा के अभिनव निर्देशात्मक आचरण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सभी नए तरीकों से सीखना।
- 1 और 2 जुलाई 2019. भारतीय समाज में बाल श्रम पर एक पत्र प्रस्तुत किया: चाइल्ड लेबर इन इंडियन सोसायटी समसूल कंसर्न एंड चैलेंज हिंदी नेशनल सेमिनार ऑन डिवीज़न ऑफ वायलेंस अगेंस्ट चिल्ड्रन चैलेंजिस एंड अपॉर्चुनिटी सामाजिक कार्य । विश्वभारती 3 Nov.2019 को।
- शांतिनिकेतन की सांस्कृतिक प्रथाओं पर एक पत्र प्रस्तुत किया: विश्वभारती द्वारा, 16 से 18 नवंबर 2019 को शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित बीरभूम के आसपास के ग्रामीण पर्यटन के लिए रोड मैप पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सस्टनेबल डेवलपमेंट करना।
- बिनोद बिहारी महतो कोइलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद द्वारा 1/2 जुलाई 2019 को 21 वीं सदी की शिक्षा के अभिनव निर्देशात्मक आचरण पर तकनीकी संगोष्ठी में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

सुश्री सौमी मंडल, सहायक प्रोफेसर

- ''हॉलिस्टिक एजुकेशन हार्मोनाइजिंग द बॉडी माइंड एंड स्पिरिट ''राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। रिकंस्ट्रक्टिंग कंटेंट नॉलेज थ्रू ट्रांसफॉर्मेटिव पेडागोगी ऑफ लैंग्वेज'' पर 17 और 18 फरवरी, 2020 को शिक्षा विभाग, शारीरिक शिक्षा और खेलविज्ञान विभाग और योगिककला और विज्ञान विभाग, विनय भवन, विश्वभारती द्वारा।
- पत्र प्रस्तुत किया - लैंग्वेज लर्निंग अप्रोच ऑफ इक्विटी एंड टुगेदर्नेस थ्रू मल्टीलिंगुअल एजुकेशन: वेरियस प्रॉब्लम ऑफ टीचिंग ऑफ इंडियन लैंग्वेज बहुभाषी शिक्षा के माध्यम से समानता और तन्मयता भारतीय भाषा के शिक्षण की विभिन्न समस्या, 22 फरवरी, 2020 को। अरबी, फारसी, मराठी विभाग और हिंदी सेल, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजना

यूजीसी द्वारा प्रायोजित विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) -डीआरएस को एक राशि के साथ प्रायोजित किया जाता है, जो रु .85 लाख है समन्वयक- प्रो.के. सी. साहू।

शैक्षणिक / विद्वानों या विभाग द्वारा दिए गए अकादमिक भेद के रूप में दिया जाता है (जैसे डीएसए या सीएएस के रूप में मान्यता)।

वर्ष अप्रैल 2019- मार्च 2020 के भीतर प्रकाशन

पाठ्य पुस्तकें i) अन्य पुस्तकें i) मोनोग्राफ iv) शोध पत्र (लेखक), पेपर का शीर्षक, वर्ष जर्नल वॉल्यूम संख्या, पृष्ठ), v) पेपर की संख्या ' समीक्षित पत्रिकाओं: प्रवेश के रूप में: 1. विभागीय प्रकाशन: 2 व्यक्तिगत प्रकाशन: ए)

टू बी इंटरड एज 1- डिपार्टमेंटल पब्लिकेशन — नील

2 - इंडिविजुअल पब्लिकेशन a) सिंगल ऑथर b) जॉइंट ऑथर (ऑफ़ द सेम डिपार्टमेंट

बेनुधर चिनारा प्रोफेसर

- ड्राफ्ट राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 में शिक्षक शिक्षा: चिंताएं। -2019 । यूनिवर्सिटी न्यूज, 12-18 अगस्त, 2019, 57 (32), 7-11। ISSN - 0566-2257.
- बी. राय और बी.डी. चिनारा सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता: सिक्किम का एक मामला। (2019)। इंटरनैशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल स्कॉनस इन्वेंशन, अगस्त 2109, 8 (08.1), 14-22। ISSN (प्रिंट) - 2319-7714.
- बी. डी. चिनारा और डी. सुब्बा डेमोक्रेटिक वैल्यू टेस्ट। (2019)। आगरा: राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक निगम। आईएसबीएन: 93- 87452-91-3.
- बी. डी. चिनारा और के. बदाकशन अनुसंधान गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों में पीएचडी कोर्स कार्य। (2020) विश्वविद्यालय समाचार, 06-12 जनवरी, 2020, 58 (01), 60-64. ISSN - 0566-2257.

राजर्षि रॉय, प्रोफेसर

1. गोप, एल एंड राय, आर (2020)। बी.एड में स्वदेशी शिक्षाशास्त्र का समावेश। पाठ्यक्रम, संथाल समुदाय द्वारा अभ्यास के रूप में। जर्नल ऑफ़ ज़िडियन यूनिवर्सिटी 14 (4), पीपी 689-702। ISSN 1001-2400.
2. मंडल, एस एंड राय, आर। (2020)। माध्यमिक शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम के प्रमुख घटकों का विश्लेषण: विभिन्न पाठ्यक्रमों के उद्देश्य, सामग्री और सीखने के अनुभव। पुरुकाला 31 (32), पीपी 169-176. ISSN 0971-2143.
3. गोप, एल। एंड राय, रोव, आर। (2020)। पूर्वोत्तर भारत में चकमा समुदाय द्वारा प्रचलित सतत विकास के लिए स्वदेशी ज्ञान की पहचान। परिशोध जर्नल IX (III), 4883-4913। आईएसएसएन 2347-6648.

4. मंडल, एस एंड राय, आर (2020)। माध्यमिक शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में नृवंशविज्ञान संबंधी घटकों का समावेश। इंडियन प्लेस नेम्स 40 (56), पीपी 1177-1185 में अध्ययन। ISSN 2394-3114.
5. सरकार, पी. एंड राय, आर। (2019)। उदार शिक्षा प्रणाली में लगे शिक्षकों की मनोवैज्ञानिक स्थिति पर कथित तनाव का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड पेडागोजी XI (1), पीपी 39-61। ISSN: 0975-0797.
6. तिर्की, एन और राय, आर। (2019)। माध्यमिक स्तर के छात्रों को उनके सीखने-शैलियों के संबंध में जीवन-विज्ञान सीखने में मिश्रित योजना पर प्रक्रियात्मक और पारंपरिक निर्देशात्मक रणनीतियों का प्रभाव। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड पेडागोजी XI (1), पीपी 16-30। ISSN: 0975-0797.
7. सरकार, पी. एंड राय, आर। (2019)। क्या व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली में लगे शिक्षकों के मनोचिकित्सात्मक स्थिति पर तनाव का कोई प्रभाव पड़ता है? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (IJRAR), 6 (2), पीपी 928 - 944. ISSN 2349- 5138.
8. सरकार, पी.एंड राय, आर। (2019)। इंजीनियरिंग शिक्षकों के बीच चयनित मनोचिकित्सीय विशेषताओं पर तनाव का प्रभाव। जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 6 (6), पीपी 487- 503. आईएसएसएन 2349-5162.
9. तिर्की, एन. और राय, आर। (2019)। माध्यमिक स्तर के छात्रों को उनके सीखने-शैलियों के संबंध में जीवन-विज्ञान सीखने में संकल्पना 'पर मिश्रित और पारंपरिक निर्देशात्मक रणनीतियों का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड पेडागोजी एक्स (2), पीपीएन। ISSN: 0975-0797.

डॉ. श्याम सुंदर बैराग्य, एसोसिएट प्रोफेसर

- 11 वीं कक्षा के विद्यार्थियों के बीच मार्गदर्शन की जरूरतों पर एक अध्ययन उनके स्ट्रीम्स एंड इंस्टीट्यूशंस टाथपी (यूजीसी केयर जर्नल) के संबंध में; 2320-069। वॉल्यूम 19 (15), पीपी। 172-189 एसराल ए एड के साथ।
- प्रशिक्षुओं का रवैया ई-लर्निंग टू रिलेशन इन बिरभूम और पूर्व मेदिनीपुर जिले में, IJRAR JOURNAL P. 2349-5138 से संबंधित है। खंड 6 (2), पृ. 159-169 नाथ के साथ।
- शुलमैन की धारणा से विज्ञान की अवधारणा (परिष्कृत) आदर्श सहमति (RCM): शिक्षा, भारत एक पत्रिका, शिक्षा पर संवाद की त्रैमासिक रेफरी जर्नल, खंड 8 (2)। रॉय के साथ 2-19। S.pp. 10-53.

डॉ. सनत कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर

- सितंबर 2019. शिक्षण क्षमता, आरएसपी प्रकाशन, सैंकुल, ओडिशा आईएसबीएन 978-93-5396-314-9;
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा के मुद्दे, चुनौतियाँ और सर्वोत्तम अभ्यास, शिक्षा

और संस्कृत में अनुसंधान के राष्ट्रीय स्तर के जर्नल ISSN 2249-5045 Vol-IX अंक- I के साथ एस यादा।

- '21 वीं सदी की कक्षाओं के लिए नवीन निर्देशात्मक रणनीतियाँ', शोध समीक्षा - नेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन एजुकेशन एंड संस्कृत ISSN 2249-5045 Vol-IX जारी- Il एस यादव के साथ।
- समानता बनाम भारत की शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता सिंड्रोम; शोध समीक्षा - नेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन एंड संस्कृत ISSN 2249-5045 Vol-X जारी- I के साथ एस. मंडल।

डॉ. प्रह्लाद रॉय, असिस्टेंट प्रोफेसर

पुस्तक

- शैक्षिक विचार और विश्वभारती, शांतिनिकेतन में रथिंद्रनाथ टैगोर के प्रयोग (दिसंबर 2019) लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन, जर्मनी, आईएसबीएन -978-620-0-49726-0.
- माओ त्से-तुंग के शैक्षिक विचार और समकालीन स्थिति में इसका महत्व (दिसंबर 2019), लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन, जर्मनी आईएसबीएन-978-620-0-48570-0.
- शिक्षा और क्रांतिकारी कार्यों (जनवरी २०२०) में बिरसा मुंडा का योगदान। लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन, जर्मनी आईएसबीएन -978-620-0-50609-2.
- धार्मिक शिक्षा: आवश्यकता, प्रासंगिकता और तुलनात्मक विश्लेषण। (फरवरी, 2020) लैप लैंबर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग। जर्मन, आईएसबीएन-978-620.

डॉ. सरिता आनंद, असिस्टेंट प्रोफेसर

1. कैरियर गाइडेंस के माध्यम से स्कूली छात्रों की लाइफ प्लानिंग एजुकेशन जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर, वॉल्यूम) में प्रकाशित -6, अंक -6, जून, 2019, पीपी -122-127 (ISSN-2349-5162) प्रभाव कारक 5.87. http://www.jetir.org/papers/JETIR 1908169.pdf
2. शिक्षा में गुणवत्ता की अवधारणा: पेशेवर शिक्षक शिक्षकों के लिए योग्यताएं। जिग्यासा: इंटरडिसिप्लिनरी पीयर रिव्यूड रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम -12, मई, 2019, पीपी.62-70 (ISSN: 09747648) http://www.jigyasabhu.com/ की समीक्षा की।

डॉ. शर्मिला यादव, सहायक प्रोफेसर

- मुद्दे, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा में चुनौतियाँ और श्रेष्ठ अभ्यास, शिक्षा और संस्कृत में शोध की विशिष्ट पत्रिका-ISSN 2249-5045 Vol -I2 अंक -डॉ। एस के रथ साथ।
- 21 वीं सदी की कक्षाओं के लिए अनुदेशात्मक रणनीतियाँ, शिक्षा और संस्कृत में शोध की शिक्षा-शिक्षा ISSN 2249-5045 डॉ। एस के रथ के साथ IX अंक- II.

- कक्षा-शिक्षण के लिए शिक्षण-अधिगम रणनीतियाँ शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान ISSNN डॉ. गोपाल सिंह के साथ Vol.9 नंबर 1, 2019 - 2230-9586.

सुश्री सौमी मंडल

- भाषा सीखने के सामाजिक सांस्कृतिक उपकरण के रुप में सहायक भाषा शिक्षण, मीडिया: दक्षिण भारतीय बच्चों पर एक केस स्टडी; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड रिसर्च, ISSN 2249-3352 Vol। IX No-VII -2019.
- समानता बनाम भारत की शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता सिंड्रोम; शोध समीक्षा ।राश्ट्रीय जर्नल ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन एंड संस्कृत ISSN 2249- 5045 Vol-X जारी- I एस के रथ के साथ।

नया कोर्स / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू किया गया कोई अन्य शिक्षण नवाचार

- दो वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम संशोधित और 2 * डीपेडागोगी विषय का परिचय और 1 * जुलाई 2019 से लागू किया गया।

योग कला एवं विज्ञान विभाग

महर्षि देवेंद्रनाथ टैगोर ने शांतिनिकेतन के लिए शांतिनिकेतन आश्रम शुरु किया। तब उनके पुत्र गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने एक ब्रह्मचर्य विद्यालय शुरू किया, जो एक पारंपरिक प्राचीन भारतीय तपोवन शैली का स्कूल था, जहां योगव्यामा अनिवार्य थीं। धीरे-धीरे, यह एक कॉलेज बन गया और अंततः एक विश्वविद्यालय के रुप में विकसित हुआ, जिसे विश्वभारती के रुप में जाना जाता है। शुरुआत से ही, टैगोर एजुकेशनल विचारधारा में योग व्यायम और क्रीड़ा (प्ले) अनिवार्य था। 1951 में, विश्वभारती एक राष्ट्रीय महत्व के साथ एक केंद्रीय विश्वविद्यालय बन गया। नब्बे के दशक के उत्तरार्ध में, भारत सरकार ने योग और मानव चेतना विभाग शुरू करने के लिए विश्वभारती की पेशकश की। किसी तरह, उस समय यह भौतिक नहीं था। 19 मई, 2016 को फिर से एमएचआरडी और यूजीसी ने विश्वभारती को विज्ञान और विज्ञान विभाग शुरु करने की सिफारिश की, जिसे 30.05.2016 को विश्वभारती अकादमिक परिषद में स्वीकार कर लिया गया। अंतत: योग कला और विज्ञान विभाग 15 मई, 2017 को महर्षि देवेंद्रनाथ टैगोर की 200 वीं जयंती के अवसर पर शुरु किया गया है। वर्तमान में योग कला और विज्ञान विभाग बी .एस सी (ऑनर्स l) योगानंद पीजी डिप्लोमा में।

भविष्य में विभाग एम एस सी और पी. एच. डी की पेशकश करेगा।

- योगालसो सर्टिफिकेट कोर्स में योगा और पी.जी. योग थेरेपी में डिप्लोमा (केवल डॉक्टरों के लिए)। भविष्य में विभाग योग व्यायम और संबंधित क्षेत्रों पर एक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र शुरु करेगा।
- योग ग्राम परियोजना जल्द ही (योग ग्राम) योग केंद्र शुरु करेगा
- योग और ध्यान केंद्र
- प्राचीन और पारंपरिक योगिक पाठ्यपुस्तक
- वैज्ञानिक योग प्रयोगशालाएं: अंतर्राष्ट्रीय मानक
- आयुष अस्पताल
- योगिक कला जेरिएट्रिक योग (बुजुर्ग) केंद्र
- दिव्यांगजन योग पुनर्वास केंद्र
- बाल एवं महिला योग पुनर्वास केंद्र
- ड्रग डी एडिक्शन सेंटर

योग भारत का एक प्राचीन समग्र ज्ञान और एक व्यावहारिक विज्ञान है जो मानव अस्तित्व के सभी स्तरों पर एक सामंजस्यपूर्ण एकीकरण का प्रतीक है। योग का सार सबसे पहले वैदिक साहित्य में उपलब्ध है।

योग के सभी पारंपरिक भारतीय स्कूल शरीर और मन की पूर्णता के लिए एक आंदोलन की वकालत करते हैं जो आत्मा और सर्वशक्तिमान की ओर ले जाता है।

उद्देश्यः

1. शास्त्रीय भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रदान करने के लिए
2. योग के वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान करने और योग्य योग विश्व समाज के लिए पेशेवर योग तैयार करने के लिए।
3. उत्कृष्ट योग शिक्षक और शोधकर्ता तैयार करना।
4. स्वास्थ्य, फिटनेस और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए।
5. मनोदैहिक रोगों की रोकथाम, देखभाल और पुनर्वास के लिए योग का अनुप्रयोग।
6. विश्व समाज के भीतर भारतीय संस्कृति, मूल्य शिक्षा, शांति शिक्षा और सद्भाव के विकास के लिए योग का अनुप्रयोग।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

- ''जीवन के लिए शिक्षा और जीवन यापन के लिए'': श्री निमिश पंड्या अध्यक्ष, श्री सत्य साई सेवा संगठन और 27 जुलाई, 2019 को संगोष्ठी व्याख्यान।
- ''योग और मूल्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' भारतीय शिक्षा प्रणाली के मूल्य ''संयुक्त रुप से कैवल्यधाम योग संस्थान, लोनावला महारास्ट्र के साथ 11 और 12 अक्टूबर, 2019 को आयोजित।''
- ''योग इन यूएसए पर संगोष्ठी व्याख्यान'' प्रो. सी.के. चैपल, निदेशक, योगिक अध्ययन लोयोला मेरिमाउंट यूनिवर्सिटी, यूएसए 3 नवंबर, 2019 को।
- डी.पी.ई.एस.एस. और डी.ई., विनय भवन, 17-18 फरवरी, 2020 के साथ संयुक्त रुप से आयोजित समग्र शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: ''शरीर और आत्मा का सामंजस्य स्थापित करना''

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि की अध्यक्षता / मूल्यांकन / प्रस्तुति का विवरण। शिक्षकों / अनुसंधान विद्वानों द्वारा किए गए:

- श्री जोयडेब मंडल, योग थैरेपिस्ट ने भारत के महावाणिज्य दूतावास, चीन द्वारा आयोजित 5 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 की कार्यशाला में प्रस्तुत किया।
- प्रो. समीरन मण्डल शिक्षा शिक्षा महाविद्यालय, योग कार्यशाला बेलूर, पश्चिम बंगाल में रामकृष्ण मिशन।
- योग संस्कृति का ऐतिहासिक विकास'' द्वारा आयोजित योग कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया, जो SOHAM-2020 कॉन्क्लेव ऑन वेलनेस और दीर्घायु श्री सत्यानंद महापीठा, पश्चिम बंगाल द्वारा

आयोजित किया गया था। योग और प्राकृतिक चिकित्सा परिषद। और पसचिंबा आयुर्वेद परिषद, इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, न्यूटाउन कोलकाता में। 7 मार्च, 2019.

- शारीरिक शिक्षा विभाग, UCTC, बहरामपुर, मुर्शिदाबाद, 21 नवंबर द्वारा आयोजित 21 वीं सदी में योग के व्यापक प्रभाव पर सामाजिक प्रभाव पर ICSSR प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया। 2019. श्री अनुराग जायसवाल और मिस. अकाक्षा मित्तल, अतिथि शिक्षक।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएँ :

प्रो. समीरन मंडल:

परियोजना का नाम: "बंगाल में कपिल मुनि की योग विरासत," वैज्ञानिक योगदान का अध्ययन करने के लिए योगिक-वैज्ञानिक महान योगी स्वामी विवेकानंद की। "प्रायोजन एजेंसियां: कैवल्यधाम योग संस्थान, लोनावला, महाराष्ट्र में ज्ञान भागीदार के रूप में। राशि स्वीकृत (निल)।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया गया।

1. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के 50 दिन पहले, पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) हरिद्वार द्वारा योग कार्यशाला, 2 मई, 2019.
2. योग सप्ताह कार्यक्रम
   a. योगा फॉर एल्देरली पीपल्स 15. जून 2020.
   b. योग के माध्यम से जीने की कला 16 जून, 2019.
   c. जेन मेडिटेशन (प्रकाश ध्यान) एंड एक्सकुटिव योग, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एंप्लॉय 17 जून 2019.
   d. बुद्धिस्ट मेडिटेशन (विपासना ध्यान) 18 जून 2019.
   e. योगिक फूड एंड ऑर्गेनिक डाइट वर्कशॉप बाय पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट हरिद्वार विद विश्वभारती अडॉप्टेड विलेज 19 जून 2019.
   f. विश्वभारती नेशनल सर्विस स्कीम वालंटियर योगासना कंपटीशन 20 जून 2019.
   g. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह मंत्रालय आयुषयोग प्रोटोकॉल का अभ्यास पर। 7.00 AM और इंटेरस्कूल योगासन प्रतियोगिता: 18 स्कूल ने स्थानीय समुदाय से, दोपहर 1.30 बजे, 21 "जून, 2019 से भाग लिया।
3. स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त, 2019.
4. 19 अगस्त, 2019 से एक योग टीम स्विट्ज़रलैंड के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम।
5. "आपदा प्रबंधन" राष्ट्रीय खेल दिवस, 29 अगस्त, 2019 को श्री सत्य साई सेवा संगठन द्वारा

आयोजित किया गया।

6. सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम चीनी प्रतिनिधिमंडल द्वारा ''योग डिप्लोमेसी'' व्याख्यान 5 सितंबर, 2019 को
7. 6 सितंबर, 2019. चीना भवन में चीनी प्रतिनिधिमंडल द्वारा ''योग डिप्लोमेसी'' व्याख्यान।
8. 13 अक्टूबर को बीएससी (ऑनर्स) योग अंतिम वर्ष के छात्र कैवल्यधाम योग संस्थान, लोनावला महाराष्ट्र गए।
9. राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान में बीएससी (ऑनर्स) योगा फाइनलईयर स्टूडेंट 1 अक्टूबर, 2019 को गए।
10. राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस, डीएएम अस्पताल शांतिनिकेतन को देखने 25 अक्टूबर, 2019 गए ।
11. विकलांग व्यक्ति अवलोकन के अंतर्राष्ट्रीय दिवस 3 दिसंबर, 2019 को बीरभूम भारतीय पुनर्वास परिसद गए.
12. छात्रों ने 5 जनवरी, 2020 को ऋतंभरा प्राग और संस्कृत जादवपुर विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा आयोजित 'राज योग सम्मेलन' में भाग लिया।
13. राष्ट्रीय युवा दिवस उत्सव 12 जनवरी, 2020 में भाग लिया
14. शास्त्रीय योग कार्यक्रम 'गणतंत्र दिवस अवलोकन 26 जनवरी, 2020 को प्रस्तुत किया गया।
15. शास्त्रीय बेल ध्यान कार्यशाला '18 फरवरी, 2020।
16. छात्रों ने कल्याण और दीर्घायु पर SOHAM-2020 कॉन्क्लेव में भाग लिया सत्यानंद महापीठ, पश्चिम बंगाल योग और प्राकृतिक चिकित्सा परिषद, पशिम बंगाल आयुर्वेद परिषद 7 और 8 मार्च, 2020 को।
17. आयुर्वेद और योग थेरेपी क्लिनिक, (दो / सप्ताह) दीनबंधु एंड्रयूज मेमोरियल अस्पताल द्वारा आयोजित। विश्वभारती, शांतिनिकेतन

विभाग द्वारा शुरु किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

बी.एस.सी. (ऑनर्स) योग CBCS पैटर्न में, जुलाई 2019 से।

अन्य प्रासंगिक जानकारी :

योगिक कला और विज्ञान विभाग पारंपरिक भारतीय संस्कृति के साथ एक ओपन एयर स्कूल है। भविष्य में, एक ''योग ग्राम (एक योग ग्राम)'' आसन, प्राणायाम, क्रिया, मुद्रा और ध्यान के साथ स्थापित किया जाएगा। दीनबंधु एंड्रयूज मेमोरियल अस्पताल में, विश्व-भारती आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक

चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी उपचार पहले से ही यूजी कोर्स के इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत पेश किए जा चुके हैं। व्यावहारिक वर्गों के लिए और इच्छुक आगंतुकों के लिए एक भूनिर्माण उद्यान के साथ विलुप्त हो रहे भारतीय औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों के संरक्षण के लिए विभाग के पास आयुर्वेदिक उद्यान विकसित किया जाएगा।

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग

ब्रह्मचर्यश्रम की स्थापना के बाद शांतिनिकेतन में पेश किए जाने वाले शारीरिक शिक्षा गतिविधियों के पारंपरिक कार्यक्रम, विश्वभारती में शारीरिक शिक्षा में डिग्री कार्यक्रमों को रेखांकित करता है। शारीरिक शिक्षा विभाग अब दो मजबूत बैचलर डिग्री पाठ्यक्रमों, अर्थात् 3-वर्षीय B.A./B.Sc का दावा करता है। (ऑनर्स) फिजिकल एजुकेशन में और 2 साल का B.P.Ed. (टीचर ट्रेनिंग) के बाद 2 साल का मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (M.P.Ed.) कोर्स और Ph.D. कार्यक्रम। शारीरिक शिक्षा में सम्मान स्नातक बनाने में विभाग का उद्देश्य, भविष्य के शिक्षकों को ज्ञान और कौशल में मजबूत नींव प्रदान करना है और एक ही समय में व्यायाम और खेल विज्ञान से संबंधित कैरियर के अवसरों के लिए चयन करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए अवसरों का विस्तार करने के लिए .B.P.Ed। और M.P.Ed. नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (NCTE), भारत के दिशा-निर्देशों के अनुरूप डिग्री कार्यक्रमों की पेशकश की जाती है। इसके अलावा, शारीरिक शिक्षा विभाग ने शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में अन्य अध्ययनों के अलावा व्यायाम और खेल भौतिकी, व्यायाम और खेल बायोमैकेनिक्स, व्यायाम और खेल मनोविज्ञान आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। समाज के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल में बढ़ते महत्व के कारण, विभाग मनोरंजक खेल या फिटनेस खेल या पारंपरिक खेल के रूप में पेश किए जाने वाले शारीरिक शिक्षा में विस्तार कार्यक्रमों पर भी जोर देता है। शारीरिक शिक्षा विभाग का मिशन मानव आंदोलन गतिविधियों के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों की समग्र समझ के साथ अत्यधिक कुशल और ज्ञानपूर्ण शारीरिक शिक्षा पेशेवरों का उत्पादन करना है।

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट एवं गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का नाम।

क्र.सं.	**उत्तीर्ण की तिथि**	**नाम**	**परीक्षा**
1	12.07.2019	ब्यूटी मंडल	यूजीसी-नेट-जून-2019
2	12.07.2019	अंजन कुमार विश्वास	यूजीसी-नेट-जून-2019
3	12.07.2019	प्रकाश रॉय	यूजीसी-नेट-जून-2019
4	12.07.2019	रोहित प्रसाद यादव	यूजीसी-नेट-जून-2019
5	12.07.2019	तापस रजवार	यूजीसी-नेट-जून-2019
6	12.07.2019	नूरकमल सेख	यूजीसी-नेट-जून-2019
7	31.12.2019	अमीनुर रहमान	यूजीसी-नेट-दिसंबर-2019
8	31.12.2019	देवराज भट्टाचार्य	यूजीसी-नेट-दिसंबर-2019
9	31.12.2019	नसीमा खातुन	यूजीसी-नेट-दिसंबर-2019
10	31.12.2019	सुदीप्तो बीरबंशी	यूजीसी-नेट-दिसंबर-2019

विभागीय संगोष्ठी (अध्यक्ष, उपाधि संगोष्ठी, तिथि)

क्रम संख्या	वक्ता	संगोष्ठी का शीर्षक	तिथि
1	1. प्रो.एके बनर्जी, पूर्व कुलपति, कल्याणी विश्वविद्यालय 2. प्रो. एस. भौमिक, जस्ट, जेसोर, बांग्लादेश 3. प्रो. जे.आचार्य, डीन, राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर 4. प्रो. इकराम हुसैन, प्रमुख, शारीरिक शिक्षा विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, यूपी 5. प्रो. पी. देबनाथ, पूर्व प्रमुख, शारीरिक शिक्षा विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता 6. डॉ. काकली बोस, संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता	हॉलिस्टिक एजुकेशन हार्मोनाइज़िंग द बॉडी माइंड एंड स्पिरिट	17-02-2020 – 18-02-2020

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि अध्यापकों / अनुसंधान विद्वानों द्वारा किए गए चेयरिंग / मूल्यांकन / प्रस्तुतीकरण का विवरण:

डॉ. सेन्टू मित्रा

- डॉ. सेन्टू मित्रा ने भाग लिया - ''इफेक्ट ऑफ टू हाई इंटेंसिटी ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन ब्लड लेकटेट लेवल ऑफ फुटबॉल प्लेयर्स'' ट्रेंड्स ईशूज एंड डेवलपमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस ''फुटबॉल खिलाड़ियों ने पोस्ट ग्रेजुएशन गवर्नमेंट के सहयोग से IQAC & डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन श्री चैतन्य महाविद्यालय हाबरा द्वारा आयोजित ''ट्रेंड्स, इश्यूज एंड डेवलपमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट साइंसेज'' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया। कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, बेनीपुर 20 ''सितंबर, 2019 को श्री चैतन्य महाविद्यालय, हाबरा, उत्तर 24 पराना, पश्चिम बंगाल, भारत।
- समग्र शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक वैज्ञानिक सत्र में सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य किया- हॉलिस्टिक एजुकेशन हार्मोनाइज़िंग द बॉडी माइंड एंड स्पिरिट, योग, कला और विज्ञान विभाग, विनय भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा 17 से 18 शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, शिक्षा विभाग और फरवरी, 2020 में विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल में आयोजित ।

विस्तार गतिविधियाँ / विभाग द्वारा आयोजित NSS / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया गया:

क्रम संख्या	गतिविधि	दिनांक	प्रतिभागी
1	फ्रेशर वेलकम	05-08-2019	300
2	फिट इंडिया मूवमेंट राष्ट्रीय स्तर पर जी ओ आई द्वारा शुरू किया गया	29-08-2019	300
3	इंटरनेशनल प्रोग्राम इनॉग्रल शेरोमणि एंड मार्च फास्ट कंपटीशन	29-08-2019	300
4	शिक्षक दिवस समारोह	05-09-2019	300
5	वार्षिक नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर, तेपंतर,सत्कहनिया,वर्धमान ,प. बंगाल	22-02-2020 to 27-02-2020	95
6	गाँधी पुनाग्ह	10-03-2020	250

विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त किए गए शैक्षणिक अंतर एक पूरे (जैसे डीएसए या कैस आदि के रूप में मान्यता): आईएस नंबर डीएसए / कैस

क्रम संख्या	डी एस ए/ सीएएस	नाम	दिनांक
1	एसोसिएट प्रोफेसर (स्टेज 4) से प्रोफेसर (स्टेज -5)	प्रो . अशोक कुमार गुन	15-06-2019 (wef 10-08-2013)
2	असिस्टेंट प्रोफेसर (स्टेज 2) से (स्टेज -3)	डॉ. कल्लोल चटर्जी	15-06-2019 (wef 04-04-2016)

प्रकाशन

प्रो. सुमन्त्र कुमार मण्डल

- ''ए स्टडी ऑफ सेन्टर ऑफ ग्रेविटी इन डिफेरेन्ट फेजेस ऑफ सेलेक्टेड सीकर किक्स''। चन्द्र एस एण्ड मण्डल एस.के। अक्टूबर 2019। अमेरिकन जरनल ऑफ लाइफ साइन्स, खण्ड-7, अंक-4, पृ-75-82. ISSN : 2328-5702 (P); ISSN-2328-5737 (O).
- ''कॉम्पेरिजन विटवीन मेल एण्ड फिमेल ऑन एनगुलर डिस्प्लेसमेन्ट ऑफ लोअर इक्सट्रीमिटिस ज्वाइन्ट्स एण्ड परफोरमेन्स इन शॉटपुट''। इन्टरनेशनल रिसर्च जरनल ऑफ मैनेजमेन्ट सोसियोलॉजी एण्ड ह्युमिनीटिस, इम्पेक्ट फेक्टर : 6.2311, खण्ड : 11, अंक-2 फरवरी 2020, ISSN : 9809 (ऑन लाइन) 2348-9359 (प्रिण्ट), आई सा रा सोलूशन (127-130).

प्रो. समीरन मण्डल

- "सिंगल बोउट ऑफ योगा प्रैक्टिसेस (आसन) इफेक्ट ऑन लॉ फ्रिक्वेंसी (एल एफ) ऑफ हर्ट रेट वेरिअबिलिटी-ए पाइलट स्टडी"। डी. ए. मण्डल एस एण्ड सिंह डी. अक्टू. – दिस. 2019. इण्टरनेशनल जरनल ऑफ मेडिसिन एण्ड पब्लिक हेल्थ, खण्ड-9, अंक-4, पृ. 160-163. डी. ओ. आई : 10.5530/आइ जे एम इ डी पी एच 2019.4.34.
- "इफेक्ट ऑफ टुवेल्भ मिनिट्स रन एण्ड वॉक ऑन प्लेटलेट वेरिएवेल्स"। गड़ाई बी, मण्डल एस एण्ड चटर्जी एस. 2019. इण्टरनेशनल जरनल ऑफ फिजियोलॉजी, न्यूट्रीशन एण्ड फिजीकल एडुकेशन, खण्ड-4, अंक-2, पृ.-358-360. ISSN-2456-0057.

डॉ. कल्लोल चटर्जी

- "ए स्टडी ऑन इफेक्ट ऑफ सिक्स विक्स हाई एण्ड मॉडरेट इन्टेनसिटी इण्टरवल ट्रेनिंग ऑन एनरोबिक कैपेसिटी ऑफ खो-खो प्लेयर्स"। दास एम एण्ड चटर्जी के 2019, कम्प्लीएन्स इंजीयरिंग जरनल। खण्ड-10, अंक-12, पृ. 189-198, संयुक्त लेखक, ISSN-0898-3577.
- "इफेक्ट ऑफ हाई एण्ड मेडेरेट इंटेनसिटी इंटरवल ट्रेनिंग ऑन एरोबिक कैपेसिटी ऑफ खो-खो प्लेयर्स"। दास एम एण्ड चटर्जी के. 2019. इण्टरनेशनल जरनल ऑफ पिजीकल एडुकेशन, स्पोर्ट्स एण्ड हेल्थ। खण्ड-6, अंक-6, पृ. 75-79, संयुक्त लेखक। P-ISSN : 2394-1685E-ISSN : 2394-1693.

डॉ. सेन्टु मित्र

- "इफेक्ट ऑफ एच आइ आइ टी एण्ड एस इ टी ट्रेनिंग ऑन रिपिटेड स्प्रीन्टर एबिलिटी ऑफ फूटबॉल प्लेयर्स"। मण्डल जी एण्ड मित्र एस जुलाई-2019. इण्डियन जरनल ऑफ फिजीकल एडुकेशन, स्पोर्ट्स एण्ड एप्लाइड साइंस, खण्ड-9, अंक-3, पृ. 27-31, ISSN-2229-550X (P), 2455-0175 (O).
- "इफेक्ट ऑफ हाई इंटेनसिटी इण्टरवल ट्रेनिंग ऑन हिमोग्लोबिन कन्सेनट्रेशन ऑफ फूटबाल प्लेयर्स"। मण्डल जी एण्ड मित्र एस. जुलाई 2019. 1 इण्डियन जरनल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, खण्ड-9, अंक-7, पृ-1-2, ISSN : 2249-555X.
- "एरोबिक कैपेसिटी, वाइरल कैपेसिटी, रेस्टिंग हर्ट रेट ऑफ पीजीशनल हॉकी प्लेयर्स : ए कम्परेटिव स्टडी"। सिंह एल बी एण्ड मित्र एस, मार्च 2020, इण्टरनेशनल जरनल फॉर इनवोटिव रिसर्च इन मल्टीडिसिप्लीनरी फिल्ड। खण्ड-6, अंक-3, पृ-216-220, ISSN : 2455-0620.
- "फिटनेस डिमाण्ड्स ऑन पोजीशनल डिफरेन्सेस इन हॉकी : एन एनलिटिकल स्टडी"। सिंह एल बी. एण्ड मित्र एस, मार्च 2020, इण्टरनेशनल जरनल ऑफ क्रिएटिव थॉट्स। खण्ड-8, अंक-3, पृ-3148-3154, ISSN : 2320-2882.

डॉ. अभिजीत थान्दर

- "ए स्टडी ऑन बैट-लिफ्ट इन रिलेशन टू द बैटिंग टेक्नीक ऑफ फ्रंट फूट स्ट्रेट ड्राइव इन क्रेकेट।" थान्दर ए, अप्रैल 2019, इण्टरनेशनल जरनल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, खण्ड-8, अंक-4, पृ. 22-23, ISSN-2277-8179.
- "फास्टेस्ट बॉलिंग डेलीवरी इज एसोसिएटेड विथ सेलेक्टेड काइनेमेटिक फेक्टर्स इन जुनियर पेस बॉलर्स"। थान्दर ए, एण्ड प्रसाद एस.एस. 4/2019. यूरोपियन जरनल ऑफ फिजीकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्ट्स साइंस। खण्ड-5, अंक-3, पृ. 89-95, ISSN : 2501-1235.

नवीन पाठ्यक्रम निर्माण / नयी शिक्षण-प्रणाली विभाग द्वारा लागु किया जाना –

शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम के स्नातक (BA/BSc Hons) और पीएच.डी. कोर्स वर्क के नए पाठ्यक्रम का पुनरावलोकन एवं पुनर्निरीक्षण बाद पाठ समिति द्वारा मंजुर किया गया और इंस्टिट्यूट बोर्ड मिटिंग 01-09-2019. को प्रस्तुत किया गया।

पल्ली संगठन विभाग
(ग्रामीण पुनर्गठन संस्थान)

रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने 'श्रीनिकेतन प्रयोग' के रूप में पल्ली-संगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान) की स्थापना 1922 ई. में की। कालांतर में सभी ने उसकी महत्ता स्वीकार की उसे सराहा। रवीन्द्रनाथ ठाकुर के शब्दों में इस कार्यक्रम का उद्देश्य – ''ग्रामीण भारत के जीवन का पुनरुद्धार करना, उन्हें स्वावलम्बी, स्वाभिमानी, और अपने देश की संस्कृति उसे परंपरा से परिचित कराना तथा उन्हें भोग्य और सशक्त बनाना है ताकि वे आधुनिक संसाधनों को अपनाकर अपनी शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्थिति को ऊपर उठा सके।'' टैगोर का ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्यक्रम चार सिद्धान्तों पर आधृत है – स्व-रुचि, (स्वहित), आत्म गौरव, आत्मनिर्भर तथा कर्म में आनन्द। अभी यह ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान (पल्ली संगठन विभाग) सकिय रुप से आस-पास के गाँवों की स्थिति के सुधार में लगा हुआ है। इसके चार विभाग हैं जो अनुसंधान सुविधाओं के साथ बहुत ही संरचनात्मक शिक्षा प्रदान करते हैं। इन चार विभागों में सम्मिलित हैं – सामाजिक कार्य विभाग, शिल्प-सदन विभाग, ग्रामीण अध्ययन विभाग (पल्ली चर्चा केन्द्र), विस्तृत जीवन अध्ययन विभाग (ग्रामीण विस्तार केन्द्र)। प्रत्येक विभाग को ग्रामीण पुनर्निर्माण के एक सामाजिक लक्ष्य के साथ अपने उद्देश्यों और कार्यों का पालन करना होता है। सभी अपने अपने उद्देश्यों का पूरा करने में लगे हैं। सभी का एक ही उद्देश्य और लक्ष्य है – ग्रामीण पुनर्निर्माण। इन चार विभागों के अतिरिक्त एक संगीत केन्द्र भी है जो आस-पास के गाँव के (विश्वभारती द्वारा गोद लिए गाँव) लड़का-लड़कियों को संगीत की शिक्षा दे रहा है। इनका एक उद्देश्य लोगों तक रवीन्द्र-संस्कृति, संगीत और लोक संगीत का गाँवों में विकास भी है। इस भवन के पास अपना एक पुस्तकालय भी है जिसका संचालन विश्वभारती केन्द्रीय पुस्तकालय के माध्यम से ही होता है। इसके पास प्रचुर मात्रा में विषय की पुस्तकें हैं। महत्वपूर्ण जर्नलस, पत्र-पत्रिकाएँ और समाचार पत्र आते रहते हैं।

अन्तत: यह कहा जा सकता है कि श्रीनिकेतन वह संस्थान है जहाँ सांस्कृतिक आदान-प्रदान यह क्रम रवीन्द्रनाथ के समय से ही चला आ रहा है। इन कार्यक्रमों में समय-समय पर आयोजित पर्व-तौहारों के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय लोग भी बढ़-चढ़ कर भाग लेते रहे हैं। इनमें प्रमुख हैं – हलकर्षण उत्सव, शिल्पोत्सव, वार्षिक श्रीनिकेतन उत्सव और माघ-मेला आदि। इन उत्सवों एवं त्यौहारों में स्थानीय लोगों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का सुअवसर मिलता रहता है और साथ ही एक-दूसरे से सीखने-सिखाने का अवसर मिलता है।

आजीवन ज्ञानार्जन एवं विस्तार का विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र)

आजीवन सिखने और विस्तार का विभाग विश्वभारती के तहत सबसे पुराने विभागों में से एक है। यह रवीन्द्रनाथ टैगोर और श्रीनिकेतन की स्थापना के बाद से ग्रामीणों की स्थितियों में सुधार करने में सक्रिय रुप से लगा हुआ है। वर्षो से विभाग तकनिकी अनुसंधान और विस्तार के माध्यम से ग्रामीण लोगों और उनकी आजीविका के विकास पर जोर दे रहा है। इसके अलावा ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। शुरुआत से ही विभाग जीवन-यापन के सहकारी पद्धति को अपनाने हेतु वकालत की भूमिका निभा रही है। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा परिकल्पित विभाग का एक मात्र उद्देश्य रहा है सार्वजनिक जीवन के हर पहलू में स्थानीय पहल, नेतृत्व और स्थानीय स्व शासन को एकीकृत करना। समाज की बढती मांग को देखते हुए आजीवन सिखने और विस्तार विभाग (आर ई सी) ने कार्य क्षेत्र को बढाया है। जाहिर है कि विभाग ने 50 गाँवों को विस्तार और फील्ड आउटरीच सेवाएँ प्रदान की हैं जो कि ग्रामीण विकास के तहत दो सामुदायिक विकास खण्डों और आठ ग्राम पंचायतों में बंटा हुआ है। 25 मई सन 2019 को दीक्षांत समारोह के अभिभाषण के दौरान हमारे माननीय आचार्य (चांसलर) और भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस पहल की सराहना की और विश्वविद्यालय की एक सौ वर्ष की उपलब्धि के तहत उनकी आशा और अपेक्षा को बढ़ावा देते हुए 2020-21 तक 100 गाँवों में उपरोक्त गतिविधियों को पहुँचाने हेतु एक नयी उम्मीद की किरणें जगाई। इसीलिए वर्तमान समय में विभाग ने 56 और गाँवों की पहचान की है और उनकी गतिविधियों के विस्तारण पर जोर दिया है।

आजीवन सीखन और विस्तार के विभाग ने तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों – शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में आउटरीच कार्यक्रम को अपनाने और बढ़ावा देने हेतु एक एकीकृत दृष्टीकोण को अपनाया है।

शिक्षण अनुसंधान और विस्तार का कार्यक्रम :

1. ग्रामीण प्रबंधन में दो शाल की मास्टर डिग्री
2. नियमित पीएच.डी कार्यक्रम की पेशकश
3. विभिन्न वितपोषण एजेंसिओं द्वारा वित् पोषित नियमित अनुसंधान कार्यक्रम

विस्तार गतिविधिओं पर एक नजर :

ग्रामीण विस्तार केंद्र का परिचालन क्षेत्र :

ब्लॉक कवर किए गए : 2 (दो), 1. बोलपुर-श्रीनिकेतन, 2. इलमबाज़ार

ग्रामपंचायत ; 8 (आठ)

पंचायतों का नाम : बोलपुर के अधीन – श्रीनिकेतन खंड : 1. रायपुर-सुपुर, 2. कंकाली, 3 सात्तोर, 4. कसबा, 5. सियान-मुलुक, 6. रुपपुर, 7. अलबंधा-सर्पलेहना

इलमबाज़ार खंड के अधीन : 8. इलमबाज़ार

कुल गाँवों कवर किए गए : मौजूदा 50 (पचास) तथा धीरे-धीरे और 56 (छप्पन) गाँव को शामिल करने की पहल की गई है।

मौजूदा 50 गाँवों में जाति वर्चस्व के संदर्भ में गाँव के स्वरूप :

1. अनुसूचित जनजाति बहुल गाँवों की संख्या : 09 (नौ)
2. अनुसूचित जाति बहुल गाँवों की संख्या : 04 (चार)
3. अल्पसंख्यक बहुल गाँवों की संख्या : 06 (छ)
4. मिश्रित जात बहुल गाँवों की संख्या : 31 (इकत्तीस)

आर इ सी के विविध एवं बहुमूखी गतिविधिओं में से निम्नलिखित सबसे महत्वपूर्ण है :

ग्रामीण विकास समाज (वि डी एस)

गाँव में स्थित ग्राम विकास समितियों (वि डी एस) के माध्यम से बाहर ले जाने और कार्यान्वित किए जाने वाले गाँव में ग्रामीण पुनस्थापना कार्य विभाग के साथ घनिष्ठ रूप से और सक्रीय रूप से जुड़े हुए हैं। विभाग के अंतर्गत विभिन्न विकास गतिविधियों को तैयार करने तथा जमीनी स्तर पर काम करने वाली विकास समितियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। ग्राम विकास समितियाँ, आजीवन सिखने और विस्तार के विभाग की सेवा का केंद्र विन्दु है। सभी अधीन क्षेत्र के गाँवों को पाँच समूहों के तहत वर्गीकृत किया गया था। इन पाँच समूहों का नाम इस प्रकार है – रथीन्द्र, कविगुरु, प्रतिमा देवी, एल्महर्स्ट और कालीमोहन। और इन सभी समूहों ने अपने-अपने गाँवों में विकासात्मक गतिविधिओं के लिए नियमित अंतराल पर बैठकें की हैं।

इस वर्ष के दौरान निर्माण, विद्युतीकरण, समाज भवनों की मरम्मत तथा एकांत भवनों का पुनर्लेखन, एवं आवश्यक सामग्री की खरीद के लिए वीडीएस को आंशिक वित्तीय सहायता दी गई थी। ग्राम विकास समितियों को स्थानीय लोगों, संसाधनों और संस्थानों को शामिल करके अपने-अपने गाँवों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों, वृक्षरोपण, खेल और अन्य विस्तार कार्यक्रमों के संचालन के लिए आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। फुटबॉल और वॉलीबॉल अपने गाँवों में खेल के प्रचार के लिए ग्राम विकास समितियों के बीच वितरित किए गए। विभाग के विस्तार कार्यक्रमों की योजना के लिए ग्राम विकास समितियों के सभी प्रतिनिधियों के साथ चार केंद्रीय स्तर की बैठक श्रीनिकेतन में आयोजित की गई थी और कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए क्लस्टर स्तर पर विभाग के हितधारकों के साथ बैठक की संख्या आयोजित की गई थी।

विस्तार कार्यक्रमों के लिए विभाग के परिचालन क्षेत्र में अधिक ग्राम विकास समितियों (वीडीएस) को शामिल करने और व्यवस्थित करने के लिए विभाग द्वारा एक नई पहल की गई है।

इस वर्ष विभाग ने कार्तिकडांगा को सम्मानित किया है। नूरपुर और मोहुला ग्राम डेवलपमेंट सोसाइटी ने अपने गाँवों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए अपने स्थानीय उपक्रमों के लिए इस वर्ष ग्राम विकास सोसाइटी ने अपने गाँवों में महामारी COVID-19 की रोक-थाम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। ग्राम विकास समितियों के युवा सदस्य जागरूक लोगों को मास्क पहनने और सामाजिक दूरियों को बनाए रखने के लिए आगे आते हैं। उन्होंने लॉकडाउन अवधि के दौरान अपने गाँवों में गरीब, जरुरतमंद और प्रवासी श्रमिकों के लिए खाद्य सामग्री भी एकत्र की। उन्होंने गाँवों में प्रवासी श्रमिकों के लिए संगरोध केंद्र की भी व्यवस्था की।

ग्राम विकास समितियों पर एक नजर :

ग्राम विकास समाजों के प्रकार	संख्या	कवर किए गए गाँव	सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम
वर्तमान में युवा समाजों के कामकाज	39	50	38
महिला समितियाँ	12	12	10
स्वास्थ्य समाज	01	01	01

महिला समितियाँ (महिला मंच) :

महिला सशक्तीकरण अपने शुरूआती दिनों से ही विभाग के हस्तक्षेप क्षेत्रों में से एक है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए गाँवों में महिला समितियों की जानकारी की आवश्यकता ग्रामीण विस्तार केंद्र की स्थापना के समय से बहुत पहले से महसूस की जा रही थी। महिलाओं के सामाजिक मुद्दों को समझना। महिला समितियों का मुख्य कार्य है। वर्तमान में, विभाग के पास परिचालन क्षेत्र में 12 महिला समितियाँ हैं। महिला सशक्तिकरण के संबंध में विभिन्न प्रकार के जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला समितियों के सक्रिय समर्थन के साथ आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा उन्होंने सन 2019 में श्रीनिकेतन वार्षिक उत्सव के अवसर पर महिला समाबेश में भी भाग लिया।

महिला समितियों पर एक नजर :

महिला समितियों की संख्या	कवर किए गए गाँवों	सोसाइटीज पंजीकरण अधिनियम
12	12	10

ब्रती संगठन :

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के आदर्शों पर आधारित अपने स्वयं के प्रयासों से 9 से 14 वर्ष की आयु के ग्रामीण लड़के और लड़कियों को समूहों में एकत्र किया जाता है और उनके संबंधित गाँवों में कल्याण और विभिन्न अभिनव गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाता है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है :

- ब्रती संगठन के माध्यम से बच्चों के बीच सामुदायिक सेवाओं की भावना विकसित करना।
- ब्रती संगठन के माध्यम से गाँवों में समूह में शारीरिक व्यायाम को बढ़ावा देते हुए बच्चों के शारीरिक

विकास के साथ-साथ मानसिक विकास पर जोर देना।

- बच्चों और समाज के बीच जागरुकता पैदा करते हुए प्राकृतिक संतुलन और पर्यावरण शिक्षा पर जोर देना।
- ब्रती संगठन के माध्यम से समूह की गतिशीलता को त्वरान्वित करते हुए बच्चों में नेतृत्व के गुण विकसित करना।

पिछले वर्ष के दौरान, विभाग ने विभाग के कमांड क्षेत्र के तहत 20 गाँवों में 20 ऐसे ब्रती समूहों का गठन किया है। कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए 5 दिनों के शारीरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पिछले साल की तरह किया गया था। ग्राम विकास सोसाइटियों (VDS) के सक्रिय समर्थन के साथ, और विभिन्न गतिविधियों जैसे कि श्रमदान (श्रम की पेशकश), ड्राइंग प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम और दीवार पत्रिका के प्रकाशन, शिल्प निर्माण और पत्नी संग्रह का आयोजन किया गया।

श्रीनिकेतन में ब्रती दल के बच्चों के लिए ड्राइंग, स्पोर्ट्स, क्राफ्ट मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया था। इसके अलावा 20 गाँवों में नाला, सड़क, नलकूप मंच और तालाब के किनारे आदि की सफाई के लिए स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया। ब्रती दल ने बाल दिवस समारोह के कार्यक्रम में शिरकत की और उन्होंने कार्यक्रम में भी प्रस्तुति दी। इस साल ब्रती दल के नेताओं ने ब्रती कार्यक्रम के बेहतर कार्यान्वयन के लिए श्रीनिकेतन में आयोजित सेमिनार में भी भाग लिया। 6 फरवरी, 2019 को वार्षिक ब्रती-ओ-युवा समावेश के दौरान, श्रीनिकेतन के खेल के मैदान के रंगारंग कार्यक्रम में अपने 25 ब्रती संगठन के साथ 500 ब्रती बच्चों और 40 ब्रती नेताओं के साथ-साथ VDS के प्रतिनिधियों के साथ लाइब्रेरियन, असिस्टेंट लाइब्रेरियन और SHG सदस्यों ने भाग लिया और अलग-अलग प्रदर्शन किया। ब्रती नेताओं और वीडीएस और महिला समितियों के सचिवों को इस अवसर पर उपहार के साथ सम्मानित किया जाता है।

ब्रती संगठन पर एक नजर :

ब्रती संगठन की संख्या			कवर किए गए गाँव	ब्रती सदस्यों की संख्या		
पुरुष	महिला	मिश्रित		पुरुष	महिला	मिश्रित
2	2	21	20	250	250	500

स्वयं सहायिका गोष्ठी (SHGs)

संगठन और पर्यवेक्षण और विकासशील स्वयं सहायिका गोष्ठी (एसएचजी) महिला सशक्तीकरण के लिए विभाग का एक और विशेष कार्यक्रम है। कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार है :

- स्वयं सहायिका गोष्ठी के प्रयास से विशेष रुप से ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाना।

- ग्रामीण महिलाओं के बीच स्वयं सहायिका गोष्ठी के माध्यम से आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भरता की भावना का विकास करना।
- ग्रामीण महिलाओं के बीच बचत की आदतों को विकसित करने के लिए।
- महिलाओं को अपने स्वयं के संसाधनों को इकट्ठा कर उन्हें अपनी आय सृजन के लिए उपयोग करने में सक्षम बनाना।
- ग्रामीण समुदाय में सहयोग और आत्म-सहायता की भावना विकसित करना।

स्वयं सहायिका गोष्ठी पर एक नजर :

विभाग के अधीन कार्यरत स्वयं सहायिका गोष्ठियों की संख्या	गोष्ठियाँ (लिंग के आधार पर)	
	पुरुष	महिला
100	9	91

SHGs के साथ संचलित गतिविधियाँ :

हमारे कमांड क्षेत्र के गाँवों में एसएचजी अपनी नियमित बैठकों के अलावा, बचत, बैंकों के साथ संबंध आदि अपने स्वयं के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए विभिन्न उद्यमी पहल कर रहे हैं। जिसमें से मछली पालन, लघु व्यवसाय, कृषि और लाइव स्टॉक गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस वर्ष, SHG सदस्यों ने स्वास्थ्य और स्वच्छता के विभिन्न मुद्दों पर विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम जैसे स्वच्छ भारत अभियान और जागरुकता कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस वर्ष, SHG के 8 महिला कारीगरों ने अपने हस्तनिर्मित उत्पादों की बिक्री के लिए तथा महिला कारीगरों के लिए पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित सबला मेले में भाग लिया।

ग्रामीण पुस्तकालय सेवाएँ :

ग्रामीण पुस्तकालय सेवा ग्रामीण विस्तार केंद्र की महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक है, जिसके माध्यम से गाँवों में साक्षरता और शिक्षा आंदोलन किया जाता है। इसके अलावा, इस कार्यक्रम का एक अन्य उद्देश्य संबंधित गाँवों में सूचना और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में ग्रामीण पुस्तकालय को विकसित करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्यक्रम 38 ग्रामीण पुस्तकालयों के नेटवर्क के माध्यम से किया गया है, जिसमें राजा राममोहन रे लाइब्रेरी फाउंडेशन (RRRLF) कोलकाता और सक्रिय पुस्तकालयों के सक्रिय और वित्तीय समर्थन के साथ ग्रामीण पुस्तकालयों के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष कार्यक्रम की शुरुआत से ही काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम के उद्देश्य :

- गाँव के पाठकों के बीच नियमित रुप से पढ़ने की आदतें विकसित करना।
- ग्रामीण पुस्तकालय को एक सांस्कृतिक और सतत शिक्षा केन्द्र के रूप में विकसित करना।

- ग्रामीण युवाओं और छात्रों में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास विकसित करना।
- ग्रामीण पुस्तकालय के पाठकों के बीच आधुनिक और उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में सभी अद्यतन जानकारी प्रदान करना।
- नव-साक्षरों के लिए अधिग्रहित साक्षरता कौशल का ध्यान रखें।
- विशेष रूप से सामान्य जन और छात्रों के ज्ञान के आधार को साझा कर, उसे सुदृढ़ बनाए रखने हेतु ग्रामीण पुस्तकालय को एक केंद्र के रूप में विकसित करना।

ग्रामीण पुस्तकालय पर एक नजर :

खण्डों की संख्या : 02

i) बोलपुर-श्रीनिकेतन

ii) इलमबाज़ार

ग्रामपंचायतों की संख्या : 08

कवर किए गए गाँव : 38

ग्राम विकास समितियों की संख्या : 38

कार्यरत पुस्तकालयों की संख्या : 34

स्वास्थ्य के उद्देश्य से उत्कृष्ट पुस्तकालय : 01 (सुरुल स्वास्थ्य समिति)

शिशु पुस्तकालयों की संख्या : 12

शिशुओं की अध्ययन स्थान की संख्या : 01

वरिष्ठ नागरिकों की अध्ययन स्थान की संख्या : 01

कम्प्यूटर की कूल संख्या 11

पुस्तकालय जहाँ इंटरनेट की सुविधा हो : 01

पहल की जा रही नए पुस्तकालय की योजना : 01

पुस्तकों की अवस्थिति :

ग्रामीण पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या : 1,42,578

इस वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की संख्या : 3672

इस वर्ष के दौरान एकत्रित पुस्तकों की प्रतियाँ : 1171

ग्रामीण पुस्तकालयों में पाठकों और ग्रामीणों की संलग्नता :

नामांकित पाठकों की संख्या : 4014 (लगभग)

पुस्तकों का व्यवहार : 16479 (लगभग)

पुस्तकालय की इस वर्ष की गतिविधियाँ :

1. ग्रामीण पुस्तकालयों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम
2. पुस्तकालय दिवस अवलोकन : 15 पुस्तकालय
3. वॉल पत्रिका प्रकाशित हुई : 3 पुस्तकालयों द्वारा
4. ग्रामीण पुस्तकालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गई : 23 पुस्तकालय
5. कुल संगोष्ठी आयोजित : 7
6. कुल क्लस्टर स्तर पर गाँव में संगोष्ठी आयोजित : 20

आरआरआरएलएफ से वित्तीय सहायता के साथ भवन निर्माण : पुस्तकालय 26

बच्चों के लिए पुस्तकालय :

वर्तमान में ग्रामीण विस्तार केंद्र में 12 बच्चों की लाइब्रेरी है, जो इसकी कमान के तहत 12 गाँवों में स्थित है। ये पुस्तकालय बच्चों की पुस्तकों, आनंदपूर्ण शिक्षण सामग्री, खेल सामग्री आदि के साथ सुसज्जित हैं।

ग्रामीण पुस्तकालय सेवाओं की अन्य गतिविधियाँ :

- 35 ग्रामीण पुस्तकालयों को 350 प्लास्टिक की कुर्सी प्रदान करती हैं।
- 108 पुस्तकों का वितरण इस वर्ष प्रत्येक ग्रामीण पुस्तकालय को।
- ग्रामीण पुस्तकालय स्थापित करने के लिए नए गाँव में पुस्तकों कि नमूनों की प्रतियों का वितरण।
- अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के सफल उम्मीदवारों के सत्कार कार्यक्रम में एक टोकन उपहार के रूप में पुस्तकों का वितरण।
- पुस्तकालय पाठकों से संबंधित अपने पुस्तकालयों में विभिन्न अवसरों में सांस्कृतिक कार्यक्रम के संचालन के लिए 23 पुस्तकालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- चरणबद्ध तरीके से सभी ग्रामीण पुस्तकालयों को कंप्यूटर / एस चरण से लैस करने की पहल की गई। इस संबंध में, 07 ग्रामीण पुस्तकालयों के आवेदन को आवश्यक अनुदान के लिए राजा राममोहन लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता को भेजा गया था।

'प्लास्टिक मुक्त गाँव' अभियान

प्लास्टिक मुक्त गाँव अभियान 22/09/2019 को मोहुला गाँव में शुरू किया गया था, जिसमें ग्रामीण पुस्तकालय के पाठक, गाँव के लोग शामिल थे। इस अवसर पर एक रैली का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर एक रैली का आयोजन किया गया और डोर टू डोर अभियान चलाया गया। ग्रामीणों ने

अपने घरों से बाहर आकर प्लास्टिक कचरा जमा किया। इस कार्यक्रम में 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

चलित ग्रामीण स्वास्थ्य क्लिनिक

चलित स्वास्थ्य विस्तार गतिविधियों के तहत एक महत्वपूर्ण पहल यह हुई कि स्वास्थ्य विस्तार गतिविधियों के तहत विभाग ने वर्ष 2013 में एक स्वास्थ्य केंद्र बेनुरिया और रायपुर गाँव में खोला गया है। इस स्वास्थ्य जाँच केंद्र में ग्रामीणों को इन दोनों से मुफ्त दवा के साथ नियमित उपचार की सुविधा मिल रही है।

कृषि विस्तार गतिविधियाँ

यह विभाग आम तौर पर कृषि से संबंधित जागरूकता को बढ़ावा देता है और गाँवों में कृषि-विस्तार के काम में वी.डी.एस. की सहायता करता है। गाँवों में बागवानी को बढ़ावा देने के लिए, श्रीनिकेतन में 9 अगस्त, 2019 को हलकर्षण उत्सव के अवसर पर 25 ब्रती दल, आमल, अमरूद और नींबू की 125 प्रकार के बीजों की आपूर्ति की गई थी।

ग्रामीण पुस्तकालय सेवा कार्यक्रम :

इस कार्यक्रम के तहत विशेष पहल ग्रामीणों द्वारा क्लस्टर आधार पर साहित्य सभा आयोजित किया गया था, ग्रामीण पाठक जहाँ पाठकों के साथ-साथ ग्रामीणों के साथ-साथ ग्रामीणों को विभाग में जमा किया गया था। यह पिछले दो वर्षों से ग्रामीण पुस्तकालय सेवा कार्यक्रम के तहत विभाग की नई पहल है।

निरंतर शिक्षा कार्यक्रम :

इसके तहत निरंतर शिक्षा कार्यक्रम समुदाय की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रकार की जागरूकता और संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे –

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	स्थान	कुल प्रतिभागी	संयुक्त संस्थान / सम्मानीय विषय प्रवर्तक
1.	योगिक फुड एण्ड ऑर्गेनिक फार्मिंग कैम्प	विनयभवन	102	योगिक कला और विज्ञान विभाग, विश्वभारती
2.	निबंधन नियोजिता स्वच्छता	श्रीनिकेतन	35	14 विद्यालय
3.	स्वच्छता ही सेवा कैम्पेन	श्रीनिकेतन सामुदायिक भवन	275	VDS और उच्च विद्यालय

लोक सांस्कृतिक गतिविधियाँ :

पारंपरिक लोक संस्कृति को पुनर्जीवित करने और ग्रामीण क्षेत्रों में इस पारंपरिक परिसंपत्ति के

माध्यम से रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना लिए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। गाँव विकास समितियों के सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। वर्ष के दौरान, ग्रामीण विस्तार केंद्र ने ग्रामीण लोक कलाकारों के साथ सक्रिय भागीदारी के साथ लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। श्रीनिकेतन माघ मेला (2020) के दौरान, ग्रामीण विस्तार केंद्र ने ''लोको संस्कृतिर आशोर' नामक कार्यक्रम में हिस्सा लिया जहाँ 5 अलग-अलग गाँवों के 30 लोक कलाकारों ने भाग लिया गया। इस साल, ग्राम विकास समितियों की अधिक से अधिक संख्या में अपने संबंधित गाँवों में विभिन्न लोक मनोरंजन कार्यक्रमों को व्यवस्थित करने के लिए आंशिक वित्तीय सहायता प्राप्त की। उन लोक कलाओं में वाडू, हरिनाम, यात्रा, कीर्तन उल्लेखनीय हैं। इस साल नबान्न उत्सव काकुटिया गाँव में मनाया गया है जहाँ 200 प्रतिभागियों को विभाग के कमांड क्षेत्र से लिया गया था। इस अवसर पर गाँव विकास समितियों के प्रतिनिधियों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। इस वर्ष कीर्तन-उत्सव का आयोजन विभाग ने आनन्दमयी समिति के साथ मिलकर सुरुल, श्रीनिकेतन, पाकुड़तला में किया। पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों के कुल 09 कलाकारों ने 9 दिनों में कीर्तन उत्सव में अपनी कीर्तन गीत प्रस्तुत किया। लगभग 1000 भक्तों और विभिन्न गाँवों और क्षेत्र के अन्य लोगों के पास प्रत्येक दिन भाग लेने के लिए आए।

शिल्प संवर्धन कार्यक्रम :

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक शिल्प गाँवों का संवर्धन और पुनरुद्धार है। ग्रामीण विस्तार केन्द्र ने सन 2001 से शिल्प संवर्धन कार्यक्रम चलाया है, जो ग्रामीण शिल्पकारों के बीच उद्यमिता विकास का एक हिस्सा है। शिल्पकार विभिन्न शिल्पों जैसे बांस के काम, लाइ पर आधारित हस्तशिल्प, तार, मिट्टी, जूट का काम, कागज की लुगदी, शोला पिट, चमचे के काम, कान्ना सिलाई, घास का काम, पिपली आदि में लगे हुए हैं। इस वर्ष, ग्रामीण विस्तार केन्द्र ने महत्त्वपूर्ण अवसरों जैसे पौष मेला 2019, श्रीनिकेतन माघ मेला 2020 मे दौरान ग्रामीण कारीगरों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री काउंटरों का आयोजन किया है।

अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह (8 से 14 दिसंबर 2019 तक), के अवसर पर, विभाग द्वारा ग्रामीण शिल्पकारों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। डी.आई.सी, सूरी और शिल्पसदन के संसाधन व्यक्तियों ने सरकार की विभिन्न योजनाओं, उत्पादों के अंकन और ग्रामीण शिल्पकारों के ज्ञान और कौशल जैसे विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में आस-पास के गाँवों के कुल 76 ग्रामीण शिल्पकारों ने भाग लिया।

विस्तार गतिविधियों पर रेडियो कार्यक्रम के लिए विशेष पहल :

इस वर्ष रायपुर गाँव की श्रीमती मलिका दास ने श्रीनिकेतन में शिल्पोत्सव के अवसर पर जूट और पेपर आर्ट क्राफ्ट के लिए सममानित किया। स्रीनिकेतन में शिल्पसदन प्रदर्शनी में सभी ने कागज और जूट के काम की बहुत प्रशंसा की।

विस्तार गतिविधियों पर रेडियो कार्यक्रम के लिए विशेष पहल :

गाँव के दूरस्थ भाग में संचरण के लिए विभाग में विभिन्न विस्तार कार्यक्रम की रेडियो रिकॉर्डिंग के लिए विशेष पहल शुरु की गई, ताकि गाँवों विद्यासागर के लिए प्रत्साहन मिले। अभी तक 2019-20 के दाँतन रेडिओ के अलग से कई कार्यक्रम रिकॉर्ड किए गए और प्रचारित किए गए है। यह पहल आकाशवाणी, शांतिनिकेतन से हुई।

दृश्य-श्रव्य यूनिट की गतिविधियाँ :

विभाग के पास एक अलग दृश्य-श्रव्य यूनिट है। यह यूनिट स्टील और वीडियो फोटोग्रॉफ प्रदान करने और सभी कार्यक्रमों के प्रलेखन के लिए उत्तरदायी है। पौष मेला के दौरान इस यूनिट ने विभाग की गतिविधियों पर एक प्रदर्शनी प्रस्तुत की थी।

महत्त्वपूर्ण घटनाओं / दिनों का समारोह

- विभाग ने श्रीनिकेतन के पहले निदेशक – लियोनार्ड नाइट एल्महर्स्ट का 127वाँ जन्मदिवस मनाया। इस अवसर पर, प्रो. अमित कुमार हाजरा ने एल.के. एल्महर्स्ट पर एक विशेष व्याख्यान दिया जिसमें कार्यक्रम में स्टाफ सदस्यों सहित ग्राम विकास समितियों के 36 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- दिनांक 30.09.2019 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए श्रीनिकेतन सामुदायिक भवन में धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम का आयोजन दिया गया। कुल 97 माध्यमिक और उच्चमाध्यमिक छात्रों ('ए' ग्रेड) को शांतिनिकेतन ट्रस्ट द्वारा प्रदान किए गए शब्दकोश से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- पाँच गाँवों में बाल दिवस मनाया गया। बालदिवस के अवसर पर समूह स्तरीय गाँवों के बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता और संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- ग्रामीण पुस्तकालयों द्वारा दिनांक 20.12.2019 को पुस्तकालय दिवस मनाया गया। ग्रामीण पुस्तकालयों ने विभिन्न पोस्टर, चार्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ जागरुकता कार्यक्रमों, गाँवों की रैली के आयोजन के माध्यम से दिन मनाया था।

संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलन / विनिमय / प्रदर्शन / यात्रा कार्यक्रम :

गोयालपाड़ा गाँव में अपने अनुभव साझा करने के लिए जलकुंभी से उर्जा पर सामुदायिक अग्रणी कार्यक्रम का आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, पुणे, महाराष्ट्र के प्रतिनिधि उपस्थित थे और उन्होंने गाँव की गतिविधियों की सहना की। यह विश्वभारती के सहभागिता परियोजना थी।

पाठभवन के 9वीं कक्षा के छात्रों ने अपने अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए विश्वभारती का दौरा किया। उन्होंने प्रो. अमित हाजरा द्वारा आयोजित टैगोर और ग्रामीण पुनर्निर्माण के आर्थिक विचारों पर एक संगोष्ठी में भाग भी लिया।

सेन्ट्रल कॉटेज इंडस्ट्री कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, कोलकाता के प्रबंध के साथ एक विनिमय कार्यक्रम का आयोजन विभाग में किया गया। कार्यक्रम में निगम द्वारा उत्पादों के विपणन अवसरों के बारे में चर्चा करने के लिए आस पास के गाँवों के ग्रामीण शिल्पकारों ने भाग लिया।

अनुबंधन विकास

आजीवन सीखने ऑर्ट विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र) विश्वभारती निम्नलिखित संसाधनों के साथ संबंध विकसित कर रहा है।

- राजा राममोहन राय पुस्तकालय संस्था, कोलकाता, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार।
- आकाशवाणी, शांतिनिकेतन।
- खण्ड विकास कार्यालय, इलमबाज़ार, बोलपुर-श्रीनिकेतन।
- खण्ड प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बोलपुर-इलमबाज़ार।
- डी.आईसी, सूरी, बीरभूम।
- सेन्ट्रल कॉटेज इंडस्ट्री कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, कोलकाता।

संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलन में भाग लिया

प्रो. अमित कुमार हाजरा

- मुख्य प्रवक्ता और अध्यक्ष। दिनांक 17.07.2019 को 'न्यू मीडिया और समकालीन समाज पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। स्थान- व्ययस्क निरंतर शिक्षा और विस्तार विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता।
- ए.के. दासगुप्त योजना व विकास केन्द्र (नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एक केन्द्र) द्वारा दिनांक 03.08.2019 को आयोजित सामाजिक विभाग में अनुसंधान पद्धति कार्यशाला'' में व्याख्यान दिया।
- दिनांक 07.09.2019 से 08.09.2019 को जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान व मानविकी सम्मेलन मे हिस्सा और ''ट्रांस ट्रेन्सपेरन्सी इन ट्रेडिशन वेस्ट बंगाल पंचायत टुडे'' से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 20.09.2019 को आई.आई.एस.टी में डी.एस.टी.-आई.आई.टी सोलर पी.पी. हब की तकनीकी समीक्षा समिति में भाग लिया।
- प्रपत्र प्रस्तुत ''रिजेनरेशन ऑफ रूरल इंडिया : पर्स्पेक्टिव, इशूज़ एण्ड दी वे फॉर्वड'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजक- ग्रामीण दृष्टि एवं आदिवासी विकास (ए.टी.आर.टी.डी) रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द शैक्षिक अनुसंधान संस्थान और दिलांग कृषि विज्ञान केन्द्र। दिनांक 25.09.2019 से 26.09.2019।

स्थान- रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोटबादी, राँची।

- स्वच्छता अभियान के तहत स्थानीय समुदाय को लेकर ''स्वच्छता ही सेवा'' दिवस का आयोजन। दिनांक-30.09.2019. स्थान-विश्वभारती।
- ''इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रोड मैप फॉर दी डिवेलपमेन्ट ऑफ रुरल टुरिज़म इन एण्ड एराउण्ड बीरभूम'' में दिनांक 16.11.2019 को एक सत्र की अध्यक्षता की। आयोजक- पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से विश्वभारती। दिनांक- 16.11.2019 से दिनांक- 18.11.2019 तक।
- दिनांक 27.11.2019 से दिनांक 30.11.2019 तक के दौरान के आई.आई.टी. भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित 9वें आरकॉ एस.डब्ल्यू.एस.सी.ई. अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषित परियोजना 'बी.ई.एफ.डब्ल्यू.ए.एस. बायोलजी फर्टिकल्चर एण्ड क्लीन वाटर क्राप अन्वेंसिंग माइक्रोफैटस' के अंतर्राष्ट्रीय भागिदारी की वार्षिक प्रगति समीक्षा बैठक में भाग लिया। दिनांक- 13.12.2019 से 15.12.2019 तक। स्थान- मुंबई, महाराष्ट्र।
- दिनांक 18.01.2020 से 19.01.2020 के दौरान, सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नई दिल्ली और भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण नई दिल्ली के सहयोग से ''सोशल वर्क इन्टर्नस विथ एल्डर्ली कम्यूनिटी एन्गेजमेन्ट, शोशल रिस्पान्सविलिटी एण्ड सोशल वर्क संस्थान पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में समापन भाषण दिया।
- दिनांक 13.01.2020 से 22.01.2020 के दौरान प्रबंधन व प्रसारण विभाग, अलीगढ़ विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा ''एथनाग्राफी एण्ड पी आर ए/पी.एल.ए. अप्रोच, इन क्वालिटेटिव रिसर्च'' शीर्षक से इन ए 10 ऑन रिसर्च मेथडलजी फोकसिंग प्राइमेरली ऑन क्वालिटेटिव एस्पेक्ट ऑफ रिसर्च पर आयोजित गोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रुप में कार्य किया और व्याख्यान दिया।
- दिनांक 13.03.2020 से दिनांक 15.03.2020 के दौरान जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा ''सस्टेनबल वाटर रीसॉर्स मैनिजमन्ट अंडर चैन्ज्ड क्लाइमिट'' अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और ''कम्यूनिटी मैनजड ड्रिंकिंग वाटर सॉर्सस : सम इन्टरिस्टिंग फेमस फ्राम नार्थ 24 परगना एण्ड साउथ 24 परगना डिस्ट्रिक्ट इन वेस्ट बंगाल'' शीर्षक से प्रपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. सुजित कुमार पाल

- दिनांक 20.07.2019 से दिनांक 21.07.2019 के दौरान एमजीएनसी ऑफ आर.ई., उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विभाग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा पर आयोजित दो दिवसीय एष्ट्रीप सम्मेलन में भाग लिया।
- दिनांक 03.01.2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती द्वारा प्रिवेन्शन ऑफ वाइअलन्न्ल

अगेन्स्ट चिल्ड्रेन ; चलिन्जस एण्ड आपर्टूनिटी'' पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक सत्र की अध्यक्षता की।

- 20.09.2019 को संकाय विकास केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'सामाजिक विकास के लिए विज्ञान या प्रौद्योगिकी' के तहत दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के व्याख्यान हेतु आमंत्रित।
- दिनांक 20.07.2019-21.07.2019 को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हैदराबाद में आयोजित 'ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन' में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

डॉ. शुभ्रांशु साँतरा

- 30.11.2019-01.12.2019 के दौरान ढाका विश्वविद्यालय, मोनाश विश्वविद्यालय, प्रोटिक और ओएक्सफ़ैम बांग्लादेश द्वारा आयोजित तकनीकी हस्तक्षेप-2019 का उपयोग करते हुए 'नर किसान समूह द्वारा नई तकनीक का प्रयोग : पश्चिम बंगाल सुंदरबन पर एक अध्ययन', आपदा प्रबंधन और सामुदायिक लचीलापन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अभिभाषण प्रदान किया।
- 14.09.2019-15.09.2019 के दौरान इस्लामिक यूनिवर्सिटी बांग्लादेश कुश्टिया-7003 में 'सामाजिक अशांति, शांति और विकास पर 7वें ICDAP द्वीवार्षिक सम्मेलन' पर एक सत्र के लिए अध्यक्ष को आमंत्रित किया गया।
- 14.09.2019-15.09.2019 के दौरान इस्लामिक यूनिवर्सिटी, बांग्लादेश, कुश्टिया-7003 पर सामाजिक अशांति, शांति और विकास पर 7वें ICSDAP द्विवार्षिक सम्मेलन में अंदामान और निकोबर द्वीपसमूह में NFSA के कार्यान्वयन की स्थिति : ''उचित मूल्य की दुकान की निष्पक्षता'' पर एक पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 25.09.2019-26.09.2019 के दौरान PSB, विश्वभारती और HAST & RD द्वारा आयोजित झारखली में एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार-मनरेगा के प्रभाव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

प्रो. अमित कुमार हाजरा

- वन संसाधनों का विकास : भारत में जनजातीय अर्थव्यवस्था के लिए क प्रोत्साहन, अमित कुमार हाजरा और ए. मंडल (अक्षर प्रकाशन, कोलकाता, द्वारा प्रकाशित), (2019), आईएसबीएन : 978-81-922916-1-1.

प्रो. सुजित कुमार पाल

- महिला और विकास, सुजीत कुमार पाल और अनिंद्य मित्र (एम्पायर बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित), (2009), ISBN 978-93-88249-74-4.

- घरेलू हिंसा एक मुक्त रहस्य ; महिलाओं के जीवन युद्ध के समस्या को समझते हुए, कल्लोल दास और सुजीत कुमार पाल (एम्पायर बुक्स इंटरनेशनल नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित), (2019), P. 88, ISBN 978-93-88249-74-4.
- कन्याश्री के माध्यम से बालिका शिक्षा : सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक रणनीति, अनिंद्य मित्र, सुजीत कुमार पाल (महिला और विकास पर संपादित वॉल्यूम में प्रकाशित), (प्रकाशक एम्पायर बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली), (2009), P. 130, ISBN 978-93-88249-74-4.
- "शेल्फ वेल्बीइंग : एन इमरजिंग कान्सेप्ट अमान्ग इंडियन वुमेन", अनिन्दिता गुप्ता और सुजित कुमार पाल (प्रकाशित, महिलाएँ और विकास के संपादित खंड में), (प्रकाशक- एम्पायर बुक्स इण्टारनेशनल, नई दिल्ली), 2019, P. 151, ISBN-978-93-88249-74-4.

डॉ. शुभ्रांशु साँतरा

- फेर्नस ऑफ फेयर प्राइस शॉप : स्टेटस ऑफ इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ एन एफ एस ए इन अंदामान व निकोवर द्वीपसमूह, (आईसीएसटी व इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ बंग्लादेश), (2019), (अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेन्स प्रोसिडिंगज)।
- चरण-I; क्वॉर्टर-III : कन्फरन्ट इवैल्यूऐशन ऑफ इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ एन.एफ.एस.ए. 2013 इन इस्ट सिक्किम डिष्ट्रिक्ट ऑफ सिक्किम, उपभोक्ता कार्य, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, https://nfsa.gov.in/portal/concurrent_Evaluation.
- चरण-3; क्वॉर्टर-IV : कन्करन्ट इवैल्यूऐशन ऑफ इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ एन एफ एस ए 2013 इन वेस्ट सिक्किम डिस्ट्रिक्ट ऑफ सिक्किम, उपभोक्ता कार्य, खाद्य सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, खाद्य व सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, http://nfsa.gov.in/portal/concurrent_Evaluation.
- चरण-I; क्वॉर्टर-II : कन्करन्ट इवैल्यूऐशन ऑफ इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ एन.एफ. एस.ए.-2013 इन नार्थ एण्ड मिडल अंदामान डिस्ट्रिक्ट ऑफ अंदामान व निकोवर द्वीपसमूह, उपभोक्ता कार्य, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्रालय; खाद्य व सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, (2019), https://nsfa.gov.in/portal/concurrent_Evaluation.
- चरण-I; क्वॉर्टर-III : कन्करन्ट इवैल्यूऐशन ऑफ इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ एन.एफ.एस.ए.-2013 इन नार्थ एण्ड मिडल अंदामान डिस्ट्रिक्ट ऑफ अंदामान निकोवार द्वीपसमूह, उपभोक्ता कार्य, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, खाद्य व सार्वजनिक वितरण विभाग भारत सरकार, (2019), https://nfsa.gov.in/portal/concurrent_Evaluation.
- चरण-I, क्वॉर्टर-IV : कन्करन्ट इवैल्यूऐशन ऑफ इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ एन.एफ.एस.ए.-2013 इन साउथ अंदामान डिस्ट्रिक्ट ऑफ अंदामान व निकोवर द्वीपसमूह, उपभोक्ता कार्य खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्रालय खाद्य व सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, (2019),

https://nfsa.gov.in/portal/concurrent_Evaluation.

- चरण-III; क्वॉर्टर-I : कन्करन्ट इवैल्यूऐशन ऑफ इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ एन.एफ.एस.ए.-2013 इन साउथ अंदामान डिस्ट्रिक्ट ऑफ अंदामान व निकोवर द्वीपसमूह, उपभोक्ता कार्य खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्रालय खाद्य व सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, (2019), https://nfsa.gov.in/portal/concurrent_Evaluation.
- चरण-II; क्वॉर्टर-II : कन्करन्ट इवैल्यूऐशन ऑफ इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ एन.एफ.एस.ए.-2013 इन साउथ अंदामान डिस्ट्रिक्ट ऑफ अंदामान व निकोवर द्वीपसमूह, उपभोक्ता कार्य खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्रालय खाद्य व सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, (2019), https://nfsa.gov.in/portal/concurrent_Evaluation.
- चरण-II; क्वॉर्टर-III : कन्करन्ट इवैल्यूऐशन ऑफ इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ एन.एफ.एस.ए.-2013 इन साउथ अंदामान डिस्ट्रिक्ट ऑफ अंदामान व निकोवर द्वीपसमूह, उपभोक्ता कार्य खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्रालय खाद्य व सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, (2019), https://nfsa.gov.in/portal/concurrent_Evaluation.
- क्लासरुम इन्वाइरन्मन्ट एण्ड क्वालिटी डिलिवरी इन प्राइमरी एडुकेशन : ए स्टडी इन मुस्लिम मजारिटी रिलिजस ऑफ वेस्ट बंगाल, एस. सॉंतरा और तन्मय पाल, थिंक इंडिया जर्नल, 22 (14), (दिसंबर 2019), पृ. 49-61. आईएसएसएन : 0971-1260.
- इन्सिडन्स ऑफ क्राइम एण्ड परेन्टल बिहेव्यर फॉर कैरिकचर विल्डिंग्स समंता इंटरनैशनल जर्नल ऑफ पीस, एजुकेशन एण्ड डिवेलपमन्ट, 7(1), (जून 2019), पृ. 01-07, आई.एस.एस.एन. 2321-9807.

वर्तमान में चल रही शोध परियोजनाएँ :

प्रो. अमित कुमार हाजरा

क्रमांक	शीर्षक	वित्तपोषण अभिकरण	अवधि	अनुदान / संगठन राशि (लाख रु.)	पी आई / को पी आई
1.	डिवलपमेंट ऑफ रुरल प्राईमरी मॉडल स्कूलस इन बीरभूम डिस्ट्रिक्ट : ए चैलिन्जस ऑफ प्रोभाइडिंग क्वाल्टी एजुकेशन फॉर ऑल।	एसएसए, बीरभूम, पश्चिम बंगाल सरकार	8.40 लाख	पूर्ण संगठित	पी.आई.

क्रमांक	शीर्षक	वित्तपोषण अभिकरण	अवधि	अनुदान / संगठन राशि (लाख रु.)	पी आई / को पी आई
2.	शोसिय-ईकनामिक सर्वे – शोसल इम्पैक्ट असेस्मेन्ट ऑफ 8 नं. ऑफ रिलिजस, फैलिंग विथइन दी माइन बाउन्ड्री ऑफ खगरा जयदेव कोल माइन, पी.एड. इब्राजपुर, डिस्ट्रिक्ट बीरभूम विच लीड टू बी रीहबिलटैटड एण्ड रीलोफैट्ड।	दामोदर वैली कार्पोरेशन, खागरा जयदेव संसाधन प्राइविट लिमिटेड कोलकाता, पश्चिम बंगाल की ओर से	14 लाख	10.5 लाख	को पी.आई.
3.	डिवेलपमन्ट एण्ड इन्टग्रेशन ऑफ बाइअमैस एण्ड कान्सन्ट्रेटिंग फोटोवाल्टेइक सिस्टम फॉर रुरल एण्ड अर्बन एनर्जी ब्रिज : बायो सीपीटी इंडो-यूके बी यू आर डी प्रोजेक्ट	विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	2.70 क्रोड़	पूर्व संकलन	को-पी.आई.
4.	डिवेलपमेंट, रिसर्च एण्ड पाइलट स्कैल इन्स्टलैशन ऑफ सोलर-हाइड्रो पम्पड स्टोरेज स्कीम इन ए रीमोट विलेज ऑफ असम टू एन्युर 24×4 इलेक्ट्रिसिटी	विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	2.69 करोड़	अभी प्रारम्भ हुआ	को-पी.आई.
5.	बायोएनर्जी फर्टलाइज़र एण्ड क्लीन वाटर फ्रम इन्वैसिव अक्वैटिक मैक्रोफाइटस (बी.ई.एफ.डब्ल्यू.ए.एम.)	बीबीएसआरसी, जीसीआरएफ, यूके	17 करोड़	अभी प्रारम्भ हुआ	को-पी.आई.
6.	डिवेलपमेंट, रिसर्च एण्ड पाइलट स्कैल इन्स्टलैशन ऑफ सोलर-हाइड्रो पम्पड स्टोरेज स्कीम इन ए विलेज ऑफ मणिपुर टू एन्शुर 24×7 इलेक्ट्रिसिटी।	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी) व एनबीआईआरटी	260.67		को-पी.आई.

क्रमांक	शीर्षक	वित्तपोषण अभिकरण	अवधि	अनुदान / संगठन राशि (लाख रु.)	पी आई / को पी आई
7.	वूमनस फेमिली बैस्ड आन्ट्रप्रनर्शिप इन वेस्ट बंगाल	यूएसए फेडेरल सरकार वाया स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ नीवास्क, क्लफिलन यूएसए	20.31		आमंत्रण प्रबंध (भारत नेतृत्व)

प्रो. सुजित कुमार पाल

क्रमांक	शीर्षक	वित्तपोषण अभिकरण	अवधि	अनुदान / संगठन राशि (लाख रु.)	पी आई / को पी आई
1.	एन्हैन्समन्ट एण्ड सिक्युटिंग वुमन एण्ड चाइल्ड हेल्थ थ्रू कपैसिटी बिल्डिंग एण्ड टेक्नलाजिकल ऐड्वैन्समन्ट	विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी), विभाग व प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत	3 वर्ष	34,33,240/-	पी.आई.

प्रो. सुभ्रांशु साँतरा

क्रमांक	शीर्षक	वित्तपोषण अभिकरण	अवधि	अनुदान / संगठन राशि (लाख रु.)	पी आई / को पी आई
1.	नोडल ऑफिसर 'कन्फरन्ट इवैल्यूऐशन ऑफ इम्प्लिमेन्टेशन ऑफ एन.एफ.एस.ए.-2013' सिक्किम राज्य और केन्द्रशासित प्रदेश अंदामान व निकोबर द्वीपसमूह के लिए	उपभोक्ता कार्य, बाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	नवम्बर 2017 से लगातार	2.64 प्रति वर्ष	पी.आई.
2.	रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन 'हाएयर एजुकेशन एकसेस एण्ड सोशल	सेंटर फॉर पोलिसी रिसर्च इन हाइयर	सितम्बर 2017 से	0.5	पी.आई.

क्रमांक	शीर्षक	वित्तपोषण अभिकरण	अवधि	अनुदान / संगठन राशि (लाख रु.)	पी आई / को पी आई
	मोबिलिटी : ए स्टडी ऑन कोचिंग फॉर एस सी / एस टी / ओबीसी एण्ड माइनॉरटी इन यूनिवर्सिटी एण्ड कॉलैज	एजुकेशन, एनयूईपी, नई दिल्ली	लगातार		
3.	थर्ड पार्टी एजुकेशन ऑन मिशन निर्मल बांग्ला मालदा जिला परिषद : अण्डर स्वच्छ भारत मिशन : स्टडिड 92032 हाउसहोल्ड फॉर हेविंग एण्ड नोट हेविंग टॉइलहस।	मालदा जिला परिषद और जिला प्रशासन। इंग्लिश बाजार, मालदा, पश्चिम बंगाल	जुलाई 2017 से लगातार	12.65	पी.आई.
4.	सोशियो-एकनामिक सर्वे / सोशल इम्पैक्ट असेस्मन्ट ऑफ 8 नं विलिजस, फैलिंग विथइन दी माइन बाउंडरी ऑफ बागरा जयदेव कोल माइन, पी.एस. दुबराजपुर, डिस्ट्रिक्ट बीरभूम विच नीड टू बी रीहबिलिटेटड एण्ड रीलोकैटड	दामोदर वैली कार्पोरेशन, खागरा जयदेव संसाधन प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	जून 2017 से लगातार	10.5	पी.आई.
5.	स्कोप एण्ड चैलिन्जस ऑफ प्राइमरी एजुकेशन अमंग मुस्लिम कम्यूनिटी ऑफ वेस्ट बंगाल	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली	2 वर्ष (2016 से मई 2019)	8.43	पी.आई.
6.	इवेल्यूऐशन स्टडी वाटर एण्ड फूड इन द कॉस्टल एरिया ऑफ सुन्दरवन्स – इण्डिया एण्ड बांग्लादेश	फोंडाज्येन आई' एलवेरो डेला मिटा, इण्डिया कन्ट्री ऑफिस-10D, गोविन्दपुर, कोलकाता-45	6 महिना मार्च-अगस्त-2019	0.5	पी.आई.

ग्रामीण अध्ययन विभाग (पल्ली चर्चा केंद्र)

विभाग ने सामाजिक विज्ञान विषयों – अर्थशास्त्र / मानव विज्ञान / सांख्यिकी के विभिन्न वर्गों द्वारा तैयार किए गए संकायों के साथ CSSS-कलकत्ता, पटुली (कोलकाता में ICSSR संस्थान) के मेडल में शिक्षाविदों के एक अंत:विषय केंद्र के रुप में शुरु किया। अर्थशास्त्र / एंथ्रोपोलॉजी / सांख्यिकी / डेमोग्राफीयोग्राफी / भूगोल आदि।

1977 में, विद्याभवन के तहत पल्ली चर्चा केंद्र की स्थापना की गई – एमफिल पाठ्यक्रम और अनुसंधान कार्य के प्रति कड़ाई से उन्मुखीकरण के साथ – सामाजिक विज्ञान जैसे वीके रॉय बर्मन (पूर्व-निदेशक मानव विज्ञान सर्वेक्षण), सुनील सेनगुप्ता (जीन ड्रेज़, हैरिस गज़दार के साथ कई किताबों सह-लेखक)। अशोक रुद्र ने यहाँ अतिथि प्रोफेसर के रुप में विश्वभारती के पूर्व कुलपति-प्रो. सुजीत सिन्हा के साथ एम. फिल पाठ्यक्रम भी पढ़ाया, इसके बाद इसे PSV के तहत रखा गया और 1991 से इसने दो विषयों – MA (ग्रामीण विकास) और MA / M.Sc. – एंथ्रोपोलॉजी की शुरुआत की और पीएच.डी पाठ्यक्रम क्रमश: सामाजिक विज्ञान और एंथ्रोपोलॉजी में सफलतापूर्वक संपन्न होने लगे।

31/01/2010 को वैधानिक संशोधनों के तहत, एंथ्रोपोलॉजी विभाग को पीसीके विभाग से बाहर किया गया था और एंथ्रोपोलॉजी के नए विभाग को विद्याभवन में स्थानांतरित कर दिया गया था। ग्रामीण विकास में एमए और सामाजिक विज्ञान में पीएच.डी के साथ पीसीके विभाग पीएसवी के तहत रहा।

पल्ली चर्चा केंद्र (ग्रामीण अध्ययन विभाग) पूर्ण स्नातक पाठ्यक्रम (ग्रामीण अध्ययन के स्नातक, बीआरएस) और ग्रामीण अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (ग्रामीण अध्ययन, परास्नातक) और सामाजिक विज्ञान में पीएच.डी पाठ्यक्रम चल रहा है। बीआरएस और एमआरएस दो पाठ्यक्रम जुलाई 2015 में शुरु हुए थे और 2016 में ग्रामीण विकास में पिछले कोर्स – एमए को चरणबद्ध किया गया था। नए पाठ्यक्रम जिनमें से स्नातक पाठ्यक्रम नया था, को विभिन्न पाठ्यक्रमों के नामकरण के निर्देशन में दिशानिर्देश के बाद शुरु किया गया था। जुलाई 2014 के एमजीआरडी और यूजीसी द्वारा जुलाई 2014 के अनुसार। यह वास्तव में वर्ष 2013-2014 में अपनाई गई विभाग की दूरदृष्टि और मिशन का परिणाम है, जो एनएएसी-2015 की स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए हैं और विभिन्न वार्षिक रिपोर्ट में भी 2013-14 के शैक्षणिक वर्ष के बाद से दर्शाए गए हैं।

पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ :

इस दिशा में हमारा मौजूदा पाठ्यक्रम एक अच्छी तरह से मिश्रित मिश्रण है। 2017 में, हमने मार्च और 2017 में गुजरात और अन्य राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों की सक्रिय भागीदारी और आईआरएमए जैसे प्रबंधन संस्थानों के साथ एक कार्यशाला में आयोजित सूत्र चर्चा के बाद 2015 में अपनाए गए पाठ्यक्रम को फिर से अपनाया। कार्यशाला में हमने पूरे भारत में रूरल स्टडीज के लिए एक समान पाठ्यक्रम अपनाया। 2013-2014 में हमारा मिशन स्टेटमेंट था – 'यह विषय रूरल स्टडीज स्वयं

अकादमिक क्षेत्र में एक उभरता हुआ विषय है। हम एक पाठ्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम विकसित करके एक अकादमिक अनुशासन के रूप में इसे स्थापित करने के लिए अपने प्रयास दे रहे हैं, जो छात्रों को संबंधित मुख्य विषयों का एक मजबूत बुनियादी सैद्धांतिक ज्ञान होगा और वे भी उस ज्ञान को वास्तविक दुनिया की स्थितियों में लागू करने की शक्ति रखता है। वास्तव में, हम 2013-14 में अपनाए गए अपने मिशन और लक्ष्य के पाँचवें वर्ष पर हैं।

भविष्य की योजनाएँ :

विभाग एसएपी के लिए आवेदन करने की भी परिकल्पना करता है, जो पहले ही बीओएस में पारित हो चुका है। एनजीओ में रोजगार की आगामी मांग के लिए ग्रामीण विकास चिकित्सकों को तैयार के लिए विभाग ग्रामीण अध्ययन पर कुछ अल्पकालिक पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है।

सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों के साथ संबंधों द्वारा रोजगार में वृद्धि। ग्रामीण अध्ययन में शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को पूरा करने वाले किसी भी शैक्षणिक संस्थान के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए विभाग के पास बहुत सक्षम मानव संसाधन हैं। हालांकि, कई लाकुन भी हैं। विभाग की सबसे बड़ी बाधा है, संकाय के रिक्त पद। अगला पर्याप्त स्थान है, मौजूदा शैक्षणिक प्रावधानों के साथ दो नए पाठ्यक्रमों- बीआरएस और एमआरएस की शुरुआत को ध्यान में रखते हुए यह अत्यंत आवश्यक है।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी, तिथि का शीर्षक) : राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि :

शंकर मजुमदार

- अर्थशास्त्र विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, प.बंगाल द्वारा आयोजित ''भारत के पिछड़े क्षेत्रों में विकास के समकालीन मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी'' में एक विशेष व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया। 17.02.2020-18.02.2020.
- विश्वभारती द्वारा आयोजित ''शांतिनिकेतन में और उसके आस-पास'' ग्रामीण पर्यटन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 16.11.2019-18.11.2019 में एक तकनीकी सत्र में अध्यक्ष। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, हैदराबाद में 20.07.2019-21.07.2019 को आयोजित ''ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा पर राषअट्रीय सम्मेलन'' में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

डॉ. रथीन्द्रनाथ प्रामाणिक

- सेंटर फॉर डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स एंड इनोवेशन द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स (ISLE) के 61 वें वार्षिक सम्मेलन में 'पश्चिम बंगाल में MGNREGA के दौरान ग्रामीण श्रम बाजार में रोजगार की स्थिति बदलने' के शीर्षक से प्रस्तुत किया। (अध्ययन (CDEIS), पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला 7.12.2019 के दौरान 9.12.2019).

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षक और छात्रों द्वारा भाग लिया गया :

विभाग द्वारा आयोजित हमारे समवर्ती क्षेत्र कार्य पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में हमने गाँव बिनूरिया में अपनी ज्ञान आधारित सेवा का विस्तार किया है, श्रीनिकेतन-बोलपुर ब्लॉक। छात्रों को शैक्षिक क्षेत्र में सर्वेक्षण आधारित गतिविधियों का संचालन करने के लिए शिक्षकों द्वारा पर्यवेक्षण किया गया था।

नया पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम डिजाइन करना या विभाग द्वारा शुरू किया गया कई अन्य शिक्षण नवाचार:

नया पाठ्यक्रम

- विभाग ने ग्रामीण अध्ययन (MRS) CBCS पाठ्यक्रम में एक नया मास्टर्स डिजाइन किया है जिसे जुलाई 2017 से ही लागू कर दिया गया था।
- बैचलर इन रूरल स्टडीज (BRS) विश्वभारती द्वारा पेश किए गए नए सीबीसीएस पाठ्यक्रम के साथ जुलाई 2017 में।

शिल्प सदन विभाग

शिल्प -सदन में ही पेश किया गया है, श्रीनिकेतन में पल्ली समागम विभाग के तहत एक विभाग जो कुटीर उद्योग और शिल्प में अपने तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण से परिचित है।इसकी 1922 में स्थापना हुई । इसकी कलात्मक और अभिनव शिल्प उत्पादों के माध्यम से लोगों के स्वाद को समृद्ध करने की एक लंबी परंपरा भी है। इसने एक बार भारत के पतनशील ग्रामीण उद्योगों और शिल्प क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसकी वर्तमान गतिविधियाँ हैं:

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण अनुभाग में, लगभग 192 नियमित छात्रों को छह विभिन्न ट्रेडों या विषयों में प्रणालीगत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। शिल्प सदन पीएचडी प्रोग्राम, 2-वर्षीय मास्टर ऑफ डिजाइन प्रोग्राम, 4-वर्षीय बैचलर ऑफ डिजाइन, बैचलर ऑफ वोकेशन प्रोग्राम और 2-वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स i) हैंड मेड पेपर मेकिंग, ii) बुक बाइंडिंग और पैकेजिंग, iii) हैंड बाटिक और iv) आर्टिस्टिक लेदर वर्क v) वुड वर्क vi) पॉटरी vii) हैंडलूम वीविंग।

उत्पादन, विस्तार और विपणन

यह विंग उपर्युक्त ट्रेडों में कलात्मक शिल्प लेखों का उत्पादन और विभाग, गाँव के कारीगर, दैनिक रेटेड आकस्मिक कामगार और शिल्प सदन के प्रशिक्षण इकाइयों के छात्रों की मदद से किया जाता है। बनाए गए उत्पादों को इसके सेल्स एम्पोरियम के माध्यम से श्रीनिकेतन में बेचा जाता है। विभागीय कार्यशालाओं / स्टूडियो / प्रयोगशालाओं को उपकरण अनुदान से खरीदे गए नए उपकरणों / उपकरणों / मशीनरी को शामिल करके विकसित और उन्नत किया गया है।

UGC / CSIR / NET / SLET और GATE परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का नाम

तन्मय नंदी : रोल नंबर WB0405203065 (NET)

प्रियक दत्ता : रोल नंबर WB10504225 (NET)

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि अध्यापकों / अनुसंधान आदि

विशाल सी भांड

- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रपत्र प्रस्तुत दक्षिण पूर्व एशियाई लोक कला और शिल्प, 21.11.2019 के दौरान फिलीपींस विश्वविद्यालय में, विषय -- 'शिक्षा, शिल्प और समाज, टैगोर के श्रीनिकेतन प्रयोग' पर प्रस्तुत पत्र -21.11.2019-22.11.2019.

श्री आशीष घोष

प्रदर्शनी

- घन डिजाइन प्रकृति कोरियाई प्रकृति कलाकारों एसोसिएशन-YATOO द्वारा जुलाई, 2019 में जियुमगंग नेचर आर्ट बेनेले, कोरिया के लिए मूर्तिकला। Geumgang Nature Art Biennale
- कास्ट आयरन स्कल्पचर द किंग 'का प्रदर्शन स्वाभिमी, कोलकाता, द इंडिया स्टर्ट में 21.09.2019 से 27.09.2019 के दौरान किया गया।

कार्यशाला का आयोजन

- शांतिनिकेतन कोपाई नदी में आयोजित प्रकृति कला परियोजना "कोपाई को उपहार" 20.02.2020 को आमंत्रित किया गया।

आमंत्रित व्याख्यान

- 17.05.2019 को शांतिनिकेतन दूरदर्शन पर 'शिल्प और इसके आधुनिक निहितार्थ' पर व्याख्यान
- 13.03.20 पर SIDBI और EDIके सहयोग से कोलकाता में "समकालीन कला और शिल्प विपणन और विकास" पर व्याख्यान दिया।

प्रो. पद्मिनी बलराम

आमंत्रित व्याख्यान

- अजंता: भारतीय कपड़ा का प्रारंभिक दृश्य संदर्भ, विषय पर व्याख्यान, भारत अध्ययन समूह, टोक्यो, 01.12.2019 को।
- 16.11.2019 को हेबरू सिटी हॉल में, अजंता पेंटिंग में चित्रित प्राचीन भारतीय वस्त्र,विषय पर व्याख्यान।

कार्यशालायें आयोजित की गईं

- 20.01.2020 - 22.01.120 के दौरान MET स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिज़ाइन, नासिक में। मैकरामे आर्ट।

डॉ. प्रबीर कुमार चौधुरी

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- पेपर शीर्षक "एप्लीकेशन ऑफ मल्टी-क्राइटेरिया डिसीजन मेकिंग (एमसीडीएम) टेक्नीक इन सोशल सर्वे: ए न्यू एप्रोच" 7 वें ICSDAP (इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर सोशल डेवलपमेंट, एशिया-पैसिफिक ब्रांच) द्विवार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था। आयोजन कुस्टिया, बांग्लादेश के इस्लामिक यूनिवर्सिटी में 14 .09.20 19.-15.09.2019. में हुआ।

डॉ. शंकर रॉय मौलिक

संसाधन व्यक्ति

- टीईक्यूआईपी - III प्रायोजित ribut असम से कुटीर उद्योगों में काम कर रहे हथकरघा बुनकरों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला ’में योगदान दिया, 11.09.2019 को भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी।

सुमिताभ पाल

वर्कशॉप की भागीदारी

- 29.2.2019 - 31.08.2019 के दौरान पेगासस आर्ट गैलरी, हैदराबाद के साथ 'ब्लैक डायमंड' शीर्षक के सहयोग से सिंगारीन कोलियरीज, कोठागुडम, तेलंगाना राज्य में चित्रकला और मूर्तिकला शिविर / कार्यशाला में भाग लिया।
- ‘‘झना’’- विद्या मानव कला फाउंडेशन, हैदराबाद द्वारा दिनांक 05.11.2019 - 25.11.2015 के दौरान श्री विद्या निकेतन इंटरनेशनल स्कूल, तिरुपति, आंध्र प्रदेश में ‘कार्यात्मक मूर्तिकला’ पर एक लकड़ी पर नक्काशी शिविर / कार्यशाला (रेड सैंडल वुड)।

प्रदर्शनी

- कोलकाता के ‘‘द फ्रेम’’ कलाकार समूह के सदस्य द्वारा 27 वाँ फाउंडेशन प्रदर्शनी, ‘‘वॉयस ऑफ इक्वेलिटी’’ शीर्षक के साथ 28.07.2017-02.08.2019 को 10, अशोका रोड, अलीपुर, कोलकाता - 700 027.

मृणाल कांति सरकार

प्रदर्शनी

- रवीन्द्र पुरस्कार चयन, रंग भूमि कला अकादमी, कोलकाताICCR के लिए प्रदर्शनी, 06.002.2020 - 08.02.2020 के दौरान।
- 17.10.2019-23.10.2020 के दौरान कला-भवन, नंदन, शांतिनिकेतन, कोलकाता की शताब्दी मनाई गई।
- 24.02.2020-28.02.2020 के दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी सह कार्यशाला, नंदनिक, कोलकाता।

मनोज कुमार प्रजापति

प्रदर्शनी

- 17.10.2019-23.10.2019 के दौरान एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स, कोलकाता में एक ग्रुप शो 18 वें

अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में प्रदर्शित मिट्टी के बर्तन और सिरेमिक मूर्तिकला।

- 21.12.2019-23.12.2019 के दौरान बिरिया एकेडमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रदर्शनी (दिनकर कौशिक की स्मृति में आयोजित) में मिट्टी के पात्र का प्रदर्शन।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया गया:

विभाग के वस्त्र अनुभाग की विस्तार गतिविधियों के माध्यम से, आस-पास के गांवों के हथकरघा बुनकरों को हमारे द्वारा आपूर्ति किए गए रंग , प्रक्षालित और भूरे रंग के यार्न्स(धागों) और हमारे डिजाइनों और विनिर्देशों के अनुसार विनिर्माण वस्त्रों का काम दिया गया है। अंतिम उत्पाद विभाग के बिक्री एम्पोरियम और पौस मेला के माध्यम से बेचे गए हैं। इसी तरह, बढ़ईगीरी, मिट्टी के बर्तनों, कलात्मक चमड़े के शिल्प, हस्तनिर्मित कागज बनाने, बाटिक आदि के क्षेत्र में ग्रामीण कारीगरों को विभिन्न संबंधित शिल्प वस्तुओं के निर्माण के माध्यम से या तो कच्चे माल प्रदान करके या तैयार किए गए डिजाइनों के अनुसार सीधे खरीदकर रोजगार प्रदान किया गया है।

विभागों द्वारा शिक्षकों / विद्वानों या विभाग द्वारा एक के रूप में प्राप्त किए गए शैक्षणिक भेद (जैसे D.S.A या C.A.S. आदि के रूप में मान्यता)

प्रो. पद्मिनी बलराम

- इशिबाशी फाउंडेशन / द जापान फाउंडेशन फेलोशिप फॉर रिसर्च ऑन जापानी आर्ट, इशिबाशी फाउंडेशन / द जापान फाउंडेशन द्वारा अक्टोबर- दिसंबर 2019-20 के दौरान।

श्री मृणाल कांति सरकार

- 26.02 को कलर्स आर्ट लैंड, कोलकाता द्वारा पेंटिंग में रवीन्द्र बर्मन। 26.02 .2020.

श्री आशीष घोष

- हाफेल इंस्पिरेशनल लॉक अवार्ड्स हाफेल इंडिया द्वारा 27.09.2019 को।
- वर्ष 2020 का गोल्डन आर्टिस्ट अवार्ड इंफो 2020, गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा 22.02.2020-23.02.2020.

डॉ. शंकर रॉय मौलिक

- इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत), F-1256331, 06.09.2019.

सुश्री सुकन्या चटर्जी

- भारतीय प्राकृतिक फाइबर सोसाइटी, कोलकाता में 21.12.2019 को।

CAS प्रमोसन

- प्रो. अरविन्द मंडल- एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर 15.03.2015 को।
- डॉ. प्रबीर कुमार चौधुरी सहायक प्रोफेसर (स्टेज- III) से एसोसिएट 11.03.2015 को।
- डॉ. आशीष मित्रा- सहायक प्रोफेसर (स्टेज-तृतीय) से एसोसिएट प्रोफेसर 17.03. 2015 को।
- डॉ. शंकर रॉय मौलिक सहायक प्रोफेसर (स्टेज- III) से एसोसिएट प्रोफेसर 06.08.2016 को।

वर्ष 2019- मार्च 2020 के भीतर प्रकाशन

क) पाठ्य पुस्तकें, ख) अन्य पुस्तकें, ग) मोनोग्राफ, घ) शोध पत्र (लेखक, प्रपत्र का शीर्षक, साल जर्नल, खंड, संख्या, पृष्ठ),च) प्रकाशित प्रपत्रों की संख्या।

- विभागीय प्रकाशन: शून्य
- व्यक्तिगत प्रकाशन: क) एकल लेखक ख) संयुक्त लेखक (उसी विभाग के लेखक)

डॉ. शंकर रॉय मौलिक

- Acacia auriculiformis - कपड़ा, लिना चक्रवर्ती, पिंटू पंडित और शंकर रॉय मौलिक, एक साथ रंगाई और कार्यात्मक परिष्करण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक प्राकृतिक डाई, सफाई उत्पादन का जर्नल, 245, 2020, 118921, pp 1-7, http://doi.org/10.1016 jclepro 2019.118921. ISSN: 0959-
- चावल की भूसी, कुणाल भंडारी, शंकर रॉय मौलिक और अरूप आर भट्टाचार्य, जर्नल ऑफ द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के सीरीज़ ई, 4 मार्च, 2020, https://doi.org/10.1007/s40034-020-00160-7.ISSN:2250-2483.माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज का संश्लेषण और लक्षण वर्णन।
- कोरापुट, अमिता दत्ता, दीपाली सिंघी और शंकर रॉय मौलिक के -पारंपरिक रूप से बुने हुए वस्त्रों के भविष्य को बनाए रखना, जर्नल ऑफ़ द टेक्सटाइल एसोसिएशन, 80 (5), 2020, pp 353 - 362. ISSN: 0368-4636.
- आल डेयिंग-पस्त एंड प्रेजेंट-अमिता दत्ता, दिपाली सिंघी और शंकर रॉय मौलिक, जर्नल ऑफ़ द टेक्सटाइल एसोसिएशन, 80 (5), 2020, पीपी 353 - 362. ISSN: 0368-4636.
- असम में खादी उद्योग को फिर से जीवंत करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण, आशीष एन. बनर्जी, पिंटू पंडित और संकर रॉय मौलिक, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज, 18 (2), 2019, pp 346-350. ISSN: 0972-5938.
- हथकरघा क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन- एक समीक्षा, संजय मुखोपाध्याय और शंकर रॉय मौलिक,

जर्नल ऑफ़ द टेक्सटाइल एसोसिएशन, 79 (5), 2019 pp 347-357. ISSN: 0368-4636.

- मूल्य आधारित जूट से बने फैशन एपियरल्स, प्रियंका विश्वास, लीना चक्रवर्ती, ए.एन. रॉय और शंकर रॉय मौलिक, एशियाई डायर, 16 (1), 2019, pp 55-58. ISSN: 0972-9488.
- पैड-स्टीम विधियों के बाद प्रोटीन फाइबर पर प्राकृतिक रंगों का अनुप्रयोग, शंकर रॉय मौलिक, जर्नल ऑफ़ द इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियर्स (इंडिया) : सीरीज़ E.100 (1) 2019, https://doi.org/10.1007/s40034--019-00141-5. ISSN: 2250-2483.
- वस्त्र पर रचनात्मक डिजिटल प्रिंटिंग, शंकर रॉय मौलिक, काजी मो. नसीरुद्दीन और राफिया तुनेसा बेगम ,, एशियाई डायर, 16 (2), 2019, pp 54-57. ISSN: 0972.
- कुणाल भंडारी और शंकर रॉय मौलिक, माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज - ए रिव्यू, जर्नल ऑफ़ द टेक्सटाइल एसोसिएशन, 80 (2), 2019, 106-114. ISSN: 0368-4636.

प्रो. अरबिन्द मण्डल

- प्रभाव, विशेषता, चरण असेंबल और प्रतिक्रिया बॉक्सिंग से व्युत्पन्न sintered mullite कॉम्पैक्ट के microture पर 1 :1 bochmite और Y203 मिश्रित डोपेंट का प्रभाव, एक व्यक्ति, सौविक डे, अरबिंद मणडल और तपन कुमार पर्य, बाक्साइट से प्राप्त, मक्खी और अविकसित सिलिका विज़। भारतीय रसायन। सोक, 96, नवंबर, 2019, 1371-1380. ISSN: 0019-4522.

अन्य प्रासंगिक जानकारी :

विभाग द्वारा पेश किए गए इंपॉर्टिंग ट्रांसफ़रेबल और लाइफ़ स्किल्स के लिए वैल्यू-एडेड कोर्सेज के बाद

- शिल्प सदन में ''कटज़ोम वर्कशॉप'' (पारंपरिक जापानी प्रतिरोध रंगाई), 02.09.2019 -07.09.2019 को विश्व।
- 13.11.2019-21.11.2019 के दौरान शिल्प सदन में जर्मनी के महावाणिज्य दूतावास के सहयोग से ''सोला क्राफ्ट कार्यशाला''।
- 16.08.2019 से 28.02.2020 के दौरान ''प्रिंट डिज़ाइन'' पर शॉर्ट टर्म कोर्स।

01.04.2019 - 31.03.2020 से अवधि के दौरान विभिन्न व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में भाग लिया:

सुश्री सुकन्या चटर्जी

- ICAR- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल फाइबर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता से 03.12.2019-23.12.2019 को आयोजित 'उत्पाद विविधता में प्रगति और प्राकृतिक फाइबर के उपयोग में उन्नति' पर 21 दिनों के आईसीएआर प्रायोजित शीतकालीन स्कूल में भाग लिया।

डॉ. शंकर रॉय मौलिक

- 5 दिवसीय वर्कशाप 06.01.2020-10.01.2020 में भाग लेते हैं, केमिस्ट्री विभाग और फ़्रोटर्ननेशन रिसर्च सीटर्स द्वारा इंट्राप्टेरल मेट नगिड की मद्रास सेंटर में स्केलेन्स और टेकोलॉजी के सैडिसबीम फ़ाइट्यूट।
- इंटरनेशनल वर्कशॉप में ‘‘टूल एनडी टेक्नीक इन सर क्यूलिटी डब्लूडी हील्ड इम्पेट सेशन, जो कि विभाग के एनविनोनमेंटल स्टडीज विएवा इथरती द्वारा आयोजित किया गया था, 23.11.2019-25.11.2019 के दौरान यूनिवर्सिटी ऑफ सकतचेवन, कैनेडा के साथ एसोशिएशन में।

विद्यार्थियों की उप्लब्धियाँ

सुश्री प्रियंका राय चौधरी, डिजाइन में स्नातक की छात्रा (कपड़ा में विशेषज्ञता)

- सहयोगी प्रदर्शन में भाग लिया: एशियाई सभ्यता परेड 1505.2019 के दौरान Culture एशियाई सभ्यताओं के संवाद ’बीजिंग नगर संस्कृति और पर्यटन, चीन में सम्मेलन के हिस्से के रूप में। 15.05.2019 -22.05.2019.

सुश्री अहाना भट्टाचार्य, डिजाइन में स्नातक (कपड़ा में विशेषज्ञता) के छात्र

- 25.06 2019-01.07.2019 328 के दौरान सहयोगात्मक प्रदर्शन में अंतर सांस्कृतिक अनुभव कार्यक्रम, यमन विश्वविद्यालय, चीन में भाग लिया।
- TEXCON-2020 में प्राकृतिक संसाधनों से निकाले गए कोलोरेंट्स के फाइटोकेमिकल विश्लेषण के हकदार लेख के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार, 05.03.2020 से 06.03.2020 के दौरान श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी द्वारा फाइबर से परिधान के लिए, वस्त्र निर्माण प्रक्रिया में समकालीन मुद्दों पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन, इंदौर में प्रतिभागिता।

सुश्री चैताली देबनाथ, डिजाइन में स्नातक (वस्त्रों में विशेषज्ञता)

- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICTX 2020) में पोस्टर प्रस्तुति में 3 पुरस्कार ‘‘स्थायी वस्त्र उत्पादों और प्रक्रियाओं के विकास के लिए अभिनव दृष्टिकोण’’ पर। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), पश्चिम बंगाल राज्य केंद्र द्वारा 09.02.2020-10.02.2020 के दौरान आयोजित।

श्री प्रियक दत्ता और श्री प्रियब्रत मलिक, मास्टर ऑफ डिजाइन – फर्नीचर और इंटीरियर और मास्टर ऑफ डिजाइन – सिरेमिक और ग्लास

- प्रतिभागिता की ‘‘द डिजाइन लिमिटलेस 2018’’ अंतर्राष्ट्रिय कार्यशाला IIID और LB इटली सम्मेलन की कार्यवाही में 29.05.2019.

श्री कुणाल भंडारी, शोध छात्र ने DRDO द्वारा 2030 में ‘‘टेक्सटाइल इंडस्ट्री एंड रिसर्च : चल्लैंजेस एंड ओप्पुर्चुनिटी’’ विषय पर DRDO द्वारा स्मर्थित द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन TEXCON में ‘‘माइक्रो

क्रिस्टलाइन सेलुलोज नमक'' पेपर के लिए पीएच.डी. श्रेणी के तहत सर्वश्रेष्ठ मौखिकी दी। 04.04.2019-05.04.2019, SVVV कैंपस, इंदौर, म.प्र.

डॉ. प्रबीर कुमार चौधुरी

- मल्टी क्राइटेरिया डिसिजन मेकिंग (एमसीडीएम) तकनीक, प्रबीर कुमार चौधुरी, द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन TEXCON-2019 के सम्मेलन कार्यवाही के हाइब्रिड AHP-TOPSIS विधि का उपयोग कर गर्म कपड़े बनाने के लिए एरी सिल्क यार्न की उपयुक्तता का आकलन किया। डीआरडीओ द्वारा ''वस्त्र उद्योग और अनुसंधान में 2030 : चुनौतियाँ और अवसर'' विषय पर समर्थित आईएसबीएन 978-93-5351-406-8 (2019), पृ. 01-12.

डॉ. शंकर राय मौलिक

- 'माइक्रोक्रिस्टैलिन सेल्यूलोज', कुणाल भंडारी और शंकर राय मौलिक, सम्मेलन की कार्यवाही का दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन TEXCON-2019 डीआरडीओ द्वारा ''वस्त्र उद्योग और अनुसंधान 2020 में विषय : चुनौतियाँ और अवसर'' के आधार पर समर्थित : ISBN 978-93-5351-406-8 (2019), पृ. 78-83.
- ''हैरिटेज फैब्रिक्स पर पारंपरिक शिल्प'', लीना चक्रवर्ती, मनीषा प्रिया और शंकर राय मौलिक, 2 राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही 2019 DRDO द्वारा थीम के आधार पर समर्थित ''वस्त्र उद्योग और अनुसंधान 2030 में ''चुनौतियाँ और अवसर'' आईएसबीएन 978-93-5351-406-8 (2019), पृ 27-33.
- ''सतत विकास के लिए प्राकृतिक फाइबर संसाधन प्रबंधन शंकर राय मौलिक, संयुक्त संपादक (रचनात्मक निगमित द्वारा प्रकाशित, कोलकाता) (अप्रैल, 2019) 978-81-94100-90-4.

प्रो. पद्मिनी बलराम

- शिल्पसदन : कारीगरों और उनके शिल्प मानव विकास के भीतर ''जीवन में इसकी पूर्णता'' में रवीन्द्रनाथ टैगोर की कला और शिल्प पर विचार और कार्रवाई की विरासत, पद्मिनी बलराम (प्रकाशित : चेन्नई : शिल्प परिषद, भारत), 2019, पृ. 30-36.

समाज कार्य विभाग

सामाजिक कार्य विभाग ने 1951 में ग्रामीण उच्च शिक्षा में डिप्लोमा प्रदान करने वाले शिक्षा मंत्रालय के तहत नए बनाए गए ब्लॉक कार्यालय के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण संस्थान के रूप में स्वतंत्र भारत के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर अपनी यात्रा शुरु की। इसका उद्देश्य ग्रामीण लोगों की स्थितियों, उनके प्रबंधन और शासन के बारे में बेहतर जागरूकता पैदा करना था। 1963 में BSW (ऑनर्स) पाठ्यक्रम, पूर्व भारत में पहली बार पेश किया गया था और 1977 में MSW पाठ्यक्रम पेश किया गया था। विभाग 2015 अकादमिक सत्र से दो डिप्लोमा पाठ्क्रमों के साथ शुरू होता है जिन्हें विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया है। विभाग के पास यूजीसी दिशानिर्देश 2009 के अनुसार पाठ्यक्रम के साथ सामाजिक कार्य में पीएच.डी कार्यक्रम भी है।

पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ :

विभाग की मुख्य विचारधारा ग्रामीण पुनर्निर्माण के टैगोर के सिद्धांतों पर आधारित है जो ग्रामीण और पारिस्थितिक पहलुओं पर केंद्रित है जिसका सामाजिक कल्याण की समस्याओं पर सीधा असर पड़ता है और विभाग जो ग्रामीण और पारिस्थितिक पहलुओं पर केंद्रित है।

इसकी मुख्य विशेषताएँ सामाजिक कार्य में बुनियादी निर्देश प्रदान करना है, सामान्य शिक्षा में एक ध्वनि नींव के साथ सैद्धांतिक और व्यावहारिक और अन्य सामाजिक विज्ञानों में एक अच्छा बैक-ग्राउंड। सामाजिक कल्याण और सामुदायिक विकास की समस्याओं पर सीधा असर पड़ता है, खासकर ग्रामीण पुनर्निर्माण, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के कल्याण और असंगठित क्षेत्र में श्रमिक वर्गों के प्रबंधन और कल्याण पर।

सामाजिक कार्य के छात्रों के लिए जरूरी है कि वे बहुभिन्न क्षेत्रों में काम करने और सामाजिक कल्याण और अधिकार आधारित पहल के लिए मुद्दों से लैस करें। क्षेत्र के काम और अनुसंधान में गहन जुड़ाव के साथ डिग्री प्रोग्राम की शैक्षणिक आवश्यकताओं को मिलाकर सिद्धांत और व्यवहार का मिश्रण तैयार करें। जैसे – क) छात्रों में अनुशासन और पेशे के लिए जुनून की भावना का विकास, ख) फैलोशिप और सार्वभौमिक भाईचारा, ग) मानव और सामाजिक वातावरण की समझ, घ) व्यक्तियों, समूहों और समुदायों की मदद करने का कौशल, ङ) सामाजिक कल्याण के लिए संसाधनों का आवश्यक उपयोग, च) एक जिज्ञासु के दिमाग से मुक्त, नेतृत्व के कौशल, छ) सहानुभूति और समझ और ज) समग्र विकास के लिए फलदायक और विकास क्षेत्र में योगदान।

UGC / CSIR / NET / SLET और GATE परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

1. शांतनु कुंडू – 2019-2020, JRF
2. उष्णिश गुह – 2019-2020, NET

3. देवायन दत्त – 2019-2020, JRF
4. अनामिका – 2019-2020, NET
5. अजंता सरकार – 2019-2020, NET
6. खेयाली राय – 2019-2020, NET
7. सुकांत मेटे – 2019-2020, NET
8. अभिजीत मुखर्जी – 2019-2020, NET
9. देवदत्त दास – 2019-2020, NET
10. तीर्थ घोष – 2019-2020, JRF
11. नजरुल इस्लाम – 2019-2020, JRF
12. बैशाखी मंडल – 2019-2020, NET
13. शौर्य प्रकाश – 2019-2020, NET

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, तिथि, संगोष्ठी का शीर्षक) :

- डॉ. डैनियल विदमेर, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, Medecine interne generale FMH मेडिसिन साइकोसोमैटिक एट साइकोसोमियालिस ASMPP Charg de cours Departement de Medecine de Famille, Unisante UN, Unisante UN हॉस्पिटल केयर वाइस-प्रेसिडेंट जेनरल / मेडिसिन डी फेमिल ने 25.06.2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत में आयोजित किया।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में द प्रोफेशनल सोशल वर्क प्रैक्टिस के कई पहलुओं पर एक व्याख्यान : यह कैसे एक भारतीय संदर्भ के लिए लागू किया जा सकता है, विषय पर डॉ. ध्रूबोधी मुखर्जी द्वारा, टेक्साक्स विश्वविद्यालय, USA द्वारा आयोजित 19.07.2019 को समाज कार्य विभाग, विश्वभारती, प.ब. में.
- एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला ''कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) : वर्तमान स्थिति, अंतराल और सीएसआर सत्याग्रह के माध्यम से आगे 'पर आयोजित की गई थी और व्याख्यान श्री सुधीर सिन्हा (प्रोफेसर और प्रमुख, उत्कृष्टता केंद्र, जिम्मेदार व्यवसाय प्रबंधन, आईआरएमए, आणंद) द्वारा दिया गया था। 25.08.2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत में।
- 'प्लास्टिक अवशिष्ट मुक्त (स्वच्छ भारत सेवा)' पर भारत सरकार के आदेश के अनुसार राष्ट्रीय अभियान 24.04.2019 से 02:30 बजे तक चला। 2020 सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत की सक्रिय भागीदारी के साथ।

- बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया : 03.11.2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती में 'चुनौतियाँ और अवसर', पश्चिमबंगाल, भारत।
- 16.11.2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत में धनपाल सिंह जिंदानी द्वारा 'माइंड पावर' पर एक सत्र का आयोजन किया गया।
- एक एक्स्पोसेर विजिट का चन्नम्मा विश्वविद्यालय पी.जी. 'वचंगासंगमा' विजयापुर केंद्र का आयोजन हुआ, 22.11.2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत में (कर्णाटक)।
- राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। संगोष्ठी 03.11.2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, विषय था "भारत में संगठनात्मक चुनौतियाँ और अवसर"। 18.01.2020-19.01.2020 के दौरान सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, पश्चिमबंगाल, भारत के दौरान 'सामाजिक कार्य हस्तक्षेप पर बुजुर्गों के साथ सामाजिक सम्मेलन : सामाजिक जुड़ाव और सामाजिक कार्य पेशा' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत में 10.01.2020 पर CINI-Jharkhand के साथ कम्यूनिटी-लेड अप्रोच टू चाइल्ड प्रोटेक्शन' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि अध्यापकों / अनुसंधान विद्वानों द्वारा की गई अध्यक्षता / मूल्यांकन / प्रस्तुति का विवरण :

प्रो. के. भट्टाचार्य

- अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया, जिसका विषय था "कांसेप्ट ऑफ कल्चरल हेरिटेज मैनेजमेंट एंड इट्स सिग्निफिकेंस अक्रॉस द ग्लोबल एथनिक ग्रुप्स" 16.02.2020-17.02.2020 के दौरान एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आयोजित।

प्रो. पी.के. घोष

- ग्रामीण भारत में सतत आजीविका के लिए सामाजिक उद्यमिता पर 04.11.2019 से 06.11.2019 तक स्विट्जरलैंड के लुसाने में आयोजित 3 आरआईए अंतर्राष्ट्रीय बोलचाल में एक पेपर प्रस्तुत किया – टैगोर के दर्शन और सामाजिक विकास के दृष्टिकोण पर।
- इस्लामिक विश्वविद्यालय, कुश्टिया-7003, बांग्लादेश में आयोजित 'सामाजिक अशांति, शांति और विकास' विषय पर 7वें ICSDAP द्विवार्षिक सम्मेलन में 'सामाजिक उद्यमिता-केस स्टडी' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रो. ए.के. सरकार

- एक पेपर प्रस्तुत किया गया जिसका शीर्षक था "हेल्थ सीकिंग बिहेवियर ऑफ पुअर SC/S वीमेन विथ दिसबिलितिस : अ केस स्टडी ऑफ बीरभूम, वेस्ट बंगाल" 21st बीकानेर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ

आईसीएसडी में, सामाजिक विकास और कल्याण विभाग, विश्वविद्यालय में आयोजित 15.07.2019-19.07.2019 के दौरान गाडजाह माडा, योग्याकार्ता, इंडोनेशिया।

- प्रस्तुत पत्र ''बैरियर्स ऑफ एक्सेस तो एजुकेशन अमोंग द PVTGs : अन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ बिरहोर एडोलसेंट गर्ल्स इन वेस्ट बंगाल, इंडिया'' शीर्षक से 21वें'' बिजनियल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ आईसीएसडी'' में सामाजिक विकास और कल्याण विभाग, गदजाहा विश्वविद्यालय, में आयोजित, योग्यकर्ता, इंडोनेशिया 15.07.2019-19.07.2019 के दौरान।
- प्रस्तुत पत्र, शीर्षक ''WASH इनिसिएटिव इन एकलव्य मॉडल रेसिदेन्सिअल स्कूल्स : अ केस स्टडी ऑफ बीरभूम डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल'' 7वें ICSDAP जीवनी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'सामाजिक अशांति, शांति और विकास' पर 14.09.2019-15.09.2019 के दौरान सिंगापुर यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल साइंसेज औ थामसैट यूनिवर्सिटी, थाइलैंड के सहयोग से कुश्टिया, शोसल वेलफेयर, इस्लामिक यूनिवर्सिटी बांग्लादेश, कुश्टिया विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

प्रो. देवतोष सिन्हा

- बुजुर्गों के साथ सामाजिक कार्य हस्तक्षेप पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता : सामुदायिक कार्य, सामाजिक जिम्मेदारी और सामाजिक कार्य पर, 18.01.2020-19.01.2020 पर सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत।
- अध्यक्षता एक सत्र की, राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 03.11.2019 विषय ''प्रिवन्शन ऑफ वॉयलेन्स एगेंस्ट चिल्ड्रेन : चुनौतियाँ और संभावनाएँ''। स्थान- समाज कार्य विभाग, विश्वभारती, प.बं. भारत।

डॉ. पारमिता राय

- प्रपत्र प्रस्तुति ''सरवाइवर्स ऑफ इन्टीमेट पार्टनर वॉयलेन्स (IPV) : एन एनालीसिस ऑफ लिव्ड एक्सपीरियन्स'' शीर्षक से। राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय- वुमेन्स इश्यूस एण्ड एवरीडे लाइफ : पॉवर, रेसिस्टेंस एण्ड रिप्रेजेण्टेशन। आयोजक- सेंट जेवियर्स कॉलेज (आटोनोमस) कोलकाता, दिनांक- 10.01.2020-11.01.2020.
- प्रपत्र प्रस्तुति- ''चैलेंजेस टू फूड सिक्यूरिटी इन द जेरियाटिक पोपुलेशन'' शीर्षक से। राष्ट्रीय संगोष्ठी, विषय- सोशल व इंटरवेनशन विथ एल्डरली : कम्यूनिटी इंगेजमेन्ट, सोशल रिसपोन्सबिलिटी एण्ड सोशल वर्क प्रोफेशन। आयोजक- समाज कार्य विभाग, विश्वभारती, NISD, नई दिल्ली, ASI, कोलकाता। दिनांक- 18.01.2020-19.01.2020.

डॉ. शुभश्री सान्याल

- प्रपत्र प्रस्तुति- ''एसेसमेन्ट ऑफ वेरियस वुलनेरविलिटिस ऑफ द स्लमस ऑफ कोलकाता, वेस्ट बंगाल, इण्डिया, चिल्ड्रेन प्रेस्पेक्टिव'' एस. सान्याल एण्ड एस. चटर्जी। दिनांक- 11.11.2019-

13.11.2019. सातवाँ भारतीय समाज कार्य कांग्रेस।

- प्रपत्र प्रस्तुति ''स्टडी ऑफ द वेलुनरेबिलिटिस ऑफ अरबन स्लम चिल्ड्रेन ऑफ कोलकाता, वेस्ट बंगाल, इंडिया, चैलेंजर्स ए फैक्टर्स। एस. सान्याल एण्ड एस. चटर्जी। राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय- प्रिवेन्सन ऑफ वॉयलेन्स अगेंस्ट चिल्ड्रेन : चैलेन्जेस ए ऑपरचुनिटीस। दिनांक- 13.11.2019.
- प्रपत्र प्रस्तुति ''लुकिंग बैक एण्ड लुकिंग अहेड : मिलेनियम डेवेलपमेन्ट गोल्स टू ससटेनेबल डेवलपमेन्ट गोल्स : द जर्नी एस सान्याल एण्ड एस चटर्जी। सेवेंथ इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस 11.11.2019-13.11.2019 द्वारा NAPSWI और समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- अध्यक्षता एक सत्र की विषय ''सेसटेनेबिलिटि''। सेवेंथ इण्डियन सोशल वर्क कांग्रेस (11.11.2019 से 13.11.2019) आयोजक- NAPSWI और समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- अध्यक्षता एक सत्र की। अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। विषय ''रोडमैप फॉर डेवेलपमेन्ट ऑफ रूरल टूरिज़्म इन एण्ड अराउण्ड बीरभूम डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल। दिनांक- 16.11.2019-18.11.2019. आयोजक- विश्वभारती, परिभ्रमण मंत्रालय, भारत सरकार और परिभ्रमण मंत्रालय, प.बं. सरकार।

डॉ. सुकुमार पाल

- प्रपत्र प्रस्तुति ''डॉ. बी.आर. अम्बेडकर : ए सोसियल रिफार्मट ऑफ मॉडर्न इंडिया''। डॉ. सुकुमार पाल और प्रजलनकर भिक्षु ने दिनांक 01.02.2020-02.02.2020 को लिपिका, विश्वभारती में मराठी विभाग, विश्वभारती और एस.सी, एस.टी, ओ.बी.सी. कर्मचारी कल्याण संघ, विश्वभारती ने डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''कंट्रिब्यूसन ऑफ डॉ. बी.आर अम्बेडकर टू मोडर्न इंडिया'' में प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रपत्र प्रस्तुति ''सम रेस्ट्रिक्सन एसपेक्ट ऑफ रिसर्वेसन पोलिसी इन इंडिया''। पिया सरकार और सुकुमार पाल। दिनांक 01.02.2020-02.02.2020 को लिपिका, विश्वभारती में मराठी विभाग, विश्वभारती और एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ, विश्वभारती ने डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''कंट्रिब्यूसन ऑफ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर टू मोडर्न इंडिया में प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रपत्र प्रस्तुति ''डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, वूमन इम्पावरमेन्ट एण्ड लेंड राइस। सुदिप्ता विश्वास और सुकुमार पाल। राष्ट्रीय संगोष्ठी। ''कंट्रिब्यूसन ऑफ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर टू मोडर्न इंडिया। दिनांक 01.02.2020-02.02.2020, मराठी विभाग, विश्वभारती एवं एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ, विश्वभारती द्वारा डॉ. अम्बेडकर संस्था (फाउन्डेशन), सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजन। लिपिका, विश्वभारती।
- सुकुमार पाल, बेदिता गुप्ता और श्रीना मित्रा ठाकुर ने दिनांक 03.11.2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''प्रिवेंशन ऑफ वाइअलन्स अगेन्स्ट चिल्ड्रेन'' राष्ट्रीय

संगोष्ठी में भाग लिया और चाइल्ड सेक्सूअल एब्यूस इन इंडिया एण्ड पी.ओ.सी. एस.ओ.एस" शोध प्रपत्र प्रस्तुत किया।

- भाग लिया और शोध प्रपत्र प्रस्तुत किया। "वाइअलन्स ऑफ सइरस अगेन्स्ट पीवीटीजी चिल्ड्रेन : ए केप ऑफ लोधा कम्यूनिटीस ऑफ वेस्ट बंगाल"। सुदिप्ता विश्वास और सुकुमार पाल। राष्ट्रीय संगोष्ठी "प्रिवेंसन ऑफ वाइअलन्स अगेन्स्ट चिल्ड्रेन : चैलिन्जस एण्ड आपर्टूनिटीस"। दिनांक- 03.11.2019. साममाजिक कार्य विभाग विश्वभारती।
- अध्यक्ष व आयोजक। राष्ट्रीय संगोष्ठी "कंट्रिब्यूशन ऑफ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर टू मादर्न इंडिया"। दिनांक 01.02.2020-02.02.2020. मराठी विभाग, विश्वभारती और एस.सी., एस.सी, ओ.बी.सी. कर्मचारी कल्याण संघ, विश्वभारती द्वारा डॉ. अम्बेडकर संघ (फाउंडेशन), सामाजिक न्याय व सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार। लिपिका, विश्वभारती।
- दिनांक 16.03.2020 को "शिक्षा और समाज : रोल ऑफ अम्बेडकर" विषय पर दूरदर्शन पर संयुक्त विचार विमर्श। यूट्यूब लिंक : https://www.youtube.com/watch?v...yUilH-v29282featur-youth.be.

डॉ. नीलमणि जयसवाल

- प्रपत्र प्रस्तुति, शीर्षक "डॉ. बी.आर. अम्बेडकर एस ए सोशिअल रिफार्मर"। राष्ट्रीय सम्मेलन "कंट्रिब्यूशन ऑफ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर टू माडर्न इंडिया। मराठी विभाग, विश्वभारती और एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ विश्वभारती द्वारा डॉ. अम्बेडकर संस्था (फाउंडेशन), सामाजिक न्याय सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ। दिनांक- 01.02.2020-02.02.2020.
- प्रपत्र प्रस्तुति शीर्षक "सोसल वर्क इंटर्वेन्शन इन चाइल्ड वेल्पेयर : ए केस स्टडी ऑफ एनजीओस इन द नेशनल सेमिनार ऑन प्रिवेन्शन ऑफ वाइअलन्स अगेन्स्ट चिल्ड्रेन : चैलिन्जस एण्ड आपर्टूनिटिस"। स्थान- सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती। दिनांक- 03.11.2019.

डॉ. सुदेष्णा साहा

- प्रपत्र प्रस्तुति "टुरिज़म एस ए टूल फॉर सस्टैनबल कम्यूनिटी"। शीर्षक से अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन "रोड गेप फॉर द डिवलपमेंट ऑफ टुरिज़म इन एण्ड अराउण्ड बीरभूम"। दिनांक- 16.11.2019-18.11.2019. विश्वभारती, शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत।
- प्रपत्र प्रस्तुति शीर्षक "सेव द फ्यूचर ऑफ आदर वर्ल्ड!! कार्पोरेट इंटर्वेन्शन इन रैडफैट चाइल्ड लेबर : सम बेस्ट प्रैक्टिसेस"। एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "प्रिवेन्शन ऑफ वाइअलन्स अगैन्स्ट चिल्ड्रेन : चैलिन्जस एण्ड आपर्टूनिटिस"। सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, शान्तिनिकेतन। दिनांक- 03.112019.

डॉ. सुस्मिता परेल

- प्रपत्र प्रस्तुति ''कम्यूनिटी होम स्टे टुरिज़्म एज टूल फॉर सस्टैनबल कम्यूनिटी डिवेलपमेंट : ए शान्तिनिकेतन पर्स्पेक्टिव'' शीर्षक से। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, विषय : ''रोडमैप फॉर द डिवेलपमेन्ट ऑफ टुरिज़्म इन एण्ड अराउन्ड बीरभूम'' स्थान- विश्वभारती, शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत। दिनांक- 16.11.2019-18.11.2019.
- प्रपत्र प्रस्तुति ''प्राब्लम्स ऑफ इल्डर्ली पीपुल : ए रिफ्लेक्शन फ्रॉम द मार्जिनलाइजस पाब्यलैशन आफ साउथ इंडिया'' शीर्षक से। दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ''डॉ. बी.आर. अम्बेडकर टू माडर्न इंडिया''। दिनांक- 01.02.2020-02.02.2020. मराठी विभाग, विश्वभारती व एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. कर्मचारी कल्याण संघ, सामाजिक सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार।

डॉ. मौमिता लाहा

- सह अध्यक्ष ''सीरियल वर्क इंटर्वेसन विथ एल्डर्ली : कम्यूनिटी इंगेजमेन्ट, सोसल रिस्पान्सबिलिटी एण्ड सोसल वर्क इंटर्वेन्शन'' एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में। दिनांक 18.01.2020-19.01.2020. स्थान- सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, शान्तिनिकेतन।

श्रीमान मनोज कुमार विश्वास (क्षेत्र आयोजक)

- प्रपत्र प्रस्तुति ''इफेक्ट ऑफ फ्लॉराइड कन्टैनैशन ऑन ह्यूमन लाइफ, इंडियन सिनेरीओ'' शीर्षक से। सातवाँ आईसीएसडीएपी बाइएनीअल कांफ्रेंस ऑन सोसल अनरेस्ट, पीस एण्ड डेवलपमेंट। स्थान- इस्लामिक विश्वविद्यालय, कूष्टिया, बांग्लादेश। दिनांक- 27.04.2019-28.04.2019.
- प्रपत्र प्रस्तुति – चिल्ड्रेन लिविंग अंडर द शेड ऑफ फ्लॉराइड कन्टैनमैन्ट इन इंडिया शीर्षक से। एक दिवसीय संगोष्ठी- प्रिवेंशन ऑफ वाइअलन्स अगेन्स्ट चिल्ड्रेन : चैलिन्जस एण्ड आपर्टूनिटिस''। स्थान- सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, शान्तिनिकेतन। दिनांक- 03.11.2019.

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएँ :

आचार्य पी.के. घोष

1. परियोजना का नाम : ''चाइल्ड लेबर सर्वे इन द डिस्ट्रिक्ट ऑफ बीरभूम'' क्र.सं. 169, पीआई-पी.के. घोष (20123)

   आयोजक अधिकरण : सहायक श्रम आयुक्त, पश्चिम बंगाल सरकार।

   संस्वीकृत राशि- 4 लाख रुपये।

2. परियोजना का नाम : ''क्वालिटेटिव स्टडी ऑन द मेजर इशूज़ बिहाइन्ड अर्ली मेरिज''

   आयोजक अधिकरण : यूथ इंवेस्ट फाउंडेशन, कोलकाता एवं आई.टी.सी.

संस्वीकृत राशि- 1.55 लाख रुपये।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार / गतिविधियाँ / एनएसएस / सांप्रतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भागीदारी

- हमारे समवर्ती फिल्ड वर्क के पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।
- शांतिनिकेतन, बोलपूर और इलमबाजार खण्डों में हस्तक्षेप को विस्तृत किया। साम्प्रदायिक स्तर पर भिन्न क्षेत्रों में इस प्रकार की गतिविधियों को देखकर छात्र शिक्षकों से चकित थे।
- कार्यशाला का आयोजन ''आइडेन्टिफिकेशन एण्ड प्रिवेन्शन ऑफ आर्सेनिक एण्ड फ्लॉराइड कन्टैनशन इन सेलेकटेड ब्लॉक्स ऑफ बीरभूम''। यह सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, शान्ति ट्रस्ट, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, भारत सरकार, ब्लॉक खंड विकास कार्यालय, पश्चिम बंगाल सरकार और नबार्ड द्वारा 01.03.2020-02.03.2020 के दौरान आयोजित किया गया था।
- दिनांक 18.11.2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती द्वारा बहादुरपुर में स्वास्थ्य व स्वच्छता पर एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- कामरपारा गाँव में ''पानी बचाओ अभियान'' का आयोजन किया गया। यह सामाजिक कार्य विभाग द्वारा दिनांक 22.11.2019 को विभाग के शिक्षकों के पर्यवेक्षण और क्षेत्रिय कार्य पर्यवेक्षकों की नीगरानी में फिल्ड कार्य (सामूदायिक संगठन कार्यक्रम) के रूप में दिया गया।

अप्रैल 2019 से मार्च 2020 के भीतर प्रकाशन

आचार्य अशोक कुमार सरकार

- सोसल सपोर्ट सिस्टम इन ओवरकमिंग सोसल बेरियटस : ए केस स्टडी ऑफ ऐडोलेसन्ट गर्ल्स इन बीरभूम। अशोक कुमार सरकार और मधुरा चक्रवर्ती, इंटरनैशनल जर्नल ऑफ सोसल साइंसेस, 8(4), (2019), pp 01-06, ISSN : 2249-6637; E-ISSN : 2321-5771, DOI; 10.30954/2249-6637.04.2020.5.
- कन्टेम्परेरी फिल्ड-लेवल नीडस् एण्ड असेनशल स्ट्रटीजिकस स सोशल वर्क प्रैक्टिकल, अशोक कुमार सरकार और इंद्रनिल सरकार, इन बी. दास एण्ड एस. रॉय एस (एडुकेशन), फिल्ड वर्क ट्रेनिंग इन सोशिअल वर्क, रुटलेड्ज : न्यूयार्क (2020), पृ. 123-137, आईएसबीएन 978-0-367-42413-8. https://www.taylafrancis.com/books/e/9780429297120.
- सम डिटर्मनैटस ऑफ इन्फन्ट मॉर्टैलिटी रेट इन एस.एस.आर. सी कन्ट्रिस : एन इम्पिरिकल असेसमन्ट थ्रू पेनल डेटा सुनैलिसिज, उज्ज्वल प्रतिम दत्त, हेमन्त गुप्ता, अशोक कुमार सरकार और पी.सी सेनगुप्ता, चाइल्ड इंडिकेटर्स रिसर्च (19 मई 2020), पृ. 01-24 (स्प्रिंगेर जर्नल) आई.एस.एस.एन :

1894-897X (hdjfx’) 1874-8988 (ऑनलाइन) https://link.springer.com/article/10.1007/512187 _020_09734_8.

- ‘‘7वाँ आईसीएसडीएपी। कांफ्रेंस इन बांग्लादेश : राम इक्स्पिरिअन्सिज़ एण्ड रिफ्लेक्शनस फॉर दी वे फॉवर्ड’’, अशोक कुमार सरकार, एम. पवार और आमुनुर रहमान, दी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी एण्ड सोसल डिवेलपमेन्ट (एस.ए.जी.ई. जर्नल), 2(2), (2020), पृ. 273-287. आई.एस.एस.एन. 2516-6023; ऑनलाइन आइएसएसएन 2516-6034. https://journals.sagepub.com/ doi/ pdf/10.1177/25160262093835.

डॉ. शुभश्री सान्याल

- वल्नरबिलिटीस एण्ड चैलिन्जस असोशीएटड विथ चिल्ड्रन इन अर्बन स्लामस : ए केस स्टडी ऑफ कोलकाता, पश्चिम बंगाल, एस सान्याल और एस. चटर्जी जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नालजीस एण्ड इनोवेटिव रिसर्च, 7(3), (2020), पृ. 733-738, आईएसएसएन 2349-5162.

डॉ. सुकुमार पाल

- पावर्टी एण् सस्टेनबल डिवेलपमन्ट इन ऐला हिट एरीआस : ए केस स्टडी इन सुन्दरबनस इन वेस्ट बंगाल, सुकुमार पाल, भोलानाथ मंडल, देवनारायण बेज और सुदिप्ता विश्वास। इन दी प्रोसीडिंगस कांफ्रेन्स ऑन लाइव्लीहुड प्रमोशन, बायो-डाइवर्सिटी कान्सर्वेशन एण्ड सोसल सिक्युरिटी इन इंडियन सुन्दरवनस, (इडी, भोलानाथ मंडल, पलाश मंडल एण्ड इंद्रब्रत भट्टाचार्य) नई दिल्ली, प्रकाशक, नई दिल्ली, पहला प्रकाशन, (2019), पृ. 183-197, आईएसबीएन : 978-93-8879-26-2.

डॉ. नीलमणि जयसवाल व डॉ. सुदेशन साहा

- चैलिन्जस एण्ड डिलेमास ऑफ सिविल सोसाइटी मूवमन्टस इन इंडिया, निलमणि जयसवाल और सुदेशना साहा, एशियन सोशल वर्क एण्ड पालिसी रीव्यू, 13(2), (2019), पृ. 169-178 पिलै पब्लिकेशनस आईएसएसएन : 1753-1403, ऑनलाइन आईएसएसएन 1753-1411, डीओआई http://dx.doi.org./10.1111/aswp.12167.

डॉ. नीलमणि जयसवाल

- वुमनस इम्पाउअर्मन्ट एण्ड दी एसडीजी जेन्डर इक्वालिटी गोल (एज डीजी-5) एन पर्स्पेक्टिव। नीलमणि जयसवाल, दी ब्लू प्लैनर – मैगज़ीन ऑन सस्टैनबिलिटी (261), (2020), पृ. 40-42.

डॉ. सस्मिता पटेल

- ‘‘ह्वेट दी माइंड इज विथआउट फियर एण्ड दी हेड इज हेल्ड हाई’’ दी चैलिन्जस पोसड वाई रवीन्द्रनाथ टैगोर फॉर सोशल वर्क प्रफेशनलस, सस्मिता राय, आशुतोष प्रधान और सस्मिता पटेल, जर्नल ऑफ सोशल वर्क एण्ड सोशल डिवेलपमन्ट, 10(2), (2019), पृ. 113-127, आईएसएसएन : 2229-6468.

सदृश्य योजना / विजन प्लैन

चरण	आवश्यकता	सामान्य आवश्यकता	विशिष्ट आवश्यकता
1.	• डीएसए फैज-1 – विषय : ग्रामीण पुनर्निर्माण / श्रीनिकेतन प्रयोग सामाजिक कार्य के माध्यम से ग्रामीण पुनर्निर्माण के अभ्यास के लिए एक मॉडल समुदाय को अपनाया।	समुदाय अंगीकरण कार्यक्रम के लिए निधि का आवंटन	
	• आधारभूत पाठ्यक्रम और केन्द्रों के लिए नए पाठ्यक्रम का डिजाइन		फील्ड वर्क लैब के लिए वित्त पोषण
	• विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्य निकायों से संबंधन	सदस्यता के लिए वजट आवंटन	
	• फील्ड वर्क प्रयोगशाला सामाजिक कार्य की राष्ट्रीय पत्रिकाओं और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की सदस्यता	फील्ड वर्क लैब और उपकरणों की स्थापना के लिए बजट	
2	डी.एस.ए., भाग-2 • शिक्षक और छात्र विनिमय के लिए विभिन्न सामाजिक कार्य संस्थानों के साथ सहभागिता	विनिमय कार्यक्रम के लिए वित्त सहायता	
	• आधार भूत विभागों और केन्द्रों के साथ सामाजिक कार्य के स्कूल की स्थापना	सामाजिक कार्य और केन्द्रों के स्कूल की स्थापना के लिए निधि का निर्माण	सामाजिक विज्ञान के स्कूल के लिए स्थापना और आवंटन के लिए निधि
	• सामाजिक कार्य केन्द्र – विकलांगता अध्ययन और सामाजिक अपवर्जन (बहिष्कार) के लिए नया भवन		
3	सामाजिक कार्य में उन्नत अध्ययन के लिए केन्द्र	विश्वविद्यालय, यूजीसी और मानव संसाधन विकास मंत्रालय से वित्त सहायता, बुनियादी ढाँचे और विकास	

अन्य प्रासंगिक सूचना

सामाजिक कार्य विभाग के पास समवर्ती क्षेत्र का काम है और क्षेत्र के कार्य के हिस्से के रूप में, पूर्वस्नातक और स्नातकोत्तर छात्र नियमित रुप से आस-पास के गाँवों और सामाजिक संगठनों का दौरा करते हैं। वे न केवल सीखते हैं बल्कि सामाजिक विकास के लिए समुदायों की मदद करते हैं। हाशिए के लोगों की वास्तविक जीवन की स्थिति की अनुभूति करने के लिए छात्र वर्ष में एक बार ग्रामीण शिविर और शहरी शिविर में भाग लेते हैं। हाल ही में छात्रों ने एक शान्तिनिकेतन आधारित और सरकारी संगठन, जिसका नाम शान्ति ट्रस्ट है, के साथ मिलकर आस-पास के गाँवों की भूजल स्थिति का मूल्यांकन किया। इसके अतिरिक्त, छात्रों ने जीवन की बेहतर गुणवत्ता के लिए विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और ग्रामीणों में संवेदना जागरूक करने में भी शामिल है।

पल्ली शिक्षा भवन
(कृषि संस्थान)

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान० कृषि विज्ञान जैसे, कृषि के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में कृषि विज्ञान स्नातक (प्रवीण), विज्ञान (कृषि), मुर्गी पाल में विज्ञान निष्पात और पीएच.डी. आदि की प्रमुख शिक्षा प्रदान करता है। देश के विभिन्न स्थानों के छात्रों और विदेशी छात्रों ने भी इस अग्रणी संस्थान से कृषि में उनके अध्ययन को आगे बढ़ाने में रुचि दिखाई है। इस वर्ष (2019-2020) के दौरान 66 (60 भारतीय और 6 विदेशी) छात्रों ने कृषि में विज्ञान स्नातक (प्रवीण), 75 विज्ञान निष्पात (कृषि) छात्रों, और 36 पीएच.डी. छात्रों को विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश दिया गया है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 46 कृषि विज्ञान बीएससी (ऑनर्स) के छात्रों 61 एमएससी (कृषि) के छात्रों और 29 पीएच.डी. के छात्रों ने अपनी-अपनी डिग्री प्राप्त की है। भर्ती हुए छात्रों में, पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त, हमारे पास सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर, महाराष्ट्र, केरल, ओड़िशा, बिहार, तेलंगना, आन्ध्रप्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु और विदेशी देशों जैसे बंगलादेश और नेपाल की भी छात्र है। भवन द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रम यूजीसी और आईसीएआर दोनों के दिशानिर्देशों का पालन करते हैं। और यह आईसीएआर द्वारा मान्यता प्राप्त है। आईसीएआर, प्लेसमेंट कार्यक्रम के माध्यम से, अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों को भेजता है। पिछले शैक्षिक वर्ष के दौरान, संकाय सदस्यों और छात्रों का प्रदर्शन बहुत ही उत्साहजनक था। वर्तमान में संस्थान में 12 विभाग शामिल है जिनके लिए प्रत्येक विभाग से एक के बाद एक अलग रिपोर्ट आएंगी।

इस वर्ष (2019-2020) के दौरान, यह उल्लेखनीय है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा में इस संस्थान के 5 छात्रों जूनियर रिसर्च फेलोशिप के योग्य बनाया, गया है और 13 छात्रों को नेट (ICAR) से सम्मानित किया गया है। उन्हें भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (दिल्ली), जीबीपीएएनटी (वराणसी), आईजीकेवी (रायपुर), एनडीआरआई (कर्णाल) आदि जैसे स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्थान दिया गया है। कई छात्रों को कैंपस साक्षात्कार और प्रतियोगी परिक्षाओं के माध्यम से विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में नियुक्त किया गया है। बारह शैक्षणिक विभागों के अतिरिक्त / अलावा, शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों का समर्थन करने के लिए संस्थान में निमम्नलिखित इकाइयाँ है।

वर्ष 2019-2020 के दौरान संचालित परीक्षण / प्रयोग

खरीफ	**रबी**	**प्री-खरीफ (खरीफ के पूर्व)**
एमएससी – 09	एमएससी – 08	एमएससी – 06
पीएच.डी. – 05	पीएच.डी. – 13	पीएच.डी. – 04
परियोजना – 06	परियोजना – 08	परियोजना – 08

कुल – 20	कुल – 29	कुल – 18
कुल योग		67

पी.एस.बी. पुस्तकालय

इस पुस्तकालय की स्थापना 1957 में हुई थी और यह विश्वभारती की सबसे बड़ा अनुभागीय पुस्तकालय है जो कृषि संस्थान के बारह विभागों में कार्य करता है और साथ ही सामाजिक कार्य और ग्रामीण विकास विभाग में विशेष रूप से और विश्वभारती के भीतर विभिन्नभवनों के अन्य विभागों, सामान्य रूप से दूसरी वृहद, एक्सेस पुस्तकालय पद्धति है। पुस्तकालय, पुस्तकें और जर्नल, ग्रे-साहित्य के साथ-साथ ई-संसाधनों के रूप में दस्तावेजी संसाधन प्रदान करता है। पुस्तकालय अपने वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ दस्तावेजों की पुन:प्राप्ति और ब्राउजंग के लिए इंट्रानेट और इंटरनेट की सुविधा प्रदान करता है। समीक्षाधीन वर्ष के तहत पुस्तकालय ने 40 पत्रिकाओं और 1568 पुस्तकों को खरीदा है। पुस्तकालय के पास 52847 पुस्तकें और 5542 पुस्तके वाउंड पीरियोडिकलस का संग्रह है। समीक्षा वर्ष के दौरान पुस्तकालय में 24974 उपयोगकर्ताओं के विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान की गई।

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला

पल्ली शिक्षा भवन की मृदा परीक्षण प्रयोगशाला मुख्य रूप से इन क्षेत्र की कृषि मिट्टी के मिट्टी उर्वरता स्थिति का आकलन करती है। यह फसलों के लिए पोषक तल आवेदन के लिए हितधारकों को दिशा-निर्देश प्रदान करता है। प्रयोगशाला अभी जनशक्ति की तीव्र कमी का सामना कर रही है।

केन्द्रीय प्रायोजित 'मृदा स्वारुप कार्य योजना के तहत मिट्टी का विश्लेषण सुचारु रुप से चल रहा है। दिनांक 09.09.2020 तब तक इस एस एच जी योजना के तहत, बीरभूम जिले 10 ब्लॉकों से 1,06,176 मिट्टी के नमूने का विश्लेषण किया गया है और 'मृदा स्वास्थ्य कार्डों' को जारी किया गया है।

रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र (आर.के.बी.के.)

रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र ने किसानों और खेत की महिलाओं (प्रशिक्षु के रूप में) को अभ्यास कराने के लिए यह सूचना, ज्ञान और कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के 63 आयोजन किए गए है, जिसमें 2208 न. शामिल है; बीरभूम जिले के गैर-नियोजित ग्रामीण युवाओं की 146 संस्था में से कोई नहीं।

रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र ने सूचना, कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के 69 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है जिसमें 2208 पेशेवर किसान और कृषि महिलाएँ (प्रशिक्षु के रूप में) शामिल हैं; 7 दीर्घावधी ज्ञान कार्यक्रम, बीरभूम जिले के 146 गैर-नियोजित ग्रामीण युवाओं के कौशल और उरामवृति विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों और साथ ही बीरभूम जिले के 1710 आधार स्तर / जमीनी स्तर के विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए 45 सेवाकालीन पुनश्चर्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए है। केन्द्र ने 58 स्थानों पर 480 साझेदार किसानों को शामिल करते हुए, उनके स्थान विशिष्ट मूल्यांकन और सत्यापन के लिए संबंधित शाखाओं पर राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली से निकलने वाली विभिन्न तकनीकों, उत्पादों

और सेवाओं ''ऑन फॉर्म ट्रायलस (ओएफटीएस) पर 8 कार्यक्रमों का संचालन किया है। केन्द्र ने कृषि और संबद्ध शाखा के साथ पहले से ही आकलित और सफल तकनीकों, उत्पादों और सेवाओं पर 19 अग्रपंक्ति प्रदर्शन [फ्रंट लाइन डिमॉन्स्ट्रेशन (एफएलडी)] का आयोजन किया, जिसमें कृषक समुदाय के बीच प्रॉद्योगिकियों के उचित प्रसार के लिए 2873.85 हेक्टेयर क्षेत्र में 1512 किसान शामिल है। के.वी.के. ने सलाहकार सेवाओं, केन्द्रों के लिए किसानों की नैदानिक निरीक्षणों, खेतों के दिनों, समूह चर्चाओं, किसानों के खेतों की वैज्ञानिक निरीक्षण, पौधे / पशु स्वास्थ्य शिविर, कृषि विज्ञान की बैठकें, पूर्व-प्रशिक्षु सम्मेलन आदि जैसे 360 कार्यक्रमों को भी आयोजित किया है, जिसमें 4590 किसान, कृषि महिलाएँ, और ग्रामीण युवक तथा 367 विस्तार कर्मिकों की संख्या थी। केन्द्र के वैज्ञानिकों 16 रेडियो प्रसारणों और 09 टेलीविज़न प्रसारणों में विषय विशेषज्ञों के रूप में कार्य किया है, जो रिकॉर्ड दिए गए और लाइव फोन इन दोनों प्रारूप / फार्मेट के लिए विभिन्न विषयों पर उपयोगी है। केन्द्र के वैज्ञानिकों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी समीक्षा जर्नल में 6 शोध पत्रों की भी प्रकाशित किया है, जो उनके शोध की खोज के बारे में है और साथ ही स्थानीय कृषक समुदाय के लाभ के लिए 6 लोकप्रिय एक्सटेंशन साहित्य भी प्रकाशित किया है।

इस अवधि के दौरान RKVK ने पिछले वर्षों की गतिविधि की अवधि के लिए QRT रिपोर्ट प्रस्तुत किया है। एक KVK प्रशिक्षु किसान को कलिम्पोंग में राज्य के सम्मेलन में दूसरा सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला।

कृषि अर्थशास्त्र विभाग

कृषि अर्थशास्त्र विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती 2 जून 2019 से एक स्वतंत्र विभाग के रूप में कार्य कर रहा है, जो कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग के पुनर्गठन से वना है। कृषि अर्थशास्त्र विभाग सितम्बर 2017 से मई 2019 तक की अवधि के लिए कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग तथा कृषि विस्तार विभाग, कृषि अर्थव्यवस्था और कृषि सांख्यिकी विभाग (सितम्बर 2017 से पूर्व) भूतपूर्व संमिश्रित विभाग का एक हिस्सा था। विभाग कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में प्रयुक्त नीति और समस्या-समाधान अनुसंधान में लगा हुआ है जो बाजार-व्यापार, वित्तीय, कृषि-व्यवसाय, आजीविका, प्राकृतिक संसाधन, संस्था, विकास और वृद्धि जैसे विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में आते हैं। कृषि मुद्दों के सापेक्ष महत्व के आधार पर, विभाग लगातार इन मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित करने में लगा हुआ है। उत्पादन अर्थशास्त्र, कृषि विपणन, कृषि वित्त, कृषि सवृद्धि और विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करते हुए विभिन्न शोध परियोजनाएँ की गई है।

विभाग के पास कृषि और ग्रामीण विकास से संषधित सामाजिक-आर्थिक मुद्दों में शिक्षण और अनुसंधान करने के लिए एक अधिकार-पत्र है। तदनुसार, विभाग ने आर्थिक उदारीकरण युग के बाद की चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों को अनुकूलित किया है। विभाग कई अनिवार्य कोर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर उन्नत वैकल्पिक और गौण पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह विभाग अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के उभरते क्षेत्रों नीति निर्माताओं को ज्ञान और कृषि क्षेत्र में सार्वजनिक नीतियों और मूख्य कार्यक्रमों के मूल्यांकन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कृषि अर्थशास्त्र विभाग में विशेषज्ञता के बहु क्षेत्रों के साथ पाँच स्वीकृत शिक्षण पद है। विभाग के पास एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला भी है।

विभागीय संगोष्ठीयाँ

वक्ता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
• डॉ. शेखर सेन, बी.डी.ओ., बोलपुर-शान्तिनिकेतन ब्लॉक • आचार्य देबाशीष सरकार, पी.एस.बी. • आचार्य बिधानचन्द्र राय, पी.एस.बी. • डॉ. स्वपन माइति, पी.एस.बी. • डॉ. भोलानाथ मंडल, पी.एस.बी. • डॉ. बितान मंडल, पी.एस.बी. • श्री सुमन कल्याण मंडल, आई.एस.एस.ई.	स्टेट लेवल मीट ऑन स्ट्रेंगथनिंग ऑर्गैनिक फार्मिंग अमंग आन्ट्रप्रनुरस ऑर्गनाइज़्ड बाई आईएमएसई इन कोपरैशन विथ सेवा	07.03.2020
• डॉ. शेखर सेन, बी.डी.ओ., बोलपुर-	ब्लॉक वियोजन कार्यक्रम	20.02.2020

वक्ता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
शांतिनिकेतन ब्लॉक • आचार्य देबाशिष सरकार, पी.एस.बी. • आचार्य बिधानचन्द्र राय, पी.एस.बी.		

डॉ. वितान मंडल, पी.एस.बी

सम्मेलन/ संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शन में भागीदारी

प्रो. विधानचन्द्र मंडल

- 01.08.2019-2.8.19 – राष्ट्रीय स्तर का प्रोजेट, ग्रामीण सर्वेक्षण अध्ययन, दिल्ली
- 29.09.2019 – 30.09.2019 – राष्ट्रीय स्तर का प्रोजेक्ट, ग्रामीण सर्वेक्षण अध्ययन, विश्वभारती
- 17.10.2019 – 19.10.2019 – राष्ट्रीय कार्यशाला, मंत्रालय द्वारा संपोषित अध्ययन, बैंगलोर।
- 22.01.2020 – कृषि अर्थनीति शोध केन्द्र की समीक्षा, नई दिल्ली।

डॉ बितान मंडल

- 29.09.2019 – 30.09.2019 राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला, ग्रामीण सर्वेक्षण अध्ययन, विश्वभारती।
- 20.12.2019 – 22.12.2019 राष्ट्रीय कार्यशाला, समाज विज्ञान और राजनीति, प्रेसिडेंसि विश्वविद्यालय, कोलकाता।
- 16.01.2020 – 05.02.2020 शीत विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम, कृषि में डाटा विश्लेषण, आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली।

क्रम.	प्रकल्प समन्वयक का नाम	प्रकल्प का नाम	संपोषित एजेंसी	राशि अनुमोदित (रुपए)
1	प्रो. बी.सी. राय	प्रधानमंत्री कृषि संवयी योजना का मूल्यांकन, सिक्किम	--	170.00 लाख
2	प्रो. बी.सी. राय और डॉ बी.मंडल	पश्चिमबंगाल में चारा खाद्य का मूल्यांकन	कृषि मंत्रालय	
3	प्रो. बी.सी. राय	पश्चिम बंगाल में ग्रामीण सर्वेक्षण अध्ययन	कृषि मंत्रालय, भारत सरकार	
4	प्रो. बी.सी. राय	विभिन्न उत्पादनों का मूल्यांकन अदरख और हल्दी		
5	प्रो. बी.सी. राय	प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण का अध्ययन	खाद के संदर्भ में	
6.	प्रो. बी.सी. राय	कृषि संकेतक कार्यक्रम, नीति आयोग		

विस्तारगत विधि/ एन.एस.एस. /सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ

यह विभाग प्रारम्भ से तकनीकि अंतरण के विकास पर कार्य करता रहा है। इसके अतिरिक्त एच.एस.एस. गतिविधियों का आयोजन करता रहा है। विभागीय संगोष्ठियों के अतिरिक्त विभाग के सदस्य सर्वदा जिले एवं राज्य के स्तर पर विशेषज्ञ दल की बैठक में भाग लेते रहे हैं और कृषि विभाग पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेते रहें हैं। विभागीय सदस्य विस्तार कार्यक्रम, आकाशवाणी और दूरदर्शन के निम्नलिखित कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रो. विधानचन्द्र राय

- 25.06.2019 – जूट अर्थनीति भारत में। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, पश्चिम बंगाल के बोलपुर केन्द्र में।
- 26.08.2019 – दूरदर्शन के कृषि दर्शन कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रुप में भागीदारी।
- 16.09.2019 – दूरदर्शन, प्रसार भारती के किसान वाणी कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रुप में भागीदारी।
- 24.09.2019 – पश्चिम बंगाल राज्य स्तरीय प्रशिक्षण बैठक आलू उद्‌पादन के संदर्भ विशेषज्ञ के रुप में भागीदारी।

शैक्षणिक सम्मान प्राप्ति

प्रो. देवाशिष सरकार

- कृषि अर्थनीति और समाज विज्ञान गबेषणा संगठन नयी दिल्ली में अध्यक्ष के रुप में भागीदारी।
- अर्थनीति विषयक बैठक, अन्तर्राष्ट्रीय जरनल, नयी दिल्ली में प्रधान संपादक।
- संपादक, एम.जे.ए.भी.एस, असम।
- सदस्य संपादक मण्डल, जनरल ऑफ सोसल साइंस स्टडिज यू. एस. ए.।
- सदस्य प्राकृतिक आपदा व्यवस्था प्रकोष्ठ, विश्वभारती।
- सलाहकार स्वरोजगार प्रेरण संस्था, कोलकाता।
- आजीवन सदस्य, कृषि अर्थनीति भारतीय समिति, मुंबई।
- आजीवन सदस्य, कृषि अर्थनीति गवेषणा समिति, नयी दिल्ली।

प्रो. बिधान चन्द्र राय

- साम्मानिक निदेशक, एगरो इकोनोमिक रीसर्च सेंटर।
- शोध केन्द्र विश्वभारती।
- संपादक, इन्टरनेशनल जनरल ऑफ सोशल साइन्स, नयी दिल्ली।
- सदस्य सम्पादकीय समिति, एमिटी जनरल ऑफ एभरी बिजनेस मैनेजमेंट।
- संपादक इन्टरनेशनल जनरल ऑफ सोशल साइंस, नयी दिल्ली।
- उपाध्यक्ष, अंत्योदय विकास समिति (2014-15).

- 08 जनरल (3 अन्तर्राष्ट्रीय और 5 राष्ट्रीय में निर्णायक।
- आजीवन सदस्य, कृषि अर्थनीति शोध-समिति, नयी दिल्ली।
- आजीवन सदस्य एवं संपादकीय समिति का सदस्य, बायो रिसोर्श और एस्ट्रैस मैनेजमेंट की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।
- आजीवन सदस्य, बायो रिसोर्श, पर्यावरण और कृषि शोध समिति।

प्रकाशन

शोध पत्र

प्रो. देवाशीष सरकार

- कोस्ट्रेन्ट ऑफ बायो बेशड फार्मिगं सिस्टम का हूगली और दक्षिण 24 परगना जिले के संदर्भ में अध्ययन, इनोवैटिग फार्मिंग, ISSN-2455-6521, खण्ड-5, अंक-2.
- जनजातीय जनसंख्या छत्तीसगढ़ में वननीति का प्रभाव, एन.आई.आर.डी., हैदराबाद, 2019.

प्रो. बिधान चन्द्र राय

- पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का मूल्यांकन और जनवरी 2020 ISSN-0002-1679.
- हुगली और दक्षिण 24 परगना के संदर्भ में जैव आधारित कृषि व्यवस्था का अध्यन। इनवोटिभ फार्मिंग 2020, खण्ड, अंक-2 – 2455-6321.

डा. बितान मंडल

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पश्चिम बंगाल का मूल्यांकन, 2020, एगरीकल्चरल सीचूएशेन इन इण्डिया भारत सरकार।
- रिसाइलेंस ऑफ एगरीकल्चरल, भलनरेबल स्टेट ऑफ इण्डिया, ओरियेटनल एंड एपलाइड प्लाइमोटोलॉजि।
- कृषि व्यवस्था, भारत में सुधार, एगरीकल्चरल वॉटर मैनेजमेंट 2019.
- छत्तीसगढ़ में वन अधिकार अधिनियम वेकारण जनजातिय जनसंखया पर वननीति का प्रभाव, 2019, एन.आइ.आर.डी. हैदराबाद।

पुस्तक और पुस्तक अध्याय

प्रो. देवाशीष सरकार

- सस्टेनेवल मैनेजमेंट प्राक्टिस ऑफ द ट्रैडिशनल सोसाइटी, एम.बी पीललाइन, ग्लोबल कॉमन इसू, 2020, एस.ए.जी.ई. प्रकाशन।
- एम्पावरमेंट ऑफ रूलर वूमेन इन एगरीकल्चर एंड डेयरी सेक्टरस इन इण्डायाँ, वूमेन इकोनोमिक इंपावरमेंट, 2019, न्यू दिल्ली पब्लिसर।

मोनोग्राफ

प्रो. विधानचंद्र राय

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पश्चिमबंगाल का मूल्यांकन, बी.सी. राय और बी. मण्डल (2019).
- पश्चिम बंगाल में ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका, वी.सी.राय, 2019.

डॉ बितान मंडल

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प.बंगाल का मूल्याकन, बी.सी.राय और बी.मंडल, 2019.

नये पाठ्यक्रम का निर्माण

- दो वर्षीय स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम का कृषि आधारित व्यवस्था उद्योग और दूसरे सहभागियों के साथ स्वपोषित, एम.बी.ए. कार्यक्रम।
- विभाग में कम्प्यूटर लैब के विकास का कार्यक्रम।

अन्य आवश्यक सूचनाएँ

यह विभाग शिक्षण शोध और विस्तारगत विधियों पर समुचित कार्य करता रहा है। इस विभाग में शोधकार्य ही होते रहे हैं। विभाग के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफल रहे हैं। किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी होता रहा है।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग

कृषि अभियांत्रिकी विभाग 3 सितंबर 2016 को स्थापित किया गया था। इस विभाग का मुख्य उद्देश्य कृषि अभियांत्रिकी, कृषि यांत्रिकीकरण, खाद्य और कृषि प्रसंस्करण, मृदा और जल संरक्षण इंजीनियारिंग और नवीकरण ऊर्जा सहित कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान और उसके विस्तार और विकाश की गतिविधियाँ हैं। आधुनिक और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों के साथ कृषि क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने और बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक आधार प्रदान करना भी इस विभाग का उद्देश्य है। वर्तमान में, इस विभाग में विभिन्न पाठ्यक्रम चल रहे हैं। स्नातक स्तर पर भूमि उपयोग योजना के अंतर्गत फार्म पॉवर एंड मशीनरी, संरक्षित संवर्धन और पोस्टहारवेस्ट प्रौद्योगिकी, मृदा और जल संरक्षण इंजीनियारिंग, नवीकरण ऊर्जा, खाद्य विज्ञान और पोषण के सिद्धांत, एनआरएम में आरएस और जीआईएस आदि कृषि विज्ञान की जानकारी दिया जाता है। कृषि इंजीनियरिंग विषयों में विभाग पीएचडी डिग्री भी प्रदान करता है। पीएचडी जारी रखने वाले पांच छात्र हैं। प्रमुख्र कृषि अनुसंधान क्षेत्र के अंतर्गत सटीक कृषि अनुप्रयोग, वन बायोमास पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, अपवाह मॉडलिंग, खाद्य प्रक्रिया इंजीनियारिंग, खाद्य प्रौद्योगिकी, आदि हैं। एक नया विभाग होने के नाते, प्रयोगशाला, कार्यशाला और विभागीय भवन सहित बुनियादी सुविधाओं और उपकरणों की भारी आवश्यकता है।

विभागीय संगोष्ठी / कार्यशाला :

- 23.02.2020-03.03.2020, 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सांख्यिकीय उपकरण और डेटा विश्लेषण पर कृषि सांख्यिकी विभाग में एस.पी.एस.एस और आर तत्वावधान में और सहयोग से आयोजन।

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / संगोष्ठी में भाग लिया :

डॉ. पी. कंडासामी

- 23.02.2020-03.03.2020। 10-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सांख्यिकीय उपकरण और डेटा विश्लेषण पर कृषि सांख्यिकी विभाग में एस.पी.एस.एस और आर के तत्वावधान में और सहयोग से आयोजन। आयोजक – कृषि अभियांत्रिकी विभाग, पीएसबी, पीएसबी., विश्वभारती, शान्तिनिकेतन, वेस्ट बंगाल द्वारा आयोजित।

डॉ. किशोर चंद्र स्वाइं

- 15.02.2020 – 16-02-2020 जीएनईटी विशवविद्यालय, गुनपुर में सतत कृषि अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियों के लिए वर्षा आधारित कृषि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत। प्रस्तुति का शीर्षक वर्षा आधारित कृषि के लिए आई सी टी की मशीन और तकनीक।
- 16.11.2019 – 18.11.2019 विश्वभारती और पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित बीरभूम के आसपास और आसपास के सांस्कृतिक पर्यटन के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पत्र,

प्रस्तुति का शीर्षक एक्सप्लोरिंग स्कोप ऑफ़ एग्री-टूरिज्म इन श्रीनिकेतन एंड सराउन्डिंग, लिपिका, विश्वभारती में।

- 14.10.2019 – 17.10.2019 प्रिसिजन एग्रीकल्चर पर 8 वें एशियाई-आस्ट्रेलियाई सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर। प्रस्तुति का शीर्षक. ए.एच.पी – जी.आई.एस तकनीक के साथ सतत फसल चयन प्रणाली।
- 09.12.2019 – 10.12.209 बर्दमान विश्वविद्यालय और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी, विभाग, जैव प्रौद्योगिकी, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा 4थी क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस – 2019 में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक सस्टेनेबल क्रॉप इंडिफिकेशन यूजिंग रिमोट सेंमिंग टेक्नोलॉजी।
- 23.02.2020-03.03.2020। राष्ट्रीय कार्यशाला सांख्यिकीय उपकरण और डेटा विश्लेषण पर कृषि सांख्यिकी विभाग में एस.पी.एस.एस और आर के तत्वावधान में और सहयोग से आयोजन। आयोजक कृषि अभियांत्रिकी विभाग, पीएसबी, विश्वभारती, शान्तिनिकेतन, वेस्ट बंगाल द्वारा आयोजित।

रिसर्च स्कॉलर्स

सुश्री निलेश्वरी आर. यूल

- 05.02.2020 अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता स्कियोरिंग दि हार्वेस्ट फोरम ऑन इंप्रूव्ड ग्रेन स्टोरेज ऑन स्मॉलहोल्डर एग्रीकल्चर अनुसंधान संस्थान दक्षिण एशिया, नई दिल्ली, इंस्टिट्यूट फॉर द प्रीवेंशन ऑफ पोस्ट हार्वेस्ट लॉस विद इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट साउथ एशिया के साथ सह-मेजबानी की गई है।
- 23.02.2020-03-03-2020 10- दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सांख्यिकीय उपकरण और डेटा विश्लेषण पर कृषि सांख्यिकी विभाग में एस.पी.एस.एस और आर के तत्वावधान में और सहयोग से आयोजन।

कार्यरत अनुसंधान परियोजनायें

क्र. सं.	परियोजना समन्वयक	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसी	स्वीकृत राशि
1	डॉ किशोर चंद्र स्वाइं और सुश्री निलेश्वरी आर.यूल	स्टडी ऑन फ्लेक्सिबल हर्मेटिक स्टोरेज सिस्टम फॉर ग्रीन ग्राम और टर्मरिक राइजोम	इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स आर एंड डी ग्रांट-एड-स्कीम	0.60 लाख के लिए फरवरी 2019-जुलाई 2020

गतिविधियॉ एनएसएस सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां:

- 12-13 फरवरी 2020 के दौरान एनएसएस इकाई, पीएसबी पीएसवी और पल्ली शिक्षा भवन, पुस्तकालय द्वारा रक्त दान सह जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया।

- बोलपुर उप-मंडल के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि यांत्रिकीकरण और चावल प्रसंस्करण उद्योग के स्नातक छात्रों के लिए आर एड ब्ल्यूई कार्यक्रम आयोजित किया।
- छात्रों के साथ 10 मार्च को गांधी पुण्याह मनाया गया।
- छात्रों के साथ विभाग में शिक्षक दिवस का आयोजन और जश्न।
- पी.एच.डी के लिए छात्र की काउंसेलिंग और प्लेसमेंट।
- छात्रों के साथ भवन में छात्र विदाई कार्यक्रम।
- भवन की वार्षिक खेल बैठक में भाग लिया।

शैक्षणिक विशिष्टता

डॉ. पी. कंदासामी

- 26 जनवरी 2020 के वर्ल्ड रिसर्च काउंसिल और यूनाइटेड मेडिकल काउंसिल के सहयोग से आई.जे.आर.यू.एल.ए और आर.यू.एल.ए द्वारा पोस्ट-हार्वेस्ट इंजीनियरिंग अवार्ड में अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता।

पत्रिकाओं के समीक्षक –

- खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल (स्प्रिंगर)
- जर्नल ऑफ़ फूड प्रोसेस इंजीनियारिंग (विले)

डॉ किशोर चंद्र स्वाइं

- ए.सी.पी.ए 2019 – 14-17, अक्टूबर 2019 के दौरान पीएयू, लुधिया, भारत में 8 वें एशियाई-ऑस्ट्रेलियाई कृषि सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रुप में व्याख्यान देने के लिए सम्मा और पुरस्कार।

पत्रिकाओं के समीक्षक

- कृषि इंजीनियरिंग जर्नल
- कंप्यूटर और कृषि में इलेक्ट्रॉनिक्स
- इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग

प्रकाशन

शोध पत्र

डॉ. पी. कंदासामी

- असेसमेंट ऑफ साइको केमिकल एंड सेंसरी कैरक्टरर्टिस्ट्स होममेड पपाया फ्रूट पाउडर कंदासामी, पी. वरदराजू, एन. ठाकरे डी. एस और स्मृतिकाना, एस. (2019) इंटरनेशनल फूड रिसर्च जर्नल, 26 (3) – 819-829.
- रिसेंट डेवलपमेंट इन माइक्रोवेव ड्राइंग टेक्नोलॉजी फॉर फूड प्रीवेंशन। कंदासामी, पी.और एस. स्मृतिकाना (2019). जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 6 (2) 474-4881.

- इफेक्ट ऑप स्कूलिंग इन फैब्रिकेटेड सोलर कूलर ऑन हिस्टोलॉजी ऑफ पैगुनिस (पंगासियनोडोन हाइपोथैलोमस) मसल्स'। बिस्वास. ओ. कंदासामी, पी. और सरकार, पी. (2020)। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल हेल्थ, 59 (1): 73-77.
- 'एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टिगेशन ऑन द इफेक्ट ऑफ प्री-ट्रीटमेंट ऑन थीं लेयर ऑन ड्राइंग एंड क्वालिटी कैरेक्टरिस्टिक ऑफ ग्रीन मैंगो इन चार कन्वेंशन हॉट एयर ड्राइंग।' मिश्रा, एम. शुक्ला, आर.एन., कंदासामी, पी. और हियुर्म, बी. (2019)। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 8 (6): 3112-3124.

डॉ. किशोर चंद्र स्वाइं

- 'माइक्रो स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज एम एस एम एस द इंडिया इंजन ऑफ ग्रोथ।' साहू, बी. बी., स्वैन के. सी. (2020)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशाल साइंसेज, 9 (1):01-31.
- 'लैंड सस्टेनेबिलिटी एसेसमेंट फॉर पटेटो क्राफ्ट यूजिंग एनालिटिक्स इलेक्ट्रिक प्रोसेस टेक्निक एंड ज्योग्राफिक इनफॉरमेशन सिस्टम।' सिंघा, सी., स्वैन, के. सी., और सरीन, बी. के. (2019)। कृषि इंजीनियरिंग जर्नल, 56 (6): 77-87.
- 'इंडीफिकेशन एंड एसेसमेंट ऑफ फॉरेस्ट फायर इन सिंपलीपॉल टाइगर रिजर्व एस टी आर विद जी आई एस।' स्वैन, ए. और स्वैन, के. सी. (2019)। भारतीय, 145 (12): 1131-1138.
- 'इफेक्ट ऑफ पॉलिशिंग ऑन केमिकल एंड इंजीनियरिंग प्रॉपर्टीज ऑफ येलो एंड ब्लैक टर्मरिक।' येओले, एन.आर., स्वैन के.सी., मान, एस., चंद्रशेखर, वी. और कलनार, वाई. (2019)। एनल्स आफ फाइटोमेडिसेन एन इंटरनेशनल जर्नल, 8(2): 85-92.
- 'हर्मेटिक टेक्नोलॉजी: ए न्यू बिगनिंग फॉर ग्रेन स्टोरेज एंड फार्मर बेनिफिट।' मान, ए. येओले, एन. आर., स्वैन के. सी. और मित्तल, एस (2019)। भारतीय खेती, 69 (12): 34-36.

पुस्तकें और पुस्तक अध्याय:

डॉ. पी. कंदासामी

- 'खरपतवार और नेमाटोड प्रबंधन– एक अध्ययन।' कंदासामी, पी। (2019)। पुस्तक (सं.) प्रोसीडिंग्स ऑफ द इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लाइवलीहुड प्रमोशन, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा भारतीय सुदरवन में भोलानाथ मंडल द्वारा संपादित। पलाश मंडल, इंद्रब्रत भट्टाचार्य, नई दिल्ली प्रकाशक। आईएसबीएन: 978-93-88879-26-2.

डॉ. किशोर चंद्र स्वाइं

- 'सटीक कृषि प्रौद्योगिकी पर एक पाठ्य पुस्तक।' स्वाइं, के. सी., (2020)। नई दिल्ली पब्लिशर्स, पीपी 161। आईएसबीएन: 978-93-88879-57-6.

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभागाध्यक्ष की राय में हो

- **सुश्री ओलिप्रिया बिश्वास** को मत्स्य इंजीनियरिंग विभाग, मत्स्य विज्ञान संकाय, पश्चम बंगाल पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रुप में चुना गया है।
- **किशोर चंद्र स्वाइं,** अप्रैल 2019 से कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस इकाई, पीएसबी / पीएसवी के रूप में सेवारत हैं। छात्रों और शिक्षकों के साथ, उन्होंने वृक्षारोपण कार्यक्रम, स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) कार्यक्रम जैसी विभिन्न विस्तार गतिविधियों को अंजाम दिया है। वर्ष 2019-2020 के तौरान बेनुरिया हाई स्कूल और रक्तदान शिविर आदि।

कृषि कीट-विज्ञान विभाग

प्रारंभ में कृषि एंटोमोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी को 1965 से कृषि विभाग, पल्ली शिक्षा सदन के तहत पढ़ाया जाता था और 1989 में इन दो प्रमुख विषयों को मिलाकर कृषि संस्थान के भीतर एक अलग पौध संरक्षण विभाग बनाया गया। कृषि एंटोमोलॉजी विभाग के निवासी अनुदेश कार्यक्रम की देखरेख करना जारी रखता है. जिसमें पल्ली शिक्षा भवन के छात्रों के लिए स्नातक निर्देश और स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए एम एस सी और पीएच.डी. पिछले 28 वर्षों के लिए कृषि एंटोमोलॉजी में विशेषज्ञता के साथ संयंत्र संरक्षण में डिग्री। हाल ही में 2017 में, प्लांट प्रोटेक्शन प्रोग्राम को एम. एससी में अलग पीजी प्रोग्राम की पेशकश करने के लिए विभाजित किया गया है कृषि एंटोमोलॉजी में। इसके बाद कृषि इंटोमोलॉजी विभाग का पूर्ण रुप से निर्माण का कार्य विश्वभारती की कार्यकारी परिषद में दिनांक 23.02.2019 की बैठक के एजेंडा मद नंबर 4 में हल किया गया है और स्वतंत्र रूप से कार्य करना शुरु कर दिया है। 2 जून 2019 को मेमो नंबर Aca-G/K-40/190/2019-20 दिनांक 02.06.2019 को विभाग का गठन यूजी, पीजी और पीएच.डी छात्रों को कृषि एंटोमोलॉजी पढ़ाने में उत्कृष्टता हासिल करने और किसानों की समस्या की ओर उन्मुख अनुसंधान करने के उद्देश्य से किया गया है। विभाग में अनुसंधान की पारंपरिक ताकत आर्थिक एंटोमोलॉजी, टॉक्सिकोलॉजी, बायोकन्ट्रोल और सेरीकल्चर पर थी। वर्तमान में बायोएजेंट, सांस्कृतिक प्रथाओं, होस्ट प्लांट रेजिस्टेंस और इकोफ्रेंडली रसायनों को शामिल करने वाली विभिन्न फसलों के लिए आईपीएम मॉड्यूल को संश्लेषित करने पर जोर दिया गया है। विभाग ने अब तक लगभग 85 प्रशिक्षित स्नातकोत्तर छात्रों को कृषि और संबंद्ध क्षेत्रों के मानव पंसाधन में योगदान दिया है। कॉलेज के कई पूर्व छात्रो उच्च पदों पर हैं और राष्ट्रीय और उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मान्यता प्राप्त की है। इसके अलावा कि विभाग सेरीकल्चर की एक अच्छी तरह से सुसज्जित अनुभवात्मक अधिगम इकाई स्थापित करने के लिए कमर कस रहा है, जो नौकरी चाहने वालों को नौकरी देने के बजाय नौकरी देने में मदद करेगा।

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

शुभजीत पाल **(आईसीएआर-नेट)**

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला

प्रो. हीरक चटर्जी

- 2019/01-07: पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले के तसर सेरीकल्चर किसानों पर 'कैपिसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग वर्कशॉप प्रोग्राम अंडर सेरीकल्चर फार्मर ऑफ बांकुड़ा डिस्ट्रिक वेस्ट बंगाल एंड एड्रेस दी सेमी फर्मर ओन मेजर पेस्ट ऑफ तसर सिल्कवर्म (एनथेरा मायलिटा डी) सिल्क क्षमता निर्माण प्रशिक्षण सह कार्यशाला कार्यक्रम' में भाग लिया और अध्यक्षता की।

डॉ. पलाश मंडल:

- 25-26.09.2019: झारखाली में आयोजित, 'पैथोलॉजी-पर्यावरण और पर्यावरणीय स्थिरता: जीवनयापन सुरक्षा के लिए आगे का रास्ता' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, पादरी-शिक्षा विभाग, पल्लीशिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती द्वारा हीरामनपुर एग्रो-हॉर्टिकल्चरल सोसायटी के सहयोग से आयोजित प्रौद्योगिकी और ग्रामीण विकाश। पेपर का शीर्षक– टमाटर में हेलिकोवर्पा आर्मिगेरे की जनसंख्या बहुतायत पर मौसम के मापदंडों के प्रभाव पर अध्ययन (लाइकोपर्सिकॉन एस्कुलेंटम मिल।)
- 14-15.09.2019: 7 वां आई सी एस डी ए पी बेनियल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल एरेन्स्ट पीस एंड जेवलपमेंट इस्लामिक यूनिवर्सिटी, कुश्तिया, बांग्लादेश और आई सी एस डी ए पी द्वारा आयोजित पेपर का शीर्षक: किचन गार्डनिंग-ग्रामीण लोगों के लिए पोषण संबंधी असुरक्षा को संतुलित करने के लिए एक प्रकार की पारिवारिक खेती।

डॉ. स्वर्णाली भट्टाचार्य

- 26-27.07.2019 ऑर्गनाइजेशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चर इनोवेशन (SAAI) द्वारा तमिलनाडु के सलेम, तमिलनाडु में 'कृषि और संबब्द्ध विज्ञान अनुसंधान में चुनौतियां और नवीन हष्टिकोण' विषय पर आयोजित जैविक विज्ञान सम्मेलन के राष्ट्रीय सम्मेलन में मैखिक प्रस्तुति, इस विषय पर 'प्लांट डिफेंस सिग्नलिंग' टमाटर सफेट मक्खी (बेमिसियाटाबी) के खिलाफ सूक्ष्म जीव'।

अनुसंधान परियोजनाएँ

क्र. सं.	परियोजना समन्वयक	परियोजना का नाम	प्रयोजक एजेंसी	स्वीकृत राशी
1	प्रो. हीरक चटर्जी	इव्यूलेशन ऑफ बायो प्रोडक्ट्स अगेंस्ट स्टीम बोर्ड एंड लीफ फोल्डर	एमर्जीन एग्रीनोवो प्राइवेट लिमिटेड, दैदराबाद, टीएस, भारत 500018	1.3 लाख
2	डॉ. पलाश मंडल	बायोइन्फिलिटी फील्ड ट्रायल ऑफ क्लोरेंट्रिनिप्रोले 18.5% एससी एगेंस्ट फूट एंड शूट बोरर इन ब्रिंजल क्रॉप एंड स्टेम बोरेर लीफ फोल्डर इन राइस क्रॉप	मेसर्स एग्रो प्लाड वेंटर प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा	2.80 लाख

क्र. सं.	परियोजना समन्वयक	परियोजना का नाम	प्रयोजक एजेंसी	स्वीकृत राशी
3	डॉ. स्वर्णाली भट्टाचार्य	इव्यूलेशन ऑफ बायो एफिसियेंसि साईटओसिटी एंड रिसिउ ट्रियल ऑफ न्यू जनरेशन मॉलिक्यूल अगेंस्ट इंपॉर्टेंट इंसेक्ट इंपेस्टिंग सर्विस चिल्ली ओकरा एंड ब्रिंजल क्रॉप	वुडलैंड केमिकल प्राइवेट लिमिटेड	10.1 लाख

गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां:

- विभाग अपनी स्थापना से प्रौद्योगिकियों (टीओटी) के हस्तांतरण में शामिल है। इसके अलावा, विभाग विभागीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है, विभाग के संकाय सदस्यों ने नियमित रुप से जिला और राज्य स्तरीय विशेषज्ञ समूह की बैठकों में भाग लिया, और कृषि विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित व्याख्यान दिये। विभाग के संकाय सदस्यों ने ऑल इंडिया रेडियो (एफएम 103.1) में नियमित रुप से विभिन्न आउटरीच और विस्तार कार्यक्रमों में भाग लिया, इसके अलावा, इस विभाग के छात्र समय-समय पर संस्थान द्वारा आयोजित गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं और साथ ही विभाग किसानों के लाभ के लिए सभी कार्य दिवसों में कार्यालय समय के दौरान एक प्लांट हेल्थ क्लिनिक चलाता है। कीट प्रबंधन के संबंध में टेलीफोन सलाहकार सेवाएं भी किसानों के लिए विस्तारित की जाती हैं। पालन और स्थायी कीट प्रबंधन के लिए सलाहकार सेवाएं कृषि निदेशालय, सरकार को भी दी जाती हैं। पश्चिम बंगाल और विभिन्न एनजीओ के अलावा, संकाय सदस्यों ने रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अलावा एनसीएस द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर, स्वचेताअभियान, वृक्षरोपण, गांधी पुण्याह, माघ मेला, हलकर्षण में सक्रिय रुप से शामिल हैं।

शिक्षकों/विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियां:

प्रो. हीरक चटर्जी

- उत्तर बंग कृषि विश्व विद्यालय, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल में सहायक अध्यापक के रुप में नियुक्त।
- आईसीएआर और आईएसआई, कोलकाता में विभिन्न चयन समिति और सीएएस पटोन्नति बोर्ड में बाहरी विशेषज्ञ के रुप में कार्य।

- 1 मार्च 2017 से विभाग के प्रमुख, पादप सुरक्षा विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती के प्रमुख के रूप में कार्य करना।
- भारप्राप्त नोडल ऑफिसर पी एस बी विश्वभारती के प्रोडेक्ट एंड आई एंड एन आई एस ए जी ई एन ई टी, आई सी ए आर, नई दिल्ली के लिए कार्य करना।
- पादप संरक्षण और पर्यावरण जर्नल के पार्षद के रूप में कार्य करना। 2007 से ओयूएटी, ओरीसा, भुवनेश्वर।
- कीट विज्ञान पीएयू, लुधियाना में पत्रिकाओं के रेफरी के रूप में कार्य करना।
- जर्नल्स 'ओरीज़ा' और एज़रा सोसायटी, सीआरआरआई, कटक के रेफरी के रूप में कार्य करना।
- कृषि अनुसंधान संचार, गोरव समाज, हिसार में पत्रिकाओं के रेफरी के रूप में कार्य करना।
- पादप संरक्षण और पर्यावरण जर्नल के रेफरी के रूप में कार्य करना। ओयूएटी, भुवनेश्वर।
- सीएयू, ओएयूटी, यूबीकेभी जोरहाट में पेपर सेटर, थीसिस मूल्यांकनकर्ता और बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य करना।

डॉ. पलाश मंडल

- 'क्रॉप एंड वीड साइंस सोसायटी' के आजीवन सदस्य 'क्रॉप एंड वीड' जर्नल प्रकाशित किया। कार्यालय: एग्रोनॉमी विभाग, एफ/एजी, बीसीकेवी, भारत।
- जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान सोसायटी के आजीवन सदस्य, जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान कार्यालय के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशित किए: शांतिनिकेतन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल।
- बीसीकेवी, मोहनपुरर में मास्टर की थीसस मूल्यांकन के लिए बारही परीक्षक, यूबीकेवी, कूचबिहार।
- बीसीकेवी, यूबीकेवी, जेएनकेवीवी, पीएयू में यूजी स्तर के लिए एंटोमोलॉजी के विभिन्न पाठ्यक्रमों के पेपर सेटर।
- पादप संरक्षण विभाग, विश्वभारती के पीजी समन्वयक।
- स्नानकोत्तर अध्ययन के लिए पुस्तकालय और सूचना विज्ञान का पाठ्यक्रम समन्वयक।
- जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
- जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
- जर्नल प्रोग्रेसिव एग्रीकल्चर साइंसेज के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
- विश्वभारती कर्मचारी फुटबॉल टूर्मामेंट के सदस्य।

डॉ. स्वर्णाली भट्टाचार्य

- डॉ. स्वर्णाली भट्टाचार्य सोसाइटी फॉर एग्रीकल्चर इनोवेशन ऑफ एडवांसमेंट द्वारा सम्मानित किए गए 2019 में युवा महिला वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. स्वर्णाली भट्टाचार्य 2019 में डॉ. वसंतराज डेविड फाउंडेशन, चेन्नई द्वारा सम्मानित किए गए युवा महिला वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया।
- बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नादिया डब्ल्यूबी में प्रश्न पत्र बनाने के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त।
- शोध प्रबंध के मूल्यांकन के लिए एक बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया और एम.एससी. (एजी) बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नादिया।
- कलकात्ता विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संस्थान में 15-17 दिसंबर, 2018 को आयोजित 'खाद्य सुरक्षा, पोषण और अर्थव्यवस्ता के संदर्भ में कृषि में संसाधन प्रबंधन की भूमिका' पर राष्ट्रीय संगोष्टी में पोस्टर सत्र के लिए न्यायाधीश के रूप में कार्य किया।

प्रकाशन:

शोध पत्र

प्रो. हीरक चटर्जी

- 'ओच्कुर्रेंस फॉल आर्मी वर्म स्पोडोप्टेरा फ्रुगिपरेडा (जेस्मिथ) (लेपिडोप्टेरा: नोक्टुइडीए ऑन मेज इन वेस्ट बंगाल इंडिया एंड इट्स फील्ड लाइफ टेबल स्टडीज।' टीटी धार, एस भट्टाचार्य, एच चटर्जी, एसके सेनापति, पीएम भट्टाचार्य, पी पोद्दार, टीआर आशिका और टी वेंकटेशन। 2019: जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज़। 7(4), 0869-875 5.53, (आईएसएसएन: 2349-6800).
- 'बायोडायवर्सिटी एंड बायोकंट्रोल प्रोस पेस्टेटस इन मूलबेरी गर्डेंस ऑफ वेस्ट बंगाल विथ स्पेशल रेफरेंस टू न्यू प्रेडेटर साइंस लाटीफोलिस। नवंबर ऑन मीलबग इंफेक्शन मूलबेरी, नटराजन, ललिता एंड सनत कुमार, एमभी एंड चटर्जी, हीरक और पोरानी. जे, 2020, इनोवेटिव पार्मिंग, 5 (1-9).

डॉ. पलाश मंडल

- 'स्टडी ऑफ सम रेशनल आई पी एम मॉड्यूल टू मैनेज टोमेटो फ्रूट बोरेर (हैलिकोवर्पा आर्मीगेरा हब) ड्यूरिंग रवि सीजन अंडर रेड एंड लतेररीतिक जोन ऑफ वेस्ट बंगाल, बिमल मंडल, पलाश मंडल, अयान दास और कुणाल भट्टाचार्य। 2019. रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 7(3): 11797-1800.

- स्टडीज ऑन इंफ्लुएंस ऑफ वेदर पैरामीटर्स ऑन पापुलेशन एबंडेंस ऑफ सम मेजर इन्सेक्ट, पेस्ट ऑफ ओकरा ड्यूरिंग रबी सीजन अंडर रेड एंड लेटरटिक जऑन ऑफ वेस्ट बंगाल, बिमल मंडल, ए विग्नेश कुमार और पलाश मंडल। 2019. जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। 7 (4): 1282-1288.
- 'स्टडीज ऑफ कंपैटिबिलिटी ऑफ टू आइसोलेट्स ऑफ विपएरिया बासियाना (बालसामो) वुइल्लेमिन विथ डिफरेंट एग्रो-केमिकल यूज्ड इन क्रॉप प्रोटेक्सन', पी. मंडल, पी. प्रमाणिक और एस. चटर्जी। 2019. प्रगतिशील कृषि विज्ञान। 1 (1): 1-6.
- 'चावल के पीले तने वाले बोरे और पत्ती के फोड़े पर दानेदार कीटनाशक का प्रभाव।' सतिश चटर्जी, चिरस्री गंगोपाध्याय, इंद्राणी डाना, संतोष कुमार रॉय और पलाश मंडल। 2019. प्रगतिशील कृषि विज्ञान। 1 (1): 61-66.
- 'पापुलेशन डायनॉमिक्स ऑफ चीली टिप्स एस. दोर्सलिस (हूड) एंड देयर नेचुरल एनीमिज, इफेक्ट ऑफ वेदर फैक्टर्स इन चीली एग्रोइकोसिस्टम'। सहनी एसके, मंडल, पी और पाल एस.। 2020 जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज। 8 (1): 273-276.

डॉ. स्वर्णाली भट्टाचार्य

- 'कंपैरेटिव बायोलॉजी ऑफ स्पिलोसोमा ओब्लिकुआ।' योगेश कुमार एच.डी. और स्वर्णाली भट्टाचार्य (2019)। इंडियन जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी। मार्च: 87-89 (आईएसएसएन: 0367).
- 'इफेक्ट ऑफ डिफरेंट इन्सेक्टिसिडल ट्रीटमेंट ऑन एफिड (आफिस हाइपोगिया) इंफेक्स्टिंग ग्राउंडनट (अरचिस हाइपोगिया)।' वीरेंद्र कुमार और स्वर्णाली भट्टाचार्य, 2019 'जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज' 7(2): 513-515 (आईएसएसएन: 2349-6800).
- 'कंबीनेशन ऑफ प्लांट ग्रोथ प्रोमोटिंग राइजोबैक्टीरिया एंड बायोपेस्टिसीड्स : एन इफेक्टिव मीन्स ऑफ सप्रेसिंग पोड बोरेन कांप्लेक्स इन मूँगबीन'। स्नेहांशु दास, स्वर्णाली भट्टाचार्य एवं तापमय धर (2019)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस। (आईएसएसएन : 2319-7706), 8(11) 1410-1417.
- 'कंपेरेडिव एसेसमेंट ऑफ बायोकंट्रोल एजेंट्स (बीजीएज) एंड केमिकल इंसेक्टीसीड्स ऑन दि इन्सीडेंस एंड मैनेजमेंट ऑफ मेजर इंसेक्ट-पेस्ट्स इन ग्रीन ग्राम इन वेस्ट बेंगाल, इंडिया'। प्रज्ञापति और स्वर्णाली भट्टाचार्य (2019)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस। (आईएसएसएन : 2319-7706), 8(7)1578-15871.
- 'इंफ्लुएंस ऑफ मीटेरोलॉजिकल पारामीटर्स ऑन दि इंसीडेंस एंड एबंडंस ऑफ लीफ माइनर (एप्रोआरेमा मोडिसेल्ला), अफीड (अफीस क्रैसिवोरा) एंड विहार हेयरी कैटरपिलर (स्पिलोसोमा ओब्लिक्ता)।' वीरेन्द्र कुमार और स्वर्णाली भट्टाचार्य (2019)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट

माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस (आईएसएसएन: 2319-7706), 8(12): 1225-1231.

- 'ऑकरेंस ऑफ फॉल आर्मी वॉर्म स्पोडोपेटेरा फ्रूगीपेरडा (जे.ई. स्मिथ) (लेपिडोपेटेरा : नोक्टुइडा ऑन मेज इन वेस्ट बेंगाल, इंडिया एंड इट्स फील्ड लाइफ टेबुल स्टडीज', टी. धर, एस. भट्टाचार्य, एच. चटर्जी, एस.के. सेनापति, पी.एम. भट्टाचार्य, पी. पोद्दार, टी.आर. आशिका एवं टी. वेंकटेशन। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजि एंड जूलोजि स्टडीज। 7(4) : 869-875 (आईएसएसएन : 2349-6800).
- 'स्टडीज ऑन स्पेसीज डाइवर्सिटी ऑफ राइस लीफ फोल्डर एंड देयर नेचुरल इनेमीज इन नॉर्थ ईस्टर्न कोस्टल प्लेन्स ऑफ ओडीशा'। बी.के. रौतारे, एस. भट्टाचार्य, डॉ. पाणिग्रही, एस. आर. दाश (2019)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोवायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस। 8(10)634-645 (आईएसएसएन : 2319-7706).
- 'इफेक्ट ऑफ प्लांटिंग डेट्स ऑन इंसिडेंस ऑफ राइस लीफ फोल्ड्रांड इट्स इंपैक्ट ऑन ग्रेन यल्ड इन नॉर्थ ईस्टर्न कोस्टल प्लेन्स ऑफ ओडीशा'। टी. पाण्डा, एस आर दास, बी के रौतारे, एस भट्टाचार्य एंड डी. पाणिग्रही (2019)। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजि एंड जूलॉजि स्टडीज। 7(5) 1287-1290 (आईएसएसएन 2349-6800).
- इवैल्युएशन ऑफ रेड राइस जीनोटाइप्स एगेंस्ट ब्राउन प्लांथो पर, बी पी एच (नीलपर्वत लुगेन्स स्टाल) बाइ फेनोटाइपिक एनालिसिस एंड स्टडी ऑफ मैकेनिज्म ऑफ रेजिस्टेंस इन्वोल्व्ड"। प्रज्ञापति, मायाविनी जेना, स्वर्णाली भट्टाचार्य, अन्नामलाई एम, रघु एस, बेहेरा एस के, संघमित्रा पी, गुरुपिशसिन्ना पंडी जी और शंकरी मीणा के (2019)। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजि स्टडीज। 7(5) 149-155 (आईएसएसएन 2349-6800).
- 'बायोलॉजि ऑफ स्पोडोपेटेरा लिटुरा (फैब) ऑन डिफरेंट क्रॉप प्लांट्स'। योगेश कुमार एच.डी. और स्वर्णाली भट्टाचार्य, 2019। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजिकल रिसर्च 43(2) : 165-168 (आईएसएसएन : 0974-4576).

पुस्तकें और पुस्तकों में अध्याय

- 'लाइव्लीहुड प्रोमोशन, बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन एंड सोशल सेक्युरीटी इन इंडियन सुंदरवन्स'। बी. मण्डल, बी मंडल, आई. भट्टाचार्य, पी. मण्डल, एस-भट्टाचार्य, आदिनाथ, एस. साँतरा, एम.के. विश्वास और एच.चटर्जी। न्यू देल्ही पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित, दिसंबर, 2019 (आईएसबीएन 978-93-86453-97-6).

डॉ. पलाश मण्डल

- 'इंडीजीनस नॉलेज इन इकोसेफ प्लांट प्रोटेक्शन बायोडावर्सिटी इन सुन्दरवन्स रीजन ऑफ वेस्ट बेंगाल, इंडिया'। भोलानाथ मण्डल और पलाश मण्डल (2019), पृष्ठ 387-403. भारतीय सुंदरवन में आजीविका प्रोन्नति, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा की कार्यविधि में। भोलानाथ मण्डल,

पलाश मण्डल और इन्द्रब्रत भट्टाचार्य का संपादन। न्यू देल्ही पब्लिशर्स, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, पृष्ठ (आईएसबीएन : 978-93-88879-26-2).

- प्रोसीडिंग्स ऑफ दि इंटरनेशनल सेमिनार ऑन लाइव्लीहुड प्रोमोशन, बायो-डायवर्सिटी कंजर्वेशन एंड सोशल सेक्युरिटी इन इंडियन सुन्दरवन्स', भोलानाथ मण्डल, पलाश मण्डल और इंद्रब्रत भट्टाचार्य द्वारा संपादित। न्यू देल्ही पब्लिशर्स, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, पृष्ठ 484 (आईएसबीएन : 978-93-88879-26-2).

विभाग द्वारा प्रारंभ किये गए नये पाठ्यक्रम / पाठसामग्री अथवा अन्य शैक्षिक नवाचारों का प्राकल्पन :

चालू शैक्षिक वर्ष में दो स्नातक पाठ्यक्रम प्राकल्पित एवं पुनर्रचित हुए जैसे कि एईएन-211 : बायो कंट्रोल एजेंट्स एंड बायोपेस्टिसीड्स 2(1+1) जिसका उद्देश्य छात्रों को विविध जैव नियंत्रण अभिवर्त्ता जैसे कि पारासिट्वाइड्स, प्रिडेटर्स और विविध एंटोमोपैथोजेनिक तथा अन्य माइक्रोऑर्गेनिज्म के क्षेत्रों में जैविक नियंत्रण के सिद्धान्त और व्यवहार द्वारा प्रशिक्षित करना है। और दूसरा एईएन-321 : प्रिंसिपल्स ऑफ इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट 2(1+1) है जिसका उद्देश्य आईपीएम, मास प्रोडक्शन टेक्नीक्स ऑफ नेचुरल इनेमीज एंड फील्ड डायनोसीज ऑफ वैरियस इंसेक्ट-पेस्ट्स के सिद्धान्त, व्यवहार और संयुक्तिकरण में प्रशिक्षित करना है। वे पी आर ए और निर्णयात्मक क्षमता सीख सकेंगे। साथ ही, होस्ट प्लांट रेजिस्टेंस और ईकॉलॉजिकल मैनेजमेंट ऑफ इंसेक्ट-पेस्ट से परिचित भी होंगे।

अन्य संबद्ध सूचना :

विभागीय शिक्षकों ने एवीआरडीसी, ताईवान तथा हॉर्टिकल्चर मिशन, पश्चिम बंगाल से 4 परियोजनाएँ हासिल की हैं। इनमें से एक की परिसमाप्ति ने अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाई है। पाठ्यक्रम प्रणाली के कचीला बनाने के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पिएच.डी. के लिए सीबीसीएस पद्धति अपनाई गई है। यह संबद्ध विषयों में प्रवर्तित रुझानों को शामिल करने के विचार से यूजीसी एवं आईसीएआर के दिशानिर्देशों के अनुसार पाठ्यक्रमों को नवीकृत करता है। हाल-फिलहाल की ज्ञान-प्रगति के मद्देनजर पीएच.डी. पाठ्यक्रम के कोर्स वर्क का अभिकल्पन किया गया जिसे पूरी तरह से लागू कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, कुछ नई तकनीकें डब्ल्यू.आर.टी. सस्टेनेबुल मैनेजमेंट ऑफ ब्रिंजल फ्रूट एंड शूटबोरर इन एगप्लांट, इंपोर्टेंट इंसेक्ट-पेस्ट्स इन राइस आदि पर्यावरणीय किलार से विकसित की गई हैं। स्नातक स्तर के छात्रों के एक हिस्से के रूप में तथा बेरोजगार युवकों, प्रवासी मजदूरों और प्रवंचित उम्रदराज कृषकों को प्रशिक्षण में हाथ बँटाने के लिए इस विभाग ने राष्ट्रनिर्माण और 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्यों के लिए 'सेरीकल्चर' और 'एपीकल्चर' की स्थापना की है इससे बढ़कर, विभाग ने एक विकसित प्लांट हेल्थ क्लिनिक की स्थापना की योजना भी बना रहा है जो आसपास के कृषकों को तकनीकों के नए क्षेत्रों में कीटवैशनिक अनुसंधान के लिए समाधान जुटाता हुआ 'सिंगल विंडो' प्रदान करेगा।

कृषि विस्तार विभाग

विश्वभारती में पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान) के नौ विभागों में से एक कृषि विस्तार विभाग पूर्ववर्ती समेकित कृषि विस्तार विभाग कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी से नि:सृत विभाग है जिसकी स्थापना 30 सितंबर, 2016 को की गई। कृषि विस्तार विभाग बीएससी (ऑनर्स) में एग्रीकल्चर प्रोग्राम और एमएससी (कृषि) में कृषि विस्तार तथा पीएच.डी. स्तर पर कृषि विस्तार प्रोग्राम के पाठ्यक्रम चलाता है।

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट /स्लेट / गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम छ

रुपश्री सेनापति – यूजीसी नेट (दिसंबर 2019)

राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय स्तरीय सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला में भाग लिया :

डॉ. (श्रीमती) अनिंदिता साहा

- 23/02/2020-03/03/2020 : 'डेटा एनालिसिस यूजिंग स्टेटिस्टिकल टूल्स, टेक्नीक्स एंड पैकेजेज विथ स्पेशल एंफैसिस ऑन एसपीएसएस' विषयक 10-दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागिता एवं सफलतापूर्वक समापन। विश्वभारती, श्रीनिकेतन के कृषि सांख्यिकी विभाग, पीएसबी द्वारा आयोजित

विस्तारित गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियाँ :

- गाँधी पुन्याह
- शिक्षक दिवस
- स्थापना दिवस
- नवीन वरण
- निवर्तमान छात्रों की विदाई

प्रकाशन :

शोध आलेख :

प्रो. सार्थक चौधरी

- 'इंपैक्ट्स ऑन एग्रीकल्चर फोलोइंग दि 2009 साइक्लोन आयला : लेसन्स फॉर रिकवरी' (2019), मण्डल देवव्रत, चौधरी सार्थक एवं बसु देवव्रत। ग्लोबल जर्नल ऑफ बायो साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजि। खण्ड-8, संख्या-3, पृष्ठ 302-306, आईएसएसएन 2278-9103.

प्रो. सिद्धार्थ डी. मुखोपाध्याय

- 'स्टडीज ऑफ दि परसेप्शन ऑफ रेस्पोंडेंट्स रिगार्डिंग केवीके ट्रेनिंग इंटरवेंशन इन एग्रीकल्चर' (2019), सव्यसाची करक, शुभजीत राय और सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ

करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस, 8(2), पृष्ठ 1-16.

- 'स्टडी ऑफ नॉलेज, स्किल एंड एक्सटेंट ऑफ पार्टिसिपेशन ऑफ सेल्फ-हेल्प ग्रूप मेंबर्स इन मैनेजिंग एसएचजीस एंड इन्कम जेनेरेटिंग एक्टिविटीज (2019)', एन. ख्रोइसनाम और एस.डी. मुखोपाध्याय। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस। 7(1), पृष्ठ 2270-2279.
- 'दि नेचर एंड एक्सटेंट ऑफ चेंजेज ऑकर्ड इन दि नॉलेज एंड प्रैक्टिसेस ऑफ दि रेस्पोंटेंड : ए स्टडी इन नदिया डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बेंगाल (2019)'। करक, सव्यसाची और मुखोपाध्याय, सिद्धार्थ देव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीज, 7, पृष्ठ 389-394.
- 'इंपैक्ट ऑफ एटीएमए (एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजि मैनेजमेंट एजेंसी) इन चेंजिंग नॉलेज, स्किल एंड एडोप्शन बिहैवियर ऑफ फामर्स इन सिक्किम' (2019), सुब्बा, रंजीत और मुखोपाध्याय सिद्धार्थ डी. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस, 8, पृष्ठ 1493-1505.
- 'परसेप्शन ऑफ बेनिफिशिएरीज एबाउट इंपैक्ट ऑफ मनरेग्स ऑन इकॉनोमिक, सोशल एंड सोशल एम्पावरमेंट' (2019)। सिन्हा, सुबीर कुमार एवं मुखोपाध्याय, सिद्धार्थ डी. इकॉनोमिक अफेयर्स, 64, पृष्ठ 753-759.
- 'फार्मर्स परसेप्शन ऑन दि गैप्स, बैरियर्स एंड ड्राइविंग फोर्सेस फॉर आर्गेनिक फार्मिंग इन इंडिया' (2019)। रॉय, सव्यसाची एवं मुखोपाध्याय, सिद्धार्थ डी. इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन, 55, पृष्ठ 43-48.

प्रो. सौविक घोष

- 'फैक्टर्स ड्राइविंग फार्मर्स नॉलेज ऑन क्लाइमेट चेंज इन ए क्लाइमैटिकैली वल्नेरेबुल स्टेट ऑफ इंडिया'। दास, उषा एवं घोष, सौविक (2020)। नेचुरल जाड्र्स (स्प्रिंगर), 102. 1419-1434.
- 'रेसिलिएंस ऑफ एग्रीकल्चर इन ए क्लाइमैटिकैली वल्नेरेबुल स्टेट ऑफ इंडिया'। दास, उषा, घोष, सौविक एवं मंडल वितान (2020)। थ्योरिटिकल एंड एप्लाइड क्लाइमैटोलॉजि (स्प्रिंगर) 139 :1513-1529.

डॉ. (श्रीमती) अनिंदिता साहा

- 'कंस्ट्रेन्ट्स फेस्ड बाई दि बेटेल वाइन ग्रोवर्स इन नदिया डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बेंगाल'। विश्वास, एम., साहा, ए. एवं दाश एस.आर. (2019)। इंटरनेशनल जर्नल मॉस करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस 8(4) : 80-85 पृष्ठ, आईएसएसएन : 2319-7706.
- 'सोर्सेस ऑफ इन्फोर्मेशन एंड देयर एक्सटेंट ऑफ यूटिलाइजेशन बाइ एक्टर्स इन एकेआईएस फॉर बेटेल लइब ग्रोवर्स इन नदिया डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बेंगाल'। विश्वास, एम., साहा, ए. एवं दाश एस. आर. (2019)। एशियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन, इकोनोमिक्स एंड सोशियोलॉजि,

32(4):1-6 पृष्ठ, आईएसएसएन : 2320-7027.

- 'पार्टिसिपेशन ऑफ रूरल वूमेन इन डिसीजन मेकिंग प्रोसेस ऑफ डेयरी फार्मिंग इन सरगुजा डिस्ट्रिक्ट ऑफ छत्तीषगढ़, इंडिया'। गुप्ता, ए., साहा, ए., गुप्ता, आर.के. एवं ढाकरे, डी.एस. (2020)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस, 9(6); पृष्ठ 2982-2988, आईएसएसएन : 2319-7706.
- 'पर्सिव्ड कंस्ट्रेंस्ट्स ऑन पार्टिसिपेशन ऑफ रूरल वूमैन इन डिसीजन मेकिंग प्रोसेस : इनसाइट्स फ्रॉम डेयरी फार्मिंग इन सरगुजा डिस्ट्रिक्ट ऑफ छत्तीसगढ़', गुप्ता, ए., साहा, ए., गुप्ता आर. के. एवं ढाकरे, डी. एस. (2020)। करेंट जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजि, 39(20): पृष्ठ 23-29, आईएसएस एन : 2457-1024.
- 'पर्सेप्शन ऑफ वेजिटेबुल ग्रोवर्स ट्वाड्र्स एक्सेसिव यूज ऑफ पेस्टिसाइड्स इन बाँकुड़ा डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बेंगाल।' पाइन, ए.के., साहा, ए., ढाकरे, डी.एस., एवं गुप्ता, आर.के. (2020)। जर्नल ऑफ रिसर्च एएनजीआरएयू XLVII:(1): पृष्ठ 53-58, आईएसएसएन : 0970-0226.
- 'एंट्रेप्रेन्योरिअल बिहैवियर ऑफ ट्राइबल डेयरी फार्मर्स इन बलरामपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ नॉदर्न हिल रीजन ऑफ छत्तीसगढ़'। गुप्ता, आर.के., साहा, ए., तिवारी, पी.के., ठाकरे, डी.एस. एवं गुप्ता, ए. (2020)। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एडुकेशन, 55 (4), पृष्ठ 23-39 आईएसएसएन : 0537-1996.
- 'पर्सोनल, साइकोलॉजिकल, सिचुएशनल एंड कम्यूनिकेशनल प्रोफाइल ऑफ ग्राम कल्टीवेशन इन हमीरपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तरप्रदेश, इंडिया'। बाजपेयी, वी. एवं साहा, ए. (2020)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस, 9(3) : पृष्ठ 1-13, आईएसएसएन : 2319-7706.
- 'कोरिलेट्स ऑफ पर्सोनल, कम्यूनिकेशन एंड साइकोलॉजिकल एट्रीब्यूट्स विथ फंक्शनल लिंकेज ऑफ ग्राम कल्टिवेटर्स ऑफ हमीरपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तरप्रदेश'। वाजपेयी, वी. एंड साहा, ए. (2020), मल्टीलॉजिकल इन साइंस, 10(33) : 630-633 पृष्ठ, आईएसएसएन : 2277-7601.

अन्य आलेख :

प्रो. सौविक घोष

- 'फार्मर्स'-लेड क्सटेंशन : कंटेक्स्ट्स, एक्सीपीरिएंसेस एंड वे फॉवार्ड'। दास, यू., एवं घोष, एस. (2019), इंडियन फार्मिंग, 69(5) : 31-35.
- 'पाब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप इन एग्रीकल्चर सेक्टर'। दास, यू. एवं घोष, एस. (2019)। कुरुक्षेत्र, 67(12):40-45.
- 'वाटर यूजर इंस्टीट्यूशन्स फॉर इफेक्टिव वाटर मैनेजमेंट एट ग्रास-रूट लेवल'। दास, यू. एवं घोष,

एस. (2019) किसान वर्ल्ड, 46(4): 55-58.

- 'एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एक्सटेंशन : मेकिंग दि लिंक'। दास, यू. एवं घोष, एस. (2019)। एग्रीकल्चर टूडे, 22(3) : 38-39.

पुस्तकें एवं पुस्तकों में से अध्याय :

प्रो. सार्थक चौधरी

- 'पंचायत्स इन डिसआस्टर प्रिपेयर्डनेस एंड मैनेजमेंट'। मण्डल, देवव्रत, चौधरी, सार्थक एवं बसु, देवव्रत (2019)। बेस्ट पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। आईएसबीएन : 978-81-9382-168-8.
- 'ट्रेनिंग – एन इंटेलेक्चुअल इंवेस्टमेंट इन ह्यूमैन रिसोर्स डेवेलपमेंट'। चौधरी, सार्थक, एवं रे प्रबुद्ध (2019)। न्यू देल्ही पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पृष्ठ 295, आईएसबीएन : 978-93-88879-15-6.

प्रो. सौविक घोष

- 'ग्रोविंग पोटैटो थ्रू टू पोटैटो सीड (टीपीएस) : लेवेल्स एंड डायनामिक्स ऑफ एडोप्शन'। त्रिपुरा, विनय एवं घोष, सौविक (2020)। न्यू देल्ही पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पृ. 203, (आईएसबीएन 978-93-88879-67-5).
- 'जियोइन्फोर्मेटिक्स : टूडेज ई-बड्र्स आई', दास, यू., घोष, एस. एवं प्रहराज, एस. (2020)। एप्लीकेशन ऑफ स्पेस एंड मॉडर्न टेक्नोलॉजि इन एग्रीकल्चर एंड एनवाइरनमेंट में। स्वैन के.सी., चटर्जी, ए.के., पात्र, पी.के. एवं कंदासामी, पी. (सं.)। मुकुन्द प्रकाशन, दिल्ली। पृष्ठ 183-195 आईएसबीएन : 978-93-84335-35-9.

डॉ. श्रीमती अनिंदिता साहा

- 'ट्राइबल डेयरी एंट्रेप्रेन्योरशिप डेवेलपमेंट', गुप्ता, आर.के. एवं साहा, ए. (2020)। लैप लैंबर्ट एकेडेमिक पब्लिशिंग, 1-161 पृष्ठ, आईएसबीएन : 978-620-2-56360-4.
- 'दिसीजन-मेकिंग प्रोसेस ऑफ वूमेन डेयरी फार्मर्स इन रूरल एरिया' गुप्ता, ए., साहा, ए. एवं गुप्ता, आर.के. (2020)। लैप लैंबर्ट एकेडेमिक पब्लिशिंग, पृष्ठ 1-129, आईएसबीएन : 978-620-2-78816-8.

नए पाठ्यक्रम / पाठ्य सामग्री या अन्य शैक्षिक नवाचारों का अभिकल्पन :

वर्ष 2019-2020 के शैक्षिक सत्र से प्रारंभ हो नेवाले स्नातक स्तरीय दो इलेक्टिव पाठ्यक्रम शुरू किए गए :

- ए ई एक्स 312 : कम्यूनिकेशन एंड इनफोर्मेशन मैनेजमेंट (2+1=3 क्रेडिट)
- ए ई एम्स 321 : इमर्जिंग ट्रेंड्स इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (2+1=3 क्रेडिट)

अन्य संबद्ध सूचना ;

कृषि विस्तार विभाग भवन के स्नातक स्तरीय आठ पाठ्यक्रमों को देखता-सुनता है और ग्रामीण जागरूकता और कार्यानुभव (आरएडब्लुई) कार्यक्रम को समन्वित करता है। यह एम.एससी. (कृषि) में दो वर्षीय कृषि विस्तार कार्यक्रम तथा पीएचडी में कृषि विस्तार कार्यक्रम संचालित करता है। विभाग ने शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार द्वारों पर प्रमाणित छात्रों की आईसीएआर-जेआरएएफ, आईसीएआर-एसआरएफ, आईसीएआर-नेट तथा यूजीसी-नेट में सफलता के मद्देनजर महत्त्वपूर्ण कार्य संपादित किए हैं। विभाग ने दो बाह्य अनुदानित अनुसंधान परियोजनाएँ और ग्रामीण जागरूकता कार्यानुभव कार्यक्रम के साथ सब्जियों, दालों और तैलबीजों वाली फसलों के क्षेत्रीय प्रदर्शन के कार्यान्वयन में भी सफलता हासिल की है। वर्ष 2019-2020 से शुरू होनेवाले दो नए इलेक्टिव पाठ्यक्रम हैं – कम्यूनिकेशन एंड इनफोर्मेशन मैनेजमेंट (2+1=3 क्रेडिट) एवं इमर्जिंग ट्रेंड्स इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (2+1=3 क्रेडिट)।

कृषि सांख्यिकी विभाग

कृषि सांख्यिकी विभाग कृषि संस्थान (पल्ली शिक्षा भवन, संक्षेप में पीएसबी) के 12 विभागों में में से एक है। यह विभाग विश्वभारती के अधीन 2 जून, 2019 से कार्य कर रहा है। कृषि सांख्यिकी विभाग कृषि संस्थान, श्रीनिकेतन में अवस्थित है। विभाग स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. स्तरों पर कृषि सांख्यिकी और डेटा विश्लेषण में विविध पाठ्यक्रम पेश करता है। इस विभाग का मुख्य उद्देश्य विमिल शिक्षण, अनुसंधान और दूरस्थ कार्यक्रमों को प्रोन्नत और संचालित करना है। उच्च महत्त्व के कुछ उद्देश्यों का वर्णन इस रुप में किया जा सकता है :

- स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. स्तर पर कृषि सांख्यिकी की पढ़ाई।
- कृषि सांख्यिकी और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान का पता लगाना।
- डेटा विश्लेषण, साध्य परिवर्तनों की खोजबीन तथा अनुषंगी विभागों को इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के ले विभिन्न प्रयोगों और स्रोतों से डेटा संग्रह करना।
- कंप्यूटर तकनीकों तथा सांख्यिकीय औजारों का इस्तेमाल करते हुए बड़े डेटा के विश्लेषित करने के लिए सुविधा मुहैया कराना।
- अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय तकनीकों और औजारों के लिए जिनमें प्रत्यक्ष सोफ्टवेयर की उपलब्धता नहीं है, कुछ कंप्यूटर प्रोग्राम विकसित करना।

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी :

- 21.12.2019-23.12.2019 : धारणीय विकास के लिए सांख्यिकी और डेटा विज्ञान में ताजा अग्रगामिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता आमंत्रण। सांख्यिकी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा भौतिकी संस्थान, आण्विक ऊर्जा निदेशालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजन।
- 09.12.2019-10.12.2019 : हाई डायमेंशनल डेटा एनालिसिस – स्टोकेस्टिक ऑप्टिमाइज़ेशन मेथड्स (यूजीसी-सैप प्रायोजित) विषय पर सांख्यिकी विभाग, पॉण्डिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता आमंत्रण।

विस्तारित गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक एवं अन्य :

- 23.02.2020-03.03.2020 : सांख्यिकीय औजारों, तकनीकों और संवेष्टन का व्यवहार एसपीएसएस और आर पर विशेष बल देते हुए डेटा विश्लेषण पर दस-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित।

अकादमिक उत्कृष्टताएँ :

देवाशीष भट्टाचार्य

पुरस्कार

- इंडियन सोसायटी फॉर प्रोबैबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स द्वारा 'लब्धप्रतिष्ठ सांख्यिकीविद्'।

प्रबुद्ध संस्थाओं की सदस्यता :

- दि अमेरिकन स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन
- दि इंस्टीट्यूट ऑफ मैथेमैटिकल स्टैटिस्टिक्स, यूएसए
- इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट
- कलकत्ता स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन
- इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन
- इंडियन एसोसिएशन फॉर प्रोडक्टिविटी, क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी।

संपादकीय उत्तरदायित्व :

- 'स्टोकैरिन्टक मॉडेलिंग एंड एप्लीकेशंस' नामक पत्रिका के संपादक, आईएसएसएन : 0972-3641.
- 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट' के प्रबंध संपादक, आईएसएसएन : 0973-7359.
- 'ग्लोबल एंड स्टोकैस्टिक एनालिसिस' के संपादक मण्डल के सदस्य, आई एसएसएन : 2248-9444.
- 'दि जर्नल ऑफ दि इंडियन सोसायटी फोर प्रोबैबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स' के संपादक मण्डल के सदस्य, आईएसएसएन : 2277-9620.
- 'पल्ली चर्चा, दि इंडियन जर्नल ऑफ रूरल स्टडीज' के संपादक मण्डल के सदस्य, आईएसएसएन : 2350-1227.

अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के अभिजात समीक्षक :

- जर्नल ऑफ इनइक्वैलिटी एंड एप्लीकेशन्स
- स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोबैबिलिटी लेटर्स
- जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिकल प्लानिंग एंड इनफेरेंस
- जर्नल ऑफ मल्टीवेरिएट एनालिसिस
- कम्यूनिकेशन इन स्टैटिस्टिक्स : थियरी एंड मेथड्स
- नैवल रिसर्च लॉजिस्टिक्स
- जर्नल ऑफ एप्लाइड स्टैटिस्टिक एंड मेथड्स

- मॉडेल एसीस्टेड स्टैटिस्टिक्स एंड एप्लीकेशंस

प्रकाशन :

शोध आलेख :

देवाशीष भट्टाचार्य

- 'परफोरमैंस इंप्रूभमेंट ऑफ ए मल्टी-स्टेट कॉहेरेंट सिस्टम यूजिंग कंपोनेंट इंपोर्टैन्स मेजर', 2019, अमेरिकन जर्नल ऑफ मैथेमैटिकल एंड मैनेजमेंट साइंसेस। 38(3), 312-324.
- 'एन एनालिसिस ऑफ कंस्ट्रेंट्स इन लार्ज स्केल डिस्सेमिनेशन ऑफ सिस्टम ऑफ राइस इनटेंसिफिकेशन (एसआरआई) इन ओडीशा, इंडिया', 2019, इंटरनेशनल जर्नल ऑव करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस, 8(7), 1898-1906.
- 'यूज ऑव रिग्रेशन मॉडेल एंड 'एरिमा' मॉडेल फॉर फोरकास्टिंग खरीफ फूड ग्रेन प्रोडक्शन ऑफ ओडीशा : ए कंपैरेटिव स्टडी', 2019, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्सिप्लीनरी रिसर्च एंड डेवेलपमेंट, 6(12), 107-116.
- 'दि चैलेंज ऑव सेलेक्टिंग दि बेस्ट फोरकास्टिंग मॉडेल फॉर ए टाइम सिरीज डेटा', 2020, जर्नल ऑव फूड, एग्रीकल्चर एंड एनवाइरनमेंट, 18(2), 97-102.
- एन एप्रोप्रिएट मॉडेल टू फिट दि प्रोडक्शन ऑफ राइस एंड व्हीट डेटा फॉर इंडिया, 2020, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस, 9(3), 439-449.

दिग्विजय सिंह ढाकरे

- 'एन एनालिसिस ऑफ कंस्ट्रेंट्स इन लार्ज स्केल डिस्सेमिनेशन ऑफ सिस्टम ऑफ राइस इंटेंसिफिकेशन (एसआरआई) इन ओडीशा, इंडिया, 2019, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजि एंड एप्लाइड साइंसेस, 8(7), 1898-1906.
- 'एसेसमेंट ऑफ फिजिकोकेमिकल एंड सेंसोरी कैरेक्टेरिस्टिक्स ऑफ फोम-मैट ड्राइड पपाया फ्रूट पाउडर', 2019, इंटरनेशनल फूड रिसर्च जर्नल, 26 (3), 819-829.
- 'ओडिशा के खरीफ खाद्य अनाज उत्पादन के पूर्वानुमान के लिए प्रतिगमन मॉडल और एआर आई एमए मॉडल का उपयोग : एक तुलनात्मक अध्ययन', 2019, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 6 (12), 107-116.
- 'टाइम सीरीज डेटा के लिए सर्वश्रेष्ठ पूर्वानुमान मॉडल का चयन करने की चुनौती', 2020, जर्नल ऑफ फ़ूड एग्रीकल्चर एंड रएनवायरनमेंट, 18 (2), 97-162.
- 'पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के प्रति सब्जी उत्पादकों की धारणा 2020, रिसर्च जर्नल एएनजी आरएयु, 48 (1), 53-58.'

- 'भारत के लिए चावल और गेहुँ डेटा के उत्पादन की अनुकूल करने के लिए एक उपयुक्त मॉडल।' 2020 इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कररंट माइक्री बायोलॉजी एंड एप्लाइड साइसेज, 9 (3), 439-449.

कादिर अली सरकार

- 'टाइम सीरीज डेटा के लिए सर्वश्रेष्ठ पूर्वानुमान मॉडल का चयन करने की चुनौती', 2020, जर्नल ऑफ फुड एग्रीकल्चर एंड एनवायरनमेंट, 18 (2), 97-102.
- 'भारत के लिए चावल और गेहुँ डेटा के उत्पादन की अनुकूल करने के लिए एक उपयुक्त मॉडल'। 2020, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रो बायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 9 (3), 439-449.

डिजाइनिंग कोर्स / पाठ्यक्रम या अन्य शिक्षण नवोन्मेष :

- विभाग ने गैर पैरामेट्रिक तकनीक पर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की लिए एक प्रैक्टिकल मैनुअल विकसित किया है।
- विभाग डेटा विश्लेषण पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करने पर विचार कर रही है। विभाग डेटा विज्ञान / जैव सांख्यिकी पर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरु करने की योजना बना रही है।

अन्य प्रासंगिक जानकारी :

- विभाग शिक्षण, अनुसंधान और आउटरीज कार्यक्रमों के मामले में उच्च्य प्रदर्शन के अपने रिकॉर्ड को बनाए रखने की कोशिश कर रही है. जो पहले प्रदर्शन कर रही थी। विभाग ने गैर पैरामीट्रिक तकनीक पर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए एक प्रैक्टिकल मैनुअल विकसित किया है। वर्तमान में (08) छात्रा पीएच.डी. कर रहे हैं। विभाग ने 23 फरवरी से 03 मार्च, 2020 के तैरान 'एसपीएसएस' और 'आर' पर विशेष जोर देने के साथ संख्यिकीय उपकरण, तकनीक और पैकेज का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया है। अंतरिम, बुनियादी ढांचे और गैर-शिक्षण मैन पावर को विभाग के सभी मामलों के समान्य विकास के रास्ते पर गंभीर वाधित महसूस किया जा रहा हैं। विभाग की यह रिपोर्ट करते हुए खुशी हो रही है कि प्रो. देबासीस भट्टाचार्य को इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोवेविलिटी एंड स्टोटिस्टिक्स द्वारा 'प्रतिष्ठित सांख्यिकीविद्' से सम्मानित किया गया है। यह भी उल्लेख किया गया है कि डॉ कादर अली सरकार ने संकाय विकास कार्यक्रम के एक भाग के सत्र में IASRI में शीतकालीन विद्यालय सफलतापूर्वक पूरा किया गया हैं।

कृषि विज्ञान विभाग

विभागीय गतिविधियां :

ए. शिक्षण

- स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर के लिए नियमित शिक्षण कार्यक्रम।
- आईसीएआर-जेआरएफ, आईसीए आर-एस आरएफ, आईसीएआर-नेट, डब्लूयबीएएस, आदि के लिए कोचिंग कक्षाएं।
- विभिन्न शोध संस्थानों, निजी खेतों, किसानों के क्षेत्र आदि के लिए शैक्षिक दौरे।
- स्नातक छात्रों के लिए ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के लिए कार्यक्रम आयोजित करना।

बी. अनुसंधान

- **अनुसंधान के जोरदार क्षेत्रों :** नई जारी किस्मों और संकर, उन्नत फसलों के उत्पादन एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, एकीकृत खरपतवार प्रबंधन, बेहतर जल प्रबंधन प्रथाओं, नदी तनाव में फसल उत्पादन, जैविक कृषि, फसल प्रणाली अनुसंधान, संरक्षण कृषि और एकीकृत खेती प्रणाली।
- मास्टर और डॉक्टरेट की डिग्री के लिए शोध की योजना और संचालन।
- विभिन्न एसएयू और आईसीएआर अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोगी डॉक्टरेट शोध कार्यक्रम।
- सीएस आई आर, आईसीएआर आदि जैसे राष्ट्रीय संगठनों द्वारा वित्त पोषित प्रायोजित और सहयोगी शोध कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय संगठन जैसे आई पीएन आई, आई सीए आरडीए, आई आर आर आई इत्यादि।
- कई राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों से वित्त पोषण के साथ सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) मॉडयूल के तहत सहयोगी शोध कार्यक्रम।

सी. विस्तार :

- किसानों का आयोजन-वैज्ञानिक बैठक, किसानों का प्रशिक्षण, महिला किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करना। कृषि विभाग के सरकारी अधिकारी का प्रशिक्षण करना रथिन्द्र कृषि विकास केंद्र पश्चिम बंगाल के कृषि विभाग और गैर सरकारी संगठन के साथ सहयोग।
- विभाग के शिक्षकों द्वारा किसानों के लिए परामर्श सेवा।
- श्रीनिकेतन (माघ मेला) के वार्षिक त्यौहार के अखिल भारतीय रेडियो, दूरदर्शन और अन्य टीवी कार्यक्रमों और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन में वार्ता के माध्यम से फसल उत्पादन के आधुनिक ज्ञान का प्रसार।

- पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों के किसानों के लिए किसानों के एक्सपोजर यात्रा को समन्वयित करना।

डी. अन्य गतिविधियां :

- समकालीन विषयों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठन।
- स्वच्छ भारत अभियान के तहत नियमित सफाई कार्य।
- राष्ट्रीय एकता दिवस, शिक्षक दिवस आदि के अवसर पर विशेष कार्यक्रम।
- नए प्रवेश स्नातकोत्तर छात्रों के लिए वार्षिक पिकनिक, फ्रेशर्स के स्वागत कार्यक्रम का आयोजन, निवर्तमान छात्रों और विख्यात स्टाफ सदस्यों के लिए विदाई कार्यक्रम।
- विश्वविद्यालय के खेलों में विभाग के शिक्षा संकायों की सक्रिय भागीदारी।

नेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का नाम :

- अंतरा चौधरी
- दीपक कुमार जायसवाल
- मकसूद हसन शाह
- सुश्री प्रतीक्षा रानी

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी :

प्रो. बी. के सोरेन

- 16.11.2019-18.11.2019: लिपिका शांतिनिकेतन में पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार और पर्यटन विभाग पश्चिम बंगाल के सहयोग से विश्व भारती द्वारा आयोजित और बीरभूम के आसपास के ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए रोड मैप पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. बी दूआरी

- 24.08.2019-26.08.2019: अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI), होटल ताज चंडीगढ़, पंजाब, इंडिया द्वारा आयोजित प्रिसिजन फार्मिंग मशीन लर्निंग और ICT पर आधारित उपकरणों के माध्यम से चावल-आधारित प्रणाली की उत्पादकता बढञाने और उत्पादकता पर कार्यशाला में 'पश्चिम बंगाल में डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस' में खरपतवार प्रबंधन पर ब्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 24.08.2019-26.08.2019: IRRI चंडीगढ़, पंजाब द्वारा आयोजित चावल और गेहुँ के लिए क्षेत्र-विशिष्ट खरपतवार प्रबंधन की सिफारिश के लिए ICT पर आधारित निर्णय उपकरण विकसित करने पर विचार मंथन कार्यशाला में भाग लिया। और पूर्वी भारत के लिए टीम लीडर कार्यरत थे।

- 05.02.2019-07.02.2019: ICAR-CCARI गोवा में 'किसान प्रबंधन आय और खाद्य सुरक्षा के लिए खरपतवार प्रबंधन' पर ISWS द्विवार्षिक सम्मेलन 2020 में एक आमंत्रित मौखिक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. के. प्रामाणिक :

- 25-26.09.2019: हिरनमयपुर एग्री हॉर्टिकल्चर सोसाइटी फॉर टेकनोलॉजी एंड रुरल डेवलपमेंट, बसंती, दक्षिण 24 परगना के सहयोग से प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित 'पारिस्थिनिक और पर्यावरणीय स्थिरता : आजीविका सुरक्षा के लिए आगे का रास्ता' नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। 'सिंचाई अवस्ता के तहत एरोबिक चावल में जिंक की जैव-विविधता।'
- 15.11.2019-16.11.2019: राज्य कृषि प्रबंधन और विस्तार संस्थान पश्चिम बंगाल, एकीकृत ग्रामीण विकास और प्रबंधन केंद्र और सस्य श्यामला कृषि विज्ञान केंद्र रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान रामकृष्ण मिशन आश्रम, नरेंद्रपुर आयोजित 'एग्री-केमिकल इनएट्स और खाद्य सुरक्षा और जैव सुरक्षा : संभावनाए और चुनौतियां' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। 'सिंचाई व्यवस्था के अंतर्गत एरोबिक चावल में एग्रीनॉमिक दृष्टिकोण के माध्यम से जिक बायोफोर्टिफिकेशन।'
- 18.11.2019-20.11.2019: वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित '21नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एक्रोबायोलॉजी' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया, सिंचाई व्यवस्था के अंतर्गत एरोबिक चावल में एग्रीनमिक मैनेजमेंट के माध्यम से जिंक का बायोफोर्टिफिशन।

डॉ. एम. बनर्जी

02.04.2020: 'पूर्वी भारत में चावल में हर्बिसाईड प्रतिरोध और इसके प्रबंधन' विषय पर एक विशेषज्ञ व्यक्ति के रुप में व्याख्यान दिया, नई दिल्ली में सिनजेन्टा द्वारा प्रायोजित 'भारत में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस स्थिति, वर्तमान परिदृश्य, भविष्य की चुनौती और आगे की राह' पर एक कार्यशाला में।

चल रहे प्रोजेक्टस के नाम:

शिक्षक का नाम	प्रजोक्ट्स का नाम	प्रायोजन एजेंसिया	मंजुरी राशि
पी. आई. प्री. ए. के. बारिक सी. पी. आई प्री. बी. के. सारेन और डॉ. एस. के मौमि	आई एक एडी (कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष) आई सीए आइडीए (शुष्क क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र	आई एफ एडी, आई सीए आर, डीए दक्षिण रएशिया के लिए परियोजना	12220 यू.एस.डी

शिक्षक का नाम	प्रजोक्ट्स का नाम	प्रायोजन एजेंसिया	मंजुरी राशि
डॉ. बी. दुआरी	डॉयरेक्ट कोलेनोरेटिव प्रोजेक्ट ICAR-IRRI के अन्तर्गत राइस कसोर्टियम (DSRC) पर आई आर आर आई के प्रधान सहयोगी कार्यक्रम के अन्वेषक।	इंटरनेशनल राइस रिसर्च इस्टीटयूट (IRRI), फिलीपीन्स	15000 यू.एस.डी
	परियोजना के प्रधान अन्वेषक 'नई किस्मों के परीक्षण के साथ-साथ हाल ही में GMS एग्रीटेक प्राइवेट Ltd. द्वारा विकसित संकर।'	जीएमएस एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित	रू. 7.84 लाख
	परियोजना के प्रधान अन्वेषक 'ट्रांसप्लांट किए गए चावल पर आर्थीसल्फम्यूरॉन 0.6%+ प्रिटिलाक्लोर 6% जीआर' की जैव क्षमता।	निकिनो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	रू. 5.59 लाख
	परियोजना के प्रधान अन्वेषक 'ट्रांसप्लांट किए गए चावल पर आर्थोसल्फायूरॉन की जैव क्षमता 50% डब्लूजी।'	निकिनो इंडिया प्राइवेट मलिमिटेड	रू. 3.64 लाख
डॉ. जी. सी. मलिक	'जैव+फाइटोटॉक्सिसिटी विभिन्न खरपतवारों और रोगों के परिदृश्य के खिलाफ विभिन्न फसलों में कुछ जड़ी-बूटियों और कवकनाशी का मूल्यांकन करती है।'	सिजेटा इंडिया लिमिटेड	रू. 14.55 लाख
	क्षेत्र की फसलों में जैव प्रभावकारी कृषि	क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्सन	2.20 लाख
	जैव प्रभावकारिता और फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकन्स का फाइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन	सुमिटोमा केमिकल इंडिया पी.बी.टी.	16.00 लाख

शिक्षक का नाम	प्रजोक्ट्स का नाम	प्रायोजन एजेंसिया	मंजुरी राशि
डॉ. के प्रमानिक	मिर्च, टमाटर, सरसों, आलु और मक्का की फसल पर केंद्रित प्राकृतिक ईरिवेटिव की जैव प्रभावकारिता पर अध्ययन	एम्पल वायोकेयर प्रा. लि. विजयवाड़ा	5.20 लाख
	मिर्च, टमाटर, सरसों. आलु, मक्का की फसल पर केंद्रित प्राकृतिक उत्पादों की जैव प्रभावकारिता पर अध्ययन	एम. एन वॉयोटेक, विजयवाड़ा	5.20 लाख
	जैव-प्रभावकारिता, प्रतिरोपीत चावल जीरा, सूरज मुखी और सरसों पर जड़ी बूटियों के अवशेष	एम/एस पारिजात इनडसट्रीस (भारत) प्रा. लि., नई दिल्ली-110048	11.70 लाख
	प्रत्यक्ष बीज वाले चावल (ओरिजा स्टैवा) की फसल के खरपतवारों के विपरित मेटामीकॉप 10% ईसी की जैव प्रभावकारित और फाइटो-विषाक्तता और फसल के सफल होने पर इसका प्रभाव	एम/एस क्रिमसन आग्रेनिक्स प्रा. लि., तामिलनाडु	1.56 लाख
	सोयाबीन, कपास और चाय में कुछ जड़ी-बूटियों की जैव प्रभावकारिता और एनाइटोटॉक्सिसिटी पर अध्ययन	TEPHRA BIOSCIENCE LLP, रोहिनी, दिल्ली-85	14.00 लाख
डॉ. एम. बनर्जी	क्षेत्र की फसलों में विभिन्न कृषि रसायनों के, जैव-प्रभावकारिता अध्ययन	नाटकी फार्मा लि.	9.07 लाख
	क्षेत्र की फसलों में विभिन्न कृषि रसायनों के, जैव-प्रभावकारिता अध्ययन	कीटनाशकों, इंडिया लि.	2.40 लाख

शिक्षक का नाम	प्रजोक्ट्स का नाम	प्रायोजन एजेंसिया	मंजुरी राशि
	क्षेत्र की फसलों मे विभिन्न कृषि रसायनों के, जैव प्रभावकारिता अध्ययन	सल्फर मिल्स लि.	6.60 लाख
डॉ. एन. सी. सरकार	जलवायु स्मार्ट कृषि के माध्यम से आजीविका में सुधार : अस्ट्रेलिया और भारत की पहल।	आस्ट्रेलिया-इंडिया कौंसिल	$ 29,550
	नई चावल किस्मों का प्रदर्शन मूल्यांकन	आस्था एग्री जेनेटिक्स	1.17 लाख
	पश्चिम बंगाल के लाल-लेटरिटिक क्षेत्र के अंतर्गत नई चावल किस्मों का मूल्यांकन	आस्था एग्री जेनेटिक्स	1.36 लाख

विस्तार गतिविधियां / एन एस एस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां:

प्रो. ए. के बारिक :

- 28.08.2019: उटेरा/पीइरा फसल-इसका दायरा और बेहतर तकनीक, दूरदर्शन, शांतिनिकेतन द्वारा प्रसारित।
- 10.02.2020: एफ एम 'किशन बाणी' के माध्यम से आकाशवाणी, शांतिनिकेतन द्वारा प्रसारित हरे चारे की खेती को बढ़ाने के लिए गुंजाइश और रणनीति।

प्रो. बी. के सरेन

- 21.01.2020-22.01.2020: कृषि उप निर्देशक (Admn) बीरभूम द्वारा कृषक प्रशिक्षण केंद्र हटजानबजार, एस. ए, एफ. सूरी में आयोजित बीरभूम जिले के विस्तार कार्यकर्ताओं की प्रशिक्षण बैठक में बीरभूम में तिलहनी फसलों में जल प्रबंधक पर व्याख्यान दिया।
- 13.03.2020: डिस्ट्रिक्ट सीड फार्म, ए बी ब्लॉक, कल्याणी B.C.K.V-ICDADA कृषि विभाग, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित किसानों के एक दिवसीय फील्ड डे सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में बेहतर प्लस प्रोडक्शन टेकनोलॉजी पर व्याख्यान दिया।
- 18.03.2020: दूरदर्शन, शांतिनिकेतन में 'जैविक खेती' पर चर्चा कार्यक्रम में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. बी दुआरी

- 20.08.2019: आरकेवीके, विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए, डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर

एक्सटेंसन सर्विसेज फॉर इन्पुट जिलर (DAESI) के एक कार्यक्रम में वीड और हर्बिसाइटस पर प्रशिक्षण दिया।

- 17.09.2019: आरकेपीके, विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए, डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एकसटेंसन सर्विसेज फॉर इंपुट जिलर (DAESI) के एक कार्यक्रम में खरीफ फसलों में खरपतवार प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया।
- 26.09.2019: बोलपुर अपखंड, बोलपुर में सहायक कृषि निर्देशक (प्रशासन) द्वारा आयोजित 'फर्मर्स ट्रेनिंग फॉर फौसिलिटीज एक्टपोर्ट क्वालिटी ऑफ पोटेटो' में निर्यात गुणवत्ता आलु के उत्पादन के एकीकृत खरपतवार प्रबंधन पर विस्तृत व्याख्यान दिया।
- 09.11.2019: राज्य कृषि प्रौद्योगिकीविदो संघ, बांकुरा जिला रायपुर, द्वारा आयोजित 'पार्थेनियम खरपतवार नियंत्रण, ठुंठी जलाना और फसल अवशेष प्रबंधन जल संरक्षण' पर संगोष्ठी सह जागरुकता अभियान में 'पार्थनियम की समस्या और इसके प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।
- 22.11.2019: रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित 'किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम जागरुकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम' में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन की अवधारण पर एक संसाधन व्यक्तिके रुप में व्याख्यान दिया।
- 10.03.2020: आरके वी के, विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए, डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एकसटेंसन सर्विसेज फॉर इंपुट जिलर (DAESI) कोर्स के एक कार्यक्रम मे चावल में एकीकृत खरपतवार प्रबंधन पर प्रशिक्षण और विस्तारित व्याख्यान दिया।
- 21.09.2019: आकाशवाणी शांतिनिकेतन (रिकॉर्डिंग) द्वारा 'हर्बिसाइटस एंड देयर प्रोपर यूज' पर एक रेडियों वार्ता का रिर्गोर्डिंग औ प्रसारण।

डॉ. एस. के. मैती

- 08.10.2019: अखिल भारतीय शांतिनिकेतन द्वारा किसानों के लिए प्रसारित जैविक पर लाइव-फोन-इन कार्यक्रम में भाग लिया।
- 16.08.2019: अखिल भारतीय, शांतिनिकेतन द्वारा किसान वाणी कार्यक्रम के लिए आकस्मिक फसल पर रेडियों द्वारा बातचीत किया।
- 08.01.2020: रामकृष्ण और रामकृष्ण मिशन, कामरपुकुर हुगली द्वारा आयोजित कृषि मेले में मिट्टी स्वास्थ्य प्रबंधन पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. के प्रमाणिक

- 22.11.2019: रथिन्द्र कृषि विज्ञान, विश्वभारती श्रीनिकेतन 'फर्टीजेशन' द्वारा आयोजित

'किसानों के लिए उर्वरक अनुप्रयोग जागरुकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम' पर एक संसाधन व्यक्ति के रुप में व्याख्यान दिया।

- 11.09.2019: कार्यालय सहायक कृषि निर्देशक, पश्चिम बंगाल बोलपुर-श्रीनिकेतन सरकार द्वारा किसानों के लिए आयोजित ट्रेनिंग प्रोग्राम आन BGREI फॉर फारमार्स में एक विशेषज्ञ के रुप में 'खरीफ धान की खेती पर' एक आमंत्रित विशेषज्ञ के रुप में व्याख्यान दिया।
- 16.09.2019: सहायक निर्देशक कार्यालय कृषि पश्चिम बंगाल बोलपुर श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित समुन्नत खेती पर बाह्य विशेषज्ञ वक्ता के रुप में 'खेतीहरोंके पुत्र को प्रशिक्षण' पर व्याख्यान।
- 19.02.2020 : सहायक निर्देशक कार्यालय कृषि पश्चिम बंगाल बोलपुर श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित 'गेहू की खेती' पर बाह्य विद्वान के रुप में 'किसानों के लिए वी.जी.आर.ई.आई आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम' पर व्याख्यान।
- 05.03.2020: टी.आर.एफ.ए. परियोजना के अंतर्गत 'फसल उत्पादन तकनिकी उन्नतिकरण' पर व्याख्यान शृंखला का आयोजन बोलपूर श्रीनिकेतन पश्चिम-बंगाल सरकार के कृषि विभाग के सह-निर्देशक द्वारा 'गेहूँ उत्पादन' कार्यक्रम अन्तर्गत किया गया।

डॉ. एम. बैनर्जी

- 26.07.2020: 'महर्षि देवेन्द्रनाथ' पर रेडियो वार्ता में सहभागिता।
- 05.02.2020: 'माघोत्सव 2020' पर रेडियो वार्ता मे सहभागिता।
- 02.03.2020: 'शीशम की खेती' पर आयोजित रेडियो वार्ता में सहभागिता एवं 'किसान वाणी कार्यक्रम' के अतर्गत प्रसारित।

डा. पी. घोष:

- 11.02.2020: रथिन्द्र के.वी.के, विश्वभारती में इनपुट डीलर्स (DAESI) हेतु 'कृषि विस्तार सेवा' डिप्लोमा के लिए आयोजित कार्यक्रम में 'वोरो चावल एकीकृत पोषक प्रबंधन' विषय पर व्याख्यान।
- 20.11.2019: 'स्टावल बर्निंग कारण एवं प्रभाव' विषय पर आयोजित वार्तालाप कार्यक्रम में बाह्य विशषज्ञ के रुप में भागीदारी एवं डी.डी.के शांतिनिकेतन तहत प्रसारित।
- 19.05.2019: कृषि में हरित खाद के उपयोग और महत्त्व पर आयोजित कार्यक्रम का ... 'कृषिते सवुज सारेर गुरुत्व ओ ब्यवहार' रुप में अनुदित प्रसारित।

अकादमिक डिस्टींशन्स:

प्रो. ए. के बारीक:

- वी.ओ.एस. बाह्य सदस्य, कृषि विबाग, बी.सी.के.वी. मोहनपुर नदिया, प. बंगाल।
- अनूबंधक प्रफोसर/UBKV के संकाय, कुचबिहार
- पश्चिम बंगाल के काउंसलर, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीनॉमी, नई दिल्ली।
- संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीनॉमी, नई दिल्ली।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी के अजीवन सदस्य, नई दिल्ली।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ फॉर फसलों के आजीवन सदस्य, हिसार।
- इंडियान सोसाइटी ऑफ सॉइल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी, यूएएस, बैंगलोर के आजीवन सदस्य।

प्रो. बी. के. सरेन

- विभाग अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीनॉमी, पीएसबी।
- एग्रीनॉमी, कृषि विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, कलकत्ता विश्वविद्यालय में पीएच.डी सलाहकार समिति के बारही सदस्य के रूप में नामांकित।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीनॉमी के अजीवन सदस्य।
- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसाइटी ऑफ एग्रीनॉमी के आजीवन सदस्य।

डॉ बी. दुआरी

- कृषि सोसाइटी ऑफ इंडिया के पार्षद, कोलकत्ता।
- सदस्य, संपादकीय बोर्ड, आईजेड्ब्ल्यूएस।
- अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान के आजीवन सदस्य।
- एशिया पैसिफिक वीड साइंस सोसाइटी (एपीडब्ल्यूएसएस) जीवन सदस्य।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीनॉमी के लाइफ सदस्य।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस के लाइफ सदस्य।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर साइसेज के जीवन सदस्य।
- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसाइटी के जीवन सदस्य।
- भारत के कृषि सोसाइटी के जीवन सदस्य, कोलकता।
- भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन के जीवन सदस्य।
- इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बायोरेसोर्स एंड एग्रीकल्चर साइंसेज के लाइफ सदस्य।

- इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस के संयुक्त सचिव (2019-2021)।

डॉ. जी. सी. मल्लिक

- उप-प्रदाता, विश्वभारती के रूप में कार्य करना।
- पीएचडी के रूप में कार्य करना समन्वयक।
- प्रभारी प्राध्यापक, सुरक्षा विश्वभारती

डॉ. के प्रामानिक

- लाइफ सदस्य ऑफ इंडियान सोसाइटी ऑफ एग्रीनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली।
- लाइफ सदस्य ऑफ फसल एंड वीड साइंस सोसाइटी बीसीकेवी, नादिया, पश्चिम बंगाल।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ सोइल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी, बैंगलुरु के लाइफ सदस्य।
- राइस रिसर्च वर्कर्स एसोसिएशन (एआरआरडब्ल्यू), कटक, ओडिशा के जीवन सदस्य।
- जैव संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान, शांतिनिकेतन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के जीवन सदस्य।
- एंटी-रैगिंग कमेटी, पीएसबी, विश्वभारती के सदस्य के रूप में कार्यरत है।
- एंटी-हैगिंग स्कवाड, पीएसबी, विश्वभारती के सदस्य के रूप में कार्यरत है।
- यूजी समन्वयक, पल्ली शिक्षा भवन।
- केंद्रीय प्रवेश समिति के सदस्य, विश्वभारती।
- सचिव, जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान सभा, शांतिनिकेतन।
- प्रबंध संपादक, जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, शांतिनिकेतन।
- राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार संस्थान– पश्चिम बंगाल, एकीकृत ग्रामीण विकास एवं प्रबंधक संकाय केंद्र तथा सस्य श्यामला कृषि विज्ञान केन्द्र, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द शिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र, रामकृष्ण मिशन आश्रम, नरेन्द्रपुर द्वारा 'खाद्य सुरक्षा एवं जैव-सुरक्षा के लिए एग्रो-केमिकल एनपुट्स और उनकी विस्तार पद्धतियाँ : संभावनाएं और चुनौतियाँ' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सिंचाई व्यवस्था के अंतर्गत ऐरोबिक धान में कृषि वैज्ञानिक पद्धति द्वारा ज़िंक बायोफोर्टिफिकेशन' पर थीम III के अंतर्गत शोध पत्र की मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु पुरस्कृत।

डॉ. एम. बनर्जी

- डिप्टी प्रॉक्टर, विश्वभारती के रूप में कार्यरत।
- पीजी समन्वयक के रूप में कार्यरत

- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली।

डॉ. एन. सी. सरकार

- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआईआई, नई दिल्ली।
- आजीवन सदस्य, सोसाइटी फॉर बायोरिशोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, कोलकाता, भारत।
- प्रभारी, नियोजन कक्ष, पीएसबी, विश्वभारती।

डॉ. पी. घोष

- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआईआई, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस के आजीवन सदस्य।
- क्रॉप एंड वीड साइंस सोसाइटी के आजीवन सदस्य।

प्रकाशन:

शोधपत्र:

- 'अरहर और मूली की अंतर-फसल प्रणाली की वृद्धि, उपज और आर्थिकी में पोषण प्रबंधन के परिणाम'। सेठी, ए. के., बारिक, ए. के. और पाईकारेय, आर. के. 2019। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट 10 (4): 340-345।
- 'पश्चिम बंगाल की लाल और मखरैली मिट्टी में धान-आधारित फसल प्रणाली के विविधिकरण के प्रभाव में चावल की वृद्धि, उत्पादकता और आर्थिकी का अध्ययन।' साहा, बी., बारिक, ए. के., मण्डल, एन. 2020. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोरिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट 11(2): 108-113.

प्रो. बी. के सरेण

- 'विश्लेषणात्मक अनुक्रम प्रणाली तकनीक और भौगोलिक सूचना प्रणाली के प्रयोग द्वारा आलू के फसल हेतु भूमि की उपयुक्तता का आकलन'। सिन्हा चिरंजीत, स्वैन किशोर चन्द्र और सरेण बिनय कुमार (2019)। जर्नल ऑफ एग्रिक्लचरल इंजीन्यरिंग (आईएसएई): आईएसएसएन-0256-6524, 56(3): 223-233.
- 'पटसन-चावल-मसूर की उपज प्रणाली में वर्षा आधारित स्थिति में कपास फसल का सूखा प्रबंधन।' पी. के. हेंबरम, बी. के. सरेण, ए. के. घोरई और केया बनर्जी (2019)। सतसा मुखपत्र– वार्षिक तकनीकी अंक, आईएसएसएन: 0971-975X. 23; 121-129.

डॉ. बी. दुआरी

- 'विघटित भूमि में कृमिखाद की प्रयुक्ति के सी-एन संतुलन और मिट्टी के जीर्णोद्धार की क्षमता का आकलन : कजानस कजान के साथ जलोढ़ नदी द्रोणी में एक अध्ययन।' दास, एस., टेरोण, आर.,

दुआरी, बी., भट्टाचार्य, एस. एस. और किम, की-ह्यून (2019)। एनवायरनमेंटर रिसर्च, 177 (2019): 108591. https://doi.org/10.1016/j.envres.2019.108591.

- 'धान के अंकुरण और पौधों की वृद्धि पर चयनित वृक्षों के जलीय पर्ण सार का अल्लेलोपथिक प्रभाव।' मण्डल, एस., बी. दुआरी, बी. मण्डल और डी. पांडा (2020)। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, 41: 255-260. आईएसएसएन: 0254-8704 (प्रिंट), 2394-0378 (ऑनलाइन), डीओआई: https://doi.org/10.22438/jeb/42/2/mrn-1218.
- 'ग्रीष्म काल में पूर्व-ऊद्भव शाकनाशी के साथ अथवा के बिना स्ट्रॉ मलचिंग द्वारा जंगली खरपतवार के प्रबंधन में तिल (सेसमम इंडिकम) कृषिजोतजातियों का प्रत्युत्तर।' फातिमा, आएशा और दुआरी, बी (2020)। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल साइन्स, 90 (11): प्रकाशनाधीन।
- 'जंगली खरपतवार नियंत्रण और गेहूं की उपज पर जुताई एवं जंगली खरपतवार प्रबंधन अभ्यासों का प्रभाव।' प्रतिक्षया रानी, बी. दुआरी और सिद्धार्थ प्रियतम (2020)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड अप्लाइड साइनसेस, 9(06): 2328-2335. Doi: https://doi.org/10.20546/ijcmas.2020.906.285.
- 'आलू (सोलनम ट्यूबरोसम) की वृद्धि, उपज और आर्थिकी पर शाकनाशियों के सम्पूर्ण और पंक्ति अनुप्रयोग के प्रभाव।' दास, सांतनु, दुआरी, बी. और जेना, जगदीश (2019)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीस, 7(1): 354-361। पी. आईएसएसएन: 2349-858, ई. आईएसएसएन: 2321-4902, एनएएएस रेटिंग (2020): 5.31.

डॉ. जी. सी. मलिक

- 'पश्चिम बंगाल की लाल और मखरैली मिट्टी में प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन धान पर प्यरिफ्टालिड + बेलसल्फ्यूरोन-मिथाइल शाकनाशकों का प्रभाव।' के मण्डल, जी. सी. मलिक, के जाना और एम बनर्जी 2019. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीस, एसपी 6:264-267.
- 'पश्चिम बंगाल की मखरैली मिट्टी में धान-आधारित फसल प्रणाली की वृद्धि, उत्पादकता और आर्थिकी पर पोषण प्रबंधन का प्रभाव।' तन्मय शंकर, महुआ बनर्जी, जी. सी. मलिक और सुदर्शन दत्ता, 2020। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीस, 8(2): 2694-2698.

डॉ. के. प्रमाणिक

- 'पश्चिम बंगाल की लाल और मखरैली मिट्टी में सिंचाई और नाइट्रोजन प्रबंधन के प्रति ऐरोबिक चावल की प्रतिक्रिया'। एस. दुआरी और के. प्रमाणिक। जर्नल ऑफ क्रॉप एंड वीज / 15(1): 108-113, 2019। पी आईएसएसएन: 0974-6315, आईएसएसएन: 2349-9400.

- 'मखरैली मिट्टी में ग्रीष्म काल के दौरान वृद्धि एवं उपज पर सिंचाई व्यवस्था और ज़िंक अनुप्रयोग की पद्धति के प्रति ऐरोबिक चावल की प्रतिक्रिया।' बृजगोपाल मण्डल, कालिपद प्रमाणिक और नारायण चन्द्र सरकार। रिसर्च ऑन क्रॉप्स। 21(1): 1-9, 2020. प्रिंट आईएसएसएन: 0972-3226. ऑनलाइन आईएसएसएन: 2348-7542.
- 'प्रतिरोपित चावल की फसल की वृद्धि व उपज, जटिल खरपतवार वनस्पतियों पर लो डोज़ अर्लि पोस्ट इमर्जेंस रेडी-मिक्स शाकनाशकों का प्रभाव।' कालिपद प्रमाणिक, मकसूद हसन शाह, राहुल कुमार गुप्ता और मयंक सिंघाल। प्लांट सेल बायोटेक्नोलॉजी एंड मलैक्युलर बायोलॉजी. 21 (7 & 8): 18-26. 2020. आईएसएसएन: 0972-2025.
- 'मखरैली मिट्टी में ऐरोबिक चावल की वृद्धि एवं उपज पर सिंचाई व्यवस्था और ज़िंक अनुप्रयोग पद्धति के प्रभाव।' बी. मण्डल और के. प्रमाणिक। प्लांट आर्काइव्स 20(1): 1213-1219. 2020. ई-आईएसएसएन: 2581-6063 (ऑनलाइन), आईएसएसएन: 0972-5210.

डॉ. एम. बनर्जी

- 'पश्चिम बंगाल 2020 की लाल और मखरैली मिट्टी में प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन धान पर प्यरिफ्टालिड + बेनसल्फ्यूरोन-मिथाइल शाकनाशकों का प्रभाव।' के मण्डल, जीसी मलिक, के जाना और एम बनर्जी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीस 2019, एसपी 6:264-267.
- 'ग्रीष्म ऋतु 2020 के दौरान मूँगफली (अरचिस हयपोगोय एल.) की उपज, गुणवत्ता और आर्थिकी पर खरपतवार प्रबंधन उपायों का प्रभाव।' शालू कुमारी, महुआ बनर्जी, आर के राज, अंतरा चौधरी और सुजय कुमार पॉल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीस 2020, 8(2): 2562-2565.
- 'पश्चिम बंगाल 2020 की मखरैली मिट्टी में धान-आधारित फसल प्रणाली की वृद्धि, उत्पादकता और आर्थिकी पर पोषण प्रबंधन का प्रभाव।' तन्मय शंकर, महुआ बनर्जी, जी सी मलिक और सुदर्शन दत्ता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीस 2020, 8(2): 2694-2698.
- 'पश्चिम बंगाल की लाल और मखरैली मिट्टी में प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन धान पर प्यरिफ्टालिड + बेनसल्फ्यूरोन-मिथाइल शाकनाशकों का प्रभाव।' के मण्डल, जी सी मलिक, के जाना और एम बनर्जी, 2019. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीस, एसपी 6:264-267.
- 'ग्रीष्म ऋतु 2020 के दौरान मूँगफली (अरचिस हयपोगेय एल.) की उपज, गुणवत्ता और आर्थिकी पर खरपतवार प्रबंधन उपायों का प्रभाव।' शालू कुमारी, महुआ बनर्जी, आर के राज, अंतरा, चौधरी और सुजय कुमार पॉल, 2020. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीस 2020, 8(2): 2562-2565.
- 'पश्चिम बंगाल की लाल और मखरैली मिट्टी में धान-आधारित फसल प्रणाली की वृद्धि,

उत्पादकता और आर्थिकी पर पोषण प्रबंधन का प्रभाव।' तन्मय शंकर, महुआ बनर्जी, जी सी मलिक और सुदर्शन दत्ता, 2020. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीस 2020, 8(2): 2694-2698.

- 'गेहूं की खरपतवार प्रबंधन पर रसायनों और वनस्पतियों का तुलनात्मक प्रदर्शन।' बनर्जी, महुआ, मलिक, एस. आर. और माइति, डी. 2019, सतसा मुखपत्र– वार्षिक तकनीकी अंक, 23: 139-145.

डॉ. एन. सी. सरकार

- 'लाल-मखरैली मिट्टी में तिल की वृद्धि और उपज पर सल्फर और बोरॉन के विभिन्न स्तरों का प्रभाव।' कुमार, बी. सरकार, एन. सी., माइति, आर. 2019. रिसर्च ऑन क्रॉप्स, 20 (3): 515-524.
- 'मखरैली मिट्टी में ग्रीष्म काल के दौरान वृद्धि एवं उपज पर सिंचाई व्यवस्था और ज़िंक अनुप्रयोग की पद्धति के प्रति ऐरोबिक चावल की प्रतिक्रिया।' मण्डल, बी., प्रमाणिक, के., सरकार. एन.सी. 2020. रिसर्च ऑन क्रॉप्स, 21 (1): 1-9.
- 'फील्ड बेस्ड हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेन्सिंग के प्रयोग द्वारा सूर्यमुखी फसल (टेलियान्थस एन्नस) में जैव-भौतिक मानदंडों की बहाली।' राऊत, पी. के. सरकार, एन. सी., दास, पी. के. देबनाथ, डी., बंद्योपाध्याय, एस., राज, यू. 2019. इंटरनेशनल आर्काइव्स ऑफ द पोटोग्राम्मेट्री, रिमोट सेन्सिंग एंड स्पेटियल इन्फॉर्मेशन साइन्सेस– आईएसपीआरएस आर्काइव्स। वॉल्यूम XLII-3/W6. 'अर्थ ऑब्ज़र्वेशन्स फॉर एग्रिकल्चरल मोनिटरिंग' पर आईएसपीआरएस– जीईओजीएलएएम– आईएसआरएस की संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 18-20 फरवरी 2019, नई दिल्ली, भारत।

डॉ. पी घोष

- 'ग्रीष्मकालीन तिल (सेसमम इंडिकम एल.) की वृद्धि और उपज पर विभिन्न खरपतवार प्रबंधन उपायों के प्रभाव।' चौधरी, अंतरा और घोष प्रीतम. 2020. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीस, 8(1): 2090-2093, पी-आईएसएसएन: 2349-8528, ई-आईएसएसएन: 2321-4902.
- 'वृहदपर्ण खरपतवरों के खिलाफ और सोयाबीन की उत्पादकता सुधार में फोमसाफेन की प्रभावोत्पादकता।' घोष, प्रीतम और प्रमाणिक, कालिपद, 2020. प्लांट सेल बायोटेक्नोलॉजी एंड मॉल्युक्यूलर बायोलॉजी, 21 (11 & 12): 53-60, आईएसएसएन: 0972-2025.
- 'संवहनीय खरपतवार प्रबंधन हेतु एक उपाय अल्लेलोपैथी' द्वारा शिर्गापूरे, के. एच. और घोष, प्रीतम. 2020. आर्काइव्स ऑफ करंट रिसर्च इंटरनेशनल वॉल. 20, सं. 3, पृ. 17-25, आईएसएसएन: 2454-7077.

- 'फसल अवशेषों को जालना और उसका प्रबंधन' द्वारा घोष, प्रीतम और पटेल, निर्मला. 2020. सतसा मुखपत्र– वार्षिक तकनीकि अंक वॉल. 24, पृ. 160-162, आईएसएसएन: 0971-975X.

पुस्तक और पुस्तक अध्याय:

प्रो. बी. के सरेण

- 'सैटिलाइट इमेजर के प्रयोग द्वारा पोटैन्श्यल फिशिंग (पीएफ़ज़ेड) का पूर्वानुमान।' सिन्हा चिरंजीत, स्वैन किशोर चन्द्र और सरेण बिनय कुमार 2020 कृषि एवं पर्यावरण में स्पेस व आधुनिक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग का कार्यवृत्त, आईएसबीएन: 978-93-84335-35-9, मुकुन्द प्रकाशन, दिल्ली, 110051, पृ. 104-128.

डॉ. बी. दुआरी

- 'चावल और गेगूं में खरपतवार प्रबंधन के लिए आईसीटी आधारित निर्णय उपकरण।' वीरेंदर कुमार, आर के मलिक, अशोक यादव, एम के भुल्लर, बुद्धदेब दुआरी, जे एस मिश्रा, संजय साहा, मलय के भौमिक और मैनाक घोष (2020). 'कृषकों की आय मे वृद्धि और खाद्य सुरक्षा हेतु खरपतवार प्रबंधन' पर भारतीय खरपतवार विज्ञान सभा के द्विवर्षीय सम्मेलन का कार्यवृत्त आय और खाद्य सुरक्षा। आईसीएआर केन्द्रीय तदीय कृषि अनुसंधान संस्थआन गोवा (भारत) 5-7 फरवरी, 2020, पृ. 11.
- खरीफ के दौरान विभिन्न चावल स्थापना विद्यायों के तहत खरपतवार और प्रबंधन विकल्प. भौमिक, एम. के, दुआरी, बी. घोष, आर. के, मैती, पी.के. और पात्रा एस.आर (2020)। 'किसानों की आय और खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए बीड प्रबंधन' पर भारतीय विज्ञान सोसाइटी ऑफ वीड विज्ञान द्विवार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही, आईसिएआर केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान, गोवा (भारत) 5-7 फरवरी, 2020, पेज-37.
- 'पश्चिम बंगाल में विभिन्न जुताई प्रथाओं के तहत सूखे बीज वाले चावल में खरपतवार प्रबंधन' जयसवाल, डी. के. और दुआरी, बी. (2020).
- 'किसानों की आय और खाद सुरक्षा बयने' के लिए खरपतवार प्रबंधन पर भारतीय सोसाइटी ऑफ वीड साइंस द्विवार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही, आइसीएआर केन्द्रीय तीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा (भारत) 5-7 फरवरी, 2020, पेज- 122.
- 'पश्चिम बंगाल की परवर्ती मिट्टी में शाकनाशी और खरपतवार गीली घास का उपयोग करके पीली सरसों में खरपतवार प्रबंधन।' सर, के. और दुआरी बी. (2020) 'वीडंस मैनेजमेंट फॉर एनहेनिंग फार्मर्स इकोनमी एंड फूड सीक्यूरीटी' आइसीएआर सेन्ट्रल कोस्टल एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट गोवा (भारत) 5-7 फरवरी 2020 पेज- 193 पर इंडियन सोसाइटी ऑफ वीज साइंस द्विवार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही।

डॉ. एन. सी. सरकार

- ‘सतत जीवस्त्रोत प्रबंधन: जलवायु परिवर्तन शामन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन’ मैती, आर. के, रोडिग्ज. एच. जी. कुमारी, सी. ए. मंडल डी, सरकार, एन.सी, 2020. एपल एकेडमिक प्रेस यू एस ए. पेज- 528, आईएसबीएन- 978-1-77188-815-8.

अन्य प्रासंगिक जानकारी :

- किसानों को प्रशिक्षण, क्षेत्र प्रदर्शन के साल-साल उत्पादन तकनीकों के हस्तांतरण के माध्यम से चावल-परती क्षेत्रों में बारिश की स्थिति में दलहनी फसलें उगाने के लिए किसानों को प्रेरित करने की कोशिश करना। किसानों को गुणवत्तापूर्ण फसल बीजों की उपलब्धता हमेशा चुनौतीपूर्ण कार्य है। गुणवत्तापूर्ण बीजों का उत्पादन, बीजों उपलब्धता की समस्या को दूर करने का एकमात्र तरीका है। यह विभाग किसानों के लिए प्रमाणिक बीज का उत्पादन करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पशु विज्ञान विभाग

प्रकाशन :

शोधपत्र :

- ''कम्पेरेटिव इवेलूएशन आफ इन विट्रो एंटी आक्सीडेंट एक्टीविटीज एंड हाई-परफोरमेंस लीक्वीड क्रोमेटोग्राफी फिंगर प्रिंटिंग आफ फ्रूट पील्स कलेक्टेड फ्रोम फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रि वेस्टेस'' घोष एस, चैटर्जी जे.के. एंड हाजरा ए.के. (2019) फार्माकोगलोजी रिसर्च 11(4), 346.

फसल शरीर विज्ञान विभाग

2 जून, 2019 को फसल शरीर विज्ञान विभाग की उत्पत्ति पूर्व के अनुवंशिकी एवं पौधे अभिजाति एवं फसल शरीर विज्ञान विभाग के विभाजित करके की गई थी। विभाग फसल शरीर विज्ञान, बीज तकनिकी एवं सूक्ष्म प्रसारण तकनिकी में पूर्व स्नातक कोर्स के साथ प्रायोगिक सिखलाई उपज कोर्स जैसे बीज उत्पादन तकनिक, आणविक डाइग्नास्टिक प्रोग्राम, डाइग्नोस्टिक शरीर विज्ञान एवं पौधे की विकास नियंत्रक में बी.एससी. (एजी) प्रोग्राम, प्रदान करता है। विभाग फसल शरीर विज्ञान में पीएच.डी. के साथ कुछ सहायक कोर्सस जैसे तनाव शरीर विज्ञान एवं पौधों के धातु पोषण में दूसरे विभाग के विद्यार्थियों के लिए स्नातकोत्तर प्रोग्राम प्रदान करती है। विभाग के शिक्षकों की शोध क्रिया के अंतर्गत कुछ उच्च प्राथमिकता के क्षेत्र जैसे तनावशरीर विज्ञान, आणविक जीवविज्ञान, धातु पोषण, पौधों का तंतु संवर्धन एवं पौधे के विकास नियंत्रक शामिल हैं।

अधिवेशन / सेमिनार / वर्कशॉप / संगोष्ठी भागीदारी :

डॉ. देवाशीष पांडा

- 25.09.2019-26.09-2019 पौधा रोग विज्ञान विभाग एवं हिरणमयपुर एग्री होर्टीकल्चर सोसायटी फार टेक्नोलोजी एंड रुरल डेवलपमेंट, बसंती, द. 24 परगणा द्वारा सम्मिलित रुप से आयोजित परिस्थिति की एवं पर्यावरण, निरंतरता रोजगार सुरक्षा की ओर अग्रसर विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभागिता एवं पत्र प्रस्तुति। प्रस्तुति शीर्षक : इफेक्ट आफ फोलीयर एप्लीकेशन आफ माइकोन्यूट्रेंट एंड ग्रोथ रेगूलेटर ऑन येल्ड एट्रीबीयुट ऑफ चिली।
- 16.11.2019-18.11.2019 विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित बीरभूम के आसपास ग्राम्य पर्यटन के विकास की रुपरेखा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता एवं पत्र प्रस्तुति। प्रस्तुति का शीर्षक : एग्रो इको ट्यूरिज्म ए नोवेल एपरोच आफ प्रमोशन आफ रुरल टूरिज्म थ्रू एग्रीकल्चर।
- 18.11.2019-20.11.2019 वनस्पति शास्त्र विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा पर्यावरण की जैविक महत्व पर आयोजित 21वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता एवं पत्र प्रस्तुति। प्रस्तुति का शीर्षक : मोरफोफिजियोलोजिकल रेस्पोंस आफ चिली टू माइक्रोन्यूट्रेंट एंड ग्रोथ रेगूलेटर।
- 01.11.2019-30.11.2019 आइसीएआर-नेशनल अकादमी आफ एग्रीकल्चर रिसर्च मैनेजमेंट हैदराबाद द्वारा आयोजित एमओओसी कोर्स ''टिचिंग एक्सीलेंस'' में प्रतिभागिता एवं सफलता से संपन्न किया।
- 23.02.2020-03.03.2020 कृषि सांख्यिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित सांख्यिकी उपकरणों, तकनिक, एवं पैकेज द्वारा अंक विश्लेषण, विशेष जोर एसपीएसएस पर में प्रतिभागिता।

डॉ. (श्रीमती) सानंदा मंडल

- 25.09.2019-26.09.2019 पौधा रोगविज्ञान विभाग एवं हिरणमयपुर एग्री होर्टीकल्चर सोसाइटी फार टेक्नोलोजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, द. 24 परगणा द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित परिस्थिति की एवं पर्यावरणीक निरंतरता : रोजगार सुरक्षा की ओर विषय पर प्रतिभागिता एवं पत्र प्रस्तुति। प्रस्तुति शीर्षक : इफेक्ट आफ फोलीयर एपलीकेशन आफ माइक्रोन्यूट्रेंट एंड ग्रोथ रेगूलेटर ऑन येल्ड एट्रीबीयूट आफ चिली।
- 16.11.2019-18.11.2019 विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित बीरभूम के आसपास ग्राम्य पर्यटन के विकास की रूपरेखा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता एवं पत्र प्रस्तुति। प्रस्तुति का शीर्षक : एग्रो इको ट्यूरिज्म ए नोवेल एपरोच आफ प्रमोशन आफ रूरल टूरिज्म थ्रू एग्रीकल्चर।
- 18.11.2019-20.11.2019 वनस्पति शास्त्र विभाग विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा पर्यावरण की जैविक महत्व पर आयोजित 21वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता एवं पत्र प्रस्तुति। प्रस्तुति का शीर्षक : मोरफो फिजियोलोजिकल रेस्पोंस आफ चिली टू माइकोन्यूट्रेंट एंड ग्रोथ रेगूलेटर।
- 01.11.2019-30.11.2019 आइसीएआर-नेशनल अकादमी आफ एग्रीकल्चर रिसर्च मैनेजमेंट हैदराबाद द्वारा आयोजित एमओओसी कोर्स ''टिचिंग एक्सीलेंस'' में प्रतिभागिता एवं सफलता से संपन्न किया।
- 2.12.2019-11.12.2019 ए.के. दासगुप्ता सेंटर फार प्लानिंग एंड डेवलपमेंट विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित ''एडवांस एप्लिकेशन आफ ''आर'' इन प्लानिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट'' में राष्ट्रीय वर्कशाप में 02 दिसंबर 2019-11 दिसंबर 2019, प्रतिभागिता।

प्रकाशन

शोध पत्र

डॉ. सानंदा मंडल

- ''इम्पैक्ट आफ माइक्रोन्यूट्रैन सिड प्राइमिंग आन जरमिनेशन, ग्रोथ, डेवलपमेंट न्यूट्रिशनल स्टेटस एंड येल्ड एसपेक्ट आफ प्लांट'' मंडल एस. एंड बोस बी. जरनल आफ प्लान्ट न्यूट्रिशन, वोलूम 42, नं. 19, पृष्ठ 2577-2599, 2019. आइएसएसएन-0190-4167, डीओआइ: 10.1080/01904167.2019.1655032.

डॉ. देवाशीष पांडा एवं डॉ. (श्रीमती) सानंदा मंडल

- ''स्टडिज आन दि रेसपॉस आफ पोटैटो टू बोरोनेटेड सलफर'' मंडल एस एंड पांडा डी. प्लांट आरकाइव, वोलूम 19, नं. 2, पृष्ठ 2622-2626, 2019 आइएसएसएन-2581-6063.
- ''इफेक्ट आफ बोरोनेटेड सल्फर आन दि ग्रोथ एंड येल्ड आफ कोलिफ्लावर'' पांडा डी. एंड मंडल एस

(2020) इकोलोजी, इनवारमेंट एंड कनजरवेशन बोलूम (Feb) सवलिमेट्रि इस पृष्ठ 5101-5107, 2020, इएसएसएन 0971-765X.

- "सीड इनहांसमेंट फार ससटेनेवल एग्रीकलचर : एन ओवरवीयू आफ रिसेंट ट्रेंड" पांडा डी. एंड मंडल एस. (2020), प्लांट अरकाइव, वोल्यूम 20 (सप्लीमेंट) पृष्ठ 2320-2332, 2020, आइएसएसएन 2581-6063.
- "इफेक्ट आफ पंचगव्य एंड जीव अमृत आन ग्रोथ एंड येल्ड आफ टोमाटर (Solanum lycopersicum L.)" पांडा डी., पधीयारी ए.के. एंड मंडल एस. एनाल आफ प्लांट एंड सोयाइल रिसर्च, वोल्यूम 22, नं. 1, पृष्ठ 80-85, 2020, आइएसएसएन 2347-6036.
- "एलिलोपेथिक इफेक्ट आफ एक्वश लिफ एस्ट्रक्ट आफ सेलेक्टेड ट्री ऑन जर्मीनेशन एंड सीड्लिंग ग्रोथ आफ राइस" मंडल एस., कुमारी बी., मंडल बी एंड पांडा डी., जर्नल आफ इनवायरमेंटल बायोलौजी, वोल्यूम 41, नं. 2, पृष्ठ 255-260. 2020, आइएसएसएन 0254-8704.
- मोरफो-फिजयोलोजिकल रेसपोंस आफ चीली (Capsicum annum L.) टू फोलियर ऐपलिकेशन आफ माइक्रोन्यूट्रियंट एंड ग्रोथ रेगूलेटर", घोष ए., मंडल एस.एंड पांडा डी. इंटरनेशनल जर्नल आफ बाइयो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट वोल्यूम 11, नं. 1, पृष्ठ 095-102, 2020, आइएसएसएन 0976-4038.

विभाग द्वारा आरंभ नए कोर्स / पाठ्यक्रम या कोई अन्य शैक्षणिक नवीनीकरण

- सूक्ष्म प्रचारण तकनिक नामक एक नवीन कोर्स (कोर्स नं. CPN 311) वर्ष 2019-20 में प्रारंभ किया गया।

अनुवांशिकी और पादप प्रजनन विभाग

जीबीपी के विभाग ने 2019 से काम करना शुरू कर दिया। आनुवंशिकी और पादप प्रजनन में एमएससी (एजी) शैक्षणिक सत्र 2015-16 से छह छात्रों (वर्तमान में सात) की क्षमता के साथ शुरू हुआ। विभाग आनुवंशिकी, पादप प्रजनन, पादप जैव प्रौद्योगिकी, फसल प्रजनन और पादप शरीरविज्ञान पर विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करती है। यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों के अलावा विभाग के शिक्षक सक्रिय रूप से छात्रों को एमएससी और पीएचडी शोध कार्यों में और विस्तारित गतिविधियों में मार्गदर्शक के रूप में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। संकाय सदस्यों ने विशेष रूप से ICAR, JRF और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष आयोजित की हैं।

अधिवेशन / सेमिनार / कार्यशाला / संगोष्ठी भागीदारी :

निहार रंजन चक्रवर्ती

- 20.01.2020-30.01.2020 विधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय (बीसीकेवी) डब्लू. बी. में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम ''रिसेंट एडवांस इन म्यूटेशन ब्रिडिंग फार क्रोप इम्प्रोवमेंट'' में भागीदारी।

संदीप देवनाथ

- 20.01.2020-30.01.2020 विधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय (बीसीकेवी) डब्लू.बी. में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम ''रिसेंट एडवांस इन म्यूटेशन ब्रिडिग फार क्रोप इम्प्रोवेमेंट'' में भागीदारी।
- 15.10.2019-30.11.2019 छह स्ताह की मॉक (Mooc) डिटेक्शन, डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट आफ प्लांट डिसिज पर सीडीटीई आइआइटी, कानपुर और राष्ट्रमंडल सिखलाई, कनाडा द्वारा आयोजित मॉक (Mooc) का विशिष्टता पूर्वक सफल किया।

चल रहे अनुसंधान परियोजनाएँ

क्र. सं.	परियोजना समन्वयको / टीम नेता के नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसी	मंजूर राशि (रु.)
1.	निहार रंजन चक्रवर्ती (PI) आमित्व पॉल (CoPI)	इन्डूज म्यूटेशन फार अरली मैच्योरिंग, सेमी ड्राफ एंड हाई मेल्डिंग लाइन इन एरोमेटिक राइस बादशा भोग	बोर्ड आफ रिसर्च इन न्यूक्लीयर साइंस, डीए भारत सरकार	27,46,300/- (पूर्ण सित पोषण)

क्र. सं.	परियोजना समन्वयको / टीम नेता के नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसी	मंजूर राशि (रु.)
2.	संदीप देवनाथ (CoPI)	इन्हांसिंग फूड एंड न्यूट्रिशनल सेक्योरिटी एंड इम्प्रूव्ड लाइवलीहूड थ्रू इन्टेसीफिकेशन आफ राइस फैलो सिस्टम विथ प्लस क्रोप	आइएफएडी. आइसीएआरडीए प्रोजेक्ट इन साउथ एशिया	एनए

विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ

विभाग के शिक्षक और छात्र प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रमों पर संस्थान द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इसमें छात्रों और किसानों को संगठित करने का विस्तार कार्यक्रम, टीवी और रेडियो कार्यक्रम इत्यादि शामिल हैं। संकाय सदस्य विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी भाग लेते हैं (रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, बंगाल सरकार, एनजीओ इत्यादि द्वारा आयोजित)।

फैकल्टी की भागीदारी :

निहार रंजन चक्रवर्ती

- ''बदलते जलवायु और उपयुक्त खेती'' पर आल इंडिया रेडियो, द्वारा आयोजित रिकोर्डेड कार्यक्रम, में 4th सित. 2019 में भागीदारी।
- 12 नवंबर 2019 को आल इंडिया रेडियो शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित सरसो और सिसम की उन्नत खेती में रेडियो कार्यक्रम में लाइफ फोन पर भाग लिया।

संदिप देवनाथ

- कृषि में पारिस्थितिकी, पर्यावरण और जैव विविधता की भूमिका पर लाइव कार्यक्रम का आयोजन। 04.01.2020 को आयोजित।

शिक्षक /स्कोलर द्वारा प्राप्त शैक्षिक श्रेष्ठता :

परेश चंद्र कोले

समीक्षक

- पादप शरीर विज्ञान और जीव रसायन
- 3 जैव प्रौद्योगिकी
- जर्नल ऑफ इन्वायरंमेंटल बायोलोजी
- एमएससी (एजी) थीसिस मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में कार्यरत उत्तर बंग कृषि

विश्वविद्यालय, पुनदीबारी, कुचबिहार और केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय हेतु।

- कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता के पीएच.डी. थीसीस मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया।

अमिताभ पॉल

निम्नलिखित समाजों का जीवन सदस्य :

- इंडियन सोसायटी आफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रिडिंग, नई दिल्ली
- क्रोप एंड वीड साइंस सोसाइटी, वीसीकेवी, नदिया
- बायोसाइंस एंड एग्रीकल्चर एडवांसमेंट सोसाइटी, मेरठ
- दि इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन
- एसोसिएशन फार प्लांट ब्रिडिंग एंड इम्प्रोवमेंटन (एपीबीआइ), सीयू कोलकाता
- विभिन्न कृषि विश्वविद्यालय (ओयूएटी, भुवनेश्वर, बीसीकेवी, मोहनपुर, यूबीकेवी, पुंदीबारी पीएयू, लूधियाना) में बाहरी परीक्षक व पेपर सेटर का कार्य किया।
- विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों (बीसीकेवी, मोहनपुर, सीएयू, इम्फाल, यूएएस, धाखोड़ जनोको में एमएससी और पीएचडी थीसिस के मूल्यांकनकर्ता और बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया।

निहार रंजन चक्रवर्ती

निम्नलिखित सोसाइटियों में आजीवन सदस्य :

- इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (आइएससीए)
- एसोसिएशन फार प्लांट ब्रिडिंग एंड इम्प्रुवमेंट (एपीबीआई), कोलकाता
- बीएससी (एजी) ओनर्स, इंड टर्म परीक्षा, 2019-20 (सीपीबी 301 : क्रोप इम्प्रुवमेंट-1 खरीफ फसल) यूबीकेवी, डब्लूबी के बाहरी परीक्षक प्रश्न पत्र सेंटर के रूप में कार्य किया।
- बीएससी (एजी) ओनर्स आखिरी सत्र परीक्षा 2019-20 (जीपीबी : 101 : अनुवांशिकी के मूल) यूबीकेवी, डब्लू बी के बाहरी परीक्षक पत्र सेंटर के रूप में कार्य किया
- शोध पत्र समीक्षक का कार्य किया
- एग्रीकल्चर रिसर्च जर्नल (एआरजे)
- इंटरनेशनल जर्नल आज प्लांट ब्रिडिंग एंड क्रोप साइंस
- इंडसट्रियल क्रोप एंड प्रोडकट्स

प्रकाशन :

शोध पत्र :

परेश चंद्र कोले

- ''जीजीई बापलार अनालिसिस फार ग्रैन येल्ड इन चि.पी अंडर नोरमल एंड हीट स्ट्रेस कंडिसन'' इंडियन जे.एग्री.साइंस 2019, 89(4) : 721-725.
- ''क्यूटी एल, मैपिंग फार हीट स्ट्रेस टोलरेंस इन चिक पी'', लेग्यूम रेस., 2019 20/1/2019-20/319.
- पेरेंटल इवेलूएशन एंड पॉलिमोरफीजम सर्वे आफ डौर कोनट्रास्टिंग डोनर एंड रिकेप पैरेंटस इन राइस यूसिंग माइक्रो सेटेलाइट मार्करस'' इलेक्ट्रोनिक जे प्लांट ब्रिड 2019, 10(2), 406-412.
- स्टडिज आन दि कम्बाइनिंग एबीलिटी एंड जीन एक्शन इन सनफ्लावर थ्रू लाइन X टेस्टर मेटिंग डिजाइन'' इलेक्ट्रोनिक जे. प्लांट ब्रिड, 2019, 10(2) 816-82.

अमिताभ पॉल

- ''आइडेंटीफिकेशन आफ जीनोम रिजन(स) रेसपोंसिबल फार हाई आइरन एंड जिंक कंटेंट इन राइस'' नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 2019, बोल्यूम 9, पृष्ठ 8136-8143.
- ''रेडिएशन इंड्यूज्ड म्यूटाजेन सेनसिटिविटी एंड वलोरोफिल म्यूटेशन फ्रिकवेंसी आन सिसम सिड'' जर्नल आफ इन्वायरमेंटल बायोलोजी, 2019, vol.40, नं.-2, पृष्ठ 252-257.
- ''पाथ एनालिसिस आफ दि रेलेशनसिप बिटबीन फ्रूट येल्ड एंड सम येल्ड कम्पोनेंट इन टोमैटो'' जर्नल आफ फारमोकोलोजी एंड फाइटोकैमैस्ट्री, 2019, vol 8, नं. 05, पृष्ठ 4666-467.

निहार रंजन चक्रवर्ती

- ''गामा रे इंड्यूस्ड एम2 जनरेशन पोलिजेनिक वैरिएबिलिटि इन मिडियम ग्रेन नन बासमती एरोमेटिक राइस'' जर्नल आफ बायोटेकनोलोजी एंड क्रोप साइंस 7 (11): 119-129.
- ''एसेसमेंट आफ जेनेटिक वेरिएबिलिटी, कोरिलेशन एंड पाथ एशोसिएशन फार येल्ड एंड येल्ड कम्पोनेंट इन एरोमेटिक राइस (नन बासमती)'' जर्नल आफ फारकोग नोसी एंड फोटोकेमेस्ट्री, 8(3):1907-1914.
- ''एक्सप्लोरेशन एंड एग्रो. मोरफोलोजिकल इवैलूएशन आफ राइस लैंड रेसेस ग्रोन अंडर द अपलैंड इकोसिस्टम आफ त्रिपुरा'' जर्नल आफ फारकोनोसी एंड फोटोकेमेस्ट्री 8(3) : 2316-2323.
- ''इंड्यूस्ड माइक्रो म्यूटेशनल स्पेक्ट्रम एंड फ्रिक्वेंसी आफ वाइवल म्यूटेंट इन एम2 जेनेरेशन आफ नन बासमती एरोमेटिक राइस'' जर्नल आफ फारकोनोसी एंड फोटोकेमेस्ट्री 8(3):2383-2386.
- ''स्टडी आन द कम्बाइनिंग एबलिटी एंड जिन एक्शन इन सनफ्लावर थ्रू लाइन X टेस्टर मेटिंग

डिजाइन'' इलेक्ट्रोनिक जर्नल आफ प्लांट ब्रिडिंग, 10(2) : 816-826.

- ''हेट्रो स्टडी इन सनफ्लावर थ्रू लाइन X टेस्टर मेटिंग डिजाइन फार येल्ड एट्रीब्यूट'' इंटरनेशनल जर्नल आफ करेंट एग्रीकल्चर साइंस 9(8) : 430-433.
- ''स्टडी दी इक्नोमिक हट्रोसिस स्टडी फार सिड येल्ड, आयल येल्ड एंड येल्ड एट्रिब ट्रेट इन न्यूली डेवलप्ड हाइब्रिड्स इन सनफ्लावर'' इनवायरंमेंट एंड इकोलोजी 37 (4) : 1265-1274.
- ''इन सिलका एनालिसिस आफ फंगल लिंकेज एमॉग आरसेनिक इंड्यूस्ड एमएटीई जिनस इन राइस'' बायो टेक्नोलॉजी रिपोर्ट https://doi.04/10.1016/j.btre2019.2003.
- ''हट्रासिस स्टडी इन सनफ्लावर थ्रू लाइन X टेस्टर मैटिंग डिजाइन फार येल्ड एट्रीब्यूट ट्रेटस'' इंटरनेशनल जर्नल आफ करेंट एग्रीकल्चर साइंस 9(A): 433-439.
- ''गामा रे इंड्यूस इफेक्टिवनेस एंड इफिसिएंसी आफ क्लोरोफिल मुटेंट इन नन-बास एरोमेटिक राइस'' जर्नल आफ बायोटेक्नोलॉजी एंड क्रोप साइंस 8(12):4.9.
- ''ए स्टडी आन जिनोटाइपीक इवेलूएशन ऑफ ग्रीन ग्राम इन रेस्पेक्ट आफ येल्ड एंड येल्ड एट्रीब्यूटिंग ट्रेट इन दि कोस्टल वेल्ट आफ सुंदरवन, वेस्ट बंगाल'' ग्रासरूट जर्नल आफ नेचुरल रिसोर्स 2(4):38-44 डीओआई https:/doi.04/10.33002.
- ''हेट्रोसिस स्टडिज इन सनफ्लावर फार एट्रीब्यूटिंग ट्रेट थ्रू लाइनXटेस्टर मैपिंग डिजाइन'' ग्रासरूट जर्नल आफ नेचुरल रिसोर्स 2(4): 13-25.

संदीप देवनाथ

- ''इन सिलको एनालिसिस आफ फंगल लिंकेज एमंग आरसेनिक इंड्यूज एमएटीई जिन इन राइस'' बायोटेक्नोलॉजी रिपोर्ट, Vol.26:200390.
- ''जेनेटिक डाइवरजेंस अनालिसिस इन ग्रासपी'' इन्ट ज करर माइक्रोबाइल, एप्लाइड साइंस वोल्यूम 8 नं. 12 पृष्ठ 562-567.
- ''एसेसमेंट आफ जेनेटिक डाईवरजेंस फार क्वालिटेटिव ट्रेट इन लेंस क्यूलिनरीस मेदिक'' इंट जे करर माइक्रोबाइल एप्लाइड साइंस vol. 9, नं. 02, पृष्ठ 252-261.

पुस्तक और पुस्तक अध्याय :

निहार रंजन चक्रवर्ती

- ''जेनेटिक एनालिसिस आफ बायोडिजल प्लांट'' सिंह एस. चक्रवर्ती एनआरएंड घोष ए (2019, अगस्त) एलएपी लेम्ब्रट एकादमी पबलिसिंग जर्मनी अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन द्वारा प्रकाशित।

शोध-लेख

- ''कंसरवेसन आफ डाइवर्सिटी आफ फोक राइस इन वेस्ट बंगाल'' देवनाथ एस एंड चक्रवर्ती एनआर (2020) फिड एंड साइंटिफिक रिपोर्ट 1:1-3.

नया कोर्स / पाठ्यक्रम या कोई अन्य शिक्षण नवाचार डिजाइन करना

- विभिन्न अनाज, दालों के बीज और सब्जियों की फसलों के एक समूह के जैव तकनीकी चरित्रों पर अध्ययन चल रहा है जो विभिन्न प्रकार के प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपयुक्त जीनोटाइप की पहचान करने में मदद करेगा और आपको उपयोग के लिए क्रॉस प्रजनन कार्यक्रम में अप्रत्यक्ष करेगा।

अन्य सार्थक जानकारी :

- विभाग ने टिशु कल्चर और आणविक प्रजनन कार्य के लिए आधुनिक और सुसज्जित प्रयोगशालाओं की स्थापना की योजना बनाई है।

उद्यानिकी एवं कृषि परवर्ती प्रौद्योगिकी विभाग

उद्यानिकी और कटार्व उपरांत प्रौद्योगिकी विभाग ने सितम्बर 2016 से कार्य करना शुरु किया। अपनी स्थापना के बाद से विभाग उद्यानिकी और कराई उपरांत क्षेत्र में उद्यानिकी से संबोधत विभिन्न कोर्सों में यूजी और पीजी स्तर की पेशकश करता है। यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों के अलावा विभाग के संकाय सदस्य भी सक्रिय रुप से विभिन्न विस्तार गतिविधियों में लगे हुए पीएचडी कोर्स वर्क प्रोग्राम आयोजित कर रहे हैं और छात्रों को शोध कार्यों में मार्गदर्शन कर रहे हैं, जो पीएचडी डिग्री के लिए अग्रणी हैं।

यूजी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट / गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

आइसीएआर नेट परीक्षा 2019 में उत्तीर्ण उम्मीदवार :

- प्रीयम चट्टोपाध्याय
- बुद्धिसत्वा दोवराह
- मेहना म.
- गंगाराम राणा
- तापश्री बैद्या

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अधिवेशन / सेमिनार / कार्यशाला :

डॉ. जयदीप मंडल

- 01.02.2020-01.02.2020 मराठी विभाग, विश्वभारती और एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "डॉ. बीआर अम्बेदकर के आधुनिक भारत के योगदान" पर राष्ट्रीय अधिवेशन। दक्षिण 24 परगना पश्चिम बंगाल में प्याज ब्लब के भंडारण पर अध्ययन करता शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रह्लाद देव

- 20.11.2019-21.11.2019 वानिकी विभाग, यूबीकेवी, पुनिदारी, कुचबिहार में आजीविका सुधार के लिए खेती के संरक्षण और औषधीय पौधों के स्थायी उपयोग पर राष्ट्रीय अधिवेशन। पश्चिम बंगाल के पश्चिमी शुष्क ट्रैक के आदिव आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधे पर रिसर्च पेपर प्रस्तुति।

चल रहे अनुसंधान परियोजनाओं

शिक्षक का नाम	परियोजना की नाम	प्रायोजक एजेंसी	मंजूर राशि
डॉ. जयदीप मंडल (पीआई) और डॉ. गौतम मंडल	सब्जी खेती में तीन कार्बनिक यौगिकों की क्षमता का आंकलन	कृषि रसायन कोलकाता	रु. 1.43 लाख
डॉ. जयदीप मंडल (को-पीआई) और कालिपद प्रामाणिक (पीआई)	प्रतिरोपित चावल जोरा सूरजमूखी और सरसों का शाकनाशियों के अवशेष पर जैवदक्षता, फाइटो विषाक्तता	एम/एस पारिजात इंडस्ट्रीस (इंडिया) प्रा.लि.	रु. 11.7 लाख
डॉ. प्रह्लाद देव	पती उत्कक विश्लेषण	राष्ट्रीय वासिकी मिशन द्वारा एफपीआई और वानिकी विभाग प.बं. विभाग	रु. 20 लाख

विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ

विभाग के शिक्षक और छात्र प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के हस्तांतरण पर समय-समय पर संस्थान द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रुप से लगे हुए हैं। इसमें विस्तार कार्यक्रम, टीवी और रेडियो कार्यक्रमों आदि के आयोजन में छात्रों और किसानों को शामिल किया जाता है। संकाय सदस्य विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेते हैं (रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, पं.बं. सरकार, एनसीओ आदि द्वारा आयोजित)।

- विभाग विभिन्न विश्वविद्यालय, कार्यक्रमों के आयोजन में ए. प्रमुख हिस्सा लेता है जैसे कि 'हलकर्षण' और 'श्रीनिकेतन उत्सव' (माघ मेला)
- डॉ. जयदीप मंडल 'हलकर्षण' कार्यक्रम 2020 के समिति सदस्य थे।
- डॉ. जयदीप मंडल, श्रीनिकेतन वार्षिक मेले (माघ मेला), 6 से 8 फरवरी 2020 के प्रदर्शनी समन्वयक के रुप में कार्य किया।
- डॉ. जयदीप मंडल 11th और 12th जनवरी 2020 को आयोजित पल्लि शिक्षा भवन पुनर्मिलन समिति कार्यक्रम के अध्यक्ष थे।
- डॉ. गौतम मंडल 11th और 12th जनवरी 2020 को आयोजित पल्लि शिक्षा भवन पुनर्मिलन समिति कार्यक्रम के सचिव थे।

शिक्षक / स्कालर द्वारा प्राप्त शैक्षिक योग्यता :

स्नेहाशीष चक्रवर्ती

निम्नलिखित पेशेवर समितियों का आजीवन सदस्यता :

- दि सोसायटी फार दि एडवांशमेंट आफ हार्टीकल्चर, मोहनपुर, प.बं.
- दि इंडियन सोसायटी आफ वेजिलेबर साइंस, वाराणसी, उ.प्र.
- सीड साइंस सोशायटी आफ बंग्लादेश, मयमोनसिंघा, बंग्लादेश
- इंटरनेशनल जर्नल आफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रैस मेनेजमेंट
- दि कर्णाटक होर्टीकल्चर सोसायटी, आरा भावी, कर्नाटका
- बाहरी सदस्य, अध्ययन समिति, वानिकी संकाय, बीसीकेवी
- पेपर सेटर, बाहरी एक्सपर्ट विभिन्न कोर्सों में और / या एमएससी थेसिस परीक्षक वानिकी बीपीकेवी में (मोहनपुर, नदिया) और ओयूएटी (भुवनेश्वर, उड़िसा) के रुप में कार्य किया।

गौतम मंडल

निम्न पेशेवर सोसायटी के आजीवन सदस्य

- दि हॉर्टीकल्चर सोसायटी आफ इंडिया
- इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन
- इंटरनेशनल जर्नल आफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट
- सोसायटी फार एडवांसमेंट आफ हॉर्टीकल्चर
- इंडियन सोसायटी आफ रि हॉर्टिकल्चर
- इंडियन सोसायटी आफ एग्रीकल्चर इंजीनियरस
- विभिन्न कोर्सों में पेपर सेटर, बाहरी एक्सपर्ट और / या एमएससी वानिकी थेसिस परीक्षक बीसीकेवी (मोहनपुर नदिया) और ओयूएटी (भुवनेश्वर उड़िसा) के रुप में कार्य किया
- बीसीकेवी नदिया प.बं. में थीसिस एमएससी थीसिस के बाहरी। आंतरिक परीक्षक के रुप में कार्य किया।
- एल्महर्स्ट लड़को के छात्रावास श्रीनिकेतन, विश्वभारती के शिक्षक वार्डन के रुप में कार्य किया।

जयदीप मंडल

निम्न पेशेवर सोसायटी में आजीवन सदस्य

- दि हॉर्टीकल्चर सोसायटी आफ इंडिया, नई दिल्ली

- दि इंडियन सोसायटी आफ वजीलेव्ल साइंस, वाराणसी, उ.प्र.
- दि सोसायटी फार दि एडवांशमेंट आफ हॉर्टिकल्चर, मोहनपुर, प.बं.
- दि उड़िसा हार्टीकल्चर सोसायटी, भुवनेश्वर, उड़िसा
- इंडियन जर्नल आफ हिल फार्मीज, बारापानी, मेघालय
- सीड साइंस सोसायटी आफ बंग्लादेश, मयमोनसिंघ, बांग्लादेश
- कुचबिहार एसोसिएशन आफ क्लरीवेंशन आफ एग्रीकल्चर साइंस, कुचबिहार, प.बं.
- बायो साइंस एंड एग्रीकल्चर एडवांसमेंट सोसायटी, मेरठ, उ.प्र.
- दि कर्नाटक हार्टीकल्चर सोसायटी, अराभी, कर्नाटक
- डियन सोसायटी आफ एलियूमस, आइसीएआर-डीओजीआर, राजगुरुनगर, पुणे
- कृषि विज्ञान संस्थान, कोलकाता विश्वविद्यालय के अतिथि शिक्षक वानिकी विभाग में।
- बीओएस सदस्य, पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती
- "होर्टफ्लोरा रिसर्च स्पेक्ट्रम" जर्नल के संपादकिय बोर्ड सदस्य (2019)
- विभिन्न कोर्सों के पेपर सेटर, बाहरी एक्सपर्ट और / या एमएससी वानिकी थीसिज परीक्षक वीसीकेवी (मोहनपुर नदिया) और ओयूएटी (भुवनेश्वर उड़िसा) के रूप में कार्य किया।

प्रह्लाद देव :

- वानिकी एवं कटाई उपरांत प्रौद्यौगिकी विभाग, पल्लि शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन के स्नातकोत्तर और प्रयोगशाला प्रभारी के रूप में कार्य किया।

निम्न पेशेवर सोसायटी के आजीवन सदस्य :

- दि हॉर्टीकल्चर सोसायटी आफ इंडिया, नई दिल्ली
- दि सोसायटी फार प्रोमोशन आफ हार्टीकल्चर, बेंगलूर
- फ्रूट साइंस सोसायटी आफ बांग्लादेश, मयमनसिंघ, बांग्लादेश
- हाट्र फ्लोरा रिसर्च स्पेक्ट्रम, मेरठ, उ.प्र.
- क्रॉप एंड वीड साइंस सोसायटी, बीसीकेवी, नदिया, प.बं.
- जर्नल आफ बायो रिसोर्स एंड स्ट्रेस मेनेजमेंट, कोलकाता
- सोसायटी फार बायो रिसोर्स, इंवासमेंट एंड एग्रीकल्चर रिसर्च
- मामूली फल औषधीय और सुगंधित पौधे के लिए इंटरनेशनल सोसायटी की कार्यकारी समिति के सदस्य

- सदस्य, संपादक मंडल, मामूली फल, औषधीय और सुगंधित पौधे के लिए इंटरनेशनल जर्नल।
- सदस्य, इंटरनेशनल सोसायटी फार हॉर्टीकल्चर साइंस, बेलजीयम।
- वानिकी के विभिन्न कोर्सों के पेपर सेटर और परीक्षक के रूप में कार्य किया। उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय, पुनदारी, कुचबिहार, प.बं. और बीसीकेवी मोहनपुर नदिया प.बं. ओयूएटी भुवनेश्वर उड़िसा।

प्रकाशन

शोध पत्र

प्रो. सुभाशीष चक्रवर्ती

- ''इंहेंस्ड इफेक्ट ऑफ नाइट्रोजन एंड फास्फोरस आन ग्रोथ येल्ड आफ केपसीकम ए रिव्यू'' लोदी वाय. संगीता चक्रवर्ती, एस और बीवीजी प्रसाद (2019) इंटरनेशनल जर्नल आफ करेंट माइक्रोबॉयोलोजी एंड एपलाइड साइंस (आइएसएसएन न. 2319-7706).
- ''इंटिग्रेटेड वीड मेनेजमेंट इन चिली + गारलीक इंटरकोपींग सिस्टम'' गास्ती वी डी, चक्रवर्ती एस (2019) इंटरनेशनल जर्नल आफ करेंट माइक्रोबॉयोलोजी एंड एप्लाइड साइंस 8(01) : 3100-3110 (आइएसएसएन न. 2319-7706).
- ''केमिकल वीड कंट्रोल इन चिली + ओनियन इंटरक्रोपिंग सिस्टम'' गास्ती वीडी एंड चक्रवर्ती एस (2019) इंटरनेशनल जर्नल आफ करेंट माइक्रोबायोलाजी एंड एप्लाइड साइंस 8(01):3111-3121 (आइएसएसएन 2319-7706).
- ''इफिकेसी आफ हर्बीसाइड वीड मेनेजमेंट इन चिली + कोरियेंडर इंटारकोपिंग सिस्टम'' गास्ती जीडी एंड चक्रवर्ती एस (2019) इंटरनेशनल जर्नल आफ केमिकल स्टडीज 7(1) : 2530-35.

डॉ. गौतम मंडल

- ''इफेक्ट आफ ब्यूट्रेंट आन येल्ड एंड केमिकल कैरेक्टरिस्टिक आफ ओनलॉ सीवी चाकिया'' गौत जंगिद, गौतम मंडल, उषा कुमारी (2019) जर्नल आप मेडिसिनल प्लांट 7(): 106-108 (ई-आइएसएसएन : 2320-3862, पीआइएसएएसएन : 2394-0530).
- ''रेस्पोंस आफ जिंक एंड बोरोन स्प्रे आन ग्रोथ एंड येल्ड आफ ओनलॉ सीवी चकिया'' गौतम जंगीढ़, गौतम मंडल, उषा कुमारी (2019) जर्नल आफ फार्माकोगनोसी एंड फाइटो केमेस्ट्री 8(2):1290-1292 (ई-आइएसएसएन : 2278-4136, पीआइएसएसएन 2341-8234).
- ''क्वालिटेटिव एनालिसिस आफ मैंगो सीबी लगड़ा इंफ्लूएंस्ड बाइ वेरियस पोस्ट हार्वेस्ट ट्रिटमेंट'' आर थोक्चोम, जी मंडल (2019) इंटरनेशनल जर्नल आफ केमिकल स्टडिज 7(1):2167-2172 (पीआइएसएसएन : 2349-8528, इआईएसएसएन 2321-4902).

- ''इफेक्ट आफ पोस्ट हार्वेस्ट ट्रिटमेंट आन फिजिकल कैरेक्टरिस्टिक आफ मैंगो'' आर थोजोम, जी मंडल (2019) जर्नल आफ फार्माकोगनोसि एंड फाइटोकैमेस्ट्री 8(1): 2239-2243 (ई-आइएसएसएन 2278-4136, पी आईएसएसएन 2349-8234).
- ''परफोर्मेंस आफ प्रोमिसिंग लिची कलरिवर इन रेड एंड लेटराइट जोन आफ बीरभूम गौतम मंडल एंड रोकी थोकचोम (2019) एग्रीकल्चर साइंस डाइजेस्ट 40(2):144-148 (10.18805/एजी D-4984).

डॉ. जयदीप मंडल

- ''एससमेंट आफ वेजिटेबल पर्पस वाटरमेलन [(धुनब) मेटसम एंड नाकाई] जेनोटाइप क्लेकटेड फॉर्म लेटराइट बेल्ट आफ इस्टर्न इंडिया'' ऐज मोहनता एंड जयदीप मंडल 2019, जर्नल आफ फारमाकोगनोसी एंड फाइटोकैमेस्ट्री 8(3): 2508-2512 इआइएसएसएन : 2278-4136; पीआइएसएसएन : 2349-8234.
- ''ग्रोथ, येल्ड एंड क्वालिटी आफ सम ओनियन अंडर लेटराइट बेल्ट आफ इस्टर्न इंडिया'' जयदीप मंडल, आर अजगैले, डी सहांद, एस मोहंता 2019 वेजिटेबल साइंस, 46(1 एंड 2) 129-31 प्रिंट आइएसएसएसएन : 0970-6585 ऑनलाइन आइ एसएसएन : 2455-7552.
- ''इंफ्लूएंस आफ ओरगनिक सोआइस एमेंडमेंट आन प्रोडक्शन पोटेंसियल आफ ओकरा सीबी अवंतिका'' सौविक घोष, जयदीप मंडल, पी आचार्या, ए बनार्जी एंड आर मुंशी 2019 इंडियन एग्रीकल्चरिस्ट 63(1): 27-32 आइएसएसएन : 0019-4336.
- ''इवैलूएशन आफ सम कुकिंग राइप वाटरमेलन [(धुनब) मेटसम एंड नाकाई] जेनोटाइप क्लेकटेड फॉर्म लेटराइट बेल्ट आफ इस्टर्न इंडिया'' टी बिसवास, जयदीव मंडल एंड समरनिका मोहंता 2019। जर्नल आफ क्रोप एंड वीड 16(1): 245-249. पीआइएसएसएन 0974-6315 ईआइएसएसएन 2349-9400 https://doi.ug/10.227/09746315.2020.16.il.1301.
- ''ए नोट आन मोरफोलोजिकल कैरेक्टराइजेशन आफ ब्रिंजल जेनोटाइप'' आर परिदा, जयदीप मंडल एंड एस मोहंता 2019 जर्नल आफ क्रोप एंड वीड 16(1):250-255, पीआइएसएसएन 0974-6315; इआइएसएसएन 2349-9400. (https://doi.org/10.22271/09746315.2020. V16.11.1302.

डॉ. प्रह्लाद देव

- ''जेनजेस इन क्वालिटी आफ लिची (सीबी बोम्बाई) एज इन्फ्लूएंस्ड बाइ पोस्टहार्वेस्ट ट्रिटमेंट अंडर एमबियेट स्टोरेज कंडिशन'' प्रह्लाद देव ऐंड सीपी सुरेश (2019) इंडियन एग्रीकलचरिस्ट, 62 (3 एंड 4) : 99-105 (आइएसएसएन : 0019-4336).
- ''हाइड्रोजन पेरोक्साइट; प्रिट्रिटमेंट इंहंस एंटीओक्सीडेंट प्रोपर्टी एंड फ्रि रैडिक्ल स्कैवेंजिंग एक्टिविटिज इन ट्रि बिन सीड एंड पोड़ इन स्टोरेज'' एस प्रेमी देवी एम आर साहु, ए कुना, एम दासगुप्ता, एस

मंदारिपु, प्रह्लाद देव एंड एन प्रकाश (2019) न्यूट्रिशन एंड फूड साइंस, डीओआइ 10.1108/एनएफएस-07-2018-0195 (आइएसएसएन : 0034-6659).

- ''ताजा आकार की बुराइयों के शौल्फ जीवन पर खाद्य कोटिंग का प्रभाव''। कुमार अभिषेक और प्रह्लाद देब। (2019) जर्नल ऑफ पोस्टहार्टवर्क टेक्नोंलॉजी, 7(1):25-32 (आईएसएसएन : 2348-4330).

पुस्तकें और पुस्तक अध्याय

डॉ. जॉयदीप मंडल :

- ''कंद फसलों में पोषण संबंधी कारक''। पायल पांजा, जयदीप मंडल और पी प्रिपाठी (2019) इन : यू थापा, आर. मंडल और पी. त्रिपाठी (स.) आलू और कंद फसलों की उत्पादन तकनीक, टुडे एंड टुमॉरो के प्रिंटर और प्रकाशक, नई दिल्ली। पृष्ठ 11-24. आइएसबीएन 10:81-7019-636 और आईएसबीएन 13:9788170196365.
- ''शकरकंद'' जयदीप मंडल और रेवा मंडल (2019)। में : यू. थापा, आर. मंडल और पी. त्रिपाठी (सं.) आलू और कंद फसलों की उत्पादन तकनीक, टुडे एंड टुमॉरो के प्रिंटर और प्रकाशक, नई दिल्ली। पृष्ठ 145-191. आईएसबीएन 10:81-7019-636 और आईएसबीएन 13:9788170196365.

डॉ. प्रह्लाद देब

- ''उत्तर पूर्वी भारत में खाद्य, पोषण सुरक्षा और ओषधीय लाभ के लिए कम ज्ञात पौधा प्रजातियाँ'' प्रह्लाद देब और सीपी सुईश (2019), में : आजीविका संवर्धन के माध्यम से खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए हस्तक्षेप चुकाती और अवसर, पंडित जवाहरलाल नेहरू कृषि और अनुसंधान संस्थान, कराइकल, पृष्ठ 39-46, आईएसबीएन : 978-93-84446-89-89-5.

अन्य प्रासंगिक जानकारी :

- डॉ. प्रह्लाद देब ने परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा प्रायोजित ''फसल सुधार के लिए हालिया अग्रिमों पर प्रशिक्षण पर हाथ'' में भाग लिया, 20 से 30 जनवरी, 2020 तक वीसीकेवी में।

पौध पैथोलॉजी विभाग

विभागीय सेमिनार

- 25.09.2019-26.09.2019। हिरनमयपुर एग्रो-हॉर्टिकल्चर सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, साउथ 24 परगना के सहयोग से झारखंडी, बसंती, साउथ 24 परगना के प्लांट पैथोलॉजी विभाग से ''पारिस्थितिक और पर्यावरणीय स्थिरता : वे फॉर लाइवलीहुड सिक्योरिटी'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

प्रो. रंजन नाथ

- 25.09.2019-26.09.2019. झारकली, बसंती, दक्षिण में प्लांट पैथोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित ''पारिस्थितिक और पर्यावरणीय स्थिरता : आजीविका सुरक्षा के लिए आगे का रास्ता'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से मिर्ची पत्ती के कर्ल रोग के प्रबंधन के लिए ''मौखिक रूप से भाग लिया और प्रस्तुत किया गया। हिरण्मयपुर एग्रो के साथ 24 परगना-प्रौद्योगिकी और ग्रामीण विकास के लिए बागवानी सोसाइटी, बसंती, दक्षिण 24 परगना।
- 25.09.2019-26.09.2019. प्रौद्योगिकी और ग्रामीण विकास, बसंती, दक्षिण के लिए हीरामनॉथ एग्रो-हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के सहयोग से झारकली, बसंती, साउथ 24 परगना में प्लांट पैथोलॉजी विभाग के अध्यक्ष के रूप में ''पारिस्थितिक और पर्यावरणीय स्थिरता : वेव फॉर लाइवलीहुड सिक्योरिटी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। 24 परगना।
- 25.09.2019-26.09.2019. ''पारिस्थितिक और पर्यावरणीय स्थिरता : आजीविका सुरक्षा के लिए रास्ता आगे बढ़ना'' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के तकनीकी सत्र-1 (दिन-2, समानांतर सत्र-1) के अध्यक्ष के रूप में कार्य, झारकली, बसंती, दक्षिण 24 परगना में प्लांट पैथोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित।
- 03.12.2019. समावेशी गन्ना विकास परियोजना के तहत 'गन्ना संवर्धन प्रथाओं' पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया और कृषि विस्तार, पल्लि शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित 'गन्ना के रोग' पर आमंत्रित वार्ता की।

डॉ. मोहन कुमार विश्वास

- 30.06.2019. भाग लिया और प्रस्तुत कागज (मौखिक) हकवार ''Ocimum gratissimum 1 के विभिन्न बहिर्वाह के जीवाणुरोधी प्रभावकारिता का मूल्यांकन। (lamiaceae) फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग के साथ कुछ रोगजनक बैक्टीरिया के खिलाफ छोड़ देता है।'' पर्यावरण, कृषि और जैव प्रौद्योगिकी (ICEABT) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 'कोलकाता, भारत में दक्षिण एशियाई अनुसंधान केंद्र (SARC) द्वारा।

- 06.07.2019 को आयोजित किया गया। बीज के ''अलगाव और Phylogenetic पहचान'' शीर्षक से भाग लिया और प्रस्तुत कागज (मौखिक)। ''कृषि, वानिकी और जीवन विज्ञान (ICAAS-19)'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में चावल और पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन के साथ धतूश स्ट्रैमोनियम के साथ फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग : GC-MS विश्लेषण'' के साथ जुड़ा हुआ है। (ISER) ने कोलकाता, भारत में आयोजन किया।
- 16.01.2020-20.01.2020. पश्चिम बंगाल, भारत में स्थायी पल्स उत्पादन के लिए मसूर की दाल के रोग का प्रबंधन (लेन्स एस्कुलेंटा मोइंच) शीर्षक से प्रस्तुत किया गया। ये 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''संयुक्त राष्ट्र के स्थायी विकास के मुकुट को हासिल करने में फाइटोपैथोलॉजी'' पर। भारत के फाइटोपैथोलॉजी सोसाइटी (IARI) द्वारा आयोजित। नई दिल्ली, 110011, भारत।
- 25.09.2019-26.09.2019. (Fusarium oxysporium fsp, Melongenae) के माध्यम से FPR और सस्टेनेबल फूड प्रोडक्शन के लिए विस्तार और संगठित''। झिरकली, बसंती, दक्षिण 24 परगना में प्रौद्योगिकी विभाग और ग्रामीण विकास, बसंती, दक्षिण 24 परगना के लिए हिरनमायपुर एग्रो-हॉर्टिकल्चर सोसाइटी के सहयोग से, दक्षिण से ''पारिस्थितिक और पर्यावरणीय स्थिरता : वेव फॉर लाइवलीहुड सिक्योरिटी'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। प्रस्तुत पत्र ''बैंगन प्रबंधन का प्रबंधन''।
- 25.09.2019-26.09.2019. तकनीकी सत्र के अध्यक्ष के रूप में अधिनियम-आठवें, (दिन-1) अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के रूप में ''पारिस्थितिक और पर्यावरणीय स्थिरता : आजीविका सुरक्षा के लिए आगे का रास्ता'' का आयोजन किया।

डॉ. भोलानाथ मंडल

- 14.09.2019-15.09.2019. इस्लामी विश्वविद्यालय, कुश्तिया, बांग्लादेश द्वारा आयोजित सामाजिक अशांति, शांति और विकास पर आयोजित 7वें ICSDAP द्विवार्षिक सम्मेलन में भाग लिया और प्रस्तुत किया। इस्लामिक विश्वविद्यालय, बांग्लादेश और, ICSDAP द्वारा आयोजित बांग्लादेश। पेपर पर शीर्षक : किचन : गर्डकिंग-ग्रामीण लोगों के लिए पोषण संबंधी असुरक्षा को संतुलित करने के लिए एक प्रकार की पारिवारिक खेती।
- 19.12.2019-20.12.2019. सुरी, बीरभूम आर्गानाइजेशन ऑफ इंडिया ईंडस्ट्री और कृषि विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार के संयुक्त तत्वावधान में सुरी, बीरभूम में आयोजित कृषि उन्नी मेला-2019 में भाग लें और व्याख्यान दें। व्याख्यान का शीर्षक : एकीकृत रोग प्रबंधन।
- 01.02.2020-02.02.2020. राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''बीआर अंबेडकर के आधुनिक भारत के योगदान'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया और मराठी, विश्वभारती और एससी, एसटी, संयुक्त रूप से ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ, डॉ. के सहयोग से आयोजित किया। अंबेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, लिपिका, भारत-भारत में भारत सरकार। पत्र का शीर्षक : पश्चिम बंगाल, भारत

में सुंदरवन के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में असुरक्षित खंड के लिए वैकल्पिक आजीविका विकल्प।

- 25.09.2019-26.09.2019. तकनीकी पारिस्थितिकीय और पर्यावरणीय स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र-11, दिन-2, समानांतर सत्र-द्वितीय के सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य : प्लांट विभाग द्वारा आयोजित ''आजीविका सुरक्षा के लिए आगे का रास्ता''।
- 01.02.2020-02.02.2020। ये दक्षिण 24 परगना के झरकहाली में पैथोलॉजी मराठी विभाग के सह-अध्यक्ष के रूप में ''डॉ. बीआर अंबेडकर का आधुनिक भारत के लिए योगदान'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, लिपिका में भारती-भारती के लिपिका फ्रॉ। एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ के सहयोग से डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से।
- 25.03.2019-29.03.2019. कृषि अभियांत्रिकी विभाग, पल्लि शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्व-भारती द्वारा आयोजित और कृषि एवं पर्यावरण के क्षेत्र में भू-विज्ञान पर 5-दिवसीय (एक सप्ताह) कार्यशाला सम्पन्न, और सुरक्षित A ''ग्रेड''।
- 03.12.2019. में भाग लिया। समावेशी गन्ना विकास परियोजना के तहत गन्ना संबर्धन प्रथाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला और, कृषि विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा।
- 08.01.2020. के दौरान संगठित गन्ने के समेकित रोग प्रबंधन पर आमंत्रित वार्ता। और रामकृष्ण मिशन, कामारपुकुर, हुगली में कामारपुकुर हुगली में कामारपुकुर में आयोजित 9वें कृषि मेला-2020 में व्याख्यान देंगे। विषय : जैविक हस्तक्षेप के माध्यम से फसल प्रबंधन।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रम.सं.	शिक्षक का नाम	परियोजना	प्रायोजक एजेंसी	मंजूर राशि (लाख रू.)
1.	प्रो. रंजन नाथ	दो मौसमों के लिए विभिन्न फसलों के रोगों के खिलाफ मैनकोजेब और संयोजन एजेक्सिस्ट्रोबिन का मूल्यांकन	कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड सिकंदराबाद 500003	4.68
2.	प्रो. रंजन नाथ	धान पर दो कवक (WCPL 6060 और Kresoxim-Methyl 44.3% SC) की जैव-प्रभावकारिता पर अध्ययन	विलोवुड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड। नई दिल्ली-110025	5.175

क्रम.सं.	शिक्षक का नाम	परियोजना	प्रायोजक एजेंसी	मंजूर राशि (लाख रु.)
3.	प्रो. रंजन नाथ	खरीफ और रबी मौसम के दौरान विभिन्न फसलों पर कुछ फफूंदनाशकों की जैव प्रभावकारिता पर अध्ययन	विलोवुड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली-110025 बायर	8.32
4.	डॉ. भोलानाथ मंडल	फसलों के कीटों और रोगों के प्रबंधन के लिए कीटनाशकों के अध्ययन की जैव-क्षमता और फाइटोटॉक्सिसिटी (परीक्षण) 1 : विभिन्न जैव-क्षमता और फाइटोटॉक्सिसिटी पर अध्ययन।	बेयर साइंस लिमिटेड फसल	9.6
5.	डॉ. भोलानाथ मंडल	आलू की देर से तुड़ाई के खिलाफ 30+ फ्लूऔपोलाइड ट्रायल 2 : बायोइलेक्ट्रिसिटी पर अध्ययन 200 kg फाइटोटॉक्सॉसिटी ऑफ पन Iprovalicarb 8.4%+ कॉपर ऑक्सिहाइड के खिलाफ आलू की देट से तुड़ाई) जैवविविधता और फाइटोटाक्सिसिटी फसल के रोगों और रोगों के प्रबंधन के लिए विभिन्न फसलों पर कीटनाशकों के 40.6% डब्ल्यूजी अध्ययन।	इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई	49.40

विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ

- विभाग के शिक्षक और छात्र समय-समय पर संस्थान द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रुप से लगे रहते है और साथ ही साथ विभाग लाभ के लिए सभी कार्य दिवसों में कार्यालय समय के दौरान एक प्लांट हेल्थ क्लिनिक चलाता है, किसानों की कीट प्रबंधन के संबंध में टेलीफोन सलाहकार सेवाएँ भी किसानों तक पहुँचाई जाती है।
- स्थायी कीट प्रबंधन की दिशा में निदान और सलाहकार सेवाएँ कृषि निदेशालय, सरकार को विस्तारित की जातीं हैं। पश्चिम बंगाल के और अलग-अलग एनजीओ के। इसके अलावा, संकाय सदस्यों ने रथीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया,

जिसमें आसपास के गाँवों में उत्पादकों को ऑन-फार्म प्रशिक्षण भी दिया गया और ऑल इंडिया रेडियो और टेलीविजन विस्तार कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

- परिसर की सफाई एनएसएस इकाई, पीएसबी के सहयोग से की गई।
- परिसर की सफाई और विभाग 10 मार्च, 2020 को गाँधी पुण्यभूमि के अवलोकन के दौरान किया गया था।

प्रो. रंजन नाथ

- दूरदर्शन, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित कृषि दर्शन कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति
- आकाशवाणी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में फोन में संसाधन व्यक्ति ''शांतिनिकेतन''।

डॉ. मोहन कुमार विश्वास

- अद्यम विकास पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रुप में ''महारुम की खेती के लिए स्वचालित प्रणाली।'' और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी) के तहत 02.01.20 से 08.01.20 तक स्पॉन उत्पादन'', सेंटर ऑफ ट्रॉपिकल मशरुम रिसर्च एंड ट्रेनिंग, प्लांट पैथोलॉजी विभाग, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, ओयूएटी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित।
- एक संसाधन के रुप में। ''एटा, सूरी – आई ब्लॉक के तहत एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण बैठक कार्यक्रम में शामिल व्यक्ति, एडीए, सूरी – आई ब्लॉक के कार्यालय द्वारा आयोजित, और व्याख्यान, और ''आजीविका उत्पादन के लिए मशरुम की खेती''। पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया, 14.30.2020 पर 11.30 बजे।
- ATMA, Ausgram-1, Guskara, Purva Burdwan, ADA के कार्यालय, द्वारा आयोजित ब्लॉक में एक दिवसीय महिला प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रुप में कार्य करें और ''मशरुम की खेती पर व्याख्यान और प्रशिक्षण प्रदान किया। गाँव की महिलाओं और आय सृजन के लिए।'' 03.03.2020 को 11.00 बजे ए. एम.
- दूरदर्शन शांतिनिकेतन टेलीकास्ट कार्यक्रम ''KRISHI में विशेषज्ञ के रुप में कार्य किया और ''BARTA पर बटन मशरुम की खेती'' विषय पर चर्चा की। 08.05.2019.
- 'ALL INDIA RADIO' प्रसारण कार्यक्रम ''KISHANVANI'' में एक संसाधन व्यक्ति के रुप में कार्य किया और वितरित किया। ''फसलों और उनके प्रबंधन की सूक्ष्म पोषक तत्वों की समस्याओं'' पर व्याख्यान। जिसे सुबह 8.30 बजे 26.06.2019 को प्रसारित किया गया था।
- अखिल भारतीय रेडियो प्रसारण कार्यक्रम ''किसान वाणी'' में एक संसाधन व्यक्ति के रुप में काम किया और चावल और उसके प्रबंधन के रोग'' 03.09.2019.
- अखिल भारतीय रेडियो प्रसारण कार्यक्रम ''केश वाणी'' (लाइव हॉन-इन) में एक संसाधन व्यक्ति के

रूप में कार्य किया और ''सब्जी की खेती में कीटों और रोगों पर नियंत्रण'' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. भोलानाथ मंडल

- 12 सितंबर, 2019 को ''एंटी-नकली और सुरक्षित और कीटनाशक के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग'' पर एक दिवसीय नागरूकता कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया और वितरित किया। फसल विभाग भारत, कृषि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, सरकार पश्चिम बंगाल और SAMETI-WB में, नरेंद्रपुर RKUK, PSB, विश्वभारती में। विषय : कीटनाशकों का सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग।
- 12 सितंबर, 2019 को DAESI पाठ्यक्रम कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया और वितरित किया गया। आरकेवीके, पीएसबी, बीरभूम जिले के लिए विश्वभारती द्वारा आयोजित। विषय : कीटनाशक का सुरक्षित उपयोग।
- 6 दिसंबर से 10 दिसंबर, 2019 तक ATMA के कार्यक्रम के तहत बालूरघाट ब्लॉक, दक्षिण दिनाजपुर से 40 नम्बर प्रगतिशील किसानों के लिए व्यवस्था और प्रशिक्षण दिया गया। विषय : आधुनिक कृषि पर अग्रिम प्रौद्योगिकी।
- 8 जनवरी, 2020 को कामारपुकुर में रामकृष्ण मिशन, कामारपुकुर, हुगली द्वारा आयोजित कृषि मेला-2020। विषय : जैविक हस्तक्षेप के माध्यम से फसल प्रबंधन।
- विश्वभारती [ऑल इंडिया रेडियो (किशान बाणी) और दूरदर्शन (कृषि दर्शन)] के विभिन्न लाइव-फोन और रिकॉर्डिंग कार्यक्रमों में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और कृषि और सबंद्ध पहलुओं के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया। कुछ महत्वपूर्ण विषय हैं : (Y) पोषण उद्यान (आकाशवाणी, शांतिनिकेतन, 21.05.2019 को प्रसारित), (बी) धान में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (डीडीके-शांतिनिकेतन, 17.05.2019 को प्रसारित), (सी) प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना एंड किशान क्रेडिट कार्ड (एआईआर-शांतिनिकेतन, 10.08.2019 को प्रसारित। सरसों कल्टीवेशन (एआईआर-शांतिनिकेतन, 22.10.2019 को प्रसारित) (सी) आईपीएम ऑन मस्टर्ड कल्टिवेशन (डीडीके-शांतिनिकेतन, 11.12.2019 को प्रसारित) (एफ) शिक्षा-ओ समाज : अंबेडकर ओबस्ट डीके-शांतिनिकेतन, 17.03 को प्रसारित।

शिक्षकों / विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद

प्रो. रंजन नाथ

- प्रो. एस.बी. इंडियन माइकोलॉजिकल सोसायटी द्वारा 6-8 फरवरी 2020 के दौरान ''प्रकृति, सूक्ष्मजीवन और समाज'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में चट्टोपाध्याय मेमोरियल अवार्ड।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी (आईएसएमपीपी) में जर्नल ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी प्रकाशित किया। कार्यालय : एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान।

- कूचबिहार (COBACAS), ने कृषि और प्रौद्योगिकी जर्नल प्रकाशित किया। कार्यालय : यूनीकेवी, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल।
- प्लांट पैथोलॉजी, IARI, नई-दिल्ली के भारतीय फाइटोपैथोलॉजिकल सेंसिटी डिवीजन के स्थायी जीवन सदस्य। भारत फाइटोपैथोलॉजी प्रकाशित करते हैं।
- पीएचडी के लिए बाहरीपरीक्षक के रूप में नियुक्त। बीसीकेवी, मोहनपुर नदिया, पश्चिम बंगाल एसोसिएशन फॉर द कॉल्टिवेशन ऑफ एग्रीकल्चरल साइसेज ऑफ इंडियन के थीसिस मूल्यांकन।

डॉ. मोहन कुमार विश्वास

- 30.06.2020 को ओडिशा, भारत के SOUTH ASEAN RESEARH केंद्र, भुवनेश्वर 751030, ओडिशा से SARC उत्कृष्ट पेपर अवार्ड (जून-2019) प्राप्त किया।
- भारतीय Phytopathological society (FPSI-2018) भारतीय Phytopathological society (विश्व दूसरा सबसे बड़ा पादप रोग विज्ञान), IARI, 20.01.2020 से नई दिल्ली-110011 से प्राप्त हुआ।
- भारतीय पत्रिका फाउटोपैथोलॉजी, IARI, नई दिल्ली, भारत के समीक्षक के रूप में कार्य करें। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनामिक प्लांट्स, ISSN:2349-4727, पुस्पा पब्लिशिंग हाउस के संपादकीय सदस्य के रूप में कार्य।
- माइक्रोबायोज जर्नल्स, जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोमेडिकल रिसर्च, आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2395-5678, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित के एक संपादकीय सदस्य के रूप में कार्य करें।
- ओडिशा, भुवनेश्वर, ओडिशा के 16.06.2019 को फंडामेंटल ऑफ प्लांट पैथोलॉजी (पीपीटी-121) के विषय के लिए एक बाहरी परीक्षक और प्रश्नकर्ता नियुक्त किया गया। भारतीय फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, प्लांट पैथोलोजी डिवीजन, आईएआरआई, नई दिल्ली के स्थायी जीवन सदस्य, भारत ने इंडियन फाइटोपैथोलॉजी जर्नल प्रकाशित किया है।
- इंडियन सोसायटी ऑफ मायकोलॉजी एंड प्लॉट पैथोलॉजी विभाग, एमपीयूएटी उदयपुर, राजस्थान, भारत के स्थायी जीवन सदस्य, जर्नल ऑफ मायकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी प्रकाशित करते हैं।
- प्लांट प्रोटेक्शन एंड एनवर्नमेंट, OAUT, भुवनेश्वर, भारत के सोसायटी के स्थायी जीवन सदस्य। प्लांट प्रोटेक्शन एंड एनवर्नमेंट का जर्नल प्रकाशित करें।
- प्लांट प्रोटेक्शन में एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट के जीवन सदस्य, प्लांट प्रोटेक्शन साइंस की पत्रिका प्रकाशित करें।
- एसोसिएशन ऑफ मशरूम सोसाइटी ऑफ इंडिया, सोसल के सदस्य, मशरूम अनुसंधान पत्रिका प्रकाशित करते हैं।

डॉ. भोलानाथ मंडल

- महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर 27 मई, 2019 को नई दिल्ली के आईआईएफएस, नई दिल्ली से महात्मा गाँधी लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त किया।
- स्कॉलर्स एकेडमिक एंड साइंटिफिक सोसाइटी, असम से 2019 के दौरान फेलो सम्मान प्राप्त किया।
- 'क्रॉप एंड वीड साईंस सोसाइटी' के जीवन सदस्य ने जर्नल क्रॉप एंड वीड प्रकाशित किया। कार्यालय : एग्रोनॉमी विभाग, एफ/एजी। बीसीकेवी, भारत। ईस्टर्न इंडिया हॉर्टिकल्चर एंड वायोटेक्नोलॉजी सेंटर के जीवन सदस्य ने 'जर्नल ग्तीन टेक्नोलॉजी' प्रकाशित की। कार्यालय : बहा, दक्षिण 24 परगणा। रूरल एग्रो-हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट के संस्थापक और जीवन सदस्य दोनों। कार्यालय : खलनायक Vill+PO-हीरामनपुर बसंती। दक्षिण 24 परगना। थ्रॉटलिंग वर्ल्ड की सहायता के लिए संगठन के संस्थापक और आजीवन सदस्य दोनों। कार्यालय : राजबरीपारा, जलपाईगुरी।
- 'सोसायटी फॉर प्लांट प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट' के जीवन सदस्य और जर्नल ऑफ प्लॉट प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट प्रकाशित किए। कार्यालय उद्यमिता विभाग। कृषि का कोलाज, OUAT, भुवनेश्वर-751003, उड़ीसा।
- इंडियन सोसायटी ऑफ सोसल बायोलजी एंड इकोलॉजी के जीवन सदस्य ने 'जर्नल ऑफ सॉयल बायोलॉजी एंड इकोलाजी' प्रकाशित किया। कार्यालय : कृषि माइक्रोबायोलॉजी और एनटोमोलोजी विभाग, कृषिविज्ञान विश्वविद्यालय, जीकेवीके कैम्पस, बंगलौर-560065.
- एसोसिएशन ऑफ एग्रोमेथेटोलाजिस्ट, जर्नल ऑफ एग्रोमेटोलॉजी, कार्यालय : एएयू, आनंद, गुजरात प्रकाशित किया।
- इंडियन मायकोलॉजिकल सोसायटी (आईएमएस), जर्नल ऑफ मायकोपैथोलॉजिकल रिसर्च प्रकाशित किया। कार्यालय : कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलजी (आईएसएमपीपी) ने जर्नल ऑफ माइकोलजी एंड प्लांट पैथोलॉजी प्रकाशित किया। कार्यालय : एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान। प्लांट प्रोटेक्शन (AAPP) में उन्नति के लिए एसोसिएशन, जर्नल ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन साइंसेड प्रकाशित। कार्यालय : प्लांट हेल्थ क्लिनिक, अनुसंधान विदेशालय बीसीकेवी, नदिया, पश्चिम बंगाल। कृषि विज्ञान की खेती के लिए।
- कुचबिहार (COBACAS), कृषि और प्रोद्योगिकी जर्नल प्रकाशित किया। कार्यालय : यूनीठवी कूचबिहार, पश्चिम बंगाल। जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान सोसायटी, प्रकाशित जैव विज्ञान, पर्यावरण और कृषि विज्ञान कार्यालय एसोसिएशन अबनपल्ली, शांतिनिकेतन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल के वें अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। स्कॉलर्स एकेडमिक एंड साइंटिफिक सोसाइटी, असम के फैलो

सदस्य।

- एंड्रयूजपल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट, एंड्रयूजपल्ली, शांतिनिकेतन (उप-केंद्र : जोगेसगंज, उत्तर 24 परगणा सुंदरवन क्षेत्र के अंतर्गत)।

प्रकाशन शोध पत्र

- अलगाव और बीज गणित मायकोफ्लोरा की पहचान फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग के साथ धतूरा स्ट्रैमोनियम द्वारा चावल और पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन के साथ जुड़ा हुआ है : जीसी-एमएस विश्लेषण'। तन्मय घोष : एम.के. विश्वास और कौस्तव ऐका (2019)। जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़ एंड इनोवेटिव रिसर्च 6(S), 701-711ging यूजीसी स्वीकृत सूचीबद्ध जर्नल (UGCS. No. 63975), ISSN : 2349-5162.
- 'स्केलेरोटियम रॉल्फिस के विकास पर परिवर्तनशीलता और वाष्पशील विशेषताओं का प्रभाव SACC) पश्चिम बंगाल, भारत के तरीय क्षेत्र में सूरजमुखी की कॉलर रोट की बीमारी। माजी अतीत, नाथ रंजन, सिंह दीपक, गैरेन प्रबीर कुमार (2019) लंग्यूमरिसर्च-एन इंटरनेशनल जर्नल 42(5) पृष्ठ 705-709.
- 'इन विट्रो में एपिगोटिल सेगमेंट का उपयोग करके एक बेहतर और कुशल ऑर्गेनिक पुनर्जनन प्रोटोकॉल कागज़िलिम (साइट्रस औरेंटिफोलिया) अंकुर उगाया गया।' सुप्रतिक पालचौधरी : बिक्रम साहा; शिबू दास; मोहन के विश्वास और काजल के, विश्वास (2019) जर्नल ऑफ प्लांट डेवलपमेंट साइसेज 11(7) : 389-395. NAAS-4-57, ISSN-2348-9170 (E)/0974-6382 (P).
- प्रबंधन फफूदनाशकों के माध्यम से आलू के लेट ब्लाइट का। सईदुल इस्लाम, रहमतुल्ला मिदिया और भोलानाथ मंडल (2019)। प्लांट फिजियोलॉजी और पैथोलॉजी 7(1) के जर्नल। (ISSN : 2329-955X, DOI:10.4172/2329-955X. 1000195, IF:0.92).
- एक इन-विट्रो परख : स्केलेरोटियम रॉल्फसीआई सैक द्वारा सूरजमुखी के कारण कॉलर के सड़न रोग के लिए विभिन्न प्रबंधन विकल्प का उपयोग करना। पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्र के अंतर्गत-भारत। ए माजी, आर नाथ, ए तालेब (2020) डंट। जे. कूर. माइक्रोवायल. अनुप्रयोग. विज्ञान 9(1) पृष्ठ-1786-1795.
- 'चावल (Oryza sativa) बीज गणित माइकोफ्लोरा के कारण बीड संक्रामकता के स्तर का निर्धारण : एक इन-विट्रो स्टॉडी। तन्मय घोष : एम.के. विश्वास और कौस्तव एकत (2020)। ISSN छ 0972-2025 प्लांट सेल बायोटेक्नोलॉजी और आणविक जीवविज्ञान 20(23 और 24) : 1408-1419.
- आइसोलेशन और ट्राइकाडर्मा एसपीपी की पहचान। चिकी मोर प्रदेश ITS-PCR के माध्यम से। बढ़ते हुए क्षेत्र आंध्र नागमणि पी। भगत सोमेश्वर, विश्वनाथ के. विश्वास एमके (2020)। पौधे संरक्षण विज्ञान के आधार, 28(1), 29-32, NAAS-4-82. प्रिंट ISSN : 0971-3573, ऑनलाइन ISSN : 0974-0163.

- 'सरसों (ब्रैसिका एसपी) के बीज जनित माइकोफ्लोरा का एक इको-प्रेंडली प्रबंधन वनस्पति विज्ञान के माध्यम से और एसईएम द्वारा एंटिफंगल गतिविधि का निर्धारण। तन्मय घोष : एमके विश्वास और कौस्तव एकत (2020)। जर्नल ऑफ क्रिटिकल रिव्यूज, 7(1) 1) 546-561. E-ISSN : 2394-5125.
- 'सफ़ेद व्हाइटजिलक (बेमिसिया तवैसी गेनाडियस) पर बुवाई और मौसम के मापदंडों की अलग-अलग तारीखों का प्रभाव और ओंकरा (एबेलमोससस एस्कुलेंटस एल, मोएंच) में पीले शिप मोजैक रोग की घटना। रोजनेलिना मोहंता, रंजन नाथ, नीतीश कुमार जेना और अविनाश मिश्रा (2020) जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी। अध्ययन, 8(2) पृष्ठ 1774-1784.
- फील्ड और प्रयोगशाला स्थितियों के तहत फंगिसाइट्स के माध्यम से आलू के प्रारंभिक ब्लाइट का प्रबंधन। उत्तम बाउरी, सौमेन पाल और भोलानाथ मंडल (2020)। यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोसाइंस, 8(2):31-34. (e-ISSN-91222).
- ''स्केलेरोटियम रॉफेल्सी सैक पर एडफोलॉजिकल फारकों का प्रभाव। पश्चिम बंगाल के तटीय खारा क्षेत्र के तहत सुपारी (पिप्र सुपारी एल) के कॉलर टोट।'' प्रबीर कुमार गाइन, भोलानाथ मंडल और सुब्रत दत्त (2020)। प्लांट आर्काइब्स, 20(1) 1) : 1943-1946 (ISSN : 0972-5210), e-ISSN : 258-60-6063.
- ''पश्चिम बंगाल, भारत के तटीय खारा क्षेत्र के अंतर्गग सुपारी / पाइपर सुपारी एल. की मिथा पाटा किस्म में प्रमुख रोगों का सर्वेक्षण। प्रबीर कुमार आतित माजी और सुब्रत दत्ता (2020)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड http://doi.org/10.20546/ijcmas-2020.903.285. चावल के अंकुरण और अंकुरण वृद्धि पर यचनित पेड़ों के जलीय पत्तों के अर्कलोपथिक प्रभाव'। सानंद मंडल, बी, दुर्म, भोलानाथ मंडल और देवाशीष पॉड़ा (2020)। पर्यावरण जीवविज्ञान जर्नल, 41:255-260. (ISSN:0254-8704, e-ISSN:2394-0379, DOI: http://doi.org/10.22438/jeb/41/2/MRN-1218, arain, भोलानंद मंडल, विज्ञान। 9(3) : 2490-2498. एनएसएसएसआई) 2319-7706.
- पश्चिम बंगाल में रेड और लेटरिटिक एग्रो-क्लाइमैटिक जोन में बैंगन के रैल्स्टोनिया सोलनैकेरियम के कारण बैक्टीरियल विल्ट की रोग जनक विविधता। के सी हम्बम, आर. नाथ, बी. मंडल और एस. दत्ता (2019) कृषि, पर्यावरण और जैव प्रोद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 12(2) : 151-1561 (ISSN: 0974-1712, e-ISSN : 2230-732X. DOI : 10.30954/0974-1712.06.2019.11. NAAS : 4-69).

पुस्तकें और पुस्तक अध्याय

प्रो. रंजन नाथ

- पारिस्थितिक और पर्यावरणीय स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही : आजीविका सुरक्षा के लिए आगे का रास्ता। प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पीएसबी, विश्वभारती द्वारा झारकली, बसंती, दक्षिण 24 परगणा में सितंबर से 25-26, 2019 तक एक माजी, आर नाथ, ए तालेब (2020) का आयोजन किया

गया।

डॉ. मोहन कुमार विश्वास

- कुछ रोगजनक बैक्टीरिया स्टैफिलोकोकस ऑरियस, नेसिलस सेरेस, एस्चेरिचिया कोलाई, स्यूडोमोनास एरुगिनोसा, साल्मोनेला टाइफी और प्रोटीन और प्रोटीन और प्रोटीन के लिए एंटी-बैक्टीरियल ऑफ एबिशर मशरूम (प्लीटस एसपी) का मूल्यांकन। और प्रदीप रॉय (2019)। पृष्ठ 53-61. एसए आरसी की कार्यवाही, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दक्षिण एशियार्ड अनुसंधान केंद्र (एसएआरसी) द्वारा कोलकाता, भारत में 30 जून, 2019 को आयोजित, आईएसबीएन : 978-93-89090-56-7.

डॉ. भोलानाथ मंडल

- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर। भोलानाथ मंडल, पलाश मंडल और इंद्रबत भट्टाचार्य एड. (2009). नई दिल्ली पब्लिशर्स, पहला संस्करण, 484 पृष्ठ। (आईएसबीएन : 978-93-88879-26-2).
- पारिस्थितिक और पर्यावरणीय स्थिरता : आजीविका सुरक्षा के लिए रास्ता आगे। एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के सार की पुस्तक, भोलानाथ मंडल, मोहन कुमार विश्वास रंजन नाथ और निरंजन जेना एड। (2019)। 25-26 सितंबर, 2019 को झारखंडी में आयोजित, हीरामनपुर एग्रो-हॉर्टिकल्चर सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रुरल डेवलपमेंट के सहयोग से प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती द्वारा आयोजित किया गया।
- भारत के पश्चिम बंगाल के सुंदरवन क्षेत्र में इकोसेफ प्लांट प्रोटेक्शन बायोडायवर्सिटी में स्वदेशी ज्ञान। पृष्ठ 387-403 भोलानाथ मंडल और पलाश मंडल (2019)। इन: भारतीय सुंदरवन में आजीविका संसाधन, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। भोलानाथ मंडल। पलाश मंडल और इंद्रब्रत भट्टाचार्य एड। नई दिल्ली प्रकाशक। नई दिल्ली। ISH संस्करण, 484 पृष्ठ। (आईएसबीएन: 978-93-88879-26-2).
- भारत के पश्चिम बंगाल के सुंदरवन में भागीदारी के माध्यम से मैंनग्रोव प्रजातियों और वनीकरण का प्रसार। चंदन कुमार मंडल और भोलानाथ मंडल (2019)। पृष्ठ 404-410. में : भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। भोलानाथ मंडल, पलाश मंडल और इंद्रब्रत भट्टाचार्य एड। नई दिल्ली पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ''संस्करण। 484 पृष्ठ। (आईएसबीएन : 978-93-88879-26-2).
- आयला हिट क्षेत्रों में गरीबी और सतत विकास : पश्चिम बंगाल में सुंदरबन में एक केस स्टडी। सुकुमार पाल, भोलानाथ। मंडल, दत्तनारायण बेज और सुदीप्त विश्वास (2019)। पृष्ठ 183-197। इन : भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। भोलानाथ मंडल, पलाश मंडल और इंद्रबत भट्टाचार्य एड। दिल्ली पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

''संस्करण, 484 पृष्ठ। (आईएसबीएन : 978-93-88879-26-2).

- पश्चिम बंगाल में सुंदरवन के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक आजीविका और इसके प्रभाव को बढ़ावा देना। हसनूर मंडल, भोलानाथ मंडल, सुभदीप त्रिपाठी और मुसाफेका खातून (201) पृष्ठ 222-232. इन : भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। भोलानाथ मंडल, पलाश मंडल और इंद्रब्रत भट्टाचार्य एड। नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली। संस्करण, 484 पृष्ठ। (आईएसबीएन : 978-9388879-262).
- पश्चिम बंगाल के मैंग्रोव सुंदरवन क्षेत्र के पारंपरिक उपयोग। भोलानाथ मंडल और चंदन कुमार मंडल (2019)। पृष्ठ 404-410. में ; भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। भोलानाथ मंडल, पलाश मंडल और इंद्रब्रत भट्टाचार्य एड। नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली। संस्करण, 484 पृष्ठ। (आईएसबीएन : 978-93-88879-26-2).
- आजीविका के अवसरों में मैंग्रोव वन और स्थानीय अनुष्ठानों के माध्यम से इसके संरक्षण। चंदन कुमार मंडल और भोलानाथ मंडल (2019). पृष्ठ 411-4191 : भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। भोलानाथ मंडल, पलाश मंडल और इंद्रब्रत भट्टाचार्य एड। नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, संस्करण, 484 पृष्ठ। (आईएसबीएन : 978-93-88879-26-2).
- संयंत्र संरक्षण के पूर्ववर्ति विभाग के विभाजन के बाद नव गठित विभाग पैथोलॉजी आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा अपने स्नातकोत्तर शिक्षण के लिए मान्यता प्राप्त है। विभाग ने पौध संरक्षण विभाग के तत्कालीन विभाजन के ठीक बाद एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया है।

मृत्तिका विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग

विभाग की गतिविधियाँ शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार कार्य हैं। विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। पल्ली शिक्षा भवन के सभी विभागों के साथ-साथ हमारा विभाग यूजी कार्यक्रम में दी जाने वाली मृदा विज्ञान और जैव रसायन पाठ्यक्रमों में भी योगदान देता है। वर्तमान में विभाग एक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की पशकश कर रहा है। जिनका नाम M.Sc. (Ag.) मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान में। भविष्य में हम दोनों पी.जी. में परिष्कृत इंस्ट्रूमेंटेशन के साथ विभाग। की अनुसंधान क्षमता को उत्कृष्ट बनाना चाहेंगे। और पीएच.डी. स्तरों। शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के अलावा, शिक्षक और छात्र इलाके में किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए विस्तार गतिविधिओं में शामील हैं। किसानों द्वारा फसल और जल संरक्षण में सुधार के लिए फसल की खेती मिट्टी और प्रजनन द्वारा की गई जाँच के निष्कर्षों से की गई सिफारिशों। यूजी छात्रों के लिए व्यापक Rawe की पेशकश की जाती है।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला :

प्रो. जी.के. घोष

- 24.09.2019, 11 प्रो. एस. के. मुखर्जी मेमोरियल लेक्चर।
- 15.11.2019-18.11.2019, इंडियन सोसायटी ऑफ सॉयल साईंस, 84 वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी।

डॉ. पी.के. विश्वास

- 19.2.2019-25.2.219, जैव उर्वरक उत्पादन पर कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

डॉ. एम.सी. कुंडू

- 16.11.2019-18.10.2019, बीरभूम में और इसके आसपास ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए रोड मैप पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- 23.02.2020-03.03.2020, एसपीएसएस और आर पर विशेष जोर देने के साथ संख्यिकीय उपकरण तकनीक और पैकेज का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर 10 दिनों की राष्ट्रीय कार्यशाला।

डॉ. सुचंदा मंडल

- 15.11.1019-18.11.2019, भारतीय समाज मृदा विज्ञान, 84वाँ वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी।

डॉ. वाई. वासुदेव राव

- 01.11.2019-30.11.2019, शिक्षण उत्कृष्टता पर एमओओसी पाठ्यक्रम। आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि

अनुसंधान प्रबंधन अकादमी।

- 05.03.2020-07.03.2020, फ्लो साइटोमेट्री की मूल बातें और बायोमेडिकल साइंसेज में इसके अनुप्रयोग। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

चालू अनुसंधान परियोजनाएँ

शिक्षक के नाम : प्रो. गौतम घोष। प्रोजेक्ट का नाम- 2016 से मृदा स्वास्थ्य कार्ड (SHC) योजना। प्रायोजन एजेंसियों की राशि- केंद्रीय रूप से स्पॉन्सर। स्वीकृत राशि-45.85 लाख।

प्रायोजित गतिविधियाँ / एनएसएस सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ

- गांधी पुन्याह : विभाग की सफाई और प्रयोगशालाओं विभाग के छात्रों द्वारा किया गया था।

शिक्षकों / विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद

प्रो. ए.के. चटर्जी :

- विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद् के सदस्य
- कृषि संस्थान के डीन
- मिट्टी विज्ञान और एजी के विभाग के सदस्य के बाहरी सदस्य। रसायन विज्ञान, बीसीवी.
- विभिन्न समाजों के जीवन सदस्य।

प्रो. जी.के. घोष

- डीएसटी-पीयूआरएसई परियोजना के कार्यान्वयन समूह के संयुक्त समन्वयक।
- कृषि संस्थान के उप-प्रमुख।
- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य।

डॉ. पी.के. विश्वास

- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य।

डॉ. एस. मंडल

- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य।

डॉ वाई.वी.राव

- DST-PURSE परियोजना के परियोजना कार्यान्वयन समूह के सदस्य।
- आईसीएआर विकास अनुदान की खरीद समिति के सदस्य।
- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य।

डॉ. एम.सी. कुंडू

- विभिन्न सोसायटियों के आजीवन सदस्य।

प्रकाशन :

शोध पत्र :

- 'असेसमेन्ट एण्ड मैपिंग ऑफ सएल न्युट्रिएंट स्टेटस आफ साकोली टैसिल आफ बंदर डिस्ट्रिक्ट आफ महाराष्ट्र यूजि जी आइ एस तकनीकी' काशीखर एस.आर.कुण्डु, एम.सी. एण्ड डोंगखरार, यु. आर (2019), जे फारमाकन. फिटोकैम 2019– 8(5), 1900-1905.
- 'कम्बाइन्ड एफेक्ट आफ एनरिचड कम्पस्ट एण्ड मैक्रोबाइआल इनोक्यूलेटस आन सएल न्यूट्रिएन्टस एण्ड फसफरस आपटेक बाइ राइस' ब्यूरो के प्रधान, एस.के.घोष, जी.के. एण्ड कोहली, ए (2019) इंट. जे. क्यूर. मैक्रोबैथाल, आप्प साई, 8(2) 176-181.
- 'डैलिनेशन एण्ड जीपीएस जीआइएस बेसड मैपिं आफ एमेलेवल मैक्रो एण्ड मैकान्यूट्रिएण्टस आफ सएलस ऑफ लखानि ब्लाक आफ भण्डार, महाराष्ट्र' काशीवार, एस.आर, कुण्डु एम. सी, एण्ड डोंगरार, यू.आर, (2019) इन्ट. जे. कैंम, स्टुड 2019 बी, 7(5) 2312-2318.
- 'इफेक्ट आफ वालानसड न्यूट्रिएन्ट मैनेजमेंट आन नाइजर (गुइजोटिआ आवैसीनीका) इन रेड एण्ड लेटरिटिक सएलस आफ वेस्ट बेंगल' चैटर्जी. एन. साहू, जी एण्ड घोष, जी. के (2019) इन्ट. जे क्यूर मैक्रोवैयाल, आप्प साई. 8(5): 1039-1049.
- 'इफेक्ट आफ वाइयोफर्टिलाइजर एण्ड मैक्रोन्यूट्रिएन्टस आन याइलड आफ चिकपिआ' कुमारी. एन. मण्डल, एस. महापात्र, पी. मितेई, टि.टि एवं देवी, वाई.बी. (2019) एण्ड जे. क्यूर, मैक्रबाइओल आप्प साइ 8(1) 2389-2397.
- 'फारमुलेशन आफ-बेसड इनसेक्टिसाइटस देयर बाइओ इफिकासी इभाल्युएसन एण्ड कैरेक्टाराइजेशन' परकेइट, ए. विश्वास, एस. साहा, एस. हाजरा, डी. के. राय, के विश्वास, पी.के एण्ड कोले, आर.के (2019) क्रप प्रटोक्सन, 125, 104907.
- 'इन्टिग्रेटेड न्यूट्रिएन्ट मैनेजमेंट अफ राइस सएल इन दिल्ली रिजियन मेघालय, इंडिया' वारत्री, आर.सी. मजूमदार, एस घोष, जी. के. एण्ड साहा. डी (2019), करेंट जर्नल आफ आप्लैड साइन्स एण्ड तकनोलोजी, 1-10.
- 'लांगटरम इफेक्ट आफ राइस-वेसड क्रपिं सिस्टमस अन पुलस आफ सएल अर्गानिक कार्बन इन

फारमरस फिल्ड इन दिल्ली एग्रोइकोसिस्टम आफ मनिपुर, इंडिया' मिनेई, टी.टी कुण्डू एम.सी, एवं डेवी, वाइ. बी (2020) एन भाईरनमेंटल मनिटारिंग आसेसमेंट 192(4), 1-17.

- 'फोटोडिग्रेडेशन आफ नैप्रोमाइड इन एक्यौस मैंथल अण्डर यूसी लाइट एण्ड सनलाइट' विश्वास पी.के. प्रामानिक, एस.के भट्टाचार्य, जे. भट्टाचार्य ए.एण्ड मित्र, एस. आर (2019) पेस्टिसाइड रिसर्च जर्नल, 31(2) 197-201.
- 'प्रोडोक्टिभीटी, सस्टेनेविलिटी एण्ड इकोनोमिक्स ऑफ राइस-राइस कुपिं सिस्टम एज इनफलूएनसड वाइ जेड एन एटिलकेशन' जेना. बी. नायक आर.के. विश्वास द दास जे. एण्ड शुक्ला ए.के. इण्टरनैशनल जर्नल आफ एग्रीकरचरल साइंस 2019, 11 (10) 8437-8440.
- 'रिमुभल ऑफ पेस्टिसाइड रेसिडयूज बाइ मेसोफोटक आलमिनाफ्राम वाटर' मुखर्जी, ए., साहा एस, घोष, परकैट विश्वास, पी.के, एण्ड कोले, आर.के (2019) आइ जे सी एस, 7 1719-1725.
- 'सएल फर्टिलिटी आप्राइजल ऑफ भण्डारा ब्लौक आफ महाराष्ट्र यूजिं जिओस्पाटिएल टेकनीकयूज', काशीश्वर एस.आर, कुण्डु एस.सी. एण्ड डोंगखार, यू.आर (202) आइ जे सी एम, 8(2), 2570-2576.
- 'सएल आर्गानिक फारबन रेसपनसेस अण्डर डिफरेंट फरेस्ट कमर ऑफ मनिपुर' ए.रीम्यू. मिटेइ. टी टी कुण्डू, एस. सी डेवी, वाइ. बी, कुमारी, एन एण्ड राजेशकुमार एस (2019) इंट. जे कयूर माक्रोबाइयाल आफ. साइ. 8(2) 26 34-2641.
- 'स्टडिज द इफेक्ट आफ इमिडाक्लोप्रिड आन एनजाइमेटिएक्टिभिटिज इन क्ले लोम सएल परकैट', ए. हाज्रा डी.के, विश्वास, पी.के, एण्ड चौधरी, इंटरनैशनल जर्नल आफ ट्रेण्ड इन साइण्टिफिक रिसर्च एण्ड डेभेलपमेंट 2019, 3 (2) 517-524.
- 'एस्टेनवेल फार्मर-फ्रेण्डली टैक्नोलीजीज फर मैनेजमेंट आफ नैचरल रिसीफिज इन इस्टर्न इंडिया सरकार', ए.के. कुण्डु, डी.के एण्ड घोष, जी.के. (2019) इंडियन जर्नल ऑफ फर्टिलाइजरस, 15(12) 1406-1428.
- 'एप्लिकेशन ऑफ इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री फार डिटेकसन आफ पैथोजेन प्रेजिन्स इन फिसेस' वाइ. भी. राव इंटरनेशनल आरकाइभ ऑफ एप्लैड साइनसेज एण्ड टैकनोलोजी-2019 10(1) 115-118.
- 'डीस्ट्रीब्यूसन आफ डिफरेंट फरमस ऑफ एसीडीटी इन सम लाटस्टिटिक सएलस ऑफ पुरलिया

डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बेंगल', एम.सी. कुण्डु, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पुरुलिया डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बेंगल एस.सी.कुण्डु, इटरनैशल जर्नल ऑफ कैमिकल स्टडीज 2020, 8(2) 2690-2693.

- 'विल द एग्रीकलचरल रिसर्च सफिक टु ओटोकम दे चैंजि क्लाइमेट?' वाइ. भी राव, ग्लोबल जर्नल ऑफ बाइओ माइनस एंड बाइओटेक्नोलाजी2019 8(1) 113-116.
- 'एभेलेवल जिंक स्टैटस इन सरल रिलेसन टु रुरल ग्रोपोर्टिज इन सम रेड लाटरिटिक सएल ऑफ बीरभूम डिस्ट्रिक्ट', वेस्टबेंगल, इंडिया निसाव, सी.एम.एण्ड साहू, जी.जी.एम (2019) इंट जे. क्यूर माक्रोवैयल आप्प साइ 8(5)1764-1770.
- 'डिफरेंट फ्राकसन्स आफ जिंक एण्ड रिलेशनसीप विथ फिजिओ कैमिकल प्रोपर्टिज इन रेड एण्ड लेटीक सएल ऑफ बीरभूम डिस्ट्रिक्ट', वेस्ट बेंगल निसाव, सी.एम एण्ड घोष, जी.के. (2019) आइ जे सी एस 7(4) 180-185.
- 'डीस्पीरेसन ऑफ एमेटामिप्रिड रेशिडयूज इन ओका फ्रुटस एण्ड रेड सएल आफ वेस्टबैंगल' मुखोपाध्याय.ए एण्ड विश्वास, पि.के.(2019) पोस्टिसाइड रिसर्च जर्नल 31(2) 205-210.
- 'इम्पेक्ट ऑफ बाइओफर्टिलाइजर्स एण्ड फ्लयिओजाजीन अन मैकोफ्लोरा एण्ड याइल्ट आफ ग्राउण्ड नट (आराचिस हैपोगाइआ एल.) इन आलफीसोल आफ वेस्ट बेंगल', साहू,एम, मुखोपाध्याय एस. एण्ड विश्वास, पी.के (2019) इंट जे. क्यूर माक्रोवाइओल, आफ. साइ 8(9), 461-473.
- 'इफेक्ट ऑफ इमाजेथापैयर 10 एस एल ऑफ सएल माक्रो आरगानिजम एण्ड फिजिओकैमिकल प्रपोर्टिज आफ सएल' मुखोपाध्याय एस. एण्ड विश्वास पी.के. जर्नल आफ इमर्जि टेक्नोलोजिस एण्ड इन्नोभेटिभ रिसर्च 2019, 6(2) 504-510.
- 'इफेक्ट आफ सलफर एण्ड बाइयोफर्टिलाइरस अन ग्रोथ आर्ट्रिवयूटज ऑफ सेमी (सिसामु इंडिकम. एल) एण्ड सएल फर्टिलिटी इन रेड एण्ड लाटरिटिक सएल आफ वेस्ट बेंगल', इंडिया दास ए.एण्ड विश्वास पी.के. इंडियन जर्नल आफ हिल फार्मि 2019, 32 (2) 287-294.
- 'इफेक्ट आफ सलफर एण्ड बाइओ फर्टिलाइजरस आफ ऐसेस (सेसामम इंडिकम एल.) याइलड एण्ड क्वालिटी इन रेड एड लेटारिटिक सएल ऑफ वेस्ट बेंगल, इंडिया', दास ए एण्ड विश्वास पी.के. इंडिया जर्नल आफ हिल फार्मि 2019, 32 (2) 335-341.
- 'एकहांसि न्यूट्रिएन्ट एभेलेविलीटि, याइल्ड एण्ड क्वालिटि आफ सफ्लोयर कार्थामस टिंण्टरिएस

एल.) थ्रु जिंक एण्ड सलफर इन आलफोसोल' राय एन. एण्ड घोष, जे.के (2020), जर्नल ऑफ फार्माकोगनोशी एण्ड फिटो कैमिस्ट्रि, 9(1) 693-697.

- 'फिजिओ कैमिकल प्रोपर्टिज आफ द लाटेक्स ऑफ टवर्णाएमोन्टाना डाइरेकटीभ मैरिनी आए एण्ड राओ' वाइ. भी (2019) आन्नालस ऑफ बाइयोलोजी 35(2) 232-237.
- 'प्लैण्ट ग्रोथ फैरामीटर्स एण्ड सएल पोटासीयम पूल एज इफलुएन्सड बाइ पोटसीयम फर्टिलाइजेस इन खरीफ सिजन राइस' दास एस. पी, घोष जी.के. मंडल, एस. विश्वास, पी.के., एण्ड कुण्डु, एम.सी. (2019) इन्ट. जो. क्यूर, माक्रो वैथाल, आप्प साइ 8(3) 1547-1553.
- 'भर्टिकल डिस्ट्रीब्यूसन आफ डी.टी.पी ए एक्यट्राटेव माक्रोन्यूट्रियेन्टस एण्ड इट्स कोरिलेशन विथ सएल प्रोपोर्टिज इन सिलेक्टेड सएल प्रोफाइलस आफ बीरभूम डिस्ट्रिक्ट आफ वेस्ट बैंगल', एस. एल पोपोर्टिज इन सिलेक्टेड आफ सएल प्रोफाइलस आफ बीरभूम डिस्ट्रिक्ट आफ वेस्टबैंगल, एस. मण्डल, एस. मण्डल, ए. मुखर्जी एस. मुखोपाध्याय, जी.के. घोष, साइन्स एण्ड कलचर 2019, 85 (7-8) 281-290.

पुस्तकें और पुस्तक में अध्याय

- इंडिजीनस टैक्नोलोजिकल नलेज फार सएल मैनेजमेंट विसडम उपलीम इन ट्रीपुरा एण्ड वेस्ट बेंगल, दे डी. कुण्डु एम.सी एण्ड साहा, एन., इन. एप्रोचेस टु सस्टेनेवल डेभेलपमेंट, चट्टोपाध्याय, पी.के. एण्ड कुशवाहा, डी.एस (इडीएस) 2019 रेनु पब्लिसर्स 90 सैनिक बिहार, मोहन गार्डेन, नईदिल्ली-110059 आघ. 83-90 ISBN : 978-81-93 7260-6-8.
- फार्मास प्रोस्परीटी थ्रु एडपसन ऑफ सिस्टम आफ राइस इंटेन्सीफिकेशन इन ट्रीपुरा दे.डी कुण्डु एम.सी., चक्रवर्ती ए., नाथ डी., एण्ड डेववर्मा, एल. इन रिसाइलेंस बिल्डिं एण्ड सस्टेनेवल डेभलपमेंट इंडियन परस्पेक्टीभ "चट्टोपाध्याय". पी.के. एण्ड कुशवाहा, डी.एस (इडीएस) 2019 रेणु पब्लिशर्स, 90 सैनिक बिहार, मोहनगार्डन, नईदिल्ली-110059 पीपी 109, ISBN : 978-93-88879-11-8.
- सएल हेल्थ मैनेजमेंट थ्रु ल कष्ट वैयोचार टैकनोलोजी एम.के दास एण्ड जी.के. घोष इन वैचोचार एप्लिकेशनस इन एग्रीकलचर एण्ड एन्भाइरनमेंट मैनेजमेंट. सिंह जे., सिंह. सी. (इडीएस). 2019 स्प्रिंजर नेचर, स्वीजरलैंड एजी. पीपी. 193-206, ISBN : 978-3-030-40997-5 https://doi.org/10.1007/978-3-030-40997-5-9.

- भरमीकम्पोजिटिं एन इको फ्रेंडली टूल आफ आरगानिक वेस्टस रिसाइक्लिं फर सस्टेनेवल कक्रप प्रडक्सन एण्ड रुरल डेभेलपमेंट कुण्डु एस.सी. विश्वास पी.के., मण्डल एस.दे., डी.एण्ड घोष जी.के., इन इस्यूज इन सस्टेनेवल डेपलपमेंट इन इंडिया प्रेजेण्ट प्रोव्लेमस एण्ड फ्यूचर प्रस्पेक्टिभ' चट्टोपाध्याय, पीके., एण्ड कुशवाहा डी.एस. (इ.डी.एफ) 2019. न्यू दिल्ली पब्लिशर्स, 90 सैनिक बिहार, मोहन गार्डेन, न्यू दिल्ली-110059. पीपी 29-36. ISBN 978-93-86453-44.

कृषि आर्थिक शोध केन्द्र

कृषि संबंधीय क्षेत्र भारत में जीवन निर्वाह का स्रोत है देश में कई प्रकार के मार्ग और कार्यक्रम आर्थिक विकास के लिए किए जाते हैं। सफलतापूर्वक इनके कार्यान्वयन भी किये जाते हैं। यह अनुभव प्राप्त हुआ है कि किसी निर्दिष्ट समस्या को लेकर सम्बन्धित विभाग इस पर अध्ययन व इसके पीछे रहनेवाले कारणों को निदान करना चाहिए।

आग्रो आर्थिक शोध केन्द्र पूर्वभारत में पहले 1954 में विश्वभारती में स्थापित हुआ। लम्बे समय से अनुसंधान की जो परंपरा चलती आ रही थी, वह ग्रामीण क्षेत्र में कैसे ग्रामीण पुनर्गठन कार्यक्रम को गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने श्रीनिकेतन में शुरु किया था। इन केन्द्रों के द्वारा ग्रामीण सर्वेक्षण, अध्ययन, जरूरी समस्याओं का आकलन और कृषि अर्थनीति, ग्रामीण के लिए आवश्यक तकनीकि परामर्श केन्द्र सरकार और राज्य सरकार को उन पर सोचना चाहिए। यह केन्द्र मोटे तौर पर समय और बडे पैमाने में अनेक गाँव में सर्वेक्षण करके उसकी सुरक्षा का प्रावधान करें। यह केन्द्र सर्वोपरि समस्यामूलक अध्ययन की जगह पलिसी मूलक अध्यापन पर ध्यान देता है। अभी यह केन्द्र एक इलाके में अपनी कार्य विस्तार करने में समर्थ है, बंगाल, सिकिम एवं एण्डामान निकोवार आइलैंड में।

यह केन्द्र 1990 में स्थायी केन्द्र बना और 1991 विश्वभारती के साथ सहबंधित हुआ एवं एक विशेष केन्द्र के रुप में इसके महत्व पर विश्वभारती के परिदर्शक भारत के मान्यवर राष्ट्रपति ने बल दिया। प्रारंभिक स्तर पर विश्वभारती में यह केन्द्र संचालित होने लगा, इसके प्रशासन का भार विश्वभारती ने संभाला। इस केन्द्र को वार्षिक अनुदान, भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्राप्त होता है।

2019-20 के दौरान इस केन्द्र ने 189 से अधिक अध्ययन कृषि की समृद्धि के लिये किये और इसके विकास की ओर ध्यान दिया। इंटर आलिया इनक्लुट खर्चा, आर्थिक सहायता, जीविका, जमा, विपणन, कृषि निवेश, सहयोग, खाद्य, आर्थिक, मत्स्य संपद, आग्रो गाणीण शिल्प आदि।

जातीय एवं अंतर्जातीय कार्यशाला प्रदर्शनी – 2019 में केन्द्र ने दो जातीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जिसमें AERCS/AERs के प्रतियोगिदाने भागलिया। कृषि एवं कृषक कल्याण वार्तालाप, भारत सरकार एवं कृषि संस्थान, विश्वभारती, जवाहरलाल विश्वविद्यालय, नईदिल्ली, प्रतियी ट्रष्ट आदि ने भाग लिया।

जातीय स्तरपर प्रोजेक्ट इनिसिएसन कार्यशाला आन विलेज सर्भे स्टडी आर्थिक समृद्धि संस्था के सहयोग में नई दिल्ली विश्वविद्यालय, आर्थिक समृद्धि संस्थान, दिल्ली में 1-2, अगस्त 2019.

जातीय स्तरपर मेथोडोलीजी वर्कसप आन विलेज स्टडी AERC विश्वभारती शान्तिनिकेतन में 29-30 सितम्बर 2019 को आयोजित हुआ।

सहयोगिता एवं शोधप्रबंध प्रस्तुति, AERC शांतिनिकेतन द्वारा

क्र.स.	कनफारेन्स कार्यशाला	संगोष्ठी	समय	प्रतिभागी
1	कार्यशाला में पर ड्रप मोरक्रप PDMC विषयपर	25 सितंबर 2019	CMAअहमदावाद	आर.के. विश्वास डी. रा
2	राष्ट्रीय स्तर पर विषय प्रोजेक्ट इनिसिएसन वर्कसप आन विलेज सर्भे स्टडी	1-12 अगस्त 2019	AERU, IEG दिल्ली	वी.सी.राय एम.डी.मजूमदार
3	राष्ट्रीय स्तर पर प्रविधि कार्यशाला विलेज सर्भे स्टडी	29-30 सितंबर 2019	AERC विश्वभारती शांतिनिकेतन	वी.जी.राय डी.मजूमदार के.चट्टोपाध्याय भी.दत्त आर.के.विश्वास डी.राय
4	राष्ट्रीय कार्यशाला मिनिस्ट्री स्पनसर्ड स्टडीज विषय पर	17-19 अक्टूबर 2019	ADRTC ISEC बैंगलोर	वी.सी राव
5.	आग्रो इकोनोमिक शोध केन्द्रों की समीक्षा	22 जनवरी, 2020	NIAP-ICAR नईदिल्ली	वी.सी राव

सक्रिय शोध प्रकल्प

क्रम.	प्रकल्प का नाम/प्रकल्प संजोयक	प्रकल्प सह प्रोजेक्ट के नाम	सहायक	अर्थ राशि
1.	प्रो. वी.सी. राय डा. देवजीत राय	इम्पैक्ट इभालूएशन स्टडी आन पर ड्रप मोर क्रम कम्पोनेंट आफ प्रधानमंत्री कृषि संचयी योजना (PMKSY) इन सिकिम		
2.	प्रो. वी.सी. राय डा. आर.के. विश्वास	आसेसमेंट आफ फिड फोडर इन वेस्ट वेंगल	कृषि एवं कृषक मंत्रालय	170
3	प्रो. वी.सी. राय मि.डी. मजूमदार	विलेज सर्भे आफ वेस्ट वेंगल		

क्रम.	प्रकल्प का नाम/प्रकल्प संजोयक	प्रकल्प सह प्रोजेक्ट के नाम	सहायक	अर्थ राशि
4.	प्रो. वि.सी. राय, मि. के.सी. चट्टोपाध्याय	आसेसमेंट ऑफ रेशिओ आफ डिफरेंट प्रोडक्टस फर्मस ऑफ स्पाइसेस विंग मार्केटेड स्टडी वेसड आन जींक एण्ड टरमरीक इन सिक्किम	भारत सरकार	
5.	प्रो. वी.सी. राय, मि. भी. दत्त	स्टडी ऑफ फंसनिं ऑफ डाइरेक्ट वेनिफिट (DBT) इन फर्टिलाइजर एट रिटल पएन्टस		
6.	प्रो. पी.सी. राय, मि. भी.दत्त	आग्रिकरचरल अग्रगति इंडिकेटर्स फार नीती आयोग		

विस्तार गतिविधि/एनएसएस/सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधि

कार्यशाला एवं सेमिनार आयोजन के साथ साथ सम्माननीय निर्देशक ने एड़ आर सी नियत्रित राज्यस्तरीय विशेषज्ञों को बुलाकर व्याख्यान कार्यक्रम पश्चिमबंग सरकार के कृषि विभाग के सहयोग मे आयोजित किए। शोधछात्रों विभिन्न आलोचनाचक्रों में तथा विशेष कार्यक्रमों में भी भाग लिए, विवरण निम्नलिखित है :

विधानचन्द्र राय

- 25.06.2019 जुट इकोनोमी इन इंडिया, समस्याएँ चुनौतियाँ (राज्यस्तरीय खाद्य निरापत्ता मिशन, पश्चिमबंगाल, एस.डी.ए ऑफिस, बोलपुर।
- 26.08.2019 टेलीभिजन कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में PM-KMY कृषिदर्शन में, डी.डी. शांतिनिकेतन।
- 16.09.2019 दूरभाष में विशेषज्ञ के रुप में PM-KMY किषान वाणी, प्रसारभारती, आल.इंडिया रेडिओ, शंतिनिकेतन।
- 24.09.2019 आलु निर्यात की विधियाँ आलुनिर्यात शाखाएँ, पश्चिम बंगाल राज्यभूमि आलुनिर्यात प्रशिक्षण सभा, वोलपुर में विशेषज्ञ के रूप में।

रंजन कुमार विश्वास

- 25.11.2019 रेडियों कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रुप में विषय: रोल आफ अर्गानिक फार्मिं इन रिडयूजिं आनइप्लोयमेंट प्रोब्लेम कृषिवाणी, अल इंडिया रेडियो, शांतिनिकेतन के विशेष कार्यक्रम में योगदान।
- 27.11.2019 – दूरदर्शन कार्यक्रम में जातीय कृषक दिवस ओ तार तार्पर्य विषय पर कृषिदर्शन डी.डी. शांतिनिकेतन में विशेषज्ञ के रुप में योगदान।

प्रकाशन

- 'परफरमान्स इभाल्यूएशन ऑफ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना इन वेस्टबेंगल' राय, वी.सी मंडल, वी ऑफ विश्वास आर.के. एण्ड दत्त, भी (2020) भारत में कृषि की स्थिति भारत सरकार, जनवरी 2020, खण्ड LXXVI, No.10, PP-47, 49(ISSN: 0002-1679).
- लाइवस्टक रिआरीं इज ए प्रोवावल फिल्ड फार डिक्रिजिं प्रोभर्टी – ए डिसकसन, विश्वास, आर.के (2019) कृषि समाचार, 6(I), ISSN : 2347-9663

पुस्तक और पुस्तक में अध्याय :

- 'स्पैड ऑफ न्यूरोराइटिज आफ हैब्रीड एण्ड देयर इम्पैक्ट आन दि ओभरअल प्रोडक्सन एण्ड प्रोडक्टिविटीं' पी के वसु एण्ड डी. राय इन वर्मा, एस एण्ड पी. सी लोध (इडी) ग्लीम्पसेज आफ इंडियन एग्रीकलचर-1, 2018, ISBN 0-19-948883-5, आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस, नईदिल्ली।
- इम्पैक्ट इभ्यलूएशन ऑफ वाटरसेड डेभलापमेंट फार रेनफेड परियाज ए केस आफ WARASA जन सहभागिता के.एस. चट्टोपाध्याय, डी. राय. पी. जी. पोढ़ (इडी), ग्लिम्पसेज आफ इंडियन कलचर, नई दिल्ली।
- अण्डरस्टांडिं दि ग्रोथ एण्ड प्रोस्पेक्टस आफ कृषि प्रोसेसिं शिल्प पश्चिमबंगाल एण्ड महाराष्ट्र, जे के घोष, एप.एच. ख़ाँन एण्ड भी.दत्त इन वर्मा एस.एण्ड पी.सी पोढ (इडी) ग्लीम्पसेज आफ इंडियन आग्रीकलचर-1, 2018, ISBN : 0-19-948883, 5 अक्सफोर्ड यूनिभार्सिटी प्रेस नई दिल्ली।
- एण्ड-टर्म इभाल्यूएशन स्टडी इन रेसपेक्ट आफ द इम्प्लीमेंटेशन आफ ब्रिंगि ग्रीन रिभेल्यूशन टु इसटर्न इंडिया (BGREI) प्रोग्राम, डी. मजूमदार, डी, राय ए आर के विश्वास, इन वर्मा, एस एण्ड पी.सी. लोध (इडी), ग्लिम्पेज आफ इंडियन एग्रीकलचर-1, 2018 ISBN : 0-19-948883-5, आक्सफोर्ड यूनिर्भासिटि प्रेस, नई दिल्ली।
- 'इम्पैक्ट एण्ड कन्स्ट्रेन्टस ऑफ अरगानिक फार्मिं इन वेस्ट वेंगल'आर. के. विश्वास, डी. मजुमदार एण्ड ए. सिन्हा इन : वर्मा, एस एण्ड पी. सी लोध (इडी). ग्लिम्पेज आफ इंडियन एग्रिकल्चर–1, 2018, ISBN: 0-19-948883-5, आक्सफोर्ड यूनिभार्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।

अन्य आवश्यक सूचनाएँ :

यह केन्द्र राष्ट्रीय संयोजना केन्द्र के रुप में चयनित हुए ग्रामीण क्षेत्र अध्ययन के लिए इस देश में AERCS/AERU के द्वारा अधिकृत किया गया। इसके अंग के रुप में इस केन्द्र के द्वारा दो राष्ट्रीय कार्यशालाएँ आयोजित हुई, इस इन्सटीच्यूट आफ एग्रीकलचर, विश्वभारती, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, प्रतिची ट्रस्ट, शांतिनिकेतन आदि से ख्यातनामा विशेषज्ञों ने जो AERCs एण्ड AERUs में भारत में भाग लेते हैं, भाग लेकर कृषकों के मंगल के लिए काम किया।

सम्मानीय निदेशक एइआरसी नियंत्रित हुए एवं उन्होंने केन्द्र की गतिविधियों के बारे में जो कि विगत पाँच सालो में हुइ थी उसकी समीक्षा की AER योजना के वारे में भी पुनर्मूल्यांकन किये जो कि NIAP-ICAR नई दिल्ली में अभिजीत सेन, पूर्व सदस्य योजना बोर्ड एवं चैयारम्यान, RAC, ICAR-NIAP, नई दिल्ली में हुई थी।

एम आर सी, विश्वभारती EAT मोड्एल PFMS के अधीन वित्तीय हिसाव अपलोड कर दिया गया एण्ड हैपार लिंकड दि रियाम्पड वेवसाइड (http://www.visva-bharati.ac.in/AERC/details-html) आर्थिक एवं परिसंख्यान निर्देशालय, भारत सरकार (https://eands.dacnet.nic.in)

माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक संस्थाएँ

पाठ भवन

"हमने ... बच्चों को प्रकृति से प्रेम करने एवं उन्हें प्रकृति के स्वच्छंद वातावरण में विचरण करने का अवसर प्रदान किया है। प्रेम में स्वच्छंदता चाहिए। इससे संपूर्ण अस्तित्व की अनुभूति होती है ..."

रवीन्द्रनाथ टैगोर के 'ए पोएट्स स्कूल' से साभार

पाठ-भवन विश्वभारती का एक पूर्व-प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षण संस्थान है। विश्वभारती के इतिहास में इसका बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। एक सदी से पहले, सन् 1901 ई. में शांतिनिकेतन निर्जन रमणीय स्थान पर गुरुदेव टैगोर ने अपने स्कूल ब्रह्मचर्य आश्रम, प्राचीन भारत तपोवन के आधार पर स्थापित किया।

सन् 1951 में संसद के अधिनियम के तहत विश्वभारती को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया तथा 'राष्ट्रीय महत्व की संस्था' घोषित किया गया साथ ही पाठ भवन को इसकी एक संस्था के रुप में निगमित किया गया।

आज भी पाठ भवन की कक्षाएँ खुले आसमान के नीचे वृक्ष की छाया में चलाई जाती हैं। प्रकृति में विद्यमान एवं अपने संवेदनशील ह्रदय के बीच सामंजस्य बैठाने के लिए उपयुक्त माहौल है। पाठ भवन में आज भी टैगोर के विचार के अनुरुप शिक्षा दी जाती है। यह रुढ़िवादी शिक्षा से हटकर पूर्णता प्रदान कर रही है। यह आज भी पारंपरिक संस्थानों से अलग है। पाठ भवन की गतिविधियाँ बच्चों के नवाचार एवं सृजनशीलता को उभारने में मदद करती है। छात्रों को नियमित विषय के साथ-साथ प्रकृति अध्ययन, संगीत, नृत्य, चित्रकला, मिट्टी से मूर्ती बनाना, हस्तशिल्प एवं अन्य सृजनशील कार्य सिखाए जाते हैं। प्रत्येक छात्रों को खेल-कूद में भाग लेना पड़ता है। शिक्षण प्रक्रिया में इन सभी को समान महत्व दिए जाते हैं।

प्रत्येक बुधवार उपासना गृह में साप्ताहिक प्रार्थना सभा में भाग लेना एवं आश्रम सम्मिलनी की गतिविधियों तथा विश्वविद्यालय के उत्सवों में भाग लेना, पाठ भवन के विद्यार्थियों के जीवनचर्या में शामिल है।

छात्रों में स्वशासन की भावना पैदा करने हेतु टैगोर ने आश्रम सम्मिलिनी संस्थान की रुपरेखा तैयार की। इसके कई अंग हैं, जिसका नाम है, साहित्य विभाग (साहित्य स्कंध), सेवा विभाग (सामाजिक सेवा), परिवेश विभाग (पर्यावरण), स्वास्थ्य विभाग (स्वास्थ्य), क्रीड़ा विभाग (खेल-कूद), आत्मनिर्भरता की शिक्षा के अलावा, आश्रम सम्मिलनी की गतिविधियाँ बच्चों के समग्र विकास में मदद करती है।

एक सदी के बाद भी पाठ भवन पूर्ण शिक्षा के प्रति टैगोर के दृष्टिकोण को संजोए हुए है। उक्त उद्देश्य योजना के अंग के रुप में, पाठ भवन शिक्षा के वैकल्पिक माध्यम को बनाए हुए है, जहाँ पर बच्चों के संम्पूर्ण विकास को सुनिश्चित करने के लिए सृजनात्मक गतिविधियों का सहारा लिए जाता है। गहन

अनुसंधान हेतु 'व्यावहारिक शिक्षा' एवं ज्ञान सृजन, जानकारी इकट्ठा करने के पारंपरिक तरीके, हर्ष, स्वाधीनता एवं सहयोग– ये इसके मूल सिद्धांत हैं।

पाठ भवन मुख्य रूप से एक आवासीय स्कूल है, यद्यपि अनावासी छात्र अध्ययन की सुविधा भी है। यहाँ किंडर-गर्टन से कक्षा XII तक की शिक्षा प्रदान की जाती है। 4 वर्ष की उम्र के बाद बच्चों को मृणालिनी पाठशाला में दाखिला दिया जाता है। किंडर-गार्टन पाठ भवन की इकाई है जिसकी स्थापना सन् 1954 ई. में हुई। टैगोर की पत्नी मृणालिनी देवी के नाम पर इसका नामकरण हुआ। छात्र क्रमशः कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की पढ़ाई करने के बाद क्रमशः स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा एवं पूर्व स्नातक परीक्षा में शामिल होते हैं। पाठ भवन में वर्तमान में कुल 1156 छात्रों में से 352 आवासीय एवं 804 अनावासी छात्र हैं।

विभागीय संगोष्ठी :

- 23.04.2019: जालियांवाला बाग त्रासदी, के 100 बर्ष आजाद हिंद प्रांतीय सरकार के 75 वर्ष, एवं महात्मा गांधी के 150 वां जन्मोत्सव पर पाठभवन, विश्वभारती और मौलाना अबुल कलाम आजाद, एशियाई अध्ययन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में इतिहास कार्यशाला का आयोजन किया गया। वक्ता : सौरभधर, स्वाती प्रभु, डॉ. अबीर कुमार गोराल, सायंती गांगुली (अनुसंधान अध्येता, मेकेइस) श्रीमती शिल्पी मुखर्जी, पाठ भवन, विश्वभारती।
- 03.09.2019: पाठ भवन, विश्वभारती द्वारा कक्षा टप् के छात्रों के लिए किशोरावस्था समस्या पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 07.09-2019-09.09.2019: पाठ भवन, विश्वभारती द्वारा कक्षा के बच्चों के लिए किशोरावस्था समस्या पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 13-24 सितंबर 2020 : पाठ भवन, विश्वभारती द्वारा कक्षा VII एवं VIII के बच्चों के लिए इंट्रोडक्सन इटैलियन लैंगुएज कोर्स पर प्रो. उर्मिला चक्रवर्ती, अनुबंधक प्रोफेसर, मिलान विश्वविद्यालय, इटली एवं निलय राय, पाठ भवन, विश्वभारती द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 26 नवंबर, 2019: पाठ भवन में 'रवीन्द्र दर्शन: पाठ भवन :भविष्यत परिकल्पना' शीर्षक पर एक दिन का कार्यशाला आयोजन हुआ। वक्ता: प्रो. अमल पाल एवं बंगला विभाग के प्रो. विश्वजीत राय, श्री सुचित चक्रवर्ती, श्रीमती शिल्पी मुखर्जी, श्री सुरोजित सेन, श्री तड़ित राय चौधरी, सहा. व्याख्याता, पाठ भवन, विश्वभारती, श्रीमती निवेदिता सेन, अतिथि शिक्षक, पाठ भवन, विश्वभारती।

शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के (सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी इत्यादि) में उपस्थिति का विवरण

अमिताभ मुखर्जी

- 23.08.2019-24.08.2019: 'कैसे गांधी जी के सबब: भारत के लिए गांधीवादी समाधान प्रासंगिकता व्याख्यान का आंकलन एवं 21 वीं सदी में दुनिया' शीर्षक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान एवं आलेख प्रस्तुत किए गए जो आईआएएस शिमला एवं गांधी अनुसंधान, संस्थान, गांधी तीर्थ, जलगाँव द्वारा आयोजित की गई। आलेख शीर्षक : ''वर्तमान सहस्त्राब्दी के प्रकाश में पुनर्लेखन महात्मा के शैक्षणिक दर्शन''।

श्रीमती चंद्राणी मुखोपाध्याय, सहायक व्याख्याता

संगोष्ठी

- 26.11.2019: 'रवीन्द्र दर्शन पाठ भवन : भविष्यत परिकल्पना' शीर्षक संगोष्ठी में एक संयोजक के रुप में कार्य किया जो पाठ भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित की कई।
- 26.11.2019: पाठ भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'रवीनद्र दर्शन पाठभवन : भविष्यत परिकल्पना' विषय पर व्याख्यान एवं आलेख प्रस्तुत किया गया। आलेख का शीर्षक : पाठभवने भविष्यत परिकल्पना।

प्रसारण

- 28.06.2019: आकाशवाणी, शांतिनिकेतन एफ एम द्वारा प्रसारित 'बिबॉरतीतो मूल्यबोध ओ वर्तमान प्रजांमो' शीर्षक पर आमंत्रित एवं रेडियो कार्यक्रम में सहभागिता।
- 26.11.2019: आकाशवाणी, शांतिनिकेतन एफ एम द्वारा प्रसारित 'जांमेर दृस्वत्व वर्षा विद्यासागर ओ आमरा' शीर्षक पर आमंत्रित एवं रिडियो कार्यक्रम में सहभागिता।
- 01.03.2020: दूरदर्शन बांगला, कोलकाता द्वारा प्रसारित 'शिशु कोन्या शिक्षा : एकटी अंतः समीक्षा' शीर्षक पर टीवी कार्यक्रम में आमंत्रित एवं सहबागिता।

श्री निलय राय, सहायक व्याख्याता

- 08.05.2019-11.05.2019: 'भाषा, शिक्षा एवं विकास' शीर्षक कार्यशाला बाली इंडोनेशिया में, आमंत्रित एवं सहभागिता।
- 13.09.2019-24.09.2019: छात्र हेतु इटालियन भाषा पाठ्यक्रम परिचय पाठ भवन, विश्वभारती में आयोजन किया गया।
- 13.09-2019-24.09-2019: पाठ भवन, विश्वभारती में– 'कहानी से कहानी बोर्ड विनोच्चियो एक यात्रा' बच्चों के लिए परियोजना का आयोजन किया गया।

श्री पार्थ प्रतिम राय, सहायक व्याख्याता

- 26.11.2019: पाठ भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'रवीन्द्र दर्शन : पाठभवन : भविष्यत परिकल्पना' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान एवं आलेख प्रस्तुत किए। आलेख का शीर्षक : 'भारत में वैकल्पिक स्कूल का भविष्य : पाठ भवन एवं उसके पार।'

डॉ. प्रीति सी. नरतीयांग, सहायक व्याख्याता

- 09.11.2019: पाठ भवन, विश्वभारती के छात्रों के लिए स्री कृष्णन कुमार दीक्षित के साथ मिलकर एक चित्र कार्यशाला का आयोजन।

श्रीमती शिल्पी मुखोपाध्याय, सहायक व्याख्याता

- 26.11.2019: पाठ भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'रवीन्द्र दर्शन : पाठ भवन : भविष्यत परिकल्पना' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान एवं आलेख प्रस्तुत किए। आलेख का विषय 'रवीन्द्रनाथ ओ लोकशिक्षा।'
- 23.04.20196: जालियावालाबाग त्रासदी के 100 वर्ष, आजाद हिंद प्रांतीय शासन के 75 वर्ष एवं महात्मा गांधी के 150 वीं जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पाठ भवन, विश्वभारती एवं मौलाना अबुल कलाम एशियाई अध्ययन संस्थान द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित कार्यशाला में आमंत्रित एवं संयोजक के रूप में शीर्षक व्याख्यान दिए।

सुचित्र चक्रवर्ती, सहायक व्याख्याता

- 26.11.2019: पाठ भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'रवींद्र दर्शन : पाठ भवन : भविष्यत परिकल्पना' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान एवं आलेख प्रस्तुत किए। आलेख का विषय 'रवींद्र दर्शन : पाठ भवन : भविष्यत परिकल्पना'।

अप्रैल 2019-मार्च 2020 के प्रकाशन :

श्रीमती चंद्राणी मुखोपाध्याय, सहायक व्याख्याता

- 09.05.2019: दाय (कविता), खोआई (खंड-35), पृ. 23, आईएसएनएन- 2319-8389.
- 08.08.2019: विश्वासी (कविता), खोआई (खंड-36), पृ. 46, आईएसएनएन- 2319-8389.
- 24.12.2019: उत्सव (कविता), खोआई (खंड-37), पृ. 17, आईएसएनएन- 2319-8389.
- आमार स्मृति शहर बोलपुर, पोरिवेश (खंड-25) इंटेच पत्रिका, शांतिनिकेतन पाठ, 2019, पृ. 18.
- 09.05.2019: खोआई सह संपादक— यूजीसी एकत्र सूची पत्रिका, आईएसएनएन- 2319-8389, खंड-35.
- 08.08.2019: खोआई सह संपादक— यूजीसी एकत्र सूची पत्रिका, आईएसएनएन- 2319-8389,

खंड-36.

- 24.12.2019: खोआई सह संपादक— यूजीसी एकत्र सूची पत्रिका, आईएसएनएन- 2319-8389, खंड-37.

डॉ. जॉतिंद्र नाथ राउत, सहायक व्याख्याता

- 'बहु-वस्तु इष्टतम नियंत्रण समस्या के साथ-साथ फजी लागत एवं फजी प्रकारांतर संबंधी सिद्धांत के उपय़ोगिता की कमी' राइरो के पत्रिका में प्रकाशित— जॉतिंद्र नाथ राउत, कालीपद माइती, समरजीत कर, मनोरंजन माइती, संचालन अनुसंधान, खंड-53, अंक 3, पृ. 1061-1082, ईडीपी विज्ञान प्रकाशन, फ्रांस, 2019/07/01 यूआरएल : https://dio.org/10.1051/ro/2019022.
- 'इष्टतम-समय निर्भर उत्पाद नीति यादृच्छिक समय क्षितिज के तहत' जॉतिंद्र नाथ राउत कालीपद माइती, समरजीत कर, मनोरंजन माइती, ओपसर्च खंड-57 की पत्रिका, सं.-2, पृ. 391-413, स्प्रींगर प्रकाशन, 2019-07-17। यूआरएल: https://dio.org/10.1007/s12597-019-00407-x.

श्री किशोर भट्टाचार्य, सहायक व्याख्याता

- 09.05.2019: संपादक 'खोआई' यूजीसी केयर में सूचीबद्ध पत्रिका, आईएसएसएन 2319-8389, खण्ड-35.
- 008.08.2019: संपादक 'खोआई' यूजीसी केयर में सूचीबद्ध पत्रिका, आईएसएसएन 2319-8389, खण्ड-36.
- 24.12.2019: संपादक 'खोआई' यूजीसी केयर में सूचीबद्ध पत्रिका, आईएसएसएन 2319-8389, खण्ड-35.

डी. डॉ. प्रीति सी. नरीतांग, सहायक व्याख्याता

- 'हजॉज जनजाति : पारंपरिक प्रथा, गहना, कला एवं शिल्प' प्रीति सी. नरीतांग, परिवेश पत्रिका, खण्ड-25, पृ. 59-62, शांतिनिकेतन पाठ, 2019.
- 'खाशिस वं जैनतिश का उत्सव', प्रीति सी नरीतांग, कला एवं सरोकार, उत्तर-पूर्व भारत, विशेष अंक-1, संपादक, 2019 सिद्धार्थ टैगोर एवं डॉ. मेघली गोस्वामी, पृ. 55-59, आईएसएसएन-0258-2074.

डॉ. श्यामा प्रसाद चट्टोपाध्याय, सहायक व्याख्याता

- 'सनातन हिंदू धर्म ओ महर्षी देवेंद्रनाथ ठाकुर'— श्यामाप्रसाद चट्टोपाध्याय, स्वास्तिक पूजा संख्या 23, सितंबर, 2019, आर एन आई सं. 5257/57, पृ. 255-258.

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक व अन्य गतिविधियाँ तथा शिक्षक एवं विभाग के छात्रों की सहभागिता :

- जुलाई 2019-मार्च 2020 : संयुक्त राज्य भारत शिक्षा संस्थान (यूएसाआईईएफ) द्वारा संचालित नेहरू फुलब्राइट अंग्रेजी शिक्षण सहायक कार्यक्रम के तहत पाठ भवन मे पढ़ाने हेतु सुश्री अरिना काजल हर्नांजेड आई।
- 14.04.2019: बाबा साहेब आम्बेडकर के जन्मोत्सव के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पाठ भवन के छात्र एवं शिक्षकगण ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- 04.05.2019: 'एस्ट्रोराग' शीर्षक रेडियो कार्यक्रम में, पाठ भवन के छात्रों ने भाग लिया, जो आकाशवाणी, शांतिनिकेतन द्वारा प्रसारित किया गया।
- 09.05.2019 (1925 बैशाख, 1426): टैगोर के जन्मोत्सव के अवसर पर रवींद्रनाथ टैगोर के तीन नृत्यनाटक संकलन– 'शापमोचन', 'चित्रांगदा', 'चण्डालिका' में पाठ भवन के विद्यार्थियों ने 'मानव कन्या' का अभिनय किया।
- 21.06.2019: विश्वभारती द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पाठ भवन के छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।
- 28.07.2019: आकाशवाणी, शांतिनिकेतन द्वारा प्रसारित 'बादोल बाउल' शीर्षक रेडियो कार्यक्रम में पाठ भवन के छात्रों ने हिस्सा लिया।
- 05.09.2019: शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के नाटक 'चिरोकुमार सभा' में पाठ भवन के शिक्षकों ने अभिनय किया।
- 15-16.09.2019: शारदोत्सव 2019 के अवसर पर 16 सितंबर 2019 को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित दो नाटक– 'डाकघर' एवं 'तासेर देश' पर पाठ भवन के छात्रों ने अभिनय किया।
- 20.09.2019: पाठ भवन, विश्वभारती एवं पाठ भवन, कोलकाता के बीच विद्यार्थियों का विनिमय कार्यक्रम हुआ।
- 21-22.09.2019: पाठ भवन द्वारा वैज्ञानिक मॉडल, पोस्टर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ।
- सितंबर, 2019: पाठ भवन, विश्वभारती तथा कृष्णमूर्ती संस्थान, राजघाट के बीच छात्र एवं शिक्षकों का विनिमय कार्यक्रम हुआ।
- दिसंबर, 2019: पाठ भवन, विश्वभारती के शिक्षक एवं थमास्ट विश्वविद्यालय, थाईलैंड के बीच शिक्षकों के बीच अदला बदली हुई।
- जनवरी 2020 के अंतिम सप्ताह में विभिन्न कक्षाओं के लिए वार्षिक अध्ययन यात्रा आयोजित की गई जिसमें राजगीर (कक्षा IX), कुचविहार (कक्षा X), क्लींगपोंग (कक्षा XI) की यात्रा में छात्रों ने

हिस्सा लिया।

- द्वारबासिनी के कक्षा XII कक्षा VII के लिए तथा माईथन के कक्षा VIII छात्रों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। 11 फरवरी, 2020 को वर्धमान के कक्षा V तथा 19 फरवरी 2020 को बीरभूम के कक्षा VI के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया।
- 21.03.2020: आकाशवाणी, शांतिनिकेतन द्वारा प्रसारित 'चिरानुतन बंधु' शीर्षक रेडियो कार्यक्रम में पाठ भवन के छात्रों ने हिस्सा लिया।

आश्रम सम्मिलनी छात्र स्वशासन की गतिविधियाँ

- विश्वविद्यालय खेल बोर्ड की सहायता से 17-18 जनवरी 2020 को आश्रम सम्मिलनी के क्रीड़ा विभाग द्वारा वार्षिक एथलेटिक मीट का आयोजन किया गया।
- 8 मार्च 2020 को आश्रम सम्मिलनी द्वारा वसंत अवाहन का आयोजन किया गया।
- आश्रम सम्मिलनी के साहित्य विभाग द्वारा नियमित रुप से साहित्य सभा, वार्ता, आशु भाषण का आयोजन किया गया।
- सेवा विभाग द्वारा नियमित रुप से नज़दीक के गाँव में दान संग्रह एवं ग्राम परिदर्शन का आयोजन किया गया।
- पाठ भवन के छात्रों ने अलावा इसके बड़े उत्साह से विश्वविद्यालय के विभिन्न समारोह एवं उत्सवों में भाग लिया। जैसे, 10 मार्च 2018 को गांधी पुण्याह, वसंत उत्सव, नव वर्ष, टैगोर जन्म उत्सव, वृक्षारोपण, हलकर्षण एवं आनंद बाजार्।

पाठ भवन के एनएसएस इकाई ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया एवं उनमें भाग लिया:

- पाठ भवन के एनएसएस इकाई द्वारा 15 अगस्त, 2019 को स्वतंत्रता दिवस एवं 26 जनवरी, 2020 को गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया।
- पाठ भवन के उक्त इकाई द्वारा 24 सितंबर, 2019 को एनएसएस दिवस मनाया गया। श्रीमती देवलीना दास एवं कक्षा XII के छात्र श्री आकाश घोष को श्रेष्ठ स्वयंसेवक का पुरस्कार दिया गया। श्रीमती चैतालि घोष को इस वर्ष का श्रेष्ठ संयोजक का पुरस्कार दिया गया।
- सरदार बल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर 28 अक्टूबर, 2019 को पाठ भवन के एनएसएस इकाई में छात्रों ने एकता दिवस समारोह मे सक्रिय रुप से भाग लिया।
- इसके अलावा एनएसएस इकाई के छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के उत्सव में भाग लिया। जैसे, पौष मेला एवं गांधी पुण्याह।

शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त करना :

ए. दिनांक 27 अगस्त 2019 को डॉ. प्रीति सी. नर्तियांग को उनके शोध शीर्षक– 'मेघालय के काशिश एवं नतिस के परंपरा रिवाज : उनकी संस्कृति एवं कलात्मक महत्व' पर कला इतिहास विभाग, कला भवन, विश्वभारती द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि दी गई।

बी. 6 अगस्ट, 2019 को डॉ. सुरंजीमा साहा को उनके शोध शीर्षक– 'संपर्क क्षेत्र : ब्रिटेन के लिए भारतीय यात्री, 1757-1877' पर अंग्रेजी विभाग, भाषा भवन, विश्वभारती द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि दी गई।

शिक्षा सत्र

विभाग का नाम : शिक्षा सत्र

विभाग द्वारा आयोजित विस्तारण गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में शिक्षकों एवं छात्रों की सहभागिता:

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी, शिक्षा सत्र के छात्र विश्वभारती के सभी कार्यक्रम एवं समारोह में बढ़ चढ़कर भाग लिए। वे उन्होंने अध्ययन ग्रात्रा, वनभोज, खेल, उपासना गृह में साप्ताहिक प्रार्थना, श्रीनिकेतन में स्थापना दिवस समरोह, साहित्य सभा, विज्ञान मिलन, दीवार पत्रिका प्रकाशन, वृक्षारोपण, हलकर्षण, नववर्ष कार्यक्रम एवं समारोह, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस एवं आनंदबाजार उत्सवों में भाग लिया।

गौर प्रांगण में 9 मई, 2018 को टैगोर के जन्मदिन समारोह पर शिक्षा सत्र के छात्रों ने 'चित्रांगदा' नृत्य नाटक की शानदार प्रस्तुत की। इस नृत्य आख्यान को रवींद्र सदन कोलकाता में फिर से मंचन किया गया इस छोटे कलाकारों को वहाँ के दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया।

21 जून, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शिक्षा-सत्र के छात्रों ने स्कूल योग प्रतियोगिता में भाग लिया एवं बहुत से पुरस्कार अपने नाम किए।

24-26 अगस्त द्क्स अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर शिक्षा सत्र के विद्यार्थियों द्वारा फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

शारदोत्सव (नाट्य उत्सव) के दौरान, वरिष्ठ छात्रों द्वारा दो नाटकों– पहला टैगोर की कहानी 'मुसलमानेर गल्पो' के आधार पर 'कमलासुंदरीर पाल' पर अभिनय हुआ। दूसरा कनिष्ठ छात्रों द्वारा टैगोर के कविता का नाट्य रूपांतरण– 'चूतो आविष्कार', पर अभिनय हुआ इसके बाद, क्रमशः 12 अक्टूबर एवं 16 नवंबर को क्रमशः बोलपुर उच्च विद्यालय एवं लिपिका प्रेक्षागृह में 'जूतो आविष्कार' एवं 'कमलासुंदरीर पाल' का अभिनय हुआ।

अनिक नाटक उत्सव, 2018 में 'सदाभूत एवं कालोभूत' नाटक पर छात्रों ने अभिनय किया। राज्य स्तर पर अभिनित नाटक को इसे कई पुरस्कार दिए गए; जैसे– श्रेष्ठ निर्देशक श्रेष्ठ पटकथा। छात्रों ने वर्धमान में द्वितीय श्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार एवं राज्य स्तर पर श्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्राप्त किया।

2 सितंबर को नंदन, कला भवन में कुलपति महोदय द्वारा कला एवं शिल्प प्रदर्शनी की उद्घाटन हुआ। यह 4 सितंबर तक चला।

इस अकादमिक सत्र के दौरान, ब्लॉक, सब डिविजन, जिला एवं राज्य स्तर के विभिन्न खेलों में छात्रों ने भाग लिया। राज्य स्तर के डिस्कस थ्रो में कक्षा 9 के छात्र बुद्धदेव कोनार ने चौथा स्थान प्राप्त किया। छात्राओं ने सालोंभर नियमित रुप से क्रिकेट, बैडमिंटन एवं चकमा गेंद खेलने का अभ्यास किया।

एनएसएस छात्र विभिन्न गतिविधियों जैसे गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस पर मार्च पास्ट, वसंत उत्सव, माघ मेला, पौष मेला में स्वयंसेवक तथा हरित परियोजना के अंतर्गत वृक्षारोपण, प्रकृति को बचाने हेतु जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया एवं ग्राम कल्याण हेतु सात दिन के ग्राम शिविर में उन्होंने भाग भी लिया। इसके अलावा, 13 सितंबर को स्वच्छता हेतु जागरुकता रैली में एनएसएस छात्रों ने भाग लिया।

1 से 15 सितंबर तक स्वच्छ भारत पखवाड़ा मनाया गया। इसके अलावा इस साल विश्वभारती द्वारा आयोजित योग प्रतियोगिता में शिक्षा सत्र की एनएसएस इकाई को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। 22 सितंबर को कक्षा 11 एवं 12 की छात्राएं अपने मां के साथ, किशोरवस्था की समस्याएं एवं उनका समाधान से संबंधित परामर्श कार्यक्रम में भाग लिया।

शिक्षा सत्र के एनसीसी इकाई विद्यार्थियों ने भी 24 सितंबर को एनएसएस दिवस भी मनाया। साल भर विभिन्न गतिविधियों में बाग लिया एवं 15 अगस्ट को मार्च पास्ट में छात्रों के दो डुकड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। भाग लिए एनसीसी कनिष्ठ प्रभाग के लड़कों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

शिक्षा सत्र के सेवा एवं स्वास्थ्य विभाग सक्रिय रुप से कार्य करते रहे। सामाजिक सेवा हेतु निधि का संग्रह सुरुल, रथींद्रपल्ली इत्यादि स्थानों के आस-पास से छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा किया गया। मोलडांगा एवं दक्षिण हरिरामपुर प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए आवश्यक पुस्तकें एवं आलमारी उपहार स्वरुप भेंट किया गया।

शिक्षा सत्र के छात्र विभिन्न प्रतियोगिता में सफल हुए। विज्ञान ओलियंपियाड संस्थान (एसओएफ) द्वारा आयोजित परीक्षा में भाग लिया। कक्षा 5 के स्नेहांशु शेखर साहा, कक्षा 8 के रिजवानुल बसीर, कक्षा 9 के समदरिता सरकार, कक्षा 12 के अग्रधय गरई एवं मो. सिराजुल बसीर द्वितीय चरण में उत्तीर्ण हुए। वे पश्चिम बंगाल विज्ञान मंच द्वारा आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में सफल हुए।

कक्षा 9 के छात्रों ने कार्य आधारित विज्ञान शिक्षण में पाठ भवन में भाग लिया। उनके द्वारा बनाए गए, वर्षा जल संचयन मॉडल एवं रक्तसंचार चार्ट पर उन्हें क्रमशः तृतीय एवं प्रथम पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस साल आनंद मेला द्वारा शिशु प्रतिभा खोज प्रतियोगिता की व्यवस्था की गई। शिक्षा सत्र के छात्रों ने सृजनशील रचना एवं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं पाँचवां स्थान प्राप्त किया।

अप्रैल 2019-मार्च 2020 के प्रकाशन– i) पाठ्य पुस्तक, ii) अन्य पुस्तकों, iii) विशेष निवंध, iv) शोध पत्र, v) समान/समीक्षात्मक पत्रिका में कई पेपर प्रकाशित :

विभाग/भवन प्रकाशन :

डॉ. गोपीनाथ मंडल

- 'अरेखीय ऊष्मीय विकिरण एवं संवहन सीमा की स्थि के साथ सिस्को नानोफ्लुइड अतीत फैलाव पत्र के चुंबकीय ऊष्मा एवं वृहद स्थानांतरण', गोपीनाथ मंडल, सुक्ष्म तरल पदार्थ, खण्ड- 8, सं. 4, पृ. 852-860, 2019.
- 'परिवर्तनशील ऊष्मा संचालन एवं रासायनिक प्रतिक्रिया का अस्तित्व में छिद्रयुक्त माध्यम में सूक्ष्म तरल पदार्थ का प्लेट के ऊपर चुंबकीय अरेखीय ऊष्मा विकिरण ऊष्मा स्थानांतरण' गोपीनाथ मंडल, परिवेशी ऊर्जा का अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, पृ. 1-11, 2019.
- 'ऊष्मा विकिरण के साथ गैर-न्यूटोनियन जेफरी सूक्ष्म द्रव्य पदार्थ के ऊपर बहिवेंधन फैलाव पत्र एवं असामान्य ऊष्मा स्त्रोत। सिंक का ऊष्मा एवं वृहद स्थानांतरण' गोपीनाथ मंडल वैचारिक ऊष्मा विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। डीओ आई: 10.1615 / कंप्यूटर ऊष्मा विज्ञान. 2020025241, 2020.

विभाग द्वारा बनाया गया नवीन कोर्स / पाठ्यक्रम या अन्य कोई शिक्षण नवाचार का समावेश–

2009-10 अकादमिक वर्ष से शिक्षा सत्र ने 2 वर्ष पूर्व-डिग्री कार्यक्रम शुरु किया। संस्थान ने वर्तमान अवसंरचना में सुधार हेतु योजना बनाया जिससे छात्र-शिक्षक संवाद बेहतर हो सके। छात्रों को ऐसा माहौल दिया जाए जिससे वे अन्य गतिविधियों के साथ-साथ संगीत, ललितकला एवं अन्य कला के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा निखार सके। विभिन्न विषयों में छात्रों द्वारा नियमित संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन संस्थान के आनेवाले पाठ्यक्रम का हिस्सा होगा।

शिक्षा सत्र : कवि का विद्यालय

1 जुलाई, 1924 ई. में शिक्षा सत्र की शुरूआत की गई थी जो कि विश्वभारती का एक अभिन्न अंग है। यह कवि का स्कूल है जिसकी शुरुआत संतोष चंद्र मजुमदार के निवास स्थान पर प्रारंभ की गई। उनके ऊपर ही विद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी दी गई थी। 1926 ई. में इनकी अचानक मृत्यु होने के कारण उक्त विद्यालय का स्थानांतरण 1927 ई. में श्रीनिकेतन के पल्ली संगठन विभाग प्रभार के तहत कर दिया गया।

रवीन्द्रनाथ का ऐसा मानना था कि शिक्षा सत्र एक ऐसा विद्यालय होगा जो कि छात्रों में मानवता जीवन के सभी पहलुओं को पूर्णता प्राप्त कर सके। तद्नुसार शिक्षा सत्र टैगोर के स्वप्नों को पूरा करने में अपनी भूमिका निभा रहा है। शिक्षा सत्र का प्राथमिक उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से किसी एक के जीवन को उजागर करना एवं सभी आपातस्थिति में मस्तिष्क बुद्धिमत्ता को प्राप्त कर सके, और उसके जीवन एवं जगत के बीच स्वर की समता का पूर्ण सामंजस्य बना रहे। कवि स्वीकार करते हैं कि, '... मैं स्वयं शिक्षा सत्र के शैक्षणिक संभावनाओं के महत्व से अधिक जुड़ा रहा। यहाँ तक कि शांतिनिकेतन के स्कूल एवं महाविद्यालय से भी ज्यादा, जो प्रत्येक दिन इस देश के बहुत सारे स्कूल एवं महाविद्यालय से भी ज्यादा

पसंद था : पक्षी रुपी छात्रों के मस्तिष्क को कैद से आजाद करो जिसकी आत्म मूल्य मिट्टी के इस शैक्षणिक व्यवस्था वाह्य द्वारा विहित पाठ से यांत्रिक दुहराव के अनुसार निर्णय लिया जाता हो।' उन्होंने कल्पना किया कि 'कवि का विद्यालय' एक दिन उनके स्वप्न की अनुभूति कराएगा।

सन् 1925 ई. में महात्मा गांधीजी ने शिक्षा सत्र का भ्रमण किया और इसके क्रियाकलाप से इतने प्रसन्न थे कि शिक्षा सत्र के प्रधान शिक्षक की सेवा लेने की इच्छा प्रकट किए ताकि उनके द्वारा चलाए गए बुनियादी शिक्षा को सही रुप दिया जा सके। सन् 1937 ई. में महात्मा गांधी ने बूनियादी शिक्षा की शुरुआत किए थे। शिक्षा सत्र के गतिविधियों एवं रवीन्द्रनाथ के आदर्शों ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि गांधीजी ने अपनी बुनियादी शिक्षा के संदर्भ में चिंतन मनन किया।

यद्यपि शिक्षा सत्र का अपना कोई पाठ्यक्रम (प्रस्तावित पुस्तक) नहीं था। यहाँ पर साहित्य सीखने की स्वतंत्रता, गणित, कृषि, पशु पालन, संगीत, चित्रकला, मिट्टी का बर्तन बनाना, बुनाई, प्रकृति अध्ययन एवं स्वास्थ्य तथा आरोग्यशास्त्र की शिक्षा दी जाती है। स्कूल पूरी तरह से आवासीय है एवं छात्र सभी परम्परा का पालन करते हैं जैसे कि– खररीदारी, हिसाब रखना, खाना बनाना एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखना। छात्रों द्वारा किसी भी शिल्प विषय में दक्षता प्राप्त करने पर उन्हें रोजगार अवसर के रुप में मेहनताना दिया जाता है। सन् 1924 से 1940 तक शिक्षा सत्र से संबंधित गतिविधियों के तहत अनेक शैक्षणिक प्रयोग किए गए। यद्यपि, औपचारिक शिक्षा हेतु अभिभावकों का इतना दवाब बढ़ गया कि शैक्षणिक स्तर को बदलना पड़ा और उक्त अवधि के वाद पुस्तकों को शामिल करते हुए औपचारिक पाठ्यक्रम शुरु करना पड़ा। संसद के अधिनियम 1951 के तहत विश्वभारती को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया जिससे शिक्षा सत्र के शैक्षणिक संरचना में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया। 1954 ई. में आवासीय, सहायता प्राप्त, बालिका विद्यालय को शिक्षा सत्र के साथ विलय किया गया एवं यह स्कूल कक्षा 10 तक परिवर्तित हो गया। अब पाठ्यक्रम में अध्ययन के नए विषय की शुरुआत की गई। सन् 1962 ई. में विश्वभारती के उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र परीक्षा में पहली बार शिक्षा सत्र से छात्र का प्रथम समूह पास किया। स्थानीय गाँव के छात्र के अलावा शहरी क्षेत्र से भी बहुत से छात्र शिक्षा सत्र से जुड़ना शुरु हुआ। आवासीय छात्रों को भी स्कूल में भर्ती की जाती है जिसे शिक्षा के परिवर्तित प्रारंभिक संरचना प्रदान की जाती है। सन् 1972 ई. के दौरान आवासीय छात्रों की भर्ती रोक दी गई थी क्योंकि राजनीतिक अस्थिरता के एवं सन् 1976 ई. से शिक्षा सत्र पूरी तरह से गैर-आवासीय विद्यालय बन गया। सन् 1982 ई. में शिक्षा सत्र स्वतंत्रता इकाई बन गया। इसका अपना पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण अधिकार हो गया। 1982 ई. में शिक्षा सत्र मे एनसीसी इकाई का कनिष्ठ प्रभाग खुल गया। 1988 ई. में शिक्षा सत्र के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत श्रीनिकेतन का संतोष-पाठशाला, किंडरगार्टन अनुभाव आ गया। जो बाद में इस संस्थान का अभिन्न अंग बना। शिक्षा सत्र के संदर्भ में आज इसका उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र एवं कार्यप्रणाली कार्य विश्वभारती के तहत शांतिनिकेतन के अन्य संस्थान की तहत समान रुप से एक गैर-आवासीय संस्थान है। जो कई तरह के विभिन्न विषय को पढ़ने की सुविधा दी जाती है। शिक्षा सत्र के छात्र कक्षा 10 के स्कूल

प्रमाणपत्र परीक्षा में उत्तीर्ण होते हैं एवं विश्वभारती द्वारा पूर्व-उपाधि के बाद कक्षा 12 की परीक्षा आयोजित किया जाता है। आज औपचारिक शिक्षा के अलावा छात्रों को सिलाई, काष्ट कार्य, कृषि, कलात्मक हस्तशिल्प, चित्रकला, मिट्टी की मूर्ती बनाना सीखाया जाता है। नृत्य एवं संगीत कक्षाएं संपूर्ण शिक्षा संकल्पना को पोषित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है।

शिक्षा सत्र मॉडल का उद्‌भव :

टैगोर के ब्रह्मचर्याश्रम मॉडल शिक्षा की उत्पत्ति कवि के संवेदनशील मस्तिष्क से हुआ जिसको उन्होंने उस समय के आनंद विहीन प्रणाली की अनुपयोगिता, स्वतंत्रता विहीन, गैर-सृजनशील शिक्षा का अनुभव किया। इस संवेदनशीलता से ही उन्होंने बाध्य होकर शिक्षा को औपचारिक प्रणाली का परित्याग किया। इस संबंध में दैगोर लिखते हैं, ‘‘यदि मैं थोड़ा सा भी कम संवेदनशील होता तो, मैं धीरे-धीरे अपने आप को उस स्थिति के दबाब में ढाल लेता और मेरा विश्वविद्यालय उपाधि अर्जित कर पाता।’’ वह संवेदनशीलता ही कवि की भावना को लगभग चालीस वर्षों तक मजबूत किया जो सन् 1901 ई. में शांतिनिकेतन में प्रयोगात्मक रुप में ‘ब्रह्मचर्याश्रम’ के रूप में देखने को मिलता है। उस समय उनके एक पुत्र समेत 10 बच्चे भी नही थे, जिसे वे आदर्श शिक्षा देना चाहते थे। इस मॉडल को शिक्षा का शांतिनिकेतन मॉडल कहा जा सकता है। उस समय प्रचलित शिक्षा प्रणाली से वे आहत थे। इसलिए उन्होंने औपचारिक शिक्षा का विरोध करते हुए स्कूल शिक्षा का परित्याग किया एवं उन्होंने अपने मॉडल की ओर प्रतिबद्धता दोहराया। उन्होंने इस प्रयोग में अपने पुत्र को भी सम्मिलित किया समय के साथ अनेक बाधाएँ उत्पन्न हुई जिससे उनके प्रायोगिक स्वतंत्रता में कमी आई। अतः अप्रतिबंधित प्रायोगिक स्वतंत्रता का ध्यान रखने हुए उन्होंने 1 जुलाई 1924 ई. में अन्य स्कूल, शिक्षा सत्र की स्थापना की। इसमें 6 गरीब ग्रामीण बच्चे थे। 1941 ई. में उनकी मृत्यु तक यह प्रयोग चलता रहा। इस मॉडल को शिक्षा सत्र मॉडल कहा जा सकता है।

शिक्षा सत्र मॉडल का उद्देश्य एवं इसकी गतिविधियाँ:

गुरुदेव का शिक्षा का उद्देश्य पूरी तरह से मानवता या सामंजस्यपूर्ण एवं सभी मानव संकाय का पूर्ण विकास रहा है। आधुनिक शिक्षाविदों ने कुल मानव संकाय को आर्थिक आधार पर तीन क्षेत्रों में विभाजित किया है। वे हैं: संज्ञान क्षेत्र, प्रभावित क्षेत्र एवं मन: प्रेरक क्षेत्र। लेकिन टैगोर ने दो और क्षेत्र : अचेतन क्षेत्र एवं अध्यात्मिक क्षेत्र समाविष्ट किया तथा सभी क्षेत्र के संकलित समन्वय की वकालत की। टैगोर लिखते हैं: ‘‘बच्चों का अपना सक्रिय अचेतन मन होता है जिसमें आसपास के वातावरण से वृक्ष की भाँति भोजन ग्रहण करने की क्षमता होती है। उनके लिए वातावरण ही सब कुछ है। यह नियम एवं सामग्री, उपस्कर, पाठ्य पुस्तक एवं पाठ से अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए उन्होंने प्राकृतिक वातावरण एवं शिक्षकों के सानिध्य को बहुत महत्व दिया है। अपनी शिक्षा योजना में उन्होंने अचेतन की शिक्षा को मुख्य स्त्रोत माना है।

यदि जीवन का अंतिम लक्ष्य आनंद है एवं शिक्षा लक्ष्य प्राप्ति का साधन है तो यह आंतरिक आनंद

स्त्रोत जो मनुष्य के अंदर देवत्व के रूप में जाना जाता है एवं इसकी अभिव्यक्ति अध्यात्म के अर्थ में हो सकती है। अतः कम से कम भारतीय संदर्भ में शैक्षणिक आदर्श की सैद्धांतिक संपूर्णता हेतु अध्यात्म शिक्षा को नज़र अंदाज नहीं किया जा सकता है। यद्य पदो नई परिकल्पनाएं अचेतन मन की शिक्षा एवं अध्यात्म शिक्षा वर्तमान संदर्भ में अब भी प्रासंगिक है या नहीं है यह विद्वानों के लिए विचारणीय विषय है।

उपर्युक्त पाँच वर्णित क्षेत्र परस्पर जुड़े हैं। ग्रदि हम मानवीय व्यक्तित्व के संपूर्ण मूल संकल्पना का संदर्भ लें। टैगोर ने बच्चों के इन पाँच क्षेत्रों में संतुलित विकास एवं उनके संपूर्ण मानवता की प्राप्ति के लिए कुछ गतिविधियाँ निर्धारित की। इनमें टैगोर की मौलिकता निहित है। विशेष शैक्षणिक गतिविधि एक समय में एक से अधिक क्षेत्र का विकास कर सकती है। अब यदि हम व्यवस्थित प्रायोगिक विधि को आदर्श के रूप में प्रस्तुत करें तो वर्तमान समय की अनिवार्यता का ध्यान रखते हुए आवश्यक परिवर्तन के साथ, विशेष क्षेत्र पर भार की स्थिति के अनुसार, उपयोगिता क्रम में क्षेत्रवार पृथक करने की जरुरत पड़ेगी। मॉडल परिचालन हेतु यह कार्य अत्यावश्यक है। अतः यह सेमिनार में चर्चा का विषय बनाया जाए। फिर टैगोर मॉडल स्कूल की सभी गतिविधियों यथा पाठ्यक्रम, सह-पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर कार्यक्रम को वर्तमान सीमांकन की प्रासंगिकता का ध्यान रखते हुए चर्चा का विषय बनाया जा सकता है।

शिक्षा सत्र में ग्रामीण विस्तारण गतिविधियाँ :

शिक्षा सत्र के एन एस एस इकाई द्वारा प्रत्येक वर्ष कैंप के रूप में अनेक ग्रामीण विस्तारण कार्यक्रम किए जाते हैं। अन्य गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ विनिमय कार्यक्रम का हिस्सा होती है।

भविष्य योजना : स्कूल शिक्षा हेतु शिक्षा सत्र की महत्वाकांक्षा अग्रणी केंद्र बनाना रहा है। यह कुछ प्रमुख पहल की परिकल्पना है जैसे छात्रों के लिए आवासीय सुविधाओं का प्रावधान, खेल-कूद की सुविधा अध्ययतन करना, आत्म निर्भर प्रयोगशाला, इकाई, कक्षाएं लेने हेतु संरचनात्मक विस्तार, वृद्ध शिक्षक कक्ष, एक भाषा प्रयोगशाला सहित एक नई विज्ञान भवन का निर्माण हुआ है। तथापि, कक्षा 10-12 हेतु आधुनिक उपस्कर प्रदान हेतु उचित प्रयोगशाला सुविधा की खरीदारी की जाए। हम इस अकादमिक वर्ष को छोड़कर अपने छात्रों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेंगे।

आवासीय सुविधाएं : शिक्षा सत्र के स्थापना हेतु इसे प्रकृति के बीच में पूरी तरह से पूर्व शर्तों के अनुसार पूर्ण आवासीय बनाया गया। टैगोर की सोच एक स्कूल स्थापित करना है जहाँ युवा शिक्षार्थी प्रकृति के संपर्क में आकर एवं शिक्षक तथा संस्थान के अन्य सदस्य के मार्गदर्शन में आगे बढ़ेंगे। इसके लिए शिक्षा सत्र को पूर्ण आवासीय स्कूल बनाने के लिए एक योजना बनाई है जिसमें करीब 900 बच्चों को छात्रावास सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

खेल परिसर : स्कूल परिसर के अंदर ही एक पृथक खेल परिसर बनाने की योजना है, जिसमें बास्केटबॉल, मैदान, मल्टीजिमनैजियम वं फुटबॉल तथा वालीबॉल मैदान होगा।

प्रयोगशाला : शिक्षा सत्र की भावी योजना है कि भूगोल, भोतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान का पूर्ण सुसज्जित प्रयोगशाला हो, जिससे कि कक्षा 11 एवं 12 के छात्रों को सीखने की सुविधा मिल सके। एक गैस प्लांट इकाई रसायन विज्ञान हेतु स्थापित किया जाएगा।

भाषा प्रयोगशाला : छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान हेतु अंग्रेजी भाषा प्रयोगशाला स्थापित करने की लम्बे समय से योजना चल रही है।

कंप्यूटर प्रयोगशाला : वरिष्ठ छात्रों के लिए पूर्ण रुप से सुसज्जित कंम्पूटर प्रयोगशाला का निर्माण किया जाएगा।

पुस्ताकालय : शिक्षा सत्र की योजना एक नये पुस्तकालय की स्थापना करने की है, जिसमें छात्रों के लिए सभी सुविधाएं सुलभ कराई जा सके।

खिलौना संग्राहालय : पाठ भवन के केजी छात्रों के लिए खिलौना-संग्रहालय की स्थापना की जाएगी।

अन्य शैक्षणिक केंद्र

राजभाषा प्रकोष्ठ

विश्वभारती में भारत सरकार की राजभाषा नीति को लागू करने के लिए, मार्च 1993 में राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी।

राजभाषा प्रकोष्ठ के दो कार्य हैं।

1. कार्यान्वयन कार्यक्रम
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. कार्यान्वयन कार्यक्रम :

यह प्रकोष्ठ का प्रशासनिक हिस्सा है। भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित नियम और विनिमय समय-समय पर लागू किया जाता है जो क्षेत्र सी से विश्वभारती संबंध है। प्रकोष्ठ अनुवाद मामलों में अन्य विभागों को सहायता प्रदान करता है।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार की कार्यान्वयन नीति का पहला कार्यक्रम है हिंदी में कामकाजी ज्ञान प्राप्त करने के लिए ग्रेड सी के बाद से सभी गैर हिंदी भाषी कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में अनिवार्य प्रशिक्षण दिया जाता। विश्वभारती ने भी जुलाई, 1994 से इस तरह के कार्यक्रम की शुरूआत की है। विश्वभारती के पास इलाके में राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षण के लिए पूर्ण कालिक केंद्र है। विश्वभारती ने अन्य केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों-सदस्यों को भी शामिल किया है। जुलाई-दिसंबर, 2001 से हिंदी में काम का ज्ञान प्राप्त करने के लिए राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षण के लिए बोलपुर में संगठन स्थापित है। यह 2002 से 2005 तक गैर-कार्यात्मक था। इसने 2006 से फिर से कामकाज शुरु किया है।

गतिविधियाँ:

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 31 कर्मचारी-सदस्यों ने भारत सरकार की हिंदी शिक्षण योजना के निर्धारित पाठ्यक्रम (प्राज्ञ) को पूरा किया। वर्ष 2019-20 के दौरान विश्वभारती, शांतिनिकेतन केंद्र द्वारा आयोजित किया गया।
2. राजभाषा प्रकोष्ठ ने दिनांक 28.05.2019 को विश्वभारती के कुलपति कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित हुई। प्रो. रवीन्द्रनाथ मिश्र, विभागाध्यक्ष, हिंदी, ने बैठक की अध्यक्षता की।
3. दिनांक 24.06.2019 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन हुआ।

4. दिनांक 23.06.2019 एवं 28.09.2019 को कुलपति कार्यालय सम्मेलन कक्ष, विश्वभारती में राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक का आयोजन हुआ।
5. वर्ष 2019-20 हेतु वार्षिक लेखा एवं आंतरिक लेखा रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद किया गया।
6. अरबी, इस्लामिक अध्ययन एवं उर्दू विभाग के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

रवीन्द्र भवन

1 जुलाई, 1942 ई. को रवीन्द्रनाथ की मृत्यु के बाद यथाशीघ्र रवीन्द्र भवन का कार्य प्रारंभ हुआ। रवीन्द्रनाथ के मार्गदर्शन एवं संरक्षण के तहत उत्तरायण परिसर में उद्यन भवन के अंदर उन्होंने अपने पिता से संबंधित पुस्तकें, हस्तलिपि, चित्रकला एवं यादगार से संबंधित टैगोर अनुसंधान केंद्र के विकास एवं निर्माण तथा उत्तरायण परिसर, शांतिनिकेतन स्थान के संग्रहालय में दान कर दिए। पृथक भवन की यथाशीघ्र आवश्यकता होने पर एवं विचित्रा भवन या रवीन्द्र भवन के लिए सन् 1961 ई. में टैगोर के जन्मशताब्दी वर्ष में पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा उद्घाटन किया गया। रवीन्द्र भवन रवन्द्रनाथ टैगोर की पांडुलिपियों, चित्रों, तस्वीरों और व्यक्तिगत सामानों का सबसे वड़ा भंडार है और पूरे भारतवर्ष और विदेशों से पर्यटकों और शोध विद्वानों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसमें टैगोर शोधकर्ताओं और विद्वानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरे वर्ष के दौरान पुरालेख, पुस्तकालय, फोटो आर्काइव एवं रिप्रोग्राफिक यूनिट भी शामिल है। संग्रालय में टैगोर के जीवन एवं कार्य तथा उनके परिवार का विस्तृत विवरण की सूचनाएं भी प्रदान करता है। उत्तरायन परिसर के अंदर उनके पाँच आवासीय घर दुनिया भर के पर्यटकों का आकर्षण का केंद्र बिन्दु रहा है। टैगोर के पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और पत्रिकाओं और चित्रों को संरक्षण एवं बचाव करने के लिए एक संरक्षण इकाई का गठन किया गया है। सन् 1863 ई. में महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर द्वारा निर्मित शांतिनिकेतन गृह, शांतिनिकेतन में सबसे पुरानी इमारत है और सन् 2008 ई, में इसे संग्रहालय में परिवर्तिक कर दिया गया। शांतिनिकेतन गृह की तरह ही लिपिका हस्तलिपि संग्रहालय, बांगलादेश भवन भी रवीन्द्र भवन के अधिकार क्षेत्र में आता है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में रवीन्द्र भवन के उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया गया है।

संग्रहालय :

रवीन्द्र भवन संग्रहालय रवीन्द्रनाथ टैगोर के जीवन पर आधारित संग्रहालय में दिनांक 31.03.2020 तक लगभग 4385 इतिवृत एवं कलाकृतियों का भव्य संग्रह है। इस संग्रह के अलावा बहुत से गैलरी भी प्रदर्शन के लिए है एवं बाकी सभा संग्रह को संग्रहालय भण्डार एवं कोष कक्ष में संरक्षित किया गया है। प्रधान गैलरी रवीन्द्रनाथ टैगोर के जीवन पर आधारित है और विचित्रा भवन की प्रथम मंजिल पर अवस्थित हैं। विचित्रा की गीतांजली गैलरी का भूतल रवीन्द्रनाथ के नोबेल-विजेता गीतांजली कविताओं की पुस्तक पर एक विशेष गैलरी है। रवीन्द्रनाथ के छः ऐतिहासिक घरों एवं उनके परिवार सेउत्तरायण रवीन्द्र भवन उनके पिता महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर के जीवन पर आधारित दो गैलरी (देवेन्द्र कक्ष) एवं उनके ज्येष्ठ भाई द्विजेन्द्रनाथ टैगोर (द्विजेन्द्र कक्ष) शांतिनिकेतन गृह में स्थापित किए गए हैं। टैगोर परिवार से दो प्रसिद्ध महिला के नाम पर पृथक गैलरी– 'ठाकुर बाड़ीर सीमन्तिनीरा' (विश्वभारती से ब्रह्म विद्यालय) एवं ब्रह्म विद्यालय से विश्वभारती गीतांजली गैलरी के अलावा इन दो गैलरी का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा, गुहगार जो उनके ज्येष्ठ पुत्र कलाकार रथीन्द्रनाथ टैगोर का शिल्पशाला है जो लीमैथ के आधार

पर संग्रहालय का रूप ले चुका है।

इस संग्रहालय में (अप्रैल 2019-मार्च 2020) आनेवाले दर्शकों की संख्या :

व्यस्क दर्शक : 176519, छात्र दर्शक : 58562, विदेशी दर्शक : 634

रवीन्द्रनाथ टैगोर पर आधारित विविध अनुस्मरणीका बिक्रय कर कुल रु. 8,18,800/- संग्रहालय दुकान ने अर्जित की।

पुरालेख:

रवीन्द्र भवन पुरालेख टैगोर के मूल पांडुलिपियों, पत्राचारों और चित्रों का सबसे बड़ा भंडार है, जो दुनिया भर के टैगोर पारखी द्वारा उपहार में दिए गए हैं। पुरालेख का केन्द्र बिंदु टैगोर अनुसंधान के गतिविधियों से संबंधित है। देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों के 152 विद्वानों ने वित्तीय वर्ष (2019-20) के दौरान अभिलेखागार का दौरा किया। वर्तमान में इकाई ने (डीवीडी, जेपीईजी एवं टीआईएफएफ) विद्वानों के लिए अनुसंधान उद्देश्य और प्रदर्शनीयों के लिए एक डिजीटल इमेज प्रदान किया है। मूल दस्तावेजों को पर्यावरण-नियंत्रित रवींद्र भवन के कोष कक्ष में संरक्षित किया जा रहा है।

अभिलेखागार अनुभाग को अधिक विद्वान-अनुकूल बनाने कि लिए, प्रत्येक पंजीकृत उपयोगकर्ता के लिए जुलाई 2018 में स्मार्ट कार्ड पेश किया गया है। प्रत्येक विद्वान के लिए अलग-अलग फाइलें पेश की गई है: दस (10) कंम्पूटर टर्मिनल को एन-कंम्पूटिंग उपकरण के माध्यम से जोड़ा गया है। टैगोर के सभी इकाई एवं अभिलेखागार सेवा के रूप में अन्य को डिजीटल फोटोकॉपी में दर्शाया गया है, अभिलेखागार सामग्री के अतिरिक्त फोटोकॉपी (जीरॉक्स) एवं 'पाठ भवन प्रतिवेदन खाता' को ओवरहेड आधिकारिक स्कैनर के द्वारा स्कैंड किया जा रहा है। अभिलेखागार में एक सप्ताह के कुछ दिनों के लिए तत्काल आधार पर विद्वानों का अस्थायी पंजीकरण प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा रवीन्द्र भवन के पुस्तकालय डिजिटल संग्रह अभिलेखागार के सर्वर में संग्रहण किया जाता है। यूनिट ने अतिरिक्त संग्रह (कैटलॉग-15) के वर्णनात्मक कैटलॉगिंग के पहले भाग को पहले ही पूरा कर लिया है। यूनिट अतिरिक्त संग्रह के दूसरे भाग को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में है। कैटलॉग (सार कैटलॉग) का एक संशोधित संस्करण भी प्रकाशन करने के लिए तैयार किया जा रहा है। रवीन्द्र भवन अभिलेखागार रवीन्द्रनाथ के जीवन एवं कार्य के ऊपर चिह्नित एवं सामग्री प्रदान करते हूए आंतरिक शृंखला में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। फाइलों की प्रतिलिपि (विभिन्न स्त्रोतों से अभिलेखागार सामग्री प्राप्त किया जो फोटोकॉपी युक्त है) लिस्टिंग एवं सूचीकरण की प्रक्रिया प्रगति पर है।

प्रदत सेवा :

क्र. सं.	विवरण	गतिविधि/टिप्पणियाँ
01	स्मार्ट कार्ड पंजीकरण	152
02	अभिलेखागार में शोधकर्ता की संख्या	532

क्र. सं.	विवरण	गतिविधि/टिप्पणियाँ
03	अस्थायी पंजीकरण	79
04	अलग-अलग समय पर प्रदान की गई मोबाईल/ई-मेल सूचना संबंधित शोधकर्ताओं/अनुसंधानकर्ताओं/उपयोगकर्ताओं	100 बार
05	पांडुलिपियों को साफ किया	20
06	उपयोगकर्ताओं को दिए गये प्रिंट-आउट	400
07	विद्वानों/शोधकर्ताओं/कार्यालयीन उद्देश्य हेतु सीडी/डीवीडी/पेन ड्राइव में छवि स्थानांतरण की संख्या	200
08	डिजिटल डेटा संरक्षण हेतु टीआईएफएफ प्रारुप में बाह्यहार्ड ड्राइव में डीवीडी स्थानांतरण की संख्या	100
09	कोष कक्ष की निगरानी/सापेक्ष आद्रता एवं तापमान की रिकॉर्डिंग एवं निगरानी	प्रत्येक कार्य दिवस में कम से कम 02 बार
10	अभिलेखीय तस्वीर की फाइल (प्रति) का अंकीयकरण	200 फाइल
11	अभिलेखागार में डिजिटल तस्वीर दिखाया गया है	12
12	सीडी (पुस्तकालय संग्रह) की संख्या को सर्वर में स्थानांतरित किया गया	50

ऑडियो-विजुअल एवं रिप्रोग्राफिक यूनिट:

रिप्रोग्राफिक और ऑडियो-विजुअल इकाई ने रवीन्द्रनाथ टैगोर की तार, फीता, स्पूल, एवं डिस्क में आवाज रिकॉर्डिंग की है। यह तस्वीरें, सीडी/डीवीडी (श्रव्य एवं दृश्य), समकालीन डिजिटल तस्वीरें, रंगीन स्लाइड, माइक्रोफिल्म नेगेटिव, विएचएस तथा छोटा डीवी कैसेट्स और इसी तरह के संग्रह नेगेटिव में भी हैं। रवीन्द्रनाथ एवं शांतिनिकेतन के चित्रित फिल्म को यहां टैगोर के कहानी एवं कविता पर आधारित फिल्म को संरक्षित किया गया है। ग्रामोफोन डिस्क एवं टैगोर के गीतों के ऑडियो-कैसेट, विभिन्न कलाकारों द्वारा गाए गए ऑडियो संग्रह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस इकाई में रवीन्द्रनाथ की चित्रों की रंगीन पारदर्शिता एवं उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल छवियों का सेट भवन में है। इकाई में एनजीएमए (नई दिल्ली और बैंगलोर), रवीन्द्र भारती, भारतीय संग्रहालय एवं ललितकला अकादमी (कोलकता) के टैगोर के चित्र संग्रह की उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल छवियां भी हैं।

विश्वभारती में रवीन्द्र भवन के नियमित कार्यों के अलावा, कार्यक्रम, उत्सव और त्योहारों के कवरेज, तथा इकाई में विवाईपी के फोटो और विडियो कवरेज का भी दस्तावेजीकरण किया गया। भारत के उपराष्ट्रपति माननीय श्री एम. वेंकैया नायडू, माननीय राष्ट्रपति, श्री रामनाथ कोविंद, बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री जगदीप घनकड़, मेघालय के माननीय राज्यपाल तथागत राय, ने उक्त भवन के दौरे पर आए हैं।

फोटोग्राफिक डिजिटलीकरण एवं फोटोग्राफीक की होल्डिंग्स का डिजिटल वर्णनात्मक डेटा कैटलॉक का संकलित कार्य प्रगति पर है।

इकाई का नियमित कार्य (रिप्रोग्राफिक एवं श्रव्य-दृश्य इकाई) :

1. ऑडियो रिकॉर्डिंग (विश्वभारती कार्यक्रम एवं त्योहार सहित विश्वभारती व्याख्यानमाला एवं संगोष्ठी) : 1229 मिनट
2. वीडियो रिकॉर्डिंग (विश्वभारती कार्यक्रम एवं त्योहार, संगोष्ठी इत्यादि) : 2931 मिनट
3. स्टिल फोटोग्राफी (विश्वभारती कार्यक्रम त्योहार एवं अन्य कार्यक्रम) : 14,592 फोटो
4. संग्रहण वस्तुओं का डिजिटलीकरण : 84 वस्तुएं एवं 354 फोटो
5. श्रव्य-दृश्य सेवा के लिए विद्वानों को प्रदत्त की गई : 1500 मिनट (लगभग)
6. रवीन्द्र भवन के ए/वी इकाई से निर्गत प्रिंट : 302 संख्या
7. फोटोग्राफी/पुस्तक/नेगेटिव स्कैन किए गए : 200 चित्र
8. रवीन्द्र भवन एवं विश्वभारती के विभिन्न कार्यक्रम के लिए श्रव्य-दृश्य उपस्कर की व्यवस्था : 2000 मिनट (लगभग)
9. शांतिनिकेतन परियोजना के ओरल हिस्ट्र हेतु साक्षात्कार : 1324 मिनट में 17 साक्षात्कार

इकाई का नियमित कार्य (चित्र-अनुभाग) :

1. उपस्थित विद्वानों की संख्या : 108 विद्वान
2. डिजिटल चित्र विद्वानों को सीडी/पेन ड्राइव/ई-मेल के द्वारा दिए गए :721 चित्र
3. विश्वभारती के विभिन्न विभागों के डिजिटल चित्र दिए गए : 303 चित्र
4. फोटोग्राफिक संग्रह का वर्णनात्मक सूची रु. 18 प्रति से पूर्ण हुआ 1128 छवि
5. टांतरिक प्रदर्शनी एवं दृर्धा हेतु : 171 चित्र
6. अभिलेखागार फोटोग्राफी का वर्णद विद्वानों को दिए गए : 1255 चित्र
7. शम्भू साहा संग्रहालय हेतु एक सूची तैयार की गई

प्राप्त पुरस्कार : 1. श्रव्य-दृश्य सीडी एवं डीवीडी : 3, 2. फोटोग्राफ : 3

पुस्तकालय : भाग ए

1. **दस्तावेजों का अधिग्रहण :**

वस्तुओं के नाम **वस्तुओं की संख्या**		**पुस्तक**	**पत्रिकाएँ**	**अन्य (पत्रिका को छोड़कर) पुस्तिका**
शुरुआती वर्ष (01.04.2019)		आरबी 48478	लेखा सं. 13856	लेखा सं. 1963
वर्ष के दौरान जोड़ा गया	क्रय	265	45	–
	उपहार	यूजी 1498-यूजी 2163 666	53	24
अंतिम वर्ष (31.03.2020)		आरबी 48742	13954	1986

2. **वर्ष 2019-2020 के अनुसार पुस्तकालय में पुस्तक एवं पत्रिका की संख्या :**

क्र. सं.	**विषय**	**2019-2020**	
		पुस्तकें	**पत्रिकाएँ**
01	भाषा		
02	मानविकी और सामाजिक विज्ञान		
03	विज्ञान		
04	गृह विज्ञान		
05	कंप्यूटर विज्ञान		
06	वाणिज्य एवं प्रबंधन		
07	शिक्षा		
08	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी		
09	चिकित्सा विज्ञान		
10	कृषि विज्ञान		
11	पशु चिकित्सा विज्ञान		
12	विधि		
13	अन्य, (कृपया निर्दिष्ट करें) रवीन्द्र साहित्य और रेफरी पुस्तकें	931	99
	कुल	**931**	**99**

3. **भाषानुसार वर्ष 2019-2020 मे पुस्तकों एवं पत्रिकाओं का अधिग्रहण संख्या :**

क्र. सं.	भाषा	2019-2020	
		पुस्तकें	पत्रिकाएँ
01	अंग्रेजी	166	24
02	हिंदी	4	–
03	प्रादेशिक/बंगला	754	75
04	अन्य	7	–
	कुल	**931**	**99**

4. **वर्ष 2019-2020 के दौरान पत्रिकाओं की स्थिति :**

पत्रिका सदस्यता के दौरान वर्ष (कृपया सूची संलग्न करें, एक पृथक पत्र में) वर्तमान शीर्षक	उपाहार स्वरुप पत्रिकाओं का प्राप्त शीर्षक
संलग्न भाग ए	संलग्न भाग ए

भाग- बी निधि एवं इसकी उपयोगिता :

1. **वर्ष 2019-2020 के दौरान बजट शीर्षवार आवंटन एवं व्यय :**

बजट शीर्ष	स्वीकृत राशि (रु.)	पुस्तक हेतु		पत्रिका हेतु		फर्नीच र हेतु व्यय राशि रु.
		क्रय की कई पुस्तकों की संख्या	राशि रु.	पत्रिका शीर्षक सदस्यों की संख्या	राशि रु.	
वार्षिक अनुदान (पूंजी)	1 लाख	201	1017 99/-	–	–	40,000/-
राजस्व बजट	50,000/-	–	–	–	–	50699/- (आकस्मिक)
अन्य (कृपया उल्लेख करें	30,000/- (वार्षिक अनुदान दूसरा किस्त	64	3460 4/-	–	–	40,000/-

केंद्रीय पुस्तकालय से प्राप्त/खरीद फर्निचर, कंप्यूटर (इत्यादि के मामले में, कृपया केवल प्राप्त करने पर, मद, संख्या, दिनांक का उल्लेख करें।	दिनांक 06.01.2020 को प्राप्त कंम्पूटर, स्कैनर, यूपीएस, सीडी ड्राइव।

2. पुस्तकालय संग्रह के सूची प्रक्रिया की स्थिति :

पुस्तकालय संग्रह	वर्ष 2019-2020 के दौरान ग्रंथ सूची		वर्ष 2020-21 के दौरान अपूर्ण ग्रंथ की सूची	
	हाथ से	मशीन से	हाथ से	मशीन से
पुस्तकें	–	1295 (लगभग)	–	870
पत्रिकाएँ	–	–	–	–

भाग- सी – वर्ष 2019-20 के दोराना पुस्तकालय का उपयोग :

1. नियमित पुस्तकालय सदस्य एवं पुस्तकालय का उपयोग (केवल संख्या में)

उपयोगकर्ता पात्र	शिक्षक	विद्वान	छात्र	स्टॉफ	विश्वभारती सहित अन्य सदस्य	कुल योग
कुल पंजीकृत सदस्य	56	296	26	13	20	411

2. वर्ष 2018-2019 के दौरान उपयोगकर्ता 9स्पष्ट रूप से) द्वारा प्रदत्त सेवाएँ :

सेवाएँ	शिक्षक	शोधार्थी	छात्र	स्टॉफ	विश्वभारती सहित अन्य सदस्य	कुल योग
दिए गए	}					**सीएल द्वारा पुनः प्राप्त किया ग्या, पुस्तकालय प्रणाली से**
वापसी	} रवींद्र भवन के अनुसार पुस्तकालय प्रवेश बंद है, दिया जाना/वापसी नहीं है					
संदर्भ सेवाएँ						**4958**

3. विशिष्ट आगंतुक/उपयोगकर्ता (गैर-सदस्य, अंकों में)

अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय/अन्य राज्य	पश्चिम बंगाल	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रतिभागी	अस्थायी उपयोगकर्ता (छात्र)	अस्थायी उपयोगकर्ता (विद्वान)	अन्य कोई
12	9	45				1363 (कुल)

भाग डी : पदनाम एवं अर्हता सहित स्टॉफ संख्या (पृथके पत्र में) :

भाग ई : पुस्तकालय स्टॉफ द्वारा प्रकाशन एवं संगोष्ठी/सम्मेलन, कार्यशाला में उपस्थित होना (ई-मेल ncsaha.72@gmail.com) के द्वारा हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी हेतु पृथक पत्र में भेजे जाएँ।

भाग एफ : पुस्तकालय का फर्श विस्तार (वर्ग मीटर) : **508.365 वर्ग मी.**

भाग जी : अध्ययन कक्ष हेतु पृथक प्रावधान? **हाँ**

भाग एच : भौतिक सत्यापन हेतु सूचना

वर्ष 2019-20 के दौरान भौतिक दस्तावेजों का सत्यापन ग्रंथ	सत्यापन रिपोर्ट की स्थिति	वर्ष 2020-21 के दौरान भौतिक दस्तावेजों का सत्यापित की गई ग्रंथ
8431	—	6235

लिपिका पांडुलिपि :

लिपिका पांडुलिपि, 12500 से अधिक पांडुलिपि के संग्रह के साथ पांडुलिपि अध्ययन एवं लिखित विरासत के संरक्षण के लिए एक केंद्र है, जो संस्कृत, बंगला, ओड़िया, तिब्बती, अरबी-फारसी और तमिल जैसे विभिन्न भाषाओं और पुरातन लिपियों से संबंधित है। इसके अलावा इस पांडुलिपि के पास सुरुल जमींदारों के पुराने जमीन के रिकॉर्ड और जयदेव कुंदुली (महंत हरिकांत सराना देव ब्रजबासी, निंबालिका आश्रम) के पुराने जमीन के रिकॉर्ड पर गर्व है। हस्तलिपि पॉल-लीफ, टेरेट पॉप लीफ, संचितिप और टॉयलेट पेपर (पुराने हस्तनिर्मित कागज) में। कुछ पांडुलिपि अपनी विशिष्ट पाठ विशिष्ठा हेतु असाधारण ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व रखता है। पांडुलिपियों निवारक और उपचारात्मक संरक्षण, परीक्षण, पहचान, स्वं अंकन, अधिग्रहण संख्या के अनुसार देर में पांडुलिपि की व्यवस्था, हाथ की सूची तैयार करना, वर्णनात्मक सूची तैयार करना, उपयोगकर्ता गितिविधियों को बढ़ावा देना एवं पांडुलिपि का संपादन करना पांडुलिपि के उद्देश्य से केंद्र द्वारा किया जाता है। केंद्र अनुसंधान से संबंधित सामाजिक प्रदर्शन भी पांडुलिपि में प्रदान करता है।

संरक्षण इकाई:

पुराना अभिलेखागार, दुर्लभ, भंगुर एवं फटा पुस्तक एवं संग्रहालय की वस्तु के संरक्षण आवश्यकता की इस इकाई में देखरेख किया जाता है। इस इकाई में पुस्तकों का धूमन, पृष्ठ अंकन, डी-अम्लीकरण, ऊतक, विपाटन, ऊतक मरम्मत एवं जिल्द साज का कार्य किया जाता है।

क्र. सं.	विशेष रूप से	पुस्तक/अन्य की कुल संख्या	पृष्ठों कुल संख्या	पत्रक की कुल संख्या	उपचार
01	उत्तक परतबंदी	7	922		पी.एच. परीक्षण, अम्ल उदासीनीकरण एवं प्रयुक्त संरक्षण प्रक्रिया
02	अभिलेख पुस्तक जिल्दसाज	10			अभिलेखागार जिल्दसाज प्रक्रिया (चर्म)
03	पुस्तक जिल्दसाज	240			सामान्य जिल्दसाज प्रक्रिया
04	समाचार पत्र कतरन	-			मुहर बद्ध कतरन तिथि,

क्र. सं.	विशेष रुप से	पुस्तक/अन्य की कुल संख्या	पृष्ठों कुल संख्या	पत्रक की कुल संख्या	उपचार
					हस्तनिर्मित पत्र पर चिपकाना एवं सील एवं संख्या द्वारा निशान लगाना
05	जिल्दसाज पत्र कतरन				
06	आवरण जिल्दसाज				हस्त निर्मित कागज से सामान्य जिल्दसाज
07	जिल्दसाज पुस्तक हेतु उत्तक				जिल्दसाज पुस्तक हेतु उपयोगी आवश्यकता अनुसार उत्तक
08	संपूर्ण भवन के आवश्यक एवं सहायता हेतु विविध कार्य, दिन प्रतिदिन सिलाई कार्य				

अनुसंधान संबंधी गतिविधियाँ :

1. सन् 1878-1912 ई. तक कालानुक्रमिक रवीन्द्र प्रतिभा के चार ग्रंथों की तैयारियां सहित अभिलेखागार एवं पुस्तकालय, संपादक एवं प्रूफ शुद्धता से पत्र संग्रह का कार्य किया गया।
2. छात्रों, शिक्षकों वं आश्रमों के द्वारा पूर्वतन लिखावट पत्रिका की रचना शांतिनिकेतन ब्रह्मचर्याश्रम: बगान (पूर्व कार्य), शांति (कार्य प्रगति के तहत है)।
3. लिपिका पांडुलिपि संग्रह से बंगला शब्दकोस प्राप्त कर हस्तलिफिकत पांडुलिपि टंकण।
4. चिट्ठीपत्र (खण्ड-20) ग्रंथ प्रस्तावना हेतु निर्मल कुमारी महालोविस वं रवीन्द्रनाथ के बीच पत्राचार का टंकण, संपादन एवं प्रूफ देखने का कार्य किया गया।
5. प्रबोधचन्द्र सेन द्वारा भारतवर्षीय जातीय संगति का संपादन कर पुनर्मुद्रण हेतु तैयार किया गया।
6. निर्मलचन्द्र चट्टोपाध्याय का साहित्यिक कार्य का संकलन एवं संपादन कार्य प्रगति पर है।
7. जे.डी. एन्ड्रसन द्वारा लिखित रवीन्द्रनाथ को पत्र का टंकणपूर्ण हुआ।

आयोजन :

रवीन्द्रभवन अपने संग्रहालय के आगंतुक वाह्य कार्यक्रम के रूप में निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया :

1. कबीर एवं रवीन्द्रनाथ: श्याम चौधरी ओरनॉब, सुनिधि नायक एवं मुर्शिदाबादी द्वारा गायन।
2. 'गौर परांगन गोरा' पर पुस्तक लोकार्पन एवं चर्चा।
3. रिताप भट्टाचार्य एवं प्रियम मुखोपाध्याय द्वारा रवीन्द्रनाथ के गीत।
4. अमार रवीन्द्रनाथ : बिजय कुमार सिंह द्वारा रवीन्द्रनाथ के गीतों द्वारा विभाष राय चौधरी एवं तन्मय चक्रवर्ती द्वारा वार्ता।
5. अमार रवीन्द्रनाथ : बिनायक चट्टोपाध्याय एवं पायल सेनगुप्त द्वारा वार्ता।
6. गीतबिथिकार गान : सुजयप्रसाद चट्टोपाध्याय, रितपा भट्टाचार्य एवं प्रियम मुखोपाध्याय द्वारा रवीन्द्रनाथ के गायन वं पाठ।
7. तुमार सोंगे प्राणेर खेला : सुमन राय एवं सीतशु तोग्वा द्वारा नृत्य अभिनय।
8. भानुसिंहेर पदावली : देवाशीष दास द्वारा निर्देशित नृत्य अभिनय।
9. जोखोन एसेची ओंधकार : सुमा बंद्योपाध्याय वं ध्रुवज्योति नंदी द्वारा रवीन्द्रनाथ के गायन एवं पाठ।

मौखिक इतिहास परियोजना

कई वर्षों तक शांतिनिकेतन एवं विश्वभारती के मौखिक इतिहास की रिकॉर्डिंग की शुरूआत रवीन्द्र भवन द्वारा किया गया। अप्रैल 2019 एवं 2020 के तहत निम्नलिखित व्यक्ति का साक्षात्कार हुआ : प्रो. जोश पेज़, डॉ. मार्टिन केम्पचेन, श्री गौतम भट्टाचार्य, प्रो. सुनिति कुमार पाठक, प्रो. अनुपम गुप्ता, श्री अनथनाथ दास, श्रीमती मंजुश्री सोरेन, श्रीमती उमा सेन, प्रो. अल्पना राय, श्री बिजय कुमार सिंह, प्रो. उमा सेनगुप्त, प्रो. रजत कांत राय, श्री साधुरंजन मुखोपाध्याय, डॉ चित्रलेखा चौधरी, श्री प्रद्युत प्रमाणिक, प्रो. सुशांत दत्तगुप्त, प्रो. कटलेन ओं कॉनील।

विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क (केन्द्रीय पुस्तकालय)

विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क की उत्पत्ति का सुराग रवीन्द्रनाथ टैगोर से लगाया जाता है, जो 1913 में नोबेल पुरस्कार प्राप्ति के बाद 1921 में महाविद्यालय (विश्वभारती) नाम से शुरू किए, जिसे पुस्तकालय के रूप मे विकसित किया गया और इसे अच्छी देखभाल के साथ समृद्ध किया गया। 1941 ई. में गुरुदेव की मृत्यु पर, इस पुस्तकालय में उनका व्यक्तिगत संग्रह जोड़ा गया। वर्तमान में, पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्रीय पुस्तकालय से 13 अनुभागीय (भवन) पुस्तकालय और 30 संगोष्ठी पुस्तकालय शामिल हैं। इस प्रणाली में सभी पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित एवं नेटवर्कयुक्त हैं।

27 X 7 में ई-संसाधनों की पहुँच के लिए दूरस्थ पहुँच (खुला एथेंस) और खोज सेवाएं तथा साथ ही आवश्यक संसाधनों की खोज करने के लिए तत्वरित एवं सरल संसाधन की आवश्यकता है।

पुस्तकालय प्रणाली (पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर) के सभी मॉड्यूल केंद्रीय पुस्तकालय के साथ-साथ अनुभागीय पुस्तकालयों में भी प्रचलन परिचालन में रहे हैं।

पुस्तकालय एवं इसके उपयोगकर्ताओं के बीच निर्बाध संयोजन (व्यक्तिगत पुस्तकालय सदस्यता लेखा के वेबओपेक खोज एवं स्थिति हेतु) को निष्पादित करने के लिए पुस्तकालय एप्स परिचालन (हथेली पर पुस्तकालय या मोबाइल पर पुस्तकालय) की शुरुआत हुई।

डिजिचाइजट संसाधनों के अपलोडिंग को पूरा करने के लिए 29689 पुस्तक सहित केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तक, कला भवन पुस्तकालय, रवीन्द्र भवन पुस्तकालय एवं संगीत भवन पुस्तकालय को शामिल किया गया है।

पुस्तकालय का कम उपयोग करने कि लिए पुस्तकालय सेवाएं और संसाधनों पर क्यूआर कोड को उपयोगकर्ताओं के समुदाय को प्रोत्साहित किया गया।

शोध गंगा (शोध में भारतीय अनुसंधान का प्रस्ताव) डेटाबेस में अनुसंधान प्रस्ताव अपलोड करने के साथ-साथ शोधगंगोत्री (भारतीय अनुसंधान के कोष में प्रयोग) डेटाबेस में पीएचडी अपलोडिंग जारी है।

पुस्तकालय ने राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय में हिस्सा लिया, जो भारतीय पुराने और दुर्लभ संग्रहों को पूर्णत: डिजिटाइज्ड संसाधनों की सरल और सुगम पहुँच सुनिश्चित हुआ। इस उद्देश्य हेतु 800 से अधिक लॉगिन सृजित किया गए। विश्वभारती डिजिटल पुस्तकालय को एनडिएल के साथ जोड़ने का काम चल रहा है। शोध और अन्य प्रकाशनों के लिए समान/महत्व की मात्रा जाँच हेतु साहित्यिक विरोधी चोरी सॉफ्टवेयर को कुछ जागरूकता कार्यक्रम के साथ किया जा रहा है।

पुस्तकालय समय :

केंद्रीय पुस्तकालय :

साप्ताहिक अवकाश (शनिवार एवं रविवार) को छोड़कर शेष दिन सुबह 7 से सायं 8 बजे तक।

शनिवार एवं रविवार : सुबह 10 बजे से – सायं 5 बजे तक। केंद्रीय पुस्तकालय वर्ष के सभी दिन सिवाय कुछ बंद छुट्टियों– गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती, पौष उत्सव, बसंत उत्सव, गांधी पुण्याह, शरदवोकास, पौष मेला इत्यादि में खुला रहता है।

अनुभागीय पुस्तकालय : उनमें से अधिकांस सुबह 9.30 बजे के हौरान खुला रहता है। साप्ताहिक छुट्टियां शनिवार एवं रविवार होता है जबकि रवीन्द्र भवन एवं पाठ भवन पुस्तकालय (सेवा काल सुबह 06.30 से सायं 01.00 बजे तक) हेतु बुधवार एवं रविवार बंद रहता है।

वर्ष 2019-20 के दौरान जोड़ी गई पुस्तकों/पत्रिकाओं की संख्या :

(ए) खरीदी गई पुस्तकें (मुद्रण) -5671

(बी) ई-पुस्तकों खरीदी गई (नित्य) एवं सदस्यता (प्रक्रियाधीन) -शून्य

(सी) उपहार स्वरूप प्राप्त पुस्तकें -162

(डी) वर्ष के दौरान (ए+बी) कुल पुस्तकें -5,833

(ई) पत्रिका सदस्य की शीर्षक 201 (केंद्रीय पुस्तकालय हेतु जिसमें 53 पत्रिका एवं 145 अनुभागीय पुस्तकालय हेतु) -346

(एफ) समाचार पत्र खरीदा गया (केंद्रीय पुस्तकालय 19 (शीर्षक) एवं अनुभागीय पुस्तकालय 33 नं.) -52

(जी) उपाहार स्वरूप निर्गत प्राप्त पत्रिका -12,876

(एच) सीडी/डीवीडी (पत्रिका में निहित) सदस्यता -37

दिनांक 31.03.2020 तक पुस्तकों/पत्रिकाओं का परिग्रहण :

ए) क्रय पुस्तकें : 4,42,425

उपहार पुस्तकें : जी 9690

कुल पुस्तकें (मुद्रित) : 4,52,115

ई-पुस्तकें (मुद्रित) : (प्रगति पर) : शून्य

ई-पुस्तकें : सदस्यता : 1,15,000

कुल ई-पुस्तकें : 3836+1280 (2018-19) = :1,20,116

बी) पत्रिकाओं एवं समाचार पत्र (sadasyataa) का परिग्रहण निर्गत की गई : 14,314

सी) पत्रिका (उपहार) का परिग्रहण निर्गत : 12,876

डी) सीमित पत्रिका हेतु परिग्रहण : 528

विभागीय / अनुभागीय पुस्तकालयों को हस्तांतरित पुस्तकों की कुल संख्या

संगोष्ठी पुस्तकालय	: 87
अनुभागीय पुस्तकालय	: 163

पुस्तकों/पत्रिकाओं का निर्गत एवं वापसी

ए. पुस्तकें जारी की	: 27,635
बी. पुस्तकें लौटाया	: 24,428
सी. संदर्भ अनुभाग से परामर्श की गई पुस्तके (संदर्भ डोक., जेन. स्टेक डोक)	: 3,139
डी. अध्ययन कक्ष में परामर्शित पुस्तकें	: 26,947
एफ. पत्रिकाएँ परामर्श (खोई हुई, सीमित ग्रंथ एवं ऑनलाइन	: 19,223

दस्तावेजों एवं पृष्ठों की संख्या के साथ फोटोकॉपी सेवाएँ

ए. अशुद्ध अंकों की फोटोकॉपी (पत्रिका)	20 (202 पृष्ठ)
बी. स्टैक से 15 (2800) एवं संदर्भ 92 (1852) से दस्तावेजों की फोटोकॉपी	207 (4152 पृष्ठ)

अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकी— आधारित सेवाएँ

ए. पत्रिका अनुभाग सेँ प्रामर्शित सीडी/डीवीडी की संख्या	37
बी. कुल उपयोगकर्ताओं की पत्रिका ई-जर्नल/डेटाबेस ब्राउज की गई	18665
सी. कुल यूजीसी-इंफोन्ट ई-जर्नल फुल-टेक्स डाउनलोड या उपयोगकर्ताओं द्वारा	59788
डी. कुल उपयोगकर्ताओं ने ओपेक खोज सुविधाओं का उपयोग किया	68975
ई. डेलनेट एवं बीसीएल के माध्यम से इंटर लाइब्रेरी लोन सेवा	17
एफ. पाठक के अनुरोध पर डिजिटाइज किए गइ दस्तावेजों की संख्या	12
जी. पाठक से अनुरोध पर कुल डिजिटाइज पृष्ठ	3012

जेसीसी इनफलिबनेट और जे-ग्रेट ब्राउजिंग का कुल हिट— 68975

1. इंफ़िबनेट: (जर्नल+डेटाबेस)	5521
2. जे गेट+:	6303
3. सेजा ऑनलाइन पत्रिका :	712
4. इंडियास्टेट :	1955

अंतरपुस्तकालयी ऋण (आईएलएल)/दस्तावेज विवरण सेवा (डीडीएस) हेतु सदस्यता

- ब्रिटिश काउंसिल लाइब्रेरी, कोलकाता (7000 ई-जर्नल एवं 1,00,000+ई-पुस्तकों से भी अधिक)

- डेलनेट, नई दिल्ली
- जेसीसीसी इनफ्लिबनेट
- जे-गेट (37,000 से अधिक ई-जर्नल)

इ-जर्नल खरीद का वर्तमान शीर्षक

- बेंथम विज्ञान संग्रह 63 ई-जर्नल
- आईओपी विज्ञान संग्रह 73 ई-जर्नल

ईएसएस (इंफ्लिबनेट) से ई-जर्नल अभिगम की वर्तमान शीर्षक :7032+

- अमेरिकन रासायनिक समाज :49 पत्रिका
- अमेरिकन भौतिकी संस्थान :19 पत्रिका
- अमेरिकन भौतिकी समाज :15 पत्रिका
- वार्षिक समीक्षा :43 पत्रिका
- आर्थिक एवं राजनीतिक साप्ताहिक :1 पत्रिका
- जेएसटीओआर :3165 पत्रिका
- ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस :262 पत्रिका
- परियोजन म्यूज :676 पत्रिका
- स्प्रिंगर लिंक 1700 संग्रह एवं नेचुरल जर्नल :1724 पत्रिका
- टेलर एवं फ्रैंक :1078 पत्रिका

ईएसएस (इंफ्लिबनेट) से वर्तमान शीर्षक ऑनलाइन डेटाबेस अभिगम : 05

- औद्योगिक विकास (आईएसआईडी) डेटाबेस विज्ञान संस्थान
- जे गेट प्लस (जेसीसीसी)
- गणित विज्ञान नेट
- विज्ञान वेब
- अरकुंड काव्य चौर्य खोज सॉफ्टवेयज

डाटावेस सदस्यता वर्तमान शीर्षक : 09

- ब्रिटिश काउंसिल लाईब्रेरी
- Indiastat.com
- ओड़िया पत्र पत्रिका संग्रह (ओड़िया पत्रिकाओं का डिजिटल संकलन) 1856-1950

- पुस्तकालय नेटवर्क उन्नयन (डेलनेट)
- इबेस्को खुला एथेंस (दूरस्थ पहुँच)
- ईबेस्को से खोज सेवा
- टेलर एवं फ्रांसिस से विश्वव युद्ध में शीत युद्ध गी गोपनीय फाइल
- चीन एवं आधुनिक विश्व : हॉन्गा कॉन्ग एवं चीन, ब्रिटेन एवं चीन सेनगेज लर्निंग इंडिया प्रा. लि. से 1841-1951
- इपीडब्ल्यूआएएफ इंडिया टाईम सीरीज

पुस्तकालय सदस्य*

1. कुल पंजीकृत सदस्य 8,007
   (शिक्षक-551, विद्वान-920, छात्र-6014, स्टॉफ-1 9)
2. अध्ययन कक्ष में आनेवाले पाठकों की कुल संख्या 26947
3. पत्रिका अनुभाग में आनेवाले पाठकों की कुल संख्या 19223
   (ई संसाधनों सर्फिंग हेतु 8665 सहित वर्तमान पत्रिका हेतु 2578, सीमित पत्रिका हेतु 85, स्वयं स्कैन हेतु 1985, दुर्लभ पुस्तक हेतु 32 एवं शोध परामर्श हेतु 621)
4. संदर्भ अनुभाग में आनेवाले पाठकों की कुल संख्या 3,139
5. स्टैक का उपयोग करनेवाले पाठकों की कुल संख्या 16,480
6. कुल उपयोगकर्ताओं की संख्या जिन्होंने पुस्तकालय संसाधनों की पुस्तकालय मुख्य पृष्ठ के माध्यम से एक्सेस किया है (172.16.2.2) 97,687

अस्थायी सदस्य/विद्वान जो अवधि के दौरान आए थे 626

626 अस्थायी सदस्यों द्वारा उपयोग किए गए/देखे जानेवाले पुस्तकालय/दिनों की कुल संख्या 1878

व्यक्तियों की संख्या : अंतरराष्ट्रीय 93

[बांग्लादेश- 31, यूके- 9, स्वट्जरलैंड- 5, यूएसए- 4, आस्ट्रेलिया- 2, मॉरिशस- 1, न्यूजिलैंड- 1, जापान- 12, चीन- 22, श्रीलंका- 5 एवं स्वीडेन- 1]

उपयोग किए गए/देखे जानेवाले दिनों की संख्या : 139

व्यक्तियों की संख्या : पश्चिम बंगाल 401

(1) उपयोग किए गए/देखे जानेवाले दिनों की संख्या : 2005
    व्यक्तियों की संख्या : अन्य राज्य : 132

(2) उपयोग गिए गए/देखे जाने वाले दिनों की संख्या : 264

पुस्तकालय समय

1. साप्ताहिक (साप्ताहिक बंद (शनिवार एवं रविवार) एवं छुट्टी दिनों को छोड़कर) : सुबह 07.00 बजे से रात 08.00 बजे तक
2. साप्ताहिक बंद दिन– शनिवार, रविवार : सुबह 10.00 बजे से शाम 05.00 बजे तक
3. अन्य अवकाश : सुबह 10.00 बजे से शाम 05.00 बजे तक (केवल अध्ययन कक्ष)
4. वर्ष में कुल दिनों में खुला रहना : ए) 236 दिन नियमित / 2 शिफ्ट दिन + 83 दिन साप्ताहिक छुट्टी/ एक शिफ्ट दिन + (सी) 11 दिन अन्य छुट्टी एक शिफ्ट केवल अध्ययन कक्ष = 340 दिन।

दस्वावेज प्रसंस्करण

(पुस्तकें वर्गीकृत और सूचीबद्ध वर्ष 2019-20 के दौरान पुस्तकालय सॉफ्टवेयर (लिवसिस) का उपयोग करके केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा सूची डेटाबेस से जोड़ा गया)

पुस्तकें : खरीदी	4017
पुस्तकें : उपहार	162
रेट्रो-रूपांतरण/संपादन/अपडेट	18
पुस्तक सूची की कुल संख्या	4197
डिजिटाइज्ड पुस्तक की कुल संख्या	12

ब्रेल इकाई :

उपयो गकर्ता ओं की सूची	दिन/समय उपयोग किए जानेवाले की संख्या	उपयोगित समय (घण्टा में)	रिकॉर्ड करने वाला डिवाइस की उपलब्ध संख्या
19	257	532	06

ब्रेल इकाई अगस्त 2012 से ही केंद्रीय पुस्तकालय में परिचालन करता रहा है। द्वितीय ब्रेल पुस्तकालय इकाई की शुरुआत 21 फरवरी 2014 से विनय भवन पुस्तकालय से किया जा चुका है।

प्रकाशन

1. मासिक पुस्तकालय ई-न्यूज़लेटर (जारी किए गए 12 अंक)
2. पुस्तकालय बुलेटिन – विश्वभारती हेतु 'वर्तमान पत्रत्रिका- 2019' में पत्रिकाओं की सदस्यता ली।
3. पुस्तकालय उपयोगकर्ता के नियम पुस्तक को प्रकाशित किया।
4. पुस्तकालय संदर्भ नियम पुस्तक प्रकाशित हुआ।

पुस्तकों, डिजिटलीकरण और समारोहों की प्रदर्शनी:

1. संदर्भ अनुभाग में महत्वपूर्ण व्यक्तियों पर पुस्तकों और संबद्ध सामग्रियों की कुल सैंतीस (37) प्रदर्शनियों का आयोजन हुआ।
2. लाइब्रेरी सर्वर पर डिजिटल पुस्तकों को अपलोड करना पूरी तरह से इंट्रानेट के माध्यम से सुलभ है। सॉफ्टकॉपी में प्राप्त वर्तमान इसे भी अपलोड किया जा रहा हे।
3. समारोह : स्वच्छ भारत अभियान (2 अक्टूबर, 2019) : राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर, 2019), पुस्तकालय दिवस (20 दिसंबर, 2019) एवं गांधी पुण्याह (10 मार्च, 2020)।

पुस्तकालय स्वचालन :

विश्वभारती पुस्तकालय कैम्पस- वाइड फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क के साथ जुड़ा हुआ है जिसका नाम गीतांजलिनेट है। लाइब्रेरी सिस्टम में 119 पीसीएम, 48 प्रिंटर्स (2 नेटवर्क प्रिंटर सह कॉपियर और 22 बारकोड प्रिंटर शामिल हैं), एक दस्तावेज कैमरा, एक वेब कैमरा, एक डिजिटल कैमरा, तीन एलसीटी प्रोजेक्टर सेट अपने केंद्रीय पुस्तकालय और 12 अनुभागीय पुस्तकालय हैं। पुस्तकालय अपने आयोग कत्ताओं को ई-जर्नल, ऑनलाइन- जेटाबेस, ई-पुस्तकों ब्राउज करने की सेवाएं एवं सुविधाएं प्रदान करती है। लाइब्रेरी द्वारा ऑनलाइन खोज, शैक्षणिक एवं अनुसंधान उद्देश्यों के लिए ई-मेल सुविधाएं आदि भी प्रदान की गई हैं।

लाइब्रेरी गतिविधि और सेवाओं को स्वचालित करने के लिए लाइब्रेरी मैनेजमेंट लिबिस-7 (यूनिकोड वेब कंप्लेंट) का उपयोग किया जा रहा है। सभी दैनिक पुस्तकालय संचालन और सेवाएं यानी पुस्तकालय दस्तावेज, सूची शृंखला नियंत्रण, परिचालन, ओपीएसी, एल-सर्च मोबाइल एप्स अतिदेय पुस्तकों पर ई-मेल अलर्ट आदि का अधिग्रहण इस पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर पर आसानी से चल रहा है। केंद्रीय पुस्तकालय, अन्य अनुभागीय पुस्तकालय और ग्रंथन विभाग की कुल होल्डिंग को कवर करनेवाले पुस्तकालय कैटलॉग डेटाबेस अब इंटरनेट पर उपलब्ध है। वर्तमान में विश्वभारती लाइब्रेरी कैटलॉग डेकाबेस में 7,67,324 व्यक्ति दस्तावेजों की संख्या के 5,78,534 दस्तावेज शीर्षक शामिल है जिसमें 48,417 बाउंड वॉल्यूम्स और 2828 शोध सामिल है। इसके अलावा विश्व प्रसिद्ध प्रकाशकों/एग्रीगेटर्स (एल्सेविचर, कैम्ब्रिज ऑनलाइन, स्प्रिंगर, सेज, टेलर एवं फ्रांसिसस, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस एवं ब्रिटिस परिषद् पुस्तकालय) के संग्रह में ई-पुस्तकों संग्रह (5,116) शीर्ष क्रम में और विभिन्न कंसोर्टिया के माध्यम से 1,15,000 शब्द) जोड़ा गया है।

केंद्रीय पुस्तकालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के पाध्यक्रम का एवं संस्थागत कोष बना दिया है। विश्वभारती में 2007 से आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्न पत्र भी इस संस्थागत कोष में जोड़े जाते हैं। ये प्रश्न पत्र/पाठ्यक्रम केंद्रीय पुस्तकालय वेब पेज के माध्यम से कैम्पस नेटवर्क पर एक्सेस, डाउनलोड और/या मुद्रित किए जा सकते हैं। यह संस्थागत कोष नियमित रुप से पुस्तकालय के सदस्यों द्वारा उपयोग

किया जा रहा है। विश्वभारती पुस्तकालय अपने संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्यानों को संस्थान कोष (ओपन आर्काइव) में अपने प्रकाशनों को अपलोड करने के लिए आमंत्रित करता है. और इस तरह के प्रकाशनों को ब्राउज़ करने के लिए दूसरों को प्रोत्साहित करता है। ओपन आर्चिव में संकायों के लगभग 132 लेख हैं।

ई-संसाधन :

पुस्तकालय में निम्नलिखित ई-संसाधन हैं, जिन्हें नियमित रूप से पुस्तकालय मुख्य पृष्ठ के माध्यम से ब्राउज़ किया जाता है। (https://14.139.211.2 या https://172.16.2.2)

- ई-सुधासिंधु (इंफ्लिबनेट) के माध्यम से ई-जर्नल -7,032
- ई-जर्नल (सदस्यता) -136
- प्रकाशकों से मुक्त ई-पत्रिका -47+
- ई-पुस्तकें खरीद (लगातार) एवं अंशदान/भागीदारी -1,18,836
- जे गेट के माध्यम से सब्सक्राइब्ड ई-जर्नल -37,000+
- मुफ्त ऑनलाईन किताबें -869+
- पुराने डिजीटल दस्तावेजों की डीवीडी -1074
- सीडी-रोम -620+
- डिजिटल पुस्तकें -29,689

ईएसएस (इंफ्लिबनेट) से वर्तमान शीर्षक ऑनलाईन डेवाबेस पहुँच, सुविधाएँ : 05

1. औद्यओगिक विकास डाटाबेस अध्ययन संस्थान (आईएसाअईडी)
2. जे गेट प्लस (जेसीसीसी)
3. मैथ साइनेट
4. विज्ञान वेब
5. अरकुड काव्य चौर्य खोज सॉफ्टवेयर

वर्ष के दौरान डेटाबेस सदस्यता का वर्तमान शीर्षक : 09

- ब्रिटिश परिषद पुस्तकालय
- इंडियास्टाट. कॉम
- ओड़िया पत्र पत्रिका संग्रह (ओड़िया पत्रिकाओं का डिजिटल संकलन) 1856-1950
- उन्नत पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट)

- एब्सको से मुक्त एथेंस (दूरस्थ अभिगम)
- एब्सको से खोज सेवा
- टैलर एवं फ्रैनसिस से विश्व युद्ध का शीत युद्ध गुप्त फाइल
- चीन एवं आधुनिक विश्व : हॉन्ग कॉन्ग, ब्रिटेन एवं चीन, सेन्गेज लर्निंग इंडिया प्रा. लि.
- ईपीड्ब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम्स सीरीज

ईएसएस (इंफ्लिबनेट) से ई-पत्रिका का वर्तमान शीर्षक : 7032+

- अमेरिकन काउंसिल सोसाइटी :49 जर्नल
- अमेरिकन भौतिकी संस्थान :19 जर्नल
- अमेरिकन भौतिकी सोसाइटी :15 जर्नल
- वार्षिक समिक्षा :43 जर्नल
- आर्थिक एवं राजनीति साप्ताहिक :1 जर्नल
- जस्टोर :3165 जर्नल
- ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस :62 जर्नल
- प्रोजेक्ट म्यूज :676 जर्नल
- स्प्रिंगर लिंक 1700 संग्रग एवं नेचर जर्नल :1724 जर्नल
- टैलर एवं फ्रैंसिस :1078 जर्नल

वर्ष के दौरान ई-जर्नल खरीद की वर्तमान शीर्षक : 136

- बेंथम विज्ञान संग्रह : 63 ई-जर्नल
- आईओपी विज्ञान संग्रह : 73 ई-जर्नल

केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती द्वारा आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी/अन्य कार्यक्रम :

26.09.2020: पंडित ईश्वर चन्द्र विद्यासागर का द्विवार्षिक जन्मोत्सव: विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क (केंद्रीय पुस्तकालय), विश्वभारती द्वारा पंडित ईश्वरचन्द्र विद्यासागर का द्विवार्षिक जन्मोत्सव मनाया गय। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 08.30 बजे उपासना-गृह से केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती तक रैली निकालकर की गई।

वहाँ पर पुस्तकों/विद्यासागर के संक्षिप्त स्केच के साथ संचालन डेस्क के नजदीक पुस्तकालय के सामने पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गई एवं दर्शकों द्वारा उक्त प्रदर्शनी के देखकर सराहा भी गया।

कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय पुस्तकालय के सम्मेलन कक्ष में हुआ। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर एवं

रवीन्द्रनाथ टैगोर दोनों महान विचारकों को पुष्पांजलि दी गई, साथ ही पाठ भवन के छात्रों द्वारा वैदिक मंत्रों का उच्चारण करके गीत के द्वारा स्वागत किया गया। प्रो. निर्मल्य बनर्जी, प्रभारी विश्वविद्यालय पुस्तकालय, स्वागत भाषण दिया। 'रवीन्द्रनाथ की दृष्टि में विद्यासागर' विषय पर प्रो. अमल कुमार पाल, बंगला विभाग एवं निदेशक (कार्यकारी) संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंध, रवीन्द्र भवन विश्वभारती ने आमंत्रित भाषण दिए। उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर एवं विद्यासागर के जीवन पर प्रबुद्ध अंतर्दृष्टि डाला, आधुनिक बंगाल के दो अग्रणी के बारे में उन्होंने कई अनकही कहानियों का गहन शोध के साथ अनावरण किया। दर्शक उनके व्याख्यान से अभिभूत हुए। तब, प्रो. विद्युत चक्रवर्ती, माननीय कुलपति, विश्वभारती द्वारा लगातार उत्तेजक व्याख्यान दिया गया, उन्होंने इस संदर्भ में प्रो. अमल पाल के व्याख्यान एवं भीबीएलएन के उद्यम से सराहा। माननीय कुलपति महोदय ने प्रगतिशील विकास के युवा मन को भी प्रज्वलित किए। उनके प्रेरणादायक विचार एवं पहल विश्वविद्यालय के अन्यत्र प्रगति हेतु उनके पहल को दर्शाता है। अंततः श्रीमती सबाहत नौशित, सहा. पुस्तकाध्यक्ष (स्तर-2) एवं प्रभारी, रवीन्द्रभवन पुस्तकालय द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 165 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

19.08.2019: पुस्तकालय दिवस 2019 का अवलोकन: पुस्तकालय दिवस के अवसर पर, सम्मेलन कक्ष, विबी में पुस्तकालय दिवस मानाया गया। 'विश्वभारती पुस्तकालय :पीछे देखो' विषय पर श्री स्वपन घोष, भूतपूर्व पेशेवर सहायक, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा व्याख्यान दिया गया। इसमें बावन (52) पुस्तकालय पेशेवर उपस्थित थे।

दिनांक 29 जुलाई, 06, 20, अगस्तस, 09, 29 सितंबर 2019 को पाँच (05) विभिन्न विभागों के नए पुस्तकालय सदस्य लिए 'पुस्तकालय संसाधनों का उपयोग कैसे करें' पर उपयोगकर्ता सीखने के कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम में कुल 268 छात्र और शारीरिक शिक्षा, शिल्प सदन, भूगोल एवं तुलनात्मक साहित्य के 05 संकाय सदस्य शामिल हुए।

चैहद उरकुंड पर विशेष सत्र: काव्य चैर्य जाँच सॉफ्टवेयरसस, शोधगंगा, संगोत्री, जोटेरो, रिमोट एक्सोस वं खोज सेवा, अनुक्रमण एवं प्रभाव कारक आदि का व्याख्या, 2, 6, अप्रैल, 16 जून, 13-14, 16, 18 जुलाई, 1ए 7 दिसंबर 2019, 27-28 जनवरी, 17-20 फरवरी 2020 को पुस्तकालय स्टॉफ सदस्य एवं विद्वानों के लिए आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में कुल 227 अभ्यर्थियों ने भाग लिया था।

ई-संसाधन पर सत्रह (17) प्रदर्शन कार्यक्रम विश्व कक्षा ई-प्रकाशक जैसे ओयूपी, सीयूपी, टीएडएफ, स्प्रिंगर नेचर, एलसेवियर, मैकग्रा-हिल, विले, ब्लूम्सबरी, बेंथम साइंस, ब्रिल, सेग, गेल, स्पिकिंग टाइगर, पीर्यसन इत्यादि, ऑक्सपोर्ड, स्पॉटिकी ऑनलाइन, जगत प्लस, विज्ञान वेब, भारतीय उद्धरण सूचकांक (आईसीआई) का आयोजन क्रमशः पुस्तकालय स्टाक, संकाय सदस्य एवं विद्वानों के लिए 13-14 जुलाई, 21-22 जुलाई, 2019, 20 फरवरी 2020 को किया इस कार्यक्रम में कुल 254 उम्मीदवारों ने भाग लिया।

चार (04) टीमों में भवानीपुर आंचलिक कॉलेज, असम (26 फरवरी), लखनऊ विश्वविद्यालय, यूपी (15 सितंबर), रजतपुर हाई स्कूल, बोलपुर, प.ब. (1 जुलाई), कोलकाता विश्वविद्यालय, प.ब. (21 अक्टूबर) के विभिन्न संस्थानों के 148 उम्मीदवारों (संकायों और छात्रों सहित) शामिल होकर अपने शैक्षणिक दौरे के रूप में केंद्रीय पुस्तकालय का यात्रा किए।

दिनांक 9.02.2020 को पीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के संवेदीकरण कार्यक्रम पर अली अभर जंग वाक् एवं श्रवण बिकलांग (दिव्यांगजन) संस्थान बीटी रोड बनहूगली, कोलकाता-90 के सहयोग से विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में कुल पचहत्तर उम्मीदवारों ने भाग लिया।

वीबीएलएन के पुस्तकालय पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए, 24 जनवरी, 2020 को 'लिबसेस' एवं 'अरकुड' एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 12 उम्मीदवारों ने भाग लिया। इसके अलावा, वीबीएनएल के पुस्तकालय पेशोवरों के लिए दो जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित की गई।

दिनांक 25 मई 2019 एवं 22 जनवरी 2020 को पुस्तकालय संसाधन, सेवाएं एवं सुविधाएं के विभिन्न मुद्दों से संबंधित विषय पर सहभागिता पुस्तकालय सदस्य एवं उपयोगकर्ता से साथ दो बैठकों का आयोजन हुआ। जिसमें इस बैठक में कुल 65 एवं 28उम्मीदवारों ने भाग लिया।

केंद्रीय पुस्तकालय के सम्मेलन कक्ष में विश्वभारती विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के साथ-साथ विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पूरे वर्ष पर भर रिपोर्टिंग तैंतीस (33) कार्यों के लिए स्थल के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

पुस्तकालय कर्मचारियों द्वारा सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला आमंत्रित आदि: सभी कर्मचारी: विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क के छोटे अपवाद वाले सभा कर्मचारियों ने भाग लिया और इस भीबीएलएन कार्यक्रम में एक या अन्य क्षमता में कार्य किया।

निमाई चंद्र साहा

- 16-17.11.2020: 'भारत में समावेशी पुस्तकालय सेवा की विशेष आवश्यकता' दो दिन की राष्ट्रीय संगोष्ठी पैनल चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में कार्य किए, जो आयोजन समिति द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के आमंत्रित थे एवं इसके साथ-साथ राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान (एनआईएलडी), कोलकाता द्वारा आयोजित 'विश्वभारती में समावेशी पुस्तकालय सेवाओं का दर्पण' पर एक वार्ता के रूप में आमंत्रित हुए।
- 27.11.2019: यूजीसी-एचआरडीसी वर्धमान विश्वविद्यालय, पूर्व वर्धमान के 116 वां उन्मुख कार्यक्रम द्वारा संयोजित कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 'सूचना साक्षरता अकादमिक एकता' पर व्याख्यान दिए।
- 14.11.2019: 'लाइब्रेरी कनेक्टिंग कम्युनिटि ...' पर डीएलआईएस कलकत्ता विश्वविद्यालय,

कोलकाता द्वारा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में यूजीसी प्रायोजित विशेष पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रुप में आमंत्रित हुए एवं 'लाइब्रेरी एस ए वील ऑफ कम्युनीटी डेवलपमेंट: टूवर्डस कनेक्टिंग' पर व्याख्यान दिए।

- 02.09.2019: डीएलआईएस, जादवपुर विश्वविद्यालय, जादवपुर, कोलकाता द्वारा 27वां यूजीसी स्पोन्सर्ड रिफरेशर कोर्स इन लाइब्रेरी इंड इंर्फोमेशन साइस के कोर्स कॉर्डिनेटर द्वारा संसाधन व्यक्ति के रुप में आमंत्रित हुए एवं 'प्रोमोश एकेडमिक इंट्रीगीटी एंड प्रीजर्वेश ऑफ प्लेगरिज्म: एडेड फीचर ऑफ द लिडरशीप' में व्याख्यान दिए।
- 21.08.2019: इंडियन साइंस न्यूज़ एशोसिएशन एंड विज्ञान प्रसार, डिएसटी, भारत सरकार, द्वारा 33वां प्रशिक्षण कार्यक्रम शीर्षक– 'विज्ञान संवाद एवं मीडिया व्यवहार-2019' में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किए। प्रस्तुत शीर्षक हैं– 'रिसोर्स डिस्कवरी एवंड प्लेगेरिज्म: टूवर्डस सेफ एकेडमिक जर्नी'।
- 14.08.2019: सूजीसी-एचआरडीसी, वर्धमान विश्वविद्यालय, पूर्व वर्धमान में 115 वां उन्मुखी कार्यक्रम के संयोजन द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित हूए एवं 'इंर्फोमेशन लिटरेसी एंड रीसोर्स हार्मेस्टिंग' पर व्याख्यान दिए।
- 08.08.2019: ए. के. दासगुप्त सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, (नीति आयोग भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एक केंद्र) विश्वभारती द्वारा आयोजित 'रिसर्च मेथोडोलॉजी वर्कशॉप इन सोशल साइंस' व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया एवं व्याख्यान दिए। प्रस्तुतीकरण शीर्षक है– 'सिमपल वे ऑफ रिफरेंसिंग/सिटिएशन/एंड बिबिलिओग्राफी इन रिसर्च वर्क।'
- 24.07.2019: यूजीसी-एचआरडीसी वर्धमान विश्वविद्यालय, पूर्व वर्धमान के मोक ई-कॉन्टेट डेवलपमेंट एंड ओपन एडुकेशनल पर वीक-लॉग वर्कशॉप का पाठ्यक्रम संयोजन द्वारा संसाधन व्क़्यक्ति के रुप में आमंत्रित किए गए 'रिसोर्स हार्वेस्टिंग एंड प्लेगरिज्म इश्यू इन द वल्ड ऑप मोक' पर व्याख्यान दिए हैं।
- 29.06.2019: ए के दासगुप्त सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती द्वार आयोजित शीर्षक कार्यशाला– 'नेशनल रिसर्च मेथोडोलॉजी वर्कशॉप' पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित हुए एवं व्याख्यान दिए। प्रस्तुतीकरण शीर्षक : 'स्मार्ट रिफरेंसिग/सिटिंग एवं प्लेगरिजन्म'
- **(Pg. 439++)**
- 14.12.2019: 'प्रिंटिड बुक्स एंड प्रेजेन्ट रिडर्स :अनलाइक्लिनेस एंड इंटस रिमेडिस' शीर्षक पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित हुए एवं व्याख्यान दिए। द्वितीय झारग्राम जिला पुस्तक मेला समिति सिउरी, बीरभूम द्वारा जिला स्तर संगोष्ठी रहा।
- 06.12.2019: 'पब्लिक लाइब्रेरी: चेंजिंग सिचुएशन एंड न्यू थिंकिंग' विषय पर संसाधन व्यक्ति के

रूप में आमंत्रित हुए एवं व्याख्यान दिए। सिउड़ी, बीरभूम में 38 वां जिला पुस्तक मेला समिति द्वारा आयोजित जिला स्तरीय संगोष्ठी रहा।

- 24-25.11.2019: विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सम्मेलन कक्ष में कार्यशाला शीर्षक 'अनुसंधान विधि' पर आमंत्रित व्याख्यान दिए। प्रस्तुतीकरण शीर्षक था– 'बिबिलिओग्राफ, रिफरेंस एंड इंटस सिटिएशन एजएन इशेनशियल कोम्पोनेंट ऑफ दीज इंड इशिकल एसपेक्ट ऑफ रिसर्च इंक्लुडिंग प्लेगरिज्म'।

शैक्षणिक उपब्धियाँ:

14.11.2019: प्रो. स्वपन बनर्जी, डीएलआईएस, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता के पर्यवेक्षण में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विद्वान एम. फिल. के निबंध पर कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्राधिकारी द्वारा बाह्य परीक्षार्थी मनोनीत किया गया।

जैसा कि आमंत्रित किया गया है इक्कीस (21) व्याख्यान (प्रत्येक का घण्टा) अलग-लग पहलुओं पर पीएच.डी. कोर्स-वर्क 2019-20 के उम्मीदवार हेतु शोध विधि।

जैसा कि आमंत्रित किया गया है ग्यारह (11) व्याख्यान वीबी लाइब्रेरी, काव्य चैर्य की जाँच रिमोट एक्सेस, रिसोर्सस हारभेस्टिंग, उद्धरण एवं संदर्भ, शोध निर्माण, साहित्यिक समीक्षा, सांख्यिकी तकनीक इत्यादि के सर्वोत्तम उपयोग पर। वर्ष 2019-20 एम. फिल. के छात्र अनुसंधान के पहलुओं।

श्रीसुजीत कुजूर

- 24-25.11.2019: विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित 'अनुसंधान विधि पर कार्यशाला' दो दिवसीय एवं 'एक्सपोजर टु वेब ऑफ साइंस एंड इन्डनोट एज रिफरेंस मैनेजमेंट टूल्स' प्रदर्शित करने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किए।

श्री कौशिक घोष

- 28.02.2019: आईक्यूएसी एवं केंद्रीय पुस्तकालय, चंडीदास महाविद्यालय, खुजटीपाड़ा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक– 'उच्च शिक्षा में आईसीटी एवं पुस्तकालय : भारतीय परिप्रेक्ष्य में' आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किए। प्रस्तुत शीर्षक 'विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क में सेवाएं, सुविधाएं एवं संसाधनों के संदर्भ में आईसीटी प्रयोजन।'
- 16.03.2019: शहीद खुदीराम पुस्तकालय, खुलदीहा, दुर्गापुर, वर्धमान द्वारा आयोजित नई भवन उद्घाटन कार्यक्रम समारोह पर आमंत्रित पत्र प्रस्तुत किया।
- 24.11.2019: केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती के सम्मेलन कक्ष में विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला शीर्षक 'अनुसंधान विधि' पर आमंत्रित व्याख्यान दिए। प्रस्तुत शीर्षक था– 'पत्रिका (मुद्रण एवं ऑनलाइन) एवं इ-संसाधन

अनुसंधान, ई-शोधसिंधू एवं शोधगंगा में प्राथमिक दस्तावेज के रुप में स्त्रोत।'

रामप्रसाद मजूमदार

- 24-25.11.2019: विश्वभारती नेटवर्क, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सम्मेलन कक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा कार्यशाला शीर्षक 'अनुसंधान विधि' पर आमंत्रित व्याख्यान दिए। प्रस्तुत शीर्षक था– 'लाइब्रेरी वेबसाइट एंड वेबओपेएक: गेखे टू रिसर्च मेट्रीयल।'

स्मृतिमय घोष

- 13-14.02.2020: मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियान अध्ययन संस्थान तथा इतिहास विभाग, ज्ञान ज्योति कॉलेज एवं भारतीय इतिहास संकलन समिति ज्ञान ज्योति कॉलेज, शिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल के तत्वधान में आयोजित 'इथोनो हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया वीद स्पेशल रेफरेंस टू नार्थ बंगाल' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए एवं एक आलेख प्रस्तुत किए।

अनुभागीय पुस्तकालय

अजय कुमार शर्मा

अकादमिक/प्रशानिक उपलब्धियाँ

- विश्वभारती वेबसाइट हेतु संपादकीय समिति के सदस्य।
- 06-08 सितंबर 2019 के दौरान राजीव गाँधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित 'आईसीडीटी 2019' राष्ट्रीय सलाह बोर्ड के सदस्य।
- विश्वभारती पुस्तकालय ई-न्यूजलेटर (अक्टूबर 2019 से जनवरी 2020 अंक) के सहायक संपादक पत्रिका शीर्षक के संपादक बोर्ड के सदस्य के रुप 'पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में अकादमिक अनुसंधान की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका' (आईजेएआरएलआईएस)।
- पत्रिका शीर्षक के संघ संपादक के रुप में– 'सूचना स्त्रोत एवं सेवा का अंतरराष्ट्रीय' (आईजेएसएस)।
- पत्रिका शीर्षक के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रुप में– 'संगीत गैलेक्सी'।
- पत्रिका शीर्षक के संपादक के रुप में 'डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं का अंतरराष्ट्रीय पत्रिका'।
- विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क के वेबसाइटर (https://14.139.211.2/library/index.php).
- चीना भवन के वेबमास्टर, विश्वभारती (visva-bharati.wix.com/cbvbs).
- 17.02.2020: विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्कर, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सम्मेलन कक्ष में 'जोटेरो: द रेफरेन्स मैनेमेंट सॉफ्टवेयर' विशेष सत्र में आमंत्रण व्याख्यान दिए।

- 16.06.2019: विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क, विश्वभारती, शांतिनिकेतन सम्मेलन कक्ष केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती द्वारा आयोजित विशेष सत्र– 'जोटेरो: एन ओपन सोर्स रेफरेंस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर' विषय पर आमंत्रण व्याख्यान दिए।
- 24-25.11.2019: विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सम्मेलन कक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती द्वारा आयोजित– 'जोटेरो: ए रेफरंस नैनेजमेंट टूल' पर आमंत्रण व्याख्यान दिए।
- 26.02.2020: विश्वभारती नेटवर्क द्वारा आयोजित 'विकलांग अधिनियम 2016 का अधिकार' तथा अली यवुर जग राष्ट्रीय वाणी एवं श्रवण दिव्यांग संस्थान (दिव्यांगजन) 'विकलांग सशक्तिकरण विभाग के तहत, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय' भारत सरकार के तत्वधान में संवेदनशील कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री पार्थ प्रतिम राय

- 24.11.2019: विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा आयोजित कार्यालय शीर्षक– 'अनुसंधान विधि' पर आमंत्रित व्याख्यान दिए। प्रस्तुत शीर्षक था– 'अनुसंधान उत्पाद के रूप में एक अंतर्दृष्टि।'

श्री केशव चंद्र सिन्हा

- 24-25.11.2019: विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा आयोजित 'अनुसंधान हेतु सूचना का आवश्यक एकीकरण का स्त्रोत' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिए।

श्री सनत भट्टाचार्य

- 24-25.01.2020: पुस्तकालय सूचना विज्ञान विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता द्वारा आयोजित सतत् पुस्तकालय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख पत्र प्रस्तुत किए। प्रस्तुत पत्र था– 'बेस्ट प्रेक्टिसेस एडोपटेड एट विश्वभारती लाइब्रेरी: एन ऑभरभ्यूव।'
- 28.02.2020: आईक्यूएसी एवं केंद्रीय पुस्तकालय, चण्डीदास महाविद्यालय, खुजतीपाड़ा, बीरभूम, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिए। पत्र का शीर्षक रहा– 'विश्वभारती पुस्तकालय एवं एसकी गतिविधियाँ।'

सबाहत नौसिन

- 24-25.11.2019: विश्वभारती पुस्तकालय द्वारा आयोजित– 'मेंडेला: ए रेफरें मैनेजमेंट टूल' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिए।

श्री प्रदीप हेम्ब्रम

- 24-25.11.2019: विश्वभारती पुस्तकालय द्वारा आयोजित– 'रोल ऑफ रिमोट एक्सेस एंड

डिस्कवरी सर्विस इन रिसर्च' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिए।

अंशुमन बनर्जी

- 12.02.2020-18.02.2019: पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, वर्धमान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित– 'इंटेग्रेशन कोहा वीद भूफिंड' राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित हुए थे।

प्रकाशन :

पुस्तकें:

- छात्र समीक्षा ग्रन्थमाला (1): पूर्वस्थली उत्तर, साहा, निमाई चंद्र: पॉल, निर्मलेन्दू, कोलकाता, ज्ञानदर्पण, 2019, पृ. 170, आईएसबीएन: 978-81-932050-7-5.
- मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय : अंक एवं संबंधित सं. निमाई चंद्र साहा, विकास मांझी, सं. नई दिल्ली रु. प्रकाशक 2020, आईएसबीएन 978-93-88879-73-6.
- समावेशी पुस्तकालय सेवाएं: भारतीय परिप्रेक्ष्य सं.- पी. एस. मुखोपाध्याय, के. सी, सतपथी, निमाई चंद्र साहा, सं. नई दिल्ली प्रकाशक, 2020। आईएसबीएन- 978-89-38887-96-7 दिनांक 16-17 नवंबर 2019 के दौरान एनआईएलडी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख पत्र प्रस्तुत किया गया।

ई-पत्रिका

वर्ष 2019-20 के दौरान मासिक लाइब्रेरी ई-न्यूज़लेटर के एडिटर के रूप में कार्य किया।

पुस्तक में पत्रिका/अध्याय में आलेख:

- 'टूवर्डस एग्लिटरेयिन सोसाइटी ऑफ बी. आर. अंबेडकर एंड मार्जीननाइज़ड कम्यूनिटी एन द कांटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन' निमाई चंद्र साहा, 'ह्यूमन राईट्स एंड सोशल जस्टिस: इश्यू एंड कंर्सन' सं. निमाई चंद्र साहा, विकास मांझी, सं. नई दिल्ली प्रकाशक, 2020, पृ. 09-18। आईएसबीएन- 978-93-88879-73-6.
- (नवंबर 2019) 'विश्वभारती समावेशी पुस्तकालय दर्पण' निमाई चंद्र साहा 'समावेशी पुस्तकालय सेवाएं: भारतीय परिप्रेक्ष्य' सं. पी. एस. मुखोपाध्याय, के. सी. सतपथी, निमाई चंद्र साहा, सं. नई दिल्ली प्रकाशक, 2020, पृ. 35-43। आईसबीएन- 978-89-3887-96-7.
- एन आर्टिकल इनटाईटल्ड 'स्टडी ऑफ एलाआईएस एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी' बाय सुजित कुजुर, इन 'रिसर्च रेव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्प्लिनरी', वोल. 4, इशू 4, अप्रैल 2019 (पीपी. 1684-1685, आईएसएसएन- 2455-3085 (ऑनलाईन)।
- 'स्टडी ऑफ बिब्लिओग्राफिकल डाटाबेस' बाय सुजित कुजुर, इन 'रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्प्लिनरी', वोल. 4, इशू 5, अप्रैल 20196 (पीपी. 1684-1685),

आईएसएसएन- 2455-3085 (ऑनलाईन)।

- 'टैगोर्स ड्रीम ऑफ रुरल रिकंस्ट्रक्शन एंड दी रोल ऑफ लाईब्रेरी' एलआईएस एडुकेशन इन इंडिया: करेंट सिनारिओ एन्ड फ्यूचर स्ट्रेटजीज. कौशिक घोष, आईएएसएलअईसी 28 नेशलन सेमिनार, शांतिनिकेतन, नवंबर, 27-29, 2018. पीपी. 321-330.
- 'नीड ऑप डिगिटाइसेशन ऑफ इंडिजिनस नॉलेज ऑन मेडिसिनल प्लांटंस: ए स्टडी ऑन दी संताल्स ऑफ बीरभूम' बाय अतनु कुमार सिन्हा, वेस्ट बंगाल– लाईब्रेरी हेराल्ड, 57 (2) : 195-204, जून 2019. 0024-2292, जीओआई: 10.5958/0976-2469. 2019.00011.3
- 'पेंटिंग एंड ड्राइंग्स ऑफ रवींद्रनाथ टैगोर: ए बिब्लिओमेट्रिक स्टडी' बाय पार्थ प्रतीम राय इन दी अन्नल्स ऑफ लाइब्रेरी साइंस 66, 1, अप्रैल 2019. 16-23, ISSN- 0972-5423 (प्रिंट), 0975-2404.
- 'सहज पाठ : मैनुस्क्रिप्ट, पब्लिकेशन एंड टेस्टुअल कोम्पैरिजन : ए स्टडी' बाय पार्थ प्रतिम राय, ग्रंथागार 69, 6-7, सित.-अक्टू. 2019, 19-22, 4-9 पी. आईएसएसएन. 0017-324 एक्स।
- 'रवींद्रनाथ्स एडूकेशनल फिलोसफी एंड लॉस ऑफ लाईब्रेरी साइंस : एन अनालिटिकल स्टडी' वाय पार्थ प्रतिम राय इन लाईब्रेरीयंस व्याइस 2, पीपी. 12-18, अक्टूबर, 2019 (www.librariavoice.org).
- 'बिबिलिओग्राफी :बेंगाली बुक्स पबलिश्ड इन कोलकता बुक फेयर' बाय सनत भट्टाचार्य इन दी ग्रंथागार जर्नल, वोल. 69, इशू नं 8, नवंबर 2019.
- 'इम्पैक्ट ओप टूरिज्म ऑन संताल इन एंड एराउंड शांतिनिकेतन' बाय अतनु कुमार सिन्हा विद प्रोफेसर अमित कुमार हाजरा– इंटरनेशनल कॉन्फेरेंस ऑन 'रोडमैप फोर दी डेवेलपमेंट ऑफ रुरल टूरिज्म इन अंड अराउंड बीरभूम', ऑर्गनाईज्ड बाय विश्वभारती इन कोलेबोरेशन विद मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म, गर्वनमेंट ऑफ इंडिया एंड टूरिज्म डिपार्टमेंट, गर्वनमेंट ऑफ वेस्ट बेंगाल, हेल्ड पट लिपिका ऑडिटोरियम, शांतिनिकेतन ऑन नवंबर 16-18, 2019.
- 'बेस्ट प्रैक्टिसेस एडोप्टेड एट विश्वभारती लाईब्रेरी : एन ओवरव्यू' बाय सनत भट्टाचार्य इन दी लाईब्रेरियन स्पेशल सेमिनार वोल. 26, इशू 1 एवं 2 जनवरी 2020.
- 'यूनिश सोतोकर ठाकुरबारीर स्त्री शिकिशय ग्रोंथागेर भूमिका' बाय सनत भट्टाचार्य इन दी ख्रोआई जर्नल वोल. 38, इशू 38, 2020.

अन्य:

एब्सट्रैक इंटाइटल्ड 'इंट्रोस्पेक्शन ऑन दी लर्निंग एंड लाईब्रेरीज इन एंसिएंट इंडिया : स्पेशल रिफरेंश टू इश्टर्न इंडियन एडूकेशनल इंस्टिट्यूट' बाय स्म्रिति रॉय घोष पब्लिश्ड इन दी प्री-सेमिनार अब्स्ट्रैक्ट

पब्लिकेशन ऑफ टू डेज नेशनल सेमिनार ऑन 'इथ्नो हिस्टोरिकल पर्स्पेक्टिव ऑफ नॉर्थ इस्ट इंडिया विद स्पेशल रिफेरेंस टू नोर्थ बेंगाल' ओरगनाइज्ड बाय दी मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ इशियान स्टडीज इन कोलेबोरेशन वीथ डिपार्टमेंट ऑफ हिस्टी, ज्ञान ज्योति कॉलेज एंड बारतीय इतिहास संकलन समिति ऑन 13-14 फरवरी, 2020 एट ज्ञान ज्योति कॉलेज, सिल्लीगुड़ी, वेस्ट बेंगाल।

अनुलग्नक – I

बिंदु 1 संबंधी विस्तृत विवरण

अधिग्रहण अनुभाग :

विषयवार खरीदी गई पुस्तकों की संख्या:-

विषय	संख्या
भाषाएँ	2427
मानविकी और सामाजिक विज्ञान	2757
विज्ञान	210
गृह विज्ञान	
कंप्यूटर साइंस	36
वाणिज्य और प्रबंधन	
शिक्षा	53
इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी	12
चिकित्सा विज्ञान	03
चिकित्सा विज्ञान	110
कृषि विज्ञान	
पशु चिकित्सा विज्ञान	
विधि	
अन्य (संगीत, कला, धर्म, कैरियर परामर्श, आदि)	63
कुल:	**5671**

खरीदी गई पुस्तकों की भाषा:

अंग्रेजी	4060
बंगाली	1048
अन्य	563
केंद्रीय पुस्तकालय के लिए कुल सदस्यता	5671

आवधिक पत्रिका अनुभाग

विदेशी पत्रिकाएँ	56
भारतीय पत्रिकाएँ	99
पत्रिकाएँ	55
समाचार पत्र	18
केंद्रीय पुस्तकालय के लिए कुल सदस्यता	228

परिसंचरण अनुभाग:

श्रेणी	शिक्षक	स्कॉलर	छात्र	कार्मिक	पेंशनधारी	कुल योग
पुस्तकालय उपयोगकर्ता	551	920	6014	500	19	8007

केंद्रीय पुस्तकालय के विभिन्न खंडों में उपयोगकर्ता का आगमन (माहवार)

माह	अध्ययन कक्ष	अवधिक पत्रिका खंड	स्टैक रूम	संदर्भ अनुभाग
अप्रैल, 2019	2683	1951	968	236
मई, 2019	1566	1415	948	182
जून, 2019	1028	931	945	164
जुलाई, 2019	1518	1867	1841	214
अगस्त, 2019	1923	1789	1546	264
सितंबर, 2019	2986	2343	1664	465
अक्टूबर, 2019	979	932	876	149
नवंबर, 2019	2638	1447	1379	171
दिसंबर, 2019	1541	1183	1110	158
जनवरी, 2020	1448	1669	1487	338
फरवरी, 2020	2035	1802	1444	285
मार्च, 2020	2087	2057	1427	274
कुल	**22432**	**19386**	**15635**	**2900**

*** विस्तृत जानकारी**

अनुभागीय पुस्तकालय से संबंधित जानकारी 2019-20

अनुभागीय पुस्तकालय	31 मार्च 2020 तक पुस्तकें	जोड़ी गई पुस्तकें		जोड़ी गई पत्रिकाएं		निर्गम	वापसी	कुल	प्रतिष्ठित आगंतुक	उपयोग - कर्ता
		खरीद	उपहार	सदस्यता	उपहार					
चीना भवन	41767	49	128	13	2	73	63	136	293	139
शिक्षा-भवन	21847	1413	434	–	–	7275	5003	12278	24	3230
पाठ भवन	39384	1240	179	–	–	2363	2126	4489	95	4754
दर्शन भवन	9742	–	2	33	2	860	705	1565	560	690
हिंदी भवन	36994	576	107	1	8	2307	2209	4516	42	422
संगीत भवन	37409	422	15	8	1	3830	3920	7750	26	782
पल्ली संगठन	37789	395	4	–	–	71	42	113	74	392
विनय भवन	22433	468	–	–	–	1647	1658	3305	347	581
रवींद्र भवन	4940	265	666	–	–	000	000	000	1363	000
पल्ली शिक्षा	52846	1566	2	40	14	6679	6402	13081	213	1684
कला भवन	17716	462	41	7	–	1505	1506	3011	15	352
शिक्षा सत्र	27398	1281	9	–	–	1460	1311	2771	48	1454
सभी अनुभागीय पुस्तकालय	394733	8155	1587	218	27	28070	24945	53015	3100	14480
केंद्रीय पुस्तकालय	449343	439653	9690							
ग्रंथन विभाग	8600									
कुल	852676	हालाँकि डेटाबेस में 7,67,324 प्रतियाँ हैं एवं शेष लगभग 85300 पुस्तकें पुस्तकालय की स्थापना की स्थपना एवं उसके बाद खरीदी गई एवं दर्ज़ की गई जिन्हें पाठकों के लिए एवं पुनः दर्ज़ करने हेतु विभिन्न विभागीय पुस्तकालयों में भेजी गई है अर्थात् 85300 से अधिक पुस्तकें दो बार दर्ज़ की गई है।								

विश्वभारती ग्रंथन विभाग, कोलकाता

ग्रंथन विभाग की स्थापना सन् 1923 में रवींद्रनाथ टैगोर की रचनाओं एवं भारतीय संस्कृति संबंधी पुस्तकों के प्रकाशन के लिए की गई थी। अपनी स्थापना के बाद से इसने रवीन्द्रनाथ टैगोर की संपूर्ण रचनाओं के आधिकारिक संस्करण को प्रकाशित किया है। ग्रंथन विभाग का एक प्रमुख प्रकाशन विश्व विद्या संगठन है जिसमें पाठकों के लिए दर्शन, सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान विषयों के लिए गहन विचार उपलब्ध हैं। टैगोर की गीतबितन एवं स्वरबितन में टैगोर के गीत एवं अंकन संग्रह पीढ़ियों से पाठकों एवं कलाकारों के लिए उपलब्ध हैं। वर्तमान में ग्रंथन विभाग अपने परिसर 6 एजेसी बोस रोड, कोलकाता-17 में 23 स्थायी कार्मिक के साथ कार्यशील है।

पुस्तक विमोचन समारोह:

23 दिसंबर, 2019 को पौष मेला, शांतिनिकेतन में ग्रंथन विभाग की दुकान के सामने पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन हुआ।

प्रकाशन:

नया शीर्षक : सं. 4

शीर्षक का पुनर्मुद्रण : सं. 45

नया प्रकाशन :

1. **बंगला संस्कृतिर धारा (विश्वविद्या संग्रह)**

   मूल्य : रु. 450.00

   आईएसबीएन : 978-81-7522-681-4

2. **विश्वभारती पत्रिका**

   (संयुक्त संपादक, स्रवन-अस्विन एंड कर्तिक-पौष 1424)

   संपादित : अमित्रसुदन भट्टाचार्य

   मूल्य रु. 200.00

3. **विश्वभारती पत्रिका**

   (संयुक्त संस्करण, माघ-चैत्र 1423 एवं बैसाख-असर 1424)

   संपादित : अमित्रसुदन भट्टाचार्य

   मूल्य : रु. 200.00

4. **रवींद्र सप्ताह भाषण (1424)**
   संपादित : इंद्राणी मुखोपाध्याय एवं अमर्त्य मुखोपाध्याय
   मूल्य : रु. 200.00
   आईएसबीएन : 978-81-7522-678-4

शीर्षक का पुनर्मुद्रण

5. **आधुनिक साहित्य**
   रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर
   मूल्य : रु. 150.00
   आईएसबीएन : 978-81-7522-107-9
6. **अल्पचारी रवींद्रनाथ**
   रचनाकार : रानी चंदा
   मूल्य : रु. 180.00
   आईएसबीएन : 978-81-7522-443-8
7. **आलोर फुल्की**
   रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर
   मूल्य : रु. 180.00
   आईएसबीएन : 978-81-7522-051-5
8. **चतुरंग**
   रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर
   मूल्य : रु. 90.00
   आईएसबीएन : 978-81-7522-562-6
9. **चिट्ठीपत्र** (खंड 2)
   रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर
   मूल्य : रु. 300.00
   आईएसबीएन : 978-81-7522-557-2

10. **चित्रा**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 120.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-449-1

11. **गल्पागुच्छा** (खंड 3)

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 200.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-027-0

12. **घरे बाईरे**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 170.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-603-6

13. **गीतिचर्चा** (खंड 2)

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 100.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-041-6

14. **गोरा**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 350.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-268-7

15. **गुरुदेव**

रचनाकार : रानी चंदा

मूल्य : रू. 160.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-039-3

16. **टैगोर से परिचय**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 120.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-155-0

17. **जपनजतरी**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 190.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-425-4

18. **जीवनस्मृति** (पाठ)

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 130.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-422-3

19. **मालंचा** (नाटक)

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 90.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-551-0

20. **मलिनी**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 100.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-305-9

21. **मुक्तधारा**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 70.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-008-9

22. **प्राचीन साहित्य**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 90.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-062-9

23. **रवींद्र जीवनी** (खंड 1)

रचनाकार : प्रभात कुमार मुखोपाध्याय

मूल्य : रु. 780.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-429-2

24. **रवींद्र जीवनी** (खंड 2)

रचनाकार : प्रभात कुमार मुखोपाध्याय

मूल्य : रु. 800.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-218-2

25. **रवींद्र जीवनी** (खंड 3)

रचनाकार : प्रभात कुमार मुखोपाध्याय

मूल्य : रु. 750.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-224-3

26. **रवींद्रनाथ ओ शांतिनिकेतन**

रचनाकार : प्रभात कुमार मुखोपाध्याय

मूल्य : रु. 230.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-273-5

27. **रक्तकरबी**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 120.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-089-9

28. **रवींद्र परिचय** (बंगाली)

रचनाकार : भूदेव चौधरी एवं अन्य

मूल्य : रु. 150.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-493-3

29. **रवींद्र रचनावली (लोकप्रिय) (खंड 2)**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

आईएसबीएन : 978-81-7522-438-4

30. **रवींद्र रचनावली (लोकप्रिय) (खंड 5)**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

आईएसबीएन : 978-81-7522-360-8

31. **रवींद्र रचनावली (लोकप्रिय) (खंड 6)**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

आईएसबीएन : 978-81-7522-361-5

32. **रवींद्र रचनावली (लोकप्रिय) (खंड 8)**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

आईएसबीएन : 978-81-7522-363-9

33. **रवींद्र रचनावली (लोकप्रिय) (खंड 11)**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

आईएसबीएन : 978-81-7522-366-0

34. **रवींद्र रचनावली (लोकप्रिय) (खंड 12)**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

आईएसबीएन : 978-81-7522-367-7

35. **रवींद्र रचनावली (लोकप्रिय) (खंड 14)**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

आईएसबीएन : 978-81-7522-369-1

36. **रशियर चिट्ठी**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 150.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-568-8

37. **सभ्यतार संकट**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 60.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-216-8

38. **सहज पाठ** (खंड 1)

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 90.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-410-0

सहज पाठ (खंड 4)

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 120.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-055-3

39. **साहित्य**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 180.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-435-3

40. **साहित्येर पथे**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 160.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-436-0

41. **संचयिता** (बोर्ड बाइंडिंग)

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 700.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-047-8

42. **शेषेर कविता**

रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रु. 110.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-266-3

43. **शीशु**
    रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर
    मूल्य : रू. 100.00
    आईएसबीएन : 978-81-7522-058-4
44. **स्वरबितान** (खंड 3)
    रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर
    मूल्य : रू. 230.00
    आईएसबीएन : 978-81-7522-235-9
45. **स्वरबितान** (खंड 44)
    रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर
    मूल्य : रू. 120.00
    आईएसबीएन : 978-81-7522-546-6
46. **स्वरबितान** (खंड 59)
    रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर
    मूल्य : रू. 120.00
    आईएसबीएन : 978-81-7522-458-2
47. **स्वरबितान** (खंड 62)
    रचनाकार : रवींद्रनाथ टैगोर
    मूल्य : रू. 100.00
    आईएसबीएन : 978-81-7522-548-0
48. **ठाकुरबाड़ीर भुतेर गल्प**
    रचनाकार : सरशेंदु मुखोपाध्याय
    मूल्य : रू. 350.00
    आईएसबीएन : 978-81-7522-419-3

पुस्तक मेला में भागीदारी:

क्रम सं.	वित्तीय वर्ष 2019-2020 के दौरान पुस्तक मेले का नाम	दिनांक
1.	रवीन्द्र सदन पुस्तक मेला	09.05.19-24.05.19
2.	जमशेदपुर पुस्तक मेला	08.11.19-17.11.19
3.	कल्याणी पुस्तक मेला	06.12.19-16.12.19
4.	विवेकानंद कॉलेज फॉर विमेन	09.12.19-10.12.19
5.	पौष मेला (शांतिनिकेतन)	23.12.19-25.12.19
6.	विश्व पुस्तक मेला (नई दिल्ली)	04.01.2020-12.01.2020
7.	कोलकाता पुस्तक मेला	29.01.2020-09.02.2020

बिक्री स्थिति :

वर्ष में सकल बिक्री 2019-2020 : रु. 2,45,93,936.50

वर्ष में शुद्ध बिक्री 2019-2020: रु. 1,74,41,395.00

बांग्लादेश भवन

इसमें कोई संदेह नहीं है कि, बांग्लादेश भवन हाल ही में बनकर विश्वभारती का सिरताज बन गया है, जिसकी स्थापना 2018 ई. में की गई। 25 मई, 2018 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री और बांग्लादेश गणराज्य के प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना की उपस्थिति तथा गणमान्य लोगों की मौजूदगी में बांग्लादेश भवन का उद्घाटन किया गया। बांग्लादेश भवन की स्थापना दो पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध के स्मारक के रूप में हुआ जिसमें दोनों देशों के सामान्य इतिहास, संघर्ष, भाषा वं संस्कृति (आंशिक), जातीयता एवं स्वाभाविक रूप से दो देश के सामान्य रागात्मक लगाव के आधार पर टिकी हुई है। निश्चित रूप से, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर दोनों देश के राष्ट्र निर्माण में प्रेरणा-स्त्रोत रहे हैं। विशेष रूप से दोनों तरफ में बंगाली लोक गीत हजारों वर्षों से सामान्य विरासत का हिस्सा रहा है। बांग्लादेश की माननीय प्रधानमंत्री शेख हसीना की 2010 में नई दिल्ली दौरे के समय इच्छा यह भारत सरकार से बांग्लादेश भवन स्थापित करने की रही है, उस समय के भारत के राष्ट्रपति माननीय श्री प्रणव मुखर्जी ने ढाका में इस प्रस्ताव हेतु इसकी घोषणा की एवं उसके बाद शांतिनिकेतन में स्थान की खोज की गई। शांतिनिकेतन प्राकृतिक रूप से उक्त स्थान हेतु 'शांति का निवास' भवन के रूप में रहा है। आज भी कवि के मानस-हृदय में राजनीतिक सीमा को भाग करनेवाले दोनों तरफ के लोगों में उत्साह देखने को मिलते हैं। भवन निर्माण की संपूर्ण लागत बांग्लादेश सरकार द्वारा वहन की गई हैं। वहीं दूसरी ओर भारत सरकार की सहमति से विश्वभारती द्वारा 28880 वर्ग फिट भूमि दान दी गई।

भवन की अद्वितीय स्थापत्य कला अपने और विदेशी लोगों को आकर्षित करती है।

बांग्लादेश भवन मुख्य रूप से दिनांक 29.01.2019 को बांग्लादेश सरकार द्वारा एक मुस्त मिली 10 करोड़ को निधि दान के रूप में व्यय की गई।

शांतिनिकेतन में स्थापित नए बांग्लादेश भवन के अकादमिक वर्ष 2019-20 के दौरान वर्तमान स्थिति एवं प्रदर्शन का संक्षिप्त लेखा जोखा। निम्नवत् है–

विभागीय गतिविधियाँ:

01.07.2019: विश्वभारती में महली बार बांग्लादेश भवन की ओर से 'नजरूल स्मरण' का आयोजन विश्वभारती द्वारा किया गया। प्रो. सौमित्र चक्रवर्ती ने आमंत्रित वक्ता के रूप में कवि नजरूल इस्लाम पर व्याख्यान दिया। नजरूल गीत एवं कविता पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम– 'छायांत' पर श्रीमती सोमरीता मजूमदार द्वारा सांस्कृतिक मंडली के निर्देश में अभिनय हुआ। प्रो. विद्युत चक्रवर्ती ने उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

27.07.2019: बांग्लादेश उप उच्चायोग एवं बांग्लादेश भवन द्वारा संयुक्त– 'रवीन्द्र-नजरूल जयंती' का आयोजन हुआ। बांग्लादेश से बहुत से प्रतिष्ठित कलाकार जैसे जोसेप कमल रॉडिक्स, एवं अनिमा राय ने बहुत शानदार सांस्कृतिक प्रदर्शन किए। उप उच्चायोग के साथ-साथ इस अवसर पर उच्चायोग गणमान्य

व्यक्तियों की बड़ी कृपा रही। सांस्कृतिक संध्या की विश्वभारती के माननीय कुलपति प्रो. विद्युत चक्रवर्ती ने अध्यक्षता की।

23.09.2019: बांग्लादेश भवन विश्वभारती के उद्यान अनुभाग के सहयोग से पूरे भवन को हराभरा एवं फूलों के साथ-साथ बंगाल के ऋतु फूल के छोटे पौधा को चारों ओर लगाया गया। प्रो. आशा मुखर्जी, कुलसचिव (कार्यकारी) के प्रयास से पौधा रोपण कार्यक्रम किया गया।

16.12.2019: भारत एवं बांग्लादेश राष्ट्र के दोनों छात्रों ने भवन के बरामदे में द्वितीय बार 'विजय दिवस' का अयोजन बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान भारत एवं बांग्लादेश के शरीदों को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से मनाया गया।

21.02.2020: बांग्लादेश भवन परिसर में विश्वभारती द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' का पालन किया गया। विश्वभारती की ओर से बांग्लादेश भवन एवं विदेशी छात्र सहायता केंद्र संयुक्त रूप से उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया।

मुख्य केंद्र :

संग्रहालय:

संग्रहालय की औपचारिक रूप से 18 सितंबर 2018 से सभी के लिए खोल दिया गया

- बांग्लादेश भवन सदैव संस्कृति मंत्रालय, बांग्लादेश गणराज्य के माध्यम से बांग्लादेश उच्चायोग के संयोजन से कोलकाता में वर्तमान संग्रहालय को ज्यादा जीवंत एवं विषयगत बनाया जा रहा है। भवन लगातार एवं सिलसिलेवार तरीके से संपर्क में रहता है। बांग्लादेश सरकार अभी भी संग्रहालय कार्यों को विस्तारित कर रही है।
- वर्ष 2019-20 के दौरान 3700 से भी अधिक द्वारा प्रति माह भवन को देखने आए।
- बांग्लादेश भवन ने बांग्लादेश के विभिन्न संगठनों/संस्थानों से श्रद्धापूर्वक भेंट स्वरुप तीन उपहार प्राप्त किए हैं। 01. धातु पदार्थ का बना पट्टिका/एक नाव, 02 धातु बैज, वर्तमान वर्ष में काष्ट शिल्पकृति प्राप्त किए।
- आगंतुक पंजी, जिसे संग्रहालय ने शुरुआत की और यह आगंतुकों द्वारा खूब सराहा गया भी।
- आगंतुकों के प्रतिक्रिया स्वरूप सुझाव को बांग्लादेश भवन के संग्रहालय के सुदृढ़ करने हेतु उच्चायोग, कोलकाता को अग्रेषित की गई।
- आगंतुकों के जुनून, भावनात्मक लगाव, उत्साह एवं सलाह (बांग्लादेश एवं पश्चिम बंगाल के लेख) को संग्रहालय केंद्र ने संग्रहालय में बांग्लादेश का संक्षिप्त इतिहास एवं उद्देश्य/मुद्रित प्रदर्शन के आधार पर विवरणिका का संकलन भी किया है।
- भवन में भारत एवं बांग्लादेश दोनों के गणमान्य व्यक्ति एवं उच्च अधिकारी भाग लेते हैं।

बांग्लादेश भवन, विशेष रूप से संग्रहालय स्वयं ही आरंभ से दर्शकों के लिए शांतिनिकेतन प्राथमिक गंतव्य स्थल रहा है। भारत एवं बांग्लादेश के कई हिस्सों से स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालय के छात्र भवन की अच्छी तरह से नेतृत्व को संप्रेरषित करते हैं।

बी. पुस्तकालय:

बांग्लादेश भवन पुस्तकालय की अपनी अलग विशेषता है। यहाँ लगभग सभी पुस्तकें लगी रहती हैं जो बांग्लादेश से प्रकाशित होती हैं एवं बांग्लादेश सरकार द्वारा दान दी गई होती हैं। मातृभाषा आंदोलन (1952) एवं बांग्लादेश मुक्ति युद्ध (1971) पर ही पुस्तकालय निश्चित रुप से अतिभार है। इसके अलावा, रवीन्द्रनाथ की पुस्तकें, नजरूल, ललन फकीर अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें भी हैं। रवीन्द्र रचनावली के दो सेट एवं नजरूल रचनावली का संपूर्ण सेट संबंधित विद्वानों और शांतिनिकेतन के बाहर से आनेवाले विद्वानों के लिए यहां पर इस पुस्तकालय में मुफ्त अध्ययन हेतु प्रदान की जाती हैं।

भवन ने उप उच्चायोग, कोलकाता से संपर्क किया ताकि बांग्लादेश भवन पुस्तकालय को और भी विशेष बनाया जाए जिसमें पर्याप्त मात्रा में बांग्लादेश अध्ययन हेतु, लालन-अध्ययन, नजरूल-अध्ययन, जीवनानंद-अध्ययन एवं जशीमुद्दी-अध्ययन के साथ विशिष्ट अध्ययन-सामग्री मिल सके।

पुस्तकालय में कुल 3415 पुस्तकें हैं (3187 पुस्तकें बांग्लादेश सरकार द्वारा दी गईं, 198 पुस्तकं व्यक्तिगत रूप से उपहार स्वरूप दी गयीं, केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 30 पुस्तकें दी गईं)।

- विद्वानों/पाठकों की संख्या जिन्होंने अपना नाम नामांकित किया : 87
- आगंतुक/व्यक्ति द्वारा पुस्तकालय दौरा किया गया वर्ष 2019-2020: 2830
- डिजिटल सूची पुस्तकों की संख्या : 2076
- पाठक हेतु समाचार पत्र को केंद्रीय पुस्तकालय से इकट्ठा किया गया : 02
- पाठक हेतु बांग्ला साहित्य पत्रिका को केंद्रीय पुस्तकालय से इकट्ठा की गई : 01 (देश)
- उपहार रके रूप में स्थानीय पत्रिका का संग्रह; संख्या : 03 (नयाप्रयोंजम, चैपहारी, बीरभूम अधिकारी)
- इस वर्ष पुस्तकालय एवं उपस्थित विषय/आलेख का पत्र/समग्र विवरणिका।
- इस वर्ष में तैयार की गई ग्रंथमूची (पुस्तक/नजरूल द्वारा 01)।

सी. सभागार/संगोष्ठी कक्ष एवं अल्पाहार गृह:

बांग्लादेश भवन का सभागार 453 सीटों के साथ विश्वभारती में सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। यहाँ विशाल के फैटेटेरिया एवं संगोष्ठी कक्ष (घुमावदार दीवार के साथ भाग गिया गया 350 व्यक्ति के ठहरने की क्षमता) है जो विश्वभारती के किसी भी अकादमिक या सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु प्रर्याप्त है। बांग्लादेश भवन बैठक/सम्मेलन हेतु विश्वभारती को कक्ष प्रदान किए जाते हैं। बांग्लादेश भवन

सामूहिक निर्णय एवं प्रयास के कार्ये में विश्वभारती भ्रातृत्व एकजूटता का स्थल है।

भविष्य योजना:

दिनांक 25.05.2018 को बांग्लादेश एवं विश्वभारती के बीच समझौता ज्ञापन के अनुसार, भविष्य में बांग्लादेश भवन में उम्मीदवारों के लिए अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र बनाने की योजना है।

बांग्लादेश भवन बहुत कम समय में ही अस्तित्व में आ गया। यह निकट भविष्य में विकास हेतु अच्छे प्रयास कर रहा है। भवन मुख्य रुप से बांग्लादेश सरकार के अक्षय कॉपर्स फंड से प्राप्त राशि पर ही निर्भर है। भवन अब सतत् एवं संगत प्रवाह स्त्रोत को पता लगाने का प्रयास कर रहा है जो दोनों पड़ोसी देश को पालन-पोषण का उद्देश्य बना रहे।

ए. के. दासगुप्त योजना एवं विकास केंद्र

वर्ष 1995 में योजना आयोग ने योजना एवं विकास में शिक्षण एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कुछ चियनित विश्वविद्यालयों में एक इकाई की स्थापना के लिए एक योजना शुरु की। विश्वभारती इन विश्वविद्यालयं में से एक थी जिसने एंडॉवमेंट प्राप्त किया। इस विषय पर पूर्व योजना आयोग द्वारा किए गए पहले पत्राचार का महला पैराग्राफ में राज्यों से कहा गया है, योजना आयोग और विकास पर अध्ययन एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने और संबधित मुद्दों पर एक सार्थक बहस बढ़ाने में रुचि रखता है। जिन क्षेत्रों पर इकाई अपनी शोध गतिविधियों पर ध्यान केंद्रीत कर रहा है वे ग्रामीण विकास, कृषि, ग्रामीण स्वास्थ, बाल विकास और भारत सरकार के कार्यक्रमों के प्रभाव मूल्यांकन है। अब इकाई का नाम बदलकर प्रोफेसर ए. के. दासगुप्त के नाम पर कर दिया गया। पूर्व योजना आयोग ने 2012 में अध्यक्ष और विकास के रुप में अध्यक्ष और इकाई का नाम बदल दिया। वर्तमान में केंद्र स्व. प्रो. ए. के. दासगुप्त के निवास में 33 पूर्व पल्ली, शांतिनिकेतन में स्थित है। केंद्र नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, कुलपति महोदय, विश्वभारती की अध्यक्षता में है।

विभागीय संगोष्ठी/कार्यशाला:

- 21.06.2019-30.06.2019: 10 डेज नेशनल वर्कशॉप : रिसर्च मेथोडोलॉजी वर्कशॉप इन सोशल साइंस।
- 17.07.2019-23.07.2019: 07 डेज नेशनल वर्कशॉप : अंडरस्टेंडिंग एसपीएसएस इंड इंटस एप्लिकेशन इन रिसर्च।
- 30.07.2019-08.08.2019: 10 डेज नेशनल वर्कशॉप : नेशनल रिसर्च मेथोडोलॉजी वर्कशॉप इन सोशल साइंस।
- 14.09.2019-23.09.2019: 10 डेज नेशनल वर्कशॉप : एप्लिकेशन ऑफ 'आर' इन रिसर्च एंड डेवलपमेंट।
- 02.12.2019-11.12.2019: 10 डेज नेशनल वर्कशॉप : एडवांस एप्लिकेशन ऑफ 'आर' इन प्लालिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि।

शिक्षक/रिसर्च स्कॉलर द्वारा अध्यक्षता, मूल्यांकन/प्रस्तुतीकरण का विवरण:

- 01.02.2020: 'पैराडिंगस ऑफ डेवलपमेंट' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- 24.05.2019-24.02.2019: 'सतत् शक्षा' शिवा आश्रम मुडेनहली, कर्नाटका में आयोजित वैश्वीकरण सम्मेलन में आमंत्रित वक्तव्य दिए।

'महालांनोविश का भारतीय योजना एवं विकास में योगदान' अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी (सिउरी, बीरभूम) द्वारा आयोजित विषय पर प्रो. प्रशांत चंद्र महालांनोविश की स्मृति में व्याख्यान दिए गए।

- 14.08.2019: अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, वर्धमान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित– 'अभिमुखी कार्यक्रम' (कॉलेज एवं विश्वविद्यालय संकाय) विषय पर आमंत्रित वक्यव्य दिए गए।
- 13.09.2019: हल्दिया में भारतीय विद्या भवन द्वारा आयोजित 'महात्मा गांधी' पर संगोष्ठी में सत्र की अध्यक्षता एवं दो आमंत्रित वक्तव्य दिए गए।
- 30.07.2019: विद्यासागर कॉलेज, सिउरी में 'वैतय एड्डुकेशन' पर आमंत्रित व्याख्यान दिए गए।
- 01.02.2020: 'द पॉर्बल्म ऑफ इंडियन रुपी एंड इंटस् सोलुशन एज इंभीसेजड वाय बी. आर. अंडेडकर' राष्ट्रीय संगोष्ठी– 'कंट्रीब्यूशन ऑफ बी. आर. अंबेडकर इन मॉर्डन इंडिया' मराठी विभाग, एससी. एसटी, ओवीसी प्रकोष्ठ विश्वभारती द्वारा आयोजित विषय पर व्याख्यान दिए गए।

प्रकाशन

आधार पत्र

- 'इश्यू ऑफ वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट इन श्रीनिकेतन-शांतिनिकेतन प्लानिंग एरिया' प्रकाशित नई दिल्ली प्रकाशक। आईएसबीएन– 9789388879587.
- 'पर्सपेक्टिव ऑन रुरल टूरिज्म: ससटेनबिलिटी इश्यूज इंड इशोस क्लचरल प्रीवेंशन' प्रकाशक अक्क्षर प्रकाशनी, आईएसबीएन– 9788193972223.
- पुस्तक: 'नसू सिनियर एंड द इवोल्यूशन ऑप इंग्लिश क्लासिकल पॉलिटिकल इकानॉमी' आशीश कुमार दास, प्ररकाशक–नई दिल्ली प्रकाशन, आईएसबीएन– 9789388879682.
- संपादित पुस्तक : 'जेंडर एंड डेवलपमेंट: एसपेक्ट्स ऑफ सोशल एंड इकोनामिक चेंज' संपादन– प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय एवं दया शंकर कुशवाहा। प्रकाशक: नई दिल्ली प्रकाशन, आईएसबीएन– 9789388879545.

अनु. जा./अनु. ज.जा. प्रकोष्ठ

विश्वभारती ने सन् 1983 ई. में एससी एवं एसटी विशेष प्रकोष्ठ स्थापित किया एवं इसकी निम्नलिखित गतिविधियाँ हैं:

एससी/एसटी प्रकोष्ठ की स्थापना विश्वभारती द्वारा होने के बाद छात्र-प्रवेश, शिक्षण और गैर शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती एवं गैर-शिक्षण स्टाफ की पदोन्नति के संदर्भ में आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के कार्य को देखता है। प्रकोष्ठ की देखरेख के लिए प्रभारी प्रोफेसर एवं सहा. कुलसचिव की नियुक्ति की गई है एवं वे एक अनुभाग अधिकारी, दो वरिष्ठ सहायक, एक कार्यालय सहायक सह टंकक एवं एक चपरासी (आकस्मिक कर्मचारी) द्वारा सहायता लेते हैं। वर्तमान में प्रकोष्ठ एससी/एसटी/ओबीसी एवं पीडब्ल्यूडी प्रकोष्ठ के रूप में कार्य करता है।

सांख्यिकी अनुभाग, पल्ली शिक्षा भवन, एवं डॉ. संजय घोष संयुक्त कुलसचिव (लेखा), विश्वभारती, को क्रमश: एससी/एसटी एवं पीडब्ल्यूडी के लिए संपर्क अधिकारी तथा ईडब्ल्यूएस हेतु संपर्क अधिकारी और ओबीसी श्रेणी हेतु संपर्क अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उपाचार्य द्वारा एससी/एसटी के लिए एक स्थायी समिति का गठन किया गया है जो कर्मचारियों (शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक) एवं छात्रों के प्रवेश के संदर्भ में आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा एवं निगरानी करेंगे। इसके अलावा, 'निगरानी आरक्षण हेतु प्रवेश समिति' के लिए भी एससी, एसटी, ओबीसी एवं पीडब्ल्यूडी एवं ईडब्ल्यूएस छात्रों के प्रवेश के संदर्भ में आरक्षण नीति के उचित कार्यान्वयन निरीक्षण की समिति बनाई है।

प्रकोष्ठ सीधी भर्ती, पदोन्नति के क्षेत्र में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक पदों के एससी/एसटी/ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस के आरक्षण रोस्टर पंजीका एवं आरक्षण रोस्टर का रख-रखाव करता है। आरक्षण पंजीका सीधी भर्ती के सभी ग्रुप ए, बी, सी. डी, पदों मे विकलांग हेतु आरक्षण प्रदान करता है एवं गैर-शैक्षणिक पदों के लिए केवल ग्रुप-सी एवं डी के पदोन्नत के क्षेत्र में भी। भारत सरक्र दिशानिर्देशानुसार/परिपत्र के संदर्भ में आरक्षण नीति एवं अन्य संबंधित मामलों का विश्वविद्यालय के कर्मी सभा के अनुमोदन से कार्यान्वयन केए जाते हैं। वर्ष 2010 एवं 2019 में शैक्षणिक पदों में एससी/एसटी की कमी एवं बैकलॉग को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया गया। इसके अलावा, दिनांक 25.07.2006 के यूजीसी के पत्रांक सं. न. एफ 1-5/2006 (एसटीसी) के अनुसार प्रोफेसर एवं सह. प्रफोसर के पद को आरक्षण परिधि के तहत लाया गया एवं कुछ प्रफोसर, सह प्रफोसर खाली पदों को भरा गया, यद्यपि, उक्त पद के आधार पर एससी/एसटी उम्मीदवार की भर्ती की में कमी को पूरा करने में और समय लगेंगे।

विश्वविद्यालय के एससी/एसटी/ओबीसी एवं अल्पसंख्यक छात्रों के लिए 'उपचारी कोचिंग' योजना चलाई जा रही है यूजी एवं पीजी स्तर के छात्रों के लिए। सामान्य विकास सहायता अनुदान के तहत यूसीजी द्वारा 12 योजना के दौरान चलाई गई एवं उक्त योजना से उक्त समुदाय के असंख्य छात्र

लाभान्वित हुए। यद्यपि, वर्तमान में यह योजना बंद है।

प्रकोष्ठ नियमित रूप से अपने क्षेत्र की गतिविधियों पर सांख्यिकी डेटा एकत्र कर रखरखाव करती है और उन्हें एससी, एसटी और ओबीसी/लोकसभा/राज्य सबा हेतु यूजीसी/एमएचआरडी/राष्ट्रीय आयोगों के आगे संचरण के लिए समय-समय पर विहित पप्रपत्रों पर संकलित करता है।

एससी/एसटी/ओबीसी छात्रा या कार्मिक द्वारा दर्ज की गई शिकायत/बिपत्ति को समय-समय पर देखा जाता है और विश्वविद्यालय प्रशासन के सूचनापट्ट में उनको समय पर और उचित निवारण के लिए लाया जाता है। विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से प्रकोष्ठ पीडब्ल्यूडी हेतु 5 प्रतिशत एवं ओबीसी के केंद्रीय सूची में 4 प्रतिशत में भर्ती का अनुपालन करती है।

इंदिरा गांधी केंद्र

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकीकरण केंद्र' की स्थापना वर्ष 1986 में विश्वभारती के एक अंग के रूप में यूजीसी से वित्त पोषित के साथ टैगोर के सार्वभौमिक भाईचारे के दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए की गई थी। दिसंबर 2012 के बाद केंद्र का नाम टैगोर स्मारक संस्थान (टीएमआई) के रूप में नाम बदलकर 'इंदिरा गांधी केंद्र' कर दिया जिसका क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय समझ एवं संबंध पर वृहद ध्यान के रूप में था। केंद्र का प्रस्ताव इस विश्वविद्यालय के अकादमिक मंच, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परस्पर क्रिया विदेशी छात्रों एवं विद्वानों के बीच साथ-साथ विशेष परस्पर कार्यक्रमों का आयोजन करना है। अब इंदिरा गांधी केंद्र अंतरराष्ट्रीय समझ के महत्वपूर्ण दायित्वों को बढ़ावा देने एवं विश्वभारती के राष्ट्रीय महत्व को बनाए रखने के लिए विशेष कार्यक्रम के साथ अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में इसके प्रक्षेपण के साथ आधुनिक युग में इसकी विरासत एवं आशाओं को प्रवर्तन हेतु नोडल संगठन के रूप में कार्य करता है।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी के शीर्षक, दिनांक)

1. 27.07.2019: वक्ता श्री देवाशीष मुखर्जी (वरिष्ठ शोध विद्वान, किनिस्टरी ऑफ कल्चर) सेमिनार का विषय– रवीन्द्रनाथ पर ताराशंकर बंदोपाध्याय का प्रभाव।
2. 18.08.2019: वक्ता डॉ. श्रीला बासु (सह आचार्य, बंगला विभाग, विश्वभारती) सेमिनार का विषय– इंग्लैण्ड में बंगाल ग्रामीण कला व्याख्या की अनुभूति।
3. 26.08.2019: वक्ता प्रो. विश्वजीत राय, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) इरसिटी, बंगला विभाग विषय– रवीन्द्रनाथ टैगोर, सुरेन्द्रनाथ टैगोर एवं महाभारत पर उसकी विवेचना।
4. 08.09.2019: (अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर) वक्ता– प्रो. तारक पान (निवृत्त), विश्वभारती, विषय– राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रारुप।

प्रदर्शनी:

प्रत्येक वर्ष इंदिरा गांधी केंद्र 'पौषमेला के दौरान विभागीय प्रदर्शनी का अयोजन करता है। वर्ष 2019 में उक्त प्रक्रिया को दोहराया गया एवं क्रिया कलाप के विभिन्न क्षण को फोटोग्राफी के द्वारा प्रदर्शन किया गया।

केवल इतना ही नहीं, 2019 में इंदिरा गांधी केंद्र ने संक्षिप्त वीडियो का प्रसारण भी किया जो दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया।

कार्यशाला :

इंदिरा गांधी केंद्र एवं अखिल भारतीय हिंदी संस्थान, आगरा ने मिलकर संयुक्त रूप से बंगाली-हिंदी कोश परियोजना पर कार्य भी किया। कार्यशाला दो भागों में विभक्त था। 05.08.2019 से 10.08.2019 तथा प्रथम चरण एवं 15.11.2019 से 20.11.2019 तक द्वितीय चरण।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजना:

विश्वभारती का यह छोटा अनुसंधान केंद्र है, केंद्र द्वारा अनुसंधान परियोजना के लिए

निम्नलिखित संरचनात्मक सुविधाएं दी गई—
(बी) शिक्षक का नाम (मित्रा सरकार (शोध संघ) द्वारा रखा गया परियोजना का)
(सी) परियोजना का नाम— ए) सिंधु घाटी सभ्यता वं स्वास्थ कार्य
बी) बील बोर्ड, जनसंचार एवं स्वास्थ मुद्दा।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

1. इंदिरा गांधी केंद्र, सीएमईएलएल (आधुनिक यूरोपीयन भाषा साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र) के साथ संयुक्त रुप से कुछ विस्तार गतिविधिओं का संचालन किया।
   'विदेशी भाषा एवं भाषाशास्त्र' पर कार्यशाला का आयोजन किया।
2. इंदिरा गांधी केंद्र अकादमिक उद्देश्य हेतु विश्वभारती में आए विदेशी छात्रों की सहायता करने के लिए 'विदेशी छात्र सहायता प्रकोष्ठ' को स्थान दिया।

दिनांक 21.02.2019 को बांग्लादेश भवन के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन इंदिरा गांधी केंद्र एवं विदेशी छात्र सहायता प्रकोष्ठ के संयुक्त उद्यम से मनाया गया। अधिकांश विदेशी छात्रों ने इस प्रातःकालीन जुलूस में भाग लिया एवं बांग्लादेश भवन सभागार में संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी भाग लिया। उक्त कार्यशाला में माननीय कुलपति महोदय एवं गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

विभाग द्वारा नए कार्यक्रम/पाठ्यक्रम या कोई शिक्षण नवाचार की शुरुआत—

इंदिरा गांधी केंद्र, अटल नवाचार नियोग एवं वित्तीय सहायता हेतु नीति आयोग, भारत सरकार को लागू किया।

अन्य संदर्भित सूचना :

11.06.2019: इंदिरा गांधी केंद्र एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद (पश्चिम बंगाल) ने संयुक्त रुप से तिमाही पत्रिका 'साहित्यपथ' के युवती का मुद्दा समुदाय का आयोजन किया।

इंदिरा गांधी केंद्र के सम्मेलन कक्ष में सम्मलेन का आयोजन हुआ। संयोजन के मुख्य अतिथि वक्ता थे साहा नाभिकीय भौतिकी संस्थान के डॉ. जिसनु बासु। अध्यक्ष प्रो. रामेश्वर मिश्र विश्वभारती, पत्रिका के उद्घाटनकर्ता थे— प्रो. अचिंत विश्वास, गैर विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति एवं विश्वभारती संसद के सदस्य।

इंदिरा गांधी, केंद्र विश्वभारती ने एक वेबसाइट लिंक का प्रकाशन किया एवं विदेशी छात्रों हेतु एक डाटाबेस तैयार किया।

अध्याय-3

शैक्षणिक कैलेंडर/कार्यक्रम : 2019-2020

शैक्षणिक सत्र 1 जून 2019 से 15 मई, 2020

1. **अकादमिक कार्यक्रम :**

	कार्यक्रम	समय सारणी
1.	प्रवेश	
a)	विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों और प्रस्पेक्टस के प्रवेश ख़ार्म	08 मई, 2019 से
b)	ऑनलाइन माध्यम से आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि	10 जून, 2019
c)	मेरिट सूची का ऑनलाइन प्रकाशन	21 जुन, 2019
	उम्मीदवारों की काउंसलिं (UG)	जून 2019-अगस्त 2019
	कक्षाओं की व्यवस्था	भवन के अनुसार
d)	प्रवेश परीक्षा-पीजी पाठ्यक्रम और परिणाम	जुलाई 2019-अगस्त 2019
e)	पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश	जुलाई 2019-अगस्त 2019
2.	कक्षाओं का संचालन	
a)	पाठ-भवन और शक्षा-सत्र (माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा)	4 जनवरी और 1 जुलाई, 2019
b)	UG-I, III, V, VII, PG-I, III, B.Ed. B.PEd. and Diploma in B. Fine Arts Courses	5 जुलाई, 2019
c)	UG-II, IV, VII, VIII and PG-II, IV Course	4 जनवरी, 2019 तक
3.	प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम	
a)	प्रवेश के लिए विज्ञापन और प्रवेश प्रक्रिया की पूर्णता और कक्षाओं का संचालन [सार्टिफिकेट / डिप्लोमा / एड. ललित कला में डिप्लोमा / पाठ्यक्रम (विदेशी और भारतीय)] और ललित कला में ब्रिज पाठ्यक्रम	विज्ञापन: 8 मई, 2019 प्रवेश प्रक्रिया : 31 अगस्त, 2019
4.	एंड-सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरें	
a)	स्कूल प्रमाणपत्र / प्री-डिग्री परिक्षा (वार्षिक)	दिसंबर, 2019 के अंतिम सप्ताह से 15 जनवरी, 2020

	कार्यक्रम		समय सारणी
b)	UG-II, IV, VI, VIII, PG-II and PG-IV Semesters / other final years		मार्च, 2019 के तीसरे सप्ताह के भीतर
c)	UG-I, III, V, VII & PG-I, III Semesters		10 नवंबर, 2019 के भीतर
5.	आंतरिक मूल्यांकन के अंक प्रस्तुत करना		विशेष परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक सप्ताह पहले परीक्षा अनुभाग में जमा किया जाए।
6.	परीक्षा		पहला सेमेस्टर 21 दिसंबर, 2019 के भीतर और दूसरा सेमेस्टर 15 मई, 2020 के भीतर पूरा हो जाएगा।
a)	विद्यालय प्रमाणपत्र		29 मार्च, 2019 तक पूरा किया जाना है
	Pre-Degree		26 मार्च, 2019 तक पूरा किया जाना है।
b)	UG-I, III, V, VII and PG-I, III & V Semesters		20 दिसंबर, 2019 तक पूरा किया जाना है
c)	UG-II, IV, VI, VII and PG-II, IV Semesters		20 दिसंबर, 2019 तक पूरा किया जाना है
d)	M. Phil.		15 जून, 2019 तक पूरा किया जाना है।
7. A.	के लिए अवकाशश	a) पहला चरण (गर्मी की छुट्टियां)	b) दूसरा चरण (पूजा अवकाश)
	पाठभवन	10 मई से 9 जून, 2019 तक	29 सितंबर से 29 अक्टूबर, 2019
	शिक्षा सत्र	10 मई से 9 जून, 2019 तक	29 सितंबर से 29 अक्टूबर, 2019
7. B.	फैकल्टी के लिए अवकाश		
a)	पहला चरण – ग्रीष्मकालीन अवकाश		10 अप्रैल से 19 मई, 2019 तक
b)	दूसरा चरण – पूजा अवकाश		04 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2019 तक
c)	तीसरा चरण – शीतकालीन अवकाश		28 दिसंबर 2019 से 31 दिसंबर 2019 तक

	कार्यक्रम	समय सारणी
8.	परीक्षा परिणामें का प्रकाशन	
a)	स्कूल सर्टिफिकेट / प्री-डिग्री	10 जून, 2019 तक
b)	UG-I, III, V, VII and PG-I, III Semesters	एग्जाम पूरा होने के एक महीने के भीतर।
c)	UG-II, IV, VI, VIII and PG-II, IV Semesters	एग्जाम पूरा होने के एक महीने के भीतर।
9. a)	रिसर्च स्कॉलर का चयन-विभागवार	हर साल की जुलाई
b)	रिसर्च स्कॉलर का चयन-विभागवार	हर साल अगस्त
c)	पीएचडी के परिणामों का प्रकाशन. कोर्सवर्क (केवल एक सेमेस्टर)	हर साल अप्रैल

2. **स्मारक व्याख्यान :**
   a) महर्षि देवेन्द्रनाथ मेमोरियल व्याख्यान।
   b) प्रो० अशीन दास गुप्ता मेमोरियल लेक्चर।
   c) हजारीप्रसाद द्विवेदी मेमोरियल लेक्चर।
   d) डॉ० देवकीनंदन श्रीवास्तव मेमोरियल लेक्चर।
   e) पीयूष कुमार मुखोपाध्याय मेमोरियल लेक्चर।
   f) प्रो० अशोक रुद्र मेमोरियल लेक्चर।
3. **कार्य और त्योहार :**
   - अगस्त 08 (22 Shraban), 2019 -रवींद्रनाथ की पुण्यतिथि और बृक्ष रोपना
   - अगस्त 09, 2019 - हलकर्षण
   - अगस्त 09 to 14, 2019 -रवीन्द्र सप्ताह
   - अगस्त 15, 2019 -स्वतंत्रता दिवस
   - अगस्त 16, 2019 -बरषा मंगला
   - अगस्त 29, 2019 -राष्ट्रीय खेल दिवस
   - सितम्बर 05, 2019 -शिक्षक दिवस
   - सितम्बर 18, 2019 -शिल्पोत्सव

- सितम्बर 28, 2019 -आनंद बाजार और महालया
- अक्तूबर 02, 2019 -गांधी जयंती
- सितम्बर 31, 2019 -राष्ट्रीय एकता दिवस
- नवंबर 14, 2019 -बाल दिवस
- नवंबर 27, 2019 -रथिंद्रनाथ का जन्मोत्सव
- नवंबर 29, 2019 -संविधान दिवस
- दिसंबर1-2, 2019 -नंदन मेला
- दिसंबर 19, 2019 -देवेंद्रनाथ का जन्मोत्सव (मंदिर)
- दिसंबर 27 (7 पौष), 2019 -महर्षि दीक्षा दिवस और पौष-उत्सव
- दिसंबर 25 (8 पौष), 2019 -विश्वभारती स्थापना दिवस और चित्रोत्सव
- जनवरी 12, 2020 -राष्ट्रीय युवा दिवस
- जनवरी 21 (6 माघ), 2020 -महर्षि स्मरण
- जनवारी 23, 2020 -नेताजी का जन्मदिन
- जनवरी 25 (11 माघ), 2020 -माघोत्सव
- जनवरी 26, 2020 -गणतंत्र दिवस
- जनवरी 28-31, 2020 -विश्वभारती वार्षिक एथलेटिक मीट
- फरवरी 06-08, 2020 -श्रीनिकेतन की सालगिरह और माघ-मेला
- मार्च 10, 2020 -गांधी पुन्नैय्या
- मार्च 25, 2020 -वसंतोत्सव
- अप्रैल 1 5 (1 वैशाख्र), 2020 -बंगाली नववर्ष और रवीन्द्र जन्मोत्सव
- मई 09 (25 वैशाख्र), 2020 -रवीन्द्र जन्मतिथि
- जून 21, 2020 -अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

अध्याय-4

विद्यार्थी सांख्यिकी

31.03.2020 को छात्रों की संख्या

पाठ्यक्रम का नाम : **अंडर ग्रेजुएट**

	सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा.		दिव्यांग		अ.प.व. छात्र		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
प्रथम वर्ष	365	440	139	98	40	50	23	7	150	158	95	56	-	-	-	-
द्वितीय वर्ष	344	418	116	58	60	42	22	7	173	182	81	53	-	-	-	-
तृतीय वर्ष	296	380	112	97	53	31	9	7	162	137	48	61	-	-	-	-
चतुर्थ वर्ष	32	30	15	8	2	6	1	0	31	6	1	1	-	-	-	-
कुल	1037	1268	382	261	155	129	55	21	516	483	225	171	-	-	-	-

पाठ्यक्रम का नाम : **पोस्ट ग्रेजुएट**

	सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा		दिव्यांग		अ.प.व. छात्र		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
प्रथम वर्ष	349	454	102	91	41	34	11	6	139	144	109	72	-	-	-	-
द्वितीय वर्ष	326	402	112	97	38	26	5	1	170	121	67	54	-	-	-	-
कुल	675	856	214	188	79	60	16	7	309	265	176	126	-	-	-	-

पाठ्यक्रम का नाम : **एम.फिल./पीएच.डी**

	सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा		दिव्यांग		अ.प.व. छात्र		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
एम. फिल प्रथम वर्ष	34	18	8	4	3	2	3	0	14	8	8	4	-	-	-	-
द्वितीय वर्ष.	17	20	6	6	0	4	0	0	15	12	0	0	-	-	-	-
कुल	51	38	14	10	3	6	3	0	29	20	8	4	-	-	-	-
पीएच. डी.																
प्रथम वर्ष	82	56	19	5	3	3	1	0	22	8	19	7	-	-	-	-
द्वितीय वर्ष.	72	59	28	10	6	4	0	0	32	23	12	1	-	-	-	-
तृतीय वर्ष	52	58	20	7	3	0	2	0	25	14	14	12	-	-	-	-
चतुर्थ वर्ष	94	80	17	14	7	5	0	2	26	14	12	6	-	-	-	-
पंचम वर्ष	93	72	25	12	10	6	1	1	42	29	11	11	-	-	-	-
कुल	393	325	109	48	29	18	4	3	147	88	68	37	-	-	-	-

अकादमिक वर्ष 2019-20 मैं नए दाखिले

पाठ्यक्रम का नाम : **अंडर ग्रेजुएट**

	सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा		दिव्यांग		अ.प.व. छात्र		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
प्रथम वर्ष	365	440	139	98	40	50	23	7	150	158	95	56	-	-	-	-

पाठ्यक्रम का नाम : **पोस्ट ग्रेजुएट**

	सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा		दिव्यांग		अ.प.व. छात्र		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
प्रथम वर्ष	349	454	102	91	41	34	11	6	139	144	109	72	-	-	-	-

पाठ्यक्रम का नाम : **एम. फिल.**

	सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा		दिव्यांग		अ.प.व. छात्र		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
प्रथम वर्ष	34	18	8	4	3	2	3	0	14	8	8	4	-	-	-	-

पाठ्यक्रम का नाम : **पीएच. डी.**

	सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा		दिव्यांग		अ.प.व. छात्र		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
प्रथम वर्ष	82	56	19	5	3	3	1	0	22	8	19	7	-	-	-	-

पाठ्यक्रम का नाम : **डिप्लोमा/एडवांस्ड डिप्लोमा**

	सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा		दिव्यांग		अ.प.व. छात्र		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
प्रथम वर्ष	21	18	4	2	1	2	0	0	11	2	4	0	-	-	-	-

पाठ्यक्रम का नाम : **प्रमाण पत्र**

	सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा		दिव्यांग		अ.प.व. छात्र		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
प्रथम वर्ष	63	105	17	21	3	2	3	0	14	13	10	7	-	-	-	-

अध्याय-5

2019-2020 में परिसर विकास

2019-2020 में परिसंपत्ति से (रु. लाख में) "परिसर विरास" के तहत निम्नलिखित कार्य किए गए :

क्रम सं.	परियोजना/कार्य का नाम	आवंटन	कार्य निष्पादन
A.	**सीमा की दीवार/ बाड़ लगाने का प्रमुख मरम्मत / नवीनीकरण कार्य :**		
1	शिक्ष-भवन, शांतिनिकेतन में रसायन विज्ञान विभाग से पुरानी लाइब्रेरी तक बाउंड्री वॉल की मरम्मत।	14.97	अभियंता विभाग, विश्वभारती
2	दक्षिणपल्ली, शांतिनिकेतन में वेटरनरी अस्पताल के पास चारदीवारी और गार्ड की दीवार की बड़ी महम्मत।	3.02	अभियंता विभाग, विश्वभारती
3	पाठ भवन की चारदीवारी संतोष भवन से बेनीकुंज, शांतिनिकेतन तक	4.77	अभियंता विभाग, विश्वभारती
4	शांतिनिकेतन में बालीपारा क्षेत्र से सटे मौजूदा चारदीवारी का विस्तार।	28.00	अभियंता विभाग, विश्वभारती
5	श्रीनिकेतन में सामाजिक कार्य (केवीके से बीडीओ कार्यालय के पीछे की ओर की दीवार की मरम्मद।	10.50	अभियंता विभाग, विश्वभारती
6	शांतिनिकेतन में सारदा लॉज के पीछे की ओर से निशा होटल के पीछे की ओर चारदीवारी का विस्तार।	15.00	अभियंता विभाग, विश्वभारती
कुल		**76.26**	
B.	**नालों का विकास/बड़ी मरम्मत :**		
1	शांतिनिकेतन में पाठ-भवन रसोई के पीछे नालियों का सुधार।	5.24	अभियंता विभाग, विश्वभारती
C.	**बिजली आपूर्ति प्रणाली की प्रमुख मरम्मत / बहाली / सुधार:**		
1	विभिन्न हॉस्टल (श्रीनिकेतन क्षेत्र, विनय-भवन बॉयज एंड गर्ल्स हॉस्टल और नानदानासडाना हॉस्टल) और अन्य क्षेत्रों में समर्पित फीडर की बहाली आवश्यक है।	14.00	अभियंता विभाग, विश्वभारती

D.	**पानी की आपूर्ति प्रणाली :**		
1	जल आपूर्ति प्रणाली की प्रमुख मरम्मत / प्रतिस्थापन / सुधार (मुख्य पाइप लाइन, वाल्व और अन्य सहायक उपकरण आदि का जल वितरण)।	4.50	अभियंता विभाग, विश्वभारती
कुल योग		**100.00**	
E.	स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालयों की मरम्मत / नवीनीकरण / निर्माण	100.00	अभियंता विभाग, विश्वभारती
F.	पुस्तकालय समर्थन अधिमानत : ई-संसाधन (स्थायी पहुँच)	100.00	विश्वविद्यालय पुस्तकालय

अध्याय-6

विश्वविद्यालय वित्त

लेखा शीर्ष	वास्तविक 2015-16 रू.लाख में	वास्तविक 2016-17 रू. लाख में
प्राप्तियाँ : यू जी सी अनुदान	21706.99	22108.16
स्व उत्पादन	873.41	892.73
कुल :	22634.40	23000.89
भुगतान : वेतन व भत्ते	13248.76	13390.70
पेंशन व अधिवर्षिता लाभ	6303.98	6442.43
वेतन से इतर खर्च	1953.26	2085.67
कुल :	21506.00	21918.80

वार्षिक प्रतिवेदन के लिए प्राप्त अनुदान एवं खर्च का विवरण

		2017-18	2018-19	2019-20
वेतन	आदि शेष	2870.75	2359.25	-349.69
	अनुदान प्राप्ति	17562.61	15231.46	21000.00
	खर्च	18074.11	17940.40	20836.28
	अन्तिम शेष	2359.25	-349.69	-185.97
आवर्ती	आदि शेष	472.10	15.48	-115.79
	अनुदान प्राप्ति	6549.90	9114.52	10866.44
	आंतरिक प्राप्ति	894.67	883.73	1231.61
	खर्च	7901.19	10129.52	12801.10
	अंतिम शेष	15.48	-115.79	-818.84
पूँजीगत संपत्ति	आदि शेष	0.00	0.00	0.00
	अनुदान प्राप्ति	1669.83	1225.00	900.00
	खर्च	1177.26	939.34	400.01
	अंतिम शेष	492.57	285.66	499.99

अध्याय-7

शारीरिक शिक्षा, खेल-कूद, राष्ट्रीय सेवा एवं छात्र कल्याण के निदेशक का कार्यालय, विश्वभारती

वार्षिक प्रतिवेदन (2019-2020) के लिए कार्यक्रम का विवरण

पी एस एन एस, विश्वभारती के निदेशक के कार्यालय के अंतर्गत एन एस स, एन सी सी की गतिविधियाँ

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	स्थान	प्रतिभागी छात्रों की सं.	अभ्युक्ति
1	2019 योग अंतर्राष्ट्रीय दिवस उत्सव	15.06.2019 से 21.06.2019	विश्वविद्यालय परिसर विश्वभारती	1101	
2	रक्तदान शिविर	22.07.2019	शिक्षासत्र परिसर	75	
3	रक्तदान शिविर	30.07.2019	उत्तर शिक्षा भवन	81	
4	सबुजयन वृक्षारोपण (2019)	08.08.2019	आश्रम मैदान	297	**आश्रम मैदान में 200 पौधे लगाए**
5	एंटी ड्रग अवेयरनेस प्रोग्राम	19.08.2019	नव भवन, भाषा-विद्या भवन	95	
6	स्वतंत्रता दिवस उत्सव- 2019	15.08.2019	विनय भवन प्ले ग्राउंड	124	
7	एनएसएस दिवस उत्सव	24.09.2019	नाट्य घर	1485	
8	स्वच्छता ही सेवा (MHRD प्रायोजित कार्यक्रम)	19.09.2019	बिनूरिया ग्राम	98	
9	पौष मेला (1. पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम अभियान, 2. सफाई कार्यक्रम /	23.12.2019 से 26.12.2019	पौष मेला मैदान	1800	

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	स्थान	प्रतिभागी छात्रों की सं.	अभ्युक्ति
	ड्राइव, 3. अन्य स्वयंसेवक सेवाएँ				
10	सफाई कार्यक्रम (स्वच्छ भारत अभियान)	28.12.2019 तथा 29.12.2019	पौष मेला मैदान	1250	
11	गणतंत्र दिवस – 2020 परेड चयन ट्रेल में एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी	02.01.2020	कोलकाता	17	
12	फिट इंडिया मूवमेंट	18.01.2020	भाषा भवन से डीएसडब्ल्यू कार्यालय	90	
13	रेड रोड, कोलकाता में गणतंत्र दिस 2020 परेड में एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी	05.01.2020 से 26.01.2020	रेड रोड कोलकाता	2	
14	गणतंत्र दिवस समारोह - 2020	26.01.2020	विनय भवन प्ले ग्राउंड	124	
15	रक्तदान जागरूकता शिविर	12 तथा 13 फरवरी, 2020	पी एस बी परिसर	108	
16	गाँधीपुण्य	10.03.2020	शांतिनिकेतन और श्रीनिकेतन परिसर	435	

सांस्कृतिक गतिविधियाँ :

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	स्थान	छात्रों की सं.	अभ्युक्ति
1.	**35 वां पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय युवा उत्सव 2019-2020:**				
A.	क्लासिकल इंसट्रुमेंटल (पर्क्यूशन सोलो)	11.11.2019 से 15.11.2019	असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी	1	द्वितीय पुरस्कार
B.	शास्त्रीय स्तर (सोलो)	11.11.2019 से 15.11.2019	असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी	1	तृतीय पुरस्कार
C.	ऑन स्पॉट पेंटिंग	11.11.2019 से 15.11.2019	असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी	1	तृतीय पुरस्कार
D.	फॉल्क / ट्रइबल डांस	11.11.2019 से 15.11.2019	असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी	8	तृती पुरस्कार
E.	रंगोली	11.11.2019 से 15.11.2019	असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी	1	चतुर्थ पुरस्कार
F.	शास्त्री वाद्य (गैर तालक सोलो)	11.11.2019 से 15.11.2019	असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी	1	चतुर्थ पुरस्कार
2.	**35 वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2019-2020:**				
A.	ऑन स्पॉट पेंटिंग	03.02.2020 से 07.02.2020	एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, नई दिल्ली	1	प्रथम पुरस्कार

विश्वभारती के छात्रों के लिए स्पोकन इंग्लिश कोर्स

क्रम सं.	छात्रों की सं.	सत्र	अभ्युक्ति
1	48	03.08.2019 से 16.11.2019	
2	60	20.01.2020	

मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र

क्रम सं.	कुल छात्रों की सहभागीता	सत्र	अभ्युक्ति
1	194	01.04.2019 से 31.03.2020	

कैरियर परामर्श केंद्र

क्रम सं.	कुल छात्रों की सहभागीता	सत्र	अभ्युक्ति
1	207	01.04.2019 से 31.03.2020	

विद्यार्थी मेडिक्लेम बीमा

क्रम सं.	दावे की संख्या जिनका निपटान किया गया
1	65

छात्रों की सहायता निधि

क्रम सं.	छात्रों की सहायता निधि प्रदान किए गए छात्रों की संख्या
1	796

विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल

दिनांक	एजेंसी का नाम	छात्रों की संख्या अपील	छात्रों की संख्या जिन्हें प्लेसमेंट दी गई	अभ्युक्ति
1	अमेज़न कंपनी	49	15	

विस्तार गतिविधियाँ योग और ध्यान शिविर

क्रम सं.	प्रतिभागियों की सं.	सत्र	अभ्युक्ति
1	108	31.05.2019 से 28.08.2019	
2	107	06.09.2019 से 30.12.2019	
3	97	03.01.2020 से 23.03.2020	

परिशिष्ट-क

भवनाध्यक्ष

क्रम सं.	भवन का नाम	अध्यक्ष का नाम	से	तक
1.	विद्याभवन	प्रो. सर्बजीत सेनगुप्ता	**19-07-2019**	**अगले आदेश तक**
2.	कला भवन	प्रो. संजोय कुमार मल्लिक	**01-08-2019**	**अगले आदेश तक**
3.	पीएसबी	प्रो. देवाशीष भट्टाचार्य	**14-09-2019**	**13-09-2021**
4.	संगीत भवन	प्रो. स्वस्तिका मुखोपाध्याय	**01-01-2020**	**30-06-2021 (i.e. अधिवर्षिता की तारीख)**
5.	भाषा भवन	प्रो. मंजू रानी सिंह	**20-03-2020**	**31-01-2021**
6.	विनय भवन	प्रो. सागरिका बंद्योपाध्याय	**08-02-2019**	**23-04-2020**
7.	शिक्षा भळन	प्रो. काशीनाथ चटर्जी	**31-01-2018**	**30-04-2020**
8.	पीएसवी	प्रो. अशोक कुमार सरकार	**01-09-2018**	**31-08-2020**

परिशिष्ट-ख

विभाग / संस्था के प्रधान / निदेशक

भाषा भवन, विश्वभारती के अध्यक्ष

क्रम सं.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष
1	बंगला	प्रो. अभ्रा बोस
2	अंग्रेज़ी	प्रो. अमृत सेन
3	समन्वयक, CMELLCS	प्रो. नीलांजन चक्रवर्ती
4	संस्कृत, पाली और प्राकृत	प्रो. नरोत्तम सेनापति
5	हिंदी	प्रो. रवीन्द्रनाथ मिश्र
6	ओडिआ	प्रो. सबिता प्रधान
7	अरबी, फारसी उर्दू इस्लामी अध्ययन	प्रो. वासिफ अहमद
8	भारत-तिब्बत अध्ययन	अध्यक्ष, भाषा भवन
9	जापानी	डॉ. गीता ए कीनी
10	चीनी भाषा और संस्कृति	डॉ. अभिजीत बनर्जी
11	एचओडी, संताली के रूप में कार्य	अध्यक्ष, भाषा भवन
12	प्रभारी, बौद्ध अध्ययन केंद्र	प्रो. अरुण रंजन मिश्रा
13	प्रोफेसरचार्ज-इन, तुलनात्मक साहित्य केंद्र	डॉ. सोमा मुखर्जी
14	को-ऑर्डिनेटर, टैगोर अध्ययन	प्रो. अमल पाल

विद्या भवन, विश्वभारती के अध्यक्ष

क्रम सं.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष
1	अर्थशास्त्र और राजनीति	प्रो. मधुसूदन घोष
2	इतिहास	प्रो. सैयद एजाज हुसैन
3	प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग	डॉ. अनिल कुमार
4	भूगोल	प्रो. सुतापा मुखोपाध्याय
5	दर्शन एवं तुलनात्मक घर्म	प्रो. आशा मुखर्जी
6	प्रभारी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	प्रो. बिप्लब लोहा चौधरी
7	नृतत्त्व विभाग	डॉ. अर्नब घोष

विभागाध्यक्ष
शिक्षा भवन

क्रम सं.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष
1	गणित	प्रो. प्रशांत कुमार मंडल
2	भौतिक विज्ञान	प्रो. मानस मैती
3	रसायन विज्ञान	प्रो. गैतम ब्रह्मचारी
4	वनस्पति विज्ञान	प्रो. नारायण चंद्र मंडल
5	प्राणि विज्ञान	प्रो. अंशुमन चट्टोपाध्याय
6	कंप्यूटर और सिस्टम विज्ञान	प्रो. अलक कुमार दत्ता
7	सांख्यिकी	प्रो. सुधांसु सेखर माइती
8	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	डॉ. अमित रॉय
9	पर्यावरण अध्ययन विभाग	प्रो. शिबानी चौधरी
10	प्रभारी, एकीकृत विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (ISERC)	डॉ. सुब्र सिन्हा
11	इन-चार्ज, सेंटर फॉ मैथमेटिक्स एजुकेशन, (CME) शिक्षा-भवन	प्रो. प्रशांत चटर्जी

विनय भवन, विश्वभारती के अध्यक्ष

क्रम सं.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष
1	शिक्षा	प्रो. काह्नु चरन साहू
2	शारीरिक शिक्षा	प्रो. सुमंत कुमार मंडल
3	योग कला एवं विज्ञान	प्रो. समीरण मोंडल

कला भवन, विश्वभारती के अध्यक्ष

क्रम सं.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष
1	कला का इतिहास	डॉ. मेघाली गोस्वामी
2	डिजाइन	स्री देबाशीष महालनोबिश
3	मूर्ति	डॉ. मति लाल कलाई
4	प्रिंटिंग	श्री संचायन घोष
5	ग्राफिक आर्ड	श्री अरपन मुखर्जी

संगीत भवन, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्रम सं.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष
1	शास्त्रीय संगीत	प्रो. सब्यसाची सरखेल
2	रबींद्र संगित नृत्य और नाटक (RSDD)	प्रो. वाई. हेमंत कुमार

पीएसवी, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्रम सं.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष
1	शिल्प सदन, पीएसवी	प्रो. पद्मिनी बलराम
2	आजीवन शिक्षण विस्तार विभाग	प्रो. अमित कुमार हाजरा
3	सोशल-वर्क, पीएसवी	प्रो. असोक कुमार सरकार
4	पीसीके, पीएसवी	प्रो. शंकर मजुमदार

पएसबी, विश्वभारती के विभागाध्यक्ष

क्रम सं.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष
1	कृषि विज्ञान	प्रो. बिनय कुमार सहीन
2	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान	प्रो. गौतम कुमार घोष
3	कृषि इंजीनियरिंग	प्रिंसिपल, पीएसबी
4	जंतु विज्ञान	डॉ. जयंत कुमार चटर्जी
5	बागवानी और पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी	डॉ. गौतम मंडल
6	कृषि विस्तार	प्रो. सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय
7	जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग	डॉ. अमिताव पॉल
8	फसल क्रियाविज्ञान	प्रिंसिपल, पीएसबी
9	कृषि अर्थशास्त्र	प्रो. देबाशीष सरकार
10	कृषि सांख्यिकी	प्रो. देबाशीष भट्टाचार्य
11	कृषि एंटोमॉलॉजी	प्रो. हीराक चटर्जी
12	प्लांट पैथोलॉजी	डॉ. रंजन नाथ

परिशिष्ट-ग

शैक्षिक कर्मचारी

प्रोफेसरों की सूची					
क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
1	अहमद वासिक	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/03/1971	19/05/2015
2	बाग तारापद	प्रोफेसर	पीएच. डी.	24/04/1963	17/05/2015
3	बलराम पद्मिनी	प्रोफेसर	पीएच. डी.	06/09/1956	26/02/2013
4	बंद्योपाध्याय देबरति	प्रोफेसर	पीएच. डी.	12/01/1973	01/01/2012
5	बंद्योपाध्याय सगरिका	प्रोफेसर	पीएच. डी.	11/01/1956	01/01/2009
6	बद्योपाध्याय श्रुति	प्रोफेसर	पीएच. डी.	08/10/1962	01/04/2014
7	बनर्जी अविजीत	प्रोफेसर	पीएच. डी.	12/08/1971	20/05/2014
8	बनर्जी दिब्येंदु	प्रोफेसर	पीएच. डी.	16/10/1969	21/01/2015
9	बरीक अरुण कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	24/09/1959	01/01/2009
10	बासु भास्कर ज्योति	प्रोफेसर	पीएच. डी.	30/09/1955	30/11/2009
11	बासु सुदीप	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/05/1964	31/08/2009
12	भट्टाचार्जी मंजरी	प्रोफेसर	पीएच. डी.	17/10/1961	17/05/2015
13	भट्टाचार्जी देबाशीष	प्रोफेसर	पीएच. डी.	23/05/1962	01/08/2006
14	भट्टाचार्य जगत राम	प्रोफेसर	पीएच. डी.	16/01/1960	11/02/2013
15	भट्टाचार्ज काशीनाथ	प्रोफेसर	पीएच. डी.	04/07/1956	18/10/2004
16	भट्टाचार्य सुदीप्त	प्रोफेसर	पीएच. डी.	30/06/1962	01/01/2009
17	भट्टाचार्य आशीष	प्रोफेसर	पीएच. डी.	10/01/1962	15/11/2010
18	भट्टाचार्य सुमिता	प्रोफेसर	पीएच. डी.	24/11/1961	26/08/2012
19	बिश्वास स्वदेश रंजन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	04/04/1960	26/12/2011
20	बोस अभ्र	प्रोफेसर	पीएच. डी.	26/05/1969	20/11/2010
21	ब्रह्मचारी गौतम	प्रोफेसर	पीएच. डी.	14/04/1969	24/07/2011
22	चक्रबर्ती सौम्या	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/01/1972	01/09/2015
23	चक्रबर्ती प्रेमांग्शु	प्रोफेसर	पीएच. डी.	25/08/1972	25/09/2014
24	चक्रबर्ती ललिता	प्रोफेसर	पीएच. डी.	09/01/1961	30/04/2010
25	चक्रबर्ती निलंजन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	02/10/1960	01/01/2009
26	चक्रबर्ती संतब्रत	प्रोफेसर	पीएच. डी.	08/04/1955	05/03/2002
27	चक्रबर्ती सोमनाथ	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/05/1958	01/09/2005

प्रोफेसरों की सूची					
क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
28	चक्रबर्ती स्नेहाशीष	प्रोफेसर	पीएच. डी.	26/10/1967	27/02/2011
29	चंद्र स्वप्न कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	13/02/1963	29/09/2014
30	चटर्जी हीरक	प्रोफेसर	पीएच. डी.	16/09/1955	27/07/2006
31	चटर्जी हीरक	प्रोफेसर	पीएच. डी.	02/10/1965	09/09/2009
32	चटर्जी काशीनाथ	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/05/1955	01/03/2002
33	चटर्जी प्रशांत	प्रोफेसर	पीएच. डी.	05/09/1968	01/01/2009
34	चट्टोपाध्याय अपूर्वा	प्रोफेसर	पीएच. डी.	24/01/1963	30/06/2011
35	चट्टोपाध्याय ताराप्रसाद	प्रोफेसर	पीएच. डी.	06/09/1957	15/09/2003
36	चट्टोपाध्याय अंशुमन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	16/12/1968	17/12/2011
37	चौधुरी प्रनेश	प्रोफेसर	पीएच. डी.	05/09/1965	01/08/2010
38	चौधुरी शिबानी	प्रोफेसर	पीएच. डी.	02/10/1956	06/05/2009
39	चिनारा बेणुधर	प्रोफेसर	पीएच. डी.	20/05/1959	02/07/2006
40	चौधुरी तथागत	प्रोफेसर	पीएच. डी.	26/12/1971	02/05/2016
41	चौधुरी बिप्लब लोहा	प्रोफेसर	पीएच. डी.	12/02/1964	02/05/2011
42	चौधुरी सार्थक	प्रोफेसर	पीएच. डी.	20/06/1959	02/09/2005
43	दलुई बिजोय कृष्णा	प्रोफेसर	पीएच. डी.	12/06/1970	27/05/2015
44	दास असीम कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी., डी. एस.सी	31/08/1960	13/01/2005
45	दास बुद्धदेव	प्रोफेसर	एमपीए	19/11/1961	17/01/2014
46	दास गौरब कान्ति	प्रोफेसर	पीएच. डी.	12/04/1969	24/07/2014
47	दास गौतम कुमार	प्रोफेसर	बीएफए	14/08/1963	19/08/2011
48	दास इंद्राणी	प्रोफेसर	पीएच. डी.	05/07/1962	06/04/2011
49	दास संजीब कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/03/1973	12/04/2014
50	देवी कोंजेगबम सुनिता	प्रोफेसर	बी. ए.	01/04/1961	17/01/2014
51	दत्ता आलोक कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	02/01/1963	24/03/2007
52	दत्ता परमार्थ	प्रोफेसर	पीएच. डी.	14/06/1966	01/11/2007
53	गांगुली स्वाति	प्रोफेसर	पीएच. डी.	19/11/1965	31/12/2014
54	घोष पिजूश कांति	प्रोफेसर	पीएच. डी.	18/10/1967	08/04/2008
55	घोष सौविक	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/11/1972	27/06/2013
56	घोष गौतम कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	05/01/1964	09/08/2010

प्रोफेसरों की सूची					
क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
57	घोष मधुसूदन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	26/10/1955	03/03/2001
58	घोष प्रसांत कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/08/1958	01/07/2005
59	घोष स्वपन कुमार	प्रोफेसर	एमपीए	31/03/1958	17/01/2014
60	गून अशोक कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	07/02/1956	16/09/1985
61	गुप्ता बिकाश चंद्रा	प्रोफेसर	पीएच. डी.	06/01/1967	21/04/2016
62	हाज़रा अमित कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	21/12/1963	30/04/2007
63	हुसैन सईद एजाज	प्रोफेसर	पीएच. डी.	12/12/1962	18/11/2010
64	इस्लाम एमडी सिराजुल	प्रोफेसर	पीएच. डी.	17/01/1961	01/01/2009
65	जेना निरंजन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	27/03/1973	16/05/2015
66	झा विभास चंद्र	प्रोफेसर	पीएच. डी.	07/03/1958	27/07/1998
67	कर रुप कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	29/09/1956	27/07/2006
68	खान निआज अहमद	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/11/1958	10/02/2008
69	कोले परेश चन्द्र	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/08/1964	18/05/2009
70	कुमार अनिल	प्रोफेसर	पीएच. डी.	20/09/1967	12/03/2016
71	कुमार आर शिवा	प्रोफेसर	एमएफए	03/12/1956	01/10/2002
72	कुमार वाई हेमंत	प्रोफेसर	बी.ए.	01/01/1960	17/01/2014
73	कुंडू तापस	प्रोफेसर	पीएच. डी.	05/06/1968	07/12/2007
74	लिंडस लरिशा एम	प्रोफेसर	पीएच. डी.	23/11/1970	17/05/2015
75	महापात्रा तापस राय	प्रोफेसर	पीएच. डी.	13/12/1968	31/07/2012
76	माइति सुधांशु शेखर	प्रोफेसर	पीएच. डी.	24/01/1966	11/03/2013
77	माइति मानस	प्रोफेसर	पीएच. डी.	20/04/1966	01/01/2009
78	माजी आदिनाथ	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/09/1970	24/05/2016
79	नंजुमदार शंकर	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/02/1957	01/06/2007
80	मलिक गणेश चंद्र	प्रोफेसर	पीएच. डी.	18/08/1970	05/05/2015
81	मलिक उमा शंकर	प्रोफेसर	पीएच. डी.	27/08/1956	17/04/2007
82	मल्लिक संजय कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	10/05/1967	04/09/2012
83	मंडल दिवक	प्रोफेसर	पीएच. डी.	10/11/1966	01/05/2013
84	मिश्रा अरुणा रंजन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	02/01/1959	27/01/2011
85	मिश्रा रवींद्रनाथ	प्रोफेसर	पीएच. डी.	12/07/1957	01/03/2013
86	मिश्रा शकुंतला	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/06/1961	08/12/2011

प्रोफेसरों की सूची					
क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
87	मित्रा दिलीप कुमार	प्रोफेसर	एमएफए	06/07/1961	01/01/2009
88	मंडल अरुण	प्रोफेसर	पीएच. डी.	13/08/1958	27/07/2006
89	मंडल अरबिंद	प्रोफेसर	पीएच. डी.	17/11/1973	15/03/2016
90	मंडल भबतोष	प्रोफेसर	पीएच. डी.	16/07/1962	29/09/2014
91	मंडल मृणाल कांति	प्रोफेसर	पीएच. डी.	28/09/1964	31/01/2008
92	मंडल नारायण चंद्र	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/06/1962	27/07/2006
93	मंडल प्रशांत	प्रोफेसर	पीएच. डी.	16/01/1968	01/07/2012
94	मंडल समीरन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	19/06/1964	23/10/2012
95	मंडल सुब्रता	प्रोफेसर	पीएच. डी.	19/01/1964	29/09/2014
96	मंडल सुमन्त कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	10/09/1968	30/04/2009
97	मंडल स्वपन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	22/07/1963	01/01/2009
98	मुखर्जी आशा	प्रोफेसर	पीएच. डी.	19/08/1955	10/08/2001
99	मुखर्जी बासबी	प्रोफेसर	एमपीए	26/02/1959	17/01/2014
100	मुखोपाध्याय इंद्राणी	प्रोफेसर	पीएच. डी.	23/01/1959	16/05/2009
101	मुखोपाध्याय मलय	प्रोफेसर	पीएच. डी.	07/08/1956	27/07/2006
102	मुखोपाध्याय मानबेंद्र	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/01/1972	15/02/2016
103	मुखोपाध्याय सिद्धार्थ देब	प्रोफेसर	पीएच. डी.	31/12/1961	07/10/2012
104	मुखोपाध्याय सुतपा	प्रोफेसर	पीएच. डी.	03/11/1956	27/02/2010
105	मुखोपाध्याय स्वास्तिका	प्रोफेसर	बीए	04/06/1956	22/03/2013
106	नाथ रंजन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	09/12/1969	08/06/2009
107	पाढ़ी प्रताप कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	25/04/1972	13/11/2014
108	पनजा मदन मोहन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	20/10/1960	02/01/2013
109	पवार पंकज	प्रोफेसर	एमएफए	11/07/1961	29/11/2005
110	पट्टनायक कैलाश चंद्र	प्रोफेसर	पीएच. डी.	06/02/1957	22/06/2003
111	पॉल अमल कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	18/04/1960	01/01/2009
112	पॉल अमिताभ	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/04/1970	03/04/2013
113	पॉल दुलाल	प्रोफेसर	पीएच. डी.	14/06/1956	06/12/1999
114	पॉल सुजित कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/10/1970	29/04/2016
115	प्रधान दाई सबिता	प्रोफेसर	पीएच. डी.	07/07/1961	20/09/2004
116	प्रधान मनोरंजन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/01/1960	22/11/2005

प्रोफेसरों की सूची					
क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
117	राहा बिपाशा	प्रोफेसर	पीएच. डी.	27/02/1965	28/05/2009
118	राहा स्वपन	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/05/1960	25/07/2005
119	रहमान हबीबुर चौधरी	प्रोफेसर	पीएच. डी.	05/01/1961	21/12/2015
120	रक्षित सांतनु	प्रोफेसर	पीएच. डी.	13/07/1969	21/05/2015
121	राय अमित	प्रोफेसर	पीएच. डी.	09/02/1958	24/02/2014
122	राय भट्टाचार्य अपर्ना	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/08/1966	27/01/2010
123	रॉय बिधान चंद्र	प्रोफेसर	पीएच. डी.	27/01/1969	31/12/2010
124	रॉय राजर्षि	प्रोफेसर	पीएच. डी.	26/10/1972	03/04/2014
125	रॉय समित	प्रोफेसर	पीएच. डी.	23/11/1956	04/11/2003
126	रॉय सांतनु	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/04/1957	31/03/2009
127	रॉय सुभाशीष	प्रोफेसर	पीएच. डी.	24/08/1973	19/01/2015
128	रॉय उत्पल	प्रोफेसर	पीएच. डी.	02/01/1963	23/10/2012
129	रूज माधबी	प्रोफेसर	पीएच. डी.	16/11/1957	27/03/2012
130	साहा मानबेंद्र नाथ	प्रोफेसर	पीएच. डी.	07/09/1965	05/03/2013
131	साहा समर कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	22/11/1966	09/12/2013
132	सहाना सिसिर कुमार	प्रोफेसर	एमएपए	09/07/1963	22/11/2012
133	साहु काह्नु रचण	प्रोफेसर	पीएच. डी.	22/04/1962	01/01/2011
134	सर्बाधिकारी संदीप बासु	प्रोफेसर	पीएच. डी.	08/01/1959	22/11/2005
135	सरकार अशोक कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/11/1971	01/06/2009
136	सरकार देवाशीष	प्रोफेसर	पीएच. डी.	15/01/1960	16/05/2015
137	सरकार प्रणब	प्रोफेसर	पीएच. डी.	12/06/1969	04/11/2010
138	सरखेल सब्यसाची	प्रोफेसर	पीएच. डी.	07/11/1960	04/02/2009
139	सेन अभिजीत	प्रोफेसर	पीएच. डी.	22/01/1956	26/08/1999
140	सेन अमृत	प्रोफेसर	पीएच. डी.	04/12/1972	02/04/2013
141	सेन मित्रा सबुजकलि	प्रोफेसर	पीएच. डी.	07/08/1955	01/04/2002
142	सेनापति नरोत्तम	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/05/1961	02/04/2002
143	सेनगुप्त अस्मिता	प्रोफेसर	पीएच. डी.	31/12/1958	27/09/2010
144	सेनगुप्ता सर्बजीत	प्रोफेसर	पीएच. डी.	06/08/1959	30/09/2002
145	सिंह मंजु रानी	प्रोफेसर	पीएच. डी.	17/01/1956	05/02/2005
146	सिनहा देबेतोश	प्रोफेसर	पीएच. डी.	24/08/1963	31/12/2009

प्रोफेसरों की सूची					
क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
147	सिन्हा शुभ्रत	प्रोफेसर	पीएच. डी.	20/11/1967	31/05/2015
148	सिन्हाबाबू शांति प्रसाद	प्रोफेसर	पीएच. डी.	11/02/1957	19/09/2006
149	सोरेन बिनय कुमार	प्रोफेसर	पीएच. डी.	04/02/1965	07/02/2009
150	तिवारी मुक्तेश्वर नाथ	प्रोफेसर	पीएच. डी.	01/03/1964	05/03/2007
151	त्रिपाठी चक्रधर	प्रोफेसर	पीएच. डी.	08/04/1960	27/07/2006

सह आचार्यों की सूची					
क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
1	बाग बिधान चंद्र	सह आचार्य	पीएच.डी.	19/11/1969	01/07/2013
2	बैराग्य श्यामसुंदर	सह आचार्य	पीएच.डी.	30/10/1973	17/10/2014
3	बालाचंद्रण एस	सह आचार्य	पीएच.डी.	17/01/1971	15/09/2015
4	बर्मन अनुप	सह आचार्य	पीएच.डी.	18/01/1970	04/04/2008
5	बासु श्रीला	सह आचार्य	पीएच.डी.	22/10/1972	12/03/2013
6	बासू सुदेव प्रतिम	सह आचार्य	पीएच.डी.	29/03/1973	19/06/2013
7	भंद विशाल सी	सह आचार्य	एम. एससी. इन टेक्सटाइल्स	23/05/1973	19/07/2007
8	भट्टाचार्य कौशिक	सह आचार्य	पीएच.डी.	17/11/1965	22/08/2010
9	भट्टाचार्य मौसुमि	सह आचार्य	पीएच.डी.	21/02/1972	28/01/2013
10	बिश्वास अमित कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	20/02/1975	11/11/2014
11	बिश्वास पबित्र कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	15/04/1974	10/08/2013
12	बिश्वास राजर्शी	सह आचार्य	एमबीए	22/11/1971	30/06/2014
13	बिश्वास सुदर्शन	सह आचार्य	पीएच.डी.	04/12/1966	15/05/2013
14	चक्रबर्ती मंजरी	सह आचार्य	पीएच.डी.	07/03/1971	30/07/2011
15	चटर्जी जयंत कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	21/07/1959	01/01/2006
16	चटर्जी सुतानु	सह आचार्य	एमएफए	03/11/1968	12/06/2012
17	चट्टोपाध्याय वेना सौम्यदीप	सह आचार्य	पीएच.डी.	21/11/1977	23/06/2016
18	चौधुरी प्रबीर कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	15/10/1961	11/03/2015
19	चुनारी सोमा	सह आचार्य	पीएच.डी.	03/11/1975	07/08/2015

सह आचार्यों की सूची					
क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
20	दास राम प्रसाद	सह आचार्य	एम.ए., ए. फिल.	20/01/1966	24/05/2008
21	दास साक्षी गोपाल	सह आचार्य	सीएफए	02/03/1964	01/01/2006
22	दास तनुका	सह आचार्य	पीएच.डी.	22/06/1956	04/12/2008
23	दुआरी बुद्धदेव	सह आचार्य	पीएच.डी.	04/12/1969	11/01/2011
24	दत्तागुप्ता अनन्या	सह आचार्य	पीएच.डी.	01/08/1974	02/07/2015
25	फैक्र मो.	सह आचार्य	पीएच.डी.	01/01/1956	17/06/2011
26	घोष अर्नब	सह आचार्य	पीएच.डी.	17/06/1975	17/08/2016
27	घोष प्रशांत कुमार	सह आचार्य	एमपीए	02/01/1964	22/03/2013
28	घोष संचायन	सह आचार्य	एमएफए	11/12/1970	15/06/2012
29	घोष संतदास	सह आचार्य	पीएच.डी.	18/05/1968	01/06/2010
30	घोष सुशांता	सह आचार्य	पीएच.डी.	20/11/1967	31/05/2009
31	गोस्वामी मेघाली	सह आचार्य	पीएच.डी.	09/07/1973	30/06/2014
32	हाजरा स्वपन	सह आचार्य	एम.ए.	22/02/1957	01/01/2006
33	इल्म रफिकल	सह आचार्य	पीएच.डी.	04/11/1957	01/01/2006
34	जेना शांतनु	सह आचार्य	पीएच.डी.	05/05/1973	23/05/2009
35	कलई मतिलाल	सह आचार्य	एमएफए	05/03/1968	30/07/2013
36	कीनी गीता ए	सह आचार्य	पीएच.डी.	01/08/1960	01/01/2006
37	खेतमालिश महेश स्वता	सह आचार्य	पीएच.डी.	02/03/1978	22/02/2014
38	खेत्री सरिता	सह आचार्य	पीएच.डी.	16/05/1963	17/05/2012
39	कुमार अमरेंद्र	सह आचार्य	पीएच.डी.	17/09/1970	11/09/2013
40	महालानोबिश देबाशीष	सह आचार्य	सीएफए	16/05/1964	01/08/2011
41	महापात्रा बनतंवि दास	सह आचार्य	एमएफए	21/08/1984	03/07/2014
42	मैत्र सुदिप्ता	सह आचार्य	पीएच.डी.	13/11/1969	21/11/2013
43	मजुमदार अर्ध्य प्रिया	सह आचार्य	पीएच.डी.	15/01/1966	09/08/2011
44	मसिल्लमनि एम मलंकारा	सह आचार्य	पीएच.डी.	02/02/1961	16/05/2009
45	मिश्रा हरेकृष्ण	सह आचार्य	पीएच.डी.	07/04/1969	13/04/2014
46	मित्रा आशीष कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	31/12/1972	17/03/2015
47	मोदक रिता	सह आचार्य	पीएच.डी.	02/11/1971	08/04/2011
48	मंदाल बिश्वजित	सह आचार्य	पीएच.डी.	15/12/1975	28/08/2014
49	मंडल गौतम	सह आचार्य	पीएच.डी.	10/09/1973	28/10/2013

सह आचार्यों की सूची					
क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
50	मंडल जयदीप	सह आचार्य	पीएच.डी.	04/01/1973	29/04/2014
51	मंडल निर्मल कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	10/06/1969	31/01/2011
52	मंडल संजय कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	15/02/1972	16/10/2015
53	मुखर्जी अर्पण	सह आचार्य	एमएफए	02/11/1977	14/06/2012
54	मुखर्जी बिकाश	सह आचार्य	पीएच.डी.	11/02/1957	01/01/2006
55	मुखोपाध्याय तथागत	सह आचार्य	एम.एससी., एम.ई.	01/10/1972	30/06/2010
56	मुखोपाध्याय रंजन	सह आचार्य	पीएच.डी.	15/08/1955	10/12/2007
57	पी मोहन कुमारन	सह आचार्य	एम.ए.	31/03/1960	05/05/2011
58	पात्र पुलक कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	23/04/1968	14/02/2014
59	पत्रेआ तंद्रिमा	सह आचार्य	एन.ए.	20/04/1964	29/01/2008
60	पॉल सुमिताभ	सह आचार्य	एमएफए	02/09/1967	29/05/2010
61	प्रमाणिक रथींद्र नाथ	सह आचार्य	पीएच.डी.	02/01/1972	19/04/2013
62	राय चौधुरी बिप्लव	सह आचार्य	पीएच.डी.	27/01/1971	02/07/2012
63	रॉय बिश्वजित	सह आचार्य	पीएच.डी.	02/01/1978	21/01/2016
64	रॉय चौधुरी परमिता	सह आचार्य	पीएच.डी.	22/05/1972	17/12/2012
65	रॉय दिपांकर	सह आचार्य	पीएच.डी.	17/09/1970	05/01/2016
66	रॉय मौलिक शंकर	सह आचार्य	पीएच.डी.	22/12/1969	06/08/2016
67	रॉय रोमित	सह आचार्य	पीएच.डी.	29/03/1969	01/01/2006
68	साहा अपर्णा	सह आचार्य	पीएच.डी.	15/07/1973	04/10/2010
69	सस्मल अतनु	सह आचार्य	पीएच.डी.	10/10/1960	01/02/2013
70	सील अजित	सह आचार्य	सीएफए	20/07/1958	12/04/2010
71	सेन अर्पिता	सह आचार्य	पीएच.डी.	30/12/1967	31/12/2010
72	सिल श्रीकांथ	सह आचार्य	पीएच.डी.	06/02/1962	07/05/2007
73	श्रीबस्तव अशीष	सह आचार्य	पीएच.डी.	01/01/1981	28/06/2014
74	ठाकुर सौरव दास	सह आचार्य	पीएच.डी.	07/11/1978	30/12/2015

सहायक प्रोफेसरों की सूची					
क्र. स.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
1	आचार्य अचिर आंशु	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	23/09/1975	08/11/2004
2	मंडल आदित्य सॉ	सहायक प्रोफेसर	नेट	08/03/1986	24/05/2009
3	ए गिरीश	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/01/1975	12/01/2013
4	अन्नद सरिता	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/12/1981	17/05/2010
5	अजिम अलिउम	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	17/08/1984	28/08/2014
6	बंद्योपाध्याय अमिताभ	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	22/06/1976	01/06/2009
7	बंद्योपाध्याय नीलांजन	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	04/08/1980	01/10/2010
8	बनर्जी आलोक	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	20/05/1960	01/08/2013
9	बनर्जी महुआ	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	16/04/1976	19/07/2007
10	बनर्जी सुभाशीष	सहायक प्रोफेसर	एम.एससी., एम. टेक.	21/09/1973	11/03/2008
11	बनर्जी त्रिश्ना	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	16/05/1955	01/06/2003
12	बारिक शाओना	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	20/08/1986	13/05/2013
13	बर्मन देबादित्य	सहायक प्रोफेसर	एम. ई.	25/04/1986	24/03/2015
14	बरुआ रिशी	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	10/09/1958	06/01/2005
15	बसाक जोली	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	03/01/1976	23/05/2009
16	बसाक उत्तम कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	28/12/1961	05/03/2012
17	सर्बाधिकारी नंदिता बसु	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/01/1961	22/03/2013
18	बासु सुमित	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	16/12/1966	08/05/2007
19	बासुमातरी भावना खजुरिया	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	02/01/1974	01/03/2013
20	बेगम नाज़निन आरा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	02/01/1973	22/08/2009
21	भगत जगदीश	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	04/01/1975	18/02/2010
22	भगवान रणवीर सुमेध	सहायक प्रोफेसर	नेट	01/06/1983	12/06/2009
23	भट्ट अत्रेया	सहायक प्रोफेसर	नेट	01/08/1976	04/06/2009
24	भट्टाचार्य गार्गी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	25/11/1976	30/10/2008
25	भट्टाचार्य नीलांजना	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	09/02/1979	28/05/2009
26	भट्टाचार्य स्वरणली	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	23/12/1977	01/02/2013
27	भट्टाचार्य धीमन	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	05/07/1981	05/09/2014
28	भौमिक कार्तिक चंद्र	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/03/1976	15/03/2010
29	मानस भुल	सहायक प्रोफेसर	एमपीए	20/02/1987	11/04/2013

सहायक प्रोफेसरों की सूची					
क्र. स.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
30	भुनिया अंजन कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	21/10/1976	07/08/2007
31	बिप्लब बिश्वास	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	02/05/1981	25/01/2014
32	बिश्वास मिलन कांति	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	18/03/1974	06/11/2008
33	बिश्वास मोहन कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	08/06/1967	07/09/2008
34	बिश्वास तापु	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	18/09/1976	11/08/2009
35	बोरो धारित्री	सहायक प्रोफेसर	नेट	08/09/1982	26/11/2012
36	बोरो जया	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	28/01/1974	19/05/2006
37	चक्रबर्ती अरानी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/07/1961	06/05/2001
38	चक्रबर्ती अनघ	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	11/08/1976	11/02/2014
39	चक्रबर्ती अरिंदम	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/04/1979	05/11/2004
40	चक्रबर्ती इशिता	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	19/10/1974	11/06/2009
41	चक्रबर्ती निहार रंजन	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	02/01/1977	05/07/2011
42	चक्रबर्ती प्रकृति	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	27/08/1972	07/03/2008
43	चंद्र अनिमेश चंद्र	सहायक प्रोफेसर	एमएमएम	26/10/1965	01/08/2013
44	चट्टर्जी कल्लोल	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	12/12/1982	20/03/2014
45	चट्टर्जी संहिता	सहायक प्रोफेसर	नेट	28/11/1984	01/02/2013
46	चट्टर्जी सुकन्या	सहायक प्रोफेसर	एम.एससी (वूड साइंस एंड टेक)	15/01/1981	23/07/2007
47	चट्टर्जी तापस	सहायक प्रोफेसर	बीए.बीएल (ऑनर्स)	28/10/1974	14/05/2006
48	चट्टोपाध्याय सुभायु	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/08/1972	08/03/2006
49	चौधुरी अनुपम	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	25/01/1982	05/12/2013
50	चौधुरी संचिता पाल	सहायक प्रोफेसर	एम.एससी., एम. टेक	30/01/1975	06/10/2008
51	दाम बोम्बा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/10/1980	12/04/2008
52	दास अज कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	19/03/1976	05/09/2005
53	दास रवींद्र कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10/04/1970	07/07/2009
54	दास शुभ्रा ज्योति	सहायक प्रोफेसर	एम.फिल.	15/02/1981	16/02/2015
55	दास अर्चना	सहायक प्रोफेसर	नेट	22/06/1974	26/11/2012
56	दास अरुनभ	सहायक प्रोफेसर	एम.ए.	11/10/1970	05/12/2003

सहायक प्रोफेसरों की सूची					
क्र. स.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
57	दास देब कुमार	सहायक प्रोफेसर	बी.कॉम.	04/01/1970	11/05/2007
58	दास देबशीष	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	28/12/1975	24/11/2012
59	दास निलांजना	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	13/05/1969	01/03/2009
60	दास रंजित	सहायक प्रोफेसर	नेट	06/08/1978	13/06/2009
61	दास सीताराम	सहायक प्रोफेसर	बी.ए.	02/01/1975	30/07/2013
62	दास सुदिप्ता	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	11/11/1987	10/08/2009
63	दास सुदिप्ता	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	25/02/1977	10/08/2009
64	दासगुप्ता अंशुमन	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	14/07/1967	24/08/1997
65	दासगुप्ता सब्यसाची	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/01/1973	04/09/2009
66	दत्ता काकली	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	17/01/1974	16/08/2005
67	देब प्रहलाद	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	09/01/1981	26/11/2012
68	देबनाथ संदीप	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/04/1986	02/03/2015
69	देओरी बिना गांधी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	03/11/1979	01/06/2007
70	देवी तख्खेल्लमबम ज्ञानपति	सहायक प्रोफेसर	बी.ए.	01/01/1965	30/07/2013
71	दे बिश्वजित	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	16/10/1981	25/09/2009
72	दे नरोत्तम	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	05/05/1976	16/06/2009
73	धर कमल	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	17/02/1962	07/11/2004
74	धारा अमित कुमार	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	04/02/1968	18/03/2012
75	दत्त दास अर्पिता	सहायक प्रोफेसर	एम.फिल.	16/09/1976	26/02/2012
76	दत्त प्रिया ब्रत	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	05/05/1985	01/09/2014
77	गचुई रंग्या	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	17/11/1974	28/05/2009
78	घोष अतिग	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	09/07/1981	26/11/2013
79	घोष मानस	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	07/09/1977	21/01/2010
80	घोष प्रितम	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	24/10/1979	01/05/2015
81	घोष संदीप कुमार	सहायक प्रोफेसर	नेट	03/02/1964	29/04/2009
82	घोष शिल्पी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	28/08/1980	14/09/2013
83	घोष आशीष	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	19/01/1972	29/05/2006
84	घोष ज्योति रतन	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	07/08/1978	21/05/2009
85	घोष तिर्थाकर	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/02/1979	15/05/2008
86	गुईन लक्ष्मी नारायण	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	28/12/1977	11/11/2010

सहायक प्रोफेसरों की सूची					
क्र. स.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
87	गुप्ता जोशी हेमा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/12/1974	01/09/2007
88	गुप्ता कृष्णेंदु	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	02/09/1967	01/07/2011
89	हाज़रा अलकनंदा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	08/07/1975	01/06/2010
90	हालदर बिश्वजित	सहायक प्रोफेसर	नेट	16/02/1976	31/05/2009
91	हामदानी साजद हुसैन	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	26/05/1971	02/05/2013
92	हंसदा सनत	सहायक प्रोफेसर	एम.ए.	08/12/1981	21/05/2009
93	हंसदा कल्याण	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	20/12/1980	25/06/2009
94	हेमब्रम रामु	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10/11/1979	04/03/2011
95	जैसवाल निलमनी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	06/01/1986	23/03/2012
96	जेना सरत कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	05/05/1973	23/05/2009
97	के सुचिंद्रनाथन पी	सहायक प्रोफेसर	एमपीए	27/03/1984	11/03/2012
98	कांदास्वामी पी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/12/1973	15/04/2010
99	खांगुरा अबिर सिंह	सहायक प्रोफेसर	बी.ए.	27/03/1976	01/08/2013
100	खर्मवलोंग लवंशैवा	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	01/03/1985	30/11/2012
101	कुमार राम प्रमल	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	04/10/1971	17/03/2011
102	कुमार अर्जुन	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	05/12/1980	29/05/2009
103	कुमार मुकुंद पी	सहायक प्रोफेसर	डिप्लोमा इन एमसीएम	20/05/1969	27/08/2004
104	कुमुद श्रुति	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	06/06/1988	02/02/2013
105	कुंडू देबदास	सहायक प्रोफेसर	नेट	04/01/1970	14/06/2009
106	कुंडू मनिक चंद्र	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	03/01/1980	01/02/2013
107	कुंडू राकेश	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	26/09/1978	21/12/2012
108	कुसुम हेम	सहायक प्रोफेसर	नेट	13/08/1973	13/06/2005
109	लाहा मौमिता	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	17/02/1985	05/10/2013
110	लिंडा मडी	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	06/11/1983	22/11/2012
111	लोख्रो अदानी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	16/08/1972	15/07/2007
112	माईती सरन इशिका	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/11/1980	02/07/2009
113	माईती चित्रलेखा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	06/03/1982	15/05/2010
114	माईती स्वपन कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	02/08/1973	25/03/2008
115	माजी स्वरूप कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/03/1981	27/12/2014

सहायक प्रोफेसरों की सूची					
क्र. स.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
116	माझी नबकुमार	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	25/01/1974	07/05/2007
117	मजुमदार शुभायु सेन	सहायक प्रोफेसर	एमपीए	20/08/1980	01/08/2013
118	मजुमदार सैमिक नंदी	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	25/10/1966	10/11/2001
119	मल्लिक मनोजित	सहायक प्रोफेसर	एमपीए	11/09/1966	04/03/2008
120	मैमेन स्तुति	सहायक प्रोफेसर	नेट	12/01/1991	26/08/2014
121	मंडल सौमि	सहायक प्रोफेसर	एम.फिल.	04/04/1984	17/07/2014
122	मंडोली सुधि	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	31/05/1983	20/09/2010
123	मांझी धनेश्वर	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	05/06/1975	29/05/2009
124	मिश्रा अमर प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	27/09/1973	01/03/2009
125	मित्रा सेंटू	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/01/1982	06/03/2014
126	मोक्तान अनामिका	सहायक प्रोफेसर	एम.ए	27/11/1985	11/03/2011
127	मंडल बितान	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	09/04/1986	29/11/2012
128	मंडल सुजय	सहायक प्रोफेसर	नेट	23/05/1991	12/03/2015
129	मंडल भोलानाथ	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	11/09/1979	16/07/2009
130	मंडल नंदलाल	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	22/09/1976	13/05/2013
131	मंडल पलाश	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	29/12/1972	21/02/2006
132	मंडल छाया रानी	सहायक प्रोफेसर	एमपीए	12/01/1970	17/07/2007
133	मंडल सानंदा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	24/11/1985	26/11/2012
134	मंडल सुछंद	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/08/1976	15/06/2008
135	मंडल सुदीप कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	31/12/1980	28/04/2012
136	मंडल स्वपन कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	06/04/1973	04/11/2008
137	मुखर्जी अमर्त्य	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	05/07/1978	20/01/2014
138	मुखर्जी अशोक	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	11/01/1980	16/05/2015
139	मुखर्जी बसंत	सहायक प्रोफेसर	एमपीए	03/12/1968	04/03/2008
140	मुखर्जी बुद्धदेव	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	28/01/1972	15/09/2009
141	मुखर्जी पायल	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10/04/1983	22/05/2009
142	मुखर्जी सोमा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/03/1975	24/06/2010
143	मुखर्जी सुतापा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	21/09/1977	31/12/2012
144	मुखोपाध्याय मनिनी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	30/12/1972	23/03/2013
145	मुखोपाध्याय सौमाल्या	सहायक प्रोफेसर	नेट	26/10/1987	31/12/2012

सहायक प्रोफेसरों की सूची					
क्र.स.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
146	मुर्मू दुखिया	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	23/11/1972	10/05/2010
147	मुर्मू मंसाराम	सहायक प्रोफेसर	नेट	04/03/1972	17/05/2010
148	एन राजेश मेनोन	सहायक प्रोफेसर	डिप्लोमा इन एमसीएम	25/05/1978	13/06/2009
149	नाज़ फर्हा	सहायक प्रोफेसर	नेट	01/01/1984	19/08/2013
150	नंदन अंबरीश	सहायक प्रोफेसर	एमबीए	19/12/1972	11/10/2007
151	नंदी महाश्वेता	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	06/11/1980	17/03/2009
152	नर्जरी रिशव गंधार	सहायक प्रोफेसर	नेट	19/08/1980	25/02/2012
153	नेगी नोरबु ग्यलत्सेन	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	11/06/1978	22/07/2013
154	नुतन निपुन	सहायक प्रोफेसर	नेट	26/11/1985	17/03/2020
155	ओझा रेखा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10/12/1976	24/03/2011
156	पी प्रेम्या वी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	24/05/1984	20/03/2011
157	पाल अरुप	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	20/10/1989	20/03/2020
158	पाल मधुसूदन	सहायक प्रोफेसर	एम.एससी., एमटेक.	06/07/1985	08/01/2013
159	पाल निखिल	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/05/1985	01/03/2012
160	पाल सुकुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	03/11/1966	01/03/2012
161	पांडा देबाशीष	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	24/08/1977	18/03/2010
162	पाण्डेय बिश्वजित	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	29/12/1976	25/07/2009
163	पंडित स्वपन कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	06/01/1974	09/04/2009
164	पटेल सस्मिता	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	16/04/1977	01/12/2012
165	पट्टुलिया प्रमिला	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	11/05/1977	26/05/2007
166	पौ पुम ख्रान	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	24/03/1974	13/06/2009
167	पौल तनुश्री	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी. (भूगोल)	06/11/1982	11/03/2014
168	फिरंगी प्रशांत	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/07/1982	30/11/2012
169	प्रभाकर मृत्युंजय कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/03/1979	18/02/2014
170	प्रामाणिक कालिपद	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	09/10/1973	07/07/2006
171	प्रसाद उमाकांत	सहायक प्रोफेसर	नेट	01/01/1983	14/07/2014
172	प्रजापति मनोज कुमार	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	04/04/1972	27/05/2006

सहायक प्रोफेसरों की सूची					
क्र. स.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
173	रहमान अतिक्रर	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	12/10/1975	17/03/2011
174	राजन के मवाली	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	07/04/1973	15/06/2007
175	रामाचंद्र एन रंजिनी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	21/03/1976	05/11/2013
176	राना सौरव	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	20/03/1986	26/11/2013
177	रथ जनानेंद्र	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10/06/1976	24/05/2007
178	रथ सनत कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	23/01/1974	23/08/2004
179	राय सप्तर्शि	सहायक प्रोफेसर	एमपीए	22/11/1981	23/03/2013
180	रॉय जलिका माईथी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	17/01/1972	30/09/2014
181	रॉय मौसुमी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10/04/1969	10/12/2008
182	रॉय प्रोह्लाद	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	27/06/1975	29/08/2004
183	रॉय सुभाश चंद्र	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	12/11/1967	08/12/2005
184	रॉय सुभाशीष	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	09/01/1974	12/08/2007
185	रॉय सुरजित	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	04/07/1976	26/03/2013
186	रॉय तपन	सहायक प्रोफेसर	एमपीए	03/10/1954	30/07/2013
187	रॉय चौधुरी वाई सुचिरा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	12/12/1974	08/04/2013
188	एस सेंथिल प्रकाश	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	17/05/1985	11/03/2011
189	साहा अनिंदिता	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	02/01/1977	17/08/2008
190	साहा प्रसेनजित	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	30/10/1981	05/08/2013
191	साहा समिरन	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	26/11/1975	09/01/2010
192	साहा सुदेशना	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	17/02/1984	19/03/2012
193	साहजहा एसके	सहायक प्रोफेसर	एडीएफ	01/03/1974	25/02/2012
194	सहनी सलिल	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	30/10/1962	26/10/2006
195	साहू इंद्रमणी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	17/04/1976	01/03/2013
196	साहू प्रसांत कुमार	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	12/06/1968	15/10/2001
197	साहू प्रिथिदिपा	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	25/10/1979	28/12/2012
198	सैकिया संगिता	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/02/1977	09/06/2007
199	सैकिया सुर्ज्या कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10/10/1975	12/06/2009
200	सैमुइल एम पी टेरेंस	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	14/07/1975	16/07/2009
201	संगवान अदिति गनीव	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	24/01/1981	30/06/2014
202	शंकरनारायण एन एन पी	सहायक प्रोफेसर	डिप्लोमा इन	19/03/1959	30/07/2013

सहायक प्रोफेसरों की सूची					
क्र.स.	नाम	पदनाम	योग्यता	जन्मतिथि	नियुक्ति तिथि
			एमसीएम		
203	संत्रा सुभ्रांग्सु	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	21/09/1974	01/12/2012
204	सान्याल शुभश्री	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	19/09/1985	01/01/2013
205	सरकार कादेर अली	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/02/1987	20/08/2015
206	सरकार मृणाल कांति	सहायक प्रोफेसर	बीएफए	11/12/1964	13/05/2007
207	सरकार नारायण चंद्र	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10/01/1976	01/01/2013
208	सरकार सुदिप्ता	सहायक प्रोफेसर	नेट	13/05/1985	21/11/2013
209	शेख मो मोतिन	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	17/03/1973	12/10/2007
210	सेनगुप्ता श्यामली	सहायक प्रोफेसर	एम.एससी.	02/11/1967	25/07/2004
211	शर्मा मनोज कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/07/1980	02/08/2013
212	सिद्दिक़ी मो शाहीर	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	23/09/1975	29/05/2010
213	सिकदर प्रार्थ प्रतिम	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	14/01/1961	13/06/2005
214	सिकदर उत्तम कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	17/01/1973	13/03/2006
215	सिंह बुला	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	15/11/1976	23/09/2007
216	धाकरे दिग्विजय सिंह	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	01/11/1975	06/03/2012
217	सिंह मोईरंगथम थोमस	सहायक प्रोफेसर	एमएफए	01/01/1972	05/03/2012
218	सिंह राज कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	28/01/1972	30/03/2013
219	सिं उमेश कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	02/04/1975	23/03/2009
220	सिन्हा चिरंजीब	सहायक प्रोफेसर	नेट	12/03/1972	16/09/2009
221	सोरेन तपन	सहायक प्रोफेसर	नेट	31/12/1978	03/03/2011
222	स्वाई किशोर चंद्र	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	12/10/1980	10/04/2012
223	स्वाई प्रीतिलक्ष्मी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	26/07/1976	28/05/2009
224	टेनज़िन शेडप	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	11/04/1964	26/03/2007
225	ठाकुर सुभाश कुमार	सहायक प्रोफेसर	नेट	26/01/1991	12/03/2020
226	थंडर अभिजीत	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	27/02/1984	27/02/2014
227	टुडू सुभाश चंद्र	सहायक प्रोफेसर	नेट	05/01/1978	25/03/2007
228	वी राजेश के	सहायक प्रोफेसर	नेट	29/04/1973	19/03/2012
229	वर्मा अमित कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10/12/1983	09/07/2009
230	वाई वासुदेव राव	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10/07/1974	03/08/2009
231	याधव भैरु लाल	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	14/03/1981	17/03/2011

सहायक प्रोफेसरों की सूची					
क्र. स.	**नाम**	**पदनाम**	**योग्यता**	**जन्मतिथि**	**नियुक्ति तिथि**
232	यादव शर्मिला	सहायक प्रोफेसर	नेट	25/08/1981	13/03/2012
233	ज़ंग्पो सोनम	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	20/06/1979	24/03/2011
234	निंगथौजम रेखा	सहायक प्रोफेसर	नेट	29/07/1995	20/03/2020

संकाय सदस्यों की तालिका
माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक संस्थान

पाठ-भवन

बोधिरूपा सिन्हा (प्रिंसिपल) एम.ए. (अर्थ.), बी.एड.

अंग्रेजी

अमिताभ मुख़र्जी	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी	अंग्रेजी भाषा शिक्षण
अभिजीत सेनगुप्ता	एम.ए., बी.एड., पीजीडीटीई	
सुरोजित सेन	एम.ए., बी.एड.	शास्त्रीय त्रासदी
सरद बासु मुखोपाध्याय	एम.ए., बी.एड., डिप.	अमेरिकन साहित्य
श्रीमयी घोष	एम.ए., बी.एड.	
संगिता हेमब्रम	एम.ए., बी.एड.	
सुरंजिमा साहा	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	अमेरिकन साहित्य
उमा चट्टर्जी	एम.ए., बी.एड.	शास्त्रीय साहित्य

बांगला

निलय राय	एम.ए., एम.फिल, बीटी, पीडीडीएई	भाषा विज्ञान
श्यामाप्रसाद चटर्जी	एम.ए., पीएच.डी.	
चंद्रानी मुख़र्जी	एम.ए., एम.एड, संगीत (एच.सी. एंड आर.एस.) 19 वें सेन. बंकिम चंद्र	
सोनाली चक्रवर्ती (मजुमदार)	एम.ए., बी. एड. संगीत (एच.सी. एंड आर.एस.) 19 वां सेन.	

बंकिम चंद्र

निबिर कुमार घोष	एम.ए., बी.एड.
अनुराधा साहा	एम.ए., बी.एड.
देबलीना दलाल	एम.ए., बी.एड.
समीर देबनाथ	एम.ए., बी.एड.
राख़ी सरकार	एम.ए., बी.एड.
तरित रायचौधुरी	एम.ए.
हराधन सोरेन	एम.ए.

गणित		
सुभ्रांशु सेन	एम.एससी, बी.एड.	क्वांटम मेकैनिक्स एंव एटोमिक थ्योरी
तारक नाथ साहा	एम.एससी, बी.एड., पीएच.डी.	व्यवहारीक गणित
पत्रलेखा दत्त सरकार	एम.एससी, बी.एड.	शुद्ध गणितम
मधुसूदन मंडल	एम.एससी, बी.एड.	व्यावहारिक गणित
सुतापा साहा	एम.एससी, बी.एड.	व्यावहारिक गणित
नम्रता भट्टचार्या	एम.ए., बी.एड.	शुद्ध गणित
ज्योतिर्मयनाथ रोल	एम.एससी, बी.एड. पीएच.डी.	व्यावहारिक गणित
संगीत		
मौसमी दास	एम.म्यूजिक, बी.एड	रवीन्द्र संगीत
करुणामय मजूमदार	एम. म्यूज़िक	
नृत्य		
सुजाता मित्र	बी.म्यू (मणिपुरी)	पणिपुरी नृत्य
देबब्रत मुखर्जी	बी. म्यू, नृत्य एवं संगित विशारद	
कला एवं शिल्प		
रति बसु	बी.फाइन (पेंटिंग), एम.फाइन (ग्राफिक)	
कालीचरण हेम्ब्रम	एम.एफ.ए. (पेंटिंग)	पेंटिंग
स्त्रबनी भट्टाचार्य	बी. फाइन (कपड़ा)	
जयंत मंडल	बी. एफ.ए., एम.एफ.ए. (पेंटिंग)	
प्रिति. सी. नार्टियांग	बी.एफ.ए., एम.एफ.ए. (कपड़ा), पीएच.डी.	कपड़ा डिजाइन
भौतिकी		
बुलबुल कोनार	एम.एससी. बी.एड.	संघनित पदार्थ भौतिकी
सुचित्र चक्रवर्ती	एम.एससी, एम.एड.	परमाणु भौतिकी, क्वांटम फील्ड सिद्धांत और एप्ला
कुमार विक्रांत बसाक	एम.एससी., बी.ड., एम.ए. (शिक्षा)	परमाणु और आणविक भौतिकी
रसायन शात्र		
अनिमेश घोष	एम.एससी., बी.एड, पीएच.डी	आर्गेनिक केमिस्ट्री
जीवन विज्ञान		
छत्रपति मुर्मू	एम.एससी., बी.एड.	
सुनील कुमार मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	
लोपामुद्रा सेन	एम.एससी., बी.एड.	जीवन विज्ञान (प्राणी विज्ञान)
भूगोल		
सुष्मिता गुह रॉय	एम.एससी, (भूगोल), एएच.डी.	पर्यावरण भूगोल

किशोर भट्टाचार्य	एम.ए., बी.एड.	
इतिहास		
शिल्पी मुखोपाध्याय	एम.ए., एम.फिल, बी.एड.	
संस्कृत / हिंदी		
देबेंद्र पाण्डे	एम.ए. (डबल), पीएचडी.	प्रेमचंद और भारतीय दर्शन
सोनाली गांगुली	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	
अनिन्दिता अग्रवाल	एम.ए., बी.एड.	
सुश्री अल्पना धीबर	एम.ए., बी.एड.	
अर्थशास्त्र		
सर्बरी दत्ता	एम.एस.सी., एम.फिल.	आर्थिक सिद्धांत
गृह विज्ञान		
चैताली घोषाल	एम.एससी, एम.ए. (शिक्षा), डिप्ल. (डाइट)	
मृणालिनी आनंद पाठशाला		
प्रिया हलदर	एम.ए., मोटेंसरी	
सुतापा प्रमाणिक मजूमदार	एम.ए., बी.लिब, मोंटेसरी	
अध्ययन पर्यवेक्षक		
नेमाई शंकर चक्रबर्ती	एम.एससी, बी.एड.	
पार्थ प्रतिम रॉय	एम.ए., बी.एड.	
गृह अध्यक्ष		
पार्थ चक्रबर्ती	एम.ए., बी.एड.	
धातु शिल्प		
शारीरिक शिक्षा		
बिश्वजीत बीर	बी.पी.ई., एम.पी.ई.	
दर्शनशास्त्र		
रुमा दास हाजरा	एम.ए., बी.एड.	
सांख्यिकी		
अनिल बरन मंडल	एम.एससी (सांख्यिकी एवं गणित), पीएचडी, संचालन अनुसंधान और अनुमानित एल्गोरिदम	
राजनीति विज्ञान		
दिपाली घोष	एम.ए., एम.फिल.	समकालीन भारतीय, समाज एवं राजनीति
शिक्षासत्र		
जयंत कुमार भट्टाचार्य	एम.एससी., पीएच. डी., एम. एड.	एक्स-रे और क्रिस्टलोग्राफी बंगाली
श्रीनिवास घोष	एम.ए., बी.एड., पीएच. डी.	
श्रीमती सिउली सिन्हा	एम.ए., पीएच.डी.	

मो. मोजहरुल हामिद	एम.ए., बी.एड.	
श्रीमती निबेदिता शाहा	एम.ए., बी.एड.	
इकबाल जहाँगीर	एम.ए., बी.एड., एम.एड.	
श्रीनिबास घोष	एम.ए., बी.एड.	
अंग्रेज़ी		
असीम कुमार मजूमदार	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	लघु कथाएँ और तुलनात्मक साहित्य (28.02.2019 तक अधिवर्षिता)
श्रीमती मिताली दे सरकार	एम.ए., बी.एड., पीजीडीटीई ईएलटी	
श्रीमती अचीना मजूमदार	एम.ए., बी.एड., ईएलटी	
श्रीमती तमाली मजूमदार	एम.ए., बी.एड.	फ्रेंच अंग्रेजी भाषा में प्रमाण पत्र
दिब्येंदु चंद्र देहूरी	एम.ए., पीजीडीसीई (दैदराबाद) ईएलटी और भाषा विज्ञान	
गिरीश चंद्र देहुरी	एम.ए., बी.एड., ईएलटी और भाषा विज्ञान	
श्रीमती तृप्ति घोष	एम.ए., बी.एड.	भूगोल
सुमन चक्रबर्ती	एम.ए., बी.एड.	अंग्रेजी
भूगोल		
श्रीमती तृप्तो घोष	एम.ए., बी.एड.	गतिशील भू-आकृति विज्ञान
श्रीमती गार्गी घोष	एम.ए., बी.एड.	जनसंख्या भूगोल
अविक घोष	एम.ए.	मानव भूगोल
इतिहास		
सौमेन सेनगुप्ता	एम.ए., बी.एड.	भारतीय इतिहास में 18 वीं शताब्दी
देवव्रत बरात	एम.ए., बी.एड., एम. एड	18 वीं सदी का भारतीय इतिहास और रचनात्मकता कला का इतिहास
जीवन विज्ञान		
रितुपर्णा चार	एम.एससी, बी.एड.	पौध संरचणा विज्ञान
कृष्णेंदु दे	एम.एससी, बी.एड.	परागण जीव विज्ञान
गौतम साहा	एम.एससी, बी.एड., एम.ए.	पर्यावरण विज्ञान एवं अध्यापक शिक्षा
गणित		
संदीप कुमार भगत	एम.एससी, बी.एड.	गणित इतिहास एवं गणित शिक्षा
गोपीनाथ मंडल	एम.एससी, बी.एड., पीएच.डी.	द्रव मशीन और जटिल बीजगणित
गणेश मंडल	एम.एससी, बी.एड., पीएच.डी	क्वांटम मैकेनिक्स
श्रीमती जयश्री साहा	एम.एससी, बी.एड.	जैव गणित सांख्यिकी
रुद्र प्रसाद सिन्हा	एम.एससी, बी.एड., एम.ए., पीएचडी.	सांख्यिकी भौतिक शास्त्र
श्रीमती शम्पा रॉय	एम.एससी, बी.एड.	भौतिक विज्ञान की ठोस अवस्था
पार्थसारथी चटर्जी	एम.एससी, एम.एड.	मल्टीमीडिया रसायन शास्त्र

अरूप भट्टाचार्य	एम.एससी, बी.एड., पीएच.डी.	भौतिक रसायन शास्त्र
प्रदीप सोरेन	एम.एससी, बी.एड.	अकार्बनिक रसायन शास्त्र
अर्थशास्त्र		
सुब्रत सिन्हा	एम.एससी., एम.फिल	उन्नत अर्थशास्त्र सिद्धांत
संस्कृत		
श्रीमती आनंदमई मंडल	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी	काव्य
श्रीमती कंचन दासगुप्ता	एम.ए., बी.एड.	
बिजली		
संगीत		
दर्शनशास्त्र		
श्रीमती संगीता सरकार	एम.ए., एम. फिल	विकास नैतिकशास्त्र
दिन्दी / संस्कृत		
प्रिया पाठक	एम.ए., बी.एड.	
बुनाई		
श्रीमती पूर्णलक्ष्मी घोष	बी.ए., बुनाई में प्रमाण पत्र प्राप्त	
चित्रकला		
बिश्वदीप दास	एमएफए चित्रकला	
शारीरिक शिक्षा		
श्रीमती वंदना हाजरा	एमएफए एथलेटिक्स	
सोमनाथ मेहाना	बी.पी.एड.	फ़ुटबॉल
राजनीति शास्त्र		
सुमंत दास	एम.ए., बी.एड.	
संतोष पाठशाला		
सुभ्रोज्योति दत्ता	एम.एससी., बी. एड.	गणित
सुदीप्त सेन	एम.ए., बी.एड.	
अंजलि रॉय	एम.एससी, बी.एड.	
गोपीनाथ मंडल	एम.एससी, बी.एड., पीएच.डी.	द्रव्य यांत्रिकी और जटिल बीजगणित

परिशिष्ट-घ

विश्वभारती संसद (कोर्ट) के सदस्य

क्रम. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
i)	आचार्य (कुलाधिपति)	श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी
ii)	उपाचार्य (कुलपति)	प्रो. विद्युत चक्रबर्ती
iii)	सह-उपाचार्य (उप कुलपति)	रिक्त पद
iv)	अध्यक्ष निदेशक, शैक्षणिक नवाचार और ग्रामीण पुनर्निर्माण	रिक्त पद
v)	संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंध निदेशक	रिक्त पद
vi)	शारीरिक शिक्षा, खेल, राष्ट्र सेवा और छात्र कल्याण निदेशक	रिक्त पद
vii)	भवनों के अध्यक्ष	1. अध्यक्ष, भाषा भवन
		2. अध्यक्ष, विद्या भवन
		3. अध्यक्ष, शिक्षा भवन
		4. अध्यक्ष, कलाभवन
		5. अध्यक्ष, संगीत भवन
		6. अध्यक्ष, पाठ भवन
		7. अध्यक्ष, पल्ली शिक्षा भवन
		8. अध्यक्ष, पल्ली संगठन विभाग
		9. अध्यक्ष, विनय भवन
		10. अध्यक्ष, शिक्षासत्र
viii)	ग्रंथगारिका (पुस्तकाध्यक्ष)	पुस्तकाध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय
ix)	छात्र परिचालक (कुलानुशासक)	कुलानुशासक
x)	पल्ली संगठन विभाग के अध्यक्ष	
xi)	ग्रंथन विभाग के अध्यक्ष	अध्यक्ष, ग्रंथन विभाग, विश्वभारती, 6, ए. जे. बोस रोड, कोलकाता- 700 017

क्रम. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
xii)	विभागों के अध्यक्ष	**भाषा भवन**
		1. अध्यक्ष, बंगला विभाग
		2. अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग
		3. अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
		4. अध्यक्ष, हिंदी विभाग
		5. अध्यक्ष, ओड़िआ विभाग
		6. अध्यक्ष, अरबी, फारसी, उर्दू एवं इस्लामिक विभाग
		7. अध्यक्ष, भारतीय-तिब्बत अध्ययन विभाग
		8. अध्यक्ष, जापानी विभाग
		9. अध्यक्ष, चीना विभाग
		10. अध्यक्ष, संताली विभाग
		विद्या भवन
		1. अध्यक्ष, अर्थशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र विभाग
		2. अध्यक्ष, इतिहास विभाग
		3. अध्यक्ष, ए.आई.एच.सी. एवं ए विभाग
		4. अध्यक्ष, भूगोल विभाग
		5. Head, दर्शनशास्त्र एवं धर्म विभाग
		6. प्रभारी, पत्रिकारिता एवं जनसंचार केंद्र
		7. अध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग
		शिक्षा भवन
		1. अध्यक्ष, भौतिकी विभाग
		2. अध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग
		3. अध्यक्ष, गणित विभाग
		4. अध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग
		5. अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग
		6. अध्यक्ष, सांख्रिकी विभाग
		7. अध्यक्ष, कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान

क्रम. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		8. अध्यक्ष,, जैव-तकनीकि केंद्र
		9. अध्यक्ष, पर्यावरण अध्ययन केंद्र
		कला भवन
		1. अध्यक्ष, मूर्तिकला विभाग
		2. अध्यक्ष, चित्रकला विभाग
		3. अध्यक्ष, डिजाइन विभाग
		4. अध्यक्ष, ग्राफिक कला विभाग
		5. अध्यक्ष, कला का इतिहास विभाग
		संगीत भवन
		1. अध्यक्ष, रवींद्र संगीत, नृत्य एवं नाटक विभाग
		2. अध्यक्ष, शास्त्रीय संगीत विभाग
		विनय भवन
		1. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
		2. अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग
		पल्ली शिक्षा भवन
		1. अध्यक्ष, कृषिशास्त्र विभाग
		2. अध्यक्ष, फसल सुधार बागवानी एवं कृषि वनस्पति विज्ञान विभाग
		3. अध्यक्ष, पौध संरक्षण विभाग
		4. अध्यक्ष, कृषि विस्तार विभाग एवं सांख्रिकी विभाग
		पल्ली संगठन विभाग
		1. अध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग
		2. अध्यक्ष, पल्ली चर्चा केंद्र
		3. अध्यक्ष, शिल्प सदन
		4. अध्यक्ष, आजीवन शिक्षा एवं विस्तार विभाग (आरईसी)
xiii)	वरिष्ठता चक्रानुक्रम के आधार पर प्रत्येक संस्थान से एक अध्यक्ष	**भाषा भवन**
		प्रो. कैलाश चंद्र पट्टनायक

क्रम. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		ओड़िया विभाग, भाषा भवन
		विद्या भवन
		प्रो. आशा मुखर्जी दर्शनशास्त्र विभाग, विद्या भवन
		शिक्षा भवन
		प्रो. संतब्रत चक्रवर्ती, शिक्षा भवन
		कला भवन
		श्री देबाशिस महालनोबिश, कला भवन
		संगीत भवन
		i) प्रो. टी. एस. वासुनी, संगीत भवन **[30.11.2019 तक]**
		ii) प्रो. बुद्धदेव दास, संगीत भवन, विश्वभारती **[27.02.2020 से]**
		विनय भवन
		i) प्रो. ब्रज नाथ कुंडू, विनय भवन **[31.01.2020 तक]**
		ii) प्रो. सुमंत कुमार मंडल, विनय भवन **[27.02.2020 से]**
		पल्ली शिक्षा भवन
		प्रो. आशीष कुमार चट्टर्जी पल्ली शिक्षा भवन
		पल्ली संगठन विभाग
		प्रो. प्रशांत घोष पल्ली संगठन विभाग
		पाठ भवन
		श्रीमती उमा चट्टर्जी, पाठभवन
		शिक्षा सत्र
		श्री पार्थ सारथी चट्टर्जी, शिक्षा सत्र

क्रम. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
xiv)	परिष्ठता चक्रानुक्रम के आधार पर गैर-शैक्षणिक कार्मिक का पांच प्रतिनिधि	1. श्रीबिनय भूषण दे प्रयोगशाला परिवार पल्ली शिक्षा भवन विश्वभारती
		2. श्री सुकुमार हाजरा (1) एमटीएस, विद्या भवन, विश्वभारती
		3. श्री तापस कुमार चंद्र कार्यालय सहायक, आंतरिक लेखापरीक्षा कार्यालय, विश्वभारती
		4. श्री मतिउर रहमान कार्यालय सहायक, ग्रंथन विभाग, विश्वभारती
		5. i) श्रीमती श्यामला रॉय (नैयर) उप कुलसचिव एवं कुलपति के गोपनीय सचिव **[30.04.2019 तक]** ii) श्री सुकुमार लोहार एमटीएस, उत्तरायन परिसर, विश्वभारती **[31.12.2019 तक]** iii) श्री रेनुपद दास प्रयोगशाला परिवार पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती **[27.02.2020 से]**
xv)	शिक्षा-समिति (अकादमिक परिषद) द्वारा दो छात्रों का नामांकन जिनमें से वे छात्र अध्ययन, खेल, अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ एवं सर्वंगीण विकास में प्रतिष्ठा प्राप्त किया हो अथवा जो छात्र अध्यन, ललित कला, खेलकूद, विस्तार कार्य में पूर्ववर्ती वर्ष	1. शबनम प्रवीन, पाठ भवन, विश्वभारती
		2. प्रियंका कुमारी, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती

क्रम. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
	के दौहान पुरस्कार प्राप्त किया हो अथवा कक्षा 10 या उसके उपर स्तर पर कोई पुरस्कार प्राप्त किया हो।	
xvi)	मेधा सूची क़े अधर पर उपाचार्य (कुलपति) द्वारा तीन छात्रों का नामांकन छात्र के किसी भी अनुभाग द्वारा प्रदान किया गया प्रतिनिधि जिसमें से अपूर्व दृष्ट उनका विचार : मद (XIV) के और (XV) के तहत नामांकन प्रदान करना, महिला छात्र का पर्याप्त प्रतिनिधि;	1. मिस. सोहिनी दे, पाठ भवन, विश्वभारती
		2. श्री श्यम भौमिक, शिक्षा सत्र, विश्वभारती
xvii)	संसद द्वारा पांच प्रतिनिधि, जिसमें से लोकसभा सभापति द्वारा तीन प्रतिनिधि का नामांकन एवं राज्यसभा द्वारा अपने सदस्यों के दो प्रतिनिधियों का नामांकन	**लोक सभा**
		1. श्री सुदीप बंद्योपाध्याय 72/4, एस.एन. बनर्जी रोड, कोलकाता-700 014
		2. श्रीमती लॉकेट चट्टर्जी माननीय लोक सभा सदस्य, शेरउड इस्टेट, 'ई' ब्लॉक, 'आर' आई नरेंद्रपुर, कोलकाता-700103, पश्चिम बंगाल
		3. श्री अधीर रंजन चौधुरी माननीय लोक सबा सदस्य, 9, हरिबु आर., पश्चिम, डाकघर- कोस्सिमबाजार, बरहमपुर, मुर्शिदिबाद-742102, पश्चिम बंगाल
		राज्य सभा
		1. श्री स्वपन दासगुप्त 14, तीन मूर्ति लैन, नई दिल्ली
		2. श्री हरिवंश 501, ब्रह्मपुत्र अपर्टमेंट्स, डॉ. बी.डी. मार्ग, नई दिल्ली-110001

क्रम. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
xviii)	पूर्व छात्र संघ के सदस्यों में से निर्वाचित तीन प्रतिनिधि	1. **रिक्त पद**
		2. **रिक्त पद**
		3. **रिक्त पद**
xiv)	परिदर्शक (आगंतुक) द्वारा उद्योग, श्रम, वाणिज्य, बैंगिंग एवं कृषि सहित विशेषज्ञ एवं विशेष अभिरुचि रखने वाले नामित सात प्रतिनिधि।	1. श्री कैलाश सत्यर्थी लोबेल लौरेअत, चाइल्ड राइट एक्टिविट एंड फाउंडर, बचपन बचाओ आंदोलन, एल-6, कालकाजी, नई दिल्ली-110019
		2. मि. शौर्य दोवल निदेशक, इंडिया फॉउन्डेशन सी-228, सेक्टर-44, नोएडा, उत्तर प्रदेश, 201301
		3. डॉ. अनिर्बान गांगुली निदेशक, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध, फॉउन्डेशन, 9-अशोक रोड, नई दिल्ली-110001
		4. श्री अमित मालवीय बैंकिंग एक्सपर्ट, बेंगलुरु, 6, मीना बाग, मौलाना आज़ाद रोड, नई दिल्ली-110011
		5. प्रो. इंद्रनिल मन्ना प्रोफेसर, धातुकर्म एंड सामग्री अभियंता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, खड़गपुर-721302
		6. प्रो. जनत शाह निदेशक, आईआईएम, उदयपुर, जिला-बलिचा, राजस्थान-313002
		7. डॉ. विजय भाटकर कुलाधिपति, नालंदा विश्वविद्यालय एवं पूर्व अध्यक्ष, शासक मंडल, आईआईटी, दिल्ली
xx)	प्रधान (अधिशिक्षक) द्वारा नामित व्यक्ति	श्री संजय बुधिया प्रबंध निदेशक, पैटोन ग्रुप, 3 सी कैमस स्ट्रीट, 8 वां तल, कोलकाता-700016

क्रम. सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
xxi)	आचार्य (कुलाधिपति) द्वारा नामित व्यक्ति	प्रो. अचिंत्या बिश्वास 'शुक्ति', एन-9, श्रीनगर गरिया, कोलकाता-700094
xxii)	कर्मसमिति (कार्यकारी परिषद) के अन्य सदस्य उपर्युक्त निर्दिष्ट न हो	1. डॉ. सुशोभन बनर्जी सामान्य चिकित्सक (औषधी), हारागौरितला, बोलपुर, बीरभूम
		2. प्रो. डॉ. सुजित के. घोष स्वागत चिनार, ब्लॉक-'सी', फ्लैट-3ए, चिनार पार्क, न्यू टाउन, कोलकाता-700157
		3. मि. जस्टिस सखा राम सिंह पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, 303, सी.के. दफतरी, अधिवक्ता कक्ष, भारतीय सर्वोच्य न्यायालय, तिलक लैन, नई दिल्ली-110001
		4. प्रो. (सेवानिवृत) दुलाल चंद्र घोष पश्चिमपल्ली, शांतिनिकेतन नब नालंदा स्कूल के पास
		5. प्रो. शेली भट्टाचार्या, एफएनएएस पूर्व शिक्षक, प्राणिविज्ञान विभाग विश्वभारती **[09.07.2019 तक]**
		6. श्री तन्मय रॉय चौधुरी एसआरबी 103 बी, शिप्रा रिवेरा, इंद्रपुरी, ज्ञानखंड 3, गाजीयाबाद, उत्तर प्रदेश 201014
		7. प्रो. मंजु मोहन मुखर्जी पूर्व अध्यापक, सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती
		8. प्रो. कुमकुम भट्टाचार्य पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती **[29.02.2020 तक]**

परिशिष्ट-ङ

30.03.2020 तक कर्मसमिति (कार्यकारी परिषद) के सदस्य

क्रम सं.	सदस्य	नाम
i)	उपाचार्य (कुलपति)	**प्रो. बियुत चक्रबर्ती**
ii)	सह-उपाचार्य (उप-कुलपति)	**रिक्त पद**
iii)	अध्यक्ष निदेशक, शैक्षणिक नवाचार और ग्रामिण पुनर्निर्माण	**रिक्त पद**
iv)	संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंध निदेशक	**रिक्त पद**
v)	शारीरिक शिक्षा, खेल, राष्ट्र सेवा एवं छात्र कल्याण निदेशक	**रिक्त पद**
vi)	पाठ भवन के अध्यक्ष	**श्रीमती बोधिरुपा सिन्हा**
vii)	पल्ली संगठन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, कला भवन, संगीत भवन, विद्या भवन, शिक्षा भवन एवं भाषा भवन के बीच से तीन अध्यक्ष उपाचार्य द्वारा चक्रानुक्रम, वरिष्ठता के अनुसार नामित	1. • अध्यक्ष, कला भवन, विश्वभारती **[24.10.2019 तक]** • अध्यक्ष, पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती **[25.10.2019 से]**
		2. अध्यक्ष, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती
		3. • अध्यक्ष, संगीत भवन, विश्वभारती **[24.10.2019 तक]** • अध्यक्ष, शिक्षा भवन, विश्वभारती **[25.10.2019 से]**
viii)	विश्वविद्यालय में से दो वरिष्ठ अध्यक्ष चक्रानुक्रम के द्वारा	1. • प्रो. स्वपन कुमार घोष, संगीत भवन, विश्वभारती **[31.10.2019 तक]** • प्रो. आशा मुखर्जी, विद्या भवन, विश्वभारती **[07.11.2019 से]**
		2. • प्रो. कुमकुम भट्टाचार्या, पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती, **[29.02.2020 तक]** • प्रो. कैलाश चंद्र पट्टनायक, ओड़िया विभाग, भाषा भवन, विश्वभारती **[02.03.2020 से]**

क्रम सं.	सदस्य	नाम
ix)	दो व्यक्ति जिन्हें संसद (कोर्ट) से चुना जाना है। इनके सदस्यों में से, विद्यार्थी या कर्मचारी में से कोई भी नहीं होगा।	
x)	परिदर्शक (आगंतुक) द्वारा दो व्यक्तियों का नामांकन	1. प्रो. सुजित के. घोष स्वागत चिनार ब्लॉक-'सी', फ्लैट-3ए, चिनार पार्क, न्यू टाउन, कोलकाता-700157
		2. डॉ. सुशोभन बनर्जी सामान्य चिकित्सक (औषधी), हारगौरितला, बोलपुर, बीरभूम
xi)	प्रधान (अधिशिक्षक) द्वारा नामित व्यक्ति	मि. जस्टिस सखा राम सिंह पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय
xii)	आचार्य (कुलाधिपति) द्वारा नामित व्यक्ति	प्रो. (सेवानिवृत) दुलाल चंद्र घोष पश्चिमपल्ली, शांतिनिकेतन नब नालंदा स्कूल के पास
xiii)	उपाचार्य (कुलपति) द्वारा नामित भूतपूर्व छात्र	i) प्रो. शेली भट्टाचार्या, एफएनएएस पूर्व अध्यापक, प्राणिविज्ञान विभाग, विश्वभारती **[09.07.2019 तक]**
		ii) श्री तन्मय रॉय चौधुरी एसआरबी 103 बी, शिप्रा रिवेरा, इंद्रपुरी, ज्ञानखंड 3, गाजीयाबाद, उत्तर प्रदेश 201014 **[17.02.2020 से]**
xiv)	एक पूर्व अध्यक्ष विश्वभारती के उपाचार्य (कुलपति) द्वारा नामित (जो कम से कम पाँच वर्ष तक प्रोफेसर के रुप में सेवा प्रदान किया है)।	प्रो. मंजु मोहन मुखर्जी पूर्व अध्यापक सामाजिक कार्य विभाग, पीएसवी, विश्वभारती

वार्षिक प्रतिवेदन 2019-2020

विश्वभारती

संपादकीय समिति

प्रो. मलय मुखोपाध्याय, भूगोल विभाग, विद्या-भवन, अध्यक्ष

प्रो. देबरती बंद्योपाध्याय, अंग्रेजी विभाग, भाषा-भवन

प्रो. प्रशांत चटर्जी, गणित विभाग, शिक्षा-भवन

प्रो. संतनु रॉय, प्राणीशास्त्र विभाग, शिक्षा-भवन

प्रो. सार्थक चौधरी, कृषि विस्तार विभाग, पीएसबी

प्रो. देबाशीष भट्टाचार्य, कृषि सांख्यिकी, पीएसबी

प्रो. सुजीत पाल, जीवनपर्यंत शिक्षा और विस्तार विभाग, आरईसी, पिएसवी

प्रो. शकुंतला मिश्र, हिंदी विभाग, भाषा-भवन

श्री सौम्येंद सेन, संयुक्त कुलसचिव (विकास), सचिव

प्रो. संजय मल्लिक, कला-भवन

प्रो. मुक्तेश्वर नाथ तिवारी, हिंदी विभाग, भाषा-भवन

प्रो. सब्यसाची सरखेल, संगीत भवन

डॉ. स्तुति मामेन, अंग्रीजे विभाग, भाषा-भवन

डॉ. बितान मंडल, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, पीएसबी

डॉ. अरिंदम चक्रवर्ती, सांख्यिकी विभाग, शिक्षा-भवन

डॉ. प्रसेनजीत साहा, शिक्षा विभाग, विनय-भवन

डॉ. भास्कर दास, भूगोल विभाग, विद्या-भवन

डॉ. प्रह्लाद रॉय, शिक्षा विभाग, विनय-भवन

डॉ. जयंत भट्टाचार्य, प्रिंसपल, शिक्षा-सत्र

डॉ. शंकर रॉय मौलिक, शिल्प-सदन, पीएसवी

श्री ऋषि बरुआ, कला-भवन